THE

CHATURWEDI

SANSKRIT-HINDI DICTIONARY

चतुर्वेदी

संस्कृत-हिन्दी-कोष ॥



संग्रहकर्त्ता

चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा ।

1st Edition.] [*Price Rs. 2-8-0*

श्रीः

चतुर्वेदीकोष ॥

, नागरी वर्णमाला का पहला अक्षर। इसका उच्चारणस्थान कण्ठ है। जिन शब्दों के आदि अक्षर व्यञ्जन हों, उन शब्दों से नञ् समास करने पर नञ् का केवल "अ" ही शेष रहता है उसके अर्थ—अभाव। सादृश्य। भेद। अल्पता। अप्राशस्त्य और विरोध में अ. है।

अः, (पुं.)। विष्णु। रक्षक। विष्णु चिरस्थायी और सब के रक्षक हैं इस कारण उनको "अ" कहते हैं।

अंघ्रि, (पुं.) चलने का साधन। जिससे चला जाय। पैर। पांव। चरण। वृक्षों का मूल। वृक्षों की जड़।

अंघ्रिस्कन्ध, (पु.) वृक्षों की मोटी शाखाएँ। वृक्षों का एक भाग।

अंश्, (धा. उभ.) विभाग करता है। बाँटता है। हिस्सा देता है। बँटवारा करता है। प्रेरणार्थक। णिच्, "अंशापयति" विभाग करवाता है। विभाग करने के लिये प्रेरणा करता है।

अंश, (पु.) भाग। हिस्सा। बाँट। प्राप्यधन। पिता के धन का भाग। समूह का एक भाग। राशि का एक भाग। स्कन्ध। कांधा। दो पक्षों में का एक पक्ष। काल का सूक्ष्म परिमाण विशेष। साठ कला का एक अंश होता है। अंश कल्पना। (स्त्री.) बटवारा। भाग करना। प्राप्य धन का निर्णय करना।

अंशकः, (पु.) अंश का अधिकारी। साझेदार। भागी, २ अंश। भाग। राशि का तीसवाँ हिस्सा। अंशकम्, (न.) विभाग करने का निर्णय। विभाग के भाग करने के लिये धर्मशास्त्र की आज्ञा। बटवारे का कानून।

अंशभाज्, (वि.) भाग पाने का अधिकारी। हिस्सेदार। दायी।

अंशभूत, (वि.) अंशस्वरूप। अंश बना हुआ। समूह का भाग।

अंशल, (वि.) बली। बलवान्। मोटे कन्धेवाला। दृढ़काय।

अंशविपर्तिन्, (वि.) भाग का उलट पलट होना। कन्धे की चोट।

अंशसवर्णन, (न.) विषम संख्या की राशि का तुल्य भाग करना।

अंशहर, (पु. स्त्री.) भाग का अधिकारी। हिस्सादार। दायाद।

अंशावतार, (पुं.) भगवान् का एक अवतार विशेष। एक भाग से अवतीर्ण।

अंशांशि, (क्रि. वि.) बराबर और बराबरी। भाग और भागी। हिस्सा और हिस्सावाला।

अंशिन्, (वि.) भागी। हिस्सेदार। भाग पाने का अधिकारी। अपना भाग प्राप्त करने के लिये यत्न करनेवाला।

अंशुः, (पु.) किरण। प्रभा। प्रकाश। चमक। वेग। छुरी। सूत। महीन सूत।

अंशुकम्, (न.)। महीन सूत का कपड़ा। अंगरखा। रेशमी वस्त्र।

अंशुजालम्, (न.) बहुत प्रकाश। किरणजाल।

अंशुधर, (वि.) अंशुवाले। प्रकाशमान। सूर्य चन्द्र आदि।

अंशुपट्ट, (न.) महीन सूत का बना कपड़ा। उत्तम रेशमी वस्त्र।

अंशुमत्, (वि.) प्रकाशमान। चमकीला। दीप्तिमान्।

अकरा, (स्त्री.) बिना दामकी स्त्री । आमलकी वृक्ष । आँवले का पेड़ । आँवले का सेवन करने से लोगों के दुःख दूर होते हैं इसी कारण इसका "अकरा" नाम पड़ा है ।

अकरुण, (वि.) करुणारहित । निर्दय । दयाशून्य ।

अकर्ण, (वि.) जिसके कान न हों । कर्णरहित । बहरा । बधिर । कर्ण नामक वीर का अभाव या उसका सादृश्य यहां "कर्ण" शब्द का अर्थ कान और सुनने की शक्ति दोनों हैं ।

अकर्तन, (वि.) काटने के अयोग्य । जो काटा न जाय ।

अकर्तृ, (पु.) काम नहीं करनेवाला । निकम्मा, किये हुए कर्मों का जो फल भोग न करे ।

अकर्मक, (वि.) जिसके कर्म न हो । धातु का एक भेद । अकर्मक धातु वे कहे जाते हैं, जिनका फल और व्यापार एक आश्रय में रहता हो और जिस धातु के कर्म बहुत प्रसिद्ध होने के कारण अविवक्षित हों, वे धातु भी अकर्मक होजाते हैं ।

अकर्मण्य, (वि) जो काम न करसके । काम करने के अयोग्य । नहीं काम करनेवाला ।

अकर्मन्, (वि.) बिना काम का । निकम्मा । काम करने के अयोग्य । निष्कामकर्म करने वाला ।

अकल, (वि.) कलारहित । अखण्ड । सम्पूर्ण । समस्त ।

अकलङ्क, (वि.) दागरहित । अदागिक ।

अकलङ्का, (स्त्री.) चन्द्रमा का प्रकाश । चाँदनी । अदागिक स्त्री । पातकरहित ।

अकल्कन, (वि) जिसमें दम्भ न हो । दम्भरहित । अदागिक ।

अकल्पित, (वि.) अचिन्तित । बिना बनाया हुआ । अनिर्मित । प्राकृतिक । स्वाभाविक । कल्पनाहीन । कल्पना से परे ।

अकल्य, (वि.) रोगी । व्याधित । व्याधियुक्त ।

अकल्याण, (वि.) अमङ्गल । कल्याण का अभाव ।

अकथ्य, (वि.) अवर्णनीय । जिसका वर्णन न कियाजाय । न अच्छा न बुरा ।

अकवि, (वि) निर्बुद्धि, मूर्ख ।

अकस्मात्, (अ.) सहसा । अचानक । अतर्कित । बिना ज्ञानपूर्वक ।

अकाण्ड, (वि.) बिना अवसर । बे मौके । अनुचित काल । अनवसर ।

अकाण्डजात, (वि.) अकस्मादुत्पन्न । अनवसरजात । अनुचितकाल में उत्पन्न ।

अकाण्डपात, (पुं.) अतर्कित पात । सहसा गिरना ।

अकाण्डे, (क्रि. वि.) अकस्मात् । अचानक, सहसा ।

अकाम, (वि.) कामरहित । वासनारहित । अभिलाषादि । प्रेमरहित । निष्प्रेम ।

अकामता, (स्त्री.) कामशून्यता । निष्कामता । इच्छाराहित्य ।

अकामतः, (अ.) अनिच्छा से । इच्छापूर्वक नहीं ।

अकामहत, (वि.) अनिच्छापूर्वक नष्ट । बिना इच्छा किये ही मरा हुआ ।

अकाय, (वि.) शरीररहित । अमूर्त । निराकार । शरीरहीन । राहु ग्रह ।

अकार, (वि.) काम का अभाव । क्रियारहित ।

अकार, (पु.) अक्षर ।

अकारण, (न.) कारणशून्य । बिना कारण । निष्कारण । प्रयोजनशून्य । बे मतलब ।

अकार्णवेष्टिकक, (न.) कान का एक गहना । कर्णभूषण ।

अकार्पण्य, (वि.) जिसमें कृपणता न हो । कृपणता का अभाव । उदारता । औदार्य ।

अकार्य, (न.) अनुचित कर्म । निन्दित कर्म । बुरा काम ।

अकाल, (पुं.) अनुचित काल । अनवसर ।

अंशुमत्फला, (स्त्री.) एक पौधे का नाम। कदलीवृक्ष। केले का पेड़।

अंशुमती, (स्त्री.) शालपर्णीवृक्ष। यमुनानदी का एक नाम।

अंशुमाला, (स्त्री.) किरणों की माला। किरण-समूह।

अंशुमाली, (पु.) सूर्य, चन्द्रमा। बारह की संख्या।

अंशुहस्त, (पु.) सूर्य। चन्द्रमा। सूर्य अपनी किरणों से पृथिवी से जल खींचते हैं, इस कारण उनकी १००० किरणें हाथ के समान समझी जाती हैं और वे "अंशुहस्त" कहे जाते हैं।

अंस्, (धा. उभ.) देखो अस।

अंस, (न.) कन्धा। हिस्सा। भाग। अंश।

अंसकूट, (पुं.) बृहत्स्कन्ध। बड़े कन्धेवाला।

अंसत्र, (न.) कन्धेकी रक्षा करनेवाली वस्तु। कवच।

अंसफलक, (पु.) विशाल स्कन्ध। पटरे के समान कन्धा। कन्धे का एक भाग।

अंसभारः, (अपु. स) कन्धे का भार। कन्धे का रक्खाहुआ भार।

अंसभारिक, (पु.) कन्धे पर भार रखने वाला। मजूर। कुली।

अंसल, (त्रि.) बलवान् हृष्टपुष्ट। बली।

अंह्, (धा. आत्म.) गमन। गति। जाना। चलना।

अंहतिः-ती, (स्त्री.) पापनाशक। दुरितघ्न। पापों को दूर करनेवाली क्रिया। पार-नाशक दान।

अंहस्, (न.) पाप। दुरित। प्रायश्चित्त के द्वारा नष्ट होने वाला पाप। इसी को अघम् भी कहते हैं।

[illegible] (धा चुरा.) जाना। गमन। गति। चलना।

[illegible]र्, (न.) दान का अभाव। दुःख।

[illegible]घ, (त्रि.) (न.ब.) बिना बन्धन। जिसके बन्धन न हों। स्वतन्त्र।

अकचः, (पु.) केतु ग्रहका एक नाम। जो लोक को दुःख पहुँचाने केलिये बढ़े। केतु ग्रह का उदय लोकपीड़ा के लिये प्रसिद्ध है।

अकडमचक्रम्, (न.) शुभाशुभ विचार का एक चक्र। तान्त्रिक दीक्षा का एक विधान-चक्र, जिससे मन्त्रों के शुभाशुभ का विचार किया जाता है।

अकथित, (त्रि.) नहीं कहा हुआ। अनुक्त।

अकथितकर्म, (न.) व्याकरणकी एक संज्ञा का नाम। गौणकर्म। अपादान आदि कारकों की अविवक्षा करके कर्मसंज्ञक विभक्तियां जहां होती हैं वह अकथित कर्म है।

अकनिष्ठ, (न.) छोटा नहीं। बड़ा। (पुं.) वेदनिन्दक। वेदों की निन्दा में प्रसन्न होने वाला। बौद्ध।

अकनिष्ठप, (पुं.) बौद्धों का पालन करनेवाला। बुद्ध भगवान् का एक नाम। बौद्धसम्प्रदाय का आचार्य।

अकम्पन, (त्रि.) नहीं कम्पने वाला। निर्भय। निडर। (पुं.) एक राक्षस का नाम। यह रावण की सेना का सेनापति था।

अकम्पित, (त्रि.) (न.त.) अचञ्चल। धीर। निर्भय। (पु.) जैन और बौद्धसम्प्रदाय के एक महात्मा का नाम। जैन सम्प्रदाय के अन्तिम तीर्थङ्कर का नाम। यह उनका असली नाम नहीं था। किन्तु उनके धीर होने के कारण लोगों ने उन्हें "अकम्पित" की उपाधि दी थी।

अकर, (त्रि.) बिना हाथ का। हाथरहित। अपने कर्तव्य से उदासीन। अपना कर्तव्य न करनेवाला।

अकरणम्, (न.) कार्य का अभाव। काम नहीं करना। कर्मरहित। इन्द्रियरहित। इन्द्रियशून्य।

अकरणिः, (स्त्री.) कार्य हानिका नाश। इस शब्दका प्रयोग शाप देने के अर्थ में कियाजाता है।

अकृतबुद्धि, (त्रि.) मूर्ख । अज्ञानी । अचतुर । अपटु, अनिपुण, असमीक्ष्यकारी ।

अकृतिन्, (त्रि.) अनिपुण । अनभिज्ञ । कार्याक्षम ।

अकृत्य, (न.) अकार्य । अकर्तव्य कर्म । न करने योग्य कर्म । निन्दित कर्म । बुरा काम । काम का अभाव । विना काम ।

अकृश, (त्रि.) कृश नहीं । दुबलापतला नहीं । हृष्टपुष्ट । स्थूल । न दुबला न मोटा ।

अकृशाश्व, (पुं.) अयोध्या के एक राजा का नाम । जिसके दुबले घोड़े न हों ।

अकृष्ट, (त्रि.) नहीं जोता हुआ । विना जोता खेत ।

अकृष्टपच्य, (त्रि.) धान्यविशेष । वह धान्य जो विना जोते हुए खेत में पके । जड़ही धान । तिन्नी धान ।

अकृष्टरोहिन्, (त्रि.) विना जोते खेत में उत्पन्न होने वाला अन्न ।

अकृष्ण, (त्रि.) काला नहीं । श्वेत । स्वच्छ ।

अकेतु, (त्रि.) चिह्नरहित । पताकाहीन । अज्ञान ।

अकोट, (पु.) वृक्षविशेष । गुवाकनामक वृक्ष ।

अक्का, (स्त्री.) माता । जननी ।

अक्त, (त्रि.) व्याप्ति । युक्ति । योग । परिच्छेद । सना हुआ, घिरा हुआ ।

अक्रतु, (त्रि.) यज्ञ का अभाव । निष्काम । धर्माभाव । इष्ट और अनिष्ट विषयों से विरक्तबुद्धि ।

अक्रम, (त्रि.) गमनशक्तिशून्य । पादहीन । विपर्यय । वैपरीत्य । क्रमहीनता । उलटपलट ।

अक्रिय, (त्रि.) श्रौत स्मार्त क्रिया का त्याग करनेवाला । निन्दित कर्म । निषिद्ध व्यापार । कपटी । निकम्मा । निन्दित कर्म करनेवाला ।

अक्रूरः, (पुं.) एक यादव का नाम । इनके पिता का नाम श्वफल्क, और माताका नाम गान्दिनी था । (त्रि.) अकठोर, अनिष्ठुर, क्रूर नहीं, कोपहीन ।

अक्रोधः, (पु.) क्रोध का अभाव । क्रोधशून्य । अकोप, क्रोध के कारण होने पर भी क्रोध न करना ।

अक्रोधन, (त्रि.) क्रोधरहित । क्रोधहीन ।

अक्लमः, (त्रि.) क्लमरहित थकावट से रहित । सदा परिश्रम करनेवाला । थका नहीं । सदा व्यापार में लगा हुआ ।

अक्लिष्ट, (त्रि.) क्लेशित नहीं । क्लेशरहित । अपीड़ित ।

अक्षः, (पुं.) रथ का अवयव विशेष । चक्र । धुरा । पहिया । वह लकड़ी जिसमें पहिये लगाये जाते हैं । व्यवहार । आय व्यय का हिसाब । पासा । जिससे जूआ खेला जाता है । रुद्राक्ष । बहेड़ा का वृक्ष । ज्ञान । आत्मा इन्द्रिय । रावण । सर्प । शकट । रथ । सोलह माशे । कर्ष । जन्मान्ध । गरुड़ । न्याय और ज्योतिषमें इससे ५ की संख्या जानीजाती है ।

अक्षकः, (पु.) वृक्षविशेष । तिनिश नामक वृक्ष । रावण के पुत्र का नाम । इसे अक्षकुमार भी कहते हैं ।

अक्षगण, (पु.) इन्द्रियों का समूह ।

अक्षचरण, (पु.) अक्षपाद । आचार्य गौतम का एक नाम ।

अक्षतम्, (न.) चावल । जौ । (पुं.) विना टूटे चावल, जो देवताओंको चढ़ायेजाते हैं ।

अक्षता, (स्त्री.) ककड़ासींगी वृक्ष । पुरुषसंसर्गरहित स्त्री ।

अक्षदर्शक, (पुं.) प्राड्विवाक । धर्माध्यक्ष । व्यवहारों का देखनेवाला । जज । मुंसिफ । जुआरी । पासा का देखनेवाला ।

अक्षदेविन्, (त्रि.) जुआरी । जूआ खेलने वाला । धूर्त ।

अक्षद्यूः, (पुं.) जुआरी । जूआ खेलनेवाला ।

अक्षधुरा, (स्त्री.) पहिये के आगे का भाग ।

अक्षधूर्तः, (पुं.) जुआरी । जूआ खेलने वाला । धूर्त । कितव ।

अक्षपाद, (पु.) गौतम । नैयायिकाचार्य ।

अधम समय । महँगी का समय । अयोग्य समय ।

अकाल कुसुम, (न.) बिना काल का पुष्प । जिस पुष्प के उत्पन्न होने का जो समय नहीं है उस समय में उत्पन्न हुआ पुष्प । दुःसमय का चिह्नविशेष ।

अकाल कूष्माण्ड, (पु.) अकाल में उत्पन्न हुआ कोंहड़ा ।

अकालज, (त्रि.) अकाल में उत्पन्न । बिना समय के उत्पन्न हुआ ।

अकाल-जलद, (पु.) अकाल का मेघ, वर्षाऋतु को छोड़कर अन्यऋतु का मेघ ।

अकाल-जलदोदय, (पु.) अकाल में मेघों की उत्पत्ति । बिना समय मेघों का होना । कश्मीरी कवि राजशेखर के प्रपितामह का नाम । सम्भव है यह उनका नाम न रहा हो । किन्तु उपाधि । सुभाषितावली में उद्धृत एक श्लोक से इस बात की कुछ झलक पाई जाती है ।

अकालवेला, (स्त्री.) अकालिक समय । ज्योतिष् शास्त्र में "कालवेला" एक योग का नाम है, उसका अभाव ।

अकिञ्चन, (त्रि.) जिसके पास कुछ न हो । अत्यन्तदरिद्र । महानिर्धन ।

अकिञ्चनता, (स्त्री.) सब प्रकार के धन का अभाव । निर्वेद । संसार के पदार्थों से विराग होने पर जो एक प्रकार का निर्वेद उत्पन्न होता है ।

अकिञ्चिज्ज्ञ, (त्रि.) कुछ भी न जाननेवाला । महामूर्ख ।

अकिञ्चित्कर, (त्रि.) अनावश्यक । अनर्थक । वृथा । व्यर्थ ।

अकीर्ति, (स्त्री.) अप्रशस्त कीर्ति । अनुचित कीर्ति । अनुचित कार्यों से प्राप्त कीर्ति ।

अकुण्ठ, (त्रि.) अकुण्ठित । अप्रतिहतगति । किसी काम में न रुकनेवाला । सब काम में चतुर ।

अकुण्ठित, (त्रि.) कुण्ठित नहीं । अप्रतिहत । चोखा और पैनी धारवाला ।

अकुतोभय, (त्रि.) जिसको किसी का भय न हो । निर्भय । निडर । नहीं डरनेवाला ।

अकुप्य, (न.) धन । सोना । चाँदी । सोना और चाँदी से भिन्न धन को कुप्य कहते हैं, उस से भिन्न अर्थात् सोना, चाँदी को अकुप्य कहते हैं ।

अकुल, (त्रि.) कुलभ्रष्ट । कुलहीन । उत्तम कुल का नहीं । शिव का एक नाम ।

अकुला, (स्त्री.) सती । पार्वती का नाम ।

अकुलीन, (त्रि.) उत्तम कुल का नहीं । जिसका कुल उत्तम न हो । २ मर्त्यलोकगामी नहीं । "कु" का अर्थ है पृथिवी ।

अकुशल, (त्रि.) अमङ्गल । अकल्याण अचतुर । अनिपुण, अनभिज्ञ ।

अकूपार, (पु.) समुद्र । सागर । सिन्धु । उदधि । कच्छप । कछुआ । सूर्य ।

अकूर्च, (त्रि.) बिना दाढ़ी का । गंजा । खल्वाट । (पु.) बुद्ध भगवान् ।

अकृच्छ्र, (त्रि.) अकठोर । कठिनताशून्य । सहज । सरल ।

अकृत, (त्रि.) अकर्म । कर्मशून्य । कर्म का अभाव ।

अकृतार्थ, (त्रि.) असफलमनोरथ । अपूर्णमनोरथ । मनोरथ की असिद्धि ।

अकृतास्त्र, (त्रि.) अस्त्रविद्या में अशिक्षित । अस्त्रविद्या में अनभिज्ञ ।

अकृतात्मन्, (त्रि.) जिसकी आत्मा अपने वश में न हो । निर्बुद्धि । मूर्ख जिसने ब्रह्म और आत्मा का ज्ञान नहीं प्राप्त किया है ।

अकृतोद्वाह, (त्रि.) बिना ब्याहा, क्वाँरा ।

अकृतैनस, (त्रि.) जिसने पाप नहीं किया है । पापरहित । निष्पाप ।

अकृतज्ञ, (त्रि.) अपने पर किये गये उपकार को भूल जाने वाला । कृतघ्न ।

अखिलम्, (त्रि.) समस्त। सम्पूर्ण। अखण्ड।
अखिलाधारम्, (त्रि.) ब्रह्म। समस्त संसार का आधार।
अगः, (पु.) पर्वत। वृक्ष। सरीसृप। भानु।
अगजः, (पुं.) पर्वत से उत्पन्न। (न.) शिलाजतु। शिलाजीत।
अगतिः, (पुं.) अनवबोध। न जानना। उपायरहित। बिना उपाय का।
अगदः, (पु.) औषध। (त्रि.) नीरोग। रोग नहीं।
अगदङ्कारः, (त्रि.) चिकित्सक। वैद्य। रोग दूर करनेवाला।
अगदतन्त्रम्, (न.) आयुर्वेद का एक शास्त्रविशेष। इसमें साँप, बिच्छू आदि के काटने का औषध लिखा है।
अगम, (पुं.) वृक्ष। जाने के अयोग्य। जहाँ जा न सके।
अगम्य, (त्रि.) अज्ञेय। जानने के अयोग्य। गमन के अयोग्य। जहाँ कोई पहुँच न सके।
अगस्तिः, (पु.) मुनिविशेष। एक मुनि का नाम। जिसने समुद्र को चुल्लू में रखकर पानकर लिया था। जो दक्षिण दिशा में रहते हैं। वृक्षविशेष।
अगस्तिद्रुम, (पुं.) एक वृक्षविशेष। अगस्त नामक वृक्ष। इस के रस के नास लेने से चौथिया ज्वर छूट जाता है।
अगस्त्य, (पुं.) मुनिविशेष।
अगस्त्याश्रम, (पु.) अगस्त्यमुनि का आश्रम। काशी का अगस्त्यकुण्ड नामक स्थान। मलयाचल पर्वत पर वर्तमान अगस्त्य मुनि का आश्रम।
अगाध, (त्रि.) बहुत गहरा। जिसका तल न छुआ जा सके। अत्यन्त गम्भीर। दुर्बोधाशय।
अगाधजल, (पु.) ह्रद। तालाब। (त्रि.) जिसमें अगाध जल हो।
अगार, (न.) गृह। मकान।
अगुरु, (न.) सुगन्धिकाष्ठविशेष। अगर। जो गुरु न हो—हलका।
अगोचर, (त्रि.) इन्द्रियों के अगम्य का अविषय। जो इन्द्रियों के द्वारा न जाना जाय।
अग्नायी, (स्त्री.) अग्नि की स्त्री। स्वाहा।
अग्निः, (पु.) पावक। वह्नि। वैश्वानर। अग्नि के अधिष्ठाता देवता।
अग्निकः, (पुं.) कीट विशेष। इन्द्रगोपनामक कीट।
अग्निकण, (पुं.) स्फुलिङ्ग। अग्नि के छोटे छोटे कण।
अग्निकार्य, (न.) हवन। होम।
अग्निकाष्ठम्, (न.) अगुरु। सुगन्धद्रव्यविशेष।
अग्निकोण, (न.) दिशाविशेष। पूर्व और दक्षिण के बीच की दिशा।
अग्निक्रीडा, (स्त्री.) आतशबाजी। आग का खेल।
अग्निगर्भ, (पु.) औषधविशेष। सूर्यकान्तमणि।
अग्निचित्, (पु.) अग्निहोत्री। अग्निचयन करनेवाला।
अग्निज, (पु.) अग्नि से उत्पन्न द्रव्य। सुवर्ण। सोना।
अग्निपुराणम्, (न.) एक पुराण का नाम। इसमें सोलह हजार श्लोक हैं।
अग्निप्रस्तर, (पुं.) आग को उठानेवाला पत्थर। चकमक पत्थर।
अग्निबाहु, (पु.) धूम।
अग्निभ, (न.) अग्नि के समान। आग की तरह चमकनेवाला।
अग्निभू, (पु.) कार्तिकेय।
अग्निभूतिः, (पुं.) एक प्रकार के बौद्ध।
अग्निमारुती, (पुं.) अगस्त्य मुनि।
अग्निमुख, (पु.) ब्राह्मण। देव। देवता। चित्रक।
अग्निमुखी, (स्त्री.) औषधिविशेष। भल्लातक, भिलावाँ।
अग्निमन्थम्, (न.) [illegible]। [illegible]।
अग्निविद्, (पुं.) अग्निहोत्री।
अग्निव्रत, (न.) [illegible] का कर्मविशेष।
अग्निष्टरणम्, (न.) अग्नि का [illegible]। [illegible]

अक्षपीडा, (स्त्री.) यवतिक्ता नाम की लता ।

अक्षमः, (त्रि.) असमर्थ । योग्यताहीन । अयोग्य । क्षमाहीन । क्षमारहित ।

अक्षमा, (स्त्री.) ईर्ष्या । क्षमा का अभाव ।

अक्षमाला, (स्त्री.) जपमाला । रुद्राक्ष की माला ।

अक्षयः, (पुं.) अनन्त । क्षयरहित । अविनाशी। जिसका नाश न हो । अव्यय । अक्षय्य ।

अक्षयकाल, (पु.) अनन्तकाल । अक्षयकाल के अभिमानी देवता ।

अक्षयतृतीया, (स्त्री.) वैशाख शुक्लतृतीया इसी तिथि को सतयुग की उत्पत्ति हुई है ।

अक्षयनवमी, (स्त्री.) कार्तिक शुक्लपक्ष की नवमी ।

अक्षयवट, (पुं.) अविनाशी वटवृक्ष, प्रयाग का वटवृक्ष, जो देवता समझा जाता है ।

अक्षया, (स्त्री.) तिथिविशेष । सोमवार की अमावास्या । रविवार की सप्तमी और मङ्गलवार की चतुर्थी ये अक्षया कहीजाती हैं ।

अक्षर, (पु.) अकारादि वर्ण । नाशशून्य । ब्रह्म । अविनाशी । विशेषरहित । प्रधान । कूटस्थ । नित्य ।

अक्षरचण, (पुं.) उत्तम लिखनेवाला । लेखक ।

अक्षरजीविकः, (पु.) कायस्थजाति । लिखके जीनेवाला । लेखक ।

अक्षरतुलिका, (स्त्री.) लेखनी । लिखने का साधन ।

अक्षरपङ्क्तिः, (स्त्री.) छन्दविशेष । इसछन्द में एक मगण और दो गुरु होते हैं ।

अक्षरविन्यास, (पुं.) लेख । लेखन । अक्षरों का लिखना ।

अक्षवती, (स्त्री.) एक प्रकार के जुए का खेल । चौपड़ ।

अक्षवाट, (पु.) युद्धभूमि । लड़ने का स्थान । अखाड़ा ।

अक्षशौण्ड, (पु.) पक्का जुआरी, जुआ खेलने में चतुर ।

अक्षसूत्रम्, (न.) जपमाला । जप करने की माला ।

अक्षाग्रकीलक, (पुं.) रथ के पहिये को रोकने की कील ।

अक्षान्तिः, (स्त्री.) दूसरे का उत्कर्ष न सहना, ईर्ष्या । क्षमा न करना ।

अक्षि, (न.) नेत्र । आँख ।

अक्षिगत, (त्रि.) आँखों पर चढ़ा हुआ । द्वेष्य । शत्रु । विरोधी ।

अक्षीणः, (त्रि.) पूर्ण । अदीन । क्षीण नहीं । एक प्रकार का यति । जो किसी वस्तु की प्राप्ति से प्रसन्न न हो, और अप्राप्ति से खिन्न न हो वह अक्षीण कहा जाता है ।

अक्षीव, (पुं.) समुद्र का लवण । (त्रि.) उन्मादरहित । जो उन्मत्त न हो ।

अक्षेश, (पु.) मन । इन्द्रियों का स्वामी ।

अक्षोट, (पु.) अखरोट वृक्ष । पहाड़ पर उत्पन्न हुआ पीलू का वृक्ष ।

अक्षोपकरणम्, (न.) द्यूतसाधन । जुआ खेलने की सामग्री ।

अक्षोभः, (पुं.) खम्भा । खूँटा । पशुओं को बाँधने का खूँटा ।

अक्षोभ्यः, (पु.) शिव । दृढ़ । अचल । जो राग, द्वेष आदि से विचलित न हो ।

अक्षौहिणी, (स्त्री.) सेनाविशेष । दस अनीकिनी सेना । अक्षौहिणी में—२१८७० हाथी । २१८७० रथ । ६५६१० घोड़े और १०९३५० पैदल होते हैं ।

अखद्दः, (पु.) पियालवृक्ष । चिरौंजी का पेड़ ।

अखण्डम्, (त्रि.) खण्डरहित । पूर्ण । खण्डशून्य ।

अखण्डपरशुः, (पु.) परशुराम । इन के परशु का कोई खण्डन नहीं कर सका था ।

अखातम्, (पु.) देवखात, अकृत्रिम तालाब । झील ।

अखाद्य, (त्रि.) अभक्ष्य । जो खाने के योग्य न हो ।

अखिलमय, (त्रि.) [illegible] । सम्पूर्ण । समस्त ।
अखिलसारमय, (त्रि.) [illegible] । [illegible] का [illegible] ।
अग, (पुं.) पर्वत । वृक्ष । [illegible] । [illegible] ।
अगज, (पुं.) पर्वत से उत्पन्न । (न.) शिलाजतु । शिलाजीत ।
अगति, (पुं.) [illegible] । न जानना । उपाय रहित । बिना उपाय का ।
अगद, (पुं.) औषध । (त्रि.) नीरोग । रोग नहीं ।
अगदङ्कार, (त्रि.) चिकित्सक । वैद्य । रोग दूर करनेवाला ।
अगदतन्त्रम्, (न.) आयुर्वेद का एक भाग-विशेष । इसमें सांप, बिच्छू आदि के काटने का औषध लिखा है ।
अगम, (पुं.) वृक्ष । जाने के अयोग्य । जहां जा न सकें ।
अगम्य, (त्रि.) अज्ञेय । जानने के अयोग्य । गमन के अयोग्य । जहां कोई पहुंच न सके ।
अगस्ति, (पुं.) मुनिविशेष । एक मुनि का नाम । जिन्होंने समुद्र को चुल्लू में लेकर पान किया था । जो दक्षिण दिशा में रहते हैं । वृक्षविशेष ।
अगस्तिद्रुम, (पुं.) एक वृक्षविशेष । इसका नायक [redacted] । रस के रस के नास लेने से चौथिया ज्वर दूर जाता है ।
अगस्त्य, (पुं.) मुनिविशेष ।
अगारधूम, (पुं.) [illegible] । [illegible] का [illegible] ।
अगाध, (त्रि.) बहुत गहरा । जिसका तल न [illegible] ।
अगाधजल, (पुं.) बड़ा तालाब । (त्रि.) जिसमें अथाह जल हो ।
अगार, (न.) घर । मकान ।
अगुरु, (न.) [illegible] ।
अगोचर, (त्रि.) [illegible] इन्द्रियों के [illegible] ।
अग्नायी, (स्त्री.) अग्नि की स्त्री । स्वाहा ।
अग्नि, (पुं.) [illegible] । [illegible] के [illegible] ।
अग्निक, (पुं.) [illegible] ।
अग्निकण, (पुं.) [illegible] ।
अग्निकार्य, (न.) [illegible] ।
अग्निकाष्ठम्, (न.) [illegible] ।
अग्निकोण, (न.) दिशाविशेष । पूर्व और दक्षिण के बीच की दिशा ।
अग्निक्रीडा, (स्त्री.) [illegible] । अग्नि का खेल ।
अग्निगर्भ, (पुं.) [illegible] ।
अग्निचित्, (पुं.) [illegible] । [illegible] करनेवाला ।
अग्निज, (पुं.) अग्नि से उत्पन्न [illegible] । [illegible] ।
अग्निपुराणम्, (न.) एक पुराण का नाम । इसमें [illegible] है ।
अग्निप्रस्तर, (पुं.) [illegible] ।
अग्निबाहु, (पुं.) धूम ।
अग्निभम्, (न.) [illegible] ।
अग्निभू, (पुं.) [illegible] ।
अग्निमुखि, (पुं.) [illegible] ।
अग्निमन्थनी, (पुं.) [illegible] ।
अग्निमुख, (पुं.) [illegible] ।
अग्निमुखी, (स्त्री.) [illegible] ।
अग्निमान्द्यम्, (न.) [illegible] ।
अग्निवर्द्धन, (पुं.) [illegible] ।
अग्निवेश, (पुं.) [illegible] ।
अग्निशरणम्, (न.) [illegible] ।

अक्षपीडा, (स्त्री.) यवतिक्ता नाम की लता ।

अक्षमः, (त्रि.) क्षमताशून्य । योग्यताहीन । अयोग्य । क्षमाहीन । क्षमारहित ।

अक्षमा, (स्त्री.) ईर्ष्या । क्षमा का अभाव ।

अक्षमाला, (स्त्री.) जपमाला । रुद्राक्ष की माला ।

अक्षयः, (पुं.) अनन्त । क्षयरहित । अविनाशी। जिसका नाश न हो । अव्यय । अक्षनिष्ठ ।

अक्षयकाल, (पुं.) अनन्तकाल । अक्षयकाल के अभिमानी देवता ।

अक्षयतृतीया, (स्त्री.) वैशाख शुक्लतृतीया इसी तिथि को सतयुग की उत्पत्ति हुई है ।

अक्षयनवमी, (स्त्री.) कार्तिक शुक्लपक्ष की नवमी ।

अक्षयवट, (पुं.) अविनाशी वटवृक्ष, प्रयाग का वटवृक्ष, जो देवता समझा जाता है ।

अक्षय्या, (स्त्री.) तिथिविशेष । सोमवार की अमावास्या । रविवार की सप्तमी और मङ्गलवार की चतुर्थी ये अक्षय्या कहीजाती हैं ।

अक्षर, (पुं.) अकारादि वर्ण । नाशशून्य । ब्रह्म । अविनाशी । विनाशरहित । अचल । कूटस्थ । नित्य ।

अक्षरचणः, (पुं.) उत्तम लिखनेवाला । लेखक ।

अक्षरजीविकः, (पुं.) कायस्थजाति । लिखने जीनेवाला । लेखक ।

अक्षरतूलिका, (स्त्री.) लेखनी । लिखने का साधन ।

अक्षरपङ्क्तिः, (स्त्री.) छन्दविशेष । इस छन्द में एक अक्षर और दो पद होते हैं ।

अक्षरविन्यास, (पुं.) लेख । लेखन । अक्षरों का लिखना ।

अक्षरवर्णी, (स्त्री.) एक प्रकार के धातु का लेप । [illegible] ।

अक्षरशाला, (पुं.) [illegible] । पढ़ने का स्थान । [illegible] ।

अक्षरस्कन्ध, (पुं.) [illegible] में [illegible] ।

अक्षसूत्रम्, (न.) जपमाला । जप करने की-माला ।

अक्षाग्रकीलक, (पुं.) रथ के पहिये को रोकने की कील ।

अक्षान्तिः, (स्त्री.) दूसरे का उत्कर्ष न सहना, ईर्ष्या । क्षमा न करना ।

अक्षि, (न.) नेत्र । आँख ।

अक्षिगत, (त्रि.) आँखों पर चढ़ा हुआ । द्वेष्य । शत्रु । विरोधी ।

अक्षीणः, (त्रि.) पूर्ण । अदीन । क्षीण नहीं । एक प्रकार का यति । जो किसी वस्तु की प्राप्ति से प्रसन्न न हो, और अप्राप्ति से खिन्न न हो वह अक्षीण कहा जाता है ।

अक्षीव, (पुं.) समुद्र का लवण । (त्रि.) उन्मादरहित । जो उन्मत्त न हो ।

अक्षेश, (पुं.) मन । इन्द्रियों का स्वामी ।

अक्षोट, (पुं.) अखरोट वृक्ष । पर्वत पर उत्पन्न हुआ पीलु का वृक्ष ।

अक्षोपकरणम्, (न.) द्यूतसाधन । जुआ खेलने की सामग्री ।

अक्षोभः, (पुं.) स्तम्भ । खूँटा । पशुओं को बाँधने का खूँटा ।

अक्षोभ्यः, (पुं.) शिव । दृढ़ । अचल । जो राग, द्वेष आदि से विचलित न हो ।

अक्षौहिणी, (स्त्री.) सेनाविशेष । दश अनीकिनी सेना । अक्षौहिणी में—२१८७० हाथी । २१८७० रथ । ६५६१० घोड़े और १०९३५० पैदल होते हैं ।

अखण्डः, (पुं.) प्रियालवृक्ष । चिरौंजी का पेड़ ।

अखण्डम्, (त्रि.) खण्डरहित । पूर्ण । खण्डशून्य ।

अखण्डपरशुः, (पुं.) परशुराम । इन के परशु का कोई खण्डन नहीं कर सका था ।

अखातम्, (पुं.) देवखात, अकृत्रिम तालाब । झील ।

अखाद्य, (त्रि.) अभक्ष्य । जो खाने के योग्य न हो ।

अग्रसरः, (त्रि.) आगे चलने वाला । अग्रगामी ।

अग्रहः, (पुं.) अविवाहित । जिसकी स्त्री न हो । वानप्रस्थ । सन्यासी ।

अग्रहर, (पु.) सबसे प्रथम देने योग्य वस्तु उत्तमवस्तु (त्रि.) प्रथम ग्रहण करने योग्य । सम्मान्य । मान्य ।

अग्रहायण, (न.पुं.) अग्र+हायन । मार्गशीर्ष मास । अगहन का महीना ।

अग्रहायणी, (स्त्री.) अगहनमास की पूर्णिमा, जिसमें उत्तम धान्य उत्पन्नहो । मृगशिरा नक्षत्र के उदय के समय से धान्य उत्पन्न होते हैं यह बात प्रसिद्ध है ।

अग्रहार, (पुं.) ब्रह्मचारी आदिको देने योग्य पदार्थ । दान की हुई या छीनलेनेवाली वस्तु ।

अग्राह्य, (त्रि.) ग्रहण करने के अयोग्य । शिवनिर्माल्य आदि । परमेश्वर । इन्द्रिय का अविषय ।

अग्रिमः, (पुं.) आगे होनेवाला । बड़ा भाई । (त्रि.) श्रेष्ठ । उत्तम ।

अग्रियः, (पुं.) ज्येष्ठ सहोदर । बड़ा भाई । (त्रि.) प्रधान ।

अग्रीय, (त्रि.) आगे होनेवाला । अग्रिम । मुख्य ।

अग्रेगूः, (पुं.) अग्रेसर । आगे चलनेवाला । अग्रगामी । मुखिया ।

अग्रेदिधिषुः, (पु.) दुलहे का पति, जिसका का पति, जेठी बहिन के ब्याह होने के पहले यदि छोटी बहिन ब्याह दी जाय तो वह अग्रेदिधिषु कही जाती है ।

अग्रेसर, (त्रि.) अग्रगामी, मुखिया, आगे चलनेवाला ।

अग्र्यः, (त्रि.) आगे होनेवाला । श्रेष्ठ । प्रधान । (पुं.) बड़ा भाई । अग्रिम ।

अघ, (न.) पाप । व्यसन । दुःख । दुरित । अपराध । (त्रि.) पापी । अपराधी ।

अघमर्षणम्, (त्रि.) [illegible] ।

अघायुः, (त्रि.) पापपूर्ण । जिसका जीवन पापमय हो ।

अघोरः, (पु.) शिव, महादेव, गिरीश, (त्रि.) अभयानक, भयानक नहीं ।

अघोरा, (स्त्री.) भाद्रमास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी, इस तिथि को शिवकी पूजा की जाती है [illegible] कारण इसका नाम अघोरा पड़ा ।

अघोः, (अ.) सम्बोधनार्थक अव्यय ।

अघ्न्यः, (पुं.) प्रजापति । मेघ । मारने के अयोग्य ।

अघ्न्या, (स्त्री.) सौरभेयी, गौ, जो न मारी जाय और न मारे ।

अघ्रेय, (त्रि.) सूंघने के अयोग्य । मद्य । मदिरा ।

अङ्क, (पु.) दृश्य काव्य का एक भेद । चिह्न । युद्ध । समाप । भूषण । कलङ्क । देह । समीप । गोद । स्थान । अपराध । कटिप्रदेश । नाटक आदि का परिच्छेद । रेखा । नव की संख्या ।

अङ्कतिः, (पु.) अग्निहोत्री । अग्निहोत्र करने वाला । अग्नि । ब्रह्मा । वायु ।

अङ्कनम्, (न.) लक्षण का लिखना । चिह्न । चीन्हना । चिह्न करने की सामग्री । [illegible] ।

अङ्कपालिका, (स्त्री.) आलिङ्गन । गोद के समीप । धाय । दाई ।

अङ्कपाली, (स्त्री.) गोद । [illegible] । [illegible] । अङ्कमाला । धात्री । धाय ।

अङ्कस, (न.) चिह्न । शरीर ।

अङ्कितः, (त्रि.) चिह्नित । लाञ्छित । चिह्न किया हुआ । लिखा हुआ ।

अङ्कुर, (पु.) रुधिर । लोम । जल । भूमि को फाड़कर निकलनेवाला नवीन [illegible] । तिनका ।

अङ्कुरितः, (त्रि.) बीज की [illegible] । जिस में अङ्कुर उत्पन्न हुआ है ऐसा अङ्कुर ।

अग्निशाला, (स्त्री.) अग्निगृह । अग्निशरण ।

अग्निष्टोमः, (पुं.) यज्ञविशेष । अग्निष्टोम नामक यज्ञ के मन्त्र ।

अग्निष्वात्ताः, (पुं.) दिव्यपितर । नित्यपितर । क्रियाशक्ति के अधिष्ठाता ।

अग्निहोत्रम्, (न.) यज्ञविशेष । अग्न्याधान । सायंकाल और प्रातःकाल नियम से किये जाने वाले कर्म ।

अग्निहोत्री, (पुं.) अग्निहोत्रयुक्त । अग्निहोत्र करनेवाला । कान्यकुब्ज ब्राह्मणों का एक भेद ।

अग्नीध्रः, (पु.) ऋत्विग्विशेष । जिसका वरण धन के द्वारा होता है उसका काम अग्नि की रक्षा करना है ।

अग्नीषोमीयम्, (न.) अग्निसोम नामक यज्ञ की हवि । यज्ञविशेष । जिसके देवता अग्नि और सोम हों ।

अग्न्याधानम्, (न.) श्रौताग्निसंस्कार । अग्निहोत्र । अग्निरक्षण । अग्निग्रहण ।

अग्न्युत्पातः, (पु.) उल्कापात आदि प्राकृतिक विकार, आग का लगना । मन्त्र आदि के द्वारा अग्नि की दाहकशक्ति का नाश ।

अग्न्युपस्थान, (त्रि.) अग्नि का उपस्थान । मन्त्रविशेष । जिनसे अग्नि की स्तुति और उपासन किया जाता है ।

अग्र, (न.) परिमाण विशेष । सोलह मासे का परिमाण । आलम्बन । समूह । वृक्ष का अग्रभाग । प्रान्त । भिक्षा विशेष । पलमान । प्रधान । अधिक । प्रथम ।

अग्रकाय, (न. पुं.) देह का पूर्वभाग ।

अग्रगः, (त्रि.) सेवक । नौकर । भृत्य । आगे चलनेवाला ।

अग्रगण्य, (त्रि.) प्रधान । मुख्य । आगे गिनाया जानेवाला ।

अग्रगामी, (त्रि.) आगे चलनेवाला । प्रधान ।

अग्रजः, (पु.) बड़ा भाई । ब्राह्मण ।

अग्रजङ्घा, (स्त्री.) जङ्घा का अग्रभाग । आगे की जाँघ ।

अग्रजन्मा, (पुं.) बड़ा भाई । ब्राह्मण । ज्येष्ठ ।

अग्रजाति, (पुं.) ब्राह्मण । श्रेष्ठ जाति ।

अग्रजिह्वा, (स्त्री.) जीभकी नोक ।

अग्रणीः, (त्रि.) श्रेष्ठ । स्वामी । प्रधान । अगुआ । मुखिया ।

अग्रतः, (अ.) पूर्वभाग । आगे । आगे की ओर ।

अग्रतःसर, (त्रि.) अगुआ । मुखिया । आगे जानेवाला ।

अग्रदानी, (पुं.) प्रेतनिमित्तक दान लेने वाला । महापात्र । ब्राह्मण ।

अग्रनख, (न. पु.) नखका अग्रभाग ।

अग्रनासिका, (स्त्री.) नाक का अग्रभाग, नाक की नोक ।

अग्रपर्णी, (स्त्री.) आलकुशी नामक वृक्ष ।

अग्रभाग, (पु.) श्राद्ध आदि में पहले निकाला हुआ द्रव्य । आगे का भाग ।

अग्रभुक्, (त्रि.) देवता और पितर को विना दिये खानेवाला । पेटू । पेट पालनेवाला ।

अग्रमांसम्, (न.) हृदय के मध्यका मांस । प्रधान मांस, रोगविशेष ।

अग्रमुख, (न.) मुख का अग्रभाग ।

अग्रयाणम्, (न.) अग्रगामी । आगे चलना । सेनाविशेष, नासीर ।

अग्रयायी, (त्रि.) अग्रेसर । आगे चलनेवाला ।

अग्रलोहिता, (स्त्री.) जिसका अग्रभाग लाल वर्ण का होता है । चिल्ली नामक एक प्रकार का शाक ।

अग्रसन्धानी, (स्त्री.) कर्मविपाक । प्राणियों के पूर्वजन्म का शुभाशुभसूचक ग्रन्थ । (त्रि.) आगेही से ध्यान लेनेवाला, यमपट्टिका, यम का पत्राह ।

अग्रसन्ध्या, (स्त्री.) सन्ध्या का पूर्व समय, पहली सन्ध्या, प्रातः सन्ध्या ।

अङ्गारकमणिः, (पु.) लाल रङ्ग की मणि । प्रवाल । मूंगा ।

अङ्गारकर्कटी, (स्त्री.) आग पर पकाई हुई बाटी ।

अङ्गारधानिका, (स्त्री.) अङ्गार रखने का पात्र । अँगीठी ।

अङ्गारपर्ण, (पु.) चित्ररथ नामक गन्धर्व ।

अङ्गारपुष्प, (पु.) इङ्गुद नामक वृक्ष । जियापुती वृक्ष । इङ्गुदी वृक्ष ।

अङ्गारमञ्जरी, (स्त्री.) करञ्जवृक्ष । कञ्जा वृक्ष ।

अङ्गारशकटी, (स्त्री.) अँगीठी जिसमें नीचे पहिये लगे हुए होते हैं ।

अङ्गारिः, (स्त्री.) अँगीठी । अङ्गार रखने का पात्र ।

अङ्गारिका, (स्त्री.) ईख । पलाश के फूल । अँगीठी ।

अङ्गारिणी, (स्त्री.) अँगीठी । वह दिशा जिसको सूर्य ने छोड़ दिया है ।

अङ्गारितम्, (त्रि.) जिस के अङ्गार उत्पन्न हुए हों । पलाशवृक्ष की कौंढ़ी ।

अङ्गारिता, (स्त्री.) अँगीठी । लता ।

अङ्गिका, (स्त्री.) कञ्चुकी । चोलिया । अँगरखा ।

अङ्गिन्, (त्रि.) प्रधान । मुख्य । शरीरी । देही ।

अङ्गिरा, (पुं.) मुनिविशेष । जो ब्रह्मा के मानसिक पुत्र थे ।

अङ्गीकार, (पु.) स्वीकार । मानलेना सम्मति देना ।

अङ्गीकृत, (त्रि.) स्वीकृत । स्वीकार किया गया । मानागया ।

अङ्गुरि-री, (स्त्री.) अङ्गुली हाथ पैर की अङ्गुलि ।

अङ्गुरीय, (न.) अङ्गुली का भूषण । अंगूठी । छल्ली ।

अङ्गुरीयक, (न.) अङ्गुली का भूषण । अंगूठी ।

अङ्गुल, (पु.) वात्स्यायनमुनि । आठ जौ का परिमाण ।

अङ्गुलिः, (स्त्री.) अङ्गुली । हाथ पैर की अङ्गुलियां ।

अङ्गुलितोरणम्, (न.) अर्द्धचन्द्र । चन्दन आदि के द्वारा मस्तक पर अर्द्धचन्द्र का आकार बनाना । तिलकविशेष ।

अङ्गुलित्र., (पु.) अङ्गुलिकवच । अङ्गुलि की रक्षा करनेवाला । दस्ताना ।

अङ्गुलिमुद्रा, (स्त्री.) मोहर की अंगूठी । जिस अंगूठी में अंगूठी के मालिक के नामाक्षर खुदे हुए हों ।

अङ्गुलिसन्देश, (पुं.) अङ्गुलिका सन्देश । अङ्गुलि के शब्द से जनाना ।

अङ्गुली, (स्त्री.) अङ्गुली । हाथ पैर की अङ्गुलियां ।

अङ्गुलीकण्टक, (पुं) नख । नह ।

अङ्गुलीयम्, (न. पु.) अंगूठी ।

अङ्गुलीयकम्, (न. पुं.) अंगूठी । अङ्गुली के भूषण ।

अङ्गुष्ठ, (पु.) बड़ी अङ्गुली ।

अङ्गुष्ठमात्रः, (त्रि.) अङ्गुष्ठपरिमित वस्तु । अङ्गुष्ठपरिमित हृदयकमल के मध्यवर्ती आत्मा ।

अङ्गुष्ठाना, (स्त्री.) सुई से हाथ बचाने की टोपी, इसको दरजी सीने के समय काम में लाते हैं, अङ्गुलित्र भी इसी को कहते हैं ।

अङ्गूषः, (पुं.) नकुल । नेवला । बाण ।

अङ्घारि, (त्रि) दीप्तिशील । चमकनेवाला ।

अङ्घ्रिः, (पुं.) चरण । पाद । वृक्ष की जड़ ।

अङ्घ्रिपः, (पु.) द्रुम । वृक्ष ।

अङ्घ्रिपर्णिका, (स्त्री.) पृश्निपर्णी । पिठवन । इसके फूल सिंह की पूंछ जैसे होते हैं ।

अङ्घ्रिस्कन्धः, (पु.) गुल्फ । एड़ी ।

अचक्र, (त्रि.) बिना पहिये का । स्वाङ्ग-रहित । मन्त्री सेनापति आदि से हीन राजा ।

अचक्षुस्, (त्रि.) नेत्रहीन । अन्धा ।

अचण्डी, (स्त्री.) शान्तस्वभाववाली गौ । क्रोधहीन ।

[illegible]

ईश्वर । बकरा । मेषराशि । कामदेव । जिसका जन्म न हो ।

अजकर्णः, (पुं.) वृक्षविशेष । विजसाल वृक्ष । इस के पत्ते बकरे के कान के समान लम्बे होते हैं ।

अजकवम्, (न. पु.) शिव का धनुष । जिस में ब्रह्मा और विष्णु बाण बने थे ।

अजकावः, (न. पुं.) शिव का धनुष । जो ब्रह्मा और विष्णु की रक्षा करता है ।

अजक्षीर, (न.) बकरी का दूध ।

अजगः, (पुं.) विष्णु, अग्नि ।

अजगन्धा, (स्त्री.) अजमोदा । औषधविशेष ।

अजगन्धिका, (स्त्री.) शाकविशेष । बाबुई शाक ।

अजगन्धिनी, (स्त्री.) अजश्रृङ्गी । गाडरसींगी ।

अजगर, (पु.) सर्प विशेष । बड़ा साँप ।

अजघन्य, (वि.) उत्तम । श्रेष्ठ । जो नीच न हो ।

अजजीविक, (वि.) बकरा से जीनेवाला, बकरी का चरवाहा, जो बकरियों को चरा कर जीता है ।

अजदा, (स्त्री.) आमलकी वृक्ष । कन्द रहित वृक्ष ।

अजदण्डा, (स्त्री.) स्वर्णयूथिका । स्वर्ण-युथिका । बकरीका समूह ।

अजन्त, (पु.) स्वरान्त । जिन शब्दों के अन्त में स्वर हो ।

अजदण्डी, (स्त्री.) ब्रह्मदण्डी वृक्ष ।

अजननिः, शाप के अर्थ में इसका प्रयोग होता है । जन्मरहित । अनुत्पत्ति आक्रोशन ।

अजनयोनिः, (पु.) ब्रह्मा । प्रजापति ।

अजनाभ, (पुं.) भारतवर्ष का नाम । इस भारतवर्ष का नाम पहिले "अजनाभ" था । जब [illegible] के राजा भरत हुए तब से इस का नाम भारत पड़ा ।

अजन्य, (न.) उत्पात । शुभाशुभसूचक । दैव-कृत उत्पात । उपद्रव ।

अजप, (पु.) अशुद्ध पढ़नेवाला । जप न करनेवाला । (पुं.) छाग पालन करनेवाला । बकरे चरानेवाला ।

अजपा, (स्त्री.) देवताविशेष । गायत्रीविशेष । जिसका जप श्वास प्रश्वास के साथ स्वयं होता रहता है ।

अजपाद्, (पु.) पूर्वभाद्रपद नक्षत्र । ग्यारह रुद्रों में से एक रुद्र का नाम ।

अजभक्ष, (पु.) बबुर वृक्ष की पत्तियां । इन पत्तियों को बकरे प्रसन्नतापूर्वक खाते हैं ।

अजमीढ़, (पुं.) अजमेर नामक नगर । उस का राजा । युधिष्ठिर ।

अजमोदा, (स्त्री.) अजवाइन । उग्रगन्धा ।

अजम्भः, (पु.) भेक । मेंढक । (वि.) दन्त-रहित । जिसके दाँत न हों ।

अजयः, (पु.) पराजय । भाँग । बङ्गाल के वीरभूम के पास के एक नद का नाम ।

अजय्यम्, (वि.) अजेय शत्रु । जो जीता न जा सके ।

अजर्य्यम्, (न.) मित्रता । संग ।

अजलोमन्, (पु.) वृक्षविशेष । इसकी मञ्जरी बकरी के रोम के समान होती है ।

अजवीथी, (स्त्री.) आकाशपथविशेष । जो आकाशगङ्गा के नाम से प्रसिद्ध है ।

अजश्रृङ्गी, (स्त्री.) वृक्षविशेष । गाडरसींग । [illegible] के फल मेंढे के सींग के समान होते हैं ।

अजस्रम्, (न.) निरन्तर । सन्तत । सदा । सर्वदा । विवाह में विधिविशेष ।

अजहत्स्वार्था, (स्त्री.) शब्दशक्तिविशेष । लक्षणा का एक भेद । उपादान लक्षणा । जो अपने अर्थ को न छोड़कर दूसरे अर्थ का बोध करे ।

अजहल्लक्षणा, (स्त्री.) अजहत्स्वार्था नाम की लक्षणा । जो अपने वाच्य अर्थ को न छोड़े और वाच्यार्थसम्बन्धी दूसरे अर्थ का भी बोध न करे ।

अजहल्लिङ्ग, (पु.) [illegible] शब्द जो अपने

अज्ञानी, (वि.) मूर्ख । अविज्ञ ।

अज्ञेय, (वि.) ज्ञान का अविषय । जो जाना न जाय ।

अञ्चतिः, (पु) वायु ।

अञ्चलः, (पु.) वस्त्र का प्रान्त भाग । आँचर । पल्ला ।

अञ्चितः, (वि.) पूजित । पूजा गया । आदृत । जिसका आदर किया गया हो ।

अञ्चितभ्रू, (स्त्री.) सुन्दर भौंहवाली स्त्री ।

अञ्ज्, (धा.पर.) मिलना । जाना । प्रकाश करना ।

अञ्जनम्, (न.) काजल । सौवीर । रसाञ्जन । (पु.) दिग्गजविशेष । प्रकाश । अलंकरण । उपाधि ।

अञ्जनकेशी, (स्त्री.) एक सुगन्धद्रव्य-विशेष । जिसे स्त्रियां बालों में लगाती हैं । यह हट्टविलासिनी नाम से प्रसिद्ध है ।

अञ्जना, (स्त्री.) एक वानरी का नाम । जिसके गर्भ और वायु के औरस से हनुमान् उत्पन्न हुए थे ।

अञ्जनाधिका, (स्त्री.) कृष्णवर्ण होने के कारण अञ्जन से अधिक एक कीटविशेष । जो बहुत काले वर्ण का होता है ।

अञ्जनावती, (स्त्री.) सुप्रतीक नामक दिग्गज की हथिनी । क्योंकि यह बहुत काली है ।

अञ्जनी, (स्त्री.) गन्ध-द्रव्यों के लेपन करने योग्य । स्त्री । कटुक वृक्ष । कालाञ्जन ।

अञ्जलि, (पुं.) हाथ जोड़ना । जुड़े हुए दोनों हाथ । परिमाणविशेष ।

अञ्जलिका, (स्त्री.) मूषिका । छोटा चूहा । अर्जुन के एक बाण का नाम ।

अञ्जलिकारिका, (स्त्री.) एक पौधा । जो लजारी या लजवन्ती नाम से प्रसिद्ध है । छूने से इसके पत्ते सिकुड़ जाते हैं । हाथों का जोड़ना । हाथ जोड़ने का काम ।

अञ्जस्, (वि.) प्राञ्जल । अवक्र । सीधा । सरल ।

अञ्जसा, (अ.) शीघ्र । जल्दी । ठीक ठीक । सत्य । आर्जव । अनायास ।

अञ्जसाकृतम्, (वि.) विनय से किया हुआ कर्म ।

अञ्जीरम्, (न.) वृक्षविशेष । इस नाम प्रसिद्ध वृक्ष विशेष और फल ।

अट्, (धा. पर.) भ्रमण । गति । जाना ।

अटनम्, (न.) भ्रमण । गमन ।

अटनिः-नी, (स्त्री.) धनुष का अग्रभाग । जहाँ चिल्ला चढ़ाया जाता है । धनुष कोटि ।

अटविः, (स्त्री.) वन, अरण्य ।

अटवी, (स्त्री.) अरण्य । वन । वृद्धावस्था में जहाँ भ्रमण किया जाय ।

अटा, (स्त्री.) भ्रमण । पर्यटन ।

अटाटा, (स्त्री.) भ्रमण । पर्यटन । घूमना । निरर्थक घूमना । बिना काम के घूमना ।

अट्ट्, (धा. आत्म.) लाँघना । मारना । (उभ.) अनादर करना ।

अट्टः, (पु.) महल के ऊपर का घर । अटारी । बाजार । दूकान । सूखा अनाज । अत्यन्त । अतिशय ।

अट्टहासः, (पुं.) अत्यन्त हँसी । अधिक हँसना । महादेव की हँसी ।

अट्टहासक, (पु.) कुन्द पुष्प-विशेष ।

अट्टालः, (पु.) अटारी । कोठे के ऊपर का घर ।

अट्टालकः, (पुं.) महल के ऊपर का घर ।

अट्टालिका, (स्त्री.) अटारी । महल । ऊँचा मकान । धनी राजा आदि का मकान । एक नगर का नाम ।

अड्, (धा. पर.) उद्यम करना ।

अड्ड्, (धा. पर.) आक्रमण करना । अभियोग करना । समाधान करना । समाधिस्थ करना । अनुमान करना ।

अण्, (धा. पर.) शब्द करना । सांस लेना ।

अण्, (धा. आत्म.) जीना । प्राण धारण करना ।

अणक, (न.) नीच । निन्दित । बहुत छोटा ।

अणकः, (वि.) कुत्सित । गर्हित । निन्दित ।

अणव्य, (न.) अणुओं का उत्पत्ति स्थान ।

लिङ्ग को न छोड़े। विशेषण का यह नियम है कि यह विशेष्य के लिङ्ग के अनुसार हो जाता है, परन्तु कतिपय शब्द ऐसे हैं जिन का लिङ्ग नियत है।

अजहा, (स्त्री.) शूकशिम्बी नामक औषध। कवाच। कपिकच्छुक।

अजा, (स्त्री.) माया। त्रिगुण विशिष्ट प्रकृति। बकरी।

अजागरः, (पुं.) भृङ्गराज नामकी औषधि। भंगरा। (त्रि.) जागरण रहित।

अजाजी, (स्त्री.) काला जीरा। सफेद जीरा।

अजाजीवः, (पु.) जिसकी जीविका बकरे बकरियों से हो।

अजातककुद्, (पु.) बैलों की अवस्था विशेष। थोड़ी उमर का बैल। बच्चा। बछड़ा।

अजातशत्रु, (पुं.) युधिष्ठिर। ये किसी से शत्रुता नहीं करते थे इस कारण इनका नाम अजातशत्रु पड़ा।

अजातिः, (स्त्री.) अनुत्पत्ति। कार्य कारण की अनुत्पत्ति। (त्रि.) जन्मरहित।

अजादनी, (स्त्री.) वृक्षविशेष। जिसे बकरे खाते हैं। खिरनी वृक्ष।

अजानिः, (पुं.) जिसकी स्त्री न हो। स्त्रीरहित।

अजानेयः, (पुं.) उत्तम घोड़ा। अमुभक्त घोड़ा (त्रि.) निर्भय। निडर।

अजापालः, (पुं.) बकरे पालनेवाला भेड़िहा। मेषपाल।

अजाप्रिया, (स्त्री.) बदरी। बेर।

अजिः, (पुं.) वेग। प्रताप। प्रभुता।

अजिन, (पुं.) चमड़ा। चर्म। मृगचर्म।

अजिनपत्रा, (स्त्री.) जिनके पाँख चमड़े के हों। चमगीदड़। चमचिट्ट।

अजिनफला, (स्त्री.) वृक्षविशेष। जिसके फल बहुत बड़े बड़े होते हैं।

अजिनयोनि, (स्त्री.) मृगचर्म के कारण। हरिण हरिणी आदि।

... (न.) आँगन। चौक।

(त्रि.) अकुटिल। सरल। सीधा।

अजिह्मग, (पुं.) बाण। सर्प (त्रि.) सीधा चलनेवाला। सदाचारी।

अजीगर्त, (पुं.) शुनःशेफ के पिता। इनकी कथा उपनिषदों में लिखी है। दरिद्रता और निर्घृणता में इनकी बराबरी करने वाला आज तक दूसरा नहीं हुआ।

अजीतः, (पुं.) जैनियों का एक तीर्थङ्करविशेष। भावी बुद्ध। (त्रि.) अपरिजित। अपराजित।

अजीर्ण, (न.) उदररोगविशेष। मन्दाग्नि अधिक भोजन दुर्बलता आदि के कारण यह रोग उत्पन्न होता है।

अजीवः, (त्रि.) मृत। मरा हुआ। मृतक। अनेकान्तवादियों का दूसरा पदार्थ। यह चार प्रकार का है पुद्गल। आकाश। धर्माधर्म। और अस्तिकाय।

अजीवनिः, (स्त्री.) जीवन का अभाव। शाप के अर्थ में इसका प्रयोग किया जाता है।

अजेय, (त्रि.) जो जीता न जासके। जीतने के अयोग्य।

अजैकपाद्, (पु.) पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र। रुद्रविशेष का नाम। क्योंकि इसका पैर बकरी के पैर के समान है।

अज्जुका, (स्त्री.) नाटकोक्ति में वेश्या। बड़ी बहिन।

अज्ञ, (त्रि.) जड़। वेदों के तात्पर्य न जानने वाला। अनपढ़। अविवेकी। मूर्ख।

अज्ञात, (त्रि.) अज्ञान से युक्त। अविदित।

अज्ञानम्, (न.) अविद्या। ज्ञान का अभाव। ज्ञान से नष्ट होनेवाला। वेदान्त-प्रसिद्ध पदार्थविशेष। भागवत में अज्ञान के पांच भेद बतलाये गये हैं। तम, मोह, महामोह, तामिस्र और अन्धतामिस्र। भागवत में यह भी लिखा है कि सृष्टि के आदि में ब्रह्मा ने इन्हें बनाया था।

अज्ञानप्रभवः, (पुं.) अज्ञान से उत्पन्न। अपने स्वरूप के यथार्थ ज्ञान होने के कारण जिसकी उत्पत्ति हो।

करना । वस्तु की सिद्धि होने पर भी कर्म करते रहना ।

अतिक्रमणीयः, (त्रि.) अतिक्रमण के योग्य । लांघने के योग्य । उल्लङ्घन करने के उपयोग्य ।

अतिक्रान्त, (त्रि.) अतिक्रम । बिता गया । अतीत । अपने कर्तव्य से विचलित । अपने काम को भूला हुआ ।

अतिगण्डः, (पु.) ज्योतिषशास्त्र का एक योग । छठवाँ योग । (त्रि.) बड़ी गालवाला ।

अतिगन्धः, (पु.) अधिक गन्धवाला । भूतृण । चम्पक वृक्ष । बड़ी सुगन्धवाला ।

अतिचरा, (स्त्री.) स्थलपद्मिनी । इसका नाम पद्माख है । यह उत्तर की ओर बहुत होता है ।

अतिचारः, (पुं.) बहुत चलनेवाला । मङ्गल आदि पाँच ग्रहों का एक राशि का भोग की समाप्ति के बिना दूसरी राशि पर जाना । पूर्व राशि पर जाने का नाम वक्रातिचार है और आगे की राशियों पर जाने का नाम अतिचार है ।

अतिचारिन्, (पु.) अपने समय को भोगे बिना दूसरी राशि में जाने वाले मङ्गल आदि पाँच ग्रह । (त्रि.) अतिक्रमण करनेवाला । लांघकर जाने वाला । बहुत चलनेवाला ।

अतिच्छत्रः, (पुं.) छत्रा । जाती नाम से प्रसिद्ध एक तृण विशेष । यह जल पर होता है । तालमखाना । छत्ता ।

अतिच्छत्रक, (पु.) तृण विशेष ।

अतिजगती, (स्त्री.) छन्द विशेष । यह छन्द तेरह अक्षरों का होता है (त्रि.) जगत् को लांघनेवाला । बली । श्रेष्ठ ।

अतिजवः, (त्रि.) वेगवान् बड़े वेग से चलने वाला ।

अतिजागरः, (पुं.) नील बकपक्षी । यह सदा जागता रहता है, (त्रि.) जिसको नींद नहीं आती ।

अतिडीनम्, (न.) पक्षियों का उड़ान विशेष ।

अतितराम्, (अ.) अधिक । अत्यन्त अधिक

अतितीक्ष्ण, (त्रि.) अत्यन्त कड़ुआ । मीरचा आदि ।

अतितीक्ष्णा, (स्त्री.) गाँठ दूब ।

अतिथिः, (पुं.) सूर्यवंशी एक राजा । इन पिता का नाम कुश था और इनकी माता नाम कुमुद्वती था । यह रामचन्द्रजी का पौ था । आगन्तुक । पाहुन । जो एक रात रहे

अतिथिपूजनम्, (न.) पूजन । पञ्च य के अन्तर्गत एक यज्ञ ।

अतिथिसपर्या, (स्त्री.) अतिथिसेवा । अ विधि का सत्कार । पञ्च महायज्ञों के अन्तर्गत एक यज्ञ । पूजन ।

अतिदिष्ट, (त्रि.) दूसरे के धर्म का दूसरे आरोप करना । मीमांसा शास्त्र की ए परिभाषा ।

अतिदीप्यः, (पुं.) रक्तचित्रक । लाल चिता ।

अतिदेशः, (पुं.) दूसरे के धर्म का दूसरे आरोप करना ।

अतिधन्वा, (पु.) धानुष्क । धनुर्धारी । धनुर्वेद में निपुण । धनुर्विद्या को जा जानेवाला ।

अतिधृतिः, (स्त्री.) छन्द विशेष । इसके प्रत्ये पद में उन्नीस अक्षर होते हैं ।

अतिपतन, (न.) अत्यन्त । मारा । अतिक्रमण

अतिपत्तिः, (स्त्री.) (लिङ् में होना) क्रियाति

अतिपत्र, (त्रि.) बड़े बड़े पत्तोंवाला वृ हस्तिकन्द वृक्ष । इसका उपयोग चिकित्सा में किया जाता है ।

अतिपरिचय, (पुं.) अत्यन्त मेल । अत्यन्त व्यवहार ।

अतिपातः, (पु.) [illegible] ।

अतिपातक, (न.) नव प्रकार के पापों का एक बड़ा पाप । यह तीन प्रकार का होता है । पुरुषों को माता कन्या और पुत्रवधू के सङ्ग गमन करने से होता है । 'अति

क्षेत्र। जिसमें छोटे छोटे धान उत्पन्न हों।

अणिः, (पुं. स्त्री.) कील। जो रथ के पहिये के आगे लगाया जाता है। सूई की नोंक। सीमा। सूक्ष्म भाग। अल्प। अल्पार्थक।

अणिमा, (पु.) छोटा पन। लघुता। योगियों की अष्ट सिद्धियों में की एक सिद्धि।

अणीयस्, (त्रि.) बहुत थोड़ा। बहुत छोटा। लघुतर।

अणु, (पुं.) चीना नामसे प्रसिद्ध व्रीहि-विशेष। लेश। सूक्ष्म। परमाणु। पदार्थों का मूल कारण। नैयायिक-स्वीकृत पदार्थ विशेष। (त्रि.) सूक्ष्म। छोटा।

अणुक, (त्रि.) अल्पतर। बहुत छोटा। अति सूक्ष्म।

अणुभा, अणुसा (स्त्री.) जिसकी प्रभा स्वल्प क्षणस्थायी हो। विद्युत्। बिजली।

अणुमात्रिक, (त्रि.) जिसका अणु परिमाण है। अतिसूक्ष्म। अत्यन्त छोटा। जीव की तरह। क्योंकि जीवका परिमाण बहुत छोटा होता है।

[illegible], (पु.) [illegible]। [illegible]।

अण्डम्, (न.) अण्डकोश। पक्षियों का अण्डा। कस्तूरी। वीर्य।

अण्डजः, (पु.) अण्डे से निकला पक्षी। सर्प। कृकलास। अण्डे से उत्पन्न।

अण्डालु, (पु.) मत्स्य। मछली।

अण्डीरः, (पु.) पुरुष। समर्थ। शक्तिमान्।

अतट, (पु.) जिसका किनारा न हो, [illegible] की ऊपरी [illegible], जहाँ से [illegible] गिरते हैं।

अतटप्रपात, (पु.) [illegible] विशेष। यह [illegible] होता है। [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible] करने की [illegible] [illegible] [illegible] न हो सके। [illegible] [illegible] का [illegible]।

अतन्द्रित, (त्रि.) निरालस्य। आलस्य रहित।

[illegible], [illegible], [illegible]। [illegible]। [illegible] [illegible]।

अतर्क्यः, (पु.) अपने तर्क से जानने के अयोग्य। परमात्मा। अतीन्द्रिय। मन वचन के अगोचर।

अतलम्, (न.) पृथ्वीतल। पाताल विशेष। (त्रि.) तलरहित। निस्तलप्रदेश।

अतलस्पर्शम्, (त्रि.) अतिगभीर। अगाध। जिसका तल छुआ न जासके। अथाह।

अतलादिः, (पुं.) अतल आदि सात लोक। नीचे के सातलोक। अतल। वितल। सुतल। रसातल। तलातल। महातल और पाताल ये सात लोक हैं।

अतः, (अ.) हेतु। कारण। अपदेश। निर्देश।

अतसः, (पुं.) वायु। क्षौम। वल्कल। अहरण। आत्मा।

अतसी, (स्त्री.) धान्य। अलसी नाम से प्रसिद्ध धान्य विशेष।

अतसीतैलम्, (न.) अलसी का तेल।

अतस्कः, (त्रि.) असंयतेन्द्रिय।

अति, (अ. त्रि.) प्रशंसा। प्रकर्ष। उत्कर्ष। लाघना। अधिकता। अत्यन्त स्तुति। पूजा।

अतिकद्रुः, (त्रि.) निष्ठुर। अत्यन्त कटुवा।

अतिकायः, (त्रि.) श्रद्धा के अयोग्य। नष्ट धर्म। अविश्वसनीय। विश्वास करने के अयोग्य।

अतिकल्पकः, (पुं.) अधिक [illegible] [illegible]। [illegible] वृक्ष।

अतिकेशर, (पु.) वृक्ष विशेष। कुब्जक वृक्ष।

अतिकृतिः, (स्त्री.) छन्दोविशेष। पचीस अक्षरों का यह छन्द होता है।

अतिकृच्छ्रम्, (न.) व्रत विशेष। यह व्रत तीन दिनतक किया जाता है। एक एक ग्रास दिन भोजन करने का इस व्रत में विधान है।

अतिक्रमः, (पु.) अतिपात। मर्यादा उल्लंघन। नियम का उल्लंघन करने से [illegible] [illegible] होना।

अतिक्रमणम्, (न.) [illegible] के [illegible] [illegible]

अतिव्याप्ति, (स्त्री.) अधिक विस्तार सम्बन्ध। विस्तृति। नैयायिकों के एक दोष का नाम। यदि किसी का लक्षण—अर्थात् एक प्रकार की परिभाषा किया जाय और वह लक्षण अपने मुख्य वाच्य को छोड़ कर दूसरे का वाचक होजाय। तो वहां अति-व्याप्ति दोष माना जाता है।

अतिशक्ति, (स्त्री.) अधिक शक्तिवाला। बलवान्। असीमबलशाली। जिसके समान शक्ति औरों की न हो।

अतिशय, (पुं) आधिक्य। अधिकता। बड़ाई।

अतिशयित:, (वि.) अधिक। अतिक्रान्त। अधिकतायुक्त।

अतिशयोक्ति, (स्त्री.) अर्थालङ्कारविशेष। वर्णनीय वस्तु की उत्कर्षता दिखाने के लिये उसे दूसरी वस्तु के रूप में प्रकट करना।

अतिशक्वरी, (स्त्री.) छन्दविशेष। जिसके प्रत्येक पाद में १५ अक्षर होते हैं।

अतिशायन, (न.) अधिकता। प्रकर्ष।

अतिशीत, (न.) अधिक शीत। अधिक ठण्डा। (वि.) वह वस्तु जिसका स्पर्श बहुत ठण्डा हो।

अतिशोभन, (वि.) अत्यन्त शोभायुक्त। अति-शय शोभनीय। श्रेष्ठ। उत्तम। रमणीय।

अतिसन्ध्या, (स्त्री.) प्रदोष-काल। सन्ध्या के समीप का समय।

अतिसर्ग:, (पुं.) शास्त्रोक्त कर्म करने की आज्ञा।

अतिसर्जन, (न.) देना। दानता। छोड़ना। छोड़ना।

अतिसायम्, (अ.) सायंकाल के समीप। प्रदोष का समय।

अतिसार, (पुं.) रोग विशेष। अतिसार रोग।

अतिसारकिन्, (वि.) अतिसार रोगी। अतिसार रोगवाला।

अतिसृष्ट:, (वि.) दत्त। दिया हुआ। निर्दुष्ट किया गया। दिया गया। [illegible]

अतिसौरभ:, (पुं.) आम्र विशेष। बहुत सुगन्धवाला।

अतिस्थूल:, (वि.) अत्यन्त मोटा। आवश्यकतासे अधिक मोटा।

अतिहसितम्, (न.) अतिशय हास्ययुक्त। अधिक हँसने वाला।

अतीत, (वि.) व्यतीत। बीता हुआ। बीत गया। भूतकाल।

अतीतकाल:, (पु.) हेत्वाभासविशेष। अनु-मान के द्वारा किसी पदार्थ के साधन समय बीत जाने पर उसके साधन के लिये जो हेतु कहा जाय वह अतीतकाल हेतु कहा जाता है और वह हेत्वाभास दोष है।

अतीन्द्रियम्, (वि.) इन्द्रियों से न जानने योग्य वस्तु। अप्रत्यक्ष।

अतीव, (अ.) बहुतही। अत्यन्त। अधिक। अतिशय।

अतीसार, (पु.) रोग विशेष। उदर रोग। दस्तावरूपाय रोग।

अतुल:, (वि.) अनुपम। उपमान रहित।

अत्तिका, (स्त्री.) बड़ी बहिन। इस शब्द का प्रयोग नाटकों में किया जाता है।

अत्यन्तम्, (अ.) अतिशय। अधिक। सीमा को अतिक्रमण करने वाला।

अत्यन्तकोपन, (वि.) चण्ड। अधिक क्रोध-शील। अधिक क्रोध करने वाला।

अत्यन्तगामी, (वि.) अधिक चलनेवाला। [illegible]। [illegible]।

अत्यन्तसंयोग, (पुं.) सदैव सम्बन्ध। निरन्तर सम्बन्ध। अत्यन्त ही मेल मिलाप। जिस प्रकार दूध और पानी का सम्बन्ध है, दो पदार्थों का अत्यन्त ही मेल मिला कर [illegible] कि दोनों के बीच में एक दूसरा पद न [illegible] हो सके।

अत्यन्ताभाव, (पु.) नैयायिकों के मत से अभाव का एक भेद। किसी वस्तु का

मारण उच्चाटन आदि का भेद लिखा है।
अथर्वाधिपति, (पुं.) चन्द्रमा के पुत्र बुध।
अथवा, (अ.) पक्षान्तरबोधक अव्यय।
अथो, (अ.) आरम्भ आदि। (देखो अथ)
अद्, (धा. पर.) खाना। भोजन करना।
अदत्ता, (स्त्री.) बिना ब्याही स्त्री। कुमारी।
अदत्तादायी, (त्रि.) बिना दी हुई वस्तु को ग्रहण करने वाला। चोर। डाकू।
अदनम्, (न.) भक्षण। भोजन।
अदभ्रम्, (त्रि.) बहुत। थोड़ा नहीं।
अदर्शनम्, (त्रि.) दर्शन के अयोग्य। जो देखने में न आवे। जो न देखा जाय।
अदल, (पु.) हिज्जल नामक वृक्ष। (त्रि.) पत्रहीन वृक्ष बिना पत्तों का पेड़।
अदस, (त्रि.) दूसरा। अन्य। दूर की वस्तु।
अदाता, (पुं.) कृपण। दानशक्तिहीन। जो दे न सके।
अदास्यः, (पुं.) जलाने के अयोग्य। शरीर रहित। परमात्मा। महायोगी।
अदिति, (स्त्री.) देवमाता। ये दक्ष प्रजापति की कन्या और कश्यप की स्त्री थी। पुनर्वसु नक्षत्र। क्योंकि इसकी देवता अदिति है। न काटने योग्य भूमि।
अदितिनन्दन, (पु.) अदिति के पुत्र। देवता।
अदीनः, (त्रि.) उदार। दीन नहीं।
अदीनात्मा, (त्रि.) अत्यन्त कष्ट होने पर भी जिसकी आत्मा विचलित न हो।
अदृश्यम्, (न.) न देखे जाने योग्य रूप। (त्रि.) इन्द्रियों से नहीं देखे जाने योग्य।
अदृष्टम्, (न.) भाग्य। नियति। शुभाशुभ रूप कर्म।
अदृष्टपूर्वः, (त्रि.) पहले नहीं देखा हुआ।
अदृष्टि, (स्त्री.) दृष्टि का अभाव। अन्धा। कदृष्टि। क्रोध के साथ देखना।
अदेवमातृकः, (पु.) जिस देश में नदी आदि के जल से अन्न उत्पन्न होता है उस देश के वासी।

अद्धा, (अ.) सत्यार्थक अव्यय। साक्षात्।
अद्भुत, (न.) आश्चर्य। विस्मय। वि... विस्मयजनक विकार। नवरसों में एक रसविशेष।
अद्भुतस्वनः, (पुं.) महादेव। आश्चर्य... आश्चर्यशब्दयुक्त।
अद्मरः, (त्रि.) बहुत खाने वाला। भक्षक...
अद्य, (अ.) आज का दिन। वर्तमान...
अद्यतनः, (त्रि.) आज की उत्पन्न हुई... कालविशेष। बीती हुई रात का अन्तिम... और आने वाली रात का पहला पहर... समस्त दिन यह अद्यतन काल... जाता है।
अद्यापि, (अ.) आज भी। इस समय। अब...
अद्यश्वीना, (स्त्री.) आज कल में ... जनने वाली स्त्री। आसन्नप्रसवा।
अद्रि, (पु.) पर्वत। पहाड़। वृक्ष। ... मान विशेष। सात की संख्या।
अद्रिकर्णी, (स्त्री.) अपराजिता ... औषधि।
अद्रिकीला, (स्त्री.) भूमि। पृथिवी।
अद्रिजम्, (न.) शिलाजीत नामक औ... (त्रि.) पर्वत पर उत्पन्न होनेवाले पद...
अद्रिजतु, (न.) शिलाजतु।
अद्रिजा, (स्त्री.) पार्वती। गिरिजा।
अद्रिभित्, (पु.) वज्र। इन्द्र।
अद्रितनया, (स्त्री.) हिमालय पर्व... कन्या। पार्वती।
अद्रिद्विष्, (पु.) इन्द्र। देवराज।
अद्रिभू, (स्त्री.) अपराजिता नामकी ल...
अद्रिराज, (पु.) पर्वतों का राजा। हिम...
अद्रिसार, (पु.) लोहा।
अद्रीश, (पु.) हिमालय पर्वत।
अद्रोह, (पु.) द्रोह का अभाव।
अद्वय, (न.) ब्रह्म। परमार्थ। ...
... ... (पु.) ...

भेद । नियुक्त किये गये पुरुष का सम्बन्ध, यथा—राजाओं के भृत्य, चाकर आदि धारण करने का अधिकार है । अधीनस्थ देश आदि । प्रकरण । व्याकरण के मत से पहिले सूत्र के पद को दूसरे सूत्र में ले जाना ।

अधिकारविधि, (पुं.) मीमांसा शास्त्र की परिभाषा । कर्मों से उत्पन्न फल को बोधन करनेवाली विधि ।

अधिकारी, (पुं.) प्रभुता । स्वत्वस्वामी । अधिकार विशिष्ट ।

अधिकार्थवचन, (न.) स्तुति और निन्दा का प्रकाशित करने वाली वचन उक्ति ।

अधिकृत, (त्रि.) कृतक्ष । नियुक्त । आयव्यय देखने वाला कर्मसम्बन्धी अधिकार प्राप्त । जिसको कोई काम सौंपा गया हो ।

अधिक्रम, (पुं.) आक्रमण । अधिक्रमण ।

अधिक्षिप्त, (त्रि.) स्थापित । कुत्सित । भर्त्सित । तिरस्कृत ।

अधिक्षेप, (पुं.) निन्दा । तिरस्कार ।

अधिगत, (त्रि.) प्राप्त । ज्ञात । जाना गया । पाया गया । स्वीकार किया गया ।

अधिगम, (पुं.) ज्ञानप्राप्ति । प्राप्ति । स्वीकार ।

अधित्यका, (स्त्री.) पर्वत के ऊपर की भूमि ।

अधिदेवता, (स्त्री.) पदार्थों के अधिष्ठातृ देवता ।

अधिदैवतम्, (न.) दिव्यकर्म । आत्मसंबंधी दुःख । चक्षु आदि इन्द्रियों के अधिष्ठात देवता ।

अधिप, (त्रि.) राजा । प्रभु । अधिपति ।

अधिपति, (पुं.) प्रभु । स्वामी ।

अधिभू, (पुं.) [illegible] । नायक । स्वामी ।

अधिमांसक, (पुं.) दन्तरोगविशेष । दाँत का एक रोग ।

अधिमास, (पुं.) मलमास । अधिक मास । संक्रान्तिरहित मास ।

अधियज्ञ, (पुं.) यज्ञदेवता । "अधियज्ञोऽहमेवात्र देहे देहभृतां वर" (गीता) ।

अधियोग, (पुं.) ग्रहों का योगविशेष ।

अधिरथ, (पुं.) कर्ण के पिता का नाम ।

अधिराज, (पुं.) सम्राट् ।

अधिरोहिणी, (स्त्री.) काठ की बनी सीढ़ी । ऊपर चढ़ने का उपाय है नीचे उतरने का साधन ।

अधिवचनम्, (न.) नाम । पद ।

अधिवास, (पुं.) सुगन्धित करना । वासना । निवास । रहना । ठहरना ।

अधिवासनम्, (न.) यज्ञ आरम्भ का पहला दिन । जिस दिन देवता आदि की स्थापना होती है । गन्ध माल्य आदि से पूजा करना ।

अधिविन्ना, (स्त्री.) प्रथम ब्याही स्त्री । जिसकी सौत आ जाती है ।

अधिश्रयणम्, (न.) आग आदि जलाने के लिये पात्र को चूल्हे पर रखना ।

अधिश्रयणी, (स्त्री.) चूल्हा ।

अधिष्ठाता, (त्रि.) अध्यक्ष । प्रवृत्ति और निवृत्ति करने वाला । स्वामी । प्रभु ।

अधिष्ठानम्, (न.) वेदान्तशास्त्र के मत से कल्पित का अधिकरण । पहिया । नगर । प्रभाव । स्थान । अध्यासन ।

अधीन, (त्रि.) आयत्त । दूसरे के वश । वश हुआ ।

अधीति, (स्त्री.) अध्ययन । पठन । पढ़ना ।

अधीत, (त्रि.) पठित । गुरु के पास पढ़ा हुआ । अध्ययन में कर्तृत्व ।

अधीयान, (त्रि.) पढ़ने वाला । वेदपाठी ।

अधीर, (त्रि.) चंचल । कातर । घबराया हुआ ।

अधीरा, (स्त्री.) विद्युत् । बिजली । नायिका विशेष ।

अधीश, (त्रि.) प्रभु । स्वामी । ईश्वर ।

अधीश्वर, (पुं.) बड़ा राजा । (पुं. न.) चक्रवर्ती सम्राट् जिसको सामन्त कर देते हैं ।

अद्वयकारणम्, (न.) परब्रह्म । जगत् के निमित्त और उपादान दोनों कारण ।

अद्वयवादी, (पुं.) वेदान्ती । बौद्ध । एक वस्तु की सत्ता माननेवाला । अद्वैतवादी । बौद्ध विशेष ।

अद्वितीय, (त्रि.) केवल । एक । उसके समान दूसरा नहीं । परमात्मा । श्रेष्ठ । असमान ।

अद्वेष्टा, (त्रि.) अद्वेषी । द्वेष न करनेवाला । हितकारी ।

अद्वैत, (त्रि.) स्वजातीय विजातीय भेदशून्य । भेदविकल्परहित । सिद्धान्त विशेष । वेदान्त सिद्धान्त ।

अद्वैतवादी, (पु.) बुद्ध । (त्रि.) त्रिवेदी ब्रह्म और आत्मा की एकता कहने वाला ।

अधःक्रिया, (स्त्री.) अपमान । तिरस्कार ।

अधःक्षिप्त, (त्रि.) नीचे की ओर मुँह करके रखा गया द्रव्य ।

अधःपुष्पी, (स्त्री.) एक पौधे का नाम । जिसके फूल नीचे की ओर होते हैं ।

अधनः, (त्रि.) भार्या पुत्र भृत्य आदि ।

अधमः, (त्रि.) कुत्सित । निन्दित । (पुं.) जार । उपपतिविशेष ।

अधमर्ण, (त्रि.) ऋणकर्ता । ऋण लेनेवाला । कर्जखोर ।

अधमर्णिकः, (त्रि.) अधमर्ण । ऋणकर्ता ।

अधमा, (स्त्री.) नायिकाभेद ।

अधमाङ्ग, (न.) चरण । पाँव । पैर । पाद ।

अधरः, (पु.) ऊपर या नीचे का ओठ । (त्रि.) पृथिवी से जो न मिला हुआ हो । नीचे । तल ।

अधरतः, (अ.) नीचे की ओर ।

अधरमधु, (न.) अधररस । अधरामृत ।

अधरात्, (अ.) नीचे का भाग । अधोभाग ।

अधरेण, (अ.) नीचे की ओर । पश्चिम दिशा ।

... (अ.) पर दिन । दूसरा दिन । ... आनेवाला परसों ।

अधर्म, (त्रि.) ब्रह्महत्या आदि निषिद्ध कर्मों से उत्पन्न पाप । वेदनिषिद्ध कर्म । अनेक प्रकार के दुःख देनेवाले कर्म । धर्म का विरोधी ।

अधर्मज्ञ, (त्रि.) अधार्मिक । धर्म न मानने वाला । धर्म को तुच्छ समझने वाला ।

अधर्ममित्र, (पुं.) कलियुग । (त्रि.) अधार्मिक । मिथ्यावादी ।

अधश्चर, (पुं.) निन्दित कर्मों में जिसकी रुचि हो । चोर आदि । नीचे की ओर जाने वाला ।

अधस्तात्, (अ.) नीचार्थक अव्यय ।

अधि, (अ.) अधिकार । ऐश्वर्य । आधि । हिस्सा ।

अधिकम्, (न.) बहुत । अनेक । ज्यादा । अर्थालङ्कारविशेष ।

अधिकरणम्, (न.) आधार कारक । कर्ता और कर्म क्रिया का आश्रय । मीमांसा ।

अधिशय्या, (स्त्री.) पृथिवीपर सोना । भूमिशयन ।

अधिकरणविचाल, (पु.) द्रव्य की अवस्था के भेद से संख्या का भेद करना । एक राशि को अनेक बनाना अथवा अनेक राशि को एक बनाना ।

अधिकरणसिद्धान्तः, (पु.) सिद्धान्त-विशेष । जहाँ एक की सिद्धि से दूसरे की सिद्धि होती है, वह अधिकरण सिद्धान्त है अर्थात् जिस अर्थ के सिद्ध होते ही दूसरे प्रकरण की सिद्धि होती हो ।

अधिकर्तव्यम्, (न.) जो अधिकरण में उत्पन्न हो ।

अधिकार्मिक, (पुं. न.) हाट का मालिक । बाजार का चौधरी ।

अधिकाङ्गम्, (न.) कवच आदि बाँधने की पट्टी । कमरकस । (त्रि.) अधिक अङ्ग वाला । जिसके अङ्ग बढ़े हुए हों ।

अधिकारः, (पुं.) फलस्वामित्व । किसी काम करने की स्वाधीनता । नैष्कर्म्याधिकार ।

अध्यात्मयोगः, (पु.) चित्त को विषयों से हटा कर आत्मा में लगाना।

अध्यात्मविद्या, (स्त्री.) ब्रह्मज्ञान। न्याय और वैशेषिक के मत से देह भिन्न आत्मा के स्वरूप को बतलाने वाली विद्या अध्यात्मविद्या कही जाती है। सांख्य मत से प्रकृति से भिन्न आत्मा के रूप को बतलाने वाली विद्या अध्यात्मविद्या कही जाती है। और वेदान्तियों के मत से आत्मा और ब्रह्म में अभेद बतलाने वाली विद्या अध्यात्मविद्या है।

अध्यापक, (त्रि.) अध्ययन कराने वाला। उपाध्याय। पढ़ाने वाला।

अध्यापन, (न.) ब्राह्मण का मुख्य कर्म। ब्रह्मयज्ञ। पढ़ाना। विद्यादान करना।

अध्यायः, (पु.) अध्ययन। अध्याय। ग्रन्थों का भागविशेष। जो एक विषय की समाप्ति बतलाता है। सर्ग। वर्ग। परिच्छेद। काण्ड।

अध्यारूढ, (त्रि.) समारूढ। चढ़ा हुआ।

अध्यारोप, (पु.) दूसरी वस्तु के धर्म को दूसरी वस्तु में लगाना। मिथ्या ज्ञान। भ्रमवश दूसरी वस्तु को दूसरी वस्तु समझना. [illegible] को साँप समझ लेना।

अध्यावाहनिक, (न.) पिता के घर से पति के घर जाने के समय स्त्री को मिला हुआ धन। स्त्रीधन।

अध्याशन, (न.) भोजन पर भोजन। एक बार भोजन करने पर भी अन्न खाना।

अध्यास, (पु.) एक वस्तु में दूसरी वस्तु के धर्म का आरोप करना। अध्यारोप। मिथ्या ज्ञान। [illegible]

अध्याहरण, (न.) [illegible] विशेष। स्वकल्पित [illegible]

अध्याहार, (पु.) तर्क। ऊहापोह। [illegible] को पूर्ण करने के लिये दूसरे शब्दों का अनुमान करना। [illegible]

अध्युषितः, (त्रि.) ठहरा हुआ। स्थित।

अध्युष्ट्र, (पु.) उष्ट्रयुक्त रथ। ऊँटगाड़ी।

अध्रिगुः, (पु.) ईश्वर। प्रभु। धर्म। चलने वाला।

अध्यूढा, (स्त्री.) अनेक ब्याह करने वाले की पहली स्त्री।

अध्येषणम्, (न.) याचना। [illegible] मांगना।

अध्येष्यमाणः, (त्रि.) वह मनुष्य, जो अध्ययन करने वाला है।

अध्रुवः, (त्रि.) चपल। विनाशशील। अनित्य। अस्थिर। विनाशी।

अध्वग, (पु.) पथिक। मार्ग चलने वाला। (त्रि.) सूर्य। ऊँट। खच्चर।

अध्वगभोग्य, (पु.) पथिकों को छाया से प्राप्त होने योग्य वृक्षविशेष। अमड़ा नामक वृक्ष।

अध्वगा, (स्त्री.) मार्ग में उत्पन्न होने वाला एक प्रकार का पौधा। स्वर्णपुष्पी।

अध्वन्, (पु.) मार्ग। रास्ता। राह।

अध्वनीन, (त्रि.) पथिक। मार्ग चलने वाला। चलने का काम करने वाला।

अध्वन्य, (त्रि.) पथिक। अधिक मार्ग चलने वाला।

अध्वर, (पु.) यज्ञ। वसु। [illegible]। वसु-विशेष।

अध्वरथ, (पु.) मार्ग चलने का रथ। दूत [illegible]

अध्वर्यु, (पु.) यजुर्वेद का जानने वाला [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अधीष्टः, (पुं.) सत्कारपूर्वक व्यापार। (त्रि.) सत्कार करके व्यापार में नियुक्त किया गया। श्रादर के साथ किसी काम के लिये किसी को श्राज्ञा देना।

अधुना, (श्र.) इदानीं। इस समय।

अधुनातन, (त्रि.) इस समय का। इस काल में होने वाला।

अधृष्टः, (त्रि.) लज्जाशील। विनयी।

अधृष्यः, (त्रि.) तिरस्कार करने के अयोग्य। प्रगल्भ। धृष्ट। जो किसी से न दबे।

अधृष्या, (स्त्री.) एक नदी का नाम।

अधोंशुकम्, (न.) पहनने का कपड़ा। नीचे पहनने का कपड़ा। धोती श्रादि।

अधोक्षज, (पुं.) विष्णु। जो इन्द्रियसम्बन्धी ज्ञान का विषय न हो। परब्रह्म। जिसने इन्द्रिय जन्य ज्ञान को तिरस्कृत कर दिया है। कृष्ण भगवान्। ज्ञानी। जीवन्मुक्त।

अधोगतिः, (स्त्री.) नरक। अवनति। नीचे की श्रोर गति।

अधोजिह्विका, (स्त्री.) छोटी जीभ। जो तालु के मूल में रहती है।

अधोदृष्टिः (त्रि.) अपना विनय जताने के लिये सदा नीचे की श्रोर देखने वाला। विनीत। विनयी।

अधोभुवन, (न.) पातालनोक। नाग-लोक।

अधोमुख, (त्रि.) नीचे की श्रोर मुखवाला। नक्षत्रविशेष। मूल, अश्लेषा, कृत्तिका, विशाखा, भरणी, मघा और तीनों पूर्वा ये अधोमुख नक्षत्र कहे जाते हैं।

अधोमुखा, (स्त्री.) गोजिह्वा नामक पौधा।

अधोलम्बः, (पुं.) [illegible]। [illegible]

[illegible] (पुं.) [illegible]। [illegible]

[illegible] (पुं.) [illegible] (त्रि.) किसी [illegible]। किसी काम की [illegible] के लिये नियुक्त। [illegible]-

निरीक्षक। व्यापक। विस्तृत। चारों श्रोर फैला हुश्रा। (न.श्र.) प्रत्यक्ष ज्ञान। इन्द्रियों के द्वारा जानने योग्य।

अध्यग्नि, (न.) स्त्रीधन। जो विवाह के समय अग्नि को साक्षी करके दिया जाता है।

अध्यधीनम्, (न.) अधिक अधीन। जन्म का दास। क्रीत हुश्रा दास।

अध्ययनम्, (न.) पढ़ना। गुरु के मुख से उपदेश ग्रहण करना। गुरु की कही हुई बातों का दुहराना। अर्थ सहित अक्षरों का ग्रहण करना।

अध्यर्द्धम्, (त्रि.) आधे के साथ। एक और आधा। डेढ़।

अध्यवसाय, (पुं.) निश्चय। निर्धारण। युक्तियों के द्वारा किसी बात को निश्चित करना। उत्साह। बुद्धिसम्बन्धी व्यापार। किसी पदार्थ के ज्ञान होने के समय रजोगुण और तमोगुण की न्यूनता होने के कारण जो सत्त्वगुण का प्रादुर्भाव होता है वह अध्यवसाय है। बुद्धि। बुद्धि का प्रधान व्यापार।

अध्यशनम्, (न.) अधिक भोजन करना। अजीर्ण पर खाना।

अध्यस्तः, (त्रि.) कृताध्यास।

अध्यात्म, (अ.) आत्मा। देह। मन। "स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते" इस गीता के श्लोक में स्वभाव को अध्यात्म कहा गया है। "स्वभाव" का अर्थ टीकाकारों ने इस प्रकार किया है। कार्य कारण के समूह रूप देह का अवलम्बन कर के आत्मा विषय भोग करता है, उसी को "अध्यात्म" कहते हैं। (मधुसूदनसरस्वती) प्रत्येक देह में परब्रह्म का जो अंश वर्तमान है, वह अध्यात्म कहा जाता है (श्रीधर)।

अध्यात्मज्ञानम्, (न.) आत्मा और परमात्मा का विवेक।

गातिक, (वि.) एकाग्र । एकान्त-
ित ।
चेता, (वि.) एक में जिसका चित्त
गा हो । एक में आसक्त ।
जः, (पु.) कामदेव । अन्य से उत्पन्न
। केवल एकही से उत्पन्न ।
ाध्यः, (वि.) किसी एक के द्वारा
ध्य होने योग्य कर्म । दूसरे के द्वारा
साध्य ।
भाजः, (वि.) एकान्त भक्त । जिसका
न एक के अतिरिक्त दूसरे में न हो ।
वृत्ति, (वि.) ईश्वर के अतिरिक्त
ो दूसरे का ध्यान न करे । एकाग्र । एक-
ान्त । एकान्तचित्त ।
त्र, (वि.) स्वतन्त्र । अधीन नहीं ।
ो वश में न हो ।
यः, (पु.) अर्थालङ्कारविशेष । जहाँ
हीं उपमान और उपमेय हो । वहाँ यह
लङ्कार होता है । (वि.) सम्बन्धशून्य ।
म्बन्धरहित ।
यी, (वि.) अनपायस्य । अनश्वर ।
विनाशी । निश्चल ।
क्षः, (वि.) निरपेक्ष । निःस्पृह । उपेक्षा
ील । ईश ।
ज्ञः, (वि.) अनिज्ञ । मूर्ख । पंडित नहीं ।
ियुक्तः, (वि.) अनन्त । अज्ञात ।
ाप्रकट ।
जतापः, (पु.) अनर्थ । अनिच्छा ।
ः, (पु.) अशुभभाग्य । विपत्ति ।
भाग । अनीति ।
ार, (वि.) मे पोकदेक । अनिच्छुक
ुप । अधैर्य ।
ी, (वि.) अमूल्य । जिसका मोल न हो ।
ः, (पु.) अनर्थक । प्रयोजन का
भाव । अनिष्ट । व्यर्थ ... । नहीं
चाहा गया । जिसका कुछ अर्थ या प्रयोजन
न हो ।

अनर्थक, (न.) अर्थशून्य । प्रलाप । अर्थ के
बिना । ... वाक्य ।
अनर्थदूरम्, (न.) ... का अभाव ।
... ... का न जानना ।
अनर्थान्तरम्, (न.) अभिन्न । समान ।
भेद नहीं ।
अनलः, (पु.) जिसकी तृप्ति न हो । अनेक
पदार्थों के जलाने पर भी जिसकी तृप्ति न
हो । अग्नि । अष्ट वसुओं का पञ्चम वसु ।
कृत्तिका नामक नक्षत्र । क्योंकि इसका देवता
अग्नि है । ... । जो चित्ता नाम से
प्रसिद्ध है । (पु.) चित्रक नामक वृक्ष ।
... । ... वृक्ष है जिस ।
... वर्षों में ... ।
अनलदः, (पु.) ... । ... ... ।
करनेवाला ।
अनलप्रभा, (स्त्री.) जिसकी प्रभा अग्नि के
समान हो । ज्योतिष्मती नामक लता ।
अनलि, (पुं.) ... ।
अनल्पः, (वि.) प्राचीन । अल्प नहीं ।
अनवधानम्, (न.) प्रमाद । मन न लगाना ।
अनवधानता, (स्त्री.) प्रमाद । ...
से किया गया कर्म । ... ।
अनवमः, (वि.) ... । ... ।
अनवमः, (वि.) उत्तम । सदा ।
अनवरः, (वि.) प्रधान । श्रेष्ठ । बड़ा । छोटा नहीं ।
अनवरतम्, (न.) अविरत । निरन्तर । ...
अवश्य ।
अनवलोभन, (न.) ...
... के पश्चात् ... के
के लिये ... संस्कार ।
अनवसरः, (वि.) जिसका ठीक ... न
हो । बेमौका । निरवसर ।
अनवस्करम्, (वि.) ... ।
... । ... । ... ।
अनवस्थः, (वि.) ... । ...
... । ... । ... ।

अनक्षम्, (त्रि.) चक्ररहित। बिना पहिये की गाड़ी। अन्धा।

अनक्षरम्, (न.) दुर्वचन। गुण छिपाकर दोष प्रकाश करना। अवाच्य। निन्दावचन। गाली।

अनक्षि, (न.) मन्द नेत्र। (त्रि.) मन्दनेत्र-वाला। अन्धा।

अनगारः, (पुं.) ऋषि। मुनि। तपस्वी। (त्रि.) गृहरहित।

अनग्निः, (पुं.) श्रौत स्मार्त कर्म हीन अग्निहोत्ररहित। सन्यासी।

अनग्निका, (स्त्री.) रजोवती कन्या। जिसको मासिक धर्म हुआ हो।

अनघः, (त्रि.) निर्मल। पापरहित। रम-णीय। दुःखरहित।

अनङ्गम्, (न.) आकाश। मन। (पु.) मदन। कामदेव।

अनङ्गशेखर, (पु.) दण्डक नामक एक प्रकार का छन्द। इसमें क्रमशः लघु और गुरु प्रथम रखे जाते हैं।

अनङ्गसुहृत्, (पुं.) शिव। महादेव।

अनच्छः, (त्रि.) कलुष। आमल, मैला।

अनञ्जनम्, (न.) व्योम। आकाश। ब्रह्म। (पुं.) नारायण।

अनडुह, (पु.) साँड़। सुमन। बैल।

अनडुही, (स्त्री.) गौ।

अनतिरेकः, (पु.) अभेद।

अनद्यः, (पु.) मनोहर सर्वी।

अनध्यक्षः, (त्रि.) अध्यक्षरहित। अगोचर।

अनध्यायः, (पु.) अध्ययन के अनुपयुक्त समय। पढ़ने के लिये निषिद्ध काल।

अनन्तगुणम्, (न.) अन्तशून्य। (त्रि.) अपरिच्छिन्न। अपरिमित। जिसकी कोई इयत्ता न हो।

अनन्तः, (पु.) शेषनाग। विष्णु। नारायण। ईश्वर। मनुष्य आदि अनेक जाति को जो [illegible] इस कारण जिसको "अनन्त"

कहते हैं। शेषनाग। बलभद्र।

अनन्तजित्, (पुं.) पुरुषविशेष। जैनों के चौदहवें जिन। विष्णु।

अनन्तमात्रः, (त्रि.) अपरिच्छिन्न। जिसकी इयत्ता न हो।

अनन्तमूर्तिः, (पुं.) सर्वात्मा। परमात्मा।

अनन्तमूलः, (पु.) कराला नामकी ओषधि। बच का एक भेद।

अनन्तरम्, (न.) आनेवाला काल। पश्चात्। पश्चात् का काल। (त्रि.) परमात्मा। छिद्ररहित। व्यवहित। अन्तर-हित। सटा हुआ।

अनन्तरूपः, (पु.) भगवान्। विराट्। (त्रि.) अनन्तरूप युक्त। जिसके अनन्त रूप हों।

अनन्तलोकः, (पु.) अविनाशी लोक। स्वर्गलोक।

अनन्तविजयः, (पुं.) राजा युधिष्ठिर के शङ्ख का नाम।

अनन्तवीर्यः, (पु.) अर्हद्विशेष। आने वाले कल्प में होने वाले जैनियों का तेईसवाँ तीर्थङ्कर।

अनन्तव्रत, (न.) व्रतविशेष। इस व्रत में अनन्त की उपासना कीजाती है। यह व्रत भादोंकी शुक्ल चतुर्दशीको होता है।

अनन्तशीर्षा, (स्त्री.) वासुकी नाग की पत्नी।

अनन्ता, (स्त्री.) विशल्या नाम की ओषधि। एक प्रकार की जड़। जिसका नाम "अनन्त मूल" है। पार्वती। पृथिवी। दूर्वा। हरीतकी। आमलकी। गुडूची। अग्नि-मन्थ वृक्ष।

अनन्तात्मा, (पुं.) परमात्मा। विष्णु। देश। काल और वस्तु से अपरिच्छिन्न।

अनन्यः, (त्रि.) सर्वातिशायी, तुल्य। एक को छोड़ दूसरे से देखनेवाला। आत्मा और आत्मको अधिक दृष्टि से देखने वाला। एक-तान। किसी एक विषय में लगा हुआ।

अनार्यदेशः, (न.) आर्यावर्त से भिन्न देश। अगुरु काठ। अनार्य देश में उत्पन्न।

अनार्यजुष्टम्, (वि.) निन्दित आचार। अनार्यों का सेवित मार्ग।

अनार्यतिक्तः, (पु.) भूनिम्ब। चिरायता।

अनार्षिज, (वि.) अनभिप्रेत। अभूत। न हुआ हुआ।

अनालिप्तः, (वि.) निर्लेप। विमल। [illegible] रहित।

अनावृत, (वि.) प्रकट। आच्छादनरहित। बिना ढका हुआ।

अनावृत्ति, (स्त्री.) नहीं लौटना।

अनावृष्टि, (स्त्री.) वर्षा का अभाव। उपद्रव विशेष। खेती का नाश करने वाला उपद्रव। ईतिविशेष।

अनाश्रयम्, (न.) [illegible] का अभाव। [illegible] का न होना।

अनाश्वासनम्, (न.) [illegible]। उत्साह करने वाला।

अनाहारी, (पु.) [illegible]।

अनाहित, (वि.) [illegible] न करने वाला। [illegible]।

अनाहार्य, (वि.) भोजन न करने वाला।

अनाहिताग्नि, (वि.) [illegible]।

अनाहूता, (स्त्री.) [illegible]।

अनाहत, (न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अनिकेत, (वि.) [illegible] [illegible] [illegible]

अनिर्दिष्ट, (वि.) [illegible]

अनिल, (वि.) [illegible]

अनिलघ्नः, (पु.) [illegible]

अनिलप्रकृति, (पु.) [illegible]

करी वाहन हो। दैवत। स्वाती। [illegible]

अनिमित्तरोग, (न.) [illegible] [illegible]।

अनिमित्तावभाषः, (पु.) [illegible] दैव के आकार।

अनिमेष, (पु.) देवता। जिनके [illegible] हो। मछली।

अनियत, (वि.) [illegible]। विनाशी। [illegible]।

अनियन्त्रित, (वि.) [illegible] [illegible]। निरंकुश।

अनिरुद्ध, (वि.) [illegible] [illegible] [illegible]

अनिरुद्धः, (पु.) [illegible] का पुत्र [illegible] [illegible] [illegible] (वि.) [illegible]

अनिरूपणम्, (न.) [illegible] (वि.) [illegible]

अनिरुक्तासिद्धि, (स्त्री.) [illegible]

अनिर्देश्य, [illegible]

अनिर्देश्य, (वि.) [illegible]

अनिर्दिष्टकाल, (पु.) [illegible]

अनिर्दिश्य, (वि.) [illegible]

अनिर्दिष्टभेषज, (पु.) [illegible]

अनिल, (पु.) [illegible]

अनिलघ्न, (पु.) [illegible]

अनवस्था, (त्रि.) तर्कविशेष। किसी विषय को युक्तियों के द्वारा सिद्ध करना तर्क है। जिस तर्क में अपाश्रित करने वाली युक्तियों का अन्त न हो वह अनवस्था कहा जाता है। स्थिति का अभाव।

अनवस्थान, (न.) अवस्थिति का अभाव। कहीं नहीं ठहरना। वायु। चपल।

अनवस्थितिः, (स्त्री.) चपलता। मत्सरता। राग, द्वेष आदि से उत्पन्न चपलता।

अनशनम्, (न.) भोजन का अभाव। उपवास। (त्रि.) उपवासी। नहीं भोजन करने वाला।

अनश्नन्, (त्रि.) उपवासी। न खानेवाला।

अनश्वरः, (त्रि.) शाश्वत। सनातन।

अनस्, (न.) शकट। रथ। माता। भात।

अनसूया, (स्त्री.) अत्रि मुनि की स्त्री। कर्दम प्रजापति की कन्या। ये बड़ी पतिव्रता थीं। असूया का अभाव।

अनसूयुः, (त्रि.) अनिन्दक। निन्दा न करने वाला।

अनहंवादी, (त्रि.) गर्वोक्तिहीन। जो अपना गर्व प्रकाशित न करे।

अनहङ्कारः, (त्रि.) अहङ्काररहित।

अनहङ्कृति, (स्त्री.) गर्व का अभाव।

अनाकुल, (त्रि.) अनन्यासक्त। एकाग्रचित्त। स्थिर। [illegible]।

अनाक्रान्तः, (त्रि.) अपराजित। अजेय।

अनाक्रान्ता, (स्त्री.) कण्टकारी। भटकटैया।

अनागत, (त्रि.) नहीं आया हुआ काल। भविष्यत् काल। अनुत्पन्न। अज्ञात।

अनागतार्तवा, (स्त्री.) [illegible]।

अनाचार, (पु.) निन्दित आचार। आचार हीन।

अनातपः, (पु.) धूप का अभाव। छाया।
[illegible] (पु.) [illegible]। [illegible]।
[illegible] (त्रि.) [illegible]।

अनाथः, (त्रि.) नाथरहित। दीन। स्वतन्त्र।

अनादरः, (पु.) तिरस्कार। परिभव।

अनादिः, (पुं.) परमेश्वर। चतुर्मुख। ब्रह्मा। (त्रि.) आदिरहित।

अनादित्वम्, (न.) जिसका आदि किसी को मालूम न हो।

अनादिनिधनः, (त्रि.) आद्यन्तशून्य। परमेश्वर। जन्ममरणरहित।

अनादृतम्, (त्रि.) अवज्ञात। तिरस्कृत।

अनापन्नः, (त्रि.) अप्राप्त।

अनामकम्, (न.) अर्शरोग (पुं.) मलमास।

अनामय, (न.) आरोग्य। मोक्ष नामक पुरुषार्थ। षड्भाव विकाररहित परमात्मा। (त्रि.) नीरोग। रोगरहित।

अनामा, (स्त्री.) छोटी अङ्गुली के पास की अङ्गुली। कहते हैं इस अङ्गुली ने ब्रह्मा के सिर काटे जाने में सहायता पहुँचाई थी इसी कारण इसका नाम नहीं लिया जाता।

अनामिका, (स्त्री.) मध्यमा और कनिष्ठा के बीच की अङ्गुली।

अनायास, (पु.) अपरिश्रम। अक्लेश। कष्ट का अभाव। श्रम का अभाव। बिना परिश्रम।

अनायासकृतम्, (त्रि.) बिना यत्न किया हुआ। अल्प परिश्रमसे किया हुआ काम।

अनारतम्, (न.) सतत। सदा सर्वदा। अविरत। लगातार।

अनारम्भ, (पु.) अननुष्ठान। आरम्भ का अभाव।

अनार्जव, (पु.) रोग। कुटिलता। सरलता का अभाव।

अनार्तव, ( ) पौष आदि चार महीनों में होने वाली वृष्टि का नाम।

अनार्य, (त्रि.) दुर्जन। दुःशील। [illegible]। दस्यु।

अनुयायी, (त्रि.) अनुचर । सदृश । पश्चात् गमन करनेवाला ।

अनुयुक्तः, (पुं.) वेतन लेकर पढ़ानेवाला ।

अनुयोग, (पुं.) प्रश्न पूछना ।

अनुयोगकृतम्, (पु.) आचार्य ।

अनुरक्तः, (त्रि.) अनुरागी । अनुकूल ।

अनुराग, (पु.) अत्यन्त प्रीति । परस्पर प्रेम ।

अनुरागी, (त्रि.) अनुरक्त । प्रीतियुक्त ।

अनुराधा, (स्त्री.) सत्रहवां नक्षत्र ।

अनुरुद्धः, (त्रि.) रोकागया निबद्ध ।

अनुरूपम्, (अ.) समान । सदृश । योग्य । जैसे का तैसा ।

अनुरोध, (पु.) अनुरीति । अनुवर्तन । अनुगमन । पीछा करना । आग्रह का इष्ट सम्पादन करना ।

अनुलाप, (पुं.) बारबार बात करना । बार बार बोलना ।

अनुलिप्त, (त्रि.) कृतानुलेप । लेप लगाया हुआ ।

अनुलेप, (पुं.) अनुलेप । चन्दन आदि ।

अनुलेपनम्, (न.) चन्दन आदि शरीर में लगाकर आदि का लगाना ।

अनुलोम, (पुं.) नमिक । यथाक्रम । क्रमानुसार ।

अनुलोमज, (पुं.) ऊंचे वर्ण के वीरज से निकृष्ट वर्ण की स्त्री के गर्भ से उत्पन्न पुत्र ।

अनुवर्तनम्, (न.) स्वामी आदि बड़ों की इच्छा को पूर्ण करना । अनुकूलआचरण ।

अनुवर्तित, (त्रि.) सेवित । आराधित । पूजित ।

अनुवर्ती, (त्रि.) अनुकूल । अनुवर्तन करने वाला । आज्ञाकारी ।

अनुवाक, (पुं.) वहीं वाले वीरव । ऋचिविशेष । अध्यायः स्तूह ।

अनुवाक्या, (स्त्री.) देवता के आवाहन करने का मन्त्र विशेष । जिससे इन्द्र बहाया जाता है ।

अनुवातः, (पु.) वायुविशेष । जो शि... की ओर से उस की ओर वायु आता है ... " अनुवात " कहा जाता है ।

अनुवादः, (पुं.) जानी हुई बात की कहना ... हुई बात को कहना । अन्य प्रमाणों ... जानी हुई बात को शब्दों से प्रकटि... करना ।

अनुवास, (पु.) सुगन्ध । सौरभ ।

अनुवासन, (न.) धूप आदि से सुगन्धि... करना ।

अनुविद्ध, (त्रि.) खचित । जड़ा हुआ... पिरोया गया ।

अनुवृत्तः, (त्रि.) प्रविष्ट । व्याप्त । वाञ्छित...

अनुवृत्ति, (स्त्री.) लगातार पीछा ... वाला । अनुरोध । सेवा । दूसरे की इच्... पर निर्भर रहना । अनुकूलता । व्याकर... में पहले सूत्र के पद को आगे के सूत्र... लेजाना ।

अनुव्रजनम्, (न.) घर आये हुए शिष्टों... जाने के समय कुछ दूर तक उनक... पहुंचाने के लिये जाना । शिष्टाचारविशेष...

अनुव्रज्या, (स्त्री.) अनुगमन करना... अनुगमन ।

अनुशयः, (पु.) द्वेष । पश्चात्ता... सांयोगिक कर्म विशेष । भारी वैर ।

अनुशयी, (त्रि.) पश्चात्तापी । द्वेष... करनेवाला ।

अनुशरः, (पु.) राक्षस ।

अनुशार्दि, (पु.) अर्थ ।

अनुशासनम्, (न.) शासन । आज्ञा... उपदेश । व्युत्पत्ति करना ।

अनुशासित, (त्रि.) अनुशिष्ट । अनुशिष्ट... शिक्षया हुआ ।

अनुशासिता, (त्रि.) शिक्षक । शिक्षा... करनेवाला ।

अनुशिष्टः, (त्रि.) अनुशिष्ट । अनुशा... सित ।

अनुपरत, (त्रि.) अविरत । लगातार । लगा हुआ । जिसकी इच्छा निवृत्त न हो ।

अनुपलब्धि, (स्त्री.) प्राप्ति का अभाव । अज्ञान, इन्द्रियजन्य ज्ञान का अभाव ।

अनुपसंहारी, (पुं.) हेत्वाभास विशेष । दुष्टहेतु । जिसमें अन्वय या व्यतिरेक का कोई दृष्टान्त न मिले ।

अनुपस्कृत, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अनुपहित, (त्रि.) [illegible] । [illegible] ।

अनुपाहन, (पुं.) [illegible] ।

अनुपात, (पुं.) [illegible] । पीछे गिरना ।

अनुपातक, (न.) [illegible] । [illegible] ।

अनुपानम्, (न.) [illegible] ।

[illegible]

अनुभव, (पु.) स्मरण भिन्न ज्ञान । प्रत्यक्ष ज्ञान । यह दो प्रकार का होता है यथार्थ और अयथार्थ । अयथार्थानुभव ही का नाम भ्रमात्मक ज्ञान है ।

अनुभाव, (पु.) राजाओं का तेज विशेष । कोष और दण्ड से उत्पन्न तेज । प्रभाव । सामर्थ्य । निश्चय । हृदय स्थित भाव के प्रकाशित करने वाली चेष्टा ।

अनुभाव्य, (त्रि.) अनुभव का विषय ।

अनुभूतः, (त्रि.) परिचित । जाना हुआ ।

अनुभूतिः, (स्त्री.) ज्ञान विशेष । अनुभव ।

अनुमत, (त्रि.) अनुज्ञात । किसी काम के लिये आज्ञा पाया हुआ । सम्मत । स्वीकृत ।

अनुमतिः, (स्त्री.) अनुज्ञा । आज्ञा देना । ब्रह्मा की कन्या का नाम । एक [illegible] का नाम । जिस पूर्णिमा को उदय में प्रतिपद होने के कारण चन्द्रमा [illegible] हीन हो ।

अनुमन्ता, (त्रि.) आज्ञा देने वाला । [illegible] को कार्य में उत्साहित करने वाला ।

अनुमरण, (न.) किसी के मरने के पश्चात् मरना । सती होना । मृत पति के साथ [illegible] ।

अनुमा, (स्त्री.) अनुमिति । अनुमान ।

अनुमान, (न.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अनुमिति, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible]

अनेडमूकः, (त्रि.) शठ। मूक। बधिर। गूंगा। बहरा। बोलने और सुनने की शक्ति से रहित।

अनेनस्, (त्रि.) निर्दोष। दोषरहित।

अनेहा, (पु.) काल। समय।

अनैकान्तिकः, (पु.) व्यभिचारी हेतु। हेतु का एक प्रकार का आभास। इसके तीन भेद हैं। साधारण। असाधारण और अनुपसंहारी।

अनैक्यम्, (त्रि.) एकता का अभाव। विरोध।

अनैपुण्यम्, (न.) अनिपुणता। दक्षता का अभाव।

अनैश्वर्यम्, (न.) असामर्थ्य। अशक्ति।

अनोकहः, (पु.) वृक्ष। पेड़।

अनौचिती, (स्त्री.) उचित नहीं। मर्यादा को अतिक्रम करना। लौकिक मर्यादा का उल्लंघन करना।

अन्तम्, (न.) स्वरूप। स्वभाव। (पु.) नाश। (न. पु.) अवसान। समाप्ति। (त्रि.) समीप। प्रदेश। अत्यन्त मनोहर। रुचिर। अवयव। निर्णय। व्याधि। सीमा।

अन्तःकरणम्, (न.) मन। बुद्धि। अहङ्कार और चित्त। हृदयस्थित ज्ञान का साधन।

अन्तःकुटिलः, (पु.) शंख। (त्रि.) कुटिलहृदय। अप्रकाश कार्य।

अन्तःपुरम्, (न.) राजाओं का रनिवास। राजमहल। शुद्धान्त।

अन्तःपुराध्यक्षः, (पु.) राजाओं के अन्तःपुर का अध्यक्ष। रनिवास का कारबारी।

अन्तःसत्त्वा, (स्त्री.) गर्भिणी। जिसके पेट में प्राणी हो।

अन्तःस्वेदः, (पुं. स्त्री.) गज। हाथी।

अन्तकः, (पु.) नाश करनेवाला। यमराज। भरणीनक्षत्र।

अन्तकरः, (त्रि.) नाशक। नाश करनेवाला।

अन्तकर्म, (न.) नाशन। मरण। मृत्यु।

अन्तकाल, (पुं.) अन्तसमय। मरणकाल।

अन्तगः, (त्रि.) पार जानेवाला। पारग। कार्य की सिद्धि तक जानेवाला। अन्तगत।

अन्तगतः, (त्रि.) समाप्तहुआ। अवसान प्राप्त।

अन्ततः, (अ.) सम्भावना। अवयव।

अन्तः, (अ.) मध्य। बीच। प्रान्त। अभ्यु-पगम। चित्त।

अन्तरम्, (न.) अवकाश। अवधि। पहनने का कपड़ा। छिद्र। भेद। विशेष। अवसर। आत्मीय। विना। मौका। मध्य। बीच। आत्मा। सदृश।

अन्तरङ्गः, (त्रि.) अङ्ग का मध्य। आत्मीय। अपना। व्याकरण में अन्तरङ्ग उसको कहते हैं जिसका निमित्त दूसरे की अपेक्षा थोड़ा हो।

अन्तरज्ञः, (त्रि.) छोटे बड़े का भेद जाननेवाला।

अन्तरप्रभवः, (त्रि.) सङ्कीर्ण जाति। अनुलोम प्रतिलोमज शूद्र।

अन्तरा, (अ.) निकट। मध्य। रहित। विना।

अन्तरात्मा, (पुं.) अन्तःकरण। हृदयस्थित आत्मा। सर्वान्तर्यामी परमात्मा। अन्तःकरण का अधिष्ठाता जीवात्मा।

अन्तरापत्या, (स्त्री) गर्भिणी।

अन्तराय, (पु.) विघ्न। बाधा। रुकावट। विनिरोध।

अन्तरारामः, (त्रि.) योगी, जीवन्मुक्त। वासना नाश होने के कारण जिसने सांसारिक सुखों का त्याग किया है।

अन्तरालम्, (न.) अभ्यन्तर। मध्य। बीच।

अन्तरिक्षम्, (न.) अम्बर। आकाश। पक्षी और मेघों के घूमने का मार्ग। भूलोक और स्वर्गलोक के मध्य का स्थान।

अन्तरित, (त्रि.) तिरस्कृत। व्यवहित। व्यवधान किया गया। गर्भी।

[illegible]

अनूकः, (पु.) पीठ का हिस्सा। [illegible]
(न.) कुल। शील।

अनूचानः, (पुं.) अङ्गों सहित वेदों का पढ़ने वाला। (त्रि.) विनीत। नम्र।

अनूचानमानी, (त्रि.) अपने को अनूचान समझने वाला।

अनूढः, (त्रि.) अविवाहित। [illegible]

अनूनम्, (त्रि.) न कम। पूरा। [illegible]

अनूपः, (त्रि.) जलप्राय। [illegible]

अनूपः, (पुं.) भैंसा। [illegible]
[illegible]
जिस देश में पानी और जल हो।

[illegible]

अन्त्य (पु.) सब से पीछे का। चाण्डाल। (त्रि.) अधम। अन्त में होनेवाला चरमस्थ। (न.) रेवती नक्षत्र। मीन राशि। संख्या विशेष। १०००००००००००००००।

अन्त्यजः, (पु.) नीच जाति विशेष।

अन्त्यजन्मा, (पुं.) जिस का जन्म अन्त में हुआ हो। शूद्र।

अन्त्यजाति, (पुं.) चाण्डाल आदि सात जाति।

अन्त्यवर्णः, (पु.) शूद्र। अन्तिम वर्ण। अन्त का अक्षर।

अन्त्यावसायी, (पुं.) चाण्डाल के औरस और निषाद जाति की स्त्री के गर्भ से उत्पन्न पुत्र।

अन्त्येष्टिः, (स्त्री.) मृतक का अन्तिम संस्कार। श्राद्ध। पिण्ड दानादि क्रिया।

अन्त्रम्, (न.) शरीर के अवयवों को बांधने वाली शिरा अंतड़ी। पुंलिङ्ग नाम की नाड़ी।

अन्त्रवृद्धिः, (स्त्री. पु.) रोगविशेष। अण्ड-कोष की वृद्धि।

अन्दुकः, (पु.) हाथी के पैर की बेड़ी। सिकड़। जिस से हाथी बांधे जाते हैं।

अन्दूः, (स्त्री.) निगड़। बेड़ी। पैर का भूषण विशेष।

अन्धू, (भा. प.) नहिंलखना। दर्शन का अभाव।

अन्धः, (पु. न.) तिमिर। अन्धकार। अदर्शनात्मक। अज्ञान। (त्रि.) आंख रहित। नेत्रहीन। (पु.) जिसके।

अन्धकः, (पु.) देश विशेष। एक मुनि का नाम। यदुवंशी एक राजा का नाम। एक दैत्य का नाम। हिरण्याक्ष पुत्र।

अन्धकरिपुः, (पु.) अन्धक नामक दैत्य का शत्रु। शिव। महादेव।

अन्धकारः, (पु.) प्रकाश का अभाव। तम। अंधेरा।

अन्धकूपः, (पुं.) अंधेरा कुआ। एक नरक का नाम।

अन्धतमस, (न.) बड़ा अंधेरा।

अन्धतामिस्र, (पुं.) नरक विशेष।

अन्धमूषिका, (स्त्री.) औषध विशेष। देव-ताड़ का वृक्ष। वैद्यकशास्त्र में लिखा है कि इस के उपयोग से अन्धों की आंखें अच्छी हो जाती हैं।

अन्धस, (न.) भात। ओदन। चावल।

अन्धिका, (स्त्री.) द्युत विशेष। निद्रा नाम की ओषधि। नेत्ररोग विशेष।

अन्धुः, (पु.) कूप। कुआ।

अन्धुल, (पु.) शिरीष का वृक्ष।

अन्ध्र, (पु.) चाण्डाल विशेष। देश विशेष। तैलङ्ग देश।

अन्न, (न.) भात। ओदन। पकेहुए चावल। कच्चा धान्य। जौ चना आदि। पृथिवी। अन्न उत्पन्न करने के सम्बन्ध से पृथिवी भी अन्न कही जाती है।

अन्नकोष्ठक, (पु.) अन्न रखने का कोठा कोठा। कोठी। ढोला। मरई। जहां अन्न रखता है।

अन्नगन्धिः, (पु.) रोगविशेष। अजीर्ण। अतिसार।

अन्नदः, (त्रि.) अन्नदाता। अन्न देनेवाला।

अन्नदा, (स्त्री) काशी की अन्नपूर्णा देवी।

अन्नदाता, (पु.) स्वामी। प्रभु।

अन्नपूर्णा, (स्त्री.) अपने नाम से प्रसिद्ध देवी जो काशी में है।

अन्नप्राशनम्, (न.) संस्कार विशेष। [illegible] अन्न खाना। छठे या आठवें महीने में बच्चे को [illegible] कराया जाता है।

अन्नमयः, (पु.) स्थूल शरीर [illegible] का [illegible] कोष।

अन्नविकारः, (पु.) अन्न के [illegible] [illegible] शुक्र [illegible]

अन्नादः, (त्रि.) अन्न के भोक्ता । प्रदीप्त अग्नि । नीरोग । (पुं.) विष्णु ।

अन्नप्राशनम्, (न.) विधि पूर्वक अन्न का खाना । अन्नप्राशन ।

अन्यः, (त्रि. स.) असदृश । भिन्न । दूसरा ।

अन्यतम, (त्रि.) समूह से एक को निश्चित करना । बहुतों में का एक ।

अन्यतर, (त्रि.) दो में से एक को निर्धारण करना ।

अन्यतः, (अ.) अन्यत्र । दूसरी ओर ।

अन्यत्र, (अ.) व्यतिरेक । दूसरा । विना । अन्यस्थान ।

अन्यथा. (अ.) असत्य । प्रकारान्तर । दूसरा प्रकार । पश्चान्तर ।

अन्यथासिद्धि, (स्त्री.) कार्य की उत्पत्ति के पहले वर्तमान रहने पर भी जो कारण न हो ।

अन्यदा, (अ.) कालान्तर । अन्य काल में । दूसरे समय में । अन्य समय । पश्चात् । फिर ।

अन्यपूर्वा, (स्त्री.) एक बार ब्याह के पश्चात् दूसरी बार ब्याही गयी स्त्री ।

अन्यभृत्, (पु.) काक । यह कोयल को पोसता है ।

अन्यगामी. (पु.) अन्यगामी । अन्य [illegible] ।

अन्यादृश, (त्रि.) अन्य प्रकार । दूसरे के सदृश ।

अन्याय, (पु.) अनीति । दूसरे का धन आदि हरण करना । अनुचित कार्य ।

अन्याय्यम्, (त्रि.) अयोग्य । अनुचित ।

अन्येद्यु, (अ.) दूसरे दिन ।

अन्योदर्यः, (त्रि.) [illegible] । [illegible] भाई ।

अन्योन्यम्, (त्रि.) परस्पर । आपस में । [illegible] । [illegible] वस्तुओं की एक [illegible] के द्वारा [illegible] और उन [illegible] [illegible] है ।

अन्योन्याभावः, (पु.) आपस में एक दूसरे का अभाव । परस्पर अभाव । घट-पट का पट में और पट का घट में अभाव ।

अन्योन्याश्रय, (त्रि.) जो एक दूसरे के आश्रय से वर्तमान हो । तर्क विशेष । एक पदार्थ की सिद्धि दूसरे पदार्थ की सिद्धि के सापेक्षिक हो । जैसे-एक पदार्थ का ज्ञान होना दूसरे पदार्थ के अधीन है और उस दूसरे पदार्थ का ज्ञान पहले पदार्थ के अधीन है । इसीको अन्योन्याश्रय कहते हैं । यह एक दोष है ।

अन्वक्षम्, (त्रि.) अनुपद । पीछा करना । दौड़ना । प्रत्यक्ष । इन्द्रियजन्य ज्ञान ।

अन्वक्, (त्रि.) अनुक् । अनुपद । अनुगामी । पीछा करनेवाला ।

अन्वय, (पुं.) सन्तति । कुल । पदों का परस्पर सम्बन्ध । अनुगम । अनुवृत्ति । एक पदार्थ की सत्ता के अधीन दूसरे पदार्थ की सत्ता ।

अन्वयबोधः, (पुं.) पदों से उपस्थित अर्थों के सम्बन्ध का ज्ञान । नैयायिक मत से शाब्द प्रमाण । वैशेषिक मत से शब्द से उत्पन्न अनुमान ।

अन्वयव्यतिरेकी, (त्रि.) हेतुविशेष । सद् हेतु । जिस हेतु में अन्वय और व्यतिरेक वर्तमान हो ।

अन्वयव्याप्तिः, (स्त्री.) हेतुविशेष । [illegible] के साथ नियम से रहना । जहाँ धूम है वहाँ अग्नि इस प्रकार की व्याप्ति ।

अन्ववसर्गः, (पु.) इच्छानुसार काम करने की आज्ञा देना ।

अन्ववायः, (पु.) वंश । [illegible] । कुल ।

अन्वष्टका, (स्त्री.) [illegible] का [illegible] विशेष । [illegible] [illegible] । [illegible] के [illegible] की [illegible] ।

अन्वहम् (अ.) [illegible] । [illegible] ।

वर्ग ऐसा व्यवहार होता है । कालिक और देशिक भेद से यह दो प्रकार का होता है ।

अपरपक्षः, (पु.) दूसरा पक्ष । कृष्णपक्ष ।

अपररात्र, (पु.) रात्रिशेष । रात का पिछला भाग । रात का पिछला पहर ।

अपरवक्त्रम्, (न.) छन्दविशेष । वैतालीय नामक छन्द ।

अपरशैलाग्न्यम्, (न.) बौद्ध विशेष ।

अपरस्परः, (त्रि.) निरन्तराय । काम का नैरन्तर्य । लगातार काम करना ।

अपरा, (स्त्री.) जरायु । पश्चिम दिशा । विद्याविशेष ।

अपरागः, (पु.) अप्रीति । द्वेष ।

अपराङ्गः, (पु.) गुणीभूत व्यङ्ग्य का भेद ।

अपराजितः, (पु.) शिव । विष्णु । एक ऋषि का नाम । (त्रि.) दूर्वा । लता विशेष । अपराजेय ।

अपराजिता, (स्त्री.) जया । उमा । इसी नाम की लता ।

अपराद्धः, (त्रि.) अपराधी । अपराध करने वाला ।

अपराद्धपृषत्कः, (त्रि.) वह धनुर्धारी जिसका बाण लक्ष्य से च्युत हो ।

अपराधः, (पु.) पातक । पाप । गुनाह । भूल । न करने योग्य काम करना ।

अपराधी, (त्रि.) गुनाहगार । जिस ने अपराध किया हो ।

अपरान्तः, (त्रि.) पाश्चात्य देश । पश्चिमी देश । अपर अन्तवर्ती देश ।

अपराह्णः, (पु.) दिन के तीन भागों का अन्तिम भाग । दिन का तीसरा भाग । दिन का शेष भाग ।

अपराह्णतनः, (त्रि.) अपराह्ण में होने वाली वस्तु ।

अपरिकलितः, (त्रि.) अज्ञात । अदृष्ट ।

अपरिग्रहः, (पु.) असंग्रह । धन कुछ न रखना । अस्वीकार । संन्यासी । (त्रि.) परिग्रहहीन ।

अपरिच्छदः, (त्रि.) परिच्छदरहित । दरिद्र । निर्धन ।

अपरिच्छिन्नः, (त्रि.) परिच्छेदरहित । असीम । इयत्तारहित ।

अपरिसङ्ख्यानम्, (न.) आनन्त्य । असीम ।

अपरिहार्यम्, (त्रि.) छोड़ने योग्य नहीं । अत्यावश्यक । जो छोड़ा न जाय ।

अपरेद्युः, (अ.) दूसरा दिन । परसों ।

अपरोक्षम्, (त्रि.) प्रत्यक्ष । विषय और इन्द्रियों के संयोग से जो ज्ञान होता है ।

अपर्णा, (स्त्री.) पार्वती । हिमालय की कन्या । (त्रि.) पर्णरहित । पत्ररहित ।

अपर्याप्तम्, (त्रि.) असमर्थ । अपरिपूर्ण । शक्तिरहित । जो पूर्ण न हो ।

अपलम्, (न.) कीलक । (त्रि.) मांसहीन ।

अपलापः, (पु.) प्रेम । अपह्नव । छिपाव । सच्ची बात को भी झूठ कहना ।

अपवरकः, (न.) वासगृह । रहने का घर ।

अपवर्गः, (पु.) त्याग । मोक्ष । कार्यों की समाप्ति । कर्म का फल । दुःखों का अत्यन्त नाश ।

अपवर्गगुरुः, (पु.) महादेव । हरि ।

अपवर्जनम्, (न.) दान । त्याग । मोक्ष । निर्जन ।

अपवर्जितः, (त्रि.) परित्यक्त । त्यक्त ।

अपवर्तनम्, (न.) परिवर्त । वक्र करना । लौटना । टेढ़ा करना । बीजगणित में प्रसिद्ध भाज्य भाजक दोनों को किसी एक समान अङ्क से काटना । कमी करना । अल्प करना ।

अपवादः, (पु.) निन्दा । कलंक । प्रेम । विश्वास । विशेष नियम । व्याकरण शास्त्रानुसार अपवाद शास्त्र ।

अपचारः, (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपचारिणी, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] करनेवाली स्त्री ।

अपचारी, (त्रि.) [illegible] करनेवाला ।

अपचितम्, (त्रि.) [illegible] । पूजित । [illegible] । [illegible] हुआ ।

अपचितिः, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] हुआ । [illegible] । [illegible] हुआ । [illegible] हुआ ।

[illegible] (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] का [illegible] ।

[illegible], (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible]

अपदिशम्, (न.) दो दिशाओं का [illegible] । [illegible] । कोन ।

अपदिष्टः, (त्रि.) [illegible] हुआ । [illegible] ।

अपदेशः, (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] को [illegible] करना । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपध्वंसज, (पु.) वर्णसङ्कर । भिन्न भिन्न वर्णों के समागम से उत्पन्न हुई [illegible] ।

अपध्वस्त, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] हुआ । [illegible] ।

अपनयनम्, (न.) दूर [illegible] । [illegible] करना । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपनीत, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपनेय, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपनोदन, (न.) दूर [illegible] । [illegible] । [illegible] करना ।

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible]

अपाङ्ग, (पु.) नेत्र का अन्तभाग । कटाक्ष ।

अपाङ्गक, (पु.) अपामार्ग नामक पौधा । कटाक्ष । (त्रि.) अङ्गहीन ।

अपाङ्गदर्शनम्, (न.) कटाक्ष । कटाक्ष से देखना ।

अपाटवम्, (न.) रोग । चतुराई का अभाव । चतुराई के बिना । बेवकूफी ।

अपात्रम्, (न.) अयोग्य । योग्यताहीन । निन्दित । दुराचारी ।

अपात्रीकरणम्, (न.) नवविध पापों में से एक पाप का नाम । यह पाप [illegible] प्रकार का होता है । (१) निन्दित से धन लेना (२) व्यापार करना (३) शूद्रसेवा (४) असत्य बोलना ।

अपादान, (न.) छः कारकों में का पाँचवाँ कारक । जिस वस्तु से दूसरी वस्तु का विभाग होता है वह अपादान कहा जाता है ।

अपानः, (पु.) नीचे जाने वाला शरीर का वायु ।

अपाप, (त्रि.) पापरहित । निष्पाप ।

अपापविद्धः, (त्रि.) पापसम्बन्धहीन ।

अपामार्गः, (पु.) औषधिविशेष । एक पौधे का नाम । चिचड़ा ।

अपाम्पतिः, (पु.) समुद्र । वरुण ।

अपायः, (पु.) विश्लेष । नाश । [illegible] । दूर जाना ।

अपारः, (पु.) समुद्र । जिसका पार न हो । जिस की सीमा न हो । [illegible] ।

अपार्थः, (त्रि.) अर्थरहित । निरर्थक । [illegible] ।

अपावृतः, (त्रि.) खुला हुआ । [illegible] ।

अपाश्रयः, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

अपासनम्, (न.) [illegible] ।

अपा[illegible], (त्रि.) [illegible] ।

अपि, (अ.) सम्भावना । प्रश्न । शङ्का । गर्हा । समुच्चय । [illegible] । [illegible] ।

अपिगीर्णम्, (न.) स्तुत । प्रशंसित । जिसकी स्तुति की गयी हो ।

अपितु, (अ.) किन्तु । परन्तु । [illegible] । एक अव्यय है ।

अपिधान, (न.) आच्छादन । ढकना ।

अपिनद्धः, (त्रि.) पहना हुआ वस्त्र ।

अपीच्यम्, (त्रि.) अत्यन्त सुन्दर ।

अपीनसः, (त्रि.) पीनसरोगरहित । नासिका के एक रोग को पीनस कहते हैं उससे रहित हुआ ।

अपुत्रा, (स्त्री.) सन्तानहीन । [illegible] । (त्रि.) पुत्रहीन ।

अपुनरावृत्तिः, (स्त्री.) जहाँ से पुनः आवृत्ति नहीं । मुक्ति । मोक्ष ।

अपुनर्भवः, (पु.) पुनः जन्म का अभाव । मोक्ष । मुक्ति । [illegible] का नाश ।

अपुष्पफलदः, (पु.) कटहल । जो बिना फूल के भी फलता है ।

अपूपः, (पु.) पिष्टक । पूआ । मालपूआ ।

अपूप्यम्, (न.) जिससे पूआ बनते हैं । [illegible]

अपू[illegible], (स्त्री.) [illegible]

अपूर्वः, (त्रि.) पहले जो नहीं देखा गया [illegible] । अपरिचित । [illegible] । [illegible] । (पु.) [illegible] ।

अपूर्वविधिः, (पु.) [illegible] ।

अपेक्षणीयः, (त्रि.) अपेक्षा के योग्य ।

अपेक्षा, (स्त्री.) [illegible] ।

अपेक्षाबुद्धिः, (स्त्री.) अनेक विषयक बुद्धि [illegible] ।

अपेक्षित, (त्रि.) [illegible] ।

अपे[illegible], (त्रि.) [illegible] ।

अपे[illegible], (त्रि.) [illegible] ।

अपधारण, (न.) अन्तर्द्धान । याचना । अवधान ।

अपविद्धः, (त्रि.) त्यक्त । छोड़ दिया गया । अन्यायाश्रात । तिरस्कार किया हुआ । पुत्रविशेष—जो पिता माता के द्वारा परित्यक्त हो ।

अपविषा, (स्त्री.) औषधिविशेष । जिस से दूर होजाय ।

अपवृत्त, (पुं.) पराङ्मुख । किसी की न माननेवाला । दुराचारी ।

अपशब्दः, (पुं.) अपभ्रंश शब्द । असंस्कृत शब्द । बिगड़ा हुआ शब्द ।

अपशुक्, (पुं.) आत्मा ।

अपशोक, (पु.) अशोक नामक वृक्ष ।

अपष्ठु, (पु.) काल । (त्रि.) वाम । प्रतिकूल । विरोध ।

अपसद, (पुं.) अधम । नीच । अपकृष्ट । नीचजातिविशेष ।

अपसरः, (पुं.) अपसरण । हटना ।

अपसरणम्, (न.) एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना ।

अपसर्जन, (न.) परिवर्जन । दान । छोड़ना । विर्जन । मोक्ष ।

अपसर्पः, (त्रि.) गुप्तचर । छिपा हुआ दूत । (पु.) एक प्रकार का सर्प ।

अपसव्य, (त्रि.) शरीर का दक्षिण भाग । प्रतिकूल । विरुद्धार्थ । पितृतीर्थ ।

अपसिद्धान्तः, (पुं.) माने हुए सिद्धान्त से गिरना ।

अपस्करः, (पु.) रथाङ्ग । पहिये को छोड़ कर रथ का अङ्ग ।

अपस्नात, (त्रि.) निन्दित स्नात । मृतक के लिये स्नान करनेवाला ।

अपस्नान, (न.) मृतकनिमित्तक स्नान ।

...पर, (पु.) रोगविशेष । मूत्रविकार । ... रोग ।

अपस्मारी, (त्रि.) अपस्माररोगी ।

अपहतः, (त्रि.) अपनीत । नष्ट । मारा । पीड़ित ।

अपहतपाप्मा, (पुं.) जिसके सम्पूर्ण पाप दूर होगये हों । वेदान्तशास्त्र द्वारा जानने योग्य आत्मा ।

अपहतिः, (स्त्री.) विनाश । उच्छेद ।

अपहन्ता, (पुं.) विनाशक । नाश करने वाला ।

अपहर्ता, (त्रि.) अपहरण करने वाला । विनाशक ।

अपहस्तित, (त्रि.) निरस्त । हटाया हुआ । गले में हाथ देकर निकाल दिया हुआ ।

अपहारः, (पु.) हानि । चोरी । छिपाना । लुकाना । अपचय । हानि । अपहरण ।

अपहारक, (त्रि.) अपहरण करने वाला ।

अपहारी, (त्रि.) अपहरण शील । अपहरण करने वाला ।

अपहासः, (पु.) अकारण हँसी । निरर्थक हास्य ।

अपहृतः, (त्रि.) अपनीत ।

अपह्नवः, (पु.) स्नेह । अपलाप । सत्यको छिपाना ।

अपह्नुति, (स्त्री.) अपलाप अर्थालङ्कार विशेष । प्रकृत बात को छिपाकर उस को दूसरे रूप से वर्णन करने से यह अलङ्कार होता है ।

अपांनाथः, (पु.) समुद्र । सागर । वरुण ।

अपाक, (पु.) अजीर्ण होना । नहीं पकना । कच्चा ।

अपाकरण, (न.) निराकरण । दूर करना । हटाना ।

अपाकशाकम्, (न.) अदरख ।

अपाकृत, (त्रि.) त्यक्त । दूरीकृत । हटाया हुआ ।

अपाङ्क्तेयः, (त्रि) पङ्क्ति में भोजन करने के अयोग्य । पतित । अधम । जातिच्युत ।

अप्सरस्, (स्त्री.) देवाङ्गना । उर्वशी आदि स्वर्ग की वेश्या ।

अफलः, (पु.) झाऊ । (त्रि.) सफल न हुआ । निष्फल । व्यर्थ ।

अफलप्रेप्सुः, (त्रि.) कर्मफलकामनारहित ।

अफला, (स्त्री.) घीकुआर । एक प्रकार की औषधि ।

अफेनम्, (न.) अफेन । अफ़ीम । इसके चार भेद होते हैं । (१) श्वेत । (२) काला । (३) पीला । (४) मटमैला रङ्ग ।

अबद्धम्, (न.) अनुपपन्नार्थक वाक्य । निरर्थक वचन । परस्पर सम्बन्धहीन वाक्य ।

अबद्धमुख, (त्रि.) दुर्वचन बोलने वाला । दुर्वचन वक्ता । वाचाल । मुखफट ।

अबाध्यम्, (त्रि.) रोक के अयोग्य । मारने के अयोग्य । दण्ड के अयोग्य ।

अबन्ध्यम्, (त्रि.) सफल । निष्फल नहीं । जिसका फल न रुके ।

अबलः, (पु.) वरुण नामक वृक्ष । (त्रि.) दुर्बल । बलरहित । अबला (स्त्री.) स्त्रीजाति ।

अबाधः, (त्रि.) बाधारहित । पीड़ा रहित ।

अबिन्धनः, (पु.) बड़वानल । विद्युत् । बिजली ।

अब्ज, (न.) कमल । शङ्ख । मत्स्यविशेष । अरब । १०००००००००० ।

अब्जजः, (पु.) विष्णु के नाभिकमल से उत्पन्न । ब्रह्मा । प्रजापति ।

अब्जभोगः, (पु.) भसीड़ा । कमलकन्द ।

अब्जवाहनः, (पु.) शिव । महादेव ।

अब्जहस्तः, (पु.) सूर्य । दिवाकर ।

अब्जिनी, (स्त्री.) नलिनी । कमलिनी । कमलों की लता । पद्मसमूह । पद्मिनी ।

अब्जिनीपतिः, (पु.) सूर्य ।

अब्दः, (पु.) मेघ । बादल । मोथा । एक पर्वत का नाम । वर्ष । साल ।

अब्धिः, (पु.) समुद्र । सागर । सिन्धु ।

अब्धिकफः, (पु.) समुद्र का झाग । समुद्रफेन । एक प्रकार की औषधी ।

अब्धिद्वीपा, (स्त्री.) पृथिवी ।

अब्धिनवनीतम्, (न.) समुद्र के नवनीत (मक्खन) समान । चन्द्रमा ।

अब्धिफेन, (पु.) समुद्रफेन ।

अब्धिमण्डूकी, (स्त्री.) शुक्ति । सीप ।

अब्धिशयनः, (पु.) विष्णु । नारायण । शेषशायी भगवान ।

अभ्रम्, (न.) मेघ । बादल । जो जल धारण करता है ।

अभ्रंलिह, (पु.) वायु । हवा । जो मेघों को उड़ा लेजाता है । ऊँचे शिखर महल वृक्ष आदि ।

अभ्रकः, (न.) जो मेघों के समान श्वेत । धातुविशेष । अबरक ।

अभ्रपुष्प, (पु.) जल । वेतवृक्ष । बेतका पेड़ ।

अभ्रमातङ्गः, (पु.) ऐरावत नाम का हाथी ।

अभ्रमु, (स्त्री.) इन्द्र के हाथी ऐरावत की स्त्री । पूर्व दिशा की हथिनी ।

अभ्रमुवल्लभ, (पु.) ऐरावत हाथी ।

अभ्ररोहम्, (पु.) वैदूर्य नामक मणि । प्रवाल । मूंगा ।

अब्रह्मण्यम्, (न.) अवध्योक्ति । "न मारो" इस अर्थ में इस का प्रयोग नाटकों में होता है । (पु.) ब्राह्मण भक्तिहीन ।

अब्राह्मणः, (पु.) नीच ब्राह्मण । अधम ब्राह्मण । वैर ब्राह्मण ।

अभक्ष्यः, (त्रि.) खाने के अयोग्य । न खाने योग्य ।

अभद्रः, (त्रि.) दुष्ट । बुरा । अशुभ ।

अभयम्, (न.) भय का न होना । भयरहित । परमात्मा । परमात्मा का ज्ञान । (अभयं वै जनक प्राप्तोऽसि) "श्रुति" शास्त्र में कही हुई विधियों को बिना सन्देह अनुष्ठान करनेवाला । गीता का दैवगुणविशेष ।

अपोगण्डः, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । न [illegible] ।

अपोढ, (त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अपोदका, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] नामक शाक ।

अपोनपात्, (पु.) इस नाम से प्रसिद्ध एक देवता ।

अपोह, (पु.) तर्क का निराकरण । [illegible] कल्पना । तर्क । त्याग । [illegible] ।

अप्पतिः, (पु.) जल का स्वामी । वरुण । समुद्र ।

अप्रकाण्डः, (पु.) शाखा हीन वृक्ष । गुल्म ।

अप्रकाशः, (त्रि.) प्रकाश का अभाव । न समझने योग्य । [illegible] । गोपन ।

अप्रकृष्टगुण, (त्रि.) जिसके उत्तमगुण न हों । व्याकुल । घबराया हुआ ।

अप्रतरः, (त्रि.) प्रतरणरहित ।

अप्रगुण, (त्रि.) व्याकुल । प्रकृष्टगुणहीन ।

अप्रणयः, (पु.) अप्रीतिः । प्रीति का अभाव ।

अप्रतर्क्य, (त्रि.) तर्क के अयोग्य । मन के अगोचर ।

अप्रतिकरः, (त्रि.) विश्वस्त । विश्वासपात्र ।

अप्रतिपक्षः, (त्रि.) अप्रतियोगी । विपक्षरहित । शत्रुरहित ।

अप्रतिपत्तिः, (स्त्री.) यथार्थ का अज्ञान ।

अप्रतिभ, (त्रि.) अधृष्ट । लज्जित । अप्रत्युत्पन्नमति । अप्रगल्भ । प्रतिभाहीन ।

अप्रतिमः, (त्रि.) असदृश । असमान । जिस के तुल्य दूसरा न हो ।

[illegible], (न.) युद्ध की यात्रा । युद्धार्थ [illegible] के लिये किया गया मङ्गल । सामवेद [illegible] एक भाग । जिसके समान दूसरा [illegible] न हो । विष्णु ।

[illegible]रूपकथा, (स्त्री.) ऐसा वचन जिस [illegible] उत्तर न हो । उत्तरहीन वचन ।

अप्रतिष्ठ, (त्रि.) [illegible] । [illegible] ।

अप्रतिहतः, (त्रि.) [illegible] । जिसे [illegible] नहीं । [illegible] ।

अप्रत्यक्षम्, (न.) प्रत्यक्ष भिन्न । इन्द्रियों के [illegible] ।

अप्रत्ययः, (पु.) अविश्वास ।

अप्रधान, (न.) प्रधान का अभाव । गौण ।

अप्रबुद्धः, (त्रि.) अविकसित । [illegible] करने के अयोग्य ।

अप्रमत्तः, (त्रि.) प्रमादरहित । सावधान ।

अप्रमेय, (त्रि.) अपरिच्छिन्न [illegible] । यह ऐसा है । इस प्रकार जिसका निश्चय न किया जा सके । [illegible] ।

अप्रशस्तम्, (त्रि.) [illegible] । [illegible] ।

अप्रसङ्गः, (पु.) [illegible] । [illegible] का अभाव ।

अप्रस्तुतः, (त्रि.) अनुपस्थित । [illegible] । [illegible] ।

अप्रस्तुतप्रशंसा, (स्त्री.) अर्थालङ्कारविशेष । अप्राकरणिक अर्थ के कहने से प्राकरणिक अर्थ का बोध होना ।

अप्रहत, (त्रि.) अनाहत । बिना जोती हुई भूमि ।

अप्राकृतः, (त्रि.) सामान्य । असाधारण ।

अप्राग्र्यम्, (त्रि.) अप्रधान । मुख्य नहीं ।

अप्राप्तः, (त्रि.) अप्राप्य । नहीं पाया गया ।

अप्राप्तकाल, (न.) अवसर का विपरीत कहना ।

अप्राप्तव्यवहारः, (त्रि.) व्यवहार से अनभिज्ञ । अल्पवयस्क । नाबालिग ।

अप्राप्तिः, (स्त्री.) लाभ का अभाव । न मिलना । कुण्डली का द्वादश स्थान ।

अप्रामाणिकः, (त्रि.) प्रमाण न जानने वाला । वह वस्तु जो प्रमाणित न हो । अविश्वसनीय ।

अप्रामाण्यम्, (न.) प्रमाण का अभाव ।

अप्रियम्, (त्रि.) अप्रिय । अहित । कटु ।

अभिनिविष्ट, (त्रि.) अभिनिवेश युक्त । दुराग्रही । प्रवेश करनेवाला ।

अभिनिवेश, (पु.) मनोयोग । योग-शास्त्र प्रसिद्ध पाँचवाँ क्लेश । आग्रह ।

अभिनिष्पत्तिः, (स्त्री.) सिद्धि । समाप्ति । उत्पत्ति ।

अभिनीतः, (त्रि.) न्याय्य । कोपन । अमर्षी । अभिनय किया हुआ ।

अभिनेता, (त्रि.) नाटक का अभिनय करनेवाला । नाटक खेलनेवाला । नट ।

अभिपन्नः, (त्रि.) अपराधी । आपत्ति युक्त । स्वीकृत ।

अभिप्रायः, (पु.) आशय । सम्मति । इच्छा ।

अभिप्रेत, (त्रि.) सम्मत । अभीष्ट । इच्छित । इरादा ।

अभिभव, (पु.) पराभव । तिरस्कार । अनादर । अप्रतिष्ठा ।

अभिभूत, (त्रि.) पराजित । आक्रान्त । ज्ञानरहित । व्याकुल ।

अभिमत, (त्रि.) सम्मत । वाञ्छित । अभीष्ट ।

अभिमन्त्रणम्, (न.) निमन्त्रण । आह्वान । मन्त्रद्वारा शुद्ध करना ।

अभिमन्थः, (पु.) नेत्ररोगविशेष ।

अभिमन्युः, (पु.) अर्जुन का पुत्र । यह सुभद्रा के गर्भ से उत्पन्न हुआ था ।

अभिमरः, (पु.) युद्ध । लड़ाई ।

अभिमर्दः, (पु.) मद्य । हिंसा । युद्ध । लड़ाई ।

अभिमानः, (पु.) दर्प । अहङ्कार । अप-मानिता अहङ्कार । अपने को बड़ा भारी व्यक्ति समझना ।

अभिमुख, (त्रि.) सम्मुख । सामने ।

अभियुक्तः, (त्रि.) संयुक्त । ऐक्य युक्त । मिला हुआ ।

अभियुक्तः, (त्रि.) [illegible] ज्ञानी ।

अभियोक्ता, [illegible]

अभियोग, (पु.) नालिश करना । मुकद्दमा दायर । आरम्भ । उद्योग । किसी से विरोध होनेपर अपना पक्ष न्यायालय में प्रकट करना ।

अभिराम, (त्रि.) सुन्दर । प्रिय । मनोहर ।

अभिरूप, (पु.) शिव । विष्णु । कामदेव । (त्रि.) बुध । पण्डित । सुन्दर । मनोहर । सदृश ।

अभिलषित, (त्रि.) अभीप्सित ।

अभिलापः, (पु.) सङ्कल्प । किसी काम के लिये निश्चय करना ।

अभिलाषः, (पु.) इच्छा । लोभ । मनोरथ ।

अभिलाषुक, (त्रि.) लुब्ध । लोभी । इच्छा करनेवाला ।

अभिवादः, (पु.) प्रणाम । अभिवादन ।

अभिवादन, (न.) शिष्टाचारविशेष । पैर छूकर प्रणाम करना ।

अभिविधि, (पु.) व्याप्ति । मर्यादा । सीमा ।

अभिव्यक्त, (त्रि.) स्पष्ट । प्रकाशित । प्रकटित ।

अभिव्यक्ति, (स्त्री.) प्रकाश । उद्भव । प्रकाश ।

अभिव्याप्तिः, (स्त्री.) विस्तार । एक प्रकार का सम्बन्ध । फैलाव ।

अभिशप्तः, (त्रि.) [illegible] विना ।

अभिशापः, ([illegible]) [illegible] जिस के अभियोगी [illegible]

अभिशापनः, (पु.) [illegible] (त्रि. [illegible]

अभिशाप, [illegible]

[illegible]

अभयडिण्डिमः, (पु.) युद्धवाद्य । रण-पटह ।

अभया, (स्री.) हरीतकी । हड़ ।

अभयः, (पुं.) मोक्ष । मुक्ति ।

अभव्यः, (त्रि.) अविनीत । अभागी ।

अभावः, (पु.) मरण । असत्ता । न होना । अदर्शन । यह चार प्रकार का होता है । प्रागभाव । प्रध्वंसाभाव । अत्यन्ताभाव । और अन्योन्याभाव ।

अभि, (अ.) निश्चित कथन । अभिमुख्य । अभिलाष । वीप्सा । लक्षण एक उपसर्ग ।

अभिकः, (त्रि.) कामुक अभिलाषी ।

अभिक्रमः, (पु.) आरम्भ । चढ़ना । लड़ाई । शत्रु का सामना करना ।

अभिख्या, (स्री.) नाम । शोभा । यश ।

अभिग्रहः, (पु.) लूट । देखते देखते ले लेना ।

अभिघातः, (पुं.) प्रहार । अभिहनन । आघात । चोट विशेष । क्रिया के द्वारा एक वस्तु का दूसरी वस्तु से सम्बन्ध ।

अभिघाती, (पु.) शत्रु । प्रहार करनेवाला । मारनेवाला ।

अभिघारः, (पु.) होम । हवन । अग्नि में घी डालना ।

अभिचारः, (पु.) अथर्ववेद और तन्त्र में प्रसिद्ध । मारण, उच्चाटन, स्तम्भन आदि क्रिया । तान्त्रिक क्रिया । शत्रु नाशकारी अनुष्ठान ।

अभिजन, (पु.) कुल । वंश । प्रसिद्धि ।

अभिजात, (त्रि.) कुलीन । प्रसिद्ध । कुलवाला । न्याय्य । पण्डित ।

अभिजित्, (न.) नक्षत्रविशेष । उत्तराषाढ़ का चौथा भाग और श्रवण का पहला पन्द्रहवां भाग अभिजित् कहा जाता है । दोपहर का मुहूर्त विशेष । विजयमुहूर्त । दिन का आठवां भाग । जो कुतुप नाम से प्रसिद्ध है ।

अभिज्ञः, (त्रि.) चतुर । पण्डित । विशारद ।

अभिज्ञा, (स्री.) प्राथमिक ज्ञान । पहला ज्ञान ।

अभिज्ञानम्, (न.) ज्ञानविशेष । चिह्न । किसी वस्तु के पहचानने का साधन ।

अभितप्तः, (त्रि.) पीड़ित । खूब तपाया हुआ ।

अभितः, (अ.) शीघ्र । समीप । सामना । दोनों ओर ।

अभिद्रवणम्, (न.) वेग से चलना । आक्रमण ।

अभिद्रोहः, (पु.) आक्रोश । निन्दा । अनिष्टचिन्तन ।

अभिधा, (स्री.) शब्दों के अर्थ बोधन करनेवाली शक्ति । वाचक शब्द । मीमांसक भाट्ट के मत में शाब्दी भावना ।

अभिधानम्, (न.) नाम । संज्ञा । कथन । शब्दकोश ।

अभिधायकः, (त्रि.) वाचक । अर्थ-बोधक ।

अभिधेयम्, (न.) अभिधा शक्ति द्वारा बोधित अर्थ । शब्दबोध्य अर्थ ।

अभिध्या, (स्री.) परद्रव्येच्छा । दूसरे का धन लेने की इच्छा ।

अभिनन्दः, (पु.) सन्तोष । प्रशंसा ।

अभिनन्दनः, (पु.) बुद्ध विशेष । जैनियों का चौथा तीर्थङ्कर । (न.) स्तुति । सब प्रकार से आनन्द देनेवाला । (–पत्र) एड्रेस ।

अभिनयः, (पु.) हृदय के भाव को प्रकट करनेवाली क्रिया नाटक । अनुकरण ।

अभिनवः, (पु.) नव । नवीन ।

अभिनवोद्भिद्, (पु.) अङ्कुर ।

अभिनहनम्, (न.)

अभिनिर्मुक्तः, (पु.) सूर्यास्त के समय सोनेवाला ब्राह्मण ।

अभिनिर्याणम्, (न.) जीतने की इच्छा से जाना । शत्रु के प्रति चढ़ाई करना ।

अभिषिक्त, (वि.) अभिषेक किया हुआ । मन्त्र द्वारा जिसका अभिषेक किया गया हो ।

अभिषेणन, (न.) सेना लेकर शत्रु पर चढ़ जाना । शत्रु पर आक्रमण करना । युद्ध यात्रा ।

अभिष्टुत, (वि.) स्तुत । प्रशंसित । स्तुति किया गया । वर्णित । जिसका वर्णन किया गया हो ।

अभिष्यन्दः, (पु.) [illegible] । जल आदि द्रव पदार्थ का बहना । [illegible]

अभि[illegible], (पु.) [illegible]

अभि[illegible], (पु.) [illegible] का अभिप्राय ।

अभि[illegible], (न.) [illegible]

अभि[illegible], (पु.) [illegible]

अभि[illegible], (वि.) [illegible]

अभि[illegible] [illegible]

अभि[illegible], (पु.) [illegible]

अभि[illegible] [illegible]

अभि[illegible] [illegible]

अभि[illegible] [illegible]

अभि[illegible] [illegible]

अभीक्ष्णम्, (अ.) नित्य । [illegible] । पुनः पुनः । बार बार ।

अभीप्सितम्, (वि.) वाञ्छित । [illegible] ।

अभीरुः, (वि.) निर्भय । निडर । (स्त्री.) शतमूली ।

अभीषङ्गः, (पु.) आकांक्षा । शाप ।

अभीषुः, (पु.) किरण । घोड़े की लगाम ।

अभीष्टः, (वि.) ईप्सित । प्रिय । वाञ्छित ।

अभुक्त, (वि.) उपवासी । [illegible] । भूखा ।

अभुक्तमूल, (पु.) ज्येष्ठा के अन्त की चार घड़ियों के साथ मूल की पहली चार घड़ी । ज्येष्ठा की अन्तिम एक घड़ी और मूल की पहली दो घड़ी । ज्येष्ठा की अन्तिम आधी घड़ी और मूल के आदि की आधी घड़ी । ज्येष्ठा की अन्तिम पाँच घड़ी और मूल की पहली [illegible] घड़ी । [illegible]

अभूत, (वि.) [illegible] ।

अभूताभिनिवेशः, (पु.) [illegible]

अभेद्यः, (पु.) भेद का अभाव । [illegible]

अभ्यागम, (न.) [illegible]

अभ्य[illegible], (पु.) [illegible]

अभ्य[illegible], (न.) [illegible]

अभ्य[illegible], (वि.) [illegible]

अभ्यनुज्ञा, (स्त्री.) [illegible]

अभ्य[illegible], [illegible]

अभ्य[illegible], (वि.) [illegible]

अभ्य[illegible] [illegible]

अभ्य[illegible] [illegible]

द्रव्य । (वि.) सुन्दर । मरणरहित । (स्त्री.) दूब । तुलसी । (न.) पारद ।

अमृतजटा, (स्त्री.) जटामासी ।

अमृततिलका, (स्त्री.) छन्दोविशेष । वर्ण वृत्त । इसके प्रत्येक पाद में दस अक्षर होते हैं ।

अमृतत्वम्, (न.) मरण का अभाव । मोक्ष । मुक्ति ।

अमृतदीधिति, (पु.) चन्द्रमा ।

अमृतफला, (स्त्री.) जिसका फल अमृत के समान मीठा हो । दाख । आँवला ।

अमृतयोगः, (पुं.) ज्योतिषशास्त्र का योग विशेष । रविवार को मूल, सोमवार को श्रवण, मङ्गलवार को उत्तराभाद्रपद, बुधवार को कृत्तिका, गुरुवार को पुनर्वसु, शुक्रवार को पूर्वाफाल्गुनी और शनिवार को स्वाती नक्षत्र के होने से अमृतयोग होता है इसी को अमृत भी कहते हैं ।

अमृतरसा, (स्त्री.) द्राक्षाविशेष । चंद्रमा ।

अमृतवल्ली, (स्त्री.) गुरुच ।

अमृतसंपायः, (पु.) पाषाणविशेष ।

अमृतसिद्धियोगः, (पु.) योगविशेष ।

अमृतसूः, (पुं.) विष्णु । चन्द्रमा । (स्त्री.) अदिति ।

अमृतसोदरः, (पु.) घोड़ा । उच्चैःश्रवा ।

अमृता, (स्त्री.) औषधविशेष । यह विशेषतः में प्रसिद्ध है । गुरुच ।

अमृतान्धाः, (पु.) देवता । जिसका अमृत ही अन्न हो ।

अमृष्यमाणः, (त्रि.) नहीं सहन करने वाला ।

अमेधाः, (त्रि.) निर्बुद्धि । बुद्धिहीन । मूर्ख ।

अमेध्य, (न.) विष्ठा । मल । यज्ञ के अयोग्य । अशुद्ध । मांस आदि । (त्रि.) अपवित्र ।

अमोघः, (पुं.) नद विशेष । (त्रि.) सफल । अव्यर्थ । परमेश्वर । पूजा और स्तुति किये जाने पर जो समस्त फलों को दे । जिसकी कृपा निष्फल न हो ।

अम्ब्, (धा. पर.) जाना । पहुँचना ।

अम्बकं, (न.) नेत्र । आँख । पिता । जनक ।

अम्बरम्, (न.) शब्द का आश्रय । आकाश । सिद्ध विद्याधर आदि के घूमने का स्थान । स्वनामख्यात सुगन्धि द्रव्य विशेष । वस्त्र । कपास । केसर ।

अम्बरीषः, (पु) राजाविशेष । ये राजा मान्धाता के पुत्र थे । सूर्यवंशी राजा नाभाग के पुत्र । नरकविशेष । किशोर । भास्कर । सूर्य । महादेव । (न.) रण । युद्ध । भ्राष्ट्र । भाड़ ।

अम्बष्ठः, (पु.) देशविशेष । ब्राह्मण के औरस से और वैश्य कन्या के गर्भ से उत्पन्न पुत्र । इस जाति के लोग चिकित्सा करते और वैद्य कहे जाते हैं । हस्तिपक । महावत । कायस्थ जाति का एक भेद ।

अम्बा, (स्त्री.) माता । दुर्गा । राजा पाण्डु की मौसी का नाम ।

अम्बालिका, (स्त्री.) माता । जननी । काशिराज की कन्या । राजा पाण्डु की माता का नाम ।

अम्बिका, (स्त्री.) माता । काशिराज की कन्या । यह राजा विचित्रवीर्य की स्त्री थी और धृतराष्ट्र की माता । दुर्गा । भगवती ।

अम्बु, (न.) जल । कुण्डली का चौथा भवन । बाला नाम की लता ।

अम्बुकणः, (स्त्री.) जलबिन्दु । पानी की बूंद ।

अम्बुकिरातः. (न.) शैवाल ।

अम्बुजः, (पु., न.) कमल । चन्द्रमा । जल से पैदा होने वाला । शंख ।

अम्बुदः, (पु) मेघ । बादल । मोथा ।

अम्बुधरः, (पु.) मेघ । मुस्ता । मोथा ।

अम्बुधिः, (पु.) समुद्र । सागर ।

अम्बुपतिः, (पु.) वरुण । समुद्र ।

अभ्रेषः, (पु.) औचित्य । न्याय्य । न्यायानुमोदित ।

अम्, (धा. उभ.) पीड़ा । रोग ।

अमः, (पु.) बुद्धि का अभाव । रोग । बिना पका फल ।

अमङ्गलः, (पुं.) एरण्डवृक्ष । (त्रि.) मङ्गलहीन । अशुभसूचक ।

अमतः, (पु.) मृत्यु । काल । रोग । (त्रि.) असम्मत । अविज्ञात । अतर्कित । नहीं जाना हुआ ।

अमत्रम्, (न.) भाजन । भाण्ड । बर्तन । भोजन करने का पात्र ।

अमनस्कः, (त्रि.) जिसका मन वश में न हो (पु.) योग के एक ग्रन्थ का नाम ।

अमन्दः, (त्रि.) श्रेष्ठ । मन्द नहीं ।

अममः, (पु.) होने वाले एक जैन तीर्थङ्कर । (त्रि.) ममताहीन । ममतारहित ।

अमर, (पु.) देवता । सुर । एक वैयाकरण । स्नुहीवृक्ष । पारद । पारा । हड्डियों का समूह । कोशकार विशेष ।

अमरदारु, (पु.) देवदारु वृक्ष ।

अमरद्विज, (पु.) देवपूजक ब्राह्मण । पुजारी ।

अमरा, (स्त्री.) [illegible] । अमरावती । [illegible] । दूब । [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] ।

अमराद्रिः, (पु.) सुमेरु । देवताओं का पर्वत ।

अमरालयः, (पु.) स्वर्ग । देवताओं का नगर ।

अमरावती, (स्त्री.) जिसमें देवता रहें । इन्द्रपुरी ।

अमर्त्यः, (पु.) [illegible] । देवता ।

[illegible] (स्त्री.) [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] ।

[illegible] (न.) [illegible] का [illegible] ।

अमर्ष, (पु.) कोप । क्रोध । दूसरे का उत्कर्ष न सहना । किया हुआ अपराध । असहन का द्वेष ।

अमर्षण, (त्रि.) क्रोधी । क्रोध करने वाला ।

अमलम्, (न.) अभ्रकम् (त्रि.) निर्मल । साफ । स्वच्छ ।

अमला, (स्त्री.) लक्ष्मी । भूम्यामलकी । नाभिनाल ।

अमा, (अ.) साथ । समीप । पास ।

अमा, (स्त्री.) अमावास्या तिथि । दर्श । साथ । समीप ।

अमांस, (त्रि.) दुर्बल । बलहीन ।

अमांसाशी, (त्रि.) मांस न खाने वाला ।

अमात्यः, (पु.) मन्त्री । सचिव । (त्रि.) बन्धु । साथ उत्पन्न होने वाला ।

अमावास्या,(स्त्री.)अमावास्या नाम की तिथि इस तिथि को चन्द्रमा और सूर्य दोनों साथ रहते हैं । दर्श ।

अमितौजाः, (त्रि.) अतिवीर्यवान् । अत्यन्त शक्तिशाली ।

अमित्रः, (पु.) शत्रु । मित्र नहीं ।

अमीर, (त्रि.) रोगी । रोगयुक्त ।

अमुत्र, (अ.) दूसरा लोक । परलोक ।

अमुष्यपुत्रः, (पु. स्त्री.) प्रसिद्ध वंश उत्पन्न । कुलीन ।

अमूर्तः, (त्रि.) अवयवरहित । वायु अन्तरिक्ष । मूर्तिहीन पदार्थ । आकाश काल । दिक् और आत्मा ।

अमूल्यकम्, (त्रि.) मूल्यरहित । अमा[illegible] द्रव्य । जिस में प्रमाण न हो ।

अमूला, (स्त्री.) अग्निशिखावृक्ष । औषधि विशेष ।

अमृणालम्, (न.) लामज्जक । उशीर । खस[illegible]

अमृतम्, (न.) मोक्ष । मुक्ति । [illegible] यज्ञ । सुधा । पीयूष । सलिल । [illegible] घृत । जल । काञ्चन । आनन्द [illegible] । [illegible] । पारद । घर । [illegible]

अयाज्यः, (त्रि.) जात्य । पतित । नहीं यज्ञ कराने योग्य ।

अयि, (अ.) प्रश्न । अनुनय । सम्बोधन । अनुराग ।

अयुग्मः, (पु.) विषम । असमान ।

अयुग्मच्छदः, (पु.) सप्तपर्ण नामक वृक्ष । जिसके विषम पत्ते हों ।

अयुत, (त्रि.) असंयुक्त असम्बद्ध । नहीं मिला हुआ । संख्याविशेष । दस हजार । १००००

अयुतसिद्धि, (पुं.) जिन दो पदार्थों में एक दूसरे के आश्रय से रहे । यथा अवयव, अवयवी । गुण गुणी । क्रिया क्रियावान् । जाति और व्यक्ति ।

अये, (अ.) क्रोध । विषाद । सम्भ्रम । स्मरण । सम्बुद्धि ।

अयोगः, (पु) विधुर । दूर । कूट । विश्लेष । कठिन उद्यम । वमन विरेचन आदि की प्रतिकूल वृत्ति ।

अयोगवः, (पु.) वर्णसङ्कर । जातिविशेष । शूद्र के औरस और वैश्य कन्या के गर्भ से उत्पन्न पुत्र ।

अयोगवाहः, (पु.) अनुस्वार और विसर्ग ।

अयोघन, (पु.) हथौड़ा । हथौड़ी जिससे लोहा पीटा जाता है ।

अयोध्या, (स्त्री.) इस नाम से प्रसिद्ध नगरी । साकेतपुर । उत्तरकोशला ।

अयोनिजः, (पु.) हरि । जो माता के गर्भ से उत्पन्न न हुआ हो । जिसकी उत्पत्ति न हो । (स्त्री.) सीता । जानकी ।

अयोमुखः, (पु.) बाणविशेष । असुरविशेष ।

अरम्, (न.) शीघ्र । चक्राङ्ग । पहिये की नाभि और नेमि के बीच की लकड़ी ।

अरग्वध, (पु.) वृक्षविशेष । राजवृक्ष ।

अरघट्टः, (पु.) बड़ा भारी कूप । पानी निकालने का यन्त्र ।

अरजाः, (स्त्री.) कन्या । जिसे मासिक न हुआ हो ।

अरणिः, (पु.) सूर्य । गनियारी नाम का वृ यज्ञ के लिये आग निकालने की लकड़

अरण्यम्, (न.) वन । जङ्गल । तपोवन

अरण्यानी, (स्त्री.) बड़ा भारी वन ।

अरतिः, (स्त्री.) क्रोध । चित्त का विष होना । प्रेम का अभाव । घबराहट । वियोग से व्याकुलता ।

अरत्निः, (पुं.) फैलाया हुआ हाथ । मु बँधा हुआ हाथ । निर्मुष्ठ हाथ । कोहनी

अरम्, (अ.) समीप । बड़ा ।

अररम्, (त्रि.) कपाट । किवाड़ ।

अरविन्दम्, (न.) कमल । पद्म । कमल ताँबा । नील कमल ।

अरसिकः, (त्रि.) अरसज्ञ । मूर्ख अविदग्ध । रस का न जानने वाला ।

अराजक, (त्रि.) राजरहित देश । जि देश का कोई राजा न हो । उपद्रवयु देश ।

अरातिः, (पु.) शत्रु ।

अरारट, (पु.) राई का रस । मतवाला हाथी शत्रु ।

अराला, (स्त्री.) वेश्या ।

अरिः, (पु.) शत्रु । लग्न से छठा स्थान पहिया । चक्र । इरिमेद ।

अरित्रम्, (न.) कान । डाली, जिससे ना चलाई जाती है ।

अरिन्दम, (पुं.) शत्रु को जीतने वाला ।

अरिमर्दः, (पु.) रोगों को दूर कर वाला एक वृक्ष । शत्रु का जीतने वाला

अरिमेद, (पुं.) वृक्षविशेष । देशविशेष

अरिषडष्टक, (न.) ज्योतिषशास्त्र का ए योग । यह योग वर अथवा कन्या राशि से छठा या आठवा पर शत्रु के हो पर होता है । यह योग विवाह में निषि माना जाता है ।

अर्चि, (स्त्री.) आग की लपट । किरण । चमक ।

अर्चिष्मत्, (पु.) सूर्य । अग्नि ।

अर्ज, (क्रि.) उपार्जन करना । कमाना ।

अर्जक, (पु.) वृक्षविशेष । बाबुई वृक्ष जिस के फूलों से रस्सी बनती है । उपार्जन करने वाला । एकत्र करने वाला ।

अर्जुन, (पु.) वृक्षविशेष । राजा पाण्डु का तीसरा पुत्र । कार्तवीर्य राजा । मयूर । नेत्र । रोग । मोर । चित्ता रङ्ग । नेत्र का एक रोग ।

अर्णव, (पु.) समुद्र । छन्दविशेष ।

अर्णस्, (न.) जल । पानी । नीर । समुद्र ।

अर्तन, (न.) निन्दा । तिरस्कार । कुत्सा ।

अर्ति, (स्त्री.) पीड़ा । धनुष की नोक का सिरा ।

अर्तिका, (स्त्री.) बड़ी बहिन ।

अर्थुक, (पु.) लड़ाकू । भगवान् । लम्पट ।

अर्थ (क्रि.) माँगना ।

अर्थ, विषय । नाम । धन । वस्तु । निवृत्ति । इरादा । प्रकार । प्रयोजन । हेतु । अभिलाषा । उद्देश्य ।

अर्थदूषण, (न.) धन की चोरी । दुर्व्यसनों में जैसे जुआ वेश्यागमनादि में धन का व्यय करना ।

अर्थना, (स्त्री.) भिक्षा माँगना । प्रार्थना । विनती ।

अर्थपति, (पु.) राजा । कुबेर ।

अर्थप्रयोग, (पु.) वृद्धि के अर्थ धनप्रदान । सूद पर रुपये लगाना ।

अर्थवाद, (पु.) प्रशस्त गुणों का कहना । प्रशंसा ।

अर्थव्ययज्ञ, (वि.) कौन कैसे कहाँ कितना धन किसके लिये व्यय करना उचित है इन बातों को जाननेवाला ।

अर्थशास्त्र, (न.) सम्पत्तिशास्त्र । धनसम्बन्धी नीति को बताने वाला शास्त्र । अभिचार अर्थात् मारण आदि कर्म का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र । दण्डनीति । आन्वीक्षिकी । खेती की विद्या ।

अर्थागम, (पु.) धन का आना । आय । आमदनी धनागम ।

अर्थान्तरन्यास, (पु.) प्रकृत अर्थ की सिद्धि के लिये अन्य अर्थ का लाना । अर्थालङ्कार का एक भेद ।

अर्थापत्ति, (स्त्री.) अनकहे अर्थ का समझना । मीमांसक इसे अनुमान से भिन्न बतलाते हैं और नैयायिक व्यतिरेक व्याप्ति द्वारा हो उत्पन्न हुए अनुमान ही को समझते हैं ।

अर्थात्, (अव्य.) या । अथवा । वस्तुतः ।

अर्थिक, (पु.) सोते हुए बड़े धनी मनुष्यों को जगाने के लिये स्तुति करने वाला । वैतालिक । भिक्षुक । भाट । भिखारी । मँगता ।

अर्थिन्, (वि.) याचक । भिक्षुक । मँगता । भिखारी । सेवक । सहायक । धनी । वादी । धारहित ।

अर्थ्य, (वि.) न्याय्य । उचित । उचित रीति से कमाया । पण्डित ।

अर्द्, (क्रि.) मारना ।

अर्दन, (क्रि.) पीड़ा पहुँचाना । मारना । कष्ट देना ।

अर्दनि., मौत । भिक्षा । बीमारी । अग्नि ।

अर्द्ध, (पु.) खण्ड । टुकड़ा । आधा ।

अर्द्धगङ्गा, (स्त्री.) कावेरी नदी । अर्थात् वह नदी जिसमें स्नानादि करने से गङ्गा की अपेक्षा आधा फल हो ।

अर्द्धचन्द्र, (पु.) चन्द्रार्द्ध । अष्टमी का चाँद । चाँद के आकार के नख का घाव । गलहस्त । गरदनिया । सानुनासिक चिह्न (˘)

अर्द्धनारीश्वर, (पु.) महादेव । शिव पार्वती की मूर्ति विशेष । हरगौरी रूप शिव ।

अर्द्धपारावत, (पु.) जिसकी आधी देह कबूतर जैसी हो । चित्रकण्ठ । कपोत तीतर ।

अर्द्धभाग, (पु.) आधाभाग

अरिषड्वर्ग, (पुं.) काम क्रोध आदि छः शत्रुओं का समूह। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, ईर्ष्या ये छः अरिषड्वर्ग हैं।

अरिष्ट, (पुं.) वृक्षविशेष। लहसुन। नीम। सौरघर। ग्रहविशेष। (न.) मद्य का एक भेद। शोक। रीठा। अशुभ। अमङ्गल।

अरिष्टताति, (पु.) मङ्गल की कामना। आशीर्वाद के अर्थ में इस शब्द का प्रयोग किया जाता है। इसका प्रयोग वेदों में अधिकता से किया गया है।

अरिष्टसूदन, (पु.) अरिष्ट नामक असुर का मारने वाला। विष्णु। (वि.) अशुभ को हटाने वाला। मङ्गलमय।

अरुचि, (पुं.) जिसके कारण रुचि (इच्छा) न हो। रोगविशेष। अजीर्ण रोग। अतृप्ति। इच्छा का अभाव।

अरुचिर, (वि.) मनोहर नहीं। अशुभ। अमङ्गल।

अरुज, (पु.) वृक्षविशेष। (वि.) नीरोग। रोगरहित।

अरुण, (पु.) सूर्य। सूर्य के सारथि का नाम। [illegible] सन्ध्या समय की आकाश की [illegible]। शब्दरहित। दैत्यविशेष। रोगविशेष। कोढ़ रोग का एक भेद। (न.) लाल रंग। केसर। सिन्दूर। (स्त्री) [illegible]।

[illegible], (पु.) जिसके नेत्र लाल रङ्ग के हैं। [illegible]। [illegible]।

अरुणित, (वि.) लाल किया हुआ। लाल रङ्ग से रंगा हुआ।

अरुणिमा, (पु.) [illegible]। [illegible]।

[illegible] (पु.) [illegible]। [illegible]

[illegible] (वि.) [illegible]।

[illegible]) [illegible]
[illegible] नाम की एक तारा जो सप्तर्षिमण्डल में सब से छोटी आठवाँ तारा है और वशिष्ठ के समीप रहती है।

अरुन्धतीदर्शनन्याय, (देखो "न्याय")।

अरुस्, (पुं.) सूर्य। रक्तादिर। [illegible] (न.) मर्म। शरीर का कोमल स्थान।

अरुष्क, (पु) एक वृक्ष का नाम, (भल्लातक)। भिलावा।

अरुंषिका, एक प्रकार का रोग जिसमें खोपड़ी की खाल पर फुंसियाँ हो जाती हैं और उनमें बड़ी बुरी पीड़ा होती है।

अरुहा, एक वृक्ष का नाम अर्थात् भूम्यामलकी।

अरूक्ष, (पु.) जो कड़ा न हो। मुलायम। नरम।

अरूप, (पु.) रूपरहित। आकाररहित। कुरूप। भद्दा।

अरूपक, सूर्य। एक प्रकार का सर्प।

अरे, (अव्य.) अपमानपूर्वक सम्बोधन अथवा क्रोधपूर्वक किसी को बुलाना हो तब अरे का प्रयोग किया जाता है।

अर्क, तपना और स्तुति करना।

अर्क, (पुं.) सूर्य। इन्द्र। ताँबा। स्फटिक। विष्णु। पण्डित। आकन्द वृक्ष। अकौआ। मदार।

अर्कचन्दन, (पुं.) लालचन्दन।

अर्कतनय, (पु.) सुग्रीव। कर्ण। (स्त्री) यमुना।

अर्कभक्त, (पु) सूर्य का भक्त। [illegible] आदि।

अर्काश्मन्, (पु.) सूर्यकान्तमणि। [illegible]। [illegible]।

[illegible], (पु) [illegible] है [illegible] है। [illegible]

[illegible], ([illegible]) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]।

[illegible], (वि.) [illegible] (पु.) [illegible]।

[illegible] (स्त्री.) [illegible]।

अलंबुषः, (पु.) [illegible], इथेली, [illegible] [illegible] । एक राक्षस जिसे [illegible] ने मारा था ।

अलंबुषा, एक देश का नाम ।

अलई, (पु.) [illegible] । [illegible] । एक राजा का नाम ।

अलपत्र, (न.) [illegible] ।

अलवाल, (न.) पेड़ की जड़ का [illegible] जिसमें जल भरा जाता है ।

अलस, (वि.) [illegible] । [illegible] ।

अलसर, (वि.) [illegible] । [illegible] । (स्त्री.) [illegible] लता । (पु.) [illegible] । [illegible] ।

अलाबु, (स्त्री.) एक [illegible] अथवा जन्तु का नाम ।

अलान, (पु. न.) [illegible] ।

अलाबु ध. (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अलार, (न.) [illegible] ।

अलावर, (पु.) [illegible] [illegible] ।

अलि, (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अलिक, (पु.) [illegible] ।

अलिंब, (अ.) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] शब्द का प्रयोग होता है ।

अलिंजरः, (पु.) एक प्रकार का [illegible] ।

अलिगर्द, (पु.) एक प्रकार का [illegible] ।

अलिदूत, (पु.) [illegible] ।

अलिन, (न.) [illegible] ।

अलिन्द, (पु.) घर के द्वार के [illegible] ।

अलिपक, (पु.) [illegible] ।

अलीक, (न.) [illegible] । [illegible] ।

अलीगर्द, (पु.) एक प्रकार का [illegible] ।

अलुः, (पु.) [illegible] ।

अलूक, (न.) [illegible] ।

अलौकिक, (वि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अल्पक, (पु.) [illegible] ।

अल्प, (वि.) [illegible] ।

अल्पा, (स्त्री.) [illegible] ।

अल्प, (वि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

अवकाश, (पु.) [illegible] ।

अवकर, (न.) [illegible] ।

अवकाश, (पु.) [illegible] ।

अवकीर्ण, (वि.) [illegible] ।

अवकीर्णिन, (वि.) [illegible] ।

अवकेश, (पु.) [illegible] ।

अवक्रन्दन, [illegible] ।

अवगाह, [illegible] ।

अवग्रह, [illegible] ।

अवग्रह, (पु.) [illegible] ।

अवग्राह, [illegible] ।

अवचूर्णन, [illegible] ।

अवच्छेद, [illegible] ।

अर्द्धवीक्षण, (न.) आधा देखना। पूरा न देखना।

अर्द्धासन, (न.) आधा आसन। आसन का आधा भाग। स्नेह अथवा प्रेमप्रकाशक।

अर्द्धोदय, (पु.) माघ मास। अमावस तिथि। श्रवण नक्षत्र और व्यतीपात होने पर एक योगविशेष।

अर्द्धोरुक, (न.) घुटनों के नीचे तक शरीर को ढाकने वाला कपड़ा। श्रेष्ठ रमणियों के पहिनने का वस्त्र जो साड़िया जैसा होता है। लहँगा। घाँघरा। साड़ी।

अर्पण, (क्रि.) देना। भेंट करना। सौंपना।

अर्पित, (वि.) दिया गया। सौंपा हुआ। भेंट किया हुआ।

अर्बिस, (पु.) हृदय। हृदय का मांस।

अर्व, (क्रि.) मारना। एक ओर जाना।

अर्बुद, (न.) रोगविशेष। दस करोड़ की संख्या। (पु.) पर्वतविशेष जो भारतवर्ष के पश्चिम में है।

अर्भक, (पु.) बालक। मूर्ख। दुबला। छोटा। शिशु। बच्चा। थोड़ा। यथा—
" [illegible] "।

अर्भग, (पु.) छोटा। अज्ञान। (इसका प्रयोग वैदिक साहित्य में होता है)।

अर्मः, आँख का एक रोग।

अर्मक, (पु.) [illegible]।

अर्मस्, [illegible]।

अर्य, (वि.) स्वामी। श्रेष्ठ। प्रतिष्ठित। [illegible]।

अर्यमन्, (पु.) सूर्य। पितरों के अधिपति। [illegible]

[illegible]

अर्वन्, (पु.) घोड़ा। इन्द्र। (पु.) नीच। अयोग्य।

अर्वश, (पु.) फुर्तीला। तेज।

अर्वाच्, (अव्य.) पूर्व। पर। निकट। पहिले। पीछे। समीप।

अर्वाके, (पु.) समीप। निकट।

अर्वाचीन, (वि.) प्रतिकूल। विरुद्ध। वर्तमान समय का उत्पन्न। नूतन। नया।

अर्शुक, एक जाति के लोगों का नाम जिनके विषय में महाभारत में लिखा है कि सहदेव ने जीता था।

अर्शस, (न.) रोगविशेष। बवासीर। प-र्शलि। चोट।

अर्षण, (पु.) जहम। चलनेवाला।

अर्ह, (पु.) योग्य। पूज्य। इन्द्र। ईश्वर।

अर्ह, (क्रि.) पूजा करना।

अर्हण, (पु.) पूजा का साधन। पूज्य। वृद्ध।

अर्हत, (पु.) बौद्धों में सब से उच्च पद। जैनियों के एक पूज्य देवता।

अल, (क्रि.) सजाना। योग्य होना। रोकना।

अलम् (अव्य.) भूषण। पर्याप्ति। वारण। निरर्थक। शक्ति।

अलक, (पु.) चूर्णकुन्तल। घुँघराले बाल। उलझे हुए बाल।

अलका, (स्त्री.) आठ से लेकर दस वर्ष की अवस्था वाली लड़की। कुबेर की राजधानी का नाम।

अलकम्, व्यर्थ। निरर्थक।

अलक्त, (पु.) लाक्षारस, लाख का रंग। [illegible]।

अलक्षण (वि.) जिसका [illegible]।

अलगर्द, (पु.) [illegible]।

अपत्रपण, (न.) लज्जा ।
अपदोह', (पु.) दुहना । दूध ।
अपथ्य, (न.) निषिद्ध के योग्य । रोगवर्द्धक ।
अपदान, (न.) [illegible]
अपदारण, (न.) [illegible] । [illegible] करना ।
अपधि, (पु.) [illegible] । [illegible] । काल । [illegible] । [illegible] ।
अपधूत, (वि.) त्याग किया हुआ । तिरस्कृत किया हुआ । [illegible]
अपनय, (न.) [illegible]
अपनत, (वि.) [illegible] । झुका हुआ ।
अपनद्ध, (वि.) बंधा हुआ । [illegible] । (न.) कपड़े और गहनों का पहनना ।
[illegible], (स्त्री.) भूमि । धरती । पृथ्वी ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] की राजधानी ।
अपपात, (पु.) [illegible] । (वि.) [illegible]
[illegible], (वि.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible], (वि.) [illegible]
[illegible], (वि.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible], (वि.) [illegible]
[illegible], (वि.) [illegible] । (पु.) [illegible]
[illegible]
[illegible]

अवगुण्डित, (गु.) घिसा हुआ।
अवगुम्फित, (गु.) गुथा हुआ।
अवगुर्, (क्रि.) धमकाना। मारने को अस्त्र उठाना।
अवगुण, (पुं.) दोष।
अवगुण्ठन, (क्रि.) घूँघट निकालना। मुँह ढाकना। (स.) घूँघट।
अवग्रह, (पु.) वर्षा का रुकना। बाधा। रोक। रुकावट। बादल।
अवघट्ट, (क्रि.) ढकेलना या बुहार कर हटाना। चीरना। फाड़ना।
अवघट्टः, (स.) पृथिवी का छेद। गुफा। गढ़ा। दर्री। पहाड़ी।
अवघात, (पु.) अपमृत्यु। धान आदि का कूटना।
अवच, (गु.) नीचे का।
अवचय, (पुं.) संचय। फल अथवा फूल का तोड़ना।
अवचनीय, (गु.) न कहने योग्य। अश्लील अथवा अनुचित।
अवचि, (क्रि.) पूजा करना। सम्मान करना।
अवचूड, (स.) झण्डे पर बँधा हुआ वस्त्र।
अवचूलक, (न.) मयूरचामर। चँवर। चोटी। मोरपंख।
अवच्छुर्, (क्रि.) ढाँकना। छिपाना। लिपटना। [illegible] में हाथ देना।
अवच्छदः, (पु.) ढक्कन। [illegible] ढकना।
अवच्छिद्, (क्रि.) काटना। पृथक् करना। [illegible]
अवच्छिन्न (क्रि.) [illegible]

कहते हैं जिससे किसी वस्तु में उसके विशेष गुणों के कारण अन्य समस्त वस्तुओं से भेद प्रकाश किया जाय। कटा हुआ। पृथक् किया हुआ।
अवच्छेदक, (वि.) काटने वाला। विशेषण। औरों से पृथक् करने वाला। गुण। रूप। शब्द।
अवच्छुरित, (गु.) मिला हुआ। मिश्रित।
अवजि, (क्रि.) जिगाड़ना। जीतना। जीत कर ले लेना—" अवजित्य च तद्धनम् "।
अवजितिः, (स.) जय। विजय।
अवज्ञा, (स्त्री.) अनादर।
अवट-टी, (पु.) गर्त। गढ़ा। कुहकजीवी। बाजीगर। इन्द्रजाल से जीविका करने हारा।
अवटीट, (वि.) चपटी नासिका। चपटी नाक वाला।
अवटु, (स.) पृथिवी का छेद। कूप। गरदन का पिछला भाग एक प्रकार का वृक्ष।
अवडङ्ग-कः, (स.) बाजार। हाट।
अवडीनं, (स.) चिड़ियों का उड़ान। नीचे की ओर उड़ना।
अवतः, (पु.) एक कूप। हौज। कुण्ड।
अवतंस, (पु.न.) कान का भूषण। मुकुट। ताज।
अवतमस, (न.) मन्द अन्धकार।
अवतरणम्, (न.) पानी में स्नान के लिये घुसना।
अवतरणिका, (स्त्री.) ग्रन्थारम्भ में नमस्कार। उपोद्घात। भूमिका।
अवतरणी, (स.) देखो अवतरणिका।
अवतार, (पु.) पार होना। भगवान् का शरीर धारण करना अवतार कहलाता है।
अवतीर्ण, (क्रि.) उतरा हुआ।
अवदान, (पु.) सफेद। पीला। सुन्दर। निर्मल।
अवदान, (न.) देवता को बलिदान। टुकड़े टुकड़े करना। अच्छा कर्म।

अवलीढ, (त्रि.) खाया हुआ । भक्षित । चाटा हुआ । चखा हुआ ।

अवलीला, (स्त्री.) अनायास । अनादर । खेल । आसानी ।

अवलेप, (न.) अहङ्कार । लेपन । दूषण । सम्बन्ध ।

अवलेपन, (न.) मलना । उबटन । चन्दन आदि ।

अवलेह, (पु.) जीभ से चाटना । चटनी । रस ।

अवलोकन, (न.) दर्शन । देखना । ढूँढ़ना । आलोक । नेत्र ।

अवल्गुली, (स्त्री.) एक विषैला कीड़ा ।

अवश, (त्रि.) पराधीन । परवश । बेबस । कामादि से पराधीन ।

अवशिष्ट, (त्रि.) अतिरिक्त । भिन्न । पृथक् । परिशिष्ट । शेष । अधिक ।

अवश्य, (अव्य.) सर्वथा । जरूर ।

अवश्याय, (पु.) शिशिर । पाला । बुन्द । अभिमान ।

अवश्रयणी, (स्त्री.) गौ जो बहुत दिनों बाद ब्याती है ।

अवष्टब्ध, (त्रि.) समीप । निकट । गिरा हुआ । कड़ा हुआ । बँधा हुआ ।

अवष्टम्भ्, (क्रि.) सहारा लेना । रोकना । (पु.) सोना । खम्भा । आरम्भ ।

अवस्, (न.) आहार । रक्षा । यश । कीर्ति । भोजन । धन । गमन । सन्तोष । इच्छा । स्तुति । अभिलाषा ।

अवसथ, (पु.) निलय । घर । कुटिया । गाँव ।

अवसर, (पु.) अवकाश । प्रश्न । मौका ।

अवसर्प, (पु.) दूत । राजप्रतिनिधि । गुप्तचर ।

अवसव्य, (त्रि.) अपसव्य । दाहिनी ओर ।

अवसञ्ज, (क्रि.) फेंकना । डालना । छोड़ना । [illegible] । भेजना । बनाना । [illegible]

अवसाद, (पु.) नाश । विषाद ।

अवसान, (न.) विराम । समाप्ति । अन्त । सीमा । मृत्यु ।

अवसित, (त्रि.) समाप्त । ज्ञात । जाना गया ।

अवस्कन्द, (पु.) शिविर । छावनी । आक्रमण ।

अवस्कन्दन, (न.) तोड़ना । छीनना । जाना । उतरना ।

अवस्कर, (पु.) बुहारी से उड़े हुए कूड़ा मट्टी आदि । विष्ठा । मूत्र । दुष्ट । लिङ्ग ।

अवस्कय, (पु.) विषैला । हानिकारक ।

अवस्तार, (पु.) जवनिका । परदा । कनात । दरी ।

अवस्था, (स्त्री.) दशा । आयु ।

अवस्थान, (न.) स्थिति । रहायश । स्थान ।

अवस्यन्दन, (न.) मारना । हिंसा करना ।

अवस्रंसन, (न.) अधःपतन । नीचे गिरना ।

अवहेल, (न. स्त्री.) अनादर । अपमान ।

अवाक्शिरस्, (त्रि.) अधोमुख । नीचामुख ।

अवाङ्मुख, (त्रि.) अधोमुख ।

अवाच्, (त्रि.) नीचे की ओर झुका हुआ (स्त्री.) दक्षिण दिशा । गूँगा । पिछला समय ।

अवाच्य, (न.) न कहने योग्य ।

अवान्, (क्रि.) साँस लेना ।

अवान, (पु.) सूखा ।

अवान्तर, (त्रि.) भीतरी । बीच का सन्निविष्ट । अधीन । अतिरिक्त ।

अवारपार, (पु.) दोनों तटवाला । महोदधि । समुद्र ।

अवारपारीण, (त्रि.) दूसरे पार जाने वाला ।

अवासस्, (त्रि.) नङ्गा । (स्त्री.) रजस्वला । बुद्ध का नाम ।

अवि, (पु.) सूर्य । बकरा । पर्वत । स्वामी । पति । कम्बल । दुशाला । (स्त्री.) रजस्वला स्त्री । भेड़ ।

अषाढ़, (पु.) वर्षाऋतु का प्रथम मास।

अषा-षा ढ़ा-ढ़ा, (स्त्री.) पूर्वाषाढ़ और उत्तराषाढ़ दोनों नक्षत्र। मासविशेष।

अष्टक, (न.) पाणिनिरचित अष्टाध्यायी व्याकरण सम्बन्धी ग्रन्थ। आठ अध्यायों का ऋग्वेद का प्रत्येक भाग। ऋग्वेद में ऐसे आठ भाग हैं।

अष्टका, (स्त्री.) पौष। माघ और फाल्गुन की कृष्णाष्टमी।

अष्टन्, (वि.) आठ संख्या।

अष्टधा, (अव्य.) आठ प्रकार से।

अष्टधातु, (न.) आठ धातुएं, अर्थात् १ सोना। २ चांदी। ३ तांबा। ४ पीतल। ५ कांसा। ६ जस्ता। ७ रांगा और ८ लोहा।

अष्टपाद, (पु.) आठ पैर वाला। मृगविशेष। मकड़ी का जाला। शरभ।

अष्टमङ्गल, (पु.) आठ माङ्गलिक द्रव्यों का समूह। अर्थात् १ ब्राह्मण। २ गौ। ३ अग्नि। ४ सोना। ५ घी। ६ सूर्य। ७ जल। ८ राजा। मतान्तरेण-सिंह। बैल। हाथी। कलसा। पंखा। माला। नगाड़ा और दीपक। शुभ घोड़ा जिसके आठ अङ्ग सफेद हों—अर्थात् चारों खुर। छाती। पूंछ। मुख और पीठ।

अष्टमान, (न.) मापविशेष। आठ मुट्ठी भर। बत्तीस तोले भर।

अष्टमी, (स्त्री.) आठों को पूर्ण करने वाली। पन्द्रह कलावाले चन्द्रमा की आठवीं कला की क्रिया। तिथि आठें।

अष्टमूर्त्ति, (पु.) पृथिवी आदि आठ मूर्त्ति वाले शिव।

अष्टलोहक, (न.) आठ धातुओं का समुदाय।

अष्टाकपाल, (पु.) आठ मट्टी के पात्रों में शुद्ध किया गया चरु। इसी चरु के द्वारा यज्ञ किया जाता है। यज्ञ। मनुष्यों ब्राह्मणों का एक भेद।

अष्टाङ्ग, (पु.) आठ अङ्गवाला। योगविशेष। यम। नियम। आसन। प्राणायाम। प्रत्याहार। ध्यान। धारणा और समाधि—ये आठ योग के अङ्ग हैं। जानु। पैर। हाथ। छाती। बुद्धि। शिर। वचन और दृष्टि से किया गया प्रणाम। जल। दूध। कुशाग्र। दही। घी। चावल। जौ और सिद्धार्थक से बनाया हुआ पूजन का अर्घ्य।

अष्टादशन्, (वि.) अठारह। अठारहवां।

अष्टादशाङ्ग, (पु.) अठारह अङ्ग वाला।

अष्टादश-पुराण, (पु.) अठारह पुराण। अर्थात् १ ब्राह्म। २ पद्म। ३ विष्णु। ४ शिव। ५ भागवत। ६ नारदीय। ७ मार्कण्डेय। ८ अग्नि। ९ भविष्य। १० ब्रह्मवैवर्त। ११ लिङ्ग। १२ वाराह। १३ स्कन्द। १४ वामन। १५ कौर्म। १६ मत्स्य। १७ गारुड। १८ ब्रह्माण्ड।

अष्टावक्र, (पु.) एक प्रसिद्ध पौराणिक ऋषि जो कहोड़ के पुत्र थे।

अष्टिः, (स्त्री.) खेलने का पासा। एक वैदिक छन्द जिसमें चौंसठ वर्ण हों। सोलह। बीज।

अष्ट्रा, (स्त्री.) गोरू हाँकने की नोकदार छड़ी। चाबुक। रथ के पहिये का एक भाग।

अष्ठिः, (स्त्री.) कन्कर। बीज। गरी। हड्डी।

अष्ठीला, (स्त्री.) गोल पत्थर। एक प्रकार की बीमारी—जिसमें नाभि के नीचे गोलाकार सूजन हो जाती है। मूत्रसम्बन्धी रोग। फोड़ का नीला चिह्न। बीज।

अष्ठीलिका, (स्त्री.) एक प्रकार की फुड़िया। ककड़ी।

अस्, (क्रि.) लेना और जाना। होना।

असंस्कृत, (वि.) गर्भाधान संस्कारों से रहित। व्याकरण के संस्कार से रहित। ... रा हुआ शब्द। ... वार न.र।

बकुल वृक्ष । पारा । कदम्बवृक्ष । एक राजा का नाम । (स्त्री.) शोकरहित ।
अशोच्य, (न.) जो शोक करने योग्य न हो ।
अशौच, (न.) अशुद्ध । शुचिरहित । सूतक ।
अश्म, (स.) पहाड़ । बादल । पत्थर ।
अश्मगर्भ, (पुं.) मरकतमणि । पन्ना ।
अश्मघ्न, (पुं.) पाषाण फोड़ने वाला वृक्ष ।
अश्मन्, (पु.) पर्वत । मेघ । पत्थर । (न.) लोहा ।
अश्मन्तक, (पुं. न.) चूल्हा । एक प्रकार का तृण विशेष । अम्लोट नामक वृक्ष ।
अश्ममाल, (न.) लोहे का हमामदस्ता । खल और लोढ़ा ।
अश्मरी, (स्त्री.) पथरी का रोग ।
अश्मरीघ्न, (पुं.) वरुण वृक्ष । पथरी रोग को हटाने वाला ।
अश्मसार, (पु. न.) लोहा ।
अश्र या अस्र, (न.) नेत्रजल । आँसू । लोहू ।
अश्रान्त, (वि.) सतत । अविरत । निरन्तर । लगातार ।
अश्रि श्री, (स्त्री.) खड्गादि का अग्रभाग । धार । श्रीहीन । शोभारहित ।
अश्रु स्र, (पुं.) आँसू ।
अश्रुत, (वि.) अनसुना ।
अश्लील, (न.) लजाने वाली गंवारू बोली । घृणा । गाली गलौज । अपशब्द ।
अश्लेषा, (स्त्री.) एक नक्षत्र का नाम । यह नवां नक्षत्र है । अनमिल ।
अश्लोन, (पु.) जो शरमाता न हो ।
अश्व, (पु.) घोड़ा । तुरङ्ग । घोटक ।
अश्वकर्ण, (पु.) शालवृक्ष । घोड़े का कान अथवा जिसका कान घोड़े के कान जैसा हो ।
अश्वखरज, (पु.) खच्चर ।
... (पु.) ... ।
... (न.) ... का पेड़ । ... ।
... ।
अश्वतर, (पु.) टट्टू । छोटा घोड़ा । खच्चर । इस नाम का एक नाग भी हो गया है ।
अश्वत्थः, (पु.) पीपल । गर्भभावक वृक्ष ।
अश्वत्थामन्, (पुं.) द्रोणाचार्य का पुत्र यह भी बड़ा वीर था और इसने भी युद्ध में बड़ी वीरता दिखलाई थी ।
अश्वपाल, (पुं.) साईस । घोड़ा का पालने वाला ।
अश्ववाल, (पु.) घोड़े के केश ।
अश्वमुख, (पुं.) किन्नर । देवता विशेष ।
अश्वमेध, (पुं.) यज्ञ जिसमें घोड़े का बलिदान किया जाता है ।
अश्वरोधक, (पु.) करवीर वृक्ष । घोड़े को रोकने वाला ।
अश्ववार, (पु.) घोड़े को रोकने अथवा सवारी करने वाला । घुड़सवार । चाबुक सवार ।
अश्वस्तन, (वि.) एक दिन के निर्वाह के लिये अन्नादि ।
अश्वाभिधानी, (स्त्री.) जिससे घोड़ा पकड़ा जाय । घोड़ा बाँधने की रस्सी । घोड़े की आगे पिछाड़ी की रस्सी ।
अश्वारिः, (पु.) महिष । भैंसा । घोड़े का शत्रु ।
अश्वारोह, (पु.) घुड़सवार । (अश्वगन्धा) ।
अश्विन्, (पु.) जिनके घोड़े हों । साईस । वैद्य । अश्विनीकुमार ।
अश्विनीकुमार, (पु.) सूर्य की घोड़ी अश्विनी थी । घोड़ेरूपी सूर्य से उत्पन्न हुए यमज पुत्रों का नाम अश्विनीकुमार है ।
अश्वोरस, (न.) अच्छा घोड़ा ।
अष्, (क्रि.) चमकना । लेना । जाना । हिलना ।
अषड्क्षीण, (वि.) छः आँखों से नहीं देखा गया अथवा केवल दो ही पुरुषों की मन्त्रणा का विषय ।

असामान्य, (वि.) असाधारण । विशेष ।
असाम्प्रतम्, (अव्य.) अयुक्त । अनुचित । बातन्तर ।
असार, (वि.) सारहीन । रेंडी का रस ।
असि, (पुं.) खड्ग । तलवार ।
असिक, (स.) नीचे के होठ और ठोडी के बीच का भाग ।
असिक्नी, (स्त्री.) अन्तःपुरचारिणी दासी । रात । पञ्जाब की एक नदी का नाम ।
असिगण्ड, (पुं.) जहां कपोल रखा जाय । गाल का सिराना ।
असित, (वि.) काला । (स.) शनिग्रह । कृष्णपक्ष । मुनि विशेष ।
असिद्ध, (स्त्री.) असम्पूर्ण । अप्राप्त । अप्रसिद्ध । न्याय शास्त्र में साध्यसिद्धि प्रभृति हेतु के तीन दोष ।
असिर, (स.) किरण । तीर । चटनी ।
असिधेनुका, (स्त्री.) छुरी ।
असिपत्रक, (पुं.) खड्ग । गन्ना । तलवार की म्यान । एक नरक का नाम ।
असि, (पुं.) खड्ग । तलवार ।
असी, (स्त्री.) एक नदी का नाम ।
असु, (पुं.) स्वास । आध्यात्मिक जीवन । जल । गर्मी । प्राणादि पाँच वायु ।
असुख, (न.) दुःख ।
असुधारण, (न.) जीवन ।
असुर, (पुं.) सूर्य । दानव । देवों के विरोधी दैत्य । रात ।
असुररिपुः, (पुं.) विष्णु ।
असूयक, (वि.) गुणों में दोष बतलाने वाला ।
असूया, (स्त्री.) गुणों में दोष लगाना । ईर्षा । दूसरों की प्रशंसा में देख कर जलना ।
असूर्यम्पश्या, (स्त्री.) राजप्रासाद की स्त्रियां । रनवासे की नारियां, जिन्हें सूरज तक के दर्शन मिलने दुष्कर हैं ।
असृज, (न.) जिसे नाड़ियां इधर उधर फेंकती हैं अर्थात् रक्त । लोहू । कुसुम । केसर । मङ्गल ग्रह । सत्ताइस योगों में से सोलहवां योग ।
असेचनक, (वि.) अत्यन्त प्रिय । जिसे देखते देखते मन न भरे ।
अस्खलित, (वि.) स्थिर । जो न हिले । दृढ़ । स्थायी ।
अस्त, (पुं.) पश्चिमाचल । अस्ताचल । (गु.) फेंका गया । समाप्त हुआ । (वि.) मृत्यु । लग्न का सातवां स्थान ।
अस्तम्, (अव्य.) अन्तर्धान । छिप जाना । नष्ट होना ।
अस्तमन, (न.) सूर्य आदि का न दीखना ।
अस्ताघ, (वि.) बहुत गहरा ।
अस्ताचल, (पुं.) पश्चिमाचल । वह पर्वत जिस पर सूर्य अस्त होते हैं ।
अस्ति, (अव्य.) है । विद्यते । विद्यमानता । रहना ।
अस्तु, (अव्य.) अनुज्ञा । ऐसा हो । ऐसा ही सही । पीड़ा । असूया । स्वीकृति ।
अस्त्यान, (न.) भर्त्सन करना । दोषी ठहराना । (वि.) एकत्र न हुआ ।
अस्त्र, (न.) फेंकने योग्य बाण आदि हथियार ।
अस्त्र+आगार, (न.) अस्त्र रखने का स्थान । अस्त्रागार ।
अस्त्रचिकित्सा, (स्त्री.) जर्राही ।
अस्त्र-विद्या-शास्त्र, (स्त्री.न.) अस्त्र चलाने की विद्या ।
अस्त्रिन, (वि.) अस्त्र उठाने वाला । किसी प्रकार का अस्त्र उठाने वाला ।
अस्थि, (न.) हड्डी । हाड़ ।
अस्थिधन्वन, (पुं.) शिव । महादेव ।
अस्थिपञ्जर, (पुं.) हड्डियों का पिंजर । ठठरी ।
अस्थिमालिन, (पुं.) शिव । महादेव ।
अस्नाविर, (वि.) शिरा रहित । बेनस वाला ।
अस्निग्ध, (पुं.) रूखा । जो चिकना न हो ।

असक्त, (वि.) फलाभिलाष से रहित । जो किसी में लक्त न हो ।

असङ्कुल, (वि.) जो परस्पर विरुद्ध न हो । मार्गादि का प्रशस्त मार्ग । चौड़ा मार्ग ।

असङ्क्रान्त, (पुं.) जिस चान्द्र मास में सूर्य दूसरी राशि पर नहीं जाता । मलमास । लौंद का महीना ।

असङ्ख्य, (वि.) जिसकी गिनती न हो सके । अनन्त सख्यावाला ।

असङ्ग, (पु.) परमात्मा । महादेव । पुत्र । धन । लौकवासनात्यक वैराग्य । सह-विवर्जित ।

असङ्गत, (वि.) जो किसी से मिला जुला न हो । अयुक्त । विरुद्ध । अनुचित । गँवार । अशिष्ट ।

असङ्गति, (स्त्री.) सङ्गतिविहीन । मेल का न होना ।

असत्, (वि.) असाधु । विश्वास छोड़ कर किया हुआ होमानुष्ठानादि । व्यभिचा-रिणी स्त्री जिसका अस्तित्व न हो । मिथ्या । अनुचित । अशुद्ध । अवैष्णव ।

असद्ग्रह, (पु.) न होने वाले काम में हठ । बालहठ । दुराग्रह ।

असभ्य, (वि.) जो सभ्य अर्थात् शिक्षित तथा शिष्ट न हो । जो किसी सभा में बैठने की योग्यता न रखता हो । खल । क्षुद्र । नीच । बर्बर ।

असमञ्जस, (न.) जो युक्तियुक्त न हो । जो ठीक न हो । असङ्गत । अनुचित । जो बोधगम्य न हो । बाहियात ।

असमयः, (पु.) दुष्ट काल । अप्राप्त काल । कुअवसर । विपरीतकाल । प्रतिकूल समय ।

असमर्थ, (पु.) अशक्त । निर्बल । दुर्बल । ...बिन्, (पु.) जो सम्बन्धयुक्त अ- ... न हो । आकस्मिक पृथक्

असमाप्ति, (पु.) बेजोड़ । समता र हित अनादर ।

असमास (पु) असम्पूर्ण । अपूर्ण । जो पूरा न किया गया हो । जो अधूरा छोड़ दिया गया हो ।

असमावृत्तः-कः, (पुं.) ब्रह्मचारी जिसका विद्याध्ययन काल पूर्ण नहीं हुआ है ।

असमाहार, (पु.) अनमिल । जो मिला हुआ नहीं है ।

असमीक्ष्य, बिना विचार हुआ । असमीक्ष्य-कारिन, (वि.) बिना विचारे काम करने वाला । मूर्ख ।

असम्प्रज्ञात, (पु.) अच्छे प्रकार न देखा हुआ या पहचाना हुआ । एक प्रकार की समाधि । निर्विकल्प समाधि ।

असम्बद्ध, (पु.) जो परस्पर सम्बन्ध युक्त न हो । बेमेल । जो अर्थ को न बतलाता हो । सम्बन्ध-रहित वाक्य ।

असम्बाध, (पु.) जो सङ्कीर्ण न हो । अथवा लोगों की भीड़ भाड़ से रहित । एकान्त । खुलाहुआ । चौड़ाईवाला ।

असम्भव, (पु.) जो सम्भव न हो । जो न हो सके ।

असम्मत, (पु.) अनभिमत । प्रतिकूल ।

असहनः, (पु.) शत्रु । (न) क्षमाभाव । न सहने वाला ।

असहाय, (पु.) सहायक रहित । जिसका कोई मित्र न हो ।

असाधारण, (पु.) जो साधारण न हो । अपूर्व । विलक्षण । न्याय में सपक्ष और विपक्ष । दोनों में न रहनेवाला दुष्ट हेतु ।

असाधु, (पु.) बुरा । जो साधु न हो । असच्चरित्र । अपभ्रंश । अशुद्ध ।

असाध्य, (पु.) जो साध्य न हो । जिस पर वश न चले । सिद्ध न होने योग्य ।

असामयिक, (पु.) कुसमय का । बेअवसर का ।

कारण के । फल की इच्छा से रहित । मन बिना ।

अहो, (अव्य.) शोक । करुणा । धिक्कार । विषाद । सम्बोधन । निन्दा । दया । विस्मय । प्रशंसा । असूया । वितर्क । तिरस्कार ।

अहोबत, (अव्य.) दया । भय । घृणा । थकावट । शोक प्रकट करने वाला सम्बोधन ।

अहोरात्र, (न.) दिन रात ।

अह्नाय, (अव्य.) शीघ्र । तुरन्त ।

अहृय, अह्रयाण, (पु.) निर्लज्ज । अभिमानी ।

अह्रि, (वि.) भोला । विनयी । बुद्धिमान् । कवि ।

अह्रीक, (पुं.) एक बौद्ध सन्यासी ।

आ

आ, (अव्य.) (१) वर्णमाला का द्वितीय अक्षर तथा स्वर है ।

(२) जब केवल "आ" का प्रयोग किया जाता है तब इसका अर्थ होता है—अनुमति । हाँ । सचमुच । यह अक्षर अनुकम्पा, दया, वाक्य, समुच्चय, पीड़ा, सीमा, व्याप्ति, यद्यपि से और तक के अर्थ में भी प्रयुक्त किया जाता है । किन्तु जब "आ" क्रिया अथवा संज्ञावाचक शब्दों के पूर्व लगाया जाता है, तब यह—समीप, सम्मुख, चारों ओर से आदि अर्थ को व्यक्त करता है । "आ" वैदिक साहित्य में सप्तम्यन्त शब्द के पहले—में और आदि अर्थव्यञ्जक होता है ।

आ, (पुं.) महादेव । लक्ष्मी ।

आकत्थनं, (क्रि.) बड़ाई बघारना । डींग हाँकना ।

आकम्पित, (वि.) कम्पयुक्त, काँपता हुआ । लोभ को प्राप्त । थोड़ा कम्प युक्त ।

आकर्ष, (क्रि.) किसी वस्तु को अपवित्र कर डालना ।

आकर्ण, (क्रि.) सुनना । कान देना ।

आकर, (पु.) समूह । श्रेष्ठ । अच्छा । रत्न के निकलने का स्थान । खान ।

आकलन, (क्रि.) पकड़ना । धरना । वि रना । देखना । बाँधना । रोकना । सम करना । मापना । गिनना ।

आकल्पः, (पुं.) भूषण । शृङ्गार । परिच्छ बीमारी । वृद्धि । बढ़ती ।

आकल्य, (पुं.) बीमारी । रोग ।

आकष, (पुं.) कसौटी । चकमक पत्थर । पारस छूना । इन्द्रिय ।

आकषक, (पुं.) काटना । घिसना । कसौटी रखना ।

आकर्षणी, (स्त्री.) ऊँचाई पर स्थित फूल, फ पत्ती तोड़ने की लकड़ी । लग्गी ।

आकर्षिक, (पुं.) चुम्बक नाम अयस्क पत्थर । खींचने वाला ।

आकस्मिक, (अव्य.) अकस्मात् । सा हुआ । पहिले जो न सोचा विचारा अ देखा गया हो ।

आकांक्षा, (स्त्री.) अभिलाषा । चा सम्बन्ध । अभिप्राय ।

आकाय, (पुं.) निवास । घर । श्मशान अग्नि ।

आकार, (पु.) मूर्ति । स्वरूप । मन अभिप्राय ।

आकारगुप्ती, (स्त्री.) अपने मन के भ को गुप्त रखना । स्वरूप को छिपाना ।

आकारण, (क्रि.) बुलाना ।

आकालः, ठीक समय । वे ठीक समय ।

आकालिक, (वि.) बे फसल की वस्तु । शी नष्ट होने वाली । (स्त्री.) बिजली ।

आकाश, (पु. न.) प्रकाश । गगन आसमान । पोला स्थान । पञ्चभूतों अथ तत्त्वों में से एक तत्त्व । सूर्य, च तारागणों के देदीप्यमान होने का स्थान शब्द । छिद्र । शून्य ।

अस्मद्, (सर्व.) आत्मवाची सर्वनाम अर्थात् मैं । हम । देहाभिमानी जीव ।

अस्मदीय, (वि.) हमारा ।

अस्माकं, (सर्व.) हमारा ।

अस्मि, (अव्य.) मैं ।

अस्मिता, (स्त्री.) अहङ्कार । दृग और दर्शन को एक रूप समझना ।

अस्र, (न.) कोना । सिर के केश । आँसू । रक्त ।

अस्रज, (न.) मांस ।

अस्वाधीन, (पु.) [illegible] । पराधीन ।

अह, (क्रि.) [illegible] । बनाना । [illegible] ।

अह, (अव्य.) [illegible] । खेद । रोकना ।

अहंयु, (वि.) अहङ्कारी ।

अहङ्कार, (पु.) अभिमान । घमण्ड ।

अहन्, (न.) [illegible] । [illegible] ।

अहम्, (न.) [illegible] ।

अहं, (स्त्री.) [illegible] ।

अहमहमिका, (स्त्री.) [illegible] ।

अहंपूर्विका, (स्त्री.) [illegible] ।

[illegible]

अहार्य, (पुं.) पर्वत । पहाड़ । जो चुराया न जाय । जो तोड़ा न जाय (वि.)

अहि, (पुं.) साँप । वृत्र नामक दैत्य । सूर्य । सीसक । राहु । योगी । नीच । अश्लेषा नक्षत्र । दुष्ट मनुष्य । जल । पृथिवी । इतर गौ । नाभि । बादल ।

अहिक, (पु.) ध्रुव । अन्धा सर्प । जो निरंतर सत्यक दिनों तक रहे ।

अहिका, (स्त्री.) शाल्मली वृक्ष ।

अहिंसा, (स्त्री.) चीनी । शक्कर । मेषशृङ्गी पौधा ।

अहिंसा, (वि.) मन । वच । कर्म से प्राणि को पीड़ा न देना । शास्त्रविरुद्ध जीवों को पीड़ा न देना ।

अहिजित, (पुं.) विष्णु । इन्द्र ।

अहित, (पु.) शत्रु । जो हितैषी न हो । [illegible] । अमङ्गल ।

अहितुण्डिक, (पु.) सर्प पकड़ने वाला ।

अहिद्विष्, (पु.) गरुड़ । इन्द्र । मोर । नेवला । विष्णु ।

अहिफेन, (न. पु.) जो साँप के झाग के समान हो । अफीम ।

अहिर्बुध्न्य, (पु.) शिव । [illegible] । [illegible] नक्षत्र ।

अहिभुज, (पुं.) साँप खाने वाला । गरुड़ । मोर । नेवला ।

अहिलता, (स्त्री.) पान की बेल ।

अहीर, (पु.) ग्वाला ।

अहीनगु, (न.) [illegible] । [illegible] [illegible] और [illegible] हैं । [illegible] नहीं होता ।

अहीश्वर, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

अहु, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

अहुत, (पु.) जहाँ हवन नहीं किया गया । [illegible] [illegible] ।

अहेतुक, (वि.) [illegible] ।

कारण के । फल की इच्छा से रहित । मन बिना ।

अहो, (अव्य.) शोक । करुणा । धिक्कार । विषाद । सम्बोधन । निन्दा । दया । विस्मय । प्रशंसा । असूया । वितर्क । तिरस्कार ।

अहोबत, (अव्य.) दया । श्रम । कृपा । थकावट । शोक प्रकट करने वाला सम्बोधन ।

[illegible], (न.) दिन रात ।

अह्नाय, (अव्य.) शीघ्र । तुरन्त ।

अह्रय, अह्रयाण, (पु.) निर्लज्ज । अभिमानी ।

अह्रि, (वि.) धीर । विरागी । बुद्धिमान् । कवि ।

अह्रीक, (पुं.) एक बौद्ध संन्यासी ।

आ

आ, (अव्य.) (१) वर्णमाला का द्वितीय अक्षर तथा स्वर है ।

(२) जब केवल "आ" का प्रयोग किया जाता है तब इसका अर्थ होता है—अनुमति । हाँ । स्मरण । यह अक्षर अनुकम्पा, दया, वाक्य, समुच्चय, क्रोध, सीमा, व्याप्ति, अवधि से और इन के अर्थ में भी प्रयुक्त किया जाता है । किन्तु जब "आ" क्रिया अथवा गत्यर्थक शब्दों के पूर्व लगाया जाता है, तब यह—गमन, आगमन, आरोहण से आदि अर्थ को प्रकट करता है । "आ" वैदिक साहित्य में [illegible] शब्द के पहले—में और आदि अर्थवाचक होता है ।

आ, (पुं.) महादेव । लक्ष्मी ।

आकम्पन, (वि.) कम्पायमान । हिलना ।

आकम्पित, (वि.) कम्पायमान, काँपता हुआ । क्रोध की प्रकृ । काँपता हुआ ।

आकर्द, (वि.) किसी वस्तु को अपनी ओर खींचना ।

आकर्णं, (क्रि.) सुनना । कान देना ।

आकर, (पु.) समूह । श्रेष्ठ । अच्छा । रत्नादि के निकलने का स्थान । खान ।

आकलन, (क्रि.) पकड़ना । धरना । गिनना । देखना । बाँधना । रोकना । समर्पित करना । मापना । गिनना ।

आकल्पः, (पु.) भूषण । शृङ्गार । परिच्छद । बीमारी । वृद्धि । बढ़ती ।

आकल्य, (पु.) बीमारी । रोग ।

आकष, (पुं.) कसौटी । चमचमक पत्थर । पत्थर । सुर्मा । इन्द्रिय ।

आकषक, (पुं.) काटना । घिसना । कसौटी पर रखना ।

आकर्षणी, (स्त्री.) ऊँचाई पर स्थित पुष्प, फल, पत्ती तोड़ने की लकड़ी । लग्गी ।

आकर्षिक, (पु.) चुम्बक नाम का पत्थर । खींचने वाला ।

आकस्मिक, (अव्य.) अकस्मात् । एकाएक हुआ । पहिले से न सोचा विचारा अथवा देखा गया हो ।

आकांक्षा, (स्त्री.) अभिलाषा । चाह । सम्बन्ध । अभिलाष ।

आकाय, (पु.) निवास । घर । श्मशान का अग्नि ।

आकार, (पु.) मूर्ति । स्वरूप । मन का अभिप्राय ।

आकारगुप्ति, (स्त्री.) अपने मन के भाव को छुपा रखना । स्वरूप को छिपाना ।

आकारण, (न.) बुलाना ।

आकाल:, [illegible] ।

आकालिक, (वि.) बेसमय की वस्तु [illegible] । (स्त्री.) बिजली ।

आकाश, (पु. न.) गगन । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

आकाशदीप, (पुं.) आकाशदीपक अर्थात् वह दीपक जो विष्णु भगवान की प्रीति के लिये कार्तिक मास में एक बल्ली पर आकाश में रात के समय लटकाया जाता है।

आकाशवल्ली, (स्त्री.) अमरबेल।

आकाशवाणी, (स्त्री.) देवता की बोली। आकाशवाणी, वह वाणी जिसका बोलने वाला न दीख पड़े।

आकिञ्चनं,आकिञ्चन्यं, (न.) धनहीनता। गरीबी। निर्धनता।

आकीर्ण, (त्रि.) व्याप्त। फैला हुआ।

आकुञ्चन, (न.) सिकोड़ना। समेटना। फैले हुए को एकत्र करना।

आकुल, (त्रि.) व्याकुल। घबड़ाया हुआ। व्यग्र।

आकूत, (न.) अभिप्राय। आशय।

आकृ, (क्रि.) समीप लाना। नीचे लाना। [illegible] अंकुर करना। बुलाना। विनीती देना। [illegible] करना। किसी से कोई वस्तु [illegible]।

आकृति, (स्त्री.) आकार। जाति। रूप। देह। बनावट।

आकृतिच्छत्रा, (स्त्री.) घोषा नाम की एक लता।

आकेकरा, (स्त्री.) दृष्टि विशेष। [illegible]

[illegible], (त्रि.) [illegible]। बुद्धिमान।

आक्रन्द्, (क्रि.) रोना। [illegible] कर देना। [illegible]। [illegible]। (पुं.) [illegible]। युद्ध का [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible] को [illegible] है।

[illegible], (पुं.) [illegible] [illegible] करना। [illegible] कर [illegible]।

आक्रमण, (न.) धावा। चढ़ाई।

आक्रीड, (पुं.) खेल की जगह या मैदान।

आक्रोश, (पुं.) निन्दा। चीख। चिल्लाहट। हल्लागुल्ला। कोलाहल। शपथ। किरिया। गाली गलौज।

आक्षद्यूतिक, (न.) पाँसे के खेल में उत्पन्न विरोध या बैर।

आक्षपणं, (न.) व्रत। उपवास। थोड़ा खाना।

आक्षपाटिक, (पुं.) पाँसे का खेल देखने वाला। न्यायकर्त्ता। शासक।

आक्षपाद, (पुं.) अक्षपाद या गौतम का सिखलाया हुआ। न्यायशास्त्र का अनुयायी।

आक्षर, (क्रि.) गाली देना। झूठा दोष लगाना।

आक्षारं, (पुं.) व्यभिचार अथवा लम्पटता सम्बन्धी पुरुष या स्त्री का दोष। पर-पुरुष अथवा स्त्री के साथ सम्भोग करने का दोष।

आक्षि, (क्रि.) रहना। ठहरना। वास करना। नियमशील होना। अधिकार करना।

आक्षीव, (पुं.) मत्त। मतवाला। मस्त।

आक्षेप, (पुं.) झिड़कना। कलङ्क लगाना। फेंकना। धनादि की अमानत रखना। अर्थालङ्कारभेद।

आक्षोट-ड, अखरोट का वृक्ष।

आखन, (पुं.) कुदाली। फावड़ा।

आखनन, (न.) [illegible]। [illegible]।

आखण्डल, (पुं.) पर्वतों को तोड़ने वाले इन्द्र।

आखनिक, (पुं.) चोर। सूअर। चूहा। [illegible]। खोदने वाला।

आखर, (पुं.) कुदाली। फावड़ा। कुदारी। लोमड़ी या किसी भी जानवर के रहने का घर।

आखात, (न.) अपने आप बना हुआ [illegible]।

आखु, (पु.) मूसा। चोर। सूअर। सुअर।

आखुकर्णी, (स्त्री.) मूसे के कान जैसे पत्ते वाली अन्दरकारणी नामक एक बेल।

आखुग, (पुं.) मूषकवाहन। गणपति। गणेश।

आखुभुज, (पु.) बिल्ला। बिलैया।

आखुविषहा, (स्त्री.) देवताड़ वृक्ष जो मूसे के विष को दूर करता है। देवदाली लता। वनस्पति विशेष।

आखेट, (पुं.) मृगया। शिकार। अहेर।

आखेटिक, (पु.) शिकारी। आखेट करने वाला। भयानक। डराने वाला।

आखोट, (पुं.) अखरोट का वृक्ष।

आख्या, (स्त्री.) संज्ञा। नाम। जिससे प्रसिद्ध हो।

आख्यातृ, (त्रि.) कहने वाला। पढ़ाने वाला। उपदेशक।

आख्यान, (न.) व्याख्यान। कथा। लम्बी कहानी। प्रसिद्ध इतिहास। बोलना। समझना।

आख्यायिका, (स्त्री.) कल्पित कहानी। गद्यरूपवाली रचना। जैसे "हर्षचरित" या, "कादम्बरी"।

आगत, (त्रि.) आया हुआ। उपस्थित। विद्यमान।

आगन्तु, (त्रि.) अतिथि। आगमनशील। अनिश्चित रहने वाला। आया हुआ।

आगम, (न. पु.) शब्दशास्त्र। वेदादि शास्त्र। आना। शब्दिक अर्थ को सिद्ध करने वाला। व्यवहार। शिवजी के मुख से आया, पार्वती के कान में गया, और जिसे विष्णु ने माना ऐसा आगम हुआ। यथा "आगतं शिववक्त्रेभ्यो गतं च गिरिजाश्रुतौ। मतं च वासुदेवस्य तस्मादागम उच्यते॥"

आगार, (पु.) [illegible]

आगलित, (त्रि.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।

आगमीन, (त्रि) वह मनुष्य जो संपूर्ति के समय तक कार्य में लगा रहे।

आगस्, (न.) अपराध। चूक। पाप। भूल। दण्ड।

आगस्ती, (स्त्री.) दक्षिण दिशा।

आगाध, (त्रि.) बहुत गहरा। अथाह।

आगार, (न) घर। छिपा हुआ स्थान।

आगुर, (क्रि.) स्वीकार करना। सम्मत होना। प्रतिज्ञा करना।

आगू, (स्त्री.) वह पवित्र वचन है—जिसका अंगीकार करना। प्रतिज्ञा।

आघ्रा, (क्रि.) नाक द्वारा पाना।

आग्नापौष्ण, (त्रि.) अग्नि और पूषा सम्बन्धी।

आग्नीध्र, (पु.) होम करनेवाला [illegible] यशोधर महाराज [illegible] का [illegible] पुत्र।

आग्नेय, (न.) अग्नि देवता वाला। जिसका अग्नि देवता हो। सुवर्ण। सोना। घी। लाल रंग। अग्निपुराण। आग बाला। एक नगर। अगस्त्य मुनि।

आग्नेयी, (स्त्री.) पूर्व और दक्षिण के बीच वाली विदिशा। अग्नि की पत्नी स्वाहा। प्रतिपदा तिथि। अग्निदेव का मन्त्र।

आग्न्याधानिकी, (स्त्री.) [illegible] विशेष। जो आरम्भ की ही जाती है।

आग्रयण, (न.) एक प्रकार का यज्ञ जो नया अन्न आदि आने के पूर्व किया जाता है। अग्नि का स्वरूप। नवा अन्न।

आग्रहायणिक, (पु.) मार्गशीर्ष का मास। पूर्णमासी वाला महीना।

आग्रहायणी, (स्त्री.) मार्गशीर्ष मास वाली पूर्णिमा। [illegible]

आग्रहारिक, (पु.) [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible]।

[illegible]। [illegible]। [illegible]।

[illegible]) [illegible]। [illegible]

अन्नशाकादि का वृक्ष (क्रि.) मारना। छूना।

आघात, (पु.) आहनन। चोट। मारने का स्थान। वधस्थान। कसाईखाना।

आघार, (पुं.) घी। मन्त्र विशेष से किसी विशेष देव को घृत प्रदान।

आघूर्णित, (त्रि.) हिलाया डुलाया हुआ।

आघृ, (क्रि.) उँडेलना। छिड़कना।

आघृणि, (त्रि.) गर्मी से चमकने वाला। प्रकाशमान। अधिक धन वाला। सूर्य।

आघ्रा, (क्रि.) सूँघना।

आघ्रातए, (त्रि.) सूँघा हुआ। छुआ हुआ। दबाया हुआ। लाँघा हुआ।

आङ्गिक, (त्रि.) भावों को प्रकाश करने वाला। भौं का चढ़ाव उतार। मृदङ्ग बाजा। शरीर सम्बन्धी।

आङ्गिरस, (पुं.) अङ्गिरा के पुत्र बृहस्पति।

आङ्गूष, (पुं.) प्रशंसा। स्तव।

आचक्ष्, (क्रि.) बोलना। कहना। सिखा देना।

आचमन, (न.) अभिमंत्रित जल पान। मुख आदि का धोना। उपोषण। विहित कर्म के पूर्व देहशुद्धि के अर्थ तीन बार दक्षिण हथेली पर रख कर जल पीना।

आचमनक, (न.) आचमन का जल। पीकदान। उगालदान।

आचमनीय, (न.) मुँह धोने या कुल्ला करने योग्य जल।

आचयः, (पु.) एकत्र करना। (स.) ढेर। राशि।

आचर, (क्रि.) व्यवहार करना। आचरण करना। अभ्यास करना। समीप जाना। घूमना। फिरना। आहार करना। भक्षण करना।

[illegible] (पु.) चरित्र। आचरण। [illegible] द्वारा [illegible] हुआ [illegible] कर्म।

आचार्य, (पुं.) आचार्य संज्ञा उस पुरुष की है जो अपने शिष्य का यज्ञोपवीत संस्कार कर के कल्प और उपनिषद सहित वेदाध्ययन कराये। जो किसी सम्प्रदाय को स्थापन करते हैं वे भी आचार्य कहलाते हैं जैसे शङ्कराचार्य। श्रीरामानुजाचार्य प्रभृति। आचार्य की स्त्री "आचार्यानी" कहलाती है।

आचार्यक, (पु.) आचार्य पना। आचार्य के करने योग्य काम।

आचि, (क्रि.) एकत्र करना। बटोरना। ढेर लगाना। जमा करना। संग्रह करना। लादना। ढकना।

आचित, (पुं.) सङ्गृहीत। एकत्र किया हुआ। फैला हुआ। (स.) वाक्य। वचन। एक रथ का वजन अर्थात् पचीस मन।

आच्छन्न, (त्रि.) ढका हुआ। घेरा हुआ। रखा हुआ।

आच्छाद, (पु.) वस्त्र। कपड़ा।

आच्छादन, (न.) कपड़ा। परदा। गिलाफ। उढ़ोना। चाँदा।

आच्छिन्न, (त्रि.) बलपूर्वक पकड़ा गया। काटा गया। तोड़ा हुआ।

आच्छुरित, (न.) जोर से हँसना। खिल खिला कर हँसना। नखों का घिसना।

आच्छोटन, (क्रि.) अङ्गुलियाँ चटकाना।

आच्छोदन, (न.) आखेट। शिकार।

आजनिः, (स्त्री.) हाँकने की लकड़ी।

आज, (क्रि.) जाना। बकरे से उत्पन्न या बकरे से सम्बन्ध युक्त। फेंकना।

आजक, (न.) बकरियों का झुंड। झुण्ड।

आजकार, (पुं.) शिवजी का नँदिया।

आजगव, (न.) शिवधनुष या शिवधनुष के समान सुन्दर धनुष।

आजन, (क्रि.) उत्पन्न होना। जन्म ग्रहण करना।

आजयनं, (न.) हमला करना। आक्रमण करना।

आजानु, (अ.) घुटनों तक।

आजि, (स्री.) समरभूमि। रणस्थली। लड़ाई की जगह। गाली। निन्दा। (क्रि.) जीतना। पाना। अधिकृत करना।

आजिर, (न.) आँगन के पास वाला।

आजीव, (पुं.) आजीविका। जीने का साधन।

आजीविका, (स्री.) (देखो आजीव।)

आजू-आजुर, (स्री.) बिना वेतन के काम करने वाला। अनुगामी।

आज्ञा, (स्री.) अनुमति। हुक्म। निदेश। आदेश। ज्योतिष प्रसिद्ध लग्न से १० वाँ स्थान। (क्रि.) जानना। समझना। सीखना। किसी बात का ज्ञान प्राप्त करना। सोच करना। देखना।

आज्यं, (न.) घी। घृत।

आज्यभाग, (पुं.) आज्य का भाग। हवन। आहुति के लिये घी।

आज्ञेय, (पु.) अग्नीध्रगर्भसम्भूत की पुत्रपरम्परा।

आटविक, (न.) बनराजा। बनैला।

आटोप, (पुं.) अहङ्कार। आडम्बर। पेट वायु से उत्पन्न गड़गड़ाहट।

आडम्बर, (पुं.) बड़प्पन। अहङ्कार। बड़ी की आवाज। आरम्भ। दिखावट। क्रोध। हर्ष। हाथियों की चिंघाड़। नगाड़ा की धमक। कवच। युद्ध भेरी। युद्ध घोषणा।

[illegible], (पुं. न.) [illegible]

[illegible]

[illegible], (स्री.) [illegible]

[illegible]

[illegible], (त्रि) [illegible]

[illegible]

आणक, (पु) नीच। कुत्सा। दुष्ट।

आणिः, (पु) रथ के पहिये की धुरी कील। नाह। सीमा। धारा।

आतङ्क, (त्रि.) [illegible]

आत, (त्रि.) [illegible] हुआ।

आतङ्क, (पुं) [illegible]

आतञ्चन, (न.) [illegible]

आततायिन, (पु) [illegible]

आतप, (पु) [illegible]

आतपत्र, (न) [illegible]

आतर, (पु.) नदी पार [illegible]

आतापि, (पु) [illegible]

आतापिन, (त्रि.) [illegible]

आतापिन, (पु) [illegible]

आतिथेय, (न) [illegible]

आतिथ्य, (न) [illegible]

आतिवाहक, (त्रि.) [illegible]

आतुर, (पु.) [illegible]

आतोद्य, (न.) [illegible]

आत्मकल्प, (त्रि.) [illegible]

आत्मगुप्ता, (त्रि.) [illegible]

आत्मघातिन्, (त्रि.) जो वृथा ही जल में डूब कर अथवा अग्नि में जरा कर अपने प्राण गँवावे। आत्मघाती। अपनी हत्या करने वाला।

आत्मघोष, (पु.) स्वयं अपने को बुलाने वाला। कौवा। कुक्कुर।

आत्मज, (पुं.) स्वयं उत्पन्न होने वाला अथवा अपने से उत्पन्न वाला अर्थात् पुत्र। यथा—" आत्मा वै जायते पुत्रः। " आत्मजन्मा का प्रयोग भी इसी अर्थ में होता है। लड़की। कन्या। मन से उत्पन्न हुई बुद्धि।

आत्मदर्श, (पु.) दर्पण। शीशा। आरसी। बड़ा।

आत्मन्, (पुं.) आत्मा। प्राण। परमात्मा। मन। बुद्धि। मनन शक्ति। मूर्त्ति। पुत्र "आत्मा वै पुत्रनामासि"। स्वरूप। यत्न। देह। धृति। सूर्य। अग्नि। वायु। जीव। ब्रह्म।

आत्मबान्धव, (पुं.) अपने भाई बन्धु। मौसी के लड़के, बुआ के लड़के, ममेरे भाई—ये सब अपने बन्धु हैं।

आत्मभू, (पु.) जो मन से अथवा देह से उत्पन्न होता है। ब्रह्मा। कामदेव।

आत्मनीन, (त्रि.) अपना। पुत्र। साला। विदूषक। अपना हित चाहने वाला। स्वहितकारी।

आत्मनेपद, (न.) अपने लिये पद। संस्कृत व्याकरण में दो पद वाली धातुएँ होती हैं—एक आत्मनेपद की दूसरी परस्मैपद की।

आत्मम्भरि, (त्रि.) पेटू। अपना ही पेट भरने वाला। स्वार्थी। लोभी। लालची। अपना ही पालन करने वाला।

[illegible]नि, (पु.) विष्णु। शिव। ब्रह्मा।
[illegible]

[illegible]) शिव [illegible]। [illegible]। अपने [illegible] का अपने [illegible]।

आत्मा न तो कर्त्ता है, न भोक्ता है और न स्वयं प्रभु है, किन्तु जो इसे कर्त्ता भोक्ता आदि माने। जिसे यथार्थ आत्मज्ञान नहीं है। मूर्ख। अज्ञानी। आत्मघाती। अपने को मारने वाला मनुष्य।

आत्माधीन, (पुं.) अपने वश। अपने अधीन। पुत्र। साला। प्राणाश्रय।

आत्माश्रय, (पुं.) अपना आश्रय लेने वाला। तर्क का एक दोष अर्थात् जिसे अपनी अपेक्षा आप ही हो।

आत्मसात्, (अव्य.) अपने वश में। (क्रि.) हड़प जाना। दूसरे का धन बिना धनी की अनुमति के अपने काम में ले आना।

आत्मीय, (त्रि.) अपना अपना सम्बन्धी।

आत्म्य, (त्रि.) अपना। व्यक्तिगत। निज का।

आत्यन्तिक, (त्रि.) अनन्त। अविरत। स्थायी। अविनाशी। बहुत। अतिशय।

आत्ययिक, (त्रि.) नाशकारी। उपद्रवी। अभागा। कष्टदायी। शीघ्र नाशशील। विलम्ब न सहने वाला। असाधारण। विशेष।

आत्रेय, (पुं.) अत्रि मुनि का सन्तान। शरीर सम्बन्धी रस धातु। अत्रि वंशोद्भव। शिव जी का नाम। एक नदी का नाम जो उत्तर में है।

आत्रेयी, (स्त्री.) रजस्वला स्त्री। ऋतुमती स्त्री। निशा नाम की एक नदी। अत्रि मुनि की भार्या।

आथर्वण, (पुं.) वेद जो अथर्व मुनि की विद्या। जो अथर्ववेद को जानता हो। अथर्व वेदविहित अभिचार आदि धर्म। अथर्व वेद के अनुसार क्रिया करने वाला पुरोहित।

आदर, (पुं.) सम्मान। प्रतिष्ठा।

आदर्श, (पुं.) दर्पण। बड़ा। टीका। प्रतिरूप। बानगी। पुस्तक।

आदान, (न.) ग्रहण करना। लेना। घोड़े के गहने।

आदि, (पु.) प्रथम । कारण । निकट । प्रकार । भाग । प्रधान ।
आदिकवि, (पुं.) महा कवि वाल्मीकि मुनि ।
आदितेय, (पुं.) अदिति के सन्तान अर्थात् देवता ।
आदित्य, (पु.) सूर्य । देवता । आक का वृक्ष । सूर्यमण्डल में रहने वाले सूर्य । आदित्य बारह हैं । पुनर्वसु नक्षत्र ।
आदित्यसूनु, (पु.) सूर्य का पुत्र, सुग्रीव । यमराज । शनि । सावर्णिनाम मनु । वैवस्वत मनु । कर्ण नामक राजा ।
आदिदेव, (पु.) प्रथम क्रीड़ा करने वाला । आप ही प्रकाशमान । नारायण ।
आदिपुरुष, (पु.) पहले शरीर में रहने वाला । सारे जगत् को आप ही पूर्ण करने वाला । हिरण्यगर्भ । नारायण ।
आदिम, (त्रि.) पहले हुआ । आदि का । पहला ।
आदिवराह, (पु.) विष्णु । इन्होंने सब से पहले वाराहरूप में अवतार धारण किया था ।
आदिष्ट, (न.) आज्ञा । हुक्म । उपदेश ।
आदीनव, (पुं.) दोष । अपकर्ष । दुःख । दुर्दम । जिसे वश में लाना कठिन है ।
आदृत, (त्रि.) आदर किया हुआ, पूजा हुआ ।
आदेश, (पु.) निदेश । आज्ञा । हुक्म ।
आदेष्टृ, (पु.) यजमान और अपने पुरोहित से कहता है कि "मेरा इष्टसम्पादन सम्बन्धी कर्म कीजिये ।"
आद्य, (त्रि.) पहले हुआ । प्रथम का ।
आद्यून, (त्रि.) आदि [illegible] । जिसका [illegible] न हो । पेटू । पेटभरा । [illegible] ।
आद्योत:, (पु.) प्रकाश । चमक ।
आद्रिसार, (पु.) [illegible] का बना हुआ ।
आधमन, (न.) बन्धक । [illegible] । [illegible] ।
आधमर्ण्य, ऋणी । [illegible] ।
आधर्षित, (त्रि.) [illegible] । [illegible] करने वाला । [illegible] न करने वाला ।

आधर्षित, (त्रि.) [illegible] किया गया । जिसका [illegible] लिया गया हो । [illegible] गया हो ।
आधान, (न.) [illegible] । [illegible] स्थापन । गर्भाधान ।
आधार, आश्रय । [illegible] । [illegible]
आधि (पु.) [illegible]
आधिक्य, (न.) [illegible]
आधिज, (त्रि.) [illegible] गया । [illegible]
आधिदैविक (त्रि.) [illegible] के अधिष्ठाता [illegible] आध्यात्मिक, [illegible] दैविक [illegible] इत्यादि [illegible] अर्थात् [illegible] ह आधिदैविक [illegible] इन्द्रियों के [illegible]
आधिपत्य, (न.) [illegible] अधिकार प्राप्त । [illegible]
आधिभौतिक, (त्रि.) [illegible] हुए [illegible] सम्बन्धी । [illegible] से उत्पन्न ।
आधिराज्य, (न.) राजत्व । [illegible] सर्वोत्कृष्ट राज्य ।
आधिवेदनिक, (न.) [illegible] जिसे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है
आधु, (त्रि.) [illegible]
आधुनिक, (त्रि.) [illegible] [illegible] ।
(त्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible]
(त्रि.) [illegible]

दूसरी वस्तु, जैसे लोटे में दूध । यहाँ दूध आधेय और लोटा आधार है ।

आधोरण, (पुं.) हाथी के चलाने की विद्या में पटु । महावत । हस्तिपक ।

आध्मात, (त्रि.) फूँकना । फूँक कर फुलाना । हवा या फूँक से मारना । शब्द ।

आध्मान, (पु.) सुहार की धौंकनी । फूलना । बढ़ना । वायु की बीमारी ।

आध्यात्मिक, (त्रि.) मोह । ज्वरादि शारीरिक क्लेश । शोक । दुःख ।

आध्यान, (न.) चिन्ता । सोच । फ़िक्र । उत्कण्ठा । सोत्कण्ठ । स्मरण । बड़ी उत्कण्ठा के साथ किसी को स्मरण करना ।

आध्वनिक, (त्रि.) यात्री । यात्रा करने वाला । यात्रा करने में चतुर ।

आध्वरिक, (त्रि.) यज्ञ कराना जानने वाला पुरोहित । सोमयज्ञ का विधान बतलाने वाला ग्रन्थ ।

आध्वर्यव, यज्ञ में अध्वर्यु का करने वाला । यजुर्वेद जानने वाला ।

आन, (पु.) मुख । मुँह । नाक । भीतर के वायु का नाक होकर बाहिर निकलना । श्वास लेना ।

आनक, (पु.) मारू बाजा । लड़ाई का बाजा । बड़ा ढोल । मृदङ्ग । गरजने वाला बादल । उत्साही ।

आनकदुन्दुभिः, (पुं.) वसुदेव का नाम । श्रीकृष्ण के पिता । बड़ा ढोल ।

आनत, (त्रि.) प्रणाम करने वाला । निम्न सुत । विनम्र । दिढ़ाई ।

आनति, (स्त्री.) सन्तोष । नम्रता । (क्रि.) झुकना । नीचा होना । आतिथ्य करना । सम्मान करना ।

[illegible] (न.) चर्मोच्छादित बाजा । चाम [illegible] बाजा । अर्थात् मृदङ्ग । [illegible] ढोलक । (क्रि.) केशों [illegible] हुआ । फैला हुआ ।

[illegible] हुआ । परिच्छद धारण करना । नगों पर गहनों का जड़ना ।

आनन, (न.) मुँह । मुख भाग । अध्याय । परिच्छेद । मुख ।

आनन्तर्य, (न) अनन्तर । अनन्तर । समीप । निकट । पास ।

आनन्त्य, (न.) अनन्तता । बहुतायत । [illegible] । अनगिनती । अनन्तत्व । असीमत्व । अमरत्व । परलोक । स्वर्ग । भावी सुख ।

आनन्द, (पु.) प्रसन्नता । हर्ष । सुख । ब्रह्म । आनन्द वाला । शिव । विष्णु । बुद्धदेव के एक चचेरे भाई और उनके एक अनुयायी का नाम जिसने सूत्रों का समह किया था ।

आनन्दन, (न.) आने जाने के समय कुशल पूछ कर, आनन्द उत्पन्न करना । आते जाते समय मित्रों से मिलना । प्रसन्न करने वाला । आनन्द उपजाने वाला ।

आनन्दमय, (पुं.) वेदान्तानुसार सुषुप्ति का साक्षी प्राज्ञ जीव । सुख से पूर्ण । शरीर के पाँच कोषों में से एक कोष ।

आनन्दार्णव, (पु.) आनन्द का समुद्र । अर्थात् परमात्मा । ज्योतिष में यात्रा समय का लग्न विशेष ।

आनन्दित, (पु.) हर्ष, कौतुक, प्रसन्नता, आश्चर्य से युक्त ।

आनपत्य, (सं.) असन्तानत्व । अपुत्रत्व ।

आनम्, (क्रि.) झुकना । प्रणाम करना । नवना ।

आनर्त, (पुं.) नाचघर । नृत्यशाला । रङ्ग । जल । द्वारका के समीप का प्रान्त अर्थात् काठियावाड़ । युद्ध । लड़ाई । सूर्यवंशी । एक राजा का नाम ।

आनाय, (पुं.) जाल । यज्ञोपवीत संस्कार । जनेऊ धारण करना ।

आनय, (पु.) मानवी । दयालु । मानव । विदेशी जन ।

मचलित कहावत

धन करना । बात-
। बोरसे बोलना ।
बातचीत । परस्पर

करना । दीलना ।
। (स्त्री.) बच्चक ।
देख । प्रत्यक्ष की
। सादृश्य । समानता ।
पाड का बारह देवता ।
म सम्बन्धी । जन्मकाल
ची । कुलीन ।
) कौलीन्य पारिवत्य ।
नमक ।
) शब्द । नाम । सर्वांग ।
बारबार होना । पुनः पुनः ।
और । स्थान । देश भेद
री । महीतिन । मालव
रहना जाति की स्त्री से

स्त्री.) अहीरों के गाँव ।
) भयानक । भयङ्कर ।
ग । शारीरिक क्लेश ।
) श्रोत्र । विदाई । छोड़ाई ।
दान की समाप्ति ।
, (वि.) पूजा आदि । शुभ
दि के लिये भाव । धन देने
नन्द का अवसर ।
। कथा । कपट । दुर्बल नामक

(न.) कच्चे मांस जैसी गन्धवाला ।
हुए की गति ।
न.) बुरे मन वाला । दुष्ट ।
रा ।
आम्रवृन्त । म्योता ।

आमय, (पु.) रोग । जिससे रोग उत्पन्न हो ।
आमयाविन्, (पु.) रोगयुक्त । रोगी ।
आमर्दन, (न.) छूना । स्पर्श करना । विचारना ।
आमर्ष, (पु.) क्रोध । रोष ।
आमलक-की, (पु.) वामक वृक्ष । आँवला । आँवले का पेड़ । आँवले का फल ।
आमाशय, (पु.) नाभि और स्तनों के मध्य का भाग । पकने स्थान । न पकने का स्थान । कच्ची जगह ।
आमिक्षा, (स्त्री.) फटा हुआ दूध । छाना ।
आमिष, (न पु.) मांस । खाने । पीने और पहनने की वस्तु । धन । सुन्दरता । धनि लोभ । लाभ । कामदेव का गुण । भोजन । विषय । निरुद्ध । जम्बीर वृक्ष का फल ।
आमुक्त, (वि.) छोड़ा गया । पहिने हुए । लगा हुआ । कवच धारण किये हुए पुरुष ।
आमुख, (न.) प्रारम्भ । नाटकीय प्रस्तावना । नटी । सूत्रधार । विदूषक और पारिपार्श्वक की परस्पर वह बातचीत जिसमें मुख्य नाटकों । कथा आभास ।
आमुष्मिक, (वि.) परलोक में होने वाली बात । अगले जन्म की घटना ।
आमुष्यायण, (वि.) अच्छे वंश के कारण अथवा अच्छे कर्मों द्वारा प्रसिद्धिप्राप्त पुरुष का सन्तान । सद्गोत्रज का पुत्र ।
आमोद, (पु.) गन्धप्रसार । हर्ष । प्रसन्नता ।
आमोदिन्, (वि.) चित्त प्रसन्न करने वाले कर्पूरादि पदार्थ । सुगन्ध ।
आम्नाय, (पु.) वेद । आगम । निगम । गुरुपरम्परा से प्राप्त उपदेश । कुल की रीति भाँति । जातीय चाल
आम्बिकेयः, (पु.) धृतराष्ट्र और कार्त्तिकेय का नाम ।
आम्भस, (पु.) पानी । रसीला ।
आम्भसिकः, (पु.) मछली ।

आपस्कार, (पुं.) वृक्ष या शरीर का धड़।

आपस्तम्ब, (पु.) धर्मशास्त्र सम्बन्धी सूत्रों के रचयिता एक मुनि।

आपस्तम्भिनी, (स्त्री.) पानी को रोकने वाली। लिंगिनी नाम की एक लता।

आपात, (पु.) अन्त। तन्दूर। रास्ता। (क्रि.) सहसा गिरना।

आपाततः, (अव्य.) अधुना। अभी। झट। बिना। शीघ्र।

आपान, (न.) वह स्थान जहाँ लोग एकत्र हो मदिरा पान करें। चषक। मद्यपों की मण्डली।

आपिञ्जर, (न.) थोड़ा थोड़ा लाल सोना।

आपीड, (न.) शिरोभूषण। सिर का भूषण। (क्रि.) दबाना। निचोड़ना। नष्ट करना।

आपीत, (न.) कुछ कुछ पीला। थोड़ा पी लिया हुआ। [illegible]।

आपीन, (न.) थन। [illegible]। [illegible]।

आपूपिक, (पु.) पुआ या मिठाई पूड़ी बनाने वाला। पुआ पूरी का थाली। पुआ बेचने वाला। हलवाई।

आपूप्य, (पु.) आटा। मिलाया हुआ आटा। जिससे पुआ बनाये जावें।

[illegible], (न.) [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

[illegible], (क्रि.) [illegible]।

[illegible], (क्रि.) [illegible]।

आप्यायन, (न.) तृप्ति। प्रीति। तसल्ली। खुशी। प्रसन्न करना।

आप्रदिवं, (अव्य.) सदैव।

आप्रपदं, (अव्य.) पाँव तक। एक प्रकार की पोशाक जो पैर तक लम्बी हो। पाँव तक पहुँचने वाला।

आप्रपदीन, (वि.) पाँवों तक लटकने वाला वस्त्र। "आप्रपदिन" भी इसी अर्थ में प्रयुक्त होता है।

आप्लु, (क्रि.) कूदना। नाचना। उछलना। नहाना। धोना। डुबकी मारना। पानी के [illegible] में डूब जाना।

आप्लुत, (वि.) स्नान किया हुआ। नहाया हुआ।

आप्लुतव्रत, (पु.) वेद पढ़ा हुआ। ब्रह्मचारी-भेद जो गृहस्थाश्रम में नहीं है। स्नातक व्रत को पूरा करके घरमें आया हुआ। [illegible]।

आप्लव, (पु.), पवन। वायु।

आप्या, (स्त्री.) [illegible]।

आफूक, (न.) अफीम। अहिफेन।

आबंध, (क्रि.) बाँधना। बनाना। [illegible]। मजबूती से पकड़ना।

आबल्य, (न.) निर्बलता। कमजोरी।

आबाध्, (क्रि.) रोकना। बाधा डालना। [illegible]।

आबाधः, (पु.) दुःख। चोट। कष्ट। हानि।

आबिल, (पु.) गँदला। मैला।

आबुद्ध, (न.) जागा। समझना। प्रेम। अनुराग। भूषण। बँधा हुआ। बद्ध हुआ।

[illegible], (पु.) वार्षिक। सालाना।

आभरणम्, (न.) भूषण। गहना।

आभा, (स्त्री.) चमकना। दमकना। [illegible]। [illegible]।

आभाणक, (न.) एक प्रचलित कहावत या लोकोक्ति ।

आभाष्, (क्रि.) सम्बोधन करना । बातचीत करना । नाम लेना । जोर से बोलना ।

आभाषण, (न.) बातचीत । परस्पर कथोपकथन ।

आभास, (पुं.) चमकना । दीखना । सत्य प्रतीत होना । (स्त्री.) चमक । दीप्ति । प्रभा । प्रतिबिम्ब । ग्रन्थारम्भ की प्रस्तावना । भूमिका । सादृश्य । समानता ।

आभास्वर, (पुं.) चौंसठ या बारह देवगण ।

आभिजन, (पुं.) जन्म सम्बन्धी । जन्मकाल में किया गया सम्बन्धी । कुलीन ।

आभिजात्य, (न.) कौलीन्य पाण्डित्य । चतुराई । अच्छी समझ ।

आभिख्या, (स्त्री.) शब्द । नाम । वर्णन ।

आभीक्ष्ण्य, (न.) बार बार होना । पुनः पुन ।

आभीर, (पु.) गोप । ग्वाल । देश भेद (स्त्री.) गोपी । अहीरिन । ब्राह्मण पिता और अम्बष्ठ माता से उत्पन्न जाति ।

आभीरपल्ली, (स्त्री.) अहीरों के गाँव ।

आभील, (न.) भयानक । भयङ्कर । [illegible] । चोट । शारीरिक क्लेश ।

आभोग, (पुं.) मोड़ । फिराई । घेराई । परिपूर्णता । गान की समाप्ति ।

आभ्युदयिक, (वि.) पूजा आदि । शुभ कर्मों की वृद्धि के लिये श्राद्ध । बढ़ने वाला । आनन्द का अवसर ।

आम, (वि.) कच्चा । अपक्व । [illegible] रोग ।

आमगन्धि, (न.) कच्चे मांस जैसी गन्ध । चिता के धुएँ की गन्ध ।

आमनस्य, (न.) दुःख का कारण । दुःख । शोक । पीड़ा ।

आमन्त्रण, (न.) [illegible] । [illegible] ।

आमय, (पु.) रोग । जिससे रोग उत्पन्न हो ।

आमयाविन्, (पु.) रोगयुक्त । रोगी ।

आमर्शन, (न.) छूना । स्पर्श करना । विचारना ।

आमर्ष, (पु.) क्रोध । रोष ।

आमलक–की, (पु.) धात्री वृक्ष । आँवला । आँवले का पेड़ । आँवले का फल ।

आमाशय, (पु.) नाभि और स्तनों के मध्य का भाग । पचाने का स्थान । न पचने का स्थान । कच्चे अन्न [illegible] ।

आमिक्षा, (स्त्री.) फटा हुआ दूध । छाना ।

आमिष, (न पु.) मांस । खाने । पीने और पहनने की वस्तु । [illegible] । [illegible] लोभ । लाभ । [illegible] भोजन । विषय । [illegible] का फल ।

आमुक्त, (वि.) पहिना गया । पहिने हुए । लगा हुआ । कवच धारण किये हुए पुरुष ।

आमुख, (न.) प्रारम्भ । नाटकीय प्रस्तावना । नटी । सूत्रधार । विदूषक और पारिपार्श्वक की परस्पर वह बातचीत जिससे आगामी नाटकीय कथा [illegible] ।

आमुष्मिक, (वि.) परलोक में होने वाली बात । [illegible] ।

आमुष्यायण, (वि.) अच्छे वंश के व्यक्ति अथवा अच्छे कर्मों द्वारा प्रतिष्ठित पुरुष की सन्तान । महान् कुल का पुत्र ।

आमोद, (पु.) आनन्द । हर्ष । प्रसन्नता ।

आमोदिन्, (वि.) [illegible] ।

आम्नाय, (पु.) वेद । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] ।

आम्रः, (पुं.) आम का पेड़ । आम का वृक्ष ।
आम्रकूटः, (पुं.) एक पर्वत का नाम ।
आम्रातकः, (पु.) आमड़े का वृक्ष । आमड़े का फल । सिंघाड़ा ।
आम्रेड्, (क्रि.) दुहराना ।
आम्रेडित, (त्रि.) उन्मत्त की तरह एक बात को बारबार कहना । पुनः पुनः कहा गया । व्याकरण की एक संज्ञा ।
आम्ला, (स्त्री.) बड़े खट्टे रस वाला । फल । इमली का वृक्ष ।
आयः, (पु.) आमदनी । प्राप्ति । धनागम । कुण्डली का एकादश घर । स्त्रियों के घर की रखवाली करने वाला पहरुआ ।
आयत, (त्रि.) लम्बा । खींचा हुआ । उद्योगी । चौड़ा ।
आयतन, (न.) देवालय । मन्दिर । आश्रम । बैठक । विश्रामस्थान । यज्ञस्थान ।
आयतीगवम्, (न.) गौओं के लौटने का समय । गोधूली ।
आयति-ती, (स्त्री.) आने वाला समय । भावी काल । उत्तरकाल । प्रभाव । फल देने का समय । मेल । लम्बाई । पहुंचना ।
आयत्त, (त्रि.) अधीन । पराधीन । अवलम्बित । वश में ।
आयत्ति, (स्त्री.) स्नेह । प्रीति । सामर्थ्य । वश । सीमा । मर्यादा । दिन । शयन । बिस्तरा ।
आयस, (न.) लोहे का बना पात्र । लोह । लोहे से बना ।
आयस्त, (त्रि.) फेंका गया । दुःख दिया गया । मारा गया । तेज किया गया ।
आयाम, (पु.) लम्बाई । रोकना ।
आयास, (पु.) मिहनत । बड़ा यत्न । ... । क्लेश । चिन्ता ।
...) रस । जीवनकाल । उमर । ... पथ । बराबर । सन्तान । ... के पुत्रगण ।

आयुज्, (क्रि.) जोड़ना । बांधना । उर्मी रखना । नियुक्त करना । बनाना ।
आयुत, (त्रि.) मिला हुआ ।
आयुध्, (क्रि.) लड़ना । आक्रमण करना । सामना करना । (न.) हथियार । ढाल । आयुध तीन प्रकार के होते हैं । यथा— (१) प्रहरण, जैसे तलवार (२) हस्तमुक्त, जैसे चक्र (३) यंत्रमुक्त, जैसे तीर वगैरह ।
आयुधधर्मिणी, (स्त्री.) जयन्ती वृक्ष ।
आयोधनम्, (न.) लड़ाई । युद्ध । रणपथ । वध करना । मारना ।
आयुस्, (न) जीवन । जीवनकाल । भोजन । दीर्घजीवी होने के लिये आयुष्टोम नामक अनुष्ठान ।
आयुष्मत्, (न.) दीर्घजीवी । बहुत दिनों तक जीनेवाला । (पु.) विष्कुम्भ आदि योगों में से तीसरा योग ।
आयुष्य, (त्रि.) बड़ी उम्र करने वाला । पथ्य । हितकारी । अच्छा ।
आयोग, (पु.) गन्धमाल्योपहार । काम, फूल चन्दन आदि चढ़ाने की सामग्री । तट । किनारा ।
आयोगव, (पु.) शूद्र का पुत्र जो वैश्या के गर्भ से उत्पन्न हुआ हो । बढ़ई प्रतिलोम वर्णसङ्कर से उत्पन्न एक जातिविशेष ।
आयोजन, (न.) उद्योग । आहरण । इकट्ठा करना या लेना । लगाना । जोड़ना ।
आयोधन, (न.) लड़ाई की जगह । युद्धस्थान । (क्रि.) लड़ना । मारना । युद्ध । वध ।
आर, (पु.) पीतल । मङ्गलग्रह । शनिग्रह । मधुराम्रफल । ... । वृक्षभेद । अन्तर । कोना ... । अन्तर का । चाबुक । ... (पु. न. ... का ...

[illegible], (पुं.) सन्त्री । चौकीदार ।

आरटः, (पुं.) नट । नाटक का एक पात्र ।

आरट्टः, (पुं.) एक देश का नाम जो पंजाब के उत्तर-पूर्व में है और जो घोड़ों के लिये प्रसिद्ध है । गुजरात के लोग अब भी इस प्रान्त को ईराक या ऐराक देश कहते हैं । इस देश के लोग या घोड़े ।

आरणं, (न.) गहराई । अथाह ।

आरणिः, (पुं.) भँवर । चक्कर ।

आरण्य, (न.) जंगली, वनैला । वन । एक प्रकार का अनाज जो बिना बोये अपने आप उत्पन्न होता है । राशि विशेष गोबर । महाभारत के पर्वों में से एक का नाम ।

आरण्यक, (पुं.) वनैला या जंगली मार्ग । अध्याय । न्याय । विद्यास्थान । हाथी । वेद का एक भागविशेष ।

आरतिः, (स्त्री.) उपरम । ठहरना । निवृत्ति । हटना ।

आरथा, (पुं.) रथ जिसमें एक बैल अथवा एक घोड़ा जोता जाता है ।

आरब्ध, (वि.) आरम्भ किया गया ।

आरभटी, (स्त्री.) नटों की चालाकी । एक प्रकार की रचना । क्रोध । नाच ।

[illegible], (पुं.) [illegible] । रुदन । रव । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

—[illegible], (पुं.) [illegible] । [illegible] का [illegible] ।

[illegible] (स्त्री.) [illegible] [illegible] का [illegible] । [illegible] का एक [illegible] ।

[illegible], (अव्य.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

आराम, (पुं.) उपवन । वाटिका । क्रीडार्थ बनाया गया बगीचा ।

आरालिक, जो [illegible] करे । [illegible] ।

आरिष्, (क्रि.) ईर्ष्या करना । [illegible] करना ।

आरु, (पुं.) केकड़ा । सुअर । एक प्रकार का वृक्ष ।

आरुच्, (क्रि.) सुनना । पसन्द करना ।

आरुध्, (क्रि.) रोकना । बन्द करना ।

आरुषी, (स्त्री.) मनु की पुत्री और और्व की माता ।

आरुह्, (क्रि.) चढ़ना ।

आरू, (पुं.) सोनहले अथवा पीले रंग का । पीला या साँवला रंग । सुअर । हिमालय पर उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति का नाम ।

आरूढ़, चढ़ा हुआ । बैठा हुआ । सवार ।

आरे, दूर । अन्तर । पास । समीप ।

आरेचनम्, [illegible] । घूमना ।

आरोग्य, (न.) रोग का अभाव । रोग से छुटकारा ।

आरोप, (पुं.) अन्य वस्तु में अन्य वस्तु का भ्रान्त ज्ञान (जैसे रस्सी में सर्प का) । दोषारोपण । स्थापना । ध्यान देना । [illegible] ।

आरोह, (पुं.) चढ़ना । चढ़ाई । [illegible] किसी का नितम्ब देश का घेरा । ऊँचाई । परिमाण विशेष ।

आर्जव, (पुं.) सरलता । कोमलता ।

आर्त, (वि.) [illegible] । पीड़ित । [illegible] ।

आर्तव, (न.) ऋतु सम्बन्धी । [illegible] [illegible] [illegible] हैं ।

आर्तिज्य, (न.) [illegible] ।

आर्द्रक, (वि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

आर्द्र, (वि.) [illegible] (१) [illegible] [illegible] ।

आम्रः, (पुं.) आम का पेड़ । आम का वृक्ष ।
आम्रकूटः, (पुं.) एक पर्वत का नाम ।
आम्रातकः, (पु.) आमड़े का वृक्ष । आमड़े का फल । मिलावा ।
आम्रेड्, (कि.) दुहराना ।
आम्रेडित, (वि.) उन्मत्त की तरह एक बात को बारबार कहना । पुनः पुनः कहा गया । व्याकरण की एक संज्ञा ।
आम्ला, (स्त्री.) बड़े खट्टे रस वाला । फल । इमली का वृक्ष ।
आयः, (पु.) आमदनी । प्राप्ति । धनागम । कुण्डली का एकादश घर । स्त्रियों के घर की रखवाली करने वाला पहरुआ ।
आयत, (वि.) लम्बा । खींचा हुआ । उद्योगी । चौड़ा ।
आयतन, (न.) देवालय । मन्दिर । आश्रम । बैठक । विश्रामस्थान । यज्ञस्थान ।
आयतीगवम्, (न.) गौओं के लौटने का समय । गोधूली ।
आयति-ती, (स्त्री.) आने वाला समय । भावी काल । उत्तरकाल । प्रभाव । फल देने का समय । मेल । लम्बाई । पहुँचना ।
आयत्त, (वि.) अधीन । पराधीन । अवलम्बित । वश में ।
आयत्ति, (स्त्री.) स्नेह । प्रीति । सामर्थ्य । बल । सीमा । मर्य्यादा । दिन । शयन । बिस्तरा ।
आयस्, (न.) लोहे का बना पात्र । लोह । लोहे से बना ।
आयस्त, (वि.) फेंका गया । दुःख दिया गया । मारा गया । तेज किया गया ।
आयाम, (पुं.) लम्बाई । रोकना ।
आयास, (पुं.) मिहनत । बड़ा यत्न । दुःख । उद्यम । क्लेश । चिन्ता ।
आयु, (पुं. न.) उम्र । जीवनकाल । उमर । घी । पवन । पुत्र । वंशज । सन्तान । पुरूरवा और उर्वशी के पुत्रगण ।
आयुज्, (कि.) जोड़ना । बाँधना । रखना । नियुक्त करना । बनाना ।
आयुत, (वि.) मिला हुआ ।
आयुध्, (कि.) लड़ना । आक्रमण करना । सामना करना । (न.) हथियार । शस्त्र आयुध तीन प्रकार के होते हैं । यथा (१) प्रहरण, जैसे तलवार (२) हस्तमुक्त, जैसे चक्र (३) यन्त्रमुक्त जैसे तीर वरतन ।
आयुधधर्मिणी, (स्त्री.) जयन्ती वृक्ष
आयोधनम्, (न.) लड़ाई । युद्ध । रणस्थल वध करना । मारना ।
आयुस्, (स) जीवन । जीवनकाल । भोजन दीर्घजीवी होने के लिये आयुष्टोम नाम अनुष्ठान ।
आयुष्मत्, (न.) दीर्घजीवी । बहुत दिन तक जीनेवाला । (पु.) विष्कुम्भ आदि योगों में से तीसरा योग ।
आयुष्य, (वि.) बड़ी उम्र करने वाला पथ्य । हितकारी । अच्छा ।
आयोग, (पु.) गन्धमाल्योपहार । काम फूल चन्दन आदि चढ़ाने की सामग्री तट । किनारा ।
आयोगव, (पु.) शूद्र का पुत्र जो वैश्या के गर्भ से उत्पन्न हुआ हो । बढ़ई प्रतिलोम वर्णसङ्कर से उत्पन्न एक जातिविशेष ।
आयोजन, (न.) उद्योग । आहरण । इकट्ठा करना या लेना । लगाना । जोड़ना ।
आयोधन, (न.) लड़ाई की जगह । युद्धस्थान । (कि.) लड़ना । मारना । युद्ध । वध ।
आर, (पु.) पीतल । मङ्गलग्रह । शनिग्रह । मधुराम्रफल । खटमिट्ठा फल । वृक्षभेद । अन्तर । फासला । प्रान्तभाग । सन्तरे का पेड़ । चाकू । आरा ।
आरकूट, (पुं. न.) पीतल का बना भूषण । पीतल का गहना ।

आरक्षकः, (पु.) सन्तरी। चौकीदार।
आरट्टः, (पु.) नट। नाटक का एक पात्र।
आरट्टः, (पुं.) एक देश का नाम जो पंजाब के उत्तर-पूर्व में है और जो घोड़ों के लिये प्रसिद्ध है। गुजरात के लोग अब भी इस प्रान्त को हेरात या ऐरात देश कहते हैं। इस देश के लोग या घोड़े।
आरणं, (न.) गहराई। खाई।
आरणिः, (पु.) भँवर। चक्कर।
आरण्य, (न.) जङ्गली, बनैला। वन। एक प्रकार का अनाज जो बिना बोये अपने आप उत्पन्न होता है। राशि विशेष गोबर। महाभारत के पर्वों में से एक का नाम।
आरण्यक, (पु.) बनैला या जङ्गली मार्ग। अध्याय। न्याय। विहारस्थान। हाथी। वेद का एक भागविशेष।
आरतिः, (स्त्री.) उपराम। हटना। निवृत्ति। ठहराव।
आरथः, (पुं.) रथ जिसमें एक बैल अथवा एक घोड़ा जोता जाता है।
आरब्ध, (वि.) आरम्भ किया गया।
आरभटी, (स्त्री.) नटों की कलाबाजी। एक प्रकार की रचना। तांडव। नाच।
आरम्भ, (पु.) त्वरा। उद्यम। वध। मारना। अहङ्कार। प्रस्तावना।
आर—रा, (पु.) ग्रामपाल। इस प्रकार का यन्त्र।
आरा, (स्त्री.) चमड़ा चीरने का औज़ार। लोहे का एक औज़ार।
आरात्, (अव्य.) दूर। समीप। पास। तुरन्त। सीधा।
आरातिः, (पु.) शत्रु। बैरी।
आरात्रिक, (न.) प्रकाश दिखाना या आरती जो रात्रि के समय प्रतिमाविशेष के सन्मुख की जाती है। आरती। नीराजन कर्म।
आराधन, (न.) उपासना। पूजन। प्रसन्न करना। प्राप्ति। सेवा। उपासना। पकाना।

आराम, (पुं.) उपवन। वाटि... बनाया गया बगीचा।
आरालिकः, जो टेढा बरताव करे। ...
आरिष्, (क्रि.) टेढा करना। ... करना।
आरु, (पु.) केकड़ा। सूअर। ... का वृक्ष।
आरुच्, (क्रि.) चुनना। पसन्द करना।
आरुध्, (क्रि.) रोकना। बन्द करना।
आरुषी, (स्त्री.) मनु की पुत्री और ... की माता।
आरुह्, (क्रि.) चढ़ना।
आरू, (पु.) साँवले अथवा पीले रङ्ग का। पीला या साँवला रङ्ग। सूअर। हिमालय ... उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति का नाम।
आरूढ़, चढ़ा हुआ। बैठा हुआ। सवार।
आरात्, दूर। अन्तर। पास। समीप।
आरेचनम्, चाटना। चूमना।
आरोग्य, (न.) रोग का अभाव। रोग से छुटकारा।
आरोप, (पु.) अन्य धर्म में अन्य धर्म का प्रतीत होना (जैसे रस्सी में सर्प का)। संस्थापन। कल्पना। मान लेना। बढ़ाना।
आरोह, (पु.) चढ़ना। लम्बाई। उत्तम स्त्रियों का नितम्ब देश या कूल्हा। ऊँचाई। परिमाण विशेष।
आर्जव, (पु.) सरलता। सीधापन।
आर्त्त, (वि.) अस्वस्थ। पीड़ित। कष्ट प्राप्त।
आर्त्तव, (न.) ऋतु वाला। स्त्रीधर्म का रज जो प्रतिमास स्त्रियों को होता है।
आर्त्विज्य, (न.) ऋत्विज के करने योग्य कर्म।
आर्थिक, (वि.) अर्थसम्बन्धी। धनिक। दाना। अर्थ से आया हुआ। मितव्ययी। धनी। समझदार। सच्चा। यथार्थ।
आर्द्र, (वि.) गीला। (?) (स्त्री.) ... नक्षत्र।

आशित, (त्रि.) भुक्त। खाया। भोजन द्वारा तृप्त।

आशीर्वाद, (पुं.) भलाई की प्रार्थना। शुभेच्छा। आशीर्वाद।

आशीविष, (पु.) जहरीली दाढ़ वाला। सर्प। साँप।

आशुग, (पुं.) वायु। हवा। पवन। बाण। सूर्य। शीघ्र चलने वाला।

आशुतोष, (त्रि.) शीघ्र प्रसन्न होने वाला। महादेव। शिव।

आशुशुक्षणि, (पुं.) अग्नि। आग। पवन। वायु।

आशु, (अव्य.) तेज। शीघ्र।

आशैकुरिन्, (पु.) पहाड़। पर्वत।

आशौच, (न.) वैदिक कर्म के अयोग्य दशा। अशुद्धि। सूतक। " दशाहं शाव-माशौचं सपिण्डेषु विधीयते " मनु।

आश्यान, (त्रि.) किञ्चित् एकत्र हुआ। सूखा हुआ।

आश्नम्, (अव्य.) थोड़ा।

आश्रम, (पु.) ब्रह्मचर्यादि चार आश्रम, अर्थात् अवस्था। मुनियों के रहने का स्थान। कुटी। मठ। विद्यार्थियों के रहने की जगह। तपोवन। विष्णु का नाम।

आश्रय, (पु.) आसरा। समीप। समीपी। आधार। घर। शरण। बलवान् शत्रु का सहारा लेना। सन्धि आदि छ. में एक गुण।

आश्रयाश, (पु.) जो अपने आश्रय को खा डाले। अर्थात् अग्नि, आग।

आश्रव, (पु.) नदी। नाला। दोष। अप-राध। आज्ञाकारी।

आश्रित, (त्रि.) शरणागत। शरण में आ पड़ने वाला। अधीन। आसरे पर रहने वाला। चाकर। भृत्य। नौकर। अनुयायी रहने वाला।

आश्रिः, (स्त्री.) तलवार की धार। तल-की धार।

आश्रु, (क्रि.) सुनना। प्रतिज्ञा करना। वचन देना। स्वीकार करना। सोचना। जपना।

आश्रुत, (त्रि.) सुना। प्रतिज्ञात। स्वीकृत।

आश्लिष्, (क्रि.) आलिङ्गन करना। गले लगाना। चिपकना।

आश्लेष, (पु.) एक चीज से जुड़ा हुआ। (२) नवाँ नक्षत्र।

आश्व, (न.) घोड़ों का समूह। घोड़ों का रथ या गाड़ी।

आश्वयुज, (पु.) महीना जिसमें अश्विनी नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा हो, अर्थात् आश्विन या क्वार का मास।

आश्वलायन, (पु.) एक सूत्रकार। जिनका ग्रन्थ आश्वलायन सूत्रों के नाम से प्रसिद्ध है।

आश्वास, (पुं.) आश्रयहीन। भयभीत का भय दूर करने के लिये ढाढ़स बँधाना।

आश्विन, (पु.) आसोज। क्वार का मास।

आश्विनेय, (पु.) देवताओं के चिकित्सक नकुल और सहदेव। घोड़े की एक दिन की मंजिल। सूर्यवंशी सत्य के पुत्र। अश्विनी कुमार।

आश्वीन, (पु.) घोड़े की एक दिन की मंजिल।

आषाढ़, (पु.) वर्षा ऋतु का प्रथम मास। आषाढ़ मास। पलाश वृक्ष का दण्ड जो सन्यासियों के पास रहता है। ब्राह्मण को यज्ञोपवीत संस्कार में ब्रह्मचर्य का चिह्न दिया जाता है।

आस, (क्रि.) बैठना। सेवना। आराम करना।

आस, (अव्य.) स्मरण। दूर करना। कोप। सन्ताप। गर्व से युक्त करना।

आसक्त, (त्रि.) फँसा हुआ। अनुरक्त। निरत। सब धन्धा छोड़कर एक में अनु-रक्त होना। निरन्तर। नित्य।

आसङ्ग, (न.) अभिनिवेश । एक बात का हठ । भोग की अभिलाषा । कोई काम करने का अभिमान । लगाव । रह ।

आसत्ति, (स्त्री.) सम्बन्ध । मेल । लाभ । समीप । न्यायशास्त्र में दो अन्वय योग्य दोनों पदार्थों को बिना फरक बोलना ।

आसन, (न.) उपवेशन । बैठना । (स.) चौकी । हाथी का स्कन्ध । राजाओं के छः गुणों में से एक, शत्रु । आराम करना । जीरक का पेड़ ।

आसन्न, (वि.) समीपस्थ । उपस्थित । निकट का ।

आसव, (पुं.) हर प्रकार की मदिरा । अरक, पुष्प रस ।

आसादन, (न.) रख देना । आक्रमण करना । मिलना । सम्मुख आना । पाना । पूर्ण करना ।

आसार, (पु.) धनाधन बरसना । मूसलधार वर्षा । फैलना । सेनाओं का चारों ओर फैलना । मित्र का बल ।

आसुति, (स्त्री.) मद्य निकालना । पतर । छलेमन ।

आसुर, (पुं.) असुर सम्बन्धी । दैत्य । यज्ञ न करने वाला । आठ प्रकार के विवाहों में से एक प्रकार का विवाह, जिसमें वर कन्या पिता या उसके सम्बन्धियों को धन दे कर, वधू लेता है ।

आसुरि, (पुं.) कपिल के एक शिष्य का नाम ।

आसेव, (क्रि.) अभ्यास करना । ममता में मग्न होना ।

आसेचन, (वि.) दिलदार । सींचना । जहाँ मन न लगे । बहुत सुन्दर दर्शन ।

आसेध, (पुं.) राजाज्ञा से अपराधी का निरोध । कैदी ।

आसेवा, (स्त्री.) अभिनिवेश सहित किसी कार्य को बारबार करना । बारंबार अच्छे प्रकार सेवा करना ।

आस्कन्दन, (न.) अनादर करना । आक्रमण करना । चढ़ना । गाली देना । घोड़े की चाल । युद्ध ।

आस्तर, (पु.) बिछौना । हाथी की पीठ की झूल ।

आस्तिक, (वि.) जो परलोक को मानता हो । जो वेदशास्त्र और ईश्वर को माने । पवित्र । सत्य । एक मुनि का नाम, देखो आस्तीक शब्द ।

आस्तीक, (पु.) जरत्कारु ऋषि के पुत्र का नाम जिसने जनमेजय का सर्पयज्ञ बन्द करवा कर नागों की रक्षा की थी । आस्तिक ऋषि ।

आस्तीर्ण, (वि.) फैला हुआ । विस्तीर्ण ।

आस्था, (स्त्री.) ख्याल । आदर । आशा । सहारा । विश्वास । भरोसा । स्थिति । यत्न ।

आस्थान, (न.) जहाँ बैठते हैं । सभा । सहारा । चढ़ना । यत्न । विश्राम स्थान ।

आस्थित, (वि.) निवास किया । ठहरा । रहा । चढ़ा । पहुँचा । मान गया । बड़े यत्न से किसी काम में संलग्न होना । गिरा हुआ । ढँका हुआ ।

आस्पद, (न.) स्थान । जगह । आधार । प्रतिष्ठा । पद । स्थान । कृत्य । काम । प्रभुत्व । बड़प्पन । पसारा । लग्न से दसवाँ स्थान ।

आस्पर्धा, (स्त्री.) प्रतिद्वन्द्विता । ईर्षा । बराबरी । होड़ाहोड़ी ।

आस्फालन, (न.) रगड़ना । मलना । चपुल दबाना । पछाड़ना । गर्व । अभिमान ।

आस्फुजित्, (पुं.) शुक्र ग्रह का नाम ।

आस्फोट, (पु.) मदार का पेड़ । [illegible] मारना या ठोकना । बाहुओं पर [illegible] पर ताल ठोकना । दाउ [illegible]

और काम मोक्ष का उपदेश प्राचीन कथानकों से युक्त हो। पुरावृत्तान्त का प्रकाशक। संस्कृत में पुराने इतिहास ग्रन्थ दो ही हैं। अर्थात् महाभारत और वाल्मीकीय रामायण।

इत्थम्, (अव्य.) इस तरह। इस प्रकार। ऐसे।

इत्थशालः, (पुं.) ज्योतिष में वर्षफल के तीसरे योग का नाम।

इत्वर, (त्रि.) निष्ठुर-कर्म करने वाला। क्रूर कर्मी। नीच। पथिक। बटोही।

इत्वरी, (स्त्री.) अभिसारिका। अपने प्रणयी द्वारा निश्चित स्थान पर अपने प्रणयी से जो मिलने जाय। व्यभिचारिणी। कुलटा स्त्री।

इत्य, (त्रि.) प्राप्य। पहुँचने के योग्य। जाने योग्य।

इद्, (क्रि.) ऐश्वर्य होना।

इदम्, (त्रि.) किसी ऐसी वस्तु को बतलाने वाला। जो कहने वाले के समीप हो। यह। यहाँ।

इदानीम्, (अव्य.) सम्प्रति। अब। इस समय। अभी।

इद्ध, (न.) धूप। घाम। आतप। दीप्ति। प्रकाश। अद्भुत अर्थ। चूड़ा। निर्मल। सार।

इध्म, (न.) समिध्। समिधा। काष्ठ। लकड़ी।

इन, (पुं.) यौवन। इन्द्र। बलवान्। स्वामी। प्रतापी। सूर्य। प्रभु। हस्तनक्षत्र। राजा।

इनक्षति, (क्रि.) पहुँचने का यत्न करना। व्याप्ति की चेष्टा करना।

इन्दिरा, (स्त्री.) लक्ष्मी। कमला। धन की अधिष्ठात्री देवी। विष्णु की स्त्री।

इन्दिरालय, (न.) लक्ष्मी का निवास। नीलोत्पल। नील कमल। इन्दीवर।

इन्दु, (पुं.) चन्द्रमा। मृगशिर नक्षत्र। एक संख्या। कपूर। ज्योतिष में पूर्णिमा के ... की संख्या।

इन्दुकलिका, (स्त्री.) केतकी। निवाड़ी। केवड़े का फूल।

इन्दुकान्त, (पुं.) चन्द्रकान्तमणि। यह मणि चन्द्रमा के सामने पिघलती है।

इन्दुजनक, (पुं.) चाँद को पैदा करने वाला समुद्र। अत्रिऋषि। (इनके नेत्र से भी चन्द्र की उत्पत्ति किसी कल्प में होती है)।

इन्दुजा, (स्त्री.) चन्द्र से निकली नर्मदा नदी। चाँदनी।

इन्दुपुत्र, (पुं.) चन्द्रपुत्र अर्थात् बुध।

इन्दुभृत्, (पुं.) शिव। शङ्कर। महादेव।

इन्दुमती, (स्त्री.) पूर्णिमा। राजा अज की स्त्री।

इन्दुरत्न, (न.) मुक्ता। मोती।

इन्दुलेखा, (स्त्री.) चाँद की कला। सोमलता। अमृतलता।

इन्दुवासर, (न.) चन्द्रमा का वार। सोमवार।

इन्द्र, (पुं.) देवताओं का स्वामी। परमेश्वर। ज्येष्ठा नक्षत्र। द्वादश सूर्यों में से एक। चौदह की संख्या।

इन्द्रक, (न.) सभामण्डप। कमेटी घर।

इन्द्रकील, (पुं.) मन्दर पर्वत।

इन्द्रगोप, (पुं.) पटबीजना। बरसाती लाल रंग का कीड़ा।

इन्द्रजालिक, (त्रि.) मदारी। जादूगर। बाजीगर।

इन्द्रजित्, (पुं.) इन्द्र को जीतनेवाला। मेघनाद। रावण का पुत्र।

इन्द्रधनुष्, (न.) सूर्य की किरणें जो धनुषाकार बादलों पर पड़ कर विविध रङ्ग धारण करती हैं।

इन्द्रनीलक, (पुं.) मरकत मणि। नीलम।

इन्द्रनेत्र, (न.) एक प्रकार की गिनती।

इन्द्रपर्वत, (पुं.) महेन्द्र पर्वत।

इन्द्रपुरोहित, (पुं.) बृहस्पति।

इन्द्रप्रस्थ, (न.) दिल्ली नगर।

इन्द्रभेषज, सोंठ । सुरठी ।
इन्द्रवंशा, (स्त्री.) जिसके प्रति पाद में बारह अक्षर हों—वह छन्द ।
इन्द्रवज्रा, (स्त्री.) ग्यारह अक्षरों के पाद वाला छन्दविशेष ।
इन्द्रशत्रु, (पु.) वृत्रासुर ।
इन्द्राणी, (स्त्री.) शची । सिन्धुवार वृक्ष । बड़ी इलायची । षोडशमातृकाओं में से प्रथम माता । लता विशेष ।
इन्द्रायुध, (न.) वज्र । इन्द्र धनुष ।
इन्द्रिय, (न.) ईश्वर प्रदत्त ज्ञान और कर्म के साधन अर्थात् हाथ पैर कान नाक आदि ।
इन्द्रियार्थ, (पु.) इन्द्रियों के विषय । यथा—शब्द, स्पर्श, रूप, रस, और गन्ध ।
इन्द्रियायतन, (न.) शरीर ।
इन्ध, (क्रि.) जलना । चमकना । आग का जलना ।
इन्धन, (न.) लकड़ी । ईंधन ।
इभ, (पु.) हाथी । निर्भय । शक्ति । नौकर । अधीनस्थ । आठ की गिनती ।
इभकणा, (स्त्री.) बड़ी पीपल । गज पिप्पली ।
इभनिमीलिका, (स्त्री.) वनस्पति विशेष जिसके सेवन से हाथी भी सो जाय । भाङ । निद्रा । [illegible] ।
इभपालक, (पु.) हस्तिपक । पीलवान । महावत ।
इभपोटा, (स्त्री.) युवा हथिनी ।
इभपोतः, (पु.) हाथी का बच्चा ।
इभमाचल, (पु.) शेर । केसरी ।
इभया, (स्त्री.) स्वर्णक्षीरी ।
इभ्य, (वि.) बड़ा धनी । धनवान् । [illegible] ।
इभ्या, (स्त्री.) हथिनी । हस्तिनी ।
इम्बक, (पु.) [illegible] ।
इयक्ष्, (क्रि.) [illegible] ।

इयत्ता, (स्त्री.) सीमा । माप । गिनती ।
इरम्मद, (पु.) बिजली । वज्राग्नि । समुद्र की आग । बड़वानल ।
इरा, (स्त्री.) धरती । भूमि । वाणी । सुरा । मद्य । जल । अन्न । कश्यप की स्त्री ।
इरावती, (स्त्री.) एक नदी का नाम । यह नदी पंजाब में है और इसका प्रसिद्ध नाम रावी है । दुर्गा ।
इरिण, (न.) ऊसर भूमि । आश्रयशून्य । सूना ।
इरेश, (पु.) वरुण । बृहस्पति । राजा । विष्णु ।
इर्वारु—रू, (स्त्री.) ककड़ी । आलू ।
इल्, (क्रि.) सोना । फेंकना ।
इलविला, (स्त्री.) कुबेरजननी । पुलस्त्य की स्त्री । माता का नाम इलविला होने से कुबेर का नाम ऐलविल है ।
इला, (स्त्री.) भूमि । पृथिवी । गौ । वाणी । जम्बूद्वीप के नव खण्डों में से एक । वैवस्वत मनु की कन्या । बुध की स्त्री ।
इलावृत, (न.) जम्बूद्वीप के नव खण्डों में से एक । चार सीमा वाला देश । जगत् के नव खण्डों में से एक ।
इली, (स्त्री.) छोटा खड्ग । छुरी । करवालिका ।
इल्विलः, (पु.) एक दैत्य जिसे इन्द्र ने पराजय किया था ।
इल्वल, (पु.) [illegible] । एक प्रकार का मत्स्य । एक दैत्य जो अगस्त्य द्वारा मारा गया था ।
इव, (क्रि.) फेंकना । (अव्य.) जैसा । थोड़ा । मानों । सम्भवतः । ठीक । वाक्यपूरक ।
इष्, (क्रि.) चाहना । बार बार करना । ढूँढ़ना । देखना । इच्छा करना । [illegible] । जाना ।
इष, (पु.) [illegible] । जिस मास में [illegible] इच्छा करते हैं ।
इषु, (पु.) बाण । तीर । पाँच की गिनती ।

इषुधिः, (पु.) तरकस । बाण रखने का स्थान ।
इष्ट, (वि.) आदर किया गया । पूज्य । अभिलषित । चाहा गया । प्रिय । यज्ञादि कर्म । रेंड़ी का पेड़ । (पु.) संस्कार (न.) चाह । धर्म कार्य ।
इष्टका, (स्त्री.) मिट्टी आदि का बना हुआ । एक प्रकार का मिट्टी का खण्ड । अर्थात् ईंट । खपैल ।
इष्टा, (स्त्री.) शमी वृक्ष ।
इष्टापूर्त्त, (न.) अग्निहोत्र तप । सत्य । यज्ञ । दान । वेदपाठ । आदि व । वैश्वदेव । अन्नदानादि कर्म । बावली । कुआ । तालाब । देवालय । अन्नदान । वाटिका लगाना आदि कर्मों की पूर्ति ।
इष्टि, (स्त्री.) यज्ञ । दर्श पौर्णमास यज्ञभेद । अभिलाषा । इच्छा । चाह ।
इष्वासन, (पु.) धनुष ।
इह, (अव्य.) यहाँ । इस समय । इस देश में । इस जगत् में । अब ।
इहमाः, (पु.) कोई देश का नाम ।
इहामुत्र, (अव्य.) यहाँ वहाँ । इस लोक और परलोक में ।

ई

ई, (स्त्री.) लक्ष्मी तथा कामदेव का नाम । अनुकम्पा । दीप्ति । [illegible] । क्रोध । अनुकम्पा । दुःख । [illegible] । दुःखना ।
ई, (कि.) जाना । चमकना । [illegible] । इच्छा करना । [illegible] । [illegible] । गर्भ धारण करना ।
ईक्ष, (कि.) देखना । [illegible] । जानना । [illegible] ।
ईक्षण, (न.) देखना । दृष्टि । आंख ।
ईक्षणिक, (वि.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

सामुद्रक जानने वाला । सगुनौतिया । सगुन उठाने वाला । ज्योतिषी ।
ईक्षा, (स्त्री) दर्शन । देखना ।
ईख्, (कि.) डोलना । झूलना । हिलना ।
ईज् (कि.) जाना । भर्त्सना करना । दोषारोप करना ।
ईड्, (कि.) स्तुति करना । सराहना ।
ईडा, (स्त्री.) स्तुति । प्रशंसा । सराहना ।
ईशमत्, (पुं.) जिसका कोई स्वामी या प्रभु हो ।
ईति, (स्त्री.) उत्पन्न हुआ । खेती सम्बन्धी छः प्रकार के उपद्रव यथा—१ अतिवृष्टि । २ अनावृष्टि । ३ मकड़ी । ४ चूहे । ५ तोता । और ६ राजाओं का दौरा । यात्रा करना । कष्ट ।
ईदृश, (वि.) इसके समान । ऐसा । इसके बराबर । इसके सदृश ।
ईप्सित, (वि.) अभिलषित । चाहा हुआ । इष्ट ।
ईर्, (कि.) जाना ।
ईर्मं, (न.) व्रण । घाव । फोड़ा । जखम ।
ईर्ष्य्, (कि.) डाह करना । द्वेष करना ।
ईर्ष्या, (स्त्री.) डाह । दूसरे की बढ़ती को देख कर जलना । वैर ।
ईला, (स्त्री.) पृथिवी । वाणी । गौ । स्तुति ।
ईलिः—ली, (स्त्री.) हथियार । छुरी । करवालिका ।
ईवत्, (अव्य.) इतना लम्बा । ऐसा बड़ा ।
ईश्, (कि.) शासन करना । [illegible] । स्वामी के समान [illegible] । [illegible] देना ।
ईशान, (पु.) महादेव । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
ईशित्व, (स्त्री.) [illegible] [illegible] [illegible] ।

ईश्वर, (पुं.) महादेव। कामदेव। चैतन्य आत्मा। परमेश्वर। पातञ्जल के मतानुसार क्लेश कर्मविपाकाशयों से असंस्पृष्ट पुरुष विशेष। धनिक। स्वामी। सप्ताभेद।

ईष, (पुं.) स्वामी। मालिक। महादेव। परमेश्वर।

ईषत्, (अव्य.) अल्प। थोड़ा। कुछ।

ईषत्कर, (पुं.) सहज, थोड़े से श्रम या प्रयास से सिद्ध हो जाने वाला।

ईषदुष्ण, (पुं.) गुनगुना। कुछ कुछ गर्म। मन्दोष्ण।

ईषा, (स्त्री.) हलदण्ड। हल की नोंक। हल की फाल।

ईषिका, (स्त्री.) हाथी की आँख की पुतली। चित्रकार की कूँची। तीर। बाण।

ईह, (क्रि.) अभिलाषा करना। चाहना। वस्तु पाने के लिये प्रयत्नशील होना।

ईहा, (स्त्री.) चेष्टा। उद्योग। यत्न। वाञ्छा।

ईहित, (वि.) ईहा हुआ। सोचा हुआ। प्रार्थित (न.) अभिलाषा चाह इच्छा किया हुआ।

उ

उ, हिन्दी वर्णमाला का पाँचवाँ अक्षर।

उ, (क्रि.) शब्द करना। कोलाहल मचाना। चीखना। गरजना। बोलना। सम्बोधन करना।

उः, (सं.) शिव का नाम। ब्रह्मा का नाम। चन्द्र का चिह्न। सम्बोधन का शब्द। क्रोध। दया। अनुकम्पा। आज्ञा। विस्मय। हैरानी।

उकानहः, (प.) लाल और पीले रंग का घोड़ा।

उकुणः, (पुं.) खटमल। खटकीरा।

उक्त, (वि.) कथित। कहा गया। कथन। कहना। एक अक्षर के चरण का छिद।

उक्ति, (स्त्री.) कहना। कथन।

उक्थ, (न.) नव प्रकार के सामवेद का एक भाग। सामवेद का प्रधान अङ्ग। महाव्रतान्त यज्ञ। प्राण। कथन। वाक्य। स्तोत्र। प्रशंसा।

उक्ष्, (क्रि.) छिड़कना। सींचना। भिगोना। नम करना। उड़ेलना। फैलाना। त्याग करना।

उक्षतर, (पुं.) तीसरी अवस्था को पहुँचा हुआ बैल। बड़ा बैल।

उक्षन्, (पुं.) बैल। सोम। पवन। अग्नि। ऋषभौषधि।

उत्ताल, (पुं.) श्रेष्ठ। भयानक। ऊँचा। बड़ा। सर्वोत्तम। बन्दर।

उख्, (क्रि.) जाना। हिलना। डोलना।

उखा, (पुं.) पाकपात्र। किसी वस्तु को उबालने का पात्र। बटलोई। भगोना। तसला। बेदी। शरीर का अङ्ग।

उग्र, (वि.) भयानक। निठुर। कठोर। बली। दृढ़। तीक्ष्ण। तेज। गर्म। क्षत्रिय पिता और शूद्रा माता के गर्भ से उत्पन्न सन्तान। वायु की मूर्ति धारण करने वाले शिव। शिव विशेष। [illegible]।

उग्रकाण्ड, (पुं.) करेला। करैला अर्थात् करेला का वृक्ष।

उग्रगन्ध, (वि.) तेज गन्धवाला। चम्पा। चमेली। अर्जक वृक्ष। लहसुन। हींग।

उग्रधन्वन्, (वि.) जिसका धनुष बड़ा तेज हो। महादेव। इन्द्र।

उग्रश्रवस्, (पुं.) रोमहर्षण का पुत्र। इन्हीं [illegible] को पुराण [illegible]।

उग्रसेन, (पुं.) कंस का पिता। यह यदुवंशी [illegible] का और [illegible]। धृतराष्ट्र का पुत्र।

उच्, (क्रि.) एकत्र करना। [illegible]

उचित, (वि.) योग्य। ठीक।

उच्च, (वि.) ऊँचा। उन्नत।
उच्चतरु, (पु.) नारियल का पेड़।
उच्चलित, (वि.) ऊपर उठा हुआ।
उच्चाटन, (न.) उच्चाटन। उखाड़ना। अपनी जगह से अलग करना। किसी को अपने स्थान से अलग कर देना।
उच्चण्ड, (पु.) बड़ा उग्र। भयानक।
उच्चार, (पु.) उच्चारण। कहना। विष्ठा। मल।
उच्चावच, (वि.) छोटे बड़े। ऊँचे नीचे।
उच्चूलक, (पु.) ऊँची चोटी वाला। चोटी के ऊपर बाँधा। मुकुट। आभरण।
उच्चैःश्रवस, (पु.) ऊँचे कान वाला। इन्द्र का घोड़ा।
उच्चैर्घुष्ट, (न.) ढिंढोरा। डौंडी। मुनादी।
उच्चैस्, (अव्य.) ऊँचा। बड़ा। लम्बा।
उच्छिखर, (वि.) चोटी से ऊँचा। चोटी उठी हुई।
उच्छित्ति, (स्त्री.) उच्छेद। नाश। विनाश।
उच्छिष्ट, (वि.) जूठा। भोजन करने से बचा हुआ। छोड़ा हुआ।
उच्छीर्षक, (न.) तकिया। बालिश।
उच्छुष्क, (न.) सूखा हुआ।
उच्छून, (वि.) फूला हुआ। बढ़ा हुआ।
उच्छृङ्खल, (वि.) विनयरहित। निरंकुश। बेराह। बेलगाम।
उच्छेत्तृ, (पु.) नष्ट करने वाला।
उच्छिद्, (क्रि.) छेदन करना। तोड़ना।
उच्छोथ, (पु.) सूजन।
उच्छोषण, (वि.) सुखाने वाला। सन्तापक।
उच्छ्लसन, (न.) सुस्त पड़ जाना।
उच्छ्वासन, (न.) साँस लेना। प्राण।
उच्छ्राय, (पु.) ऊँचाई।
उच्छ्रित, (वि.) ऊँचा। बढ़ा हुआ।
उच्छ्वास, (पु.) भीतर जाने वाला श्वास। आख्यायिका का अध्याय। प्राण।
उञ्छ, (क्रि.) दानों का बटोरना। बीनना। समाप्त करना।

उज्जयिनी, (स्त्री.) उज्जैन नगरी। अवन्ती पुरी। विक्रमादित्य की राजधानी।
उज्जागर, (वि.) भड़का हुआ। उद्दीप्त।
उज्जासन, (न.) मारण। मारना।
उज्जिति, (स्त्री.) जीत।
उज्जृम्भ, (पु.) खिलना। फूलना। विकास। जम्हाई।
उज्ज्वल, (पु.) चमकदार। चमकीला। दमकता हुआ। शृङ्गार।
उज्झ, (क्रि.) छोड़ना। भूलना।
उञ्छन, (पु. न.) खेत आदि में गिरे हुए धान के दाने और जमीन पर पड़े दानों को बीनना।
उटज, (पु. न.) झोपड़ी। पर्णशाला।
उड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।
उडु, (स्त्री. न.) तारा। नक्षत्र। जल।
उडुप, (पु. न.) नाव। चाँद। चन्द्रमा।
उडुपति, (पु.) तारों का पति। चन्द्रमा। जल का स्वामी। वरुण।
उड्डामर, (वि.) अतिप्रचण्ड। बड़े जोर का। सब से ऊँचा।
उड्डयन, (न.) उड़ान।
उत, (अव्य.) निश्चय। और। भी। क्या। अथवा। या तो। प्रश्न। अत्यर्थ।
उतथ्य, (पु.) अङ्गिरा से श्रद्धा में उत्पन्न। बृहस्पति के बड़े भाई का नाम।
उताहो, (अव्य.) विकल्प। सन्देह। प्रश्न। ऐसा या ऐसा। विचार।
उत्क, (वि.) अन्यमनस्क। उत्कण्ठित।
उत्कञ्चुक, (पु.) चोली का बन्द। कुर्ती आदि पहने हुए।
उत्कट, (पु.) अत्यधिक। अतीव। बहुत। तेज। (न.) नाग। दारचीनी। मत्त हस्ती।
उत्कण्टकित, (पु.) काँटे या बालदार।
उत्कण्ठ, (पु.) उठी हुई गर्दन वाला।
उत्कण्ठा, (स्त्री.) चाही हुई वस्तु को जल्दी

पाने की चिन्ता। फिकिर। दुःख। विकलता। किसी प्रिय वस्तु को पाने की इच्छा।

उत्कर, (पुं.) धान्यादि का एकत्र करना। फैलाना। हाथ पाँव पसारना। धान को बिखेरना। ढेला।

उत्कर्ण, (न.) कान फेरना।

उत्कर्ष, (पुं.) अतिशय। अत्यधिक। बहुत अधिक। उन्नति।

उत्कल, (पुं.) उड़ीसा प्रदेश। शिकारी। भारवाहक। बोझ ढोने वाला। ब्राह्मणों की एक जाति।

उत्कलिका, (स्त्री.) उत्कण्ठा। कली। लहर।

उत्कार, (पुं.) धानों को एकत्र करना और ऊपर उछालना। फेंकना।

उत्किर, (पुं.) कुकना की तरह घुमाना।

उत्कीर्ण, (त्रि.) फैलाया गया। फेंका गया। बेधा गया। गड़ा गया। अङ्कित।

उत्कीलित, (न.) खुला हुआ।

उत्कुण, (पुं.) जूँ। खटमल। केशों में उत्पन्न होने वाले कीड़े।

उत्कुल, (पुं.) पतित।

उत्कूर्दन, (न.) कूदना। छलाङ्ग।

उत्कूल, (त्रि.) किनारे तक भरा हुआ।

उत्कृति, (स्त्री.) एक छन्द विशेष।

उत्कृष्ट, (पुं.) श्रेष्ठतर।

उत्कोच, (पुं.) घूँस। रिश्वत।

उत्क्रम, (पुं.) उलटा क्रम। विना। नियम-विरुद्ध। बदलना।

उत्क्रोश, (पुं.) कुरर। चिल्लाहट। कुररी पक्षी।

उत्क्षिप्ति, (पुं.) उछाल। फेंक। तुफान।

उत्खात, (त्रि.) उत्पाटित। उखाड़ा हुआ।

उत्तंस, (पुं.) कान में पहरने का गहना। कलगी। शिरोभूषण। हार।

) संताप। तपा हुआ। गरम।

) दुखा। ... ।

) ... । घबराना।

उत्तमाङ्ग, (न) मस्तक। सब से अच्छा अङ्ग।

उत्तम्भ, (क्रि.) ठहरना। पकड़ना। रोकना। भरोसा देना। कुत्ता से हटना। आराम करना।

उत्तर, (न.) जवाब। उत्तर नाम की दिशा। उदीची। शिवराज के पुत्र का नाम। पीछे। योग्य। ऊँचा। अच्छा। अन्तिम।

उत्तरकोशला, (स्त्री.) अयोध्या नगरी।

उत्तरकाय, (पुं.) शरीर का ऊपरी भाग।

उत्तरङ्ग, (पुं.) ऊँची लहरों वाला। दर्वाजे के ऊपर की लकड़ी।

उत्तरच्छद, (पुं) ढकना। बिछौने की चादर। ओढ़ना।

उत्तरमीमांसा, (स्त्री.) अगला विचार। फैसले की बात। वेदान्त दर्शन।

उत्तरा, (स्त्री.) सपिण्डीकरण के अनन्तर की क्रियाएं। उत्तर दिशा। काल। देश। राजा परीक्षित् की माता।

उत्तरात्, (अव्य.) उत्तर दिशा। उत्तर की ओर। उत्तर काल।

उत्तराधिकारिन्, (त्रि.) एक स्वत्वाधिकारी के अनन्तर जो दूसरा स्वत्वाधिकारी हो सकता है, वह उत्तराधिकारी कहलाता है। पीछे का अधिकारी। वारिस।

उत्तराभास, (पुं.) झूठ उत्तर। दुरुत्तर।

उत्तरायण, (न.) उत्तरी मार्ग। वह समय जब सूर्य उत्तर की ओर झुकते हैं। मकर संक्रान्ति से ले कर मिथुन तक छः महीने। मकर सङ्क्रमण का दिन।

उत्तरीय, (न.) ऊपर का कपड़ा। दुपट्टा। चादर। दुशाला।

उत्तरेण, (अव्य) उत्तर। उत्तर की ओर।

उत्तान, (त्रि.) चित्तलेटा। ऊपर को मुँह किये हुए।

उत्तानशय, (त्रि.) ऊपर को मुँह कर के सोने वाला। छोटा बच्चा। शिशु।

उत्ताप, (पुं.) उष्णता। गरमी। दुःख। सन्ताप।

उद्दाम, (न.) खुला हुआ । सुखी । समुद्र की धार ।
उद्दामन, (वि.) बन्धनरहित । खुला हुआ । स्वतंत्र । वरुण का नाम ।
उद्दिष्ट, (वि.) उपदिष्ट । चाहा गया । छन्दशास्त्र में प्रस्तार के विशेष ज्ञान का साधन ।
उद्दीपन, (न.) प्रकाशन । रोशनी । भड़काना । उत्तेजित ।
उद्देश, (पुं.) अनुसन्धान । ढूँढना । खोजना । इच्छा । चाह । निशान । लिये । संक्षेप । वस्तु का नाम लेना । निमित्त । लक्ष्य ।
उद्द्राव, (पु.) भागना । दौड़ना ।
उद्योत, (पुं.) प्रकाश । धूप ।
उद्धत, (पुं.) राजाओं का पहलवान । बोलने में बड़ा चपल । अविचारे बोलने वाला । अविनीत । अनसिखा । अहङ्कारी । उठा हुआ । अतिनिष्ठुर । उत्तेजनापूर्ण ।
उद्धरण, छुटकारा । वमन । उऋण होना । उखाड़ना ।
उद्धर्ष, (न, पु) उत्सव । आनन्द । पर्व । तीज त्योहार । शारदोत्सव ।
उद्धर्षण, (न.) रोमाञ्च । शरीर के रोओं का खड़ा होना ।
उद्धव, (पु.) यज्ञाग्नि । श्रीकृष्ण के प्रिय यादव विशेष । उत्सव ।
उद्धार, (पु.) जो उठाया जावे । जिसे शोधन करना पड़े । ऋण । छुटकारा । समर्दा । खींच कर बाहर निकालना ।
उद्धृत, (वि.) उठाया गया । छुड़ाया गया । पृथक् किया गया । रक्षा किया गया । प्रतिलिपि करना । खींच लेना ।
उद्बन्धन, (न.) अपने गले में रस्सी बाँधना । फाँसी लगाना ।
उद्बाहु, (पु.) बाँह उठाये हुए ।
उद्बुद्ध, (वि.) विकसित । खिला हुआ । जागा हुआ ।
उद्बोध, (पुं.) थोड़ी समझ । पहचान । स्मरण ।
उद्भट, (पु.) असाधारण ग्रन्थ से बाहर का श्लोक । फुटकल । सूर्य । प्रसिद्ध ।
उद्भव, (पु.) उत्पत्ति । जन्म । निकलना । पैदा होना ।
उद्भिज्ज, (वि.) अंकुर । भूमि फाड़ कर उत्पन्न हुआ वृक्ष । वनस्पति । स्थावर ।
उद्भिद्, (वि.) वृक्ष । झाड़ी । लता । यज्ञ ।
उद्भूत, (वि.) उत्पन्न । प्रकट हुआ । प्रत्यक्ष जिसे हम देख सकें ।
उद्भेद, (पु.) फुहारा । देह पर रोओं का खड़ा होना । जन्म । उत्पत्ति ।
उद्भ्रम, (पु.) उद्वेग । व्याकुलता । घबराहट । भूल । चिन्ता । घूमना ।
उद्भ्रमण, (न.) उड़ना ।
उद्भ्रान्त, (न.) तलवार घुमाना । निकलना ।
उद्यत, (वि.) तयार हुआ । ऊँचा किया गया । ग्रन्थ का अध्याय ।
उद्यम, (पु.) उद्योग । हिम्मत । कोशिश । तयारी ।
उद्यान, (न.) जाना । सैर करना । उपवन । बगीचा । आराम ।
उद्योग, (पु.) यत्न । उपाय । चेष्टा । उत्साह ।
उद्रिक्त, (वि.) अधिक । बढ़ा हुआ ।
उद्रेक, (पु.) बाढ़ । उपक्रम । प्रारम्भ । नीम का पेड़ ।
उद्वत्, (स्त्री.) उभार । ऊँचाई ।
उद्वर्तन, (न.) उबटना । उबटन लगाना । चन्दन लगाना । पिसना । उछलना ।
उद्वान्त, (पु.) वमन करना । बाहर निकालना ।
उद्वासन, मारना । विसर्जन । विदा करना । छोड़ना ।
उद्वाह, (पु.) विवाह । परिणय ।
उद्वाहु, (वि.) भुजा ऊपर किये हुए ।

उद्विग्न, (वि.) विरस । घबराया हुआ । उद्वेग युक्त ।

उद्धूत, (वि.) दुर्दांत, दुराचारी ।

उद्वेग, (पुं.) विछोह से दुःखी होना । निश्चल । शीघ्र जाने वाला ।

उद्वेल, (वि.) मर्यादा भङ्ग करने वाला ।

उद्वेष्टन, (न.) पैर हाथ का बन्धन । इरवाने । घेराव । खुला हुआ । मुक्त ।

उन्द, (क्रि.) गीला करना ।

उन्दुरु, (पुं.) मूस । चूहा ।

उन्न, (वि.) आर्द्र । गीला ।

उन्नति, (स्त्री.) उदय । बढ़ती । वृद्धि । गरुड़ की स्त्री ।

उन्नद्ध, (वि.) बढ़ा हुआ । भली प्रकार बँधा हुआ ।

उन्नमन, (न.) सीधा खड़ा करना ।

उन्नमित, (वि.) उठाया गया । ऊँचा किया गया ।

उन्नस, (न.) ऊँची नाक वाला ।

उन्निद्र, (वि.) खिला हुआ । निद्रारहित । निद्रा न आने का एक रोगविशेष ।

उन्मत्त, (पुं.) पागल । धतूरा । मुचकुन्द का पेड़ । मदपीड़ित ।

उन्मद, (वि.) पागल । जिसे नशा चढ़ा हो । मादक द्रव्य ।

उन्मनस्, (वि.) घबराया हुआ । जिसका मन चलायमान हो ।

उन्मथ, (पुं.) वध करना । मार डालना । हत्या करना ।

उन्माथ, (पुं.) [illegible] बाँधने वस्तुओं को फैलाने का [illegible] । [illegible] । [illegible] करना । [illegible] करना ।

उन्माद, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

उन्मान, (न.) [illegible] ।

उन्मीलित, (वि.) [illegible] हुआ ।

उन्मीलन, (न.) [illegible] ।

उन्मुख, (वि.) ऊँचे मुख वाला । किसी कार्य में लगा हुआ ।

उन्मूलन, (न.) जड़ से उखाड़ डालना । समूल नष्ट कर डालना ।

उन्मेष, (पुं.) नेत्र आदि का खोलना । थोड़ा सा प्रकाश ।

उन्मोचन, (न.) खोलना । मुक्त करना । त्याग करना ।

उन्मोटन, (न.) तोड़ डालना ।

उप, (अव्य.) सामीप्य । अधिक । सादृश्य । आरम्भ । न्यून ।

उपकण्ठ, (वि.) निकट । गले के समीप । घोड़े का [illegible] । [illegible] ।

उपकरण, (न.) सामग्री । साधन ।

उपकार, (पुं.) कृपा । अनुग्रहता । [illegible] । फैलाये हुए [illegible] ।

उपकूल, (न.) किनारे पर उत्पन्न हुआ ।

उपक्रम, (पुं.) आरम्भ । उद्योग । [illegible] । [illegible] ।

उपक्रोश, (पुं.) निन्दा । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

उपक्षेप, (पुं.) [illegible] ।

उपग्रह, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

उपघात, (पुं.) [illegible] ।

उपचार, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

उपचय, (पुं.) [illegible] ।

उपचिति, (स्त्री.) [illegible] ।

उपजुष्ट, (वि.) [illegible] ।

उपज्ञा, (स्त्री.) [illegible] ।

उपताप, (पुं.) [illegible] ।

उपत्यका, (स्त्री.) [illegible] ।

उपदा, [illegible]

उपश्लेष, (पुं.) एक और की मिलावट। आधार और आधेय का एक ओर मिलना।

उपष्टम्भक, (न.) खूंटा। खम्भा। थूनी। टेक। अधिकता। रोक।

उपसंग्रह, (पुं.) पैर छूना। झुक कर नमस्कार करना। पालागन।

उपसंयम, (पुं.) उपसंहार। खींचना। समाप्त करना। पूरा करना। रोकना। बाँधना। जगत् का नाश।

उपसंव्यान, (न.) धोती। पहिरने का वस्त्र।

उपसंहार, (पुं.) अन्तिमभाग। समाप्ति। इकट्ठा करना। खींचना।

उपसत्ति, (स्त्री.) सेवा। मिलना। पूजा।

उपसर्ग, (पुं.) रोग का विकार। उपद्रव। शुभाशुभ की सूचना देने वाला। महाभूत विकाररूप उत्पात। व्याकरण का एक शब्द विशेष।

उपसर्जन, (न.) अप्रधान। गौण। विशेषण। छोड़ना। प्रतिनिधि। एक के स्थान पर काम करने वाला।

उपसृष्ट, (न.) मिलाहुआ। दबाया हुआ। मैथुन। भोग।

उपसेक, (पुं.) सींच कर मुलायम करना।

उपस्कर, (पु.) मसाला। सामान। सामग्री। भूषण। निन्दा। कलङ्क। दोष।

उपस्थ, (पु.) स्त्री की योनि। पुरुष का लिङ्ग। दोनों का नाम।

उपस्थातृ, (त्रि.) सेवक। नौकर। पुरोहित। भेद। पहुँच गया।

उपस्थान, (न.) निकट होना। नमस्कार। प्रार्थना। प्राप्ति। बहुत लोग।

उपस्पर्श, (पु.) छूना। स्नान। आचमन।

उपस्पर्शन, (न.) छूना। विधि से आचमन करना।

उपस्पृष्ट, (त्रि.) स्नान किया हुआ। आचमन किया हुआ।

उपहस्तिका, (स्त्री.) पानदान।

उपह्वर, (पुं.) गुहा। गहराई। एकान्त। निर्जन। निकट।

उपहार, (पुं.) भेंट। नजर। पुरस्कार।

उपहास, (पुं.) हास्य। ठट्ठा।

उपहृत, (न.) उदर।

उपाकरण, (न.) अनेक पढ़न कर वेद पढ़ना। श्रावणी पूर्णिमा का वैदिक कर्म। संस्कार कर चुकने पर यज्ञ में पशुहनन। आरम्भ।

उपाख्यान, (न.) प्राचीन वृत्तान्त।

उपागम, (पु.) स्वीकार। मान लेना। पहुँचना। निकट आना।

उपाङ्ग, (न.) अङ्ग के समान, मुख्य का साहाय्य।

उपात्त, (त्रि.) प्राप्त। लिया गया। मद प्रकट न हुआ हाथी।

उपादान, (न.) पकड़ना। लेना। कार्य के साथ मिला हुआ कारण।

उपादेय, (त्रि.) उत्कृष्ट। उत्तम। लेने योग्य। मुख्य। मनोहर।

उपाधि, (पु.) पदवी। धर्म की चिन्ता। छल। चिह्न। नाम। कुटुम्ब के भरण पोषण की चिन्ता से उत्पन्न घबराहट।

उपाध्याय, (पु.) अध्यापक। जीविका के लिये वेद अथवा वेदाङ्ग को पढ़ाने वाला।

उपानह, (स्त्री.) जूते।

उपान्त, (पु.) निकट। समीप। प्रान्त। सिरा। आँख की कोर।

उपाय, (पु.) उपगम। साधन। उद्योग। शत्रु को वश में करने के चार उपाय—यथा साम, दाम, दण्ड और भेद।

उपार्जन, (क्रि.) पैदा करना।

उपालम्भ, (पु.) निन्दापूर्वक दुष्ट वचन। दोष। उलहना।

उपासक, (त्रि.) उपासना करने वाला। सेवक। भक्त।

उपास्ति, (स्त्री.) उपासना। देवता की सेवा।

उपेक्षक, (वि.) उदासीन। स्वीकार लेने के लिये उद्यत न होने वाला।
उपेक्षा, (स्त्री.) त्याग। उदासीनता।
उपेन्द्र, (पु.) विष्णु। वामन।
उपेन्द्रवज्रा, (स्त्री.) ग्यारह अक्षर के पाद वाला एक छन्द विशेष।
उपोढ़, (पुं.) निकटस्थ। समीपी।
उपोद्घात, (पुं.) आरम्भ। चिन्ता जिससे प्रकृति की सिद्धि हो।
उपोषण, (न.) उपवास। व्रत। फाका।
उप्त, (वि.) बोया हुआ धान्य। बीज डाला हुआ।
उब्ज्, (कि.) ऐंठना। कोमल होना।
उभ, (वि. द्वि.) दो। यह समास में उभय शब्द बन जाता है।
उभय, (वि. द्वि.) दोनों।
उभयतस्, (अव्य.) दोनों ओर।
उभयत्र, (अव्य.) दोनों जगह।
उभयथा, (अव्य.) दोनों प्रकार।
उम्, (अव्य.) रोष। क्रोध। स्वीकृति। प्रश्न।
उमा, (स्त्री.) पार्वती। शिव की पत्नी। हल्दी अलसी। कीर्ति। यश। कान्ति। सौन्दर्य। शान्ति। दुर्गा।
उमाधव, (पु.) महादेव। उमाकान्त। शंकर।
उमासुत, (पु.) उमापुत्र। कार्तिकेय। गणपति।
उम्भ, (कि.) भरना। पूर्ण करना।
उर्, (कि.) जाना।
उरग, (पु.) छाती के बल चलने वाला अर्थात् साँप।
उरगाशन, (पु.) सर्पभक्षी। गरुड़।
उरण, (पु.) मेढ़ा। भेड़।
उरभ्र, (पु.) बादल। मेढ़ा। बहुत घूमने वाला।
उररी, (अव्य.) अङ्गीकार। स्वीकार।
उरश्छद, (पुं.) कवच। छाती ढकने वाली वस्तु।
उरस्, (न.) छाती। वक्षःस्थल।
उरसिज, (पु.) छाती पर उगने वाला। कुच। स्तन। छाती के बाल।
उरा, (स्त्री) भेड़।
उरुक्रम, (पु.) बड़ी शक्ति वाला। विष्णु।
उरु, (न.) चौड़ा चौड़ा।
उरूक, उलूक, (पुं.) उल्लू। घुग्घू।
उरुणस्, (पु.) चौड़ी नाक वाला।
उरोज, (पु.) स्तन। कुच। चूची। छाती के बाल।
उर्णनाभ, (पु) मकड़ी। शरीर के भीतर जाने वाली।
उर्णा, (स्त्री.) भेड़ के बाल। ऊन।
उर्द्, (कि.) मारना।
उर्वरा, (स्त्री.) उपजाऊ। शस्यपूर्ण भूमि।
उर्वशी, (स्त्री.) विषय वासना। उत्कट अभिलाष। एक अप्सरा का नाम।
उर्विया, (अव्य.) दूर। अन्तर पर।
उर्वी, (स्त्री.) भूमि। पृथिवी।
उल्, (कि.) देना।
उलप, (पु.) बेल। लता।
उलूखल, (न.) ऊखली। उराल। तख।
उल्का, (स्त्री.) रेखा के आकार में आकाश से गिरा हुआ तेज का समूह। टूट कर गिरता हुआ तारा।
उल्कामुखी, (स्त्री.) गीदड़ी। गीदड़नी।
उल्मुक, (न.) अङ्गार।
उल्लङ्घन, (न.) भङ्ग करना। मर्य्यादा तोड़ना।
उल्लाप, (पु.) कराहना। गालियाँ।
उल्लास, (पु.) प्रकाश। चमक। प्रसन्नता।
उल्लिखित, (वि.) ऊपर लिखा हुआ। खुदा हुआ। चित्रकारी किया हुआ।
उल्लेख, (पु.) उच्चारण। बोलना। लिखना।
उल्लोच, (पु.) चन्द्र का प्रकाश। चाँदनी।
उल्लोल, (पु.) बड़ी लहर। बड़ी बाढ़।
उल्ब, (न.) गर्भाशय।

ऊर्ध्वपाद, (पुं.) शरभ नामक जीव जो हाथी का शत्रु है। इसके आठ पांव होते हैं।

ऊर्ध्वपुण्ड्र, (पुं.) ऊंचा ↓ दण्डाकार या नये जैसा सीधा तीन रेखा वाला टीका। तिलक जिसे वैष्णव लोग धारण करते हैं और धार्मिक प्रधान चिह्न मानते हैं।

ऊर्ध्वरेतस, (पुं.) जिसका वीर्य ऊपर रहता हो। नीचे न गिरता हो। अखण्ड ब्रह्मचारी जैसे महादेव। सनकादि। सन्यासी। भीष्म पितामह।

ऊर्ध्वलिङ्ग, (पुं.) महादेव।

ऊर्ध्वलोक, (पुं.) स्वर्ग।

ऊर्मि, (पुं.) तरङ्ग। लहर। प्रकाश। वेग। पीड़ा। चाह। भूख आदि ष. ऊर्मियां हैं।

ऊर्मिका, (स्त्री.) अंगूठी।

ऊर्मिमालिन्, (पुं.) समुद्र।

ऊर्मिला, (स्त्री.) लक्ष्मण जी की पत्नी का नाम।

ऊर्म्या, (स्त्री.) रात्रि। रात।

ऊष, (पुं.) प्रभात। चन्दन। छोटी नदी।

ऊषण, (न.) मरिच। पीपलामूल। चीता। मद। सोंठ।

ऊषर, (त्रि.) ऊसर भूमि। जिसमें कोई बीज उत्पन्न न हो।

ऊष्मन्, (पुं.) ग्रीष्म। गरमी।

ऊह, (क्रि.) तर्क करना।

ऊह, (पुं.) तर्क वितर्क। अनुमान। अध्याहार। छूटे हुए शब्दों को लगा कर वाक्य पूरा करना। जोड़।

ऊहवत्, (त्रि.) बुद्धिमान्। तीव्र।

ऊहिनी, (स्त्री.) सेना। ढेर।

ऊहा, (स्त्री.) अध्याहार। जोड़। वाक्य के छूटे शब्दों को जोड़ कर अर्थ पूरा करना।

ऋ

[illegible] वर्णमाला का सातवां अक्षर।

ऋ, (क्रि.) हिलाडुलना। जाना। प्राप्त होना।

ऋक्थ, (न.) धन। सोना। धर्मशास्त्रानुसार दायरूप धन। बड़ों को बांटने योग्य धन।

ऋच्छ, जाना। मिलाना।

ऋक्ष, (पुं.) रीछ। नक्षत्र। मेषादि राशी। गण।

ऋक्षगन्धा, (स्त्री.) महाश्वेता। क्षीरविदारी।

ऋक्षराज, (पुं.) जाम्बवान। चांद।

ऋग्वेद, (पुं.) वेद जिसमें प्रधान विश्व देवताओं की स्तुति है अथवा जिसमें ऋचाओं की स्तुति का वर्णन है। भारत की सबसे पुरानी धर्मपुस्तक।

ऋजीष, (न.) नरक। कोठा। लोहे।

ऋचायन, (न.) पुरानी।

ऋच्, (क्रि.) स्तुति करना। प्रकाश करना।

ऋच्, (स्त्री.) शुक। दीप्ति। ऋग्वेद का मन्त्र। स्तुति। पूजन। वेदों की ऋचा (मन्त्र)।

ऋच्छ्, (क्रि.) मोह करना। इन्द्रिय हीन हो जाना।

ऋज, (क्रि.) जाना और कमाना।

ऋजीक, (न.) [illegible]

ऋजीष, (न.) कड़ाही। धन। एक नरक।

ऋजु, (त्रि.) सरल। सीधा।

ऋञ्ज, (त्रि.) [illegible]

ऋण, (न.) कर्ज। देना। जल। दुर्ग। दूसरे की पूंजी। देय। [illegible] के देता है बदला [illegible] वेद का अध्ययन [illegible] [illegible]

ऋणमार्गण, (न.) प्रतिभू। जमानतदार।

ऋणादान, (न.) कर्ज लेना। व्यवहार अठारहों में से एक।

ऋणिक, (पुं.) कर्ज लेने वाला। [illegible]

ऋत्, (क्रि.) [illegible]

ॡ

ॡ, नागरी वर्णमाला का नवाँ अक्षर । अव्यय में इसका अर्थ होता है । देवता और दैत्यों की माता । पृथिवी । पर्वत ।

ऌ

ऌ, नागरी वर्णमाला का दसवाँ अक्षर ।
ऌ, (अव्य.) देवताओं की माता । देवकी । महादेव (पु.) दैत्यों की माता (स्त्री.) विष्णु (पु) संस्कृत का कोई भी शब्द ऌ या ॡ से आरम्भ नहीं होता ।

ए

ए, नागरी वर्णमाला का ग्यारहवाँ अक्षर ।
ए, (अव्य.) दया । स्मरण करना । कृपा करना । बुलाना । (पु.) विष्णु ।
एक, (वि.) संख्या एक । मुख्य । केवल । और । सचा । एक ही । समान । थोड़ा ।
एकक, (वि.) असहाय । अकेला ।
एकचक्र, (न.) एक पहिये वाला सूर्य का रथ । एक पुरी का नाम । जहाँ रह कर पाण्डवों ने बकासुर को मारा था । चक्रवर्ती राजा ।
एकचर, (वि.) अकेला घूमने वाला । सांप ।
एकजाति, (पु.) जिसका एक ही बार जन्म होता है । शूद्र ।
एकजातीय, (वि.) एक प्रकार का । एक जाति का । बराबर ।
एकतम, (वि.) अनेकों में एक ।
एकतर, (वि.) दो के बीच एक । दो में से एक ।
एकतस्, (अव्य.) एक ओर से ।
एकतान, (क्रि.) ध्यान करना । भरोसा करना । एक पर विश्वास करने वाला । एक ही ओर ध्यान वाला । एक ही ओर ध्यान लगाने वाला ।
एकत्र, (अव्य.) एक जगह । एक स्थान पर । एक जगह में ।
एकत्व, (न.) अभेद । एका । बराबर । सायुज्य मुक्ति । ध्येय और जीव की अभेद दशा ।
एकदण्डिन, (पु.) एकमात्र दण्ड को धारण करने वाला । शिखा यज्ञोपवीतादि रहित । सन्यासी ।
एकदन्त, (पु.) एक दाँत वाला । गणेश ।
एकदा, (अव्य.) एक बार । किसी समय ।
एकदृक्, (वि.) एक नेत्रवाला । काना । काक । अभिन्न भाव वाला । शिव ।
एकधा, (अव्य.) एक प्रकार का ।
एकपत्नी, (स्त्री.) पतिव्रता । सची औरत ।
एकपदी, (स्त्री.) छोटा रास्ता । पगडंडी ।
एकपदे, (अव्य.) सहसा । अकस्मात् । अचानक । एक ही बेर ।
एकपिङ्ग, (पु.) पीली एक आँख वाला कुबेर ।
एकभक्तव्रत, (पु. न.) आधा दिन बीतने पर भोजन करने वाला और फिर रात में न खाने वाला ।
एकयष्टिका, (स्त्री.) इकलरी । एक लरकी ।
एकराज्, (पु.) सार्वभौम । चक्रवर्ती । बारह मण्डल का अधिपति ।
एकविंशति, (स्त्री.) इक्कीस । संख्या विशेष । २१ ।
एकवीर, (पु.) बड़ा वीर । एक प्रकार का वृक्ष ।
एकशफ, (पुं.) एक खुर वाले । गधा । घोड़ा । खच्चर आदि ।
एकशेष, (पु.) द्वन्द्व समास का एक भेद जिसमें एक ही बच रहे ।
एकश्रुति, (स्त्री.) स्वाध्याय में केवल उदात्त, अनुदात्त और स्वरित का विभाग किये बिना बोलना ।
एकसर्ग, (वि.) एक ओर मन वाला । एकाग्रचित्त ।
एकाकिन्, (वि.) अकेला । असहाय ।

एकाक्ष, (वि.) काना। कौआ। एक [illegible]।

एकाग्र, (वि.) एकतान। एकचित्त।

एकादशी, (स्त्री.) प्रत्येक पक्ष की ग्यारहवीं तिथि। वैष्णवों के उपवास का दिन।

एकान्त, (वि.) [illegible]। आत्यन्तिक। अकेला। [illegible]।

एकान्तवासी, (अव्य.) [illegible]। [illegible]।

एकार्थ, (वि.) एक अर्थ वाले का शब्द।

एकावली (स्त्री.) एक लड़ी की माला।

एकाश्रय, (वि.) एक ही स्थान में लगा हुआ। [illegible]।

[illegible]

ऐत, (वि.) हिरन। चितकबरा रंग।

एतद्, (वि.) सामने। यह।

एतर्हि, (अव्य.) अब।

एतये, (क्रि.) हिलना।

एध्, (क्रि.) बढ़ना।

एधस्, (न.) आग भड़काने वाली वस्तु। लकड़ी। ईंधन।

एधित, (वि.) वृद्धि युक्त। बढ़ा हुआ।

एनस्, (न.) पाप। अपराध। दोष।

एना, (अव्य.) यहाँ वहाँ।

एनी, (स्त्री.) [illegible]।

एमन्, (पु.) मार्ग। रास्ता।

एरका, (स्त्री.) [illegible] घास। एक प्रकार की घास।

एरण्ड, (पु.) एक पेड़।

ऐलविल, (पु. न.) कुबेर।

एला, (स्त्री.) इलायची।

एव, (अव्य.) सादृश्य। समान। [illegible]। निश्चय। ही।

एवम्, (अव्य.) इस प्रकार। और। स्वीकार। निश्चय।

एष्, (क्रि.) जाना।

एषणा, (पु.) लोहे का बाण। इच्छा। (स्त्री.) पुत्र, धन और लोक की कामना। सुनार का कांटा।

ऐ

[illegible]

ऐकान्तिक, (वि.) न बदलने वाला । निश्चय । दृढ़ । अव्यभिचारी ।
ऐकाहिक, (वि.) एक दिन में होने वाला । एक दिन का ।
ऐक्य, (न.) अभेद । मेल । एकत्व ।
ऐक्षव, (न.) गन्ने का रस । गुड़ ।
ऐक्ष्वाक, (पु.) इक्ष्वाकुवंशसम्भूत । सूर्यवंशी राजा ।
ऐङ्गुद, (न.) इङ्गुदी वृक्ष का फल (हिंगोट) । हिंगोट का फल ।
ऐतिहासिक, (वि.) इतिहाससम्बन्धी ।
ऐतिह्य, (न.) इतिहास ।
ऐदम्पर्य, (पु.) मुख्य विषय । सार ।
ऐन्दव, (पु.) चन्द्रसम्बन्धी मृगशिरा नक्षत्र ।
ऐन्द्रजाल, (न.) जादू । टोटका ।
ऐन्द्रि, (पु.) काक । कौआ ।
ऐन्द्रिय, (पु. न.) विषय भोग ।
ऐरावण, (पु.) इन्द्र के हाथी का नाम ।
ऐरावत, (पु.) एक साँप का नाम । इन्द्रधनुष । समुद्र से निकला इन्द्र का हाथी ।
ऐरिण, (न.) सेंधा नोन । पहाड़ा नोन ।
ऐरेय, (न.) मद्यभेद । मदिरा ।
ऐल, (पु.) इला का बेटा । बुध का पुत्र । पुरूरवा ।
ऐलब, (पु.) शोर । कोलाहल । हल्ला गुल्ला ।
ऐलविल, (पु.) कुबेर । इलविला का पुत्र ।
ऐश, (वि.) महादेव जी का । शिव जी का ।
ऐशान—नी, (न. स्त्री.) जिसका शिव देवता है । उत्तर और पूर्व की दिशा ।
ऐश्य, (न.) शक्ति । सामर्थ्य ।
ऐश्वर्य, (न.) विभव । आठ प्रकार की विभूतियाँ ।
ऐषमस्, (अव्य.) वर्तमान वर्ष ।
ऐषीक, (पु.) नरकुल का बना हुआ ।
ऐष्टिक, (पु.) ईंट का बना हुआ ।
ऐहलौकिक, (वि.) इस लोक में होने वाला । इस लोक का ।
ऐहिक, (न.) इस लोक का ।

ओ

ओ, नागरी वर्णमाला का तेरहवाँ अक्षर । (अव्य.) स्मरण । सम्बोधन । दया । बुलाना ।
ओ, (न.) ब्रह्मा । प्रजापति ।
ओक, (पु.) पक्षी । मूसल । शूद्र ।
ओकस्, (न.) घर । गृह ।
ओकोदनी, (स्त्री.) केशकीट । जूँ । लीख ।
ओख, (क्रि.) सुखाना । सजाना । हटाना । सामर्थ्य रखना ।
ओघ, (पु.) पानी की धार । शीघ्र नाचना । गाना । बजाना ।
ओङ्कार, (पु.) ओं । प्रणव ।
ओज, (क्रि.) बल करना । जोर करना । (सं.) ऊना ।
ओजस्, (न.) दीप्ति । चमक । प्राणबल । सामर्थ्य । शक्ति । ज्योतिष शास्त्रानुसार १ली, ३री, ५वीं, ७वीं आदि विषमराशि । धातुपुष्ट करने वाली औषधि ।
ओजिष्ठ, (वि.) बहुत तेज वाला । अति बल वाला । बड़ा बली ।
ओण, (क्रि.) निकालना । हटाना ।
ओत, (वि.) अन्तर्व्याप्त । बुना हुआ ।
ओतु, (पि.) ताने बाने के सूत । बिलाव । बिल्ला ।
ओदन, (पु.) भात । गीला अन्न ।
ओम्, (अव्य.) प्रणव । ओंकार । प्रश्न का स्वीकार करना । हाँ कहना । ओङ्कार वाचक शब्द । आरम्भ । स्वीकार । हटाना । मङ्गल । ब्रह्म । जानने योग्य । निकालना ।
ओमन्, (पु.) कृपा । सहायता ।
ओष, (क्रि.) दाह । जलाना ।
ओषधि, (स्त्री.) दाह को धारण करने वाली । वृक्ष जो फलों के पकने तक ही रहते हैं । धान । जौ । दवाई । जड़ी वनस्पति ।

और्ण, (पुं.) ऊनी ।

और्ध्वदेहिक, (त्रि.) श्राद्धादि कर्म । प्रेतकर्म । मरने के बाद प्रेतसंस्कार से लेकर सपिण्ड श्राद्ध पर्यन्त की जाने वाली क्रिया । दशगात्रविधि ।

और्व, (पुं.) ऊर्व की औलाद । वाडवानल । पहाड़ी नमक । पृथिवी का ।

और्वशेय, (पुं.) उर्वशी से उत्पन्न ।

औलूक, (न.) उल्लुओं का समूह ।

औलूक्य, (पुं.) वैशेषिक दर्शनकार कणाद मुनि ।

औशनस, (न.) शुक्र से कही हुई राजनीति ।

औशीर, (न.) खस की चटाई । शय्या और पीढ़ा । शयन । बिस्तर । आसन ।

औषधपर्णी, (न.स्त्री.) दवाई । सिद्ध की हुई दवा ।

औषस, (पुं.) प्रातःकाल का ।

औष्ट्र, (पुं.) ऊँट से उत्पन्न दूध ।

औष्ट्रक, (पुं.) ऊँटों का गिरोह ।

औष्ठ्य, (त्रि.) होठों की सहायता से उच्चारित अक्षर ।

औष्ण्य, (न.) गरम । गर्मी । धूप । उष्णत्व ।

औरस्य, (न.) सन्तान । अपत्य ।

क

क, व्यञ्जनों में प्रथम अक्षर । पाँचों वर्गों में प्रथम अक्षर ।

क, (पुं. न.) कौन । ब्रह्मा । जल । सुख । वायु । आत्मा । यम । दक्ष प्रजापति । सूर्य । अग्नि । विष्णु । काल । राजा । मोर । शरीर । मन । धन । प्रकाश । शब्द । ध्यान । सिर । रोम ।

कंस, (पुं.) उग्रसेन का पुत्र राजा कंस । तेज बढ़ाने वाली वस्तु । काँसा धातु । सोने व चाँदी का बना हुआ मदिरापान के लिये बरतन । कटोरा । आढ़क के नाम से प्रसिद्ध तौल ।

कंसक, (न.) नेत्र रोग के लिये हीराकसीस नामक एक विशेष औषधि । पीतल का सार । कसीस ।

कंसकार, (पुं.) कसेरा । बरतन बनाने वाली एक जाति ।

कंसजित्, (पुं.) श्रीकृष्ण ।

कंसाराति, (पुं.) श्रीकृष्ण ।

कख्, (क्रि.) चाहना । जाना ।

ककुत्स्थ, (पुं.) सूर्यवंशी एक राजा । जिसकी सन्तान ने बैल की ढुट्टी पर बैठ कर शत्रु विजय करने के कारण ककुत्स्थ उपाधि धारण की थी । इक्ष्वाकु का पोता । इसी कुल में श्रीरामावतार हुआ था ।

ककु, (क्रि.) हँसना ।

ककुद्, (स्त्री.) राजा आदि राजचिह्न । प्रधान । पर्वत की चोटी । बैल के कन्धे का मांस ।

ककुद्मान्, (पुं.) बैल । कुबड़ वाला । पर्वत । कमर ।

ककुद्मती, (स्त्री.) रैवत राजा की कन्या रेवती, जिसको साथ ले कर राजा ब्रह्मा से पूछने गया और लौट कर बलदेव जी को ब्याही । कमर ।

ककुन्दर, (न.) चूतड़ । कूल्हा । रीढ़ ।

ककुभ, (स्त्री.) दिशा । शोभा । चम्पे के फूलों की माला । शास्त्र । रागिणीभेद । पहाड़ की चोटी । वृक्षविशेष ।

ककुब्जय, (पुं.) दिग्विजय ।

कक्कोल, (पुं.) गन्धद्रव्य । वनकपूर । शीतलचीनी ।

कक्ष, (पुं.) किसी के कपड़े के पीछे का आँचल । लता । शरीर का भाग । राजा का अन्तःपुर । भुजाओं का मूल । कच्छ । काँछल । हाथी बाँधने का रस्सा । काछी ।

पार। वन। घर की दीवार। काँख निकलने का रोग। तराजू। तट। परत।
कक्षोत्था, (स्त्री.) नागरमोथा।
कक्ष्या, (स्त्री.) हाथी बाँधने का चमड़े का रस्सा। राजप्रासाद का बड़ा कमरा। बराबरी। साहस। (स्त्री.) उत्तरीय वस्त्र। ऊपर का कपड़ा। तराजू।
कख्, (क्रि.) क्रिया करना। चलना।
कङ्क, (पु.) बगुला नामक एक पक्षी, इसी पक्षी के परों से बाणों के पुङ्ख बनाये जाते हैं। युधिष्ठिर का वह नाम जो उन्होंने विराटनगर में पहुँचने पर रख लिया था।
कङ्कट, (पु.) कवच। वर्म।
कङ्कण, (न.) विवाह के समय स्त्री पुरुष दोनों के हाथ में बाँधा जाने वाला लाल डोरों का सूत्र। करभूषण। हाथ का भूषण। कड़ा। ककनी।
कङ्कत, (न.) कंघी। बालों को साफ करने वाली।
कङ्कतिका, (स्त्री.) नागबला। कंघी।
कङ्कती, (स्त्री.) कंघी।
कङ्कपत्र, (पु.) तीर। बाण।
कङ्कमुख, (पु.) सँड़सी। चिमटी। कङ्कपक्षी के मुख जैसा।
कङ्काल, (पु.) हड्डियों का पिंजर। ठठरी।
कङ्कालमालिन्, (पु.) अस्थिपंजर की [illegible]। [illegible]। रुद्र।
कङ्कु, (पु.) कङ्गु—एक अन्न का नाम।
कङ्ख्, (क्रि.) [illegible] करना। [illegible]। [illegible] करना।
कच (पु.) बाल। बृहस्पति का पुत्र। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
कचा (स्त्री.) [illegible]।
कचर (वि.) [illegible]। [illegible]। [illegible]

कच्चित्, (अव्य.) हर्ष। मङ्गल। इष्ट प्रश्न।
कच्छ, (पुं.) स्थान जहाँ पानी ही पानी हो। तट। ताल। कछुआ। पुन्नागद्रुम। केसर का पेड़। कछनी।
कच्छप, (पु.) कूर्म। कछुआ। कुबेर का धनागार। मदिरा निकालने की कला। वृक्षविशेष। मल्लयुद्ध।
कच्छुर, (वि.) लम्पट। व्यभिचारी। व्यभिचारिणी स्त्री।
कज, (न.) कमल। पद्म।
कज्जल, (न.) अञ्जन। काजल। बादल। मछली विशेष।
कज्जलरोचक, (पुं.) दीवट। दीपक की बैठकी। काजल को चमकाने वाला।
कञ्चुक, (पु.) लोहे का वर्म। केंचुली। चोली। अङ्गिया। कुर्ता।
कञ्चुकिन्, (पु.) ड्योढ़ीदार। दरवान। साँप। जार। जौ। धर्मधारी। रनवास-रक्षक। चषक नामक मुनि। कवच पहरने वाला।
कञ्जक, (पु.) मैना। कोयल।
कञ्जार, (पु.) सूर्य। ब्रह्मा। उदर। पेट।
कट्, (क्रि.) जाना। बरसना। [illegible] रखना। [illegible]। [illegible]। चटाई। [illegible] की [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। कमर। कमर का भाग।
कटक, (स्त्री.) सेना। पर्वत का मध्यभाग। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। समुद्र का नमक। [illegible]। [illegible]।
कटङ्कट, (पु.) शिवजी का नाम।
कटपूतन, (स.) प्रेतविशेष।
कटप्र, (पु.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
कटप्रू, (पु.) [illegible]। [illegible]।

कटतृण, (न.) तृण जिसकी चटाई बनती है । शर ।
कटाह, (पु.) तैल का कढ़ा । कढ़ा । दरबा । कड़ाही । खप्पर । नरक ।
कटि, (स्त्री.) कमर । चूतड़ ।
कटित्र, (न.) करधनी । कमरबंद ।
कटिल्ल, (पु.) करेला ।
कटिसूत्र, (न.) करधनी । मेखला । कोट ।
कटु, (न.) चरपरा । तीखा । दुर्गन्ध । कड़वी बात । चम्पक । कोलपुष्प । परवल । नीम ।
कटुकन्द, (पु.) चरपरा कन्द वाला । सोंजना । अदरक । लहसुन ।
कटुकीटक, (पु.) मच्छर ।
कटुफल, (पु.) तेज चरपरा मसाला । मरिच । पीपर । सोंठ ।
कटुग्रन्थि, (पु.) पिपलामूल । पीपल की जड़ । सोंठ की जड़ ।
कटुच्छद, (पु.) तगर का पेड़ ।
कटुत्रय, (न.) तीनों तीक्ष्ण चीजें । सोंठ, पीपल, काली मिर्च ।
कटुतुम्बी, (स्त्री.) कडुई । कड़वी तुम्बी ।
कटुर, (न.) मट्ठा । छाछ । कांजी ।
कटुरव, (पु.) मेंढक । तेज शब्द वाला ।
कटुबीजा, (स्त्री.) पीपल । कडुई बीज वाली ।
कट्वर, (न.) मट्ठा । छाछ । चटनी ।
कठ, (क्रि.) बड़े कष्ट से याद करना ।
कठिन, (वि.) कड़ा । बेरहम । कठोर । ठोस हुआ । (स्त्री.) थाली ।
कठिनी, (स्त्री.) खड़िया ।
कठोर, (वि.) कठिन । पूर्ण । भरा हुआ ।
कड़, (क्रि.) काटना । भेदना । रक्षा करना । घबराना । प्रमत्त होना । खाना ।
कड, (पु.) दश ।
कडङ्गर, (न.) भूसा । पुआल ।
कडङ्गरीय, (वि.) भूसा खाने वाले पशु आदि ।
कडार, (पु.) पीला रङ्ग । दास ।
कड्ड, (क्रि.) कड़ा होना ।
कण, (क्रि.) जाना । (पु.) धान्य । कनिका । अनाज का दाना । बहुत थोड़ा । अन्न का जीरा ।
कणजीरक, (न.) सफेद जीरा ।
कणभक्ष, (पु.) काली चिड़िया । कणाद ऋषि, इन्होंने वैशेषिक दर्शन की रचना की है ।
कणिक, (पु.) आटा । कनिक । अति सूक्ष्म । शत्रु ।
कणिश, (पु.) अनाज की बाल ।
कणेर, (पु.) कनेर का पेड़ । वेश्या । हथिनी ।
कण्टक, (पु.) सुई की नोक । कांटा । रोमाञ्च । मछली की हड्डी । लग्न से ४ था, १०वाँ और सातवाँ स्थान । क्षुद्र । शत्रु ।
कण्टकद्रुम, (पु.) शाल्मली वृक्ष ।
कण्टकाशन, (पु.) ऊंट अर्थात् जो कांटों को खाय ।
कण्टकित, (वि.) रोम खड़े हुए हैं जिसके । प्रसन्न ।
कण्टकिन्, (पु.) मछली विशेष । खदिर का पेड़ । इङ्गुद का पेड़ । मदन । बेरी ।
कण्टपत्रफला, (स्त्री.) ब्रह्मदण्डी । कांटेदार फल और पत्ते वाली ।
कण्टफल, (पु.) गोखरू । धतूरा । कटहल ।
कण्टालु, (पु.) कटेल । बैंगन ।
कण्ठ, (पु.) गरदन का अगला भाग । गला । समीप । होमकुण्ड के बाहिर की चहुंओर भूमि ।
कण्ठारवक, (पु.) खुर्जी । यात्रा का सामान रखने का थैला ।
कण्ठाल, (पु.) नाव । लड़ाई । ऊंट । नाग । गौ आदि पशुओं के गरदन के नीचे लटकने वाला चमड़ा ।
कण्ठिकका, (स्त्री.) एकलरा । कण्ठी । माला ।

करोट, (पुं. न.) सिर की हड्डी। खोपड़ी।

कर्क, (क्रि.) हँसना। (पु.) आग। चिन्ता। घोड़ा। दर्पण। शिशु। केकड़ा। कर्कट पेड़। कोठा। मेष से चौथी राशि। घड़ा।

कर्कट, (पु.) केकड़ा। चौथी राशि। [illegible] वृक्ष। एक प्रकार का गन्ना।

कर्कटि-टी, (स्त्री.) ककड़ी।

कर्कटु, (पु.) सारसविशेष।

कर्कन्धु-न्धूः, (स्त्री.) बेर। उन्नाव। कांटेदार पेड़।

कर्कर, (पु.) कड़ा। दृढ़। हड्डी। खोपड़ी के टुकड़े। चमड़े की [illegible]। [illegible]।

कर्कश, (पु.) [illegible]। [illegible]। तीव्र हुआ। [illegible]। [illegible]। कठोर। साहसी। निर्दय।

कर्कशार, (न.) [illegible] भोजन का [illegible]।

कर्केतनः, (पु.) एक प्रकार का बहुमूल्य रत्न।

कर्कोट, (पु.) एक प्रकार का उग्र सर्प जिसके देखने ही से विष चढ़ता है। [illegible]। बेल का वृक्ष।

कर्चूर, (पु.) कचूर। एक [illegible]।

कर्चूरक, (पु.) हल्दी।

कर्ज, (क्रि.) [illegible]

कर्ण [illegible]

[illegible]

कर्णफलः, (पुं.) एक प्रकार की मछली।

कर्णवेध, (पुं.) कनछेदन। संस्कार विशेष।

कर्णाट, (पु.) रामेश्वर से लेकर श्री[illegible] तक का देश। काव्य की एक रीति। [illegible] राग का नाम।

कर्णि-र्णी, (पु.) एक प्रकार का तीर [illegible] चोरी आदि [illegible] के [illegible] माता का नाम।

कर्णिका, (स्त्री.) मध्यमा अँगुली। [illegible] की सूँड़ की नोक। कर्णभरण। [illegible] कोष। लेखनी। कुट्टिनी।

कर्णिकार, (पु.) कनेर का फूल। [illegible] का पेड़।

कर्द, (क्रि.) शिथिल होना। [illegible] [illegible]ना।

कर्तः, (पु.) भेद। गड्ढा। [illegible] काट।

कर्तन, (न.) काटना। रुई से सूत निकालने का व्यापार। कातना।

कर्तरी, (स्त्री.) कैंची। कतरनी। [illegible] छुरी।

कर्तव्य, (त्रि.) करने योग्य।

" [illegible] न कर्तव्या
[illegible] महात्मना।"

कर्तृ [illegible] कर्ता। करने वाला। [illegible] ब्रह्मा, विष्णु और शिव का भी नाम है। [illegible]

[illegible]

कर्दमक, (स.) फलविशेष । सर्पविशेष ।

कर्पट, (पु. न.) चिथड़ा । कपड़े की धज्जी । रूमाल । गेरुआ रङ्ग का कपड़ा । उपरना ।

कर्पण, (पु.) एक प्रकार का शस्त्र ।

कर्परः, (पु.) कड़ाही । खपरा । कपार । धातुविशेष । मेरुदण्ड । रीढ़ की हड्डी ।

कर्पास, (पुं. न.) कपास ।

कर्पूर, (स) कपूर । सुगन्धद्रव्य ।

कर्फरः, (स.) दर्पण । शीशा । बड़ा ।

कर्ब, (क्रि.) जाना । डोलना । समीप होना ।

कर्बुर-कर्बूर, (पु.) चितकबरा । भूरा । (न.) पाप । भूत प्रेत । धतूरे का पौधा । जल के भीतर उत्पन्न चावल । साठी के चावल । सोना । जल । हरताल ।

कर्म, (न.) काम ।

कर्मकर, (पुं.) मजदूर । नौकर ।

कर्मकाण्ड, (पु.) क्रियाकर्म । वेद का वह भाग जो कर्म का प्रतिपादन करता है ।

कर्मकार, (पु.) कोई सा काम करने वाला । कारीगर । यह शब्द विशेष कर बेगार में काम करने वालों के लिये आता है ।

...कर्मठ, (पु.) कार्य करने में कुशल । क्रियाकुशल । काम करने में पटु ।

...र्मण्य, (पुं.) काम में योग्य । काम में चतुर । पटु । मजदूरी ।

...र्मधारय, (पु.) एक प्रकार का समास ।

...र्मन्, (न.) क्रिया ।

...र्ममीमांसा, (स्त्री.) कर्मकाण्डसम्बन्धी ...र भाग पर विचार करने वाला और ...मिनि द्वारा रचा गया ग्रन्थविशेष ।

...र्मविपाक, (पुं.) शुभाशुभ कर्म का ...ल रूप सुख और दुःख । जीव के ...नुसार उसकी दशा को बनाने वाला एक ...।

कर्मसंन्यासिन्, (पु.) विधानपूर्वक वेदविहित कर्मों को त्यागने वाला । संन्यासी । यती ।

कर्मसिद्धि, (स्त्री.) इष्ट अनिष्ट उपलब्धि या प्राप्ति ।

कर्मार, (पु.) कारीगर । लुहार विशेष । एक प्रकार का बाँस ।

कर्मिष्ठ, (वि.) क्रियाकुशल । क... सलग्न । काम करने में पटु या चतुर ।

कर्मेन्द्रिय, (न.) वे इन्द्रियाँ जिनसे ... सिद्ध हो यथा—हाथ, पैर, नाक, ... आदि ।

कर्व्, (क्रि.) अभिमान करना । घमण्ड करना ।

कर्ष, (स.) प्रेम । इच्छा । एक प्रकार ... मृग ।

कर्वट, (पु.) दो सौ ग्रामों में प्रधान स्थान, जहाँ बाजार या पैठ लगती हो । पुर । नगर । पहाड़ का उतार या ढलुआन ।

कर्वर, (पु.) राक्षस । पाप । दुश्चरित्र । चीता । (?) दुर्गा का नाम । रात्रि । एक राक्षसी । यम की माता ।

कर्ष्, (क्रि.) खींचना । आकर्षण करना । जोतना ।

कर्ष, (पु.) हल । सोलह माशा का एक मान । तोला ।

कर्षक, (पु.) खींचने वाला । किसान । कर्षी ।

कर्षफल, (पुं.) बहेड़ा । जमालगोटा वृक्ष विशेष ।

कर्षिणी, (स्त्री.) लगामविशेष । लगाम ।

कर्षू, (स्त्री.) हल । नदी । नहर । (पु.) कण्डे की आग । कृषिकर्म । आजीविका ।

कर्हि, (अव्य.) किस समय । कब ।

कर्हिचित्, (अव्य.) किसी समय ।

कल्, (वि.) गिनना । शब्द करना । बजना । पकड़ना । होना । ले जाना । गाना ।

कल, (पुं.) मधुर और अस्पष्ट । धीमी, कोमल, आनन्ददायिनी (आवाज) । अजरब । साल वृक्ष ।

कलकण्ठ, (पुं.) कोकिल । हंस । पारावत । कबूतर । मधुर कण्ठ वाला ।

कलकल, (पुं.) होहो । कोलाहल । राल धूना । धुंधलापन ।

कलघोष, (पुं.) मीठे कण्ठ वाला । कोयल ।

कलङ्क, (पुं.) दाग । धब्बा । चिह्न । अपयश । दोष । त्रुटि । लोहे की जङ्ग । काई ।

कलज्ञ, (पुं.) पक्षी । विषैले बाण से मारा हुआ हिरन या कोई अन्य जन्तु । [illegible] । [illegible] । [illegible] भर का मान ।

कलत्र, (पुं.) [illegible] ।

कलत्र, (न.) [illegible] । भार्या । पत्नी । स्त्री ।

कलधौत, (पुं.) चाँदी ।

कलध्वनि, (पुं.) मधुर ध्वनि शब्द । कबूतर । हंस । कोयल ।

कलभ, (पुं.) [illegible] । [illegible] । एक [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

कलभ, (पुं.) हाथी का बच्चा जो पाँच वर्ष का हो चुका है । [illegible] का पेड़ ।

कलम, (पुं.) चावल, जो [illegible] में बोये जाते और [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible]

तलवार रखने की मियान । [illegible] । [illegible] मार्ग ।

कलहंस, (पुं.) राजहंस । परमात्मा । [illegible] तम । राजा ।

कला, (स्त्री.) किसी वस्तु का एक [illegible] भाग । चन्द्रमण्डल का सोलहवाँ भाग । राशि के तीसवें भाग का साठवाँ भाग । चातुर्य । कापट्य । छल । विभूति । [illegible] नौका । गिनती । मरीचि की स्त्री । [illegible] चौसठ होती हैं—गाना, बजाना आदि ।

कलाद, (पुं.) भरा लेने वाला । सुनार ।

कलानिधि, (पुं.) चन्द्रमा ।

कलानुनादिन्, (पुं.) भौंरा । गौरय्या पक्षी [illegible]

कलाप, (पुं.) समूह । मोर की पूँछ । गहना [illegible] पेटी । तर्कश । चाँद । एक [illegible] व्याकरणविशेष ।

कलापक, (पुं.) जिसमें चार श्लोक [illegible] एक ही वाक्य हो ।

कलापिन्, (पुं.) वह जिसकी शाखा मोर के समान हो—मोर । कोयल ।

कलाभृत्, (पुं.) चन्द्र । चाँद । [illegible] प्रवीण मनुष्य ।

कलावत्, (पुं.) कला वाला । चन्द्रमा [illegible] । [illegible] आदमी ।

[illegible]

[illegible]

कलित, (वि.) प्राप्त । ज्ञात । कथित । विचारा हुआ । बाँधा गया ।

कलिन्द, (पु.) सूर्य्य । विभीतक वृक्ष ।

कलिन्दकन्या, (स्त्री.) यमुना । जमुना ।

कलिल, (त्रि.) सघन वन । मिश्रित । गहन ।

कलुष, (पुं. क्ली.) मलिन । मैला । पाप । पापी ।

कलेवर, (न.) शरीर । देह ।

कल्क, (पु. न.) विभीतक । पेड़ । विष्ठा । कान का मैल । ढेढ़ । कीट । मैल । पाप । पाखण्ड । घी तेल आदि का अवशिष्ट भाग ।

कल्कि, (पु.) विष्णु भगवान् का होने वाला दसवाँ अवतार । अन्तिम अवतार ।

कल्किन्, (पु.) भगवान् का दसवाँ अवतार जो कलि के अन्त में सम्भल नामक नगर में होगा ।

कल्प, (पु.) वेदाङ्ग का भेद । बौधायन सूत्र अनुष्ठेय कर्म विधान । सूत्ररूप में कर्मानुष्ठान पद्धति । ब्रह्मा का दिन । प्रलय । कल्पवृक्ष । न्यायशास्त्र । विकल्प ।

कल्पक, (पु.) नाई । कल्पना करने वाला । काढ़ने वाला । नउवा ।

कल्पतरु, (पु.) नन्दन कानन का एक वृक्ष, जो माँगने वाले को इच्छानुरूप फल देता है । कल्पवृक्ष ।

कल्पन, (न.) काटना । रचना ।

कल्पना, (स्त्री.) रचना । उपाय । सजाना । बाँधना । अनुमितिभेद ।

कल्पान्त, (पु.) कल्प का अन्त । प्रलय । नाश ।

कल्माष, (पुं.) राक्षस । चितकबरा । काला रङ्ग । काला पीला रङ्ग ।

कल्माषकण्ठ, (पु.) काले कण्ठ वाला । शिव भी ।

कल्य, (न.) सबेरा । मिठास । प्रातःकाल । प्रभात । शहद । बीता हुआ दिन । तड़का । रोगरहित । चतुर । सुखी जन । बहरा और गूँगा । शिवप्रद । कुशलवाद ।

कल्या, (स्त्री.) हरीतकी । हर्रे । बधाई ।

कल्यजग्धि, (स्त्री.) कलेवा । कलेऊ । प्रातःकाल का भोजन ।

कल्याण, (न.) हेम । सुवर्ण । सोना । मङ्गल । भलाई ।

कल्याणकृत्, (त्रि.) लाभकारी । शास्त्रानुसार कार्य करने वाला ।

कल्ल, (क्रि.) गूँगना । चिल्लाना । शब्द करना । (पु.) बहिर । बहिरा ।

कल्लोल, (पु.) बड़ी लहर । हर्ष । खुशी । वैरी । "वायुः कल्लोललोलम् ।"

कल्लोलिनी, (स्त्री.) नदी ।

कल्हार, (पु.) सफेद कमल । पानी में उगने वाले पेड़ का सफेद फूल ।

कव, (क्रि.) प्रशंसा करना । वर्णन करना । सङ्कलित करना । चित्रित करना ।

कवक, (पु.) [illegible] ।

कवच, (पु.) वर्म । फौजी जामा । जिरह-बख्तर । सनैया । भोजपत्रादि पर लिख कर शरीर पर धारण किया हुआ यन्त्र ।

कवटी, (पु.) किवाड़ा (द्वार का या [illegible] का) ।

कवल, (पु.) कुल्ला के लिये जल ।

कवत्नु, (पु.) दुष्कर्म । बुरा काम ।

कवनम्, (पु.) जल । पानी ।

कवर, (पु.) लवण । नोन । खटाई ।

कवरी, (स्त्री.) गुथी हुई चोटी ।

कवरकी, (पु.) बन्दी । बँधुवा ।

कवर्ग, (पु.) "क" से लेकर "ङ" तक पाँच अक्षर ।

कवल, (पु.) ग्रास । एकदेश । कौर ।

कवलिका, (स्त्री.) पट्टी । घाव के ऊपर बाँधने का कपड़ा ।

कवलित, (त्रि.) खाया हुआ । निगला हुआ । चबाया हुआ । पैठा हुआ । [illegible]

कवट्-कवथ, (पु.) किवाड़ों के खुलने का चरचराहट का शब्द । ढाल।

कवसः, (पु.) वर्म । कवच । कटीली झाड़ी ।

कवाट, (न.) कपाट। किवाड़ । हवा रोकने के लिये काठ के टुकड़े ।

कवार, (पुं.) कमल । पद्म ।

कवारि, (न.) स्वार्थी । क्षुद्र और तिरस्कार के योग्य शत्रु ।

कवि, (पुं.) शुक्र । कविता रचने वाला। भास्कर । काव्यकर्त्ता । ब्रह्मा । आगे पीछे का हाल जानने वाला । सूक्ष्म अर्थ देखने वाला । लगाम । पण्डित ।

कविका, (स्त्री.) लगाम ।

कविता, (स्त्री.) पद्यरचना।

" सुकविता यद्यस्ति राज्येन किं। "

कवेलं, (न.) कमल । पद्म ।

कवोष्ण, (न.) गुनगुना । कुछ कुछ गर्म ।

कव्य, (न.) पितरों के लिये तयार किया हुआ अन्न ।

कश्, (कि.) शब्द करना ।

कश-शा, (स्त्री.) कोड़ा । चाबुक । गुण । रस्सी ।

कशस्, (न.) जल । पानी ।

कशिकः, (पु.) न्योला ।

कशिपु, (पु.) भक्त । अन्न । कपड़ा । खाट । बिस्तरा ।

" तस्यां त्रिधौ किं कशिपोः प्रवासे । "

कशेरु, (पु.न.) पीठ की हड्डी । मेरुदण्ड। मेरुदण्ड । जल में उत्पन्न मूलभेद।

कश्मल, (न.) मूर्च्छा । मोह । पाप । मैल ।

कश्मीर, (पु.) कश्मीर नामक एक देश जो भारतवर्ष के उत्तर पश्चिम में है ।

कश्मीरज, (पुं) कुङ्कुम । केसर । इसे कश्मीरजन्मा और काश्मीरजन्मा भी कहते हैं ।

कश्यप, (पु.) एक मुनि का नाम । जो दिति और अदिति के पति और देवता तथा दैत्यों के पिता हैं । एक प्रकार का मृग कच्छप । मछली ।

कष्, (कि.) मलना । मारना । रगड़ना खींचा मारना । जाँच करना । कसौटी पर सोने को मलना ।

कषण, (पुं.न.) कसा घिसना । खुजलाना

कषाकु, (पुं.) अग्नि । सूर्य ।

कषाय, (पुं.) श्योनाक वृक्ष । राग क्रोध । कसैला । रसविशेष । लाल पीला मिश्रित रङ्ग । काढ़ा । गोंद । मैल सुस्ती । मूर्खता । सांसारिक पदार्थों अनुराग । नाश । कलियुग ।

कषायित, (त्रि.) रङ्गा हुआ । ललौहाँ कसैले रङ्ग का किया हुआ । गेरुआ रङ्ग हुआ ।

कषिका, } (स्त्री.) पक्षी । चिड़िया ।
कषीका, } पक्षी विशेष ।

कषे (शे) रुका, (स्त्री.) पीठ की हड्डी । मेरुदण्ड ।

कष्कष, (पु.) एक प्रकार का जहरीला कीड़ा ।

कष्ट, (न.) पीड़ा । दुःख । चिन्तित । उपद्रवी ।

कस्, (कि.) हिलना । चलना । समीप जाना। नष्ट करना ।

कस, (पुं.) कसौटी । पत्थर जिस पर खरे खोटे सोने की परीक्षा की जाती है ।

कसना, (स्त्री.) एक विषैली मकड़ी ।

कसिपुः, (सं.) आहार । भात ।

कसेरुः, (पु.) एक प्रकार की घास । सूअरों के खाने का प्यारा जलकन्द । (कसेरू) ।

कस्तम्भी, (स्त्री.) गाड़ी के बम की लकड़ी जिस पर बम रखा जाता है ।

कस्तीर, (पु. न.) टीन । रांगा ।

कस्तूरिका, (स्त्री.) कस्तूरी । मुश्क । मृगमद । मृगनाभि ।

कहादः, (पु.) भैंसा ।
कह्वः, (पु.) एक प्रकार का बेग ।
कांशि, (पुं.) प्याला । कटोरा । बेला ।
कांसीयं, (न.) कांसा । सफेद तांबा ।
कांस्य, (न.) पीना का पात्र । तांबा और रांगा के मेल से बना हुआ धातुविशेष ।
कांस्यकं, (न.) पीतल ।
कांस्यकार, (पु.) कसेरा । धातु के बरतन बनाने वाला ।
काक, (पुं.) कौआ । लम्पट । लड़ना ।
काकाक्षिश्रा, (स्त्री.) गुञ्जा । रत्ती ।
काकजद्दर, (पु.) अजगर सर्प । मर्मोला ।
काकतालीय, (न.) न्यायविशेष । कौए के आते ही फल का अचानक गिरना ।
काकतिन्दुक, (पु.) कुचला ।
काकपक्ष, (पु) कौओं के पंख । लड़का की दोनों कनपुटिया के बालों को काक पक्ष कहते हैं । पट्टे ।
" काकपक्षधरमेत्ययाचित "
काकपुष्ट, (पुं.) कोयल ।
काकभीरु, (पु.) उल्लू । घुग्घू ।
काकली, (स्त्री.) सूक्ष्म मधुर शब्द ।
काकलिक, मधुर धीमा शब्द ।
काकरव, (पु.) कोयल ।
काकाक्षिगोलकन्याय, (पु.) कौए की दोनों आंख का बिन्दु दोनों ओर चला जाता है, इसी तरह का अभयतस्पाशा न्याय ।
काकिणी, (स्त्री.) एक मासे का चौथाई भाग । बीस कौड़ी । एक दमड़ी । कौड़ी " भी काकिणी ही के अर्थ में है ।
काकु, (पु.) हार । गले का गहना । ऊपरी भाग ।
काकुत, (स्त्री.) मदरा चोंचा । कौए की काकरी लता । एक प्रकार

काकु, (स्त्री) वक्रोक्ति । भय, क्रोध, शोक के उद्वेग में स्वर की बदलावट । भनभनाहट । जिह्वा ।
काकुत्स्थ, (पुं.) ककुत्स्थ की सन्तान । सूर्यवंशी राजाओं का नाम ।
" काकुत्स्थमालोकयतां नृपाणाम् । "
इक्ष्वाकु राजा । रामचन्द्र ।
काकुद, (न.) तालु । जिह्वा का आश्रय स्थान । तलुवा ।
काकेष्ट, (पु.) निम्बौरी । नीम । नीम की निम्बौरी कौओं को बड़ी प्रिय है ।
काकोदर, (पुं.) सांप । सर्प ।
काकोल, (पुं.) पहाड़ी काक । डोम । एक प्रकार का सुअर । नरकभेद । विषभेद । (स्त्री.) काकोली । काकली ।
काङ्क्ष्, (क्रि.) चाहना ।
काण, (वि.) एक आंख वाला । कांणा । ऐंचताना । कनखियों से देखना ।
काण्डी, (स्त्री.) एक प्रकार की दुर्गन्धियुक्त द्रव्य । दुर्गन्धि वाला ।
कारविष, (पु.) करीमन का पेड़ ।
काण्डा, (स्त्री.) इच्छा । चाह ।
काण्डीरः, (पु.) बाण ।
काण्डः, (पु.) एक प्रकार की वनस्पति । वृक्षविशेष । बेंत और एक प्रकार के साथ से उत्पन्न एक गुल्म । बांस । तृण । मिट्टी ।
कात्यायन, (न.) कात्यायन । स्वेद ।
कातिक, (वि.) कांटे पर लगी हुई वस्तु ।
काञ्चन, (पुं न.) एक वृक्ष । कचनार । धतूरा । केसर । कुदुम्बर । चम्पा । नागकेसर । सोना ।
काञ्चनक, (पु.) कोविदार कांचन । कचनार विशेष । कचनार का पेड़ । हरताल ।
काञ्चनाल, (पुं.) कोविदार वृक्ष । कचनार वृक्ष ।

काञ्चीपुरी, (स्त्री.) करधनी। इकलरा हार। घुँघची। रत्ती। दक्षिण की एक पुरी का नाम जिसकी गणना सप्त पुरियों में है।

काटः, (पुं.) कूप। कुआँ।

काटुकं, (न.) खटापन। कडुवा।

काठ, (पुं.) चट्टान। पत्थर।

काठिन्यं, (न.) कठोरता। कड़ापन।
"काठिन्यमुरुस्तनम्"
निष्ठुरता। कड़ेपन।

काण, (पुं.) काना। कौआ।

काणूकः, (पुं.) काक। मुर्गा। हंसभेद। बया जो ताड़ वृक्ष पर लटकता हुआ घोंसला बनाती है।

काणेयः-रः, (पुं.) कानी स्त्री का पुत्र।

काणेली, (स्त्री.) दुराचारिणी अथवा निरपराधिनी स्त्री। अविवाहिता स्त्री।

काण्ड, (पु.न.) अध्याय। शाखा। स्तम्भ। हिस्से वाले का गुच्छा। तीर। अवसर। चपटा। वस्तुओं का समूह। निर्जन स्थान। करसंदि का पुष्प। जल। बांह का हाड़। इसका बना। व्यापार। जालसूचा। चंचा। दूत। पानी।

काण्डकण्टक, (पु.) कीलाना।

काण्डकार, (पु.) तीर बनाने वाला। सुपारी।

काण्डगोचर, (पु.) लोहे का तीर।

काण्डपटः, (पु) पर्दा। कनात।

काण्डपृष्ठः, (त्रि.) सैनिक। सिपाही। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] (पु.) [illegible]

[illegible], (पु.) [illegible]

[illegible], (पु.) [illegible]

काण्डोलः, (पु.) चंगेरी। नरकुल की टोकरी।

काण्डेक्षु, (पु.) तृणभेद। तालमखाना।

काण्व, (पुं.) कण्व का शिष्य या विद्यार्थी। यजुर्वेद की एक शाखाविशेष। कण्व का पुत्र।

कात्, (क्रि.) तिरस्कार करना। अपमानित करना।
"सम्पदैश्वर्यमतेन गुरुः सदसि कात्कृतः।"

कातंत्र, (न.) एक व्याकरण ग्रन्थ का नाम।

कातर, (त्रि.) अधीर। भीरु। डरपोक। दुःखी। शोकान्वित। डरा हुआ। आशंकित। घबराया हुआ। बेड़ा। पानी पर बहुत तैरने वाला और न डूबने वाला। एक प्रकार की बड़ी मछली। नाव। बेड़ा।

कातृण, (न.) बुरी घास। बुरा तृण। खराब तिनका।

कात्यायन, (पु.) कात्यायन सूत्र नामक धर्मशास्त्र के निर्माता एक मुनिविशेष। वररुचि नामक व्याकरण के वार्तिक के बनाने वाले।

कात्यायनी, (स्त्री.) अधेड़ या बूढ़ी विधवा (जो लाल वस्त्र धारण किये हो)। याज्ञवल्क्य की पत्नी का नाम। पार्वती जी का नाम।

कात्रुः, (पु.) कूप। कुआँ।

कात्यचित्क, (पु.) [illegible] [illegible] होने वाला। किसी तरह का।

काथिक, (पु.) कथा कहानी कहने वाला। कथक।

कादम्ब, (पु.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

कादम्बक, (पु.) [illegible]

कादम्बिनी, (स्त्री.) मेघमाला। [illegible] [illegible] [illegible]

कादम्बरी, (स्त्री.) नशीली मादक वस्तु जो कदम्ब के वृक्ष से निकाली जाती है। सुरा। मदिरा। हाथी के गण्डस्थल का मद। विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का नाम। कोयलिया। वर्षा का जल जो नदी में एकत्र होता है। सारिका।

कादाचित्क, (वि.) कभी कभी होने वाला।

काद्रवेय, (पुं.) कद्रु की सन्तान। कालिय नाग जिसको श्रीकृष्ण ने नाथा था। सर्प।

कानक, (पुं.) जमालगोटा। जयपाल बीज।

कानन, (न.) वन। घर। ब्रह्मा का मुख।

काननाग्नि, (पुं.) दावाग्नि। वन की आग।

कानिष्ठिक, (न.) कनिष्ठिका। सबसे छोटी हाथ की अंगुली।

कानिष्ठिनेयः-यी, (पु.) सबसे छोटे [illegible] की सन्तान या औलाद।

कानीन, (पुं.) अविवाहिता स्त्री का पुत्र। व्यास का नाम। कर्ण का नाम।

कान्त, (पुं.) प्यारा। प्रिय। पति। चन्द्रमा। वसन्त ऋतु। एक प्रकार का लोहा। चन्द्र अथवा सूर्यकान्तमणि। कार्त्तिकेय और कृष्ण का नाम। केसर। मनोहर। [illegible] वृक्ष। [illegible]।

कान्तलौह, (पुं.) [illegible]। चुम्बक पत्थर। [illegible]।

कान्ता, (स्त्री.) प्रेमिका। पत्नी। प्रियङ्गु लता। बड़ी इलायची। एक प्रकार की गन्धवस्तु। भूमि। पृथिवी।

कान्तार, (पुं.) सघन और बड़ा वन। बुरा मार्ग। छेद। [illegible]। [illegible]। कोविदार। [illegible]। [illegible]।

कान्ति, (स्त्री.) सुन्दरता। मनोहरता। चमक। रोशनी। अभिलाषा। इच्छा। दुर्गा का नाम।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

कान्दव, (न.) कढ़ाई या चूल्हे में सेंकी गई वस्तु। मिठाई आदि।

कान्दविक, (वि.) हलवाई। मिठाई बेचने वाला।

कान्दिशीक, (वि.) डर से [illegible]। डर से भागा हुआ।

कान्यकुब्जः, (न.) वह देश जहाँ वायु द्वारा ऋषि की कन्या कुबड़ी होगयी थी। देश भेद। कन्नौज। [illegible]। [illegible]।

कापटिक, (वि.) कपटी। छली। दुष्ट। चालाक। धूर्त। विद्यार्थी।

कापथ, (पु.) बुरा मार्ग। निन्द्य पथ।

कापाल कापालिक, (पु.) [illegible] शैवों के सम्प्रदाय के अन्तर्गत एक सम्प्रदायविशेष, जो सदा खोपड़ी अपने साथ रखते और उसी में भोजन अथवा जल पान करते हैं। एक [illegible] की [illegible]। [illegible]।

कापालिन्, (पु.) शिव जी का नाम।

कापाली, (स्त्री.) [illegible]।

कापिश, (पु.) [illegible]।

कापिल, (पु.) [illegible]।

कापिश, (न.) [illegible]।

कापुरुष, (पु.) [illegible]।

कापोत, (न.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]।

काम, (न.) [illegible]।

[illegible]

कालिन्दी. (स्त्री.) यमुना नदी।

कालिन्दीभेदन. (पुं.) बलदेव।

कालिमन्. (पुं.) [illegible]

काली. (स्त्री.) [illegible] [illegible] दुर्गा। [illegible]

कालेय. (पुं.) कुत्ता। [illegible]

काल्पनिक. (त्रि.) [illegible]

काल्या. (स्त्री.) गौ, जिसके गर्भ धारण का समय आ पहुँचा हो।

कावेरी. (स्त्री.) दक्षिण की एक नदी का नाम। वेश्या। हल्दी।

काव्य. (पुं.) [illegible] [illegible]

[illegible] (न.) एक प्रकार का [illegible]

काश्. (क्रि.) चमकना।

काश. (पुं.) [illegible] का रोग। [illegible]

[illegible] (पुं.) [illegible]

काशि. (स्त्री.) [illegible] पुरी। [illegible]

काश्मीर. (न.) कुंकुम। [illegible] देश। [illegible]

[illegible]

कासघ्नी, (स्त्री.) कण्टकारी । कटकमारी ।
कासरः, (पुं.) भैंसा ।
कासारः, (पुं.) तालाब । हद । सरोवर ।
कासिका, (स्त्री.) खाँसी ।
कासीस, (न.) हीराकस । एक प्रकार की धातु । कसीस ।
कासू, (स्त्री.) घबराहट का शब्द । चमक । बुद्धि । रोग ।
काहल, (न.) सूखा । मुर्झाया हुआ । उपद्रवी । बड़ा । विस्तृत । बहुत । दुष्ट । कौआ । नगाड़ा । भाषा विशेष ।
काहलिः, (पुं.) शिव जी का नाम ।
किञ्चन, (अव्य.) हीन । तुच्छ । नीच ।
किञ्चुलकी, (स्त्री.) जलजन्तु । [illegible] ।
किंवा, (अव्य.) विकल्प । अथवा । या । वा ।
किंशारु, (पुं.) धान की बाल । तीर । कङ्कपक्षी ।
किंशुक, (पुं.) वृक्ष जिसमें सुन्दर लाल पुष्प लगते हैं, पर उन पुष्पों में महक नहीं होती । पलाश पुष्प । ढाक के फूल । "विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः" ।
किकिः, (पुं.) नारियल का वृक्ष । चातक पक्षी ।
किकिदिवः, (पुं.) एक प्रकार का कीड़ा ।
किङ्करः, (वि.) नौकर ।
किङ्किणी, (स्त्री.) करधनी । छोटी घण्टी । घुंघरू ।
किङ्किरः, (पुं.) कोयल । भौंरा । घोड़ा । कामदेव ।
किङ्किरातः, (पुं.) अशोक वृक्ष । तोता । [illegible] । [illegible] । कामदेव ।
किञ्च, (अव्य.) अपरञ्च । [illegible] । कुछ और ।
किञ्चन, (अव्य.) थोड़ा । कुछ ।
किञ्जल्क, (पुं.) केसर । फूल की धूल । नागकेसर ।

किट्, (क्रि.) समीप जाना । डरना ।
किटिः, (पुं.) सूअर ।
किटिभः, (पुं.) खटमल ।
किटिमः, (पुं.) एक प्रकार की कोढ़ ।
किट्टं, (न.) लोहे की जङ्ग या मैल ।
किणः, (पुं.) मांस की गाँठ । घुन । [illegible] । लकड़ी का कीड़ा ।
किण्वन्, (पुं.) कीड़ा ।
कित्, (क्रि.) सन्देह करना ।
कितव, (पुं.) जुआरी । ठग । नीच । धतूरा । उन्मत्त या सनकी आदमी ।
किन्धिन्, (पुं.) घोड़ा ।
किन्तनु, (पुं.) आठ पैर का कीड़ा । मकड़ी । बहुत छोटे शरीर वाला ।
किन्तु, (अव्य.) लेकिन । पर । परन्तु ।
किन्नर, (पुं.) देवताओं का गवैया, जिसका मुख घोड़े जैसा और शरीर मनुष्य जैसा होता है ।
किन्नरेश, (पुं.) किन्नरों का स्वामी । कुबेर । धन का दाता ।
किन्नु, (अव्य.) प्रश्न । वितर्क । सवाल । सादृश्य । क्या ?
[illegible], (स्त्री.) पेड़ की [illegible] ।
किम्, (अव्य.) क्या । वितर्क । निन्दा ।
किमु, (अव्य.) सम्भावना । सन्देह । वितर्क ।
किमुत, (अव्य.) प्रश्न । वितर्क । सन्देह । विकल्प । अतिशय । फिर क्या ?
किम्पच, (वि.) कृपण । कंजूस ।
किम्पुरुष, (पुं.) देवयोनि विशेष । हिमालय और हेमकूट के बीच, जम्बूद्वीप का एक वर्ष । [illegible] ।
किम्भूत, किस प्रकार का ? किस तरह का ।
[illegible], (वि.) [illegible] ?
[illegible], (पुं.) [illegible] ।
किर, (पुं.) सूअर । [illegible] ।
किरण, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।
[illegible], [illegible] । [illegible]

किरणमालिन्, (पु.) सूर्य ।
किरात, (पु.) छोटे शरीर वाला । भील । बनैला पुरुष । सारथि । शिव जी का नाम ।
किरातार्जुनीय, (न.) भारवि रचित एक उच्च काव्य का नाम जिसमें अर्जुन और भीलरूपधारी शिव जी के युद्ध का वर्णन किया गया है ।
किराति:, (स्त्री.) गङ्गा । दुर्गा का नाम । भिल्लनी । मोरछल या चौरी लेने वाली स्त्री । कुटनी । आकाशगङ्गा ।
किरि:, (पु.) सुअर ।
किरिटि:, (पुं.) छुहारे के वृक्ष का फल ।
किरीट:, (पुं.) मुकुट । पगड़ी । मुकुट के नीचे की टोपी ।
किरीटिन्, (पु.) मुकुटधारी । अर्जुन ।
किर्मि: या किर्म्मी, (स्त्री.) बड़ा कमरा । इमारत । सोने या लोहे की प्रतिमा । पलाश वृक्ष ।
किर्म्मीर, (पु.) राक्षसविशेष, जिसे भीम ने मारा था । रङ्गबिरङ्गा । नारङ्गी का वृक्ष ।
किर्याणी, (पुं.) बनैला सूअर ।
किल्, (कि.) सफेद होना । जम जाना । रोकना । अनुरोध करना । फेंकना । भेजना ।
किल, (अव्य.) निश्चय । मनमाना । प्रसिद्ध । सत्य । कारण । झूठ ।
किलकिञ्चित, (न.) स्त्रियों का विलासभेद ।
किलकिला, (स्त्री.) किलकारी । प्रसन्नता का बोध ।
किलाट, (पु.) जमा हुआ दूध ।
किलाटक:, (पु.) पके हुए दूध का पिण्ड । दूध का विकार । मलाई । मावा । खोया ।
किलाटिन्, (पु.) बाँस ।
किलास, (पु.) कोढ़ी । कोढ़ का सफेद धब्बा ।
किलिञ्जम्, (स्त्री.) चटाई । हरी लकड़ी का [illegible] ।
किलिम, (न.) अञ्जीर का वृक्ष ।
किल्विन्, (पुं.) घोड़ा ।
किल्विष, (न.) अपराध । पाप । रोग । धर्म और अधर्म का फल । अनिष्ट । ससार ।
किशलय, (पु. न.) पल्लव । पत्र । पत्ता ।
किशोर:, (पु.) हाथी का बच्चा । बालक, जिसकी अवस्था पाँच वर्ष से अधिक और पन्द्रह वर्ष से कम हो । दस वर्ष से १५ वर्ष तक की उम्र वाला किशोरावस्था का कहा जाता है । सूर्य ।
किष्क्, (कि.) मारना ।
किष्किन्ध-न्धेय, (पुं.) ओड़ देश का एक पहाड़ । वहीं की गुफा ।
किष्कु, (पु. स्त्री.) बारह अङ्गुल का माप । बाँह । हाथ का परिमाण ।
किसल-किसलय, (पुं. न.) नवपल्लव । कोमल पत्र । अङ्कुर ।
कीकट, (पुं. न.) दीन । दरिद्र । घोड़ा । बिहार देश का नाम । " श्रीकटेषु गया पुण्या " ।
कीकस, (पु.) कड़ा । दृढ़ । हड्डी ।
कीकि:, (पु.) नीलकण्ठ ।
कीचक:, (पुं.) पोला बाँस । बाँस जो, हवा के लगने से सनसनाहट या खड़खड़ाहट । जातिविशेष । विराट राजा का साला और वीर उनकी सेना का प्रधान सेनापति केकय देश का राजा ।
कीचकजित्, (पु.) भीमसेन ।
कीज, (पु.) अद्भुत । विस्मय ।
कीद्, (कि.) रहना । बाँधना ।
कीट, (पु.) कड़ा । दृढ़ । कीड़ा ।
कीटघ्न, (पु.) कीड़ों को विनाश करनेवाला । गन्धक ।
कीटजा, (स्त्री.) कीड़ों से निकली हुई । लाख ।
कीटमणि, (पु.) खद्योत । जुगनू ।
कीदृश, (वि.) किस प्रकार । कैसे । कैसा ?
कीर्न, (न.) मांस ।

कीनारः, (पु.) अधम पुरुष। नीच मनुष्य।

कीनाश, (पु.) यम। वानरविशेष। किसान। बापुरा। छोटा। वध।

कीरः, (पु.) तोता। देशविशेष। मांस। काश्मीर देश और वहाँ के निवासी।

कीरइष्टः, (पु.) आम का पेड़।

कीटिः, [illegible]। भजन। गीत।

कीर्ण, (वि.) बिखरा हुआ। ढका हुआ। भरा हुआ। रखा हुआ। घायल।

कीर्तना, (स्त्री.) यश। नेकनामी।

कीर्ति, (स्त्री.) यश।

कीर्तित, (वि.) कहा गया। प्रसिद्ध किया गया।

कीर्तिशेष, (पु.) मृत्यु। मौत।

कील्, (क्रि.) बाँधना। खोंसना।

कील, (पु. स्त्री.) आग की लाट। शस्त्र। लम्बा। सिरा। कील। खाला। टिहुनी। शिव का नाम। अस्त्र। कुहनी का धक्का व चोट।

कीलक, (पु.) कील। मेख। गऊ का खूँटा।

कीलाल, (न.) जल। रक्त। अमृत। पशु। मधु।

कीलालजम्, (न.) मांस।

कीलालधिः, (पु.) समुद्र।

कीलालपः, (पु.) राक्षस। दैत्य।

कीशः, (पु.) बन्दर। (त्र.) नंगा। नग्न। सूर्य। एक पक्षी।

कु, (क्रि.) शब्द करना। दुःख से शब्द करना।

कु, (अव्य.) पाप। निन्दा। ईषत्। कुत्सित। पृथ्वी। त्रिभुज का आधार।

कुकुभ, एक प्रकार की रागिनी।

कुकुन्दरः, (पु.) [illegible]।

कुकुर, (पु.) [illegible] ... देश।

कुकुन्दर, (न.) [illegible]।

कुक्कुर, (पु.) लड़ाई दंगा। यदुवंश का एक राजा जिसे ययाति के शाप से राज्य नहीं दिया था।

कुक्कुट, (पु.) [illegible]।

कुक्कुटासन, (न.) [illegible]। यह एक [illegible] के लिये [illegible]। [illegible] की [illegible] किया जाता है।

कुक्कुटी, (स्त्री.) मुर्गी। [illegible]।

कुक्कुभः, (पु.) [illegible]।

कुक्कुरः, (पु.) कुत्ता।

कुक्षः, (पु.) पेट।

कुक्षिः, (पु.) उदर। पेट। [illegible]। [illegible] की [illegible]।

कुक्षिम्भरिः, (पु.) [illegible]। स्वार्थी। पेटू।

कुङ्कुम, (न.) केसर।

कुङ्कुमाद्रिः, (पु.) एक पर्वत का नाम।

कुच्, (क्रि.) [illegible]।

कुच, (पु.) स्तन। [illegible]।

कुचन्दन, (पु.) [illegible]।

कुचर, [illegible]।

कुचर्या, (स्त्री.) [illegible]।

कुचेल, (न.) [illegible]।

कुञ्च्, (क्रि.) [illegible]।

कुज, (पु.) [illegible]।

कुजम्भल, (पु.) [illegible]।

कुब्झटि, कुब्झटिका, कुब्झटी, (स्त्री.) कुहासा । नीहार । पाला । कुहर ।

कुञ्चन, (न.) कुटिलता । अनादर । नेत्ररोग।

कुञ्चि, (पुं.) कुटिल होना। आठ मूठ का नाम ।

कुञ्चिक, (पुं.) काला जीरा। मच्छी का भेद। कुञ्जी । ताली । बाँस की शाखा । रत्ती ।

कुञ्चित, (न.) सिकुड़ा हुआ । तगर का फूल ।

कुञ्ज, (पुं.) हाथी । ठोढ़ी । लताओं से आच्छादित और बीच में खुला हुआ स्थान । लतागृह । लतावितान । हाथीदाँत ।

कुञ्जर, (पुं.) हाथी ।

कुञ्जरच्छाया, (पु.) योगविशेष जो त्रयोदशी के दिन मघा नक्षत्र के होने पर होता है ।

कुञ्जराशन, (पु.) बड़ का वृक्ष ।

कुट्, (क्रि.) तिरछा होना । कुटिल होना ।

कुट, (पुं.) घड़ा । दुर्ग । गढ़ । हथौड़ा । वृक्ष । घर । पर्वत ।

कुटक, (पु.) बिना बाँस का हल । (:) रस्सा जिसमें मथानी की रस्सी लपेटी जाती है ।

कुटङ्क, (पुं.) छत । छप्पर ।

कुटङ्गकः, (पुं.) छोटा घर । झोपड़ी । कुटी ।

कुटपः, (पुं.) कुडव । तौलविशेष । घर के समीप का बाग । ऋषि । तपस्वी । कमल ।

कुटरः, (पुं.) देखो कुटक. ।

कुटपः, (पु) मुर्गी । सीमा ।

कुटलं, (न.) छत । छप्पर ।

कुटिः, (पु) शरीर । वृक्ष । कुटी । झोपड़ी । दुकान ।

कुटिरम्, (न.) झोपड़ी । कुटी ।

कुटिल, (वि.) टेढ़ा । घोखेबाज ।

कुटिलिका, (स्त्री.) झुकके झुकके जैसे शिकारी अपने शिकार की ओर जाता है, जाना । लुहार की भट्ठी ।

कुटी, (स्त्री.) दुकान । झोपड़ी । सुरा । [illegible] । कुटिया ।

कुटुङ्गकः, (पुं.) बेलों अथवा लताओं से आच्छादित गृह या कुटी । किसी वृक्ष पर चढ़ी हुई बेल । लता । छप्पर । छत । झोपड़ी । छत्ती ।

कुटुनी, (स्त्री.) कुटनी । वह दुराचारिणी स्त्री जो अन्य स्त्रियों को चुपके चुपके व्यभिचार के लिये अन्य पुरुषों के पास पहुँचावे ।

कुटुम्ब, (न.) गृहस्थी । पोष्यवर्ग । नातेदार । सन्तान ।

कुट्ट्, (क्रि.) काटना । विभक्त करना । पीसना । दोषारोपण करना । जलाना । बढ़ाना ।

कुट्टक, (पु.) गणभेद जिसका वर्णन लीलावती में दिया हुआ है ।

कुट्टनी, (स्त्री.) देखो कुटुनी ।

कुट्टमित, (न.) प्रिय के साथ मिलने की इच्छा रहते हुए भी, न मानने के लिये हाथ हिलाना । विलासभेद ।

कुट्मल, (पुं. न.) खिलने पर आई हुई कली । नरकविशेष ।

कुट्टारः, (पु.) पहाड़ । सम्भोग विलास । ऊनी कम्बल । अकेलापन ।

कुट्टिम, (पु.) ईंटें पत्थरों से जड़ा हुआ । रत्नों की खान । अनार । कुटी ।

कुट्टिहारिका, (स्त्री.) दासी । टहलुनी ।

कुट्टीरः, (पु.) पहाड़ी ।

कुट्टीरकं, (न.) झोपड़ी ।

कुड्, (क्रि.) घबराना । आलस्य करना । छुपाना ।

कुठः, (पु.) वृक्ष ।

कुठारुः, (पु.) चिड़िया विशेष ।

कुठारटङ्कः-का, (पु. स्त्री.) कुल्हाड़ी ।

कुठारः-री, (पु. स्त्री.) एक प्रकार की कुल्हाड़ी । वृक्ष ।

कुठारुः, (पुं.) वानर । पेड़ । शस्त्र बनाने वाला ।

कुठिः, (पुं.) वृक्ष । पहाड़ ।

कुठेरः, (पु.) अग्नि।

कुठेरजः, (पुं.) पत्ता या चोटी से उत्पन्न हुआ।

कुड्, (क्रि.) जलाना। घबराना। बचाना। खाना। बालक होना।

कुडङ्गः, (पुं.) कुञ्ज। लतागृह।

कुडपन्थ, (पु) एक पात्र। सेर का चौथियाई भाग।

कुड्मल, (पु. न.) खिलने के समय को प्राप्त हुई कली। नरकविशेष।

कुडिः, (स.) शरीर। देह।

कुडिका, (स्त्री.) कठौती या चपरौटी।

कुडी, (स्त्री.) कुटी। झोपड़ी।

कुड्यं, (न.) दीवार। कौतूहल। व्यसन।

कुण्, (क्रि.) सहारा देना। सहायता देना। शब्द करना। सलाह देना। बातचीत करना। आमन्त्रण देना। नमस्कार करना।

कुणकः, (पुं.) किसी जीवजन्तु का हाल का जन्मा बच्चा।

कुणप, (पु.) प्राणरहित। मृत शरीर। मुरदा। दुर्गन्धयुक्त। भाला।

कुणद्, (अ.) चिल्लाता हुआ।

कुणिः, (पुं.) मिसरी। फोड़ा जो हाथ के अङ्गुली के नाखूनों के किनारे होता है।

कुण्टक, (पुं.) मोटा। चर्बीला।

कुण्ठ, (पुं.) भोथरा। ढीला। मूर्ख। मन्दबुद्धि। निर्बल।

कुण्ठकः, (पुं) मूर्ख।

कुण्ठ्, (क्रि.) जलाना। लाना। देर लगाना। रक्षा करना।

कुण्डलिन्, (पु.) घेरा देने वाला। सर्प। साँप।

कुण्डलिनी, (स्त्री.) तान्त्रिक शक्तिविशेष। साँपिन।

कुण्डिका, (स्त्री.) घड़ा। कमण्डलु।

कुण्डिन्, (पुं.) शिव जी का नाम। वर्ण-सङ्कर। घोड़ा। मुनिविशेष।

कुण्डिनं, (न.) विदर्भ की राजधानी का नाम। मुनिविशेष।

कुण्डिर-कुण्डीर, (पुं.) दृढ़। मजबूत मनुष्य।

कुतपः, (पुं.) सूर्य्य। अग्नि। ब्राह्मण। अतिथि। गौ। भांजा। दौहित्र। बाजा। नैपाली कम्बल। कुशातृण। दिन के दोपहर की पिछली घड़ी से तीसरे पहर की पहली घड़ी तक का समय।

कुतस्, (अव्य.) प्रश्न। कहाँसे। कबसे। कहाँ। किस स्थान पर। क्यों। किस कारण से। कैसे।

कुतुकं, (न.) इच्छा। अभिलाष। कौतुक।

कुतुप, (पुं.) छोटा सा चमड़े का कुप्पा। घी रखने का बरतन। दिन का आठवाँ मुहूर्त।

कुतूहल, (न.) अद्भुत। विलक्षण। अपूर्व।

कुत्र, (अव्य.) कहाँ। क्व।

कुत्स्, (क्रि.) गाली देना। निन्दा करना।

कुत्सा, (स्त्री.) निन्दा। परिवाद।

कुत्सित, (न.) निन्दित। निन्दा किया हुआ। बुरा कहा गया। कमीना। क्षुद्र।

कुथ्, (क्रि.) सड़ना। दुर्गन्ध निकलना। कस्तूरी लगाना।

कुथ, (पु. स्त्री.) हाथी की झूल। (।) कुशा तृण।

कुद्दालः-लः-लकः, (पु. न.) कोविदार वृक्ष। कचनार का पेड़। [illegible]। कुदाली। चारे का [illegible]।

कुद्रङ्कः-ङ्गः, (पु.) चौकीदार का घर। मकान जिसमें किसी वस्तु का रखने वाला रहता है।

कुध्रः, (पुं.) पहाड़। पर्वत।

कुनकः, (पु.) काक। कौआ।

कुनखः, (पु.) नखों का रोग जिसमें नखों का रङ्ग बदल जाता है। कुनख रोग वाला मनुष्य।

कुनालिका, (स्त्री.) कोयल।

कुन्तः, (पु.) प्रास नामी शस्त्र। भाला। एक

कुलतन्तु, (पुं.) वंश को चलाने वाला ।

कुलतिथि, (स्त्री.) चौथ। अष्टमी । द्वादशी। चतुर्दशी । वह तिथि जिस दिन कुलदेवता की विशेष पूजा की जाने का नियम हो ।

कुलधर्म, (पु.) वंशपरम्परा में आम्नाय से प्रचलित धर्म । कुलाचार । रीति ।

कुलपति, (पुं.) १०००० छात्रों का अन्न वस्त्र दे कर विद्या पढ़ाने वाला मुनि । घराने का मुखिया । सेनापति ।

कुलपर्वत, (पुं.) सात बड़े २ पर्वत ।

कुलमित्र, (पुं.) पुरोहित ।

कुलाह, (पु.) एक प्रकार की छोटी मछली ।

कुलाय, (पु.) घोंसला । शरीर । स्थानविशेष ।

कुलायिका, (स्त्री.) पक्षिशाला । चिड़िया-खाना ।

कुलाल, (पुं.) कुम्हार । जङ्गली मुर्गा ।

कुलाह, (पुं.) इसके घोड़े [illegible] का काला [illegible] ।

कुलाहक, (पु.) गिरगिट ।

कुलिक, (पु.) एक नाग । एक व्याध । एक भील ।

कुलिश, (पु.) [illegible] । (वि.) [illegible] ।

कुलीनसि, (स्त्री.) [illegible] ।

कुलीर, (पु. न.) [illegible] । एक मछली ।

कुलीरशृङ्ग, (पुं.) [illegible] ।

कुलीरकशृङ्गी, (पु.) [illegible] ।

कुल्मि, (स्त्री.) [illegible] ।

कुल्मित्र (वि.) [illegible] ।

कुलोत्कट, (न.) [illegible] ।

कुलेश्वर, (पु.) [illegible] ।

कुलूत, (न.) [illegible] ।

कुल्लूक भट्ट (पु.) [illegible] ।

कुल्कुट (पु.) [illegible] ।

कुल्फ, (पुं.) एक रोग । पैरों के गुल्फ (गट्टे) ।

कुल्मल, (न.) पाप ।

कुल्माष, (पु.) घुने उड़द । कांजी ।

कुल्य, (न.) हड्डी । एक प्रकार की नाप की नाप । सूप । मांस । मान्य पुरुष ।

कुल्या, (स्त्री.) नहर । कृत्रिम नदी ।

कुवलय, (न.) श्वेत कमल । कोकाबेली । नीला कमल । भूमिमण्डल ।

कुवलयादित्य, (न.) एक राजा ।

कुवलयानन्द, (न.) अप्पय्य दीक्षित रचित एक अलङ्कार ग्रन्थ ।

कुवलयापीड़, (न.) कंस का हाथी, जिसे श्रीकृष्ण ने मारा ।

कुवाद, (पु.) बुरी बातचीत । बकवाद ।

कुविन्द, (पुं.) जुलाहा । कपड़ा बनाने वाला ।

कुविवाह, (पुं.) निन्दनीय ब्याह । बेमेल ब्याह ।

कुवृत्ति, (स्त्री.) बुरी प्रवृत्ति । बुरा जीविका ।

कुवेणी, (स्त्री.) मछली रखने की टोकनी ।

कुश, (पुं. न.) तृणविशेष । रामचन्द्र के बड़े पुत्र । द्वीपविशेष । जल । पानी । मतवाला ।

कुशध्वज, (पु.) राजा जनक के छोटे भाई ।

कुशल, (पु.) [illegible] ।

कुशल, (न.) कल्याण । मङ्गल । (वि.) चतुर ।

कुशस्थल, (न.) कन्नौज ।

कुशस्थली, (स्त्री.) द्वारकापुरी ।

कुशनाभ, (पु.) [illegible] ।

कुशाग्री, (पु.) [illegible] । (स्त्री.) [illegible] का पुत्र ।

कुशा, (स्त्री.) [illegible] ।

कुशाग्र, (पु.) [illegible] । (वि.) [illegible] ।

कुशारणि, (पुं.) दुर्वासा ऋषि ।
कुशावती, (स्त्री.) रामचन्द्र के पुत्र कुश की राजधानी ।
कुशिक, (पुं.) जमदग्नि मुनि के पिता । विश्वामित्र के पिता । फाली । बहेड़ा । सर्जवृक्ष ।
कुशिष्य, (वि.) बुरा शिष्य ।
कुशी, (पुं.) वाल्मीकि मुनि । (स्त्री.) हल की फाल । लोहविकार ।
कुशीद, (न.) लाल चन्दन । ब्याज । सूद ।
कुशीलव, (पुं.) वाल्मीकि मुनि । रामचन्द्र के पुत्र लव कुश । चारण । भाट । गायक । नाचने गाने की वृत्तिवाले, कथिक । (वि.) बुरे शील वाला ।
कुशूल, (पुं.) धान की भूसी की आग । अन्न भरने की कोठार ।
कुशेशय, (न.) कमल । सारस पक्षी । कनेर का वृक्ष ।
कुषाकु, (पुं.) बन्दर । अग्नि । सूर्य । (वि.) पर तापी ।
कुषीद, (न.) ब्याज । सूद ।
कुष्ठ-कुष्ठ, (न.) कोढ़ का रोग । एक प्रकार का विष ।
कुष्ठहन्तु, (पुं.) सेमल का साग ।
कुष्ठगन्धिनी, (स्त्री.) अश्वगन्धा । असगन्ध ।
कुष्ठारि, (पुं.) कत्था । खैर । गन्धक ।
कुष्ठी, (वि.) कोढ़ी ।
कुष्माण्ड, (पुं.) कुम्हड़ा । शिव का एक गण ।
कुष्माण्डी, (स्त्री.) अम्बिका । एक औषध । दुर्गा । एक वन का फल ।
कुसित, (पुं.) शहर । बसी हुई बस्ती ।
कुसिम्बी, (स्त्री.) सेम की फली ।
कुसीद, (न.) सूद । ब्याज ।
कुसुम, (न.) पुष्प । फल । स्त्रियों का रज । नेत्ररोग । कुसुम्भ ।
कुसुमकार्मुक, (पुं.) कामदेव ।
कुसुमपुर, (न.) पटना । विहार की पुरानी राजधानी ।
कुसुमशर, (पुं.) कामदेव ।
कुसुमाकर, (पुं.) वसन्त ऋतु ।
कुसुमाञ्जलि, (पुं.) पुष्पाञ्जलि ।
कुसुमाधिप, (पुं.) फूलों का राजा चम्पक अथवा चम्पे का फूल ।
कुसुमाल, (पुं.) चोर ।
कुसुमासव, (न.) शहद । फूलों के रस का मद्य ।
कुसुमेषु, (पुं.) कामदेव ।
कुसुमोच्चय, (पुं.) फूलों का गुच्छा । फूलों का ढेर ।
कुसुम्भ, (न.) बहुत फूलों वाला वृक्ष । कुसुम का वृक्ष । कमण्डलु । सोना ।
कुसृति, (स्त्री.) ठगी । धूर्तता । जादूटोना ।
कुस्तुभ, (पुं.) विष्णु । समुद्र ।
कुस्तुम्बुरी, (स्त्री.) धनिया ।
कुह, (पुं.) कुबेर । आश्चर्य । (अव्य.) अ., इस ' कहाँ ' के अर्थ में ।
कुहक, (न.) इन्द्रजाल । माया । छल । धोखा । (वि.) धूर्त ।
कुहकस्वन, (पुं.) मुर्गा ।
कुहक, (पुं.) तालविशेष ।
कुहन, (पुं.) चूहा । सर्प । (न.) मिट्टी का एक प्रकार का बर्तन । काँच का पात्र । (वि.) ईर्ष्या करने वाला ।
कुहर, (पुं.) कर्णछिद्र । गुफा । छिद्र । बिल ।
कुहा, (स्त्री.) कुहासा । कुहरा ।
कुहू, (स्त्री.) अमावस्या तिथि । कोयल का शब्द ।
कुहूकण्ठ, (पुं.) कोयल ।
कुहेलिका, (स्त्री.) कुहासा का एक प्रकार ।
कू, (वि.) शब्द करना ।
कूकुद, (पुं.) अलंकृत कन्या का दान करने वाला । पिता । [illegible]

कोटवी, (स्त्री.) चण्डिका। नंगी स्त्री।
कोटि, (स्त्री.) धनुष का अग्रभाग। हथियारों की नोक। एक करोड़ की संख्या।
कोटिर, (पुं.) न्यौला। इन्द्र। बीरबहूटी।
कोटिशः, (अ.) करोड़ों। अग्रभागमात्र भी। किंचित् भी।
कोटीश, (वि.) कोटपती।
कोण, (पुं.) कोना। सारंगी बजाने की कमान सी लकड़ी। लाठी। मंगल ग्रह। लग्न से नवम और पञ्चम स्थान। शनैश्चर।
कोणकुण, (पुं.) खटमल।
कोदण्ड, (पुं.) भौंह। (न.) धनुष।
कोद्रव, (पुं.) कोदों नाम का अन्न।
कोप, (पुं.) क्रोध। रिस।
कोपन, (वि.) क्रोधी।
कोमल, (न.) जल। (वि.) नरम।
कोयष्टि, (पु.) जल पर उड़ने वाला पक्षी।
कोरक, (पुं. न.) कली। कमल की डंडी।
कोल, (पु.) सूअर। चीता। शनैश्चर। गोद। डोंगी। भील। मिर्च। बेर का फल।
कोला, (स्त्री.) पीपल नाम की औषध। राजा सुरथ की राजधानी।
कोलापुर, (न.) कोल्हापुर दक्षिण दिशा में प्रसिद्ध लक्ष्मी देवी का स्थान।
कोलाविध्वंसी, (पु.) एक पहाड़ी म्लेच्छ जाति।
कोलाहल, (पु.) शोरगुल। कलकल। हौरा।
कोविद, (पुं.) पण्डित। विवेकी।
कोविदार, (पु.) लाल कचनार।
कोश, (पु.) खज़ाना। तलवार की म्यान। मद्यपान का प्याला। अण्डकोश। जायफल। फली। पुष्पाधार। शब्दसमूह ग्रन्थ। [illegible] [illegible]।
कोशल, (पु.) अयोध्या प्रदेश।
कोशलिक, (न.) घूस। रिश्वत।
कोशातकी, (स्त्री.) तुरई।
कोष, (पु. न.) कोश शब्द देखो।
कोष्ठ, (पुं.) कोठरी। ड्योढ़ी। अन्न भरने की कोठार। पेट। कोठा।
कोष्ण, (न.) गुनगुना।
कोसल, (पु.) कोशल शब्द देखो।
कोहल, (पुं.) एक प्रकार का बाजा। नाट्य शास्त्र के आचार्य एक मुनि। मद्य।
कौक्कुटिक, (पुं.) पाखण्डी। संन्यासी।
कौक्षेयक, (पुं.) तलवार।
कौटल्य, (पुं.) वात्स्यायन मुनि का एक नाम, जिन्हें चाणक्य कहते हैं।
कौटिल्य, (पु.) चाणक्य मुनि। (न.) कुटिलता।
कौणप, (पुं.) राक्षस।
कौण्डिन्य, (पु.) एक मुनि।
कौतुक, (न.) अपूर्व वस्तु या कार्य देखने-सुनने का चाव। तमाशा। उत्सव।
कौतूहल, (न.) कौतुक। चाव।
कौन्तेय, (पु.) कुन्ती के पुत्र पाण्डव। अर्जुन।
कौपीन, (न.) लँगोटी। गुप्त अंग। पाप।
कौमार, (न.) जन्म से पाँच वर्ष तक की अवस्था। कुमाँरापन। लड़कपन।
कौमारिकेय, (पु.) कुआँरी स्त्री का लड़का।
कौमारी, (स्त्री.) देवीविशेष।
कौमुद, (पु.) कातिक का महीना।
कौमुदी, (स्त्री.) चाँदनी। व्याकरण का एक ग्रन्थ।
कौमोदकी, (स्त्री.) विष्णु की गदा।
कौरव, (पुं.) राजा कुरु की सन्तति। दुर्योधन आदिक।
कौरव्य, (पु.) कौरव।
कौल, (वि.) कुलीन। खानदानी। ब्रह्मज्ञानी। तान्त्रिक।
कौलटिनेय, **कौलटेय**, **कौलटेर**, } सती भीख माँगने वाली स्त्री का लड़का। व्यभिचारिणी स्त्री का लड़का।

कौलिक, (पु.) जुलाहा। कुलाचार। (त्रि.) शक्ति का उपासक। वाममार्गी।

कौलीन, (न.) निन्दा। लोकापवाद। गुप्त। छिपाने योग्य। कुकर्म। कुलीनता। सर्प, पशु और पक्षियों का युद्ध। भाषियों का युद्ध।

कौलीन्य, (न.) कुलीनता।

कौबेरी, (स्त्री.) कुबेर की पुरी। उत्तरदिशा। कुबेर की।

कौशल, (न.) काम करने की चतुराई। भलाई। माङ्गल्य।

कौशल्या, (स्त्री.) महाराजा दशरथ की पटरानी। श्रीरामचन्द्र जी की माता।

कौशाम्बी, (स्त्री.) गाधि राजा की नगरी।

कौशिक, (पु.) विश्वामित्र मुनि। न्यौला। सांप को पकड़ने वाला। मदारी। गूगल। इन्द्र। उल्लू पक्षी। खजांची।

कौशिकी, (स्त्री.) दुर्गा। एक नदी। नाट्य शास्त्र की एक वृत्ति।

कौषीतकी, (स्त्री.) एक उपनिषद्। अगस्त्य मुनि की स्त्री।

कौशेय, (त्रि.) रेशमी कपड़ा।

कौसुम्भ, (न.) कुसुम का रँगा कपड़ा।

कौसृतिक, (त्रि.) मायावी।

कौस्तुभ, (पु.) समुद्र से निकली हुई श्रीविष्णु के हृदय का भूषण एक मणि।

क्रकच, (पु.) आरा। गोंडदार वृक्ष विशेष।

क्रकचच्छद, (पु.) केवड़ा।

क्रकचपात्, (पु.) गिरगिट।

क्रकर, (पुं.) करील का वृक्ष। पपीहा।

क्रतु, (पुं.) यज्ञ। संकल्प। मुनिविशेष। इन्द्रियाँ। विष्णु।

क्रतुद्विष्, (पु.) असुर। नास्तिक। शिव।

क्रतुभुज्, (पु.) देवता।

क्रतुराज, (पु.) राजसूय यज्ञ। अश्वमेध यज्ञ।

क्रथन, (न.) मारना।

क्रन्दन, (न.) रोना।

क्रम, (पु.) तरीका। सिलसिला। नियम। हमला। पैर रखना। दब।

क्रमशः, (अ.) क्रम से।

क्रमागत, (त्रि.) क्रम से आया हुआ। सिलसिलेवार। क्रम क्रम से।

क्रमुक, (पुं.) सुपारी। लोध का पेड़। कपास का फल।

क्रमेल, (पुं.) ऊँट।

क्रय, (पु.) खरीदना। मोल लेना।

क्रयविक्रय, (पुं.) वनिज। खरीद-फरोख्त।

क्रव्य, (न.) मांस।

क्रव्याद, (पु.) राक्षस। गिद्ध। शेर। (त्रि.) मांस खाने वाला।

क्रशित, (त्रि.) दुर्बल।

क्रशिमन्, (स्त्री.) दुर्बलता।

क्रान्त, (पु.) घोड़ा। (त्रि.) दबाया हुआ। काँपा हुआ। गिरा हुआ।

क्रान्तदर्शी, (त्रि.) बीती बातों को जानने वाला। कवि।

क्रान्ति, (स्त्री.) चढ़ाई करना। आक्रमण। आकाशगोलार्द्ध में सूर्य के चलने की कुछ टेढ़ी गोल रेखा।

क्रिमि, (पुं.) कीड़ा। सूक्ष्म जीव। लाख। रोगविशेष।

क्रियमाण, (न.) किया जा रहा।

क्रिया, (स्त्री.) करना। पूरा करना। कार्यारम्भ। चेष्टा। मृतकसंस्कार।

क्रियाफल, (न.) कर्म का फल।

क्रियायोग, (पु.) कर्मयोग।

क्रीडनक, (न.) खिलौना।

क्रीडा, (स्त्री.) खेल। अनादर।

क्रीडोपस्कर, (न.) खेल की सामग्री।

क्रीत, (त्रि.) खरीदा हुआ। मोल लिया गया।

क्रुञ्च, (पुं. स्त्री.) क्रौञ्च पक्षी।

क्रुद्ध, (त्रि.) खफा।
क्रुश, (न.) शब्द करना। बुलाना। रोना।
क्रूर, (त्रि.) कठिन। घोर। गर्म। लाल कनैर। बाज पक्षी। कंक पक्षी। पापग्रह।
क्रूरकर्मा, (त्रि.) क्रूर-निठुर काम करने वाला।
क्रेता, (त्रि.) खरीदार।
क्रेय, (त्रि.) खरीदने की चीज।
क्रोड, (पुं.) शूकर। शनिग्रह। (स्त्री.) गोद।
क्रोडाङ्घ्रि, (पु.) कछुआ।
क्रोध, (पु.) गुस्सा।
क्रोधन, (त्रि.) क्रोधी।
क्रोश, (पु.) एक कोस। [illegible]।
क्रोष्टा, (पुं.) सियार।
क्रौञ्च, (पु.) कुरर पक्षी। एक पर्वत। एक दैत्य। एक द्वीप।
क्रौञ्चदारण, (पु.) कार्तिकेय। इन्द्र।
क्रौञ्चादन, (न.) कमल की डंडी। घीचल। कमल के बीज।
क्लम, (पु.) ग्लानि करना। आयास। परिश्रम।
क्लान्त, (त्रि.) थका हुआ। मुरझाया हुआ।
क्लान्ति, (स्त्री.) थकावट। मुरझा जाना।
क्लिन्न, (त्रि.) गीला।
क्लिष्ट, (त्रि.) क्लेश को प्राप्त। कठिन।
क्लिष्टि, (स्त्री.) क्लेश। सेवा।
क्लीब, (पु.) नपुंसक। हिजड़ा। पराक्रमहीन। कायर।
क्लेदन, (न.) सींचना। भिगाना। [illegible]।
क्लेद, (पु.) पसीना। [illegible]। कष्ट। उपद्रव। रुज।
क्लेश, (पु.) दुःख। व्यथा।
क्लेशापह, (पु.) पुत्र। (त्रि.) क्लेश मिटाने वाला।
क्लैब्य, (न.) नपुंसकता। पौरुष न होना। [illegible]। [illegible]।

क्व, (अ.) कहाँ।
क्वचित्, क्वचन, } (अ.) कहीं।
क्वण, (पु.) वीणा का शब्द। हर एक शब्द।
क्वथित, (त्रि.) पकाया गया।
क्वथिता, (स्त्री.) कढ़ी।
क्वाथ, (पु.) काढ़ा। बहुत पकाई गई वस्तु।
क्षण, (पु.) पर्व। उत्सव। अवसर। मध्य। घड़ी। सहसा। छिन।
क्षणद, (पु.) ज्योतिषी। पानी।
क्षणदा, (स्त्री.) रात्रि।
क्षणप्रभा, (स्त्री.) बिजली।
क्षणभंगुर, (त्रि.) छिन भर में नष्ट हो जाने वाला।
क्षणिक, (त्रि.) दम भर का।
क्षणिकबुद्धि, (त्रि.) जिसकी बुद्धि छिन २ भर पर बदला करती है।
क्षत, (न.) घाव। (त्रि.) क्षयित। नष्ट।
क्षतघ्न, (पु.) कुकरौंधा। घाव को पूरने वाला। मरहम।
क्षतज, (न.) रुधिर। पीब।
क्षति, (स्त्री.) घटी। हानि।
क्षत्ता, (पु.) शूद्र से क्षत्रिया में उत्पन्न। द्वारपाल। सारथी। दासीपुत्र। विदुर। ब्रह्मा। [illegible]। [illegible]।
क्षत्र, (पु.) क्षत्रिय। (न.) तगर। शरीर। क्षत्रिय जाति के कर्म।
क्षत्रबन्धु, (पु.) अधम क्षत्रिय। अपने कर्म न करने वाला क्षत्रिय।
क्षत्रविद्या, (स्त्री.) धनुर्वेद। युद्धविद्या।
क्षत्रिय, (पु.) दूसरा वर्ण।
क्षत्रिया, क्षत्रियाणी, } (स्त्री.) क्षत्रिय जाति की स्त्री।
क्षत्रियी, (स्त्री.) क्षत्रिय की स्त्री।
क्षन्तव्य, (त्रि.) क्षमा करने योग्य।
क्षन्ता, (त्रि.) क्षमा करने वाला।
क्षपण, (त्रि.) निर्लज्ज।
क्षपणक, (पु.) दिगम्बर। [illegible]।

क्षपा, (स्त्री.) रात्रि । हल्दी ।
क्षपाकर, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।
क्षपाचर, (पुं.) राक्षस । (वि.) रात को घूमने वाला ।
क्षपाट, (पुं.) राक्षस । (वि.) रात को घूमने वाला ।
क्षपित, (वि.) दूर हुआ । नष्ट हुआ । विच्युत ।
क्षम, (न.) उपयुक्त । (वि.) समर्थ ।
क्षमता, (स्त्री.) सामर्थ्य । योग्यता । शक्ति ।
क्षमा, (स्त्री.) भूमि । शक्ति होने पर भी दूसरे के अपराध को टाल देना । माफी ।
क्षमी, (वि.) क्षमा करने वाला ।
क्षय, (पुं.) विनाश । एक रोग । तपेदिक ।
क्षयपक्ष, (पुं.) कृष्ण पक्ष । अँधेरा पाख ।
क्षयिष्णु, (वि.) क्षय होने वाला ।
क्षर, (पु.) मेघ । (वि.) नाश होने वाला ।
क्षरण, (न.) चूना । टपकना ।
क्षात्र, (न.) क्षत्रिय का धर्म या कर्म ।
क्षान्त, (वि.) निपुण । क्षमा करने वाला ।
क्षान्ति, (स्त्री.) क्षमा । शम ।
क्षाम, (वि.) दुबला । कमजोर ।
क्षार, (पुं.) खार । धूर्त । नमक । शोरा । गरम । सज्जाखार । सज्जी ।
क्षारकर्दम, (पु.) एक नरक ।
क्षालन, (न.) धोना । साफ करना ।
क्षालित, (वि.) धोया हुआ । साफ किया ।
क्षिति, (स्त्री.) पृथ्वी । निवास । क्षय ।
क्षितिज, (पु.) [illegible] । मंगल ग्रह । वृक्ष । आकाश के [illegible] [illegible] मिली दीखती है । (वि.) पृथ्वी से उत्पन्न ।
क्षितिधर, (पु.) पर्वत । [illegible] । [illegible] ।
क्षितिपाल, (पु.) राजा ।
क्षितिरुह, (पु.) वृक्ष ।
क्षिपणि, (स्त्री.) अस्त्र चलाने के [illegible] हाथ । [illegible] फैलाने का [illegible] ।
क्षिप्त, (वि.) फेंका हुआ । अपमानित । (न.) [illegible] ।
क्षिप्र, (न.) जल्दी । वेग वाला । मर्मस्थान विशेष । कालविशेष ।
क्षिप्रकारी, (वि.) जल्दी करने वाला ।
क्षीण, (वि.) दुबला । कमजोर । आतुर । गरीब । खोया हुआ । घटा हुआ । नष्ट हुआ ।
क्षीयमाण, (वि.) क्षीण हो रहा । नष्ट हो रहा ।
क्षीर, (न.) दूध । जल । खीर ।
क्षीरकण्ठ, (पुं.) बालक । दुधमुंहा ।
क्षीरपर्णी, (स्त्री.) पीपल । बड़ । गूलर । जिन वृक्षों या वनस्पतियों के पत्तों में दूध हो ।
क्षीरसार, (पु.) मक्खन । घी ।
क्षीरसागर, (पुं.) दूध का समुद्र, जिसमें नारायण शेषशय्या पर शयन करते हैं ।
क्षीराब्धितनया, (स्त्री.) क्षीरसागर की कन्या लक्ष्मी ।
क्षीव, (वि.) मतवाला ।
क्षुण्ण, (वि.) अभ्यस्त । अभ्यास किया गया । माना गया । चूर्ण किया गया । पीसा गया ।
क्षुत, (स्त्री.) भूख ।
क्षुत, (न.) छींक ।
क्षुद्र, (वि.) अल्प । कृपण । क्रूर । थोड़ा । नीच । दरिद्र ।
क्षुद्रघण्टिका, (स्त्री.) घुंघरू ।
क्षुद्रता, (स्त्री.) ओछापन । नीचता । कमी ।
क्षुधा, (स्त्री.) भूख ।
क्षुधित, (वि.) भूखा ।
क्षुप, (पु.) छोटी शाखा और जड़ वाला वृक्ष । झाड़ी । एक पर्वत । एक क्षत्रिय ।
क्षुब्ध, (पु.) मथानी । (वि.) क्षोभ को प्राप्त । डरा हुआ । चंचल । व्याकुल । [illegible] ।
क्षुभित, (वि.) विचलित हुआ । उत्तेजित ।
क्षुमा, (स्त्री.) अलसी । सन ।
क्षुर, (पु.) छुरा । खुर । गोखरू । [illegible] । उस्तरा ।
क्षुरक, (पु.) एक वृक्ष । [illegible] गोखरू ।
क्षुरिका, (स्त्री.) छुरी । [illegible]
क्षुल्लक, (वि.) छोटा । दुबला । [illegible]

क्षुल्लक, (त्रि.) नीच। थोड़ा। दुःखित। दुष्ट।
क्षेत्र, (न.) शरीर। खेत। स्त्री। तीर्थस्थान। मेष आदि राशियाँ।
क्षेत्रज, (पुं.) अपनी स्त्री में दूसरे से उत्पन्न कराया गया पुत्र। (त्रि.) जो खेत में उपजा हो।
क्षेत्रज्ञ, (पुं.) जीवात्मा। (त्रि.) निपुण। किसान।
क्षेत्रपाल, (पुं.) भैरव। (त्रि.) खेत की रखवाली करने वाला।
क्षेत्राजीव, (पुं.) किसान।
क्षेत्रिय, (पुं.) असाध्य रोग। परस्त्रीगामी पुरुष।
क्षेत्रेक्षु, (पु.) ज्वार।
क्षेप, (पुं.) आक्षेप। निन्दा। अहङ्कार। विलम्ब। फेंकना। बिताना।
क्षेपक, (त्रि.) फेंकने वाला। विलम्ब करने वाला। घमण्डी। झण्डा। (न.) पुस्तकों में ऊपर से मिलाया गया पाठ।
क्षेपण, (न.) प्रेरणा। गोफा नामक यन्त्र, जिसमें रख कर कङ्कड़ दूर तक फेंके जाते हैं। फेंकना। बिताना।
क्षेम, (न.) कल्याण। मोक्ष।
क्षेमकरी, (स्त्री.) कल्याण करने वाली। भवानी।
क्षेमेन्द्र, (पु.) कश्मीर का एक भारी पण्डित ग्रन्थकार।
क्षैरेय, (न.) खीर। (त्रि.) दूध में पकाया गया।
क्षोड, (पु.) हाथी बाँधने की जञ्जीर।
क्षोणी, (स्त्री.) पृथ्वी। ज़मीन।
क्षोणीप्राचीर, (पु.) समुद्र।
क्षोद, (पु.) धूल। चूर्ण। क्षोदविनोद।
क्षोभ, (पुं.) चित्त की चञ्चलता। घबराहट।
क्षौद्र, (न.) शहद। पानी। (पु.) धूप। चम्पा का वृक्ष। एक वर्णसङ्कर जाति।
क्षौद्रज, (न.) मोम।
क्षौम, (पुं. न.) रेशमी कपड़ा। सन का कपड़ा।
क्षौर, (न.) हजामत।
क्षौरिक, (पु.) नाई।
क्ष्णुत, (त्रि.) सान धरा हुआ। पैना।
क्ष्मा, (स्त्री.) पृथ्वी। धरती।
क्ष्मातल, (न.) पृथ्वीतल।
क्ष्मापति, (पु.) राजा।
क्ष्माभृत्, (पु.) पहाड़। राजा।
क्ष्वेड, (पु.) विष। अक्षरों की ध्वनि। फलभेद। पुष्पभेद। (त्रि.) दुर्लभ। कुटिल।
क्ष्वेडन, (न.) त्याग करना। छोड़ना। सिंहनाद।
क्ष्वेलिका, (स्त्री.) क्रीड़ा। खेल।

ख

ख, (न.) आकाश। हृदय। स्वर्ग। इन्द्रिय। सूर्य। पुर। शरीर। बिन्दु। मेघ। हल। लग्न से दशम राशि। अबरख।
खग, (पु.) सूर्य आदि ग्रह। पक्षी। बाण। देवता। वायु। राक्षस। (त्रि.) आकाश में चलने वाला।
खगपति, (पु.) गरुड़।
खगासन, (पु.) विष्णु। उदयाचल।
खगेन्द्र, (पु.) गरुड़।
खगोल, (पु.) आकाशमण्डल।
खचर, (पु.) खग शब्द देखो।
खचित, (त्रि.) व्याप्त। बँधा हुआ। मिला हुआ।
खज, (पुं.) कलछी। विमथा। मथानी।
खजिका, (स्त्री.) साग। सुमली।
खज्योति, (पु.) जुगनू।
खञ्ज, (पु.) लँगड़ा।
खञ्जन, (पु.) खञ्जरीटा पक्षी।
खञ्जरीट, (पु.) खञ्जन।
खट, (पु.) अन्धा कुआ। कफ। हल। घास। टाँगी।

खटिका, (स्त्री.) खड़िया मिट्टी । कान का छेद । घास ।
खट्टिक, (पु.) खटिक । चिड़ीमार ।
खट्टिका, (स्त्री.) छोटी खाट । रत्थी ।
खट्वा, (स्त्री.) पलँग । खाट । मचान ।
खट्वाङ्ग, (पुं.) एक सूर्यवंशी राजा, जिसने अपनी आयुष्य दो घड़ी शेष जान कर स्वर्ग से घर लौट अयोध्या में आ सर्वत्यागी हो कर मुक्त हुआ । मनुष्य की हड्डियों का ढाँचा । शिव । एक शस्त्र ।
खट्वाङ्गधारी, (पु.) शिव ।
खट्वारूढ़, (वि.) खाट पर चढ़ा हुआ । निषिद्ध कार्य करने वाला ।
खड्किका, (स्त्री.) खिड़की ।
खड़ी, (स्त्री.) खड़िया ।
खड्ग, (न.) लोहा । (पु.) गैंडा । खाँड़ा ।
खड्गपिधान, (न.) म्यान ।
खण्ड, (पु.) टुकड़ा । खाँड़ । नपुंसक । रत्न का ऐब ।
खण्डकर्ण, (पु.) शकरकन्द ।
खण्डताल, (पु.) एक प्रकार की ताल ।
खण्डधारा, (स्त्री.) कैंची ।
खण्डन, (न.) तोड़ना । टुकड़े २ करना । काट डालना ।
खण्डपरशु, (पु.) शिव ।
खण्डित, (वि.) तोड़ा गया । काटा गया ।
खण्डिता, (स्त्री.) वह स्त्री, जिसका पति रात भर अन्य स्त्री के यहाँ रहे ।
खतमाल, (पु.) मेघ । धुआँ ।
खदिर, (पुं.) खैर । कत्था । इन्द्र । चन्द्र ।
खदिरिका, (स्त्री.) लाख ।
खद्योत, (पुं.) जुगनू । सूर्य ।
खधूप, (पु.) हवाई । बन्दूक ।
खनक, (पु.) मूसा । सेंध लगाने वाला चोर । (वि.) पृथ्वी को खोदने वाला ।
खनन, (न.) खोदना ।
खनयित्री, (स्त्री.) कुदार । फावड़ा ।
खनि, (स्त्री.) खान ।
खनित्र, (न.) कुदार । खोदने का औजार ।
खभ्रान्ति, (पुं.) चील्ह ।
खमणि, (पुं.) सूर्य ।
खर, (पुं.) गधा । जनस्थान-निवासी राक्षस । कामदेव । कौआ । तीक्ष्ण । वह घर, जिसका द्वार पश्चिम मुख हो ।
खरदूषण, (पु.) धतूरा । खर और दूषण नाम के राक्षस । (वि.) उस दोष वाला ।
खरध्वंसी, (पु.) रामचन्द्र ।
खरी, (स्त्री.) गधी ।
खरु, (पु.) घमंड । शिव । घोड़ा । दाँत । श्वेत वर्ण । कामदेव । मूर्ख । क्रूर ।
खर्जन, (न.) खुजलाना ।
खर्जू, (स्त्री.) खनखजूरा कीड़ा । खजूर का पेड़ । खुजली ।
खर्जूघ्न, (पु.) मदार । धतूरा ।
खर्जूर, (पु.) बिच्छू । खजूर का फल । चाँदी ।
खर्जूरी, (स्त्री.) वनखजूर ।
खर्पर, (पुं.) चोर । धूर्त । खप्पर । (न.) एक धातु ।
खर्व, (पुं.) बौना । कुबड़ा । एक निधि । सहस्रकोटि संख्या ।
खर्वट, (पुं. न.) [illegible] । पहाड़ के पास का ग्राम । वह ग्राम जिसके पास शहर हो नदी तथा पर्वत भी वहाँ हो । मंडी लगने वाला ग्राम । चार सौ गाँव के बीच की जगह ।
खर्वशाखः, (वि.) छोटा । ठिंगना । छोटी डाल के वृक्ष ।
खल्, चलना । हिलना ।
खल, धान कूटने का स्थान । खोसरी । धूरी । पृथ्वी । तिल का चूर्ण । नीच । अधम । निर्दय । बेरहम ।
" सर्पः क्रूरः खलः क्रूरः सर्पात्क्रूरतरः खलः ।
मन्त्रौषधिवशः सर्पः खलः केन निवार्यते ॥ "

टिका, (स्त्री.) खड़िया मिट्टी । कान का मैल । घास ।

ट्टिक, (पु.) खटिक । चिड़ीमार ।

ट्टिका, (स्त्री.) छोटी खाट । खाटी ।

ट्वा, (स्त्री.) पलंग । खाट । मचान ।

ट्वाङ्ग, (पुं.) एक सूर्यवंशी राजा, जिसने अपनी आयुष्य दो घड़ी शेष जान कर स्वर्ग से आ कर अयोध्या में आ सर्वत्यागी हो कर मुक्त हुआ । मनुष्य की हड्डियों का ढाँचा । रीढ़ । एक शस्त्र ।

ट्वाङ्गधारी, (पु.) शिव ।

ट्वारूढ़, (वि.) खाट पर चढ़ा हुआ । निषिद्ध कार्य करने वाला ।

टिकिका, (स्त्री.) खिड़की ।

टी, (स्त्री.) खड़िया ।

ड्ग, (न.) लोहा । (पुं.) गैंडा । खाँड़ा ।

ड्गपिधान, (न.) म्यान ।

ड्ड, (पु.) टुकड़ा । खाँड़ । नपुंसक । रत्न का ऐब ।

ण्डपर्ण, (पुं.) शकरकन्द ।

ण्डताल, (पु.) एक प्रकार की ताल ।

ण्डधारा, (स्त्री.) कैंची ।

ण्डन, (न.) तोड़ना । टुकड़े २ करना । काट डालना ।

ण्डपरशु, (पुं.) शिव ।

ण्डित, (वि.) तोड़ा गया । काटा गया ।

ण्डिता, (स्त्री.) वह स्त्री, जिसका पति रात भर अन्य स्त्री के यहाँ रहे ।

द्योत, (पुं.) मेघ । धुआँ ।

दिर, (पुं.) खैर । कत्था । इन्द्र । चन्द्र ।

दिरिका, (स्त्री.) लाख ।

द्योत, (पु.) जगनू । सूर्य ।

प, (पु.) हवाई । बन्दूक ।

क, (पु.) चूहा । सेंध लगाने वाला चोर । (वि.) पृथ्वी को खोदने वाला ।

न, (न.) खोदना ।

खनयित्री, (स्त्री.) कुदार । फावड़ा ।

खनि, (स्त्री.) खान ।

खनित्र, (न.) कुदार । खोदने का औज़ार ।

खभ्रान्ति, (पुं.) चील्ह ।

खमणि, (पुं.) सूर्य ।

खर, (पुं.) गधा । जनस्थान-निवासी राक्षस । कामदेव । कौआ । तीक्ष्ण । वह घर, जिसका द्वार पश्चिम मुख हो ।

खरदूषण, (पु.) धतूरा । खर और दूषण नाम के राक्षस । (वि.) उग्र दोष वाला ।

खरध्वंसी, (पु.) रामचन्द्र ।

खरी, (स्त्री.) गधी ।

खरु, (पु.) घमंड । शिव । घोड़ा । दाँत । श्वेत वर्ण । कामदेव । मूर्ख । क्रूर ।

खर्जन, (न.) खुजलाना ।

खर्जू, (स्त्री.) खनखजूरा कीड़ा । खजूर का पेड़ । खुजली ।

खर्जूघ्न, (पु.) मदार । धतूरा ।

खर्जूर, (पु.) बिच्छू । खजूर का फल । चाँदी ।

खर्जूरी, (स्त्री.) वनखजूर ।

खर्पर, (पुं.) चोर । धूर्त । खप्पर । (न.) एक धातु ।

खर्व, (पु.) बौना । कुबड़ा । एक निधि । सहस्रकोटि संख्या ।

खर्वट, (पु. न.) चक्कना । पहाड़ के पास का ग्राम । वह ग्राम जिसके पास शहर हो नदी तथा पर्वत भी वहाँ हो । मंडी लगने वाला ग्राम । चार सौ गाँव के बीच की जगह ।

खर्वशाखः, (वि.) छोटा । ठिंगना । छोटी डाल के वृक्ष ।

खल्, चलना । हिलना ।

खल, धान कूटने का स्थान । खोखरी । कोठी । पृथ्वी । तिल का चूर्ण । नीच । अधम । निर्दय । बेरहम ।

" सर्पः क्रूरः खलः क्रूरः सर्पात् क्रूरतरः खलः ।
मन्त्रौषधिवशः सर्पः खलः केन निवार्यते ॥ "

खर्बा, (स्त्री.) घोड़े अंगों की स्त्री । बनी । नाटी स्त्रीविशेष ।

खर्जुरा, (स्त्री.) तारी वृक्ष ।

खर्जूरम्, (न.) खजूर । प्रसिद्ध खजूर ।

खलपूः, (त्रि.) जगह का साफ करने वाला । करोस । झाड़ू देने वाला ।

खलः, (पुं.) सूर्य । तमाल का पेड़ । धतूरा । भूमी । स्थान । पीसी हुई तीसी सुरती ।

खलता, (स्त्री.) दुष्टता । आकाशबेल ।

खलतिः, (पुं.) गंजा । गंजा ।

खलु, (अव्य.) निश्चय । पूछना । वचन के शोभा करने वाला । विशेष इच्छा । निषेध करना । शब्द को पूरा करने वाला । कारण ।

खर्मम्, (न.) पुरुषार्थ । रेशमी वस्त्र ।

खलमूर्तिः, (पुं.) पारा । दुष्टमूरत ।

खलकपोत, (पुं.) धान खोंटने की जगह । यथा कबूतर एक ही बार आ कर एकट्ठे गिरते हैं तथा विशेषणों का एक स्थल में अन्वय होना इसी तरह एक न्यायभेद ।

खल्या, (स्त्री.) खलों का जो समुदाय । धान खोंटने का समुदाय । स्थान ।

खल्ल, (पुं.) एक तरह का कपड़ा । काम । गढ़ा । चातक पक्षी । पपीहा । मशक । दवाई । मलने का पात्र । खल । खोरा ।

खवाष्प, (न.) रात्रि को बहने वाला आकाश से । ओस । बरफ ।

खशः, (पुं.) हिमालय के पास का देश । देश विशेषभेद । पतित । क्षत्रियभेद ।

खसखस, (पु.) पोस्ते का बीज वृक्षभेद । जिसका दूध अफीम है ।

खजिक, (पु.) लावा । खील । जो तनिक वायु लगने से उड़ने लगते हैं ।

खटि, (पुं.स्त्री.) रथी । मुर्दा ले जाने की वस्तु ।

खांडव, (पु.) इन्द्रप्रस्थ । देहली शहर । नगर के पास का वन ।

खलाधारा, (स्त्री.) तेल पीने वाली । तिलचट्टा भाषा है ।

खलिः, (पुं.) तेल का कीट । खली जो गौवों को खिलाई जाती है ।

खलिनः, (पुं.न.) कविकाम । घोड़े बांधने देन ।

खात, (न.) गढ़ा । तलैया आदि । " पूर्व खातादि कर्म न इति स्मृतिः " ।

खातक, (पुं.) खनिता । खोदै । ऋणी । कर्जदार ।

खादृ, (कि.) खाना ।

खादक, (पुं.) कर्जदार । खाने वाला । (त्रि.) खादिका स्त्री ।

खादिर, (त्रि.) खैर । खैर की लकड़ी का बना हुआ यज्ञस्तम्भादि ।

खारी, (स्त्री.) अनाज के नाप का प्रमाण । तौल अर्थात् १२ मन ३२ सेर जो होता है ।

खारीक, (त्रि.) खारी । १६ द्रोण परिमाण । धान के बोने का खेत ।

खात्कार, (पु.) गदहे का बोलना । जो दूर से शब्द के समान मालूम हो ।

खिद्, (कि.) भयभीत होना ।

खिद्, (कि.) दीन होना ।

खिन्न, (त्रि.) दुःख में पड़ा हुआ । आलसी । खेदयुक्त ।

खिल, (कि.) कलियों को उगना । दाना २ लेना ।

खिल, (त्रि.) हल नहीं चला हुआ खेत आदि । थोड़े में तत्त्व । प्रथम न कहे गये का परिशिष्ट द्वारा वर्णन ।

खु, (कि.) शब्द । आवाज करना ।

खुज, (कि.) चोराना ।

खुड्, (कि.) फाड़ना । टुकड़े २ करना ।

खुर, (पु.) पशु के खुर । नख । नखला (भाषा में) गन्धद्रव्य । नहनी । नाई का शस्त्र नख काटने वाला । छुरा धार बनाने का । पलँग का पाया इत्यादि ।

खुरणस, (त्रि.) जिसकी नाक खुर के समान हो । चिपटी नाक वाला या चौड़ी नाक वाला ।

खुरालिक, (पु.) जो छुरों की धारों से चमकता है । नाऊ के शस्त्र रखने का स्थान । समोद । गुच्छी । नाराचास्त्र । बाण । तकिया ।

खुर्द, (क्रि.) खेलना ।

खेचर, (पु.) जो आकाश में विचरे । शिव जी । सूर्य्यादि ग्रह । विद्याधर । मुद्राभेद (स्त्री.) खेचरी मुद्रा योगशास्त्र में ।

खलिनी, (स्त्री.) तालमूली । दुष्टों का समूह । धानों के खल ।

खलिवर्द्धनः, (पु.) दांत के रोगविशेष । मार्जनादिभिर्दन्ता जायन्ते दन्तवेष्टनः । खलिवर्धनसंज्ञोऽसौ जाते रुक्‌ च प्रशाम्यति ॥

खलिशः, (पु.) खलिशाख्य इति गौड़भाषा प्रसिद्ध मत्स्य । कवयी के भाव को भी कहते हैं ।

खलीकारः, (पु.) अपकारी । द्रोह करना ।

खलुः, (पु.) निन्दा करने वाला ।

खलीनः, (पु. न.) घोड़े के मुख में जो दिया जावे । लगाम ।

खलु, (अ.) वाक्य के सजाने में । पूछना । शान्ति में । कहने की इच्छा में । मान में । वर्जन में । पदों की पूर्ति में । वाक्यदृढ़त्व में । विनती करने में । निश्चय में ।

खलुक, (पु.) अन्धकार ।

खलूरेवः, (पु) हरिणों के जातिभेद ।

खलूरिका, (स्त्री.) शस्त्राभ्यास करने की जगह ।

खलेवाली, (स्त्री.) बैलों के बांधने का गाड़ा हुआ काठ अर्थात् खूंटा बैलों का ।

खलेशः, खलेशयः, (पु) दुष्ट आशय ।

खल्या, (स्त्री.) दुष्ट स्त्री । खलों का समुदाय ।

खल्लः, (पु.) कपड़ों का भेद । गढ़हा । छिद्र । चमड़ा । पपीहा । दवा घोंटने का पात्र । खल । मसक " भिश्ती के चमपाली " ।

खड्गी, (स्त्री.) ...

प्रायः हैजे की बीमारी में होती है उसकी दवा कुट सैंधानमक युक्त तिल का तेल पका कर मालिश करना रहता हुआ अधिक गर्म नहीं मलना ।

खल्वाटः, (पु.) इन्द्रलुप्तरोग । बाल झड़ा हुआ सिर ।

खल्विका, (स्त्री.) पिसान वगैरह भूंजने का बरतन । कड़ाही । तवला ।

खवल्लरी, (स्त्री.) आकाशबेल ।

खवल्ली, (स्त्री.) अमरबेल जो पेड़ों पर ही रहती है । इसका गुण वैद्यनिघण्टु में ऐसा लिखा है—

खवल्ली ग्राहिणी तिक्ता पिच्छिलाक्षपामपाचनी ।
तुवराग्निकरी हृद्या पित्तश्लेष्मामनाशिनी ॥

खवारि, (न.) आकाश का जल ।

खशा, (स्त्री.) तालपर्णी । मुरा नाम सुगन्धि पदार्थ । कश्यप ऋषि की स्त्री । दक्ष प्रजापति की कन्या । यक्ष राक्षस की माता ।

खश्वासः, (पुं.) वायु । हवा ।

खष्पः, (पु.) क्रोध । बल से करना ।

खसकन्दः, (पु.) क्षीरकन्दुकी का वृक्ष ।

खसमः, (पुं.) बौद्धमतावलम्बी । बुद्ध ।

खसम्भवा, (स्त्री.) वृक्ष जातिविशेष ।

खसा, (स्त्री.) राक्षसों की माता ।

खसात्मजः, (पुं.) राक्षसों का पुत्र ।

खसूमः, (पु.) विश्वश्रवा का बेटा ।

खस्वरः, (पुं.) पोरों का दास ।

खस्वसरस्तः, (पु.) अधीन ।

खसमर्णा, (स्त्री.) अधीन ।

खरस्फाटिक, (पु.) चन्द्रकान्तमणि । सूर्यकान्तमणि ।

खाखसः, (पुं) समाधि का दाता अर्थात् वैद्यविद्ययः । उक्तं च—

...
...
...
...

[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (पुं) [illegible]
[illegible], (स्त्री.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (स्त्री.) } [illegible]
[illegible], (स्त्री.) }
[illegible], (न.) [illegible] । यथा—
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (स्त्री.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible] । [illegible] का समूह ।
[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] के नाम
जो [illegible] जल का ही [illegible] करते हैं ।
खेटक, (पु.) ढाल । फलक । दुर्गा के ध्यान में है—खेटक पूर्णचाप ।
खेद, (पुं.) दुःख । शोक । दरद की घबराहट ।
खेय, (न.) खाँई । परिखा । खोदने लायक ।
खेल, (क्रि.) हिलाना । जाना ।
खेलन, (न.) क्रीड़ा । खेल । खेलना ।
खेला, (स्त्री.) क्रीड़ा । खेल खेलना ।
खेव, (क्रि.) सेवा करना ।
खेसर, (पु.) ढांग चलने से मानो आकाश में चलती है । अश्वतर । खच्चड़ । खस्तर ।
एक तरह का पशु ।
खोट्, (क्रि.) चाल की रुकावट ।
खोटि, (स्त्री.) चतुर स्त्री । बुद्धिमती । और लचरी स्त्री ।
खोड़, ([illegible]) [illegible] लूला । लज ।

[illegible], (क्रि.) [illegible] । [illegible]
[illegible] ।
[illegible], (त्रि.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (क्रि.) [illegible]
[illegible], (स्त्री.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (त्रि.) [illegible]
[illegible]
[illegible], (न.) [illegible]
[illegible], (पुं.) [illegible]
[illegible], (न.) [illegible]
[illegible] के हाथ ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] के नीचे जल बहने की जगह । [illegible] ।
[illegible], (त्रि.) [illegible] । [illegible] । जैसा—
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
खादित:, (त्रि.) खीच लाना । निगलना ।
[illegible] गया ।
खादिरः, (पु.) यज्ञ का खंभा । खैर का विकार ।
खादिरसारः, (पु.) खैर या खैरसार ।
खादुकः, (त्रि.) औरखान की इच्छा या श्रद्धा ।
खाद्यः, (त्रि.) खाने लायक चीज ।
खानः, (पु.) हिंदुधर्म लोप करने वाले म्लेच्छजातिविशेष ।
खानिः, (स्त्री.) खान । धातु और जवाहिरात निकलने की खान जगह को कहते हैं ।
खानिकम्, (न.) भीत में भेदने योग्य अर्थात् आला । ताख । ताखा ।
खानोदकः, (पुं.) नारियल । श्रीफल ।
खापगा, (स्त्री.) गंगा नदी ।
खारः, (पुं.) खारी परिमाण ।

दयः, (वि.) सारी परिमाण क्षम की जो रसोई करने वाला । रसोईदार । कहारी ।
रीपाप:, (वि.) थोरा । थैला ।
र्गोरः, (पुं.) गदहे के जाती शब्द ।
र्जूरः, (पु) सत्ताईस योग ज्योतिषशास्त्र में है । यथा—
यौगे विरुद्धे लभिजिद्समेरे
खार्जूरमहार्द् विषमे शशी चेत् ।
लार्जूरेयम्, (न.) खर्जूर का बनता है इसे रसाला का भद माना है । यथा—
मधुरदधिनि मध्ये शर्करां सम्दिोह्य
शुचि विहलितशस्तं प्रक्षिपेत् खार्जूरेयम् ।
करविगुलितमंयैर्वासित नाभिगन्धे—
र्जितमिदु अद्वाति स्यादमवत्येन नूनम् ॥
रसाल खार्जूरमदेद विदाभि कविराजम् ।
इद च कदद यस्य विताम्य मूर्वेदतम् ॥
खिखिः, (स्त्री.) लोमड़ी । स्यार की छोटी जाति होती है लोमड़ी कही जाती है ।
खिङ्खिरः, (पु) लोमड़ी । सट्वाङ शिव जी का शस्त्र एक प्रकार का है । हीवेर अर्थात् हाउवेर भा० ।
खिदिरः, (पु.) चन्द्रमा । कुमुदबन्धु ।
खिद्यमानः, (वि.) खेदसहित । दीनता-मलिन । उपताससहित ।
खिन्नः, (पु.) रोगी । दरिद्री । चमाई से युक्त ।
खिन्नः, (स्त्री.) आलसी । खेदयुक्त । दीना-वस्था वाला जो है ।
खिरहिट्टी, (वि.) धन का वृक्ष । खिरिनी । अपामार्ग ।
खिलम्, (वि.) हर से जोती हुई जमीन । मरुस्थल । शून्य । खाली । कम । पहिले न कहा गया हो बाकी जो कहा जाय । भीतुक । शिवसकशादिक ।
खिलीकृतः, (वि.) कठिन कृति ।
खुङ्गाहः, (पुं) काले रंग का घोड़ा ।
खुदाकः, (पु.) देवदारु का पेड़ ।
खुरली, (स्त्री.) तीर चलाना सिखना । अभ्यास करना ।
खुराका, (पुं.) पशु को कहते हैं ।
खुरालकः, (पुं.) लोहे का बाण ।
खुरालिकः, (पु.) नाई का संदूक । बाण ।
खुरासानः, (पु.) देशविशेष । खुरासान देश है । यथा—
हिस्तीठ समारभ्य मक्केशान्त महेश्वरि ।
खुरासानाभिधो देशो म्लेच्छमार्गपरायणः ॥
खुलम्, (न.) नल नाम का सुगन्धद्रव्य । जीव में । अल्प ।
खुल्लकः, (पु.) नीच । स्वल्प । थोड़ा ।
खुल्लमः, (पुं.) मार्ग । रास्ता ।
खेखीरकः, (पु.) शब्द सहित लाठी या बंसी ।
खेगमनः, (पु.) काककूट नाम का पक्षी ।
खेचर, (पुं.) आकाश में विचरने वाला । शिव । सूर्यादि ग्रह । विद्याधर । पक्षी विशेष ।
खेट्, (क्रि.) खाना । भोजन करना ।
खेट, (पु.) जो आकाश में घूमे । सूर्यादि ग्रह । कफ । अस्त्रभेद । मृगया । (पु.) नीच ।
खेटकः, (पु.) ढाल । फलक ।
खेल्, (क्रि.) चलना । हिलना ।
खेलन, (न.) खेल । क्रीड़ा ।
खेला, (स्त्री.) खेल । क्रीड़ा ।
खेव्, (क्रि.) सेवा करना ।
खेसट, (पु.) लम्पट । व्यभिचार ।
खोड्, (क्रि.) चाल का रुकना ।
खोटि-टी, (स्त्री.) चतुरा स्त्री ।
खोड्, (क्रि.) चाल का रुकना ।
खोड, (वि.) लङ्ग । टूटा । पङ्गु ।
खोर-ल, (वि.) लङ्ग । टूटा । लूला ।
ख्यात, (वि.) प्रसिद्ध । कहा गया । वर्णित ।
ख्या, (क्रि.) कहना ।
ख्याति, (स्त्री.) प्रज्ञा । कीर्ति । स्तुति ।

ख्यापक, (त्रि.) प्रकाश करने वाला। प्रसिद्ध करने वाला।

ग

ग, (त्रि.) तीसरा व्यञ्जन। कवर्ग का तीसरा अक्षर। यह केवल समास में पीछे आता है। जो, जाता है। जाने वाला। हिलना। होना। ठहरना। रहना। गन्धर्व। गणपति का नाम। छन्दशास्त्र में गुरु अक्षर के लिये चिह्न। (पु.) गीत।

गगन, (न.) आकाश। शून्य। स्वर्ग।

गगनध्वज, (पु.) मेघ। सूर्य।

गगनेचर, (पु.) सूर्यादि ग्रह। नक्षत्र। तारा। पक्षी। देवता। राशिचक्र।

गग्घ, (क्रि.) हँसना। चिढ़ाना।

गङ्गा, (स्त्री.) जाह्नवी। त्रिपथगा। भागीरथी। दुर्गा। देवी।

गङ्गाज, (पु.) गङ्गा का पुत्र। भीष्म। कार्तिकेय।

गङ्गाधर, (पु.) शिव। समुद्र।

गङ्गापुत्र, (पु.) भीष्म। कार्तिकेय। दोगला। वर्णसङ्कर। पाटिया।

गङ्गासागर, (पु.) वह पवित्र तीर्थस्थान जहाँ पर गङ्गा सागर में मिलती है।

गङ्गोल, (पु.) रत्नविशेष। गोमेद।

गच्छ, (पु.) वृक्ष। पेड़। गणित में अङ्क-भेद।

गज, (क्रि.) मद से शब्द करना। मस्त होना। दहड़ना। गरजना।

गज, (पु.) हाथी। गिनतीविशेष। आठ। मनुष्य के ३० अङ्गुल तक का परिमाण। एक दैत्य जो महादेव द्वारा मारा गया था।

गजकूर्माशिन्, (पु.) गरुड़ का नाम।

गजगामिनी, (स्त्री.) गज के समान भूम कर चलने वाली स्त्री।

गजच्छाया, (स्त्री.) श्राद्ध करने का समय विशेष। सूर्यग्रहण का समय। सूर्य के आश्लेष में हस्त नक्षत्र लग जाने के बाद का समय।

सैंहिकेयो यदा भानुं ग्रसते पर्वसन्धिषु।
गजच्छाया तु सा प्रोक्ता श्राद्धं तत्र प्रकल्पयेत्॥

गजता, (स्त्री.) हाथियों का समूह। हाथीपन। मस्ती।

गजदन्त, (पु.) हाथीदाँत। गणेश जी का नाम।

गजपुट, (पुं.) हाथ भर का गढ़ा।

गजप्रिया, (स्त्री.) शल्लकी नामक वृक्ष।

गजबन्धिनी, (स्त्री.) हाथी बाँधने का घर।

गजाजीव, (पु.) महावत। हाथी पालने वाला। हस्तिपालक।

गजारि, (पु.) सिंह।

गजानन, (पुं.) गणेश जी का नाम।

गजाह्वय, हस्तिनापुर का नाम।

गञ्ज, (पुं.) भाण्डागार। कान। गोशाला। नीचों का घर। मदिरागार। कलारी। (स्त्री.) दूकान। हाट। मण्डी। बाजार।

गड्, (क्रि.) सींचना। बाहिर निकालना। रस निकालना।

गड, (पु.) मत्स्यविशेष। विघ्न। घट-काव। खाँई। व्यवधान। अन्तर। बीच में पड़ गया। देशभेद।

गडि, (पु.) बच्छा। कामचोर। बैल।

गडु, (पु.) ग्रामवर्द्धक रोग। गलगण्ड। कुबड़ा। बर्छी।

गडुरि-लि-का, (स्त्री.) भेड़ों की पंक्ति।

गण्, (क्रि.) गिनना।

गण, (पु.) शिव जी का अनुचर। संख्या। गिनती। सैन्यसंख्याविशेष जिसमें १३२ पैदल, ८१ घोड़े, २७ रथ और २७ हाथी होते हैं। धातुओं का समूह। तारा। छन्दोग्रन्थ का शब्दविशेष। गणेश जी का नाम।

गणक, (पुं.) दैवज्ञ। ज्योतिषी। गिनने वाला।

गणदेवता, (स्त्री.) देवसमूह । यथा—१२ आदित्य, १० विश्वेदेवा, ८ वसु, ४९ वायु, १२ साध्य, ११ रुद्र, ३६ तुषित, ६४ आभास्वर, २२० महाराजिक ।
आदित्यविश्ववसवस्तुषिता भास्वरानिलाः ।
महाराजिकसाध्याश्च रुद्राश्च गणदेवताः ॥

गणनाथ, (पु.) गणेश । शिव । गण का मालिक । सेनापति ।

गणरूप, (पु.) अर्क का पेड़ । मदार । अकउवा ।

गणान्न, (न.) बहुतों के लिये दिया हुआ अन्न ।

गणिका, (स्त्री.) वह स्त्री जिसके बहुतसे पति हों । वेश्या । रण्डी । हथिनी ।

गणित, (न.) अङ्कशास्त्र ।

गणेरु, (स्त्री.) कनेर का वृक्ष । हथिनी । वेश्या ।

गणेश, (पु.) गणों का स्वामी । गजानन नाम का देवता ।

गण्ड, (पु.) हाथी का गाल । गेंडा । चिह्न । वीर । फोड़े का भेद । बुलबुला । कपोल । फोड़ा । पिटारा । योगविशेष ।

गण्डक, (पु.) पशुविशेष । गेंडा । चार की गिनती (गण्डा) । रुकावट । [illegible] विभाग ।

गण्डकी, (स्त्री.) एक नदी जिसमें शालग्राम की शिलाएँ मिलती हैं ।

गण्डस्थल, (न.) कनपटी । [illegible] ।

गण्डमाला, (स्त्री.) फोड़ों की पंक्ति । रोग विशेष ।

गण्डशैल, (पु.) पर्वत से गिरे हुए बड़े पत्थर । ललाट । [illegible] ।

गण्डु, (पु. स्त्री.) [illegible] । उपधान । तकिया ।

गण्डूपद, (पु.) केंचुआ ।

गण्डूष, (पु.) मुँह भर पानी । हाथी की सूँड़ की नोक । हाथ की अंजुली ।

गत, (वि.) [illegible] । [illegible] [illegible] । [illegible] ।

गतागत, (न.) जाना और आना । पक्षी की चाल विशेष ।

गतार्तवा, (स्त्री.) बाँझ स्त्री । गर्भ धारण न करने वाली स्त्री । जिसका रजोधर्म बन्द हो गया हो ।

गति, (स्त्री.) जाना । पथ । ज्ञान । पहुँचना । दशा । यात्रा । उपाय । [illegible] ।

गद, (पु.) रोग । श्रीकृष्ण के छोटे भाई का नाम । विष । बड़बड़ ।

गदा, (स्त्री.) लोहे का अस्त्र । [illegible] ।

गदाग्रज, (पु.) गद का बड़ा भाई । श्रीकृष्ण ।

गदाधर, (पु.) श्रीकृष्ण ।

गदापाणि, (पु.) हरि ।

गद्गद, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

गद्य, (वि.) वह रचना जिसमें छन्द न हो ।

गन्त्री, (स्त्री.) बैलों की गाड़ी । [illegible] ।

गन्तु, (वि.) [illegible] ।

गन्ध, (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

गन्धचूर्ण, (पु.) [illegible] ।

गन्धद्रव्य, (न.) [illegible] ।

गन्धवहा, (स्त्री.) [illegible] ।

गन्धतैल, (न.) [illegible] ।

गन्धपाषाण, (पु.) [illegible] ।

गन्धपलाशी, (स्त्री.) [illegible] ।

गन्धफल, (न.) [illegible] ।

गन्धमादन, (पु.) [illegible] ।

गन्धमार्जार, (पु.) [illegible] ।

गन्धमांसी, (स्त्री.)

गन्धमृग, (पु.) [illegible] ।

गन्धमुखा, (स्त्री.) छछूंदर।

गन्धमृग, (पुं.) कस्तूरी मृग।

गन्धराज, (न.) चन्दन। गुग्गुल। वृक्ष विशेष।

गन्धर्व, (पुं.) मृगभेद। घोड़ा। स्वर्ग के गायक।

गन्धर्वलोक, (पुं.) गुह्यकलोक के ऊपर और विद्याधरों के लोक के नीचे का लोक।

गन्धर्ववेद, (पुं.) सामवेद का उपवेद। संगीतविद्या।

गन्धवती, (स्त्री.) व्यासदेव की माता। पृथिवी। वायु और वरुण की नगरी। मद्य।

गन्धवल्कलम्, (न.) दालचीनी। गन्धसार [illegible] पत्ती।

गन्धवह, (पुं.) वायु। नासिका।

गन्धवाह, (पुं.) हवा। नासिका।

गन्धबीजा, (स्त्री.) मेथी का साग।

गन्धशालि, (पुं.) धान जिसमें बड़ी सुगन्ध होती है।

गन्धसार, (पुं.) चन्दन का वृक्ष।

गन्धसोम, (न.) कुमुद का फूल।

गन्धा[illegible], (स्त्री.) [illegible] की [illegible]।

गन्ध[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible]

गन्ध[illegible], (पुं.) [illegible] वृक्ष। [illegible] वृक्ष।

[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]। [illegible]।

[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible]।

[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible]।

[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible]।

[illegible], (त्रि.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]

[illegible], (पुं.) [illegible]

गमक, (त्रि.) बोधक। समझाने [illegible] प्रमाण। बताने वाला।

गम्भीर, (त्रि.) नीचे का स्थान। गहरा। गम्भीर। कमल। [illegible] मंत्रविशेष।

गम्भीरवेदिन्, (पुं.) चिरकाल से [illegible] हाथी।

गय, (पुं.) एक दैत्य का नाम। एक [illegible] राजा विशेष।

गया, (स्त्री.) तीर्थविशेष जो मगध देश में [illegible]

गर्, (क्रि.) निगलना। बोलना। पुकारना। बुलाना (पुं.) विष। रोग। रोगों का [illegible]

गरल, (न.) विष। तिनकों का पूल।

गरिमन्, (पुं.) गौरव। बड़ाई।

गरिष्ठ, (त्रि.) बहुत बड़ा।

गरुड़, (पुं.) विनता के गर्भ से उत्पन्न। कश्यप के पुत्र। विष्णुवाहन। सांपों का बैरी पक्षिराज

गरुडध्वज, (पुं.) विष्णु।

गरुडपुराण, (न.) अठारह पुराणों में एक।

गरुत्, (पुं.) पर। पंख।

गरुत्मत्, (पुं.) पर वाला। पक्षी। [illegible]

गर्ग, (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible] [illegible] के [illegible] पुरोहित।

गर्गरि, (स्त्री.) [illegible]। [illegible]। [illegible] [illegible]। (पुं.) [illegible]। [illegible]।

गर्ज्, (क्रि.) [illegible] शब्द करना।

गर्जन, (न.) [illegible]।

गर्जित, (न.) मेघ का शब्द। [illegible] [illegible]।

गर्त, (पुं.) [illegible]। [illegible] [illegible] देश।

गर्द्, (क्रि.) शब्द करना।

गर्दभ, (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। गर्दभी (स्त्री.) [illegible]।

गर्दभ[illegible], (पुं.) [illegible] [illegible]।

गर्द्, (क्रि.) शब्द करने की इच्छा करना।
गर्द्ध, (पु.) बड़ी चाह। अतिशय स्पृहा। वृक्षविशेष।
गर्द्धन, (वि.) लोभी।
गर्भ्, (क्रि.) जाना। गति।
गर्भ, (पु.) मांसपिण्ड। कुक्षि। बच्चा। नाटक में सन्धि का भेद। अन्न। भाग। अग्नि। गङ्गा आदि नदियों के पास का स्थान।
गर्भाङ्क, (पु.) अङ्कों के बीच की माला।
गर्भगृह, (न.) घर के बीच का कोठा। गर्भाशय।
गर्भद, (पु.) वृक्षविशेष।
गर्भवती, (स्त्री.) गर्भ वाली स्त्री।
गर्भस्राव, (पु.) प्रसूतिकाल उपस्थित होने के पहले ही किसी कारण से गर्भस्थ बालक का बाहर गिरना।
गर्भाधान, (न.) गर्भ का ठहराना। सोलह संस्कारों में से एक संस्कारविशेष।
गर्भाशय, (न.) गर्भ की झिल्ली।
गर्भिणी, (स्त्री.) गर्भवती स्त्री।
गर्व्, (क्रि.) अभिमान करना।
गर्व, (पु.) घमण्ड। अभिमान। अहङ्कार।
गर्वाट, (पु.) चौकीदार। दरवान। द्वारपाल।
गर्ह्, (क्रि.) निन्दा करना।
गर्ह्य, (वि.) निन्दा के योग्य। नीच। अयोग्य।
गर्हावादिन्, (पु.) निन्दा वाक्य बोलने वाला।
गल्, (क्रि.) खाना।
गल, (पु.) कण्ठ। [illegible]। बाजा। [illegible]। धूना।
गलकम्बल, (पु.) गौ के गले के नीचे लटकता हुआ चमड़ा।
गलगण्ड, (पु.) रोगविशेष।
गलग्रह, (पु.) मच्छ [illegible] का रोग। कृष्णपक्ष की चौथी, छठी, नवमी, दसमी, तेरसी आदि दिन गलग्रह कहे जाते हैं। ऐसा दिवस जिसमें अध्ययन आरम्भ हो किन्तु अगले दिन ही अनध्याय हो जाय। अपने आप बिगाड़ी विपत्ति। मछली की चटनी।
गलस्तनी, (स्त्री.) बकरी। जिसके गले में थन हों।
गलहस्त, (पु.) अर्द्धचन्द्र। गलहत्था। गरदनिया।
गलित, (वि.) पिघला हुआ। पतित।
गल्या, (स्त्री.) गलों का समूह।
गल्ल, (पु.) गाल। गण्ड। कपोल।
गल्लक, (पु.) पानपात्र। शराब का प्याला।
गवय, (पु.) जानवरविशेष।
गवल, (पु.) जंगली बैल।
गवाक्ष, (पु.) झरोखा। खिड़की।
गवेष्, (क्रि.) खोजना। ढूँढ़ना।
गवेषणा, (स्त्री.) अन्वेषण। खोज।
गव्य, (न.) गौ सम्बन्धी। दूध। दही। मक्खन। गोबर। गोमूत्र। ढेला।
गव्यूति, (स्त्री.) कोसयुग। दो कोस। जिस स्थान पर गौएँ चिरें।
गाह्, (क्रि.) गाढ़ा होना। कठिनता से प्रवेश करना।
गाढ, (अ.) अत्यन्त। गहरा। दृढ़। दुर्भेद।
गह्वर, (पु.) निकुञ्ज। गुफा। वन। दम्भ। पत्थर। कठिन स्थान।
गा, (क्रि.) जपना। स्तुति करना।
गाङ्गेय, (पु.) भीष्म। गङ्गापुत्र। [illegible]। [illegible]।
गाड, (पु.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
गाणिक्य, (न.) वेश्या। रण्डी।
गारिड, (पु.) [illegible]।
गारिड़क, (पु.) [illegible]

गाध्र्‌, (क्रि.) शिथिल पड़ना । ढीला पड़ना ।

गात्र, (न.) देह । शरीर । हाथी के आगे की जगह ।

गाथा, (स्त्री.) प्राकृत । देशी भाषा में रचा हुआ श्लोक अथवा गीत ।

गाध्‌, (क्रि.) ठहरना । ढूंढना । पाने की इच्छा करना ।

गाध, (पुं.) स्थान । लिप्सा । कुछ कुछ गहरा ।

गाधि, (पु.) कन्नौज का चन्द्रवंशी एक राजा । विश्वामित्र के पिता का नाम ।

गाधिज, (पुं.) विश्वामित्र ।

गाधेय, (पु.) विश्वामित्र ।

गान, (न.) गीत । ध्वनि । सुर ।

गान्दिनी, (स्त्री.) गङ्गा । यादववंश में अक्रूर की जननी ।

गान्धर्व, (पु.) गन्धर्वसम्बन्धी ।–विवाह, विवाह जो वर कन्या की इच्छानुसार हुआ हो । –वेद, सामवेद का एक उपवेद । सङ्गीतशास्त्र ।

गान्धार, (पु.) रागविशेष । कन्धार देश में उत्पन्न । (न.) गन्धक ।

गान्धारराज, (पुं.) दुर्योधन का नाना सुबल, उसका पुत्र शकुनि, दुर्योधन का मामा ।

गान्धारी, (स्त्री.) दुर्योधन की माता । धृतराष्ट्र की स्त्री ।

गान्धिक, (पु.) गन्धी । इत्र, तेल बेचने वाला ।

गायत्री, (स्त्री.) जो गाने हुए को बचावे । वेद का मन्त्रविशेष । छः वा आठ अक्षरों के पाद का छन्द ।

गायन, (त्रि.) गानोपजीवी । गान द्वारा पेट पालने वाला ।

गारुड़, (न.) मरकतमणि । विष का मन्त्र । स्वर्ण ।

गारुडिक, (पुं) विषवैद्य ।

गारुत्मतम्‌, (न.) जिसका देवता गरुड़ हो । मरकतमणि ।

गार्हपत्य, (पु.) एक प्रकार के यज्ञ का अग्नि ।

गार्हस्थ्य, (पु.) गृहस्थों का अनुष्ठेय कर्म । गृहस्थों का धर्म ।

गालव, (पु) लोध का पेड़ । एक मुनि का नाम ।

गालि, (पु.) शाप । निन्दा । बुरा वचन ।

गाह्‌, (क्रि.) बिलोना । भली भाँति देखना ।

गिर्‌–रा, (स्त्री.) वाक्य । वचन । वाणी ।

गिरि, (पु.) पहाड़ । पर्वत । दसनामी गुसाईं सन्यासियों में से एक की उपाधि । (स्त्री.) बालमूषिका ।

गिरिज, (न.) बादल । लोहा । शिलाजीत । गौरी । पार्वती ।

गिरिदुर्ग, (न.) पहाड़ी गढ़ ।

गिरिभिद्‌, (पु.) इन्द्र ।

गिरिश, (पु.) पर्वत पर सोने वाला । शिव ।

गिरिसुत, (पु.) पर्वत का पुत्र । मैनाक नामक पहाड़ । (स्त्री.) पार्वती ।

गिरीश, (पु.) महादेव । शिव ।

गिलित, (पु.) खाया हुआ ।

गीत, (न.) गाना ।

गीता, (स्त्री.) गुरु और शिष्य की कल्पना से उपदेश के रूप में दी हुई शिक्षा ।

गीति, (स्त्री.) गाना । आर्या छन्द विशेष ।

गीर्णि, (स्त्री.) स्तुति । स्तुति । बड़ाई ।

गीर्वाण, (पु.) वाणी ही जिसका शर है । देव ।

गीष्पति, (पुं.) वाणियों का स्वामी । देवगुरु बृहस्पति ।

गु, (क्रि.) शब्द करना । मल का छोड़ना ।

गुग्गुल, (पु.) गन्धद्रव्य । यह धूनी देने के काम में लाया जाता है । लाख सर्जनता ।

गुच्छ, (पुं.) गुच्छा । स्तबक । बत्तीस लड़ियों का हार । मोर का पर । मोतियों का हार ।

गुत्स, (पुं.) ताल वृक्ष । जिसका प्रत्येक पत्ता गुच्छे जैसा होता है ।

गुच्छफल, (सं.) रीठा । करञ्ज । दमनी । अग्निदमनी । केला । दाख ।

गुञ्ज, (क्रि.) आवाज करना । गूंजना । गुञ्जना ।

गुञ्जा, (स्त्री.) लताविशेष । मानभेद । नगाड़ा । मीठी और धीमी आवाज । कलारी । रत्ती ।

गुटी, (स्त्री.) गोली । बटी । मूर्ति ।

गुड़, (क्रि.) लपेटना ।

गुड़, (क्रि.) लपेटना । तोड़ना । रोकना ।

गुड़, (पुं.) गोल । हाथी का कवच । गुड़ ।

गुडत्वच्, (न.) मीठी छाल वाला । दालचीनी ।

गुडपुष्प, (पुं.) मधूक । महुआ ।

गुडाकेश, (पुं.) नींद को वश में करने वाला । शिव । अर्जुन ।

गुड़ची, (स्त्री.) गिलोय । दर्भ ।

गुण, (पुं.) डोरा । अप्रधान । धनुष खींचने की रस्सी । तन्तु । दुहराना । दूर्वा घास ।

गुणक, (पुं.) वह राशि जिसके साथ गुणा जाता है ।

गुणवृक्षक, (पुं.) मस्तूल ।

गुण्डित, (पुं.) वेष्टित । चूर्ण ।

गुणिन्, (पुं.) धनुष ।

गुणीभूतव्यङ्ग्य, (न.) अलङ्कार में कहा हुआ मध्यम काव्य ।

गुण्डक, (पुं.) मिले हुए वाक्य आदि ।

गुद्, (क्रि.) खेलना ।

गुद, (न.) गुदा । मलद्वार ।

गुदकील, (पुं.) बवासीर रोग ।

गुध्, (क्रि.) रोकना । लपेटना ।

गुप्, (क्रि.) निन्दा करना । बचाना । घबराना ।

गुप्त, (त्रि.) रक्षित । छिपाया हुआ । वैश्य की संज्ञा ।

गुप्ति, (स्त्री.) किसी राजा का निज नगर । दूसरे का नगर । रक्षा । पहरा । बन्दीगृह । पृथिवी का गढ़ा । मैला डालने का स्थान । कूप ।

गुफ्, (क्रि.) गूंथ । गांठना ।

गुम्फ, (पुं) बाहु का भूषण । बाजू । जोशन । दाढ़ी ।

गुम्फित, (पुं.) गुथा हुआ ।

गुर्, (क्रि.) मारना । जाना । यत्न करना । कष्ट देना । हानि पहुंचाना ।

गुरु, (पुं.) जो अज्ञान को दूर कर, धर्मोपदेश करता है । पिता । वेद पढ़ाने वाला आचार्य । शास्त्र पढ़ाने वाला । सम्प्रदाय चलाने वाला । बृहस्पति । पुष्यतारा । दो मात्रा । दीर्घस्वर वाला वर्ण । बिन्दु और विसर्ग वाला ह्रस्वाक्षर । द्रोणाचार्य । वजनदार । भारी । पूजने योग्य । माननीय । बड़ा ।

गुरुतल्पग, (पुं) गुरु की सेज पर जाने वाला । सौतेली माता के पास जाने वाला ।

गुर्जर, (पुं.) गुजरात देश ।

गुर्विणी, (स्त्री.) गर्भवती स्त्री ।

गुर्वी, (स्त्री.) गर्भवती । बड़ी स्त्री । आदर योग्य स्त्री ।

गुल्फ, (पुं.) पांवों की गांठें । गट्टा । गिट्टा ।

गुल्म, (पुं.) प्रधान पुरुषों से युक्त सेना का दल जिसमें ९ हाथी, ९ रथ, २७ घोड़े, ४५ पैदल हों । रोगविशेष । भारी तिल्ली का रोग ।

गुल्ममूल, (न.) अदरक ।

गुल्मवल्ली, (स्त्री.) सोमलता ।

गुवाक, (पुं.) सुपारी । पूगीफल ।

गुह्, (क्रि.) संवरण करना । छिपाना ।

गुह, (पुं.) कार्तिकेय । घोड़ा । शृङ्गवेरपुर के निषादों का राजा और श्रीरामचन्द्र जी का मित्र । ब्रह्मा । विष्णु । सिंहपुच्छी बेल ।

गुहाशय, (पुं.) अज्ञान । सिंह । हृदय ।

गुह्य, (त्रि.) पाखण्ड । परमात्मा । एकान्त । भग । लिङ्ग । (न.) रहस्य । छिपाने के योग्य ।

गुह्यक, (पुं.) कुछ जिसका छिपा हुआ हो । देवयोनिविशेष । कुबेर के धन को बचाने वाले ।

गू, (क्रि.) मल त्यागना ।

गूढ़, (त्रि.) गुप्त । छिपा हुआ । ढका हुआ । [illegible] ।

गूढज, (पुं.) छिपा कर पैदा हुआ । बारह प्रकार के पुत्रों में से एक ।

गूढचार, (पुं.) [illegible] ।

गूढपुरुष, (पुं.) जासूस । भेदिया ।

गूढमैथुन, (पुं.) काक ।

गूढाङ्ग, (पुं.) कच्छप । कछुआ ।

गूथ, (पुं. न.) विष्ठा । मल ।

गृ, (क्रि.) [illegible] करना । [illegible] । [illegible] ।

गृ, (क्रि.) सींचना ।

गृध्, (क्रि.) [illegible] करना ।

गृ[illegible], (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

गृ[illegible], (त्रि.) [illegible] करना । [illegible] ।

गृध्नु, (त्रि.) लोभी ।

गृध्र, (पुं.) [illegible] ।

गृ[illegible], (पुं.) [illegible]

गृ[illegible], (स्त्री.) [illegible]

गृ[illegible], (क्रि.) [illegible]

गृह, (न.) [illegible]

[illegible]

गृहमणि, (पुं.) प्रदीप । दीपक । दीया ।

गृहमृग, (पुं.) कुत्ता ।

गृहमेधिन्, (पुं.) गृहस्थ ।

गृहमेधीय, (पुं.) गृहस्थों के धर्म ।

गृहयालु, (त्रि.) लेने वाला ।

गृहस्थ, (पुं.) घर में रहने वाला । गृही । द्वितीय आश्रम वाला ।

गृहागत, (पुं.) अतिथि । आगन्तुक । पाहुना ।

गृहावग्रहणी, (स्त्री.) देहली । देहरी । दहरी । डेवढ़ी ।

गृहिणी, (स्त्री.) घर वाली । पत्नी । घर-सम्बन्धी कार्य में चतुर स्त्री ।

गृहिन्, (पुं.) गृहस्थ ।

गृहीत, (त्रि.) स्वीकृत । ज्ञात । माना हुआ । पकड़ा गया ।

गृहेनर्दिन्, (पुं.) घर में गाजें मारने वाला और युद्ध में पीठ दिखाने वाला । भीरु । कायर ।

गृह्य, (पुं.) घर में पैदा हुआ । पशु । पक्षी । [illegible] । [illegible] के [illegible] को बताने वाला [illegible] । [illegible] । घर का ।

गॄ, (क्रि.) बताना । शब्द करना । निगलना ।

गेण्डुक, (पुं.) गेंद । [illegible] ।

गेय, (त्रि.) गवैया । गान । गीत ।

गेह, (न.) घर ।

गै, (क्रि.) गाना ।

गैरिक, (न.) गेरू । सोना ।

गो, (पुं.) बैल । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

गोकर्ण, (पुं.) [illegible]

गोकील, (पुं.) मूसल । हल ।
गोकुल, (न.) वह स्थान जहाँ गौओं का समुदाय हो । गोष्ठ । गौशाला । यमुना के समीप नन्द गोप का निवासस्थान ।
गोघ्न, (पुं.) जमाई । अतिथि ।
गोचर, (पुं.) गौओं के चरने की भूमि । चरागाह । इन्द्रियों के विषय । जन्मराशि से उस उस स्थान में सूर्यादि ग्रहों का जाना ।
गोजिह्वा, (स्त्री.) लताविशेष ।
गोणी, (स्त्री.) पुराना पात्र । आवपन पात्र । एक प्रकार का माप ।
गोतम, (पुं.) ब्रह्मा का पुत्र । मुनिविशेष ।
गोत्र, (पुं.) पृथिवी को बचाने वाला । पर्वत । वन । खेत । घर । वंश । नाम । रास्ता । छाता । जातिसमूह । मनुकथित ब्राह्मणादि चौबीस आदिपुरुष ।
गोत्रभिद्, (पुं.) पहाड़ों को फोड़ने वाला । इन्द्र ।
गोत्रा, (स्त्री.) पहाड़ों वाली । धरती । धरा । गौओं का ढेर ।
गोदन्त, (न.) हरिताल । गौ के दाँतों के समान अवयव वाला । गौ का दाँत ।
गोदारण, (न.) खादन । हल । कुदाल ।
गोदावरी, (स्त्री.) दक्षिण भारत की एक नदी जिसके तट पर बसे हुए मुख्य नगरों में से एक नासिक है ।
गोधा, (स्त्री.) भुजा को बचाने के लिये चमड़े का पट्टा जिसे धनुषधारी भुजा पर बाँधते हैं ।
गोधूम, (पुं.) अन्न । गेहूँ । एक [illegible] का धान्य ।
गोधूलि, (पुं.) [illegible] के चारे की बेला । सूर्यास्त का समय । साँझ ।
गोनर्दीय, (पुं.) गोनर्द देश के समीप उत्पन्न हुआ । [illegible] पतञ्जलि [illegible] ।

गोनस, (पुं.) जिसकी नाक गौ के समान है । एक प्रकार का साँप ।
गोपति, (पुं.) गौओं का पति । बैल । सांड़ । शिव । पृथिवीपति । श्रीकृष्ण । सूर्य । इन्द्र । ऋषभ नाम औषध ।
गोपा, (स्त्री.) श्यामा लता ।
गोपानसी, (स्त्री.) [illegible] । छप्पर छाने के लिये दीवार पर गड़ी हुई लकड़ी ।
गोपाल, (पुं.) गोप । अहीर । राजा । नन्द राजा का पुत्र ।
गोपुर, (न.) पुरद्वार । शहर का द्वार ।
गोप्य, (त्रि.) रक्षा के योग्य । छिपाने योग्य । (पुं) [illegible] ।
गोमती, (स्त्री.) नदीविशेष । वेद का मंत्र विशेष ।
गोमय, (पुं. न.) गोबर । गौ जैसा ।
गोमायु, (पुं.) शृगाल । गीदड़ । सियार । गन्धर्व ।
गोमिन्, (त्रि.) गौओं का स्वामी । [illegible] ।
गोमुख, (पुं.) बाजाविशेष । नक्र । टेढ़ा । शिलाघर । एक प्रकार का बाजा । लेपन । जपमाला की थैली । [illegible] ।
गोमूत्रिका, (स्त्री.) [illegible] । काव्य की रचनाविशेष । [illegible] ।
गोमेद, (पुं.) मणिविशेष । [illegible] । द्वीपभेद । [illegible] ।
गोमेध, (पुं.) यज्ञविशेष जिसमें पशु के स्थान पर गौ रखी जाती है ।
गोरोचना, (स्त्री.) [illegible] हुई हो । गौ के [illegible] के [illegible] रंग का पदार्थ ।
गोल, (पुं.) [illegible]

ग्रहण, (न.) स्वीकृति। प्राप्त लेना। लेना। आदर। बन्धन। चन्द्र व सूर्य का ग्रास। इन्द्रिय।

ग्रहणीहर, (न.) लौंग। ग्रहणी रोग को दूर करने वाली।

ग्रहपति, (पुं.) ग्रहों का स्वामी। सूर्य।

ग्रहाधार, (पुं.) ग्रहों का आधार। ध्रुव नामक नक्षत्र विशेष।

ग्राम, (पुं.) गाँव। समूह। स्वरभेद। राग का उठान। ब्राह्मणादि वर्णों का वासस्थान, वह स्थान जहाँ शिव हों और जहाँ विशेष कर शूद्र रहते हों।

ग्रामघृता, (स्त्री.) ग्राम की रक्षा के लिये ग्राम के बाहिर रहने वाली सेना।

ग्रामणी, (पुं.) नापित। नाई। पति। प्रधान। कोतवाल। वेश्या। नीलिका। (स्त्री)।

ग्रामधर्म, (पुं.) गाँव का धर्म। मैथुन।

ग्रामयाजक, (पुं.) ग्रामवासी अनेक वर्णों की यज्ञ कराने वाला नीचवृत्ति का ब्राह्मण।

ग्रामीण, (पुं.) गाँव का। कुत्ता। काक। ग्राम का सूअर। ग्रामीजन।

ग्राम्य, (वि.) ग्रामोत्पन्न। गाँव का। प्राकृत। गँवार। नीच। मूर्ख। स्त्री आदि सम्भोग। भांड आदि का अश्लीलयुक्त वचन।

ग्रावन, (पुं.) पत्थर। बादल। पहाड़।

ग्राव, (पुं.) पत्थर। पर्वत।

ग्राह, (पुं.) पकड़ना। लेना। आग्रह। मगर। नक्र। अभ्यर्थन।

ग्राहक, (पुं.) [illegible]

ग्राह्य, (वि.) लेने योग्य। [illegible]

ग्रीवा, (स्त्री.) गरदन।

ग्रीष्म, (पुं.) निदाघ। गरमी। [illegible]

ग्लपु, (वि.) [illegible]

ग्लैव, (न.) [illegible]

ग्रैवेय, (न.) कण्ठाभरण। हाथी का गहना।

ग्लपन, (वि.) ग्लाना।

ग्लह, (वि.) पकड़ना। [illegible]

ग्लह, (पुं.) जुए का दाँव। जुआ। पाँसा।

ग्लानि, (स्त्री.) दुर्बलता। थकावट। अवसाद। हानि। बीमारी।

ग्लास्नु, (वि.) ग्लानियुक्त। थका हुआ। कुम्हलाया हुआ।

ग्लुच, (वि.) चोरी करना।

ग्लुञ्च, (वि.) चोरी करना और जाना।

ग्लेपृ, (वि.) दैन्य। निर्धन होना। दुःखी होना। काँपना। चलना। हिलना।

ग्लेवृ, (वि.) सेवा करना। पूजा करना।

ग्लेषृ, (वि.) ढूँढ़ना। [illegible]

ग्लै, (वि.) [illegible] थक जाना।

ग्लौ, (पुं.) चन्द्रमा। कपूर। [illegible]

घ

घ, व्यंजन का चौथा अक्षर।

घ, (पुं.) [illegible]

घग्घ, (वि.) [illegible]

घट्ट, (वि.) [illegible]

घट, (वि.) [illegible]

घट (पुं.) [illegible]

घटक, (वि.) [illegible]

घटना, (स्त्री.) [illegible]

घटा, (स्त्री.) [illegible]

घटिका, (स्त्री.) साठ पल का समय। घड़ी। नितम्ब। घृतक। पानी का छोटा घड़ा या लोटकी। घड़ी।
घटी, (स्त्री.) एक छोटा बरतन। जलघड़ी।
घटीयंत्र, (न.) कूप में से जल निकालने का यन्त्र। गिर्री। उद्घाटन। खोलना।
घट्ट्, (क्रि.) हिलना।
घट्ट, (पुं.) घाट। महसूल उगाहने का स्थान।
घट्टित, (वि.) निर्मित। बना हुआ। रँगा गया। हिलाया गया। घोटा गया।
घण्, (क्रि.) दीप्ति। चमकना।
घण्ट्, (क्रि.) बोलना। चमकना।
घण्टा, (स्त्री.) घण्टी। घड़ियाल। अतिबला। नागबला।
घण्टापथ, (पुं.) नगर का मुख्य मार्ग।
घण्टिका, (स्त्री.) छोटी घण्टी। छोटी घण्टी के आकार की होने के कारण तालुवर्तिनी जीभ।
घन, (पुं.) मेघ। बादल। मोथा। प्रवाह। दृढ़। कठिन। फैलाव। शरीर। लोहे का मुद्गर। कफ। अभ्रक। समान आदि के तीन अङ्कों का आपस में गुणन। गाढ़ा। भरा हुआ। बाजा। मध्यम नाच। लोहा।
घनकफ, (पु.) ओले।
घननाभि, (पुं.) धुआँ।
घनपदवी, (स्त्री.) आकाश अर्थात् बादलों का पथ।
घनरस, (पु.) बादलों का रस अर्थात् जल। कपूर।
घनवल्ली, (स्त्री.) बिजली या बादलों की बेल।
घनसार, (पु.) कपूर। पारा। जल। एक प्रकार का वृक्ष
घनागम, (पुं.) वर्षाकाल।
घनाघन, (पुं.) इन्द्र। बरसने वाले बादल। मत्त हस्ती। एक दूसरे का परस्पर धकियाना। निरन्तर।
घनात्यय, (पुं.) वह समय जब बादल बिखर जाँय अर्थात् शरत्काल।
घनामय, (पुं.) खजूर का पेड़।
घनोपल, (पु.) ओला। शिल।
घम्ब्, (क्रि.) जाना। हिलना।
घरट्ट, (पुं.) जाँता। चक्की।
घर्घर, (पु.) नद। द्वार। एक प्रकार का स्वर।
घर्घरिका, (स्त्री.) छोटी घण्टी। एक बाजा। भुने हुए धान। एक नद।
घर्ष्, (क्रि.) जाना।
घर्म्म, (पु.) पसीना। धूप। गरमी।
घर्षणी, (स्त्री.) हल्दी।
घस्, (क्रि.) खाना।
घस्मर, (वि.) खाने वाला। खाऊ।
घस्र, (पु.) दिन। मारने वाला।
घाण्टिक, (पु.) घण्टा बजाने वाला। धतूरा।
घात, (पु.) प्रहार। चोट। मारना। गुणना। गुना करना। अङ्क को पूर्ण करना। तीर।
घातिन्, (वि.) मारने वाला। घातक।
घातुक, (वि.) क्रूर। मारने वाला। हिंसा करने वाला।
घार, (पुं.) सेचन। सींचना। छिड़कना।
घार्तिक, (पु.) घी का बना खाद्यविशेष।
घास, (पुं.) गौ आदि के खाने योग्य चारा।
घु, (क्रि.) शब्द करना।
घुट्, (क्रि.) लौटना। पीछे हटना।
घुट, (पुं.) चरणग्रन्थि। घुटना। एँड़ी।
घुण्, (क्रि.) घूमना। लेना।
घुण, (पुं.) घुन। लकड़ी खाने वाला कीड़ा।
घुर्, (क्रि.) शब्द करना। बड़ा शब्द करना। गुर्राना।

घुर्घुर, (पुं.) शूकर का शब्द।
घुर्, (क्रि.) डरौना करना। प्रकट करना।
घुसृण, (न.) केसर। कुङ्कुम।
घूक, (पु.) उल्लू। पेचक।
घूर्, (क्रि.) मारना। पुराना पड़ना।
घूर्ण्, (क्रि.) घूमना।
घृ, (क्रि.) सींचना।
घृण्, (क्रि.) चमकना।
घृणा, (स्त्री.) करुणा। दया। निन्दा। घिन।
घृणि, (पुं.) तरङ्ग। लहर। किरन। सूर्य।
घृत, (न.) चमक। घी। पानी।
घृतकुमारी, (स्त्री.) घीकुवार। घियोकन्द। औषधविशेष।
घृताची, (स्त्री.) अप्सराविशेष। रात। घी वाली। चमकने वाली।
घृष्, (क्रि.) रगड़ना।
घृष्टि, (पुं.) वराह। सुअर।
घोटक, (पुं) अश्व। घोड़ा।
घोटकारि, (पु.) भैंसा।
घोणा, (स्त्री.) घोड़े के नथुने। नाक।
घोणिन्, (पुं.) लम्बी नाक वाला। सुअर।
घोर, (पु.) शिव। ऋषिविशेष। विष। सख्त। भयानक। दुर्गम।
घोरवासन, (पुं.) भयानक शब्द वाला। सियार। गीदड़।
घोल, (पुं. न.) मट्ठा। लस्सी।
घोष, (पुं.) अहीरों या गोपों का गाँव। बादलों की गर्जन। कांसापीतल। व्याकरण में बाह्यप्रयत्न का एक भेद।
घोषणा, (स्त्री.) डौंडी। ढिंढोरा।
घ्रा, (क्रि.) गन्ध लेना। सूँघना।
घ्राणतर्पण, (पुं.) सुगन्धि।
घ्रातव्य, (त्रि.) सूँघने योग्य।

ङ

ङ, इस अक्षर से आरम्भ होने वाला कोई शब्द नहीं है।

ङ, (पु.) विषयेच्छा। भोगलिप्सा। शिव जी का नाम।
ङु, (क्रि.) शब्द करना।

च

च, (अव्य.) और। पादपूर्ति। (पुं.) चन्द्रमा। शिव का नाम। कछुआ। चोर। (त्रि.) बुरा। दुष्ट।
चक्, (क्रि.) चमकना। प्रसन्न होना। तृप्त होना।
चकास्, (क्रि.) चमकना।
चकित, (न.) भय। डर। डरा हुआ। हैरान हुआ। विस्मित। एक छन्द जिसके प्रत्येक पाद में सोलह अक्षर होते हैं।
चकोर, (पु.) एक पक्षी।
चक्क, (क्रि.) पीड़ित होना। कष्ट उठाना।
चक्र, (न.) चकवा पक्षी। पहिया। सैनिक दल। एक प्रकार का शस्त्र। चाक। जिससे कुम्हार बासन बनाता है। एक प्रकार का व्यूह। भँवर। काव्यरचना विशेष। कोल्हू। समूह। गाँव। पुस्तक का भाग। नदी का शब्द।
चक्रक, (पुं.) जिसकी पहिया घूमने जैसा शब्द निकलता हो। एक दोष। एक प्रकार का तर्क।
चक्रधर, (पुं.) विष्णु। सर्प। राजा।
चक्रधारा, (स्त्री.) पहिये का अग्रभाग।
चक्रपाणि, (पुं.) विष्णु।
चक्रपाद:, (पुं.) रथ। गाड़ी।
चक्रबन्धु, (पुं.) सूर्य।
चक्रमेदिनी, (स्त्री.) रात।
चक्रभ्रम, (पु.) पीसने की चक्की।
चक्रवर्तिन्, (पुं.) महाराजाधिराज। राजाओं का अधीश्वर। आसमुद्रान्त भूमण्डल का स्वामी। मुख्य।
चक्रवाक, (पुं.) स्वनाम प्रसिद्ध पक्षी।
चक्रवाड, (पुं.) लोकालोक।

चक्रवृद्धि, (स्त्री.) सूद दर सूद । ब्याज का ब्याज ।

चक्रव्यूह, (पुं.) युद्धक्षेत्र में शत्रु से लड़ने के लिये विशेष रीति से सेना खड़ा करना ।

चक्रा, (स्त्री.) नागरमोथा । काकशृङ्गी ।

चक्राङ्ग, (पुं.) रथ । गाड़ी । हंस ।

चक्रिन्, (पुं.) विष्णु । साँप । चकवा । कुम्हार । चुगलखोर । सूचक । तेली । चक्रधारी । चक्रवर्ती । चक्र वाला ।

चक्रीवत्, (पुं.) सदा घूमने वाला । गधा । राजा विशेष ।

चक्ष्, (क्रि.) कहना । बोलना । त्यागना ।

चक्षण, (न.) कहना । बोलना । भूख बढ़ाने वाली एक प्रकार की चटनी ।

चक्षुस्, (न.) देखना । आँख । प्रकाश ।

चक्षुःश्रवस्, (पुं.) ऐसा जीव जो आँखों ही से सुनता हो अर्थात् साँप ।

चक्षुष्य, (पु.) सुरमा । काजल ।

चङ्क्रमण, (न.) बहुत घूमना । बार बार घूमना ।

चञ्चरी, (स्त्री.) भौंरी ।

चञ्चल, (पुं.) विषयी । वायु । चपल । अस्थिर । कामुक ।

चञ्चा, (स्त्री.) चटाई । चौकी । घास की गुड़िया ।

चञ्चु, (पु.) पक्षियों की चोंच ।

चट्, (क्रि.) मारना । तोड़ना । फोड़ना । ढाकना ।

चटक, (पु.) चिड़िया ।

चटकाशिरस्, (पु.) पिप्पलीमूल । मद्य ।

चटु, (पुं.) प्रियवचन । व्रतियों का एक आसन । उदर । पेट ।

चटुल, (त्रि.) चपल । फुरतीला । बिजली ।

चड्, (क्रि.) क्रोध करना ।

चण्, (क्रि.) देना । मारना । [illegible] होना ।

चणक, (पुं.) चने । मुनिभेद । एक ऋषि का नाम जिनके वंश में चाणक्य जन्म हुआ था ।

चण्ड, (पुं.) इमली का वृक्ष । यमदूत [illegible] । तीक्ष्ण । तेज ।

चण्डांशु, (पुं.) सूर्य । दिनकर । प्रभाकर

चण्डातक, (पुं. न.) कुर्ती । चो[illegible] कोट ।

चण्डाल, (पुं.) शूद्रवर्ण जिसका [illegible] ब्राह्मण स्त्री और शूद्र पिता द्वारा हो [illegible] जातिविशेष ।

चण्डी, (स्त्री.) दुर्गा देवी । क्रोध वाली [illegible] सप्तशती में चण्डी देवी की कथा होने से उस पुस्तक का नाम ही चण्डी पड़ गया है

चत्, (क्रि.) माँगना । जाना ।

चतुःशाला, (स्त्री.) चौतखी । चार तरफ [illegible] का मकान ।

चतुर्, (त्रि.) चार की गिनती । चार संख्या वाला ।

चतुर, (पु.) हाथीखाना । काम में कुशल । दक्ष । आँखों के सामने । चालाक ।

चतुरङ्ग, (न.) जिसके चार अङ्ग हों । हाथी, घोड़ा, गाड़ी, पैदल इन चार अङ्गों से सुसज्जित सेना ।

चतुरस्र, (त्रि.) चतुष्कोण । चौकोना । चार कोने वाला । ज्योतिष में लग्न से चौथा तथा आठवाँ स्थान ।

चतुरानन, (पु.) चार मुख वाला । ब्रह्मा । चतुर्मुख ।

चतुर्थ, (त्रि.) चौथा ।

चतुर्थांश, चौथा भाग । चार भागों में से एक ।

चतुर्थी, (स्त्री.) चौथ तिथि ।

चतुर्दन्त, (पुं.) चार दाँत वाला । इन्द्र का ऐरावत नामक हाथी ।

चतुर्दशन्, (वि.) चौदह।
चतुर्धा, (अव्य.) चार प्रकार से।
चतुर्भद्र, (न.) धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष—चार कल्याण।
चतुर्भुज, (पु.) चार हाथ वाला। विष्णु।
चतुर्युग, (न.) सत्य, त्रेता, द्वापर और कलियुग चारों युग।
चतुर्वर्ग, (पु.) चार प्रकार का पुरुषार्थ अर्थात् अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष।
चतुर्विंशति, (स्त्री.) चौबीस।
चतुर्विद्य, (पु.) चारों वेदों का जानने वाला।
चतुर्विध शरीर, (न.) जरायुज, अण्डज, स्वेदज और उद्भिद—ये चार प्रकार के शरीर हैं।
चतुर्व्यूह, (पुं.) उत्पत्ति आदि कार्य के लिये चार विभाग वाला अर्थात् वासुदेव, संकर्षण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध रूप विष्णु।
चतुश्शाल, (न.) चार खम्भों वाला घर।
चतुष्क, (वि.) चार हिस्से वाला।
चतुष्पथ, (पुं.) चौराहा। चार मार्गों वाला।
चतुष्पद, (पुं.) चौपाया। चार पैर वाला एक करण।
चतुष्पदी, (स्त्री.) चार पाँव वाली। चार चरणों का श्लोक जिसमें १६ अक्षर होते हैं।
चतुस्त्रिंशत्, (वि.) चौंतीस।
चत्वर, (न.) यज्ञ के लिये शुद्ध पृथिवी। आँगन। चबूतरा।
चत्वारिंशत्, (स्त्री.) चालीस।
चत्वाल, (पुं.) होमकुण्ड। कुशा।
चद्, (क्रि.) माँगना। प्रसन्न होना। चमकना।
चन्, (क्रि.) मारना। शब्द करना।
चन, (अव्य) अपूर्व। जो कुछ भी।
चन्द्, (क्रि.) चमकना।

चन्दन, (पु. न.) चन्दन। एक वानर। एक बूटी।
चन्दनधेनु, (स्त्री.) चन्दन लगी गौ। ऐसी गौ उसे कहते हैं जो सधवा और सन्तानवती स्त्री द्वारा मृत्यु के अनन्तर स्वर्गप्राप्ति की कामना से दी जाती है।
चन्द्र, (पु.) कपूर। होंग। पानी। सुन्दर। काला रङ्ग। मोर का चाँद। बड़ी इलायची। चन्द्रमा। मृगशिर नक्षत्र।
चन्द्रक, (पु.) सफेद मिर्च। मत्स्यविशेष।
चन्द्रकला, (स्त्री.) चन्द्र का सोलहवाँ अंश। अङ्ग देश का वाद्यविशेष।
चन्द्रकान्त, (पु.) मणिविशेष। कमल। चन्दन। रात। चाँदनी। चन्द्र की स्त्री।
चन्द्रकान्ति, (न.) चाँदी। चन्द्रमा की चमक।
चन्द्रकिन्, (पु.) मयूर। मोर।
चन्द्रगुप्त, (पुं.) मगध देश का एक राजा विशेष। चित्रगुप्त।
चन्द्रवाला, (स्त्री.) बड़ी इलायची।
चन्द्रभागा, (स्त्री.) काश्मीर देश की एक नदी का नाम।
चन्द्रमण्डल, (न.) चाँद का गोल आकार।
चन्द्रमस्, (पु.) चन्द्रमा। चाँद।
चन्द्रमौलि, (पुं.) शिव। शङ्कर।
चन्द्रवल्लरी, (स्त्री) सोमलता।
चन्द्रव्रत, (न.) चान्द्रायण नामक व्रत।
चन्द्रशाला, (स्त्री.) अट्टालिकोपरिस्थ गृह।
चन्द्रशेखर, (पुं.) शिव जी। पूर्व देश का एक पर्वत।
चन्द्रसम्भव, (पुं.) बुध। नर्मदा नदी। बड़ी इलायची।
चन्द्रहास, (पुं.) खड्ग। रावण का खड्ग। (स्त्री.) गुडूची। गिलोय।
चन्द्रा, (स्त्री.) छत। चन्द्रातप। चन्दोवा।
चन्द्रापीड, (पुं.) शिव। तारापीड राजा का पुत्र।

चर्मन्, (न.) खाल। चाम। छूने वाली इन्द्रिय।
चर्मपादुका, (स्त्री.) जूता। जूती।
चर्मप्रसेविका, (स्त्री.) लुहार की धौंकनी। भस्त्रा।
चर्मिन्, (पु.) ढाल बाँधने वाला। भोजपत्र वाला वृक्ष। भृङ्गरीट। केला। चमड़े वाला। सैनिक। सिपाही।
चर्या, (स्त्री.) नियम पालन गुरूपदिष्ट उपदेशानुसार व्रतादि का पालन। विचरना। गाड़ी में बैठ कर घूमना फिरना। व्यवहार। स्वभाव। खाना।
चर्व्, (क्रि.) चबाना।
चर्षणि, (पु.) जन। (वेद) देखना। विचारना। चालाक। मनुष्य।
चल्, (क्रि.) जाना।
चला, (स्त्री.) चलने वाली, स्त्री।
चलाचल, (वि.) चञ्चल चपल। काक। कौआ।
चष्, (क्रि.) खाना। मारना।
चषक, (पु. न.) मदिरा पीने का पात्र। शहद। मद्यविशेष।
चात्वाल, (पु.) यज्ञपशु बाँधने का गृह।
चाह्, (क्रि.) ठगना।
चाकचक्य, (न.) उज्ज्वलता। चमक। प्रकाश।
चाक्षुष, (न.) नेत्रोत्पन्न ज्ञान। देखना। दृष्टि। छठें मनु।
चाट, (पु.) प्रथम विश्वास दिला कर पीछे धन ले जाने वाला चोर।
चाटकैर, (पु.) चिड़िया का बच्चा।
चाटु, (पु. न.) प्रिय वचन। चापलूसी से भरा वचन।
चाटुपटु, (पुं.) चापलूस। भाँड। विदूषक। मसखरा।
चाणक्य, (पु.) एक प्रसिद्ध नीति बनाने वाला ब्राह्मण। मन्त्रिविशेष।
चाणूर, (पु.) कंस राजा का एक नामी पहलवान जो श्रीकृष्ण द्वारा मारा गया था।
चाणूरसूदन, (पुं.) चाणूरहन्ता। श्रीकृष्ण।
चाण्डाल, (पु.) श्वपच। नीचातिनीच जाति का मनुष्य। घातक।
चातक, (पु.) पपीहा।
चातुरी, (स्त्री.) चतुराई। छल। कार्यपटुता।
चातुर्मास्य, (न.) वर्षा के चार मासों में किये गये। चार मास में पूर्ण होने वाला, यज्ञ या व्रत।
चातुर्वर्ण्य, (न.) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र-चारों वर्ण।
चान्द्र, (पुं.) चन्द्रकान्तमणि। चन्द्रमा की तिथियों से गिना जाने वाला मास। चान्द्रायण व्रत। चन्द्रलोक। चन्द्रप्रणीत व्याकरण विशेष। चान्द्र व्याकरण पढ़ने वाला।
चान्द्रायण, (न.) वह व्रत या कर्म जिससे चन्द्रलोक प्राप्त हो। व्रतविशेष।
चाप, (पु.) धनुष। ज्योतिष की नवमी राशि।
चापल, (न.) चपल होना। मन को सुख न मिलना। बिना विचारे किसी कार्य के करने में लग जाना। निष्प्रयोजन हाथ पैर हिलाना। अनवस्थान।
चामर, (पु. न.) चमर। मृग की पूँछ का बना चँवर।
चामीकर, (न.) सोना। धतूरा।
चामुण्डा, (स्त्री.) आकाशचारिणी सेना को ग्रहण करने वाली। दुर्गा। देवी। चण्ड मुण्ड को खाने वाली।
चाम्पेयक, (न.) चम्पे का फूल। नागकेसर। सोना। किञ्जल्क।
चाय्, (क्रि.) दर्शन करना। देखना।
चारण, (पुं.) यश को फैलाने वाला। भाट। यशप्रचारक।
चारु, (पुं.) बृहस्पति। सुन्दर। मनोहर।

चार्चिक्य, (न.) शरीर को चन्दनादि सुगन्धयुक्त द्रव्यों से चर्चित करना ।

चार्म्म, (पु.) चारों ओर चमड़े से मढ़ी गाड़ी या रथ ।

चार्वाक, (पु.) वह लोग जिनका वचन सारे संसार को रुचे ।

चार्वी, (स्त्री.) चाँदनी । चन्द्र आदि चमकने की दमी ।

चाव, (पुं.) मैं बकरा ।

चि, (क्रि.) चुनना ।

चिकित्सक, (पु.) वैद्य । डाक्टर । हकीम ।

चिकित्सा, (स्त्री.) बीमारी का इलाज । रोग दूर करने की चाहना ।

चिकित्स्य, (न.) [illegible] रोगी । इलाज के [illegible] रोगी ।

चिकुर, (पु.) [illegible] सिर के [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

चिक्क, (क्रि.) दुःख देना । कष्ट देना ।

चिक्कण, (पु.) [illegible] । सुपारी का [illegible] ।

चिच्छक्ति, (स्त्री.) मन और बुद्धि की सामर्थ्य । [illegible] ।

चिञ्चा, (स्त्री.) इमली का पेड़ ।

चिट्, (क्रि.) भेजना ।

चित् (क्रि.) [illegible]

चित्, (स्त्री.) [illegible]

चित, ([illegible]) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] ।

चित (क्रि.) [illegible] ।

चिति, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

चित्त (न) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible]

चित्त[illegible], (पु.) [illegible] [illegible]

चित्तविप्लव, (पु.) उन्माद रोग

चित्य, (पुं.) चाग । चिता ।

चित्र, (क्रि.) लिखना । आश्चर्य

चित्र, (पुं.) यमविशेष ([illegible] अशोक वृक्ष । तिलक वृक्ष । [illegible] आकाश । एक प्रकार का [illegible] रङ्ग वाला । तिलक । [illegible] कुष्ठरोग । [illegible] ।

चित्रकण्ठ, (पुं.) कबूतर । [illegible]

चित्रकर, (पु.) मूर्ति बनाने वाला । तसवीर वाला ।

चित्रकूट, (पुं.) जिसके शिखर पर [illegible] बाँदा के पास का एक स्थान ।

चित्रगुप्त, (पु.) यमराज के पेशकार

चित्रपट, (पुं.) तसवीर [illegible] । मूर्ति । तसवीर ।

चित्रपादा, (स्त्री.) सारिका पक्षी

चित्रभानु, (पु.) अग्नि । सूर्य । [illegible] [illegible] । [illegible] ।

चित्ररथ, (पु.) सूर्य । गन्धर्वविशेष [illegible] देना ।

चित्ररेखा, (स्त्री.) कुम्भाण्ड की [illegible]विशेष । उषा की सखी [illegible] जिसने [illegible] पास में [illegible] [illegible] है ।

चित्रशिखण्डिज, (पु.) [illegible] [illegible]-

[illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] ।

चित्राङ्गद, (पु.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

चित्रा[illegible], (स्त्री. [illegible] [illegible]

चित्रक, (पु.) [illegible] । [illegible] [illegible]

चित्र[illegible], ([illegible]) [illegible]

चिदाभास, (पुं.) बुद्धि पर आत्मा की परछाईं । जीव ।
चिन्ता, (स्त्री.) संस्कार को जागरूक करने वाली । देखे हुए पदार्थ का फिर स्मरण दिलाने वाली ।
चिन्तामणि, (पुं.) विचारते ही अभिलषित वस्तु को प्रदान करने वाली मणि । ब्रह्मा । बुद्धदेव ।
चिन्मय, (पु.) चैतन्यरूप ईश्वर । परमात्मा ।
चिपिट, (पु.) भोजनविशेष । चपटी नाक वाला ।
चिरम्, (अव्य.) दीर्घ । बहुत दिनों से ।
चिरक्रिय, (वि.) दीर्घसूत्री । दिक्क । आलसी ।
चिरजीविन्, (पु.) दीर्घकाल तक जीने वाला । काक । सेमल का वृक्ष । मार्कण्डेय ऋषि । अश्वत्थामा । बलि । हनुमान् । व्यास । विभीषण । कृपाचार्य । परशुराम ।
चिरण्टी, (स्त्री.) पितृालय में बहुत दिनों तक रहने वाली युवती ।
चिरन्त, (पु.) चिरन्तन । पुराना । पुरातन ।
चिरन्तन, (पु.) पुराना । पुरातन ।
चिरायुस्, (पु.) बड़ी उम्र वाला । देवता ।
चिर्भटी, (स्त्री.) ककड़ी । खीरा । तर ।
चिल्ल्, (क्रि.) ढीला पड़ना ।
चिल्ल, (पु.) चील नामक पक्षी । पीड़ित नेत्र वाला ।
चिल्लाभ, (पु.) चोर ।
चिबुक, (न.) ठोड़ी । मुचकुन्द वृक्ष ।
चिह्न, (न.) लाञ्छन । लक्षण । धब्बा । पताका ।
चीन, (पुं.) देशविशेष । हिरनविशेष । महीन वस्त्रविशेष ।
चीत्कार, (पु.) चीखना । चिल्लाना ।
चीव्, (क्रि.) ग्रहण करना । ढकना ।
चीर, (न.) वल्कल । कपड़े का टुकड़ा ।
चीर्ण, (वि.) कृत । किया हुआ । एकत्र किया । सीखा हुआ । काटा गया ।
चीव्, (क्रि.) लेना । ढोंकना । चमकना ।
चीवर, (न.) कफनी जिसे फकीर पहनते हैं । सन्यासियों की कौपीनादि वस्त्र ।
चुक्, (क्रि.) कष्ट देना । उत्पीड़ित करना ।
चुट्, (क्रि.) कम होना ।
चुड्, (क्रि.) काटना ।
चुत्, (क्रि.) बहना । चूना । टपकना ।
चुत, (न.) गुदा । मलद्वार ।
चुद्, (क्रि.) प्रेरणा करना । भेजना । फेंकना ।
चुप्, (क्रि.) धीरे धीरे चलना ।
चुम्ब्, (क्रि.) चूमना । चुम्बन करना ।
चुम्बक, (पु.) अयस्कान्तमणि । धूर्त । ठग । चूमने वाला ।
चुर्, (क्रि.) चुराना ।
चुरा, (स्त्री.) चोरी ।
चुल्, (क्रि.) उठना । ऊँचा होना । बढ़ना । डुबकी मारना ।
चुलुक, (पु.) निबिड़ । पङ्क । एक प्रकार का बर्तन । हाथकी । डूबने योग्य जल ।
चुल्ल, (पु.) सजल नयन वाला ।
चुल्लि, (स्त्री.) चूल्हा ।
चूडा, (स्त्री.) मोरशिखा ।
चूडामणि, (पु.) सिर की मणि ।
चूडाल, (पु.) चुटीला । चोटीवाला । नागरमोथा ।
चूष्, (क्रि.) चचोड़ना । चुसकी लेना ।
चूत, (पुं.) चूता हुआ । आम । घर का द्वार । गुदा । योनि ।
चूर्ण्, (क्रि.) पीसना ।
चूर्ण, (पुं.) चूना । पिसी हुई वस्तु ।
चूर्णक, (पु.) सत्तू । गद्यविशेष । वृक्षविशेष ।
चूर्णकुन्तल, (पु.) सिर के छोटे छोटे बाल । घुंघराले बाल ।

छोटिन्, (पुं.) मछुआ। धीवर।
छोलग, (पुं.) धूना।
छुप्, (क्रि.) जाना।

ज

ज, (पु.) समास के अन्त में आता है और तब इसका अर्थ होता है—"उससे या इससे उत्पन्न हुआ।" जैसे "पङ्कज"। जन्मा हुआ। सम्बन्धी। विजयी। पिता। जन्म। विष। कान्ति। विष्णु। शिव। योग। गति। वेग। गण।
जक्ष्, (क्रि.) खाना।
जगच्चक्षु, (पु.) सूर्य। भास्कर।
जगत्, (पुं.) लोक। वायु।
जगत्प्राण, (पुं.) वायु। पवन।
जगत्साक्षिन्, (पु.) सूर्य। चन्द्र। पृथिवी। वायु। यम।
जगती, (स्त्री.) धरती। भुवन। जन। लोक। जम्बुद्वीप। एक छन्द जिसका बारह अक्षर वाला पाद हो।
जगदाधार, (पु.) वायु। जगत् का सहारा।
जगद्धात्री, (स्त्री.) जगत् की माँ। जगदम्बा। सरस्वती जी। दुर्गा।
जगद्योनि, (पुं.) जगत् की उत्पत्ति करने वाला। हिरण्यगर्भ। कुमार। विष्णु। शिव। पृथिवी।
जगन्नाथ, (पु.) जगत् के स्वामी। विष्णु। विष्णु का क्षेत्र। तान्त्रिकों के मतानुसार विमला पीठ का भैरव। यथा— "विमला भैरवी यत्र जगन्नाथस्तु भैरवः"।
जग्ध, (त्रि.) खाया हुआ। भुक्त।
जग्धि, (स्त्री.) भूख वेग का शमन करना। भोजन। खाना।
जघन, (न.) जाँघ। चूतड़।
जघन्य, (त्रि.) चरम। नीच। सबसे पिछला। शूद्र। पुरुष का मूत्राङ्ग।
जघन्यज, (पु.) शूद्र। कनिष्ठ। सबसे छोटा।

जङ्गम, (त्रि.) चलने की शक्ति वाला। लिङ्गाङ्कित सम्प्रदाय के गुरु जङ्गम कहलाते हैं।
जङ्गल, (न.) वन। बेहड़। कोशा। (पु.) मांस।
जङ्घा, (स्त्री.) जांघ। घुटने और जानु के बीच का देश।
जङ्घाकरिक, (त्रि.) डाकिया। चर। दूत। दौड़ने वाला।
जङ्घाल, (त्रि.) बड़ी वेग वाली जांघ वाला। दौड़या। कोई एक पशु।
जज्, (क्रि.) लड़ना।
जट्, (क्रि.) जुड़ना। एकत्र होना।
जटा, (स्त्री.) जूड़ा। शेर के अयाल। वृक्षादि की जड़। जटामासी। वेद का पाठविशेष। लता। शतावरी।
जटाजूट, (पुं.) जटाओं का समुदाय।
जटामांसी, (स्त्री.) सुगन्धिद्रव्यविशेष।
जटायु, (पुं.) बड़ी आयु वाला। पक्षीविशेष। गुग्गुल। जटीर।
जटाल, (पु.) वट। गुग्गुल। कपूर। (स्त्री) जटामासी। जटा वाला (त्रि.)।
जटिन्, (पु.) पाकर का वृक्ष। जटा वाला।
जटिल, (पुं.) जटा वाला। सिंह। ब्रह्मचारी। जटामांसी। पिप्पली। वच। दमन वृक्ष (पु.) उलझन डालने वाला।
जठर, (न.) पेट। कुक्षि। बंधा हुआ तथा कठिन।
जड़, (त्रि.) अच्छा बुरा न जानने वाला। मूक। बुद्धिहीन। मूर्ख। सर्द और ठंडा।
जतु, (न.) लाख।
जत्रु, (न.) कंधा। स्कन्ध। गले के नीचे की दो हड्डियाँ।
जन्, (क्रि.) उत्पन्न होना।
जन, (पु.) लोग। सर्व साधारण लोग। नीच लोग। लोक। महर्लोक के ऊपर का लोक।
जनक, (पु.) पिता। बाप। मिथिलानगरी का एक राजा। कारण। हेतु। सीता के पिता।

जनकात्मजा, (स्त्री.) सीता । श्रीरामचन्द्र की धर्मपत्नी ।

जनता, (स्त्री.) भीड़ । बहुत जन ।

जननि, (स्त्री.) माता । माँ । औषध । लाख का रङ्ग । मजीठ । जटामांसी ।

जनपद, (पु.) देश । नगर ।

जनमेजय, (पु.) राजा परीक्षित् के पुत्र । अर्जुन का पौत्र ।

जनयितृ, (पुं.) उत्पादक । पिता । माता ।

जनलोक, (पुं.) भुवनविशेष । यह लोक जो महर्लोक के ऊपर है ।

जनश्रुति, (स्त्री.) लोकप्रवाद । किंवदन्ती । अफवाह ।

जनस्थान, (न.) दण्डकारण्य के समीप एक स्थान । जहाँ खर दूषण की चौकी थी । लोगों के रहने [redacted] स्थान ।

जनार्दन, (पु.) विष्णु । नारायण ।

जनाश्रय, (पुं.) मण्डप । घर । कुटी । झोंपड़ी ।

जनि-नी, (स्त्री.) उत्पत्ति । नारी । माँ । स्नुषा । बहू । जाया । औषधविशेष । जतुका ।

जनुस्, (न.) उत्पत्ति ।

जनुः-नू, (स्त्री.) उत्पत्ति ।

जन्तु, (पु.) प्राणधारी । अविद्या के कारण शरीर में आत्माभिमान करने वाला जीव ।

जन्तुघ्न, (पु.) वायविडङ्ग । हींग । जीवों को मारने वाला ।

जन्तुफल, (न.) उदुम्बर । गूलर ।

जन्तुला, (स्त्री.) काही । बहुत कीड़ों वाली ।

जन्मन्, (न.) उत्पत्ति । अपूर्व शरीरादि का सम्बन्ध । जन्मलग्न । जन्मनक्षत्र ।

जन्मान्तर, (न.) दूसरा जन्म । देहान्तर ।

जन्माष्टमी, (स्त्री.) श्रीकृष्ण के जन्म की तिथि । भादों मास की कृष्णाष्टमी ।

जन्मी, (पु) प्राणधारी । जीव ।

जन्य, (वि.) उत्पन्न हुए । उत्पन्न होने योग्य । पिता । अटारी । बदनामी । झींगी । युद्ध । शरीर । नयी विवाहिता स्त्री के जाति भाई । माँ की सहेली ।

जप्, (क्रि.) मन ही मन उच्चारण करना ।

जप, (पुं) वेद के मन्त्रों को बार बार उच्चारण करना ।

जपा, (स्त्री.) वृक्षविशेष के फूल ।

जभ्, (क्रि.) मैथुन करना । जमुहाई लेना ।

जम्, (क्रि.) भक्षण करना । खाना ।

जमदग्नि, (पु.) परशुराम का पिता । मुनिविशेष ।

जम्पती, (पु.) स्त्री और पुरुष का जोड़ा । दम्पती ।

जम्बाल, (पु.) कीचड़ । सिवार । केवड़ा । केवड़ा ।

जम्बालिनी, (स्त्री) नदी जिसमें जम्बाल हो ।

जम्बु-म्बू, (स्त्री.) जामुन का फल ।

जम्बुक, (पु.) जामुन का पेड़ । गीदड़ । शृगाल ।

जम्बुद्वीप, (पु.) सप्तद्वीपों में से एक ।

जम्बूक, (पु.) शृगाल । नीच । वरुण । जामुन । दारा ।

जम्भ, (पु.) एक दैत्य । दाँत । जबड़ा । ठोडी । तर्कश । (क्रि.) खाना । जमुहाई लेना ।

जम्भभेदिन्, (पु.) इन्द्र ।

जम्भला, (स्त्री.) एक राक्षसी । कहते हैं, इसका नाम लेने से ज्वर और ज्वर के पूर्व जमुहाई का आना नष्ट हो जाता है । "समुद्रस्योत्तरे तीरे जम्भला नाम राक्षसी ।"

जय, (पु.) जीत । नारायण का द्वारपाल । युधिष्ठिर का कल्पित नाम जो उन्होंने अज्ञात वासके समय रखा था । देखो (स्त्री.) ।

जयढक्का, (स्त्री.) विजयवाद्य । विजयसूचक बाजा ।

जयद्रथ, (पु.) सिन्धुदेश का राजा । दुर्योधन का बहनोई । अभिमन्यु का मारने वाला । यह अर्जुन द्वारा मारा गया था ।

जयन्त, (पुं.) इन्द्र के पुत्र का नाम जिसने काक बन कर सीता जी के पाँव से घाव किया था। चन्द्रमा। शिव। अज्ञात वास में भीम का नाम।

जयन्ती, (स्त्री.) दुर्गा। झण्डा। इन्द्र की कन्या का नाम। बुढ़ापा। वृक्षविशेष। भगवान् श्रीरामचन्द्र श्रीकृष्ण आदि के जन्मोत्सव का दिन।

जयपत्र, (न.) विजयसूचक पत्र। अश्वमेध के घोड़े के माथे पर जो पत्र बाँधा जाता था उसे जयपत्र कहते थे।

जयपाल, (पु.) वृक्षविशेष। ब्रह्मा। विष्णु। राजा। जमालगोटे का पेड़।

जया, (स्त्री.) हड़। जयन्ती। दुर्गा। भाँग। झण्डी। नील दुर्गा। शान्ता वृक्ष। ज्योतिष में त्रयोदशी, अष्टमी और तृतीया जया तिथि कही जाती है।

जय्य, (वि.) जीतने योग्य। जो जीता जा सके।

जरठ, (वि.) कठोर। कड़ा। कर्कश।

जरन्, (वि.) वृद्ध। बूढ़ा। पुराना।

जरत्कारु, (पु.) मनसादेवी का पति। एक मुनिविशेष। मनसादेवी (स्त्री.)।

जरद्गव, (पु.) बूढ़ा बैल। पक्षिन का एक गीध।

जरन्त, (पु.) भैंसा। बूढ़ा। पुराना। ढीला।

जरा, (स्त्री.) बुढ़ापा।

जरायुज, (वि.) वे प्राणी जो जरा से पैदा होते हैं। जैसे—मनुष्य, पशु, आदि।

जरासन्ध, (पु.) मगध देश का प्रसिद्ध बलवान् राजा कहा जाता है जब यह उत्पन्न हुआ था, तब इसके शरीर के दो भाग इधर उधर थे। किन्तु जरा नाम की राक्षसी ने उन दोनों को एक कर दिया, इसीसे इसका नाम जरासन्ध पड़ा।

जर्च्-ई, (कि.) कहना। निन्दा करना। बूढ़ा होना।

जर्जर, (पुं.) बूढ़ा। अतिप्राचीन। बहुत से पुराना। इन्द्र का झण्डा। शाकपना।

जर्झ्, (कि.) निन्दा करना।

जल्, (कि.) झोंकना। तेज होना।

जल, (वि.) जड़। मूर्ख। पेट। ठण्डा। गन्धद्रव्य। लग्न से चौथा घर। पूर्वाषाढ़ नक्षत्र। पाँच तत्त्वों में से एक तत्त्व जल भी है।

जलकण्टक, (पु.) सिंघाड़ा। नक्र। सवार।

जलकपि, (पु.) घड़ियाल। शिशुमार।

जलकरङ्क, (पुं.) नारियल। बादल। कमल का फूल। शङ्ख। लहर।

जलकाक, (पु.) पानी का कौवा। पान-कौड़ी।

जलकुन्तल, (पु.) सिवार घास। शैवाल।

जलचर, (पु.) जल में रहने वाले जीवजन्तु।

जलज, (पु.) सिवार। मछली। कमल। शङ्ख। या पानी में उत्पन्न हुई कोई भी वस्तु।

जलद, (पु.) बादल। कपूर। जल देने वाला।

जलदागम, (पु.) वर्षा ऋतु।

जलधर, (पु.) बादल। कपूर। समुद्र। पानी रखने वाला।

जलधि, (पु.) समुद्र। चार। संख्या विशेष।

जलधिजा, (स्त्री.) लक्ष्मी।

जलनिधि, (पु.) समुद्र। चार।

जलबुद्बुद, (न.) बुलबुला।

जलमार्ग, (पु.) मोरी। नाली।

जलमुच्, (पु.) मेघ। बादल।

जलयंत्र, (न.) फुहारा। पानी की कल।

जलवेतस, (पु.) पानी में उत्पन्न हुआ बेत।

जलस्थान, (पु.) होज। जलवाली जगह।

जलशायिन्, (पुं.) विष्णु । नारायण ।
जलशुक्ति, (स्त्री.) जलर्जत । घोंघा । सीप ।
जलहस्तिन्, (पुं.) मगर । ग्राह ।
जलहास, (पुं.) फेन । झाग । समुद्रफेन ।
जलाधार, (पुं.) तालाब । समुद्र । [illegible] । उशीर । चन्दन ।
[ज]लापर्ण, (पुं) [illegible] ।
[ज]लुका, (स्त्री.) जोंक ।
[ज]लेचर, (पुं.) हंस । बगुला आदि जल में विचरने वाले जीव ।
जलेन्धन, (पुं.) समुद्री आग । वाड़वानल ।
जलेश्वर, (पुं.) वरुण । समुद्र ।
जलोच्छ्वास, (पुं.) बहुत पानी का चारों ओर बहना ।
जलोदर, (पुं.) उदरामय रोग । वह बीमारी जिसके कारण पेट में पानी भर जाता और पेट बढ़ जाता है ।
जलौकस, (स्त्री.) जोंक ।
जलौका, (स्त्री.) जोंक ।
जल्प, (क्रि.) बोलना । कहना । बकना ।
जल्प, (पुं.) दूसरे की बात का काट कर, अपनी बात रखने वाला वचन । बात । [illegible] ।
जल्पाक, (वि.) बके हुए वचन कहने वाला । बकवादी । बक्की । वाचाल । बहुत बोलने वाला ।
[ज]व, (पुं.) वेग । तेज ।
[ज]वन, (पुं.) वेगवान् घोड़ा । देशविशेष । [illegible] ।
[ज]वनिका, (स्त्री.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible]
[illegible], (पुं.) [illegible] ।
[illegible], (वि.) [illegible] ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] ।
[illegible]

जह्नु, (पुं.) चन्द्रवंशीय एक राजा । जो ऋषि भी था ।
जह्नुतनया, (स्त्री.) गंगा ।
जागर, (पुं.) निद्राक्षय । नींद का जाना । जागना । कवच ।
जागरित, (न.) जागा हुआ ।
जागरूक, (वि.) सावधान । जागा हुआ ।
जागर्ति, (स्त्री.) जागना ।
जागृ, (क्रि.) जागना ।
जाग्रत, (न.) जागा हुआ ।
जाङ्गल, (पुं.) कपिंजल पक्षी । [illegible] । हिरन आदि पशु । [illegible] देश, या उस देश के रहने वाले ।
जाङ्गलिक, (वि.) [illegible] ।
जात, (न.) समूह । [illegible] । जन्म । [illegible] ।
जातक, (न.) [illegible] ।
जातरूप, (न.) [illegible] ।
जातवेदस्, (पुं.) [illegible] ।
जाति, (स्त्री.) [illegible] ।
जातिब्राह्मण, (पुं.) [illegible] ।
जातिस्मर, (वि.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible], (वि.) [illegible] ।
जानु, (न.पुं.) [illegible] ।
[illegible], (पुं.) [illegible] ।

जातुष, (त्रि.) लाख का पदार्थ।
जातूकर्ण, (पु.) शिव। मुनिविशेष।
जातेष्टि, (स्त्री.) उत्पन्न हुए के संस्कारार्थ किया गया एक यज्ञ। संस्कारभेद।
जातोक्ष, (पु.) युवा। साँड़।
जात्य, (त्रि.) कुलीन। श्रेष्ठ। सुन्दर।
जात्यन्ध, (त्रि.) प्रज्ञाचक्षु। जन्म का अन्धा।
जात्युत्तर, (न.) झूठा जवाब। असत् उत्तर।
जानकी, (स्त्री.) जनक की कन्या। सीता।
जानपद, (त्रि.) देश का। देश से आया हुआ।
जानु, (पु. न.) घुटना।
जामदग्न्य, (पु.) जमदग्नि का पुत्र। परशुराम।
जामातृ, (पु.) जमाई। स्वामी। प्रिय। लड़की का पति।
जामि, (स्त्री.) भगिनी। बहिन। बहू। कुलस्त्री।
जाम्बवत्, (पु.) जाम्बवान्। रीछों के राजा।
जाम्बवती, (स्त्री.) श्रीकृष्ण की भार्या। जाम्बवान् की कन्या। सर्पों को वश में करने वाली।
जाम्बूनद, (न.) सोना। धतूरा। जम्बूनद में उत्पन्न।
जाया, (स्त्री.) स्त्री। पत्नी। लग्न से सातवाँ घर।
जायु, (पु.) दवा। औषध। बूटी।
जार, (पु.) उपपति। जार। यार।
जारज, (त्रि.) उपपति से उत्पन्न सन्तान। कुण्ड। गोलक।
जाल, (पु.) मच्छी पकड़ने का जाल। कदम्ब का पेड़। झरोखा। छिद्र। फरेब। दर्प। धूर्तता। दम्भ। समूह। मोचकफल। नवीन कलियों का समूह।
जालिक, (पु.) फन्दा फेंकने वाला। धीवर। मछुआ। मकड़ी। मदारी।
जाल्म, (त्रि.) पामर। नीच। मूर्ख। क्रूर। बेरहम। बावला।
जाबाल, (पु.) जबाल ऋषि की सन्तान।
जाह्नवी, (स्त्री.) गङ्गा। भागीरथी।
जि, (क्रि.) जीतना।
जिगीषा, (स्त्री.) जय करने की इच्छा। प्रकर्ष। उद्यम।
जिज्ञासु, (पु.) ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा करने वाला। मुमुक्षु।
जित, (त्रि.) जय। जीत। पराजित। वशीकृत।
जितकाशिन्, (त्रि.) जयी। विजयी। जीतने वाला।
जितात्मन्, (त्रि.) जिसने मन अथवा इन्द्रियों को अपने वश में कर लिया है। जितेन्द्रिय।
जितेन्द्रिय, (त्रि.) देखो जितात्मन्।
जित्वर, (त्रि.) जयशील। जीतने वाला।
जिन, (पु.) संसार को जीतने वाला। बुद्ध। विष्णु। जैनियों के पूज्यविशेष।
जिष्, (क्रि.) सींचना।
जिष्णु, (पु.) अर्जुन। इन्द्र। विष्णु। सूर्य। वज्रवह। जीतने वाला।
जिह्म, (त्रि.) कुटिल। तिरछा। मन्द। मूर्ख। तगर का वृक्ष।
जिह्मग, (पु.) जो टेढ़ा हो कर चलता है। सर्प। साँप। मदन का वृक्ष। कुटिल।
जिह्वा, (स्त्री.) रसना। जीभ।
जिह्वामूलीय, (पु.) अक्षर जो जिह्वा की जड़ से उच्चारित किये जाते हैं।
जिह्वारद, (पु.) दन्तहीन। जीभ ही से चाटने वाला पक्षी।
जीन, (त्रि.) वृद्ध। बूढ़ा।
जीमूत, (पु.) मेघ। मोथा। पर्वत। देवताड़ वृक्ष। इन्द्र।
जीर, (पु.) जीरा। खड्ग। डोरा।
जीर्णोद्धार, (पु.) सत्कार। मरम्मत।

जीव्, (क्रि.) प्राण धारण करना । जीना ।
जीव, (पुं.) प्राणी । जीवन का उपाय । वृक्षविशेष ।
जीवघन, (पु.) हिरण्यगर्भ ।
जीवजीव, (पुं.) जीवों को जिलाने वाला । चकोर चिड़िया ।
जीवन, (न.) वृत्ति । जीविका । जल । रक्षा । जिलाना ।
जीवन्ती, (स्त्री.) दूर्वा । गुरुच । जीवाख्य शाक ।
जीवन्मुक्त, (वि.) जीते जी संसार को छोड़ने वाला । आत्मा का साक्षात् करने वाला ।
जीवस्थान, (न.) जीव का स्थान । मर्मस्थान ।
जीवा, (स्त्री.) रोदा । पृथिवी । वचा । जल ।
जीवातु, (पुं.) अन्न । जीवन । मुर्दे को जीवित करने वाली औषधि ।
जीवात्मन्, (पु.) देहाभिमानी जीव ।
जीविका, (स्त्री.) जीवन का उपाय । वृत्ति । रोजी । आजीविका ।
जीवितेश, (पु.) यम । चन्द्रमा । सूर्य । प्रिय । स्वामी ।
जीवोपाधि, (पुं.) जीव की उपाधि । स्वप्न, जाग्रत्, सुषुप्ति अवस्था ।
जु, (क्रि.) जोर से चिल्लाना ।
जुग, (क्रि.) त्यागना । छोड़ना ।
जुगुप्सा, (स्त्री.) निन्दा करना ।
जुटिका, (स्त्री.) शिखा । जुटे हुए बाल ।
जुड्, (क्रि.) बाँधना । जाना ।
जुत्, (क्रि.) चमकना ।
जुन्, (क्रि.) गति । जाना ।
जुष्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।
जुष्ट, (न.) जूठा । सेवित ।
जुहू (स्त्री.) [illegible] का पात्रविशेष ।
जूति, (स्त्री.) वेग । तेज़ी से चलना ।
जूर्, (क्रि.) वृद्ध होना ।
जूर्त्ति, (स्त्री.) ज्वर । ताप । बुखार ।
जूष्, (क्रि.) मारना ।
जृम्भ्, (क्रि.) मुँह खोलना । जमुहाई लेना ।
जृम्भ, (पु.) जमुहाई ।
जृम्भकास्त्र, (न.) शत्रुदल में सुस्ती फैलाने वाला अस्त्र ।
जॄ, (क्रि.) बूढ़ा होना ।
जेमन, (न.) भोजन । खाना ।
जेय, (वि.) जीतने योग्य ।
जै, (क्रि.) क्षय होना । नाश होना ।
जैत्र, (वि.) विजयी । जीतने वाला । पारा । औषध । दवाई ।
जैन, (पु.) अर्हत् का उपासक । जैनी ।
जैमिनि, (पु.) व्यासशिष्य एक मुनि विशेष, जिसने वेद पर मीमांसा के सूत्र रचे हैं ।
जैवातृक, (पु.) चन्द्रमा । औषध । कपूर । बड़ी उम्र वाला ।
जोषम्, (अव्य.) सुख । प्रशंसा । स्वीकार । चुपचाप । खामोश ।
जोषा, (स्त्री.) नारी । स्त्री । औरत ।
जोषित्, (स्त्री.) नारी । स्त्री ।
जोषिका, (स्त्री.) कलियों का गुच्छा । स्त्री ।
ज्ञप्, (क्रि.) प्रसन्न करना ।
ज्ञपित, (वि.) जनाया गया । मारा गया ।
ज्ञप्ति, (स्त्री.) बुद्धि । जानना । सूचना ।
ज्ञा, (क्रि.) बोध होना । जानना ।
ज्ञाति, (पुं.) पिता के वंश में उत्पन्न । सपिंड । बिरादरी ।
ज्ञान, (न.) जानकारी । बोध ।
ज्ञानयोग, (पुं.) [illegible]विशेष प्राप्ति का उपाय ।
ज्ञानवापी, (स्त्री. [illegible]

ज्ञानापोह, (पु.) विस्मरण । भूलना । ज्ञान का जाता रहना ।

ज्ञानाभ्यास, (पुं.) ज्ञान का अभ्यास ।

ज्ञानिन्, (वि.) तत्त्वज्ञानी । जानने वाला । यथार्थ बात को जानने वाला ।

ज्ञानेन्द्रिय, (न.) ज्ञान की इन्द्रिय । यथा—कान, आँख, नाक, जीभ, अन्तःकरण, मन ।

ज्या, (क्रि.) बूढ़ा होना ।

ज्या, (स्त्री.) रोदा । धनुष चढ़ाने की डोरी ।

ज्यानि, (स्त्री.) जीर्णता । बुढ़ापा । पुरातनत्व । हानि । नदी ।

ज्यायस्, (वि.) बहुत बूढ़ा ।

ज्युत्, (क्रि.) चमकना ।

ज्येष्ठ, (वि.) बड़ा । सब की अपेक्षा बड़ा । प्रथम । बहुत अच्छा । (स्त्री.) गङ्गा । छिपकली । अठारहवाँ नक्षत्र ।

ज्येष्ठतात, (पु.) पिता से बड़ा काका या चाचा ।

ज्येष्ठाश्रम, (पु.) गृहस्थाश्रम ।

ज्यैष्ठी, (पुं.) जेठ मास । ज्येष्ठा नामक नक्षत्र ।

ज्यैष्ठ्य, (न.) श्रेष्ठत्व । बड़प्पन ।

ज्योक्, (अव्य.) [illegible] । शीघ्र । अधुना ।

ज्योतिरिङ्ग, (पु.) प्रकाश की भाँति चमकने वाला । खद्योत ।

ज्योतिर्विद्, (पु.) ज्योतिष विद्या जानने वाला । गणक ।

ज्योतिश्चक्र, (न.) सूर्यादि ज्योतिः मण्डल । [illegible] ।

ज्योतिःशास्त्र, (न.) ग्रह और नक्षत्र आदि की गति और स्थिति का निरूपण करने वाला शास्त्र ।

ज्योतिष्, (न.) ग्रहादि की गति, स्थिति, आदि [illegible] । दृष्टि । [illegible] ।

ज्योतिष्टोम, (पु.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

ज्योतिष्मत्, (पुं.) सूर्य । कुशद्वीप का एक पहाड़ । मालकाङ्गनी लता । रात्रि । ज्योति वाला । चित्त की एक वृत्ति विशेष ।

ज्योतिस्, (पुं.) सूर्य । अग्नि । मेथी का शाक । आँख की पुतली । पदार्थ । नक्षत्र । प्रकाश । स्वयं प्रकाशमान । चैतन्य ।

ज्योत्स्ना, (स्त्री.) कौमुदी । चाँदनी । चन्द्रमा की किरन । चाँदनी रात ।

ज्योतिषिक, (पुं.) दैवज्ञ । गणक । ज्योतिषी ।

ज्रि, (क्रि.) दबाना । तिरस्कार करना ।

ज्री, (क्रि.) बूढ़ा होना ।

ज्वर्, (क्रि.) रोगी होना ।

ज्वर, (पु.) ताप । बुखार ।

ज्वरघ्न, (पु.) ताप दूर करने वाला । गिलोय । चिरायता ।

ज्वरापहा, (स्त्री.) [illegible] । ज्वरनाशक । बुखार दूर करने वाला ।

ज्वरित, (वि.) ज्वरयुक्त ।

ज्वल्, (क्रि.) चमकना । जलना ।

ज्वलन, (पु.) अग्नि । आग । दीप्ति । चमकना । दाह । जलना ।

ज्वलनाश्मन्, (पु.) सूर्यकान्तमणि ।

ज्वलित, (वि.) दग्ध । जला हुआ । उज्ज्वल । चमकीला ।

ज्वाल, (पु.) आग की लिपट ।

ज्वालजिह्व, (पु.) आग ।

ज्वालामुखी, (स्त्री.) दुर्गा का स्थान ।

ज्वालावक्त्र, (पु.) शिव नाम । आग ।

ज्वालित, (वि.) [illegible] । जलाया हुआ । चमकता हुआ ।

झ

झ, (पु.) [illegible] । बृहस्पति । ध्वनि । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

ढुण्ढक, (पु.) खोज । खण्ड । ढूंढ़ । निरीक्ष । कठोर ।

ढेरे-ढेरक, (पुं.) ढेरा । जिसकी दृष्टि तिरछी हो ।

ढोर, (पुं.) चौपाया । पशु ।

ढुल्, (क्रि.) ढलकाईसे गिर जाना ।

ठ

ठ, (पुं.) हर । चन्द्र अथवा सूर्य मण्डल । शून्य । ग्रह । घनिष्ठमान । मूर्ति । देव । शिव जी का नाम ।

ठक्कुर, (पु.) देवप्रतिमा । ठाकुर । प्रतिष्ठापूर्वक एक उपाधि । काव्यप्रदीप के ग्रन्थकार का नाम ।

ठार, (पुं.) पाला । बरफ ।

ठालिनी, (स्त्री.) पटका । कमरबन्द ।

ड

ड, (पुं.) शब्दविशेष । एक प्रकार का ढोल या मृदङ्ग । बाड़वाग्नि । समुद्र की आग । भय । शिव । चार पक्षी ।

डक्कारी, (सं.) चाण्डाल का बाजा । बीन । सारङ्गी या तम्बूरा ।

डप्, (क्रि.) एकत्र करना । इकट्ठा करना ।

डम्, (क्रि.) शब्द करना । बजाना ।

डम, (पु.) डोम । नीच जाति ।

डमर, (पु.) विप्लव । गदर । लड़ाई । शत्रु को भयभीत और ललकार से डराना । डर कर भाग निकलना ।

डमरु, (पु.) एक प्रकार का बाजा जो शिव जी को बड़ा प्रिय है । कापालिक सम्प्रदाय के शैवियों का वाद्ययन्त्र ।

डम्ब्, (क्रि.) फेंकना । भेजना । देखना । आज्ञा देना ।

डम्बर, (पु.) प्रसिद्ध । (सं.) सभा । समूह । दिखावट । समानता । अहङ्कार ।

डम्भ्, (क्रि.) एकत्र करना ।

डलक-डल्लक, (न.) डलिया । डला ।

डवित्थ, (पुं.) लकड़ी का हिरन ।

डाकिनी, (स्त्री.) काली देवी की सहचरी ।

डांकृति, (स्त्री.) घण्टे का नाद । ... का शब्द ।

डामर, (पुं.) इस नाम का शिवप्रणीत तंत्रग्रन्थ है । (पु.) भयानक । चमत्कारक दृश्य । कोलाहल । सर्वसुन्दर ... विशेष ।

डाहल, (पुं.) देशविशेष के अधिवासी ।

डाहुक, (पुं.) जलमुर्ग ।

डिकरी, (स्त्री.) युवती ।

डिङ्गर, (पु.) नौकर । गुलाम । धूर्त । ठग । नीच पुरुष । मोटा आदमी । फरचार ।

डिण्डिम, (पु.) मोटा ढोल । वाद्यविशेष ।

डिण्डिर, (पुं.) समुद्रफेन ।

डित्थ, (पु.) काठ का बना हाथी । हृष्टपुष्ट । श्यामवर्ण वाला । विद्वान् । सम्पूर्ण शास्त्रों के रहस्य को जानने वाला ।

डिप्, (क्रि.) एकत्र करना । फेंकना । डालना । भेजना । निर्देश करना ।

डिबु, (क्रि.) प्रेरणा करना । चलाना ।

डिम्, (क्रि.) मारना । चोटिल करना । घायल करना ।

डिम, (पु.) दस प्रकार के दृश्य काव्यों अर्थात् नाटकों में से एक ।

डिम्ब, (पु.) बच्चा । विप्लव । डर कर चीत्कार करना । अण्डा । गोला । गेंद । गोलाकार पुष्प । तिल्ली ।

डिम्बिका, (स्त्री.) दुश्चरित्रा स्त्री ।

डिम्भ, (पुं.) शिशु । बच्चा । बछड़ा । मूर्ख । मूढ़ ।

डी, (क्रि.) उड़ना । आकाश में गमन करना ।

डीन, (न.) पक्षियों का उड़ान ।

डुण्डुभ-भ, (पु.) सर्पविशेष जो विषैला नहीं होता ।

डुण्डुल, (पुं.) छोटी जाति [illegible] उल्लू ।

तटिनी, (स्त्री.) नदी ।
तडाग, (पुं.) तालाव । हिरन फँसाने का फन्दा ।
तडित्, (स्त्री.) बिजली । दामिनी ।
तडित्वत्, (पु.) बादल ।
तण्डक, (पु.) झाग । बहुसमासयुक्त वाक्य । मायावी ।
तण्डुल, (पुं.) चावल ।
तत्, (अव्य.) हेतु । इस लिये । इस कारण ।
तत, (न.) वायु । हवा । बाँधा । घिरा हुआ । फैला हुआ ।
ततस्त्य, (त्रि.) वहाँ का । वहाँ होने वाला ।
तति, (स्त्री.) श्रेणी । पंक्ति । पतीर । समूल । फैलाव ।
तत्काल, (पुं.) उसी समय । वर्तमान काल । हो रहा समय ।
तत्कालधी, (त्रि.) सिर पर आयी आपत्ति को निवारण करने की बुद्धि ।
तत्क्रियः, (त्रि.) अवैतनिक काम करने वाले ।
तत्क्षण, (पु.) उसी समय । फट ।
तत्त्व, (न.) सचाई । निष्कर्ष । यथार्थरूप । परमात्मा । ब्रह्म । नाचना । बजाना । गाना । चित्त । वस्तु । सांख्य के मतानुसार पचीस पदार्थ ।
तत्पर, (त्रि.) चतुर । तैयार । सन्नद्ध ।
तत्परायण, (त्रि.) नहायक । उसीमें लगा हुआ ।
तत्पुरुष, (पु.) परमात्मा । समासविशेष ।
तत्र, (अव्य.) उस समय । उस जगह । वहाँ ।
तत्रत्य, (अव्य.) वहाँ होने वाला । वहाँ की वस्तु ।
तत्रभवत्, (त्रि.) पूज्य । पूजा के योग्य ।
तथा, (अव्य.) अन्य । वैसे ही । निश्चय ।
तथापि, (अव्य.) जैसा कि ।
तथादि, (अव्य.) दृष्टान्त । उदाहरण ।
तथ्य, (न.) सत्य ।
तद्, (त्रि.) पहिले कहा हुआ ।
तदा, (अव्य.) उस समय । तब ।
तदात्मन्, (त्रि.) उस रूप वाला ।
तदानीम्, (अव्य.) तब । उस समय ।
तद्गत, (त्रि.) तत्पर । किसी कार्य में ल हुआ ।
तद्गुण, (पु.) अर्थालङ्कारभेद ।
तद्धन, (त्रि.) कृपण । सूम ।
तद्धित, (पु.) उसके लिये हितकर । नाम आगे लगने वाले प्रत्यय ।
तद्वत्, (अव्य.) उसके समान ।
तन्, (क्रि.) फैलना । विस्तृत होना ।
तनय, (पु.) पुत्र । बेटा । बेटी । लता बेल । सूरन । जिमींकन्द ।
तनिमन्, (पु.) पुताई । मिट्टि । कोमलता ।
तनु, (स्त्री.) शरीर । देह । मूर्ति । आकार । (पु.) थोड़ा । विरला । छोटा । मिहीन ।
तनुच्छाया, (पु.) शरीर की परछाई या शोभा । थोड़ी छाया वाला । बबूर का पेड़ ।
तनुत्र, (न.) कवच ।
तनुमध्या, (स्त्री.) नासिका । नाक ।
तनुभृत्, (पु.) जीव । शरीर को अपना मानने वाला ।
तनुवार, (न.) कवच । सनाह ।
तनुस्, (न.) शरीर । देह । काया ।
तनूनपात्, (पु.) अग्नि । आग ।
तनूरुह, (न.) रोम । रोएँ । चिड़ियों के पर, जो शरीर पर उगें ।
तन्त्र, (क्रि.) सिकोड़ना ।
तन्तु, (पुं.) धागा । सन्तान । सूत । तान ।
तन्तुनाभ, (पु.) मकड़ी ।
तन्तुनिर्यास, (पुं.) ताल वृक्ष ।
तन्तुपर्वन्, (न.) यज्ञोपवीत धारण करने वालों का पर्व । श्रावणी पूर्णिमा । सलूनो ।

तन्तुर, (न.) नाल वाला । मृणाल ।
तन्तुवाप, (पु.) जुलाहा । कोरी ।
तन्तुवाय, (पु.) जुलाहा । कोरी । कपड़ा बिनने वाला ।
तन्तुविग्रह, (स्त्री.) केला ।
तन्तुशाला, (स्त्री.) सूत बिनने का घर ।
तन्तुसन्तत, (वि.) सिला हुआ कपड़ा ।
तंत्र, (न.) सिद्धान्त । निर्णय । औषध । कुनबा । प्रधान । बड़ा । जुलाहा । कोरी । परिच्छद । पराधीन होकर काम करने वाला । हेतु । अर्थसिद्धकारी । ताँत । स्वराज्य चिन्ता । परिजन । नौकर । प्रबन्ध । शपथ । धन । घर । बीने का उपकरण । कुल । वेद की शाखाविशेष । शास्त्रविशेष । शिव जी कथित शास्त्रविशेष ।
तंत्रक, (न.) नया कपड़ा ।
तंत्रवाप, (पु.) जुलाहा । कोरी ।
तंत्रिका, (स्त्री.) दूर्वा । गिलोय ।
तंत्री, (स्त्री.) वीणाविशेष । गिलोय । शरीर की नाड़ी । रस्सी । नदी । युवती ।
तन्द्रा, (स्त्री.) ऊँघाई । नींद ।
तन्द्रालु, (वि.) बहुत सोने वाला ।
तन्मय, (वि.) उसीमें निवेशित चित्त वाला । उसीमें लगा हुआ ।
तन्मात्र, (वि.) वही । उसी आकार का ।
तन्वी, (स्त्री.) बेलविशेष । कृशाङ्गी । कोमल प्रकृति की स्त्री । पतली कटि वाली स्त्री । छन्दविशेष ।
तप्, (क्रि.) जलाना । तपाना ।
तपती, (स्त्री.) सूर्य की स्त्री, जिसका नाम छाया है । एक नदी (तापती) सूर्य-तनया, जिसके योग से कुरु तापत्य कहे जाते हैं ।
तपन, (पु.) ताप । सूर्य । भिलावे का पेड़ । नरकविशेष । गर्मी की ऋतु । मदार का पेड़ । सूर्यकान्त-मणि ।
तपनतनय, (पु.) यम । यमुना । शनी ।

तपनी, (स्त्री.) गोदावरी ।
तपनीय, (न.) सोना । तपने योग्य ।
तपस्, (पु.) माघ मास । शिशिर ऋतु । जनलोक के ऊपर का लोक । आलोचन । अपने आश्रम का शास्त्रविहित कर्मानुष्ठान । चान्द्रायण आदि व्रत । लग्न से नवम गृह ।
तपस्य, (पु.) फागुन मास । कुन्द का पुष्प । तप में संलग्न ।
तपस्या, (स्त्री.) तप । व्रतचर्या ।
तपस्विन्, (वि.) तापस । तपस्वी । तप करने वाला । दीन । चिड़िया ।
तपस्विनी, (स्त्री.) तप करने वाली । दीना । दुःखिनी । जटामांसी ।
तपात्यय, (पु.) वर्षाकाल । बरसात ।
तपोधन, (पु.) तपस्वी । दमन नामक वृक्षविशेष ।
तपोवन, (न.) तपस्वियों के तपने का वन । तीर्थविशेष ।
तप्तकुम्भ, (पु.) नरकभेद ।
तप्तकृच्छ्र, (न.) व्रतविशेष ।
तम्, (क्रि.) थक जाना । चाह उठाना ।
तम, (पु.) तमोगुण । राहु । तमाल का वृक्ष ।
तमस्, (न.) अन्धकार । शोक । पाप । कार्याकार्य का विचार न करना । गुणविशेष । राहु ।
तमस्विनी, (स्त्री.) रात ।
तमाल, (पु.) वृक्ष । तिलक, वरुण वृक्ष । लाह ।
तमि, (स्त्री.) अँधेरे वाली । रात ।
तमिस्र, (न.) अन्धकार । अन्धेरा । कोप । गुस्सा । अज्ञान । अन्धकारमयी रजनी ।
तमिस्रपक्ष, (पु.) अँधेरा पक्ष ।
तमोघ्न, (पुं.) सूर्य । अग्नि । चन्द्र । बुद्ध । विष्णु । शिव ।
तमोज्योतिस्, (पु.) जुगनू । खद्योत ।
तमोनुद्, (पु.) ज्ञान । सूर्य । चन्द्र । आग

तरक्षु, (पुं.) भेड़िया । मार्ग रोकने वाला ।
तरङ्ग, (पुं.) लहर ।
तरङ्गिणी, (स्त्री.) तरङ्ग वाली । नदी ।
तरङ्गित, (वि.) लहरों वाला । चञ्चल ।
तरण, (पुं.) बेड़ा । स्वर्ग । (क्रि.) । तरना
तरणि, (पुं.) सूर्य । बेड़ा । मदारवृक्ष । किरन । ताँबा । नौका । तिमीकन्द ।
तरतम, (वि.) न्यून, अधिक भाव वाला । व्यर्थ ।
तरपण्य, (न.) नदी की उतराई । पार जाने का महसूल ।
तरल, (पुं.) हार । चपल । कामी । विस्तार । चमकीला । पनीला । मद्य । लस्सी ।
तरवारि, (पुं.) तलवार । शत्रु की गति को रोकने वाली ।
तरस, (न.) बल । वेग ।
तरसा, (अव्य) झट । अति शीघ्र ।
तरस्विन्, (पुं.) हवा । गरुड़ । शीघ्रगामी वीर ।
तरि-री, (स्त्री.) नाव । पिटारी । पलड़ा ।
तरु-ष-खण्ड, (पुं.) वृक्षसमूह या वृक्षों के टुकड़े ।
तरुण, (पुं.) अण्डी का पेड़ । जीरा । पुष्प विशेष । नया । युवा । फिर से उदित । गर्म । कोमल । सद्यः । युवती नारी ।
तरुणज्वर, (पुं.) सात दिन चढ़ा रहने वाला ज्वर । तुरन्त चढ़ा हुआ ज्वर । खूब चढ़ा हुआ बुखार ।
तरुविलासिनी, (स्त्री.) नवमल्लिका ।
तर्क, (पुं.) आकांक्षा । वितर्क । विचार । सम्भावना ।
तर्क्, (क्रि.) चमकना ।
तर्कु, (पुं.) यन्त्रविशेष । तेकुना । कातने का साधन ।
तर्ज्, (क्रि.) झिड़कना ।
तर्जनी, (स्त्री.) अँगूठे के पास की उङ्गली ।
तर्ण्य, (पु.) कम । प्रिय । सद्य उत्पन्न शिशु । गौ का हाल का ब्याना बछड़ा ।

तर्द्, (क्रि.) मारना ।
तर्दू, (स्त्री.) लकड़ी की कड़ी ।
तर्पण, (न.) प्रसन्न करना । पितृयज्ञ क्रिया । तृप्त करना ।
तर्ष्, (क्रि.) आना ।
तर्ष, (पुं.) अभिलाष ।
तर्हि, (अव्य.) तो । तदा । उस समय
तल्, (क्रि.) स्थिर होना । पूरा करना प्रतिज्ञा पूर्ण करना ।
तल, (पु. न.) स्वरूप । निचला भा अपेक्ष । ताल का वृक्ष । तलवार की मूठ आधार और स्वभाव ।
तलप्रहार, (पु.) थप्पड़ मारना । चप मारना ।
तलातल, (न.) पाँचवाँ पाताल लोक ।
तलित, (न.) भुना मांस ।
तलुन, (पु) वायु । युवा । पट्ठा । (युवती स्त्री ।
तल्प, (पु.) खाट । सेज । दारा ।
तल्लज, (पु.) प्रशस्त । बहुत अच्छा ।
तष्ट, (वि.) छीला किया गया ।
तष्टृ, (पु.) बढ़ई । विश्वकर्मा जातिविशेष
तस्, (क्रि.) सजाना । ऊपर फेंकना ।
तस्कर, (पु.) चोर । दमनक पेड़ ।
ताच्छिल्य, (न.) निर्दिष्ट स्वभाव वाला
ताटस्थ्य, (न.) उदासीन होना । पास होन
ताडका, (स्त्री.) राक्षसीविशेष । रामचन्द्र जी द्वारा मारी गयी थी ।
ताडनी, (स्त्री.) चाबुक । हण्टर ।
ताण्डव, (न.) पुरुष का नाच । घासविशेष जोर से नाचना ।
ताण्डवप्रिय, (पु.) शिव ।
तात, (न.) पिता । पुत्र । दया । करने योग्य काका । चाचा । पूजने योग्य ।
तात्पर्य, (न.) आशय । निष्कर्ष । अभिप्राय
तादर्थ्य, (न.) उसके लिये ।
तादात्म्य, (न.) अभेद । एक ही रूप वाला

तादृश, (वि.) उस प्रकार का । उस जैसा ।
तान, (पु.) एक धातु । कमल का डोरा । छन्दस्वर । फैलाव । विस्तार ।
तान्त्रिक, (वि.) तन्त्रशास्त्र को जानने वाला । मन्त्रवादी ।
ताप, (पु.) सन्ताप । गर्मी । शोक । कष्ट । दुःख ।
तापन, (न.) ताप करने वाला । दमनक वृक्ष ।
तापसतरु, (पु.) इंगुदी का पेड़ ।
तापिच्छ, (पु.) ताप दूर करने वाला पेड़ । तमाल वृक्ष ।
तापी, (स्त्री.) विन्ध्य पर्वत की एक नदी जिसका वर्तमान प्रसिद्ध नाम ताप्ती है ।
तामरस, (न.) पद्म । कमल । सोना । धतूरा । छन्द जिसके पाद में बारह अक्षर होते हैं ।
तामस, (पु.) क्रोध । उल्लू । जीव । अविद्याभरण । राहु की सन्तान । सर्प । जटामांसी ।
तामिस्र, (पु.) अंधेरे वाला । नरकविशेष । रावण । वस्तु को उलटा दिखाने वाला अज्ञान ।
ताम्बूल, (न.) नागवल्ली का पत्ता । पान । सुपारी ।
ताम्बूलकरङ्क, (पु.) पान का बिलहरा ।
ताम्बूलिक, (पु.) पान बेचने वाला । तमोली ।
ताम्र, (न.) ताँबा । लाल रंग ।
ताम्रकर्णी, (स्त्री.) पश्चिम दिशा की हथिनी । एक नदी ।
ताम्रकार, (पु.) कसेरा ।
ताम्रकुट, (न.) तमाखू ।
ताम्रचूड़, (पु.) मुर्गा । कुक्कुट ।
ताम्रपट्ट, (न.) ताँबे का पत्रा ।
ताम्रपर्णी, (स्त्री.) नदीविशेष ।
ताम्रपल्लव, (स्त्री.) मजीठ । लाल पत्ते वाली ।
ताम्रबीज, (पु.) लाल बीज वाला ।
ताम्रशिखिन्, (पु.) कुक्कुट । मुर्गा ।
ताम्रसार, (पु.) ताँबे की भस्म । लाल चन्दन का बुरादा ।
ताम्रिक, (पु.) एक जाति ।
ताय्, (क्रि.) पालन करना ।
तार, (पु.) किनारा । उल्लंघन । वानरविशेष । शुद्ध मोती । प्रणव (ओं) । देवी का प्रणव (ह्रीं) । तारना । तारा । पुतली । ऊँचा शब्द । निर्मल । महाविद्या विशेष । बृहस्पति की स्त्री ।
तारक, (पु.) तारने वाला । मल्लाह । दैत्यविशेष । तारा । पुतली ।
तारकजित्, (पु.) तारकासुर को जीतने वाला कार्तिकेय ।
तारकित, (न.) तारों वाला । आकाश ।
तारतम्य, (न.) न्यूनाधिक्य । थोड़ा बहुत । भेद । अन्तर ।
तारापति, (पुं.) तारा का स्वामी । शिव । चन्द्रमा । बृहस्पति । बाली । सुग्रीव ।
तारापथ, (पुं.) आकाश ।
तारापीड, (पु.) चन्द्रमा । राजाविशेष ।
ताराभ्र, (पु.) कपूर ।
तारिणी, (स्त्री.) तारने वाली । पार्वती । दूसरी महाविद्या ।
तार्किक, (पु.) तर्कशास्त्री । नैयायिक पण्डित ।
तार्क्ष्य, (पुं.) तृक्ष की औलाद । गरुड़ । अरुण । साँप । घोड़ा । सोना । रथ ।
तार्तीयक, (न.) तीसरा । तृतीय ।
ताल, (पु.) वृक्षविशेष । हरताल । देवी का सिंहासन । राग का माप । ताली बजाना । काँसे का बना हुआ बाजा । तलवार की मूठ । ताला ।
तालक, (न.) ताला । हरताल ।
तालध्वज, (पु.) बलभद्र । बलराम ।
तालपत्र, (न.) करनफूल । कान का भूषण ।

तालवृन्त, (न.) पङ्खा । बीजना ।
तालाङ्क, (पु.) बलभद्र । बलदेव ।
तालिक, (पु.) थपड़ । हथेली ।
तालु, (न.) मुख में जीभ के ऊपर का भाग ।
तालुजिह्व, (पु.) तालु ही जिसकी जिह्वा है । कुम्भीर । नक्र के जीभ न होने पर भी वह तालु ही से जिह्वा का काम लेता है ।
तावत्, (अव्य.) तब तक । इतना । निश्चय । प्रशंसा । वाक्य का भूषण । तब । इतना बड़ा ।
तिक्, (क्रि.) जाना ।
तिक्त, (पु.) कसैला । तीता ।
तिग्म, (न.) तीक्ष्ण । तेज ।
तिग्मरश्मि, (पु.) सूर्य । तेजस्वी ।
तिघ्, (क्रि.) हनन करना ।
तिज्, (क्रि.) क्षमा करना ।
तितउ, (पु.) चलनी । छोटा छाता ।
तितिक्षा, (स्त्री.) क्षमाशीलता । सहनशीलता ।
तितिक्षु, (वि.) सहनशील । शीतादि सहने वाला ।
तित्तिभ, (पु.) जुगनू । [illegible] । इन्द्रगोप ।
तित्तिर तित्तिरिः, (पु.) तीतर नामक पक्षी ।
तिथ, (पु.) काम । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
तिथि, (पु. स्त्री.) चन्द्रमा की कलाओं से [illegible] । [illegible] ।
तिथिक्षय, (पु.) जिसमें चन्द्रमा की तिथि का क्षय होता है । अमावास्या । [illegible] ।
तिथिपत्री, (स्त्री.) पत्रा । जन्त्री ।
तिथिप्रणी, (पु.) चन्द्रमा ।
तिन्तिड, (पु.) इमली ।
तिन्तिडीक तिन्तिडी, (स्त्री. न.) [illegible] ।

तिन्दु-तिन्दुलः, तिन्दुक, (पु.) वृक्ष विशेष । मापविशेष ।
तिप्, (क्रि.) छिड़कना । बूँदें टपकाना । जानना । उड़ेलना । घुमाना । बचाना ।
तिम्, (क्रि.) भिगोना । नम करना ।
तिमि, (पु.) ह्वेल जैसे शरीर की बड़ी मछली ।
तिमिङ्गिल, (पु.) बड़ा भारी मत्स्य जो तिमि को भी निगल जाता है ।
तिमित, (वि.) गीला ।
तिमिर, (न.) अन्धकार । एक प्रकार का नेत्ररोग । लोहे का चूरा ।
तिमिरमय, (पु.) राहु की उपाधि । ग्रहण ।
तिरयति, (क्रि.) छिपाना । गुप्त रखना । बाधा देना । रोकना । जीतना ।
तिरश्चीन, (वि.) टेढ़ा हो गया ।
तिरस्, (अव्य.) अन्तर्धान । छिपना ।
तिरस्करणी, (स्त्री.) परदा । कनात । परदे हो जाने की विद्या ।
तिरस्कार, (पु.) अनादर । अपमान ।
तिरोधा, (क्रि.) अन्तर्धान होना । छिपाना । ढाँकना । हटाना ।
तिरोधान, (न.) अदर्शन, छिपाना । ओढ़नी । ढकना । परदा ।
तिरोहित, (वि.) छिपा हुआ । ढका हुआ ।
तिरोभाव, (पु.) छिपाव । दुराव ।
तिर्यक्, (अव्य.) टेढ़ा । झुका हुआ । जीवविशेष । पशु, पक्षी, वनस्पति आदि ।
तिल्, (क्रि.) चिकना करना । फिसलाना ।
तिल, (पु.) स्वनामख्यात धान्यविशेष । तिली ।
तिलक, (पु.) तिल का वृक्ष । घोड़ा विशेष । चिह्नविशेष । टीका जो मस्तक पर लगाया जाता है ।
तिलकल्क, (न.) तिलों की खली । तिलों का चूर्ण ।
तिलकालक, (पु.) [illegible] । तिल की [illegible] ।

तिलकालक, (पु.) शरीर पर तिलों जैसा काला चिह्न । रोगविशेष ।

तिलतैल, (न.) तिलों का तेल ।

तिलित्स, (पु.) बड़ा सर्प । अजगर ।

तिलोत्तमा, (स्त्री.) अप्सराविशेष ।

तिल्य, (न.) तिलों का खेत ।

तिष्ठद्गु, (अव्य.) गौओं के दुहे जाने का दूसरी बार का समय, अथवा डेढ़ घण्टा रात बीते ।

तिष्य, (पुं.) पुष्य नक्षत्र । पौषमास । कलियुग । भाग्यवान् । पुष्यनक्षत्र के समय उत्पन्न ।

तिष्यकेतु, (पु.) शिव की उपाधि ।

तिष्यक, (पु.) पौष मास ।

तिष्यफला, (स्त्री.) कलियुग में भी जिसका फल हो । आँवला ।

तीक्, (कि.) जाना । डोलना ।

तीक्ष्ण, (न.) पैना । गर्म । जोशीला । कठोर प्रभावोत्पादक । हानिकारक । पैनी बुद्धि का । चतुर । उत्साही । मतिमान् । प्रतिकूल । मोक्षकामी । योगी ।

तीक्ष्णकण्टक, (पुं.) तेज काँटे वाला । धतूरा । इंगुदी वृक्ष । बाँस ।

तीक्ष्णकन्द, (पुं.) पलाण्डु ।

तीक्ष्णगन्धा, (पु.) तेज गन्ध वाला । छोटी इलायची । जयन्ती ।

तीक्ष्णपुष्प, (पुं.) लौंग । केतकी ।

तीक्ष्णशूक, (पुं.) जौ ।

तीक्ष्णायस, (न) फौलाद । लोहे की छेनी । लोहविशेष ।

तीम, (कि.) गीला करना ।

तीर्, (कि.) पार होना । तैर जाना । पूरा करना । तै करना । ठीक ठाक करना ।

तीर, (न.) किनारा । तट । बाण । सीसा । जस्ता ।

तीरु, (पु.) शिव ।

तीर्ण, (वि.) उत्तीर्ण । तैर गया । पार हुआ । दबाया गया । स्नान किया हुआ ।

तीर्थ, (न.) मार्ग । घाट । जलस्थान । पवित्रस्थली । मन्दिर । नहर । चिकित्सा । उपाय । प्रतिनिधि । एक पूज्य व्यक्ति । गुरु । स्रोत । उद्गमस्थान । यज्ञ । अमात्य । शिक्षा । उपदेश । हाथ के विशेष देश जो देव अथवा पितृकार्य में पवित्र माने जाते हैं । स्त्रियों का रज । योनि । दर्शन । आगम । याग । सरोवर ।

" शुचि मनो यद्यस्ति तीर्थेन किम् । "

तीर्थंकर, (पु) शास्त्रोपदेश । हितोपदेश करने वाले । गौतम । कपिल । कणाद आदि । जैनियों के गुरु तीर्थंकर ।

तीर्थदेव, (पुं.) शिव ।

तीर्थराज, (पु.) तीर्थों के राजा । मुख्यतीर्थ । प्रयागराज ।

तीव्, (कि.) मोटा होना । दृढ़ होना ।

तीवर, (पु.) समुद्र । शिकारी । वर्णसङ्कर जातिविशेष ।

तीव्र, (पु.) शिव । लोहा । गरम । असीम । दर्द । यातना ।

तीव्रवेदना, (स्त्री.) अत्यन्त वेदना ।

तु, (अव्य.) किन्तु । परन्तु । पादपूर्तिकर । और । नहीं तो । इसको छोड़ कर । भी ।

तु, (कि.) अधिकार प्राप्त करना । दृढ़ होना । प्राप्त करना । उन्नति करना । परिपूर्ण करना । जाना । डोलना । पीड़ित करना । घायल करना । मारना ।

तुग्र्या, (स्त्री) जल । पानी । यह वैदिक प्रयोगों में आता है ।

तुङ्ग, (पु.) ऊँचा । लम्बा । बड़ा । मुख्य । दृढ़ । शिखी (पुं.) ऊँचाई । पर्वत । शिखर । चोटी । बुधग्रह । गैंडा । नारियल का वृक्ष । राशिएँ (ज्योतिष की) । सिंहासन । बुद्धिमान् पुरुष । शिव की उपाधि ।

तुङ्गबीज, (पु.) पारद । पारा ।

तुङ्गभद्र, (पुं.) मदपूर्वित हाथी । (२) (स्री.) दक्षिण भारत की एक नदी का नाम जो कृष्णा नदी में गिरती है ।

तुङ्गमुख, (पुं.) गैंडा ।

तुङ्गशेखर, (पुं.) पहाड़ ।

तुङ्गी, (स्री.) रात्रि । हल्दी ।

तुच्, (पुं. स्री.) सन्तान । औलाद । वैदिक प्रयोग ।

तुच्छ, (पुं.) रीता । रहित । व्यर्थ । हलका । छोटा । त्यक्त । क्षुद्र । दीन । अभागा । (न.) भूसी रहित धान्य । तुष

तुच्छद्रु, (पुं.) एरण्ड वृक्ष ।

तुञ्ज्, (क्रि.) मारना । घायल करना ।

तुट्, (क्रि.) झगड़ा करना । झगड़ना । चोटिल करना ।

तुटम, (पुं.) चूहा । चूँस ।

तुटितुट, (पुं.) शिव का नाम ।

तुड्ड्, (क्रि.) तुच्छ समझना । अपमान करना ।

तुण, (क्रि.) टेढ़ा करना । झुकाना । धोखा देना । छलना । ऐंठना ।

तुण्ड्, (क्रि.) दबाना ।

तुण्ड, (न.) मुख । चोंच । (सुअर की) थूँथनी ।

तुण्डिका, (स्री.) नाभि । ढुंढी ।

तुण्डिकेरी, (स्री.) कपास का पौधा । तालु की सूजन ।

तुण्डिल, (पुं.) शिव जी के नादिया का नाम ।

तुण्डिभ, (पुं.) बातूनी । बड़ी नाभि वाला ।

तुत्थ्, (क्रि.) प्रशंसा करना । ढकना । चोट करना । फैलाना ।

तुत्थ, (पुं.) अग्नि । एक प्रकार का अञ्जन । पत्थर । (२) (स्री.) छोटी इलायची । नील का पौधा ।

सेवन करना । पीड़ा
अत्याचार करना ।

तुन्द, (पुं.) पेट । तों

तुन्दकूपी, (स्री.) ना

तुन्न, (पुं.) वृक्ष । पीड़ि

तुन्नवाय, (पुं.) कटे

तुप्, (क्रि.) मारना ।

तुमुल, (पुं.) कलह
हुआ । मग्भरिहा । शं

तुम्प्, (क्रि.) कष्ट दे

तुम्ब, (पुं.) कूष्माण्

तुम्बरु, (पुं.) ग
विशेष । तमूरा ।

तुर्, (क्रि) शीघ्रता कर

तुरकिन्, (पुं.) तुर्क

तुरक्षः, (पुं.) तुर्कदेश

तुरग, (पुं.) घोड़ा ।

तुरगरक्ष, (पुं.) सा

तुरङ्ग, (पुं.) घोड़ा ।

तुरी, (स्री.) जुलाहे

तुरीय, (त्रि.) चौथा
आत्मा की चतुर्थ

तुरीयवर्ण, (पुं.) शू

तुरुष्क, (पुं.) गन्धद्र

तुर्य, (त्रि.) चौथा ।

तुर्व्, (क्रि.) मारना ।

तुर्वसु, (पुं.) ययाति

तुल्, (क्रि.) तोलना

तुलसी, (स्री.) वृक्ष
परम प्रिय है ।

तुला, (स्री.) तराजू
पात्र । सातवीं राशि

तुलाकोटि, (स्री.)
आभूषण । मापविशे

तुलाधार, (त्रि.) बु

त्रपु, (न.) रांगा । सीसा ।
त्रपुटी, (स्त्री.) छोटी इलायची ।
त्रपुस, (न.) सीसा । रांग ।
त्रय, (न. स्त्री.) तीनों का भाग । तीन भाग वाला । तीन संख्या वाला । वेदत्रयी । वेदत्रयी । बुद्धिमती स्त्री । अच्छी बुद्धि ।
त्रयीधर्म, (पु.) वेदत्रयी से विधान किया गया धर्म । वैदिक धर्म ।
त्रयोदशन, (वि.) तेरह । त्रयोदशी ।
त्रस्, (क्रि.) डरना । भय खाना ।
त्रसरेणु, (पु.) सूर्य की किरण में व्याप्त परमाणु का छठवाँ अंश । सूर्य की स्त्री का नाम ।
त्रस्त, (वि.) भीत । डरा हुआ । चकित । हैरान । जल्दी । त्वरा ।
त्रस्नु, (वि.) डरपोक । भीरु ।
त्रापुष, (वि.) रांगे अथवा टीन का बना ।
त्रि, (वि.) तीन ।
त्रिंश, (वि.) तीस का तीसवाँ ।
त्रिक, (न.) तीन का समुदाय । पीठ की हड्डी के नीचे का प्रदेश । तिरसा । त्रिकटु (सोंठ, मरच, पिपल) ।
त्रिककुद्, (पु.) त्रिकूट पर्वत ।
त्रिकाल, (न.) भूत । भविष्यत् । वर्तमान ।
त्रिकालज्ञ, (पु.) ज्योतिषी । सर्वज्ञ । सब कुछ जानने वाला ।
त्रिकूट, (पु.) लङ्का जिस पर्वत पर बसी हुई है वह सुवेल पर्वत ।
त्रिकोण, (वि.) त्रिभुज । लग्न से नवाँ और पाँचवाँ स्थान ।
त्रिगर्त, (पु.) तीन गर्त । देशविशेष । उस देश के रहने वाले ।
त्रिगुण, (न.) सत्व, रजस और तमस ।
त्रिगुणात्मक, (वि.) त्रिगुण संपन्न । [illegible]
त्रिगुणात्मक, (वि.) [illegible]

त्रिजटा, (स्त्री.) एक राक्षसी ।
त्रिजग, (न.) तीन जगतों का समूह । तीन ।
त्रिदण्ड, (न.) सन्यासियों का चिह्न ।
त्रिदण्डी, (पु.) संन्यासीविशेष ।
त्रिदश, (पु.) देवता ।
त्रिदशाधिप, (पु.) इन्द्र । परमात्मा । विष्णु ।
त्रिदशालय, (पु.) देवों के रहने का स्थान । स्वर्ग ।
त्रिदिव, (पु.) आकाश । स्वर्ग ।
त्रिदोष, (पु.) कफपित्त की अवस्था, जब वात पित्त श्लेष्मा तीनों में दोष हो जाता है ।
त्रिधा, (अ.) तीन तरह । तीन टुकड़े
त्रिधामा, (पु.) अग्नि । शिव । विष्णु ।
त्रिनयन, (पु.) शिव (वि.) तीन आँख वाला । (स्त्री.) दुर्गा । अंबिका ।
त्रिनेत्र, (पु.) महादेव जी ।
त्रिपथगा, (स्त्री.) गङ्गा । तीन मार्गों से जाने वाली । [illegible]
त्रिपदी, (स्त्री.) हस्तिबन्धन । एक वैदिक छन्द । हाथी के पैर बाँधने की जंजीर । एक प्रकार का छन्द ।
त्रिपर्ण, (पु.) ढाक । [redacted] का वृक्ष ।
त्रिपाद्, (पु.) विष्णु । ज्वर ।
त्रिपुट, (पु.) तोता । हथेली । मटर । खेसारी । छोटी इलायची । [illegible]
त्रिपुण्ड्र, (न.) ललाट के ऊपर की तीन लकीरों का तिलक । भस्म तिलक
त्रिपुर, (पु.) दैत्यविशेष । [illegible] दिया ।
त्रिपुरभैरवी, (स्त्री.) देवीविशेष
त्रिपुरारि, (पु.) शिव
त्रिपुरान्तक, (पु.) [illegible]

[illegible]

त्रपु, (न.) रांग। सीसा।
त्रपुटी, (स्त्री.) छोटी इलायची।
त्रपुस्, (न.) सीसा। रांग।
त्रय, (न. स्त्री.) तीनों का भाग। तीन भाग वाला। तीन संख्या वाला। वेदत्रयी। देवत्रयी। कुटुम्बिनी स्त्री। अच्छी बुद्धि।
त्रयीधर्म, (पु.) वेदत्रयी से विधान किया गया धर्म। वैदिक धर्म।
त्रयोदशन्, (वि.) तेरह। त्रयोदशी।
त्रस्, (क्रि.) डरना। भय खाना।
त्रसरेणु, (पु.) सूर्य की किरण में व्याप्त परमाणु का छठवाँ अंश। सूर्य की स्त्री का नाम।
त्रस्त, (वि.) भीत। डरा हुआ। चकित। हैरान। जल्दी। त्वरा।
त्रस्नु, (वि.) डरपोक। भीरु।
त्र्यायुष, (वि) तीनों अवस्था तीन का भाग।
त्रि, (वि.) तीन।
त्रिंश, (वि.) तीस या तीसवाँ।
त्रिक, (न.) तीन का समुदाय। पीठ की हड्डी के नीचे का प्रदेश। तिराहा। त्रिकटु (सोंठ, मघ, मिरच)।
त्रिककुद्, (पु.) त्रिकूट पर्वत।
त्रिकाल, (न.) भूत। भविष्यत्। वर्तमान।
त्रिकालज्ञ, (पु.) ज्योतिषी। सर्वज्ञ। सब कुछ जानने वाला।
त्रिकूट, (पु.) लङ्का जिस पर्वत पर बसी हुई है वह [illegible] पर्वत।
त्रिकोण, (वि.) तिकोना। [illegible] और चौकी वस्तु।
त्रिगर्त, (पु) तीन गर्त। देशविशेष। उस देश के रहने वाले।
त्रिगुण, (न.) सत्त्व, रजस् और तमस्।
त्रिगुणाकृत, (वि.) तिहरा जोता गया खेत आदि।
त्रिगुणात्मक, (वि.) त्रिगुणमय। त्रिगुणयुक्त। (न.) [illegible]

त्रिजटा, (स्त्री.) एक राक्षसी।
त्रितय, (न.) तीन वस्तुओं का समूह। तीन।
त्रिदण्ड, (न.) सन्यासियों का चिह्न।
त्रिदण्डी, (पु.) सन्यासीविशेष।
त्रिदश, (पु.) देवता।
त्रिदशाधिप, (पुं.) इन्द्र। परमात्मा। विष्णु।
त्रिदशालय, (पु) देवों के रहने का स्थान। स्वर्ग।
त्रिदिव, (पु.) आकाश। स्वर्ग।
त्रिदोष, (पु.) सन्निपात की अवस्था, जब वात पित्त श्लेष्मा तीनों में दोष हो जाता है।
त्रिधा, (अ.) तीन तरह। तीन टुकड़े।
त्रिधामा, (पु.) अग्नि। शिव। विष्णु।
त्रिनयन, (पु.) शिव (वि.) तीन आँख वाला। (स्त्री.) दुर्गा। गौरी।
त्रिनेत्र, (पुं.) महादेव जी।
त्रिपथगा, (स्त्री.) गङ्गा। तीन रास्तों से जाने वाली। [illegible] जाने वाली।
त्रिपदी, (स्त्री.) लताविशेष। एक वैदिक छन्द। हाथी के पैर बाँधने की सीकड़। तिपाई। एक गाथा का छन्द।
त्रिपर्ण, (पु.) ढाक। बेल का वृक्ष।
त्रिपाद, (पु.) विष्णु। ज्वर।
त्रिपुट, (पु.) [illegible]। हथेली। [illegible]। [illegible]।
त्रिपुण्ड्र, (न.) मस्तक के ऊपर की तीन लकीरों का तिलक। आड़ा तिलक।
त्रिपुर, (पु.) दैत्यविशेष। मयासुर के बनाये नगरों के तीन भाग जो सोने चाँदी और लोहे के थे, जिसे शिव जी ने बाण से भस्म कर दिया।
त्रिपुरभैरवी, (स्त्री.) देवीविशेष।
त्रिपुरारि, (पु.) शिव।
त्रिपुरान्तक, (पु.) [illegible]
(न.) [illegible]

त्रिफला, (स्त्री.) हड़, बहेड़ा, आँवला।
त्रिभंगी, (स्त्री.) एक प्रकार का मात्राछन्द।
त्रिभुज, (न.) तीन कोने वाला क्षेत्र।
त्रिभुवन, (न.) स्वर्ग, पृथ्वी, पाताल—ये तीनों लोक।
त्रिमधु, (न.) घी, मिश्री, शहद।
त्रिमार्गगा, (स्त्री.) गंगा। आकाश, पृथ्वी और पाताल तीनों रास्तों से जाने वाली।
त्रिमूर्ति, (पु.) ब्रह्मा, विष्णु, शिव।
त्रियामा, (स्त्री.) रात। हल्दी। नील। यमुना।
त्रियुग, (पु.) [illegible]।
त्रिरात्र, (न.) तीन रातें।
त्रिरुक्त, (न.) तीन बार कह कर प्रतिज्ञा करना।
त्रिरेख, (पु.) शंख। (वि.) तीन रेखा वाला।
त्रिलोकी, (स्त्री.) तीनों लोक। त्रिभुवन।
त्रिलोकेश, (पु.) विष्णु। शिव। सूर्य।
त्रिलोचन, (पु.) शिव।
त्रिवर्ग, (पु.) धर्म, अर्थ, काम। सत्व, रज, तम। आमदनी, खर्च और बढ़ती।
त्रिविक्रम, (पु.) वामन अवतार से तीन पग बढ़ाने वाले श्रीविष्णु। तीनों लोक नाप कर भी एक पाँव बढ़ रहने से त्रिविक्रम नाम हुआ।
त्रिविध, (वि.) तीन तरह का।
त्रिविष्टप, (न.) स्वर्ग।
त्रिवृत, (पु.) मन, प्राण, [illegible]।
त्रिवेणी, (स्त्री.) प्रयाग में जिस जगह गंगा [illegible]।
त्रिशंकु (पु.) [illegible]।
त्रिशंकु, (पु.) [illegible]।
त्रि[illegible] (पु.) [illegible]। (वि.) [illegible]।

त्रिशिरा, (पुं.) कुमार। कुबेर। राक्षस विशेष।
त्रिशूल, (न.) तीन नोकों वाला अस्त्र।
त्रिशूली, (पुं.) शिव।
त्रिष्टुप्, (स्त्री.) एक वैदिक छंद।
त्रिसन्ध्या (स्त्री.) सवेरे, दोपहर और शाम।
त्रिसवन, (न.) त्रिकाल।
त्रिहायणी, (स्त्री.) तीन बरस की गऊ। द्रौपदी।
त्रुटि, (स्त्री.) लेश। संशय। जितनी देर में आँख झपकती है उतना समय। कमी। हानि। पक्षी।
त्रुटित, (वि.) टूटा हुआ।
त्रेता, (स्त्री.) सत्ययुग के बाद का (दूसरा) युग।
त्रेधा, (अ.) तीन तरह। तीन रूप।
त्रैगुण्य, (न.) संसार। तीन (सत्व, रज, तम) गुण।
त्रैमासिक, (वि.) तीन महीने का।
त्रैराशिक, (न.) गणितविशेष।
त्रैलोक्य, (न.) त्रिलोकी।
त्रैवर्णिक, (वि.) द्विज। ब्राह्मण, क्षत्रिय या वैश्य वर्ण का।
त्र्यक्ष, (पु.) [illegible]। शिव।
त्र्यक्षर, (न.) ओंकार।
त्र्यङ्गुल, (न.) तीन अङ्गुल की माप।
त्र्यम्बक, (पु.) शिव। त्रिनेत्र। त्रिलोचन।
त्र्यम्बकसखा, (पु.) शिव का मित्र। कुबेर।
त्र्यहस्पर्श, (पु.) वह दिन जिसमें तीन तिथियों का संयोग हो जाय।
त्वक् (स्त्री.) खाल। छाल।
त्वक्सार, (पु.) [illegible]। (वि.) जिसमें [illegible]।
त्वक्[illegible], (पु.) [illegible]।
त्वचा, (स्त्री.) खाल। छाल।
त्वदीय, (वि.) तुम्हारा।

त्वद्विध, (वि.) तुम्हारे ऐसा।
त्वरा, (स्त्री.) जल्दी। फुर्ती। शीघ्रता।
त्वष्टा, (पुं.) विश्वकर्मा। १२ आदित्यों में से एक आदित्य। बढ़ई। चित्रा नक्षत्र।
त्वादृश, (वि.) तुम्हारा ऐसा।
त्वाष्ट्र, (पुं.) विश्वकर्मा का पुत्र। वृत्रासुर।
त्विष्, (स्त्री.) शोभा। कान्ति। प्रकाश।
त्विषांपति, (पु.) सूर्यदेव।
त्सरु, (पु.) तलवार की मूठ। कब्जा।
त्सरुक, (वि.) तलवार पकड़ने या चलाने में चतुर।

थ

थ, (पु.) पहाड़। बचाने वाला। रोगभेद। भयचिह्न। भक्षण। (न.) मंगल। साहस।
थुत्कार, (पु.) थूकने का शब्द।
थूथू, (अ.) निन्दासूचक शब्द।
थैथै, (अ.) नाच के समय मृदंग के बोल।

द

द, (पु.) यह समास के पीछे आता है। देना। उत्पन्न करना। काटना। नष्ट करना। पृथक् करना। भेंट। पहाड़। (स्त्री.) भार्या। स्त्री। पश्चात्ताप।
दंश, (क्रि.) डसना। काटना। डंक मारना।
दंश, (पु.) वनैली मक्खी। सर्प। दुःख भाग। दाँत (सांप का)। दोष। कवच। घाव।
दंशन, (न.) डसना। डंक मारना। कवच पहने हुए।
दंशित, (वि.) कवच पहने हुए।
दंशेर, (पु.) हानिकारक।
दंष्ट्रा, (स्त्री.) दाढ़।
दंष्ट्रिन्, (पु.) सूअर। साँप। बड़ी दाढ़ वाला।
दकं, (न.) जल। जैसे "दकोदर"।
दक्ष्, (क्रि.) उगना। बढ़ना। करना। पीड़ित करना।
दक्ष, (वि.) निपुण। पटु। कार्यकुशल। "आज्ञे च दक्षा वयम्"।
दक्षकन्या, (स्त्री.) सती। दक्ष प्रजापति की कन्या। अश्विनी आदि नक्षत्र।
दक्षिण, (पु.) नायकविशेष। मध्य देश के दक्षिण वाला देश। शरीर का दहिना भाग। सरल। दूसरे की इच्छानुसार चलने वाला। उदार स्वभाव।
दक्षिणतस्, (अव्य.) दक्षिण दिशा का देश।
दक्षिणपूर्वा, (स्त्री.) अग्निकोण।
दक्षिणमार्ग, (पु.) पितृमार्ग। मार्ग जिससे पितृलोक में जीव जाता है। तन्त्र का विधानविशेष।
दक्षिणस्थ, (पु.) स्वपाल। सारथि।
दक्षिणा, (स्त्री.) यमराज की दिशा। यज्ञान्त में कर्मसमाप्ति के अर्थ दिया जाने वाला द्रव्य। यज्ञपत्नी। प्रतिष्ठा। रुचि प्रजापति की कन्या।
दक्षिणाग्नि, (पु) यज्ञीय अग्निभेद।
दक्षिणाचार, (पु.) आचारविशेष।
दक्षिणात्, (अव्य.) दक्षिण से।
दक्षिणापथ, (पु.) दक्खिन। दक्षिण दिशा का देश। दहिनी ओर का रास्ता।
दक्षिणामूर्ति, (पु.) शिव की मूर्तिविशेष।
दक्षिणायन, (न.) कर्क राशि से मकर राशि पर्यन्त जब सूर्य जाते हैं तब सूर्य का जो अयन बदलता है, उसे दक्षिणायन कहते हैं। इस अयन में सूर्य द. ओर रहते हैं।
दक्षिणावर्त, (वि.) दहिनी ओर घूमा हुआ।
दक्षिणीय, (वि.) दक्षिणा के योग्य।
दग्ध, (वि.) जला दिया हुआ। कष्ट पाया हुआ।

दघ्, (क्रि.) मारना । विनष्ट करना ।

दण्ड, (न.) लाठी । डण्डा । घोड़ा । सेना । सात पल का कालविशेष । भूमि का माप विशेष । सूर्य का अनुचर । राजाओं की चौथी नीति ।

दण्डका, (स्त्री.) दण्डक वन के अन्तर्गत जन-स्थान नामक स्थानविशेष ।

दण्डकारण्य, (न.) दण्डक नामक राजा का देश जो शुक्र के शाप से वन हो गया था । तीर्थविशेष ।

दण्डधर, (पु.) यमराज । राजा । कुम्हार ।

दण्डनायक, (पु.) कोतवाल । सिपाही ।

दण्डनीति, (स्त्री.) नीतिविशेष । फौजदारी की आईन ।

दण्डपारुष्य, (न.) स्मृतिकथित अठारह प्रकार के झगड़ों में से एक । राजाओं का दुर्व्यसनविशेष ।

दण्डवत्, (पु.) दण्ड ले जाने वाला । बड़ी सेना वाला । दण्ड की तरह लम्बा खड़ा होने वाला । पसर कर प्रणाम करने वाला ।

दण्डादण्डि, (अव्य.) लाठमलाठी ।

दण्डाहत, (न.) माठा । तक्र । छाछ ।

दण्डिन्, (पुं.) राजा । यमराज । द्वारपाल । सूर्य के पास विचरने वाला । सन्यासी । चौथे आश्रम वाला । कविविशेष ।

दत्त, (त्रि.) दिया गया । रखा गया । छोड़ा गया । बारह प्रकार के पुत्रों में से एक । वैश्य की उपाधिविशेष । दत्तात्रेय नामक भगवदवतारविशेष ।

दत्ताप्रदानिक, (न.) दी हुई वस्तु को पुनः ले लेने का झगड़ा । नारदकथित व्यवहारभेद ।

दत्तात्मन्, (पु.) पुत्रविशेष ।

दत्रिम, (त्रि.) दत्तक [illegible] । गोद आया लड़का ।

दद्, (क्रि.) देना । धीरज बँधाना ।

दद्रु, (पुं.) दाद रोग । कछुआ ।

दद्रुघ्न, (पुं.) दाद को दूर करने वाली दवा ।

दद्रुण, (वि.) दाद का रोगी ।

दद्रू, (पुं.) दाद ।

दध्, (क्रि.) देना । धारण करना ।

दधि, (न.) दही । एक प्रकार का दूध का विकार ।

दधिकूर्चिका, (स्त्री.) गर्म दूध में खट्टा दही डाल कर जो एक पदार्थ तैयार किया जाता है ।

दधिसार, (पु.) दही का सार । मक्खन ।

दधीचि, (पु.) अथर्व मुनि का औरस पुत्र । मुनि जिसकी हड्डी से वृत्र दैत्य के मारने को वज्र बनाया गया था ।

दनु, (स्त्री.) कश्यपपत्नी । दक्ष प्रजापति की कन्या । दानव माता । राक्षसमाता । दैत्यमाता ।

दनुज, (पु.) असुर । दैत्य ।

दन्त, (पु.) दाँत ।

दन्तक, (त्रि.) दाँतों में लगा हुआ । नागदन्त ।

दन्तकाष्ठ, (न.) दतवन । मुखारी । दन्तधावन ।

दन्तच्छद, (पु.) होंठ ।

दन्तधावन, (पु.) खदिर और बकुल का पेड़ । दतौन । दतवन ।

दन्तपत्रक, (न.) दाँत की तरह जिसके सफेद पत्र हों । कुन्दपुष्प । कुन्द का फूल ।

दन्तवक्र, (पु.) बड़े बड़े दाँतों वाला । श्रीकृष्ण जी का विरोधी राजाविशेष ।

दन्तबीजक, (पु.) अनार । दाड़िम ।

दन्तालिका, (स्त्री.) लगाम ।

दन्तावल, (पु.) हाथी ।

दन्तिन्, (पु.) दाँतों वाला । हाथी ।

दन्तुर, (त्रि.) ऊँचे दाँत वाला । नीची ऊँची जगह ।

, (वि.) दाँतों की सहायता से बोले जाने वाले अक्षर । दाँतों के लिये हितकर ।

शूक, (पुं.) साँप ।

, (क्रि.) पीड़ित करना । छलना । धोखा देना ।

(पु.) थोड़ा । छोटा । (पु.) समुद्र ।

(क्रि.) अधीन करना । अपने वश में करना ।

(पु.) बाहिर की वृत्तियों का रोकना दम कहलाता है । बुरे कामों से मन को हटाना । कीचड़ । रोकना ।

घोष, (पु.) शिशुपाल का पिता । चन्द्रवंशीय एक राजा ।

दमयन्ती, (स्त्री.) नल राजा की पत्नी । दमघोष की लड़की । भद्रमल्लिका ।

दमित, (वि.) रोकने वाला । सहने वाला । इन्द्रियों की वृत्तियों को अपने वश में करने वाला ।

दमुनस्, (पु.) अग्नि । शुक्राचार्य ।

दम्पती, (पु.) पति पत्नी । जोड़ा ।

दम्भ, (पुं.) कपट । छल । धूर्तता । पाप । अभिमान । घमण्ड ।

दम्भोलि, (पु.) वज्र नाम अस्त्र । एक प्रकार का हथियार । योग की कहलाने वाली मुद्राविशेष ।

दम्य, (पु.) बछड़ा । बोझा उठाने योग्य । बछड़ा । बैल । वश करने योग्य ।

दय्, (क्रि.) जाना । रक्षा । देना । पालन करना ।

दया, (स्त्री.) कृपा । किसी को दुःखी देख कर उसका दुःख दूर करने की इच्छा ।

दयालु, (वि.) दया करने वाला । कृपालु ।

दयित, (पु.) पति । प्यारा ।

दर, (अव्य.) थोड़ा । डर । गड्ढा ।

दरकाण्टिका, (स्त्री.) शतावरी ।

दरद्, (स्त्री.) जलप्रपात । डर । पहाड़ । बाँध । हृदय । म्लेच्छजातिभेद । एक जाति ।

दरिद्र, (पु.) निर्धन । धनरहित । दीन ।

दरिद्रा, (क्रि.) बुरी दशा को प्राप्त होना । गरीब होना ।

दर्दुर, (पु.) बादल । मेंढक । बाजा विशेष । पहाड़ । मिट्टी का पात्रविशेष । एक प्रकार के चावल ।

दद्रू, (स्त्री.) रोगभेद । एक प्रकार की बीमारी ।

दर्प, (पु.) अहङ्कार । गर्व । अभिमान । घमण्ड । कस्तूरी । हिरन विशेष । ताप ।

दर्पक, (पु.) अभिमान उत्पन्न करने वाला । कामदेव ।

दर्पण, (पुं.) शीशा । आदर्श । आईना । एक पर्वत का नाम ।

दर्भ, (पु.) कुश आदि कई प्रकार की घास ।

दर्भट, (न.) छिपा या कमरा ।

दर्व, (पु.) हिंस्र । शैतान । सर्प का फन ।

दर्वट, (पु.) गाँव का चौकीदार । [illegible] का बदला । द्वारपाल ।

दर्वरीक, (पु.) इन्द्र [illegible] । एक प्रकार का बाजा । वायु । पवन ।

दर्विका-का, (स्त्री.) कलछी । कड़छा । चम्मच ।

दर्वी-र्वि, (स्त्री.) कलछी । चमचा । सर्प का फैला हुआ फन ।

दर्वीकर, (पु.) साँप । सर्प ।

दर्श, (पु.) अमावस्या तिथि । दर्शयाग " दर्शपूर्णमासाभ्यां यजेत " श्रुति । देखना । देखने वाला ।

दर्शक, (पु.) राजा के हुजूर में प्रजा का दर्शन कराने वाला ।

दर्शन, (न.) आँख । स्वप्न । बुद्धि । धर्म । शीशा । शास्त्रविशेष ।

दर्शनीय, (वि.) देखने योग्य । मनोहर ।

दर्शयितृ, (वि.) द्वारपाल । दरबान ।

दल्, (क्रि.) फूट जाना । बीच से फट जाना । दरार होना ।

दल, (न.) टुकड़ा । मियान । पत्ता । बादल । तमाल वृक्ष । शाखा । शस्त्र की धार । सेना का भाग । मिलावट ।

दलप, (पु.) शस्त्र । सुवर्ण ।

दलम, (पु.) पहिया । छल । जाल । कपट ।

दलिम, (पुं.) इन्द्र की उपाधि । वज्र ।

दलिक, (पु.) लकड़ी का टुकड़ा । शहतीर । तख्ता ।

दलित, (वि.) तोड़ा गया । टूटा हुआ । तड़का हुआ । कुचला हुआ । रौंधा हुआ । प्रस्फुटित । प्रकट ।

दव्, (क्रि.) जाना ।

दव, (पुं.) वन । जङ्गल । वन की आग । गर्मी । ज्वर । पीड़ा ।

दवथु, (पु.) गर्मी । अग्नि । पीड़ा । चिन्ता । कष्ट । आँख की सूजन ।

दवाग्नि, (पु.) वन की आग । दावानल ।

दविष्ठ, (वि.) बहुत दूर ।

दश्, (क्रि.) चमकना । डसना । काटना ।

दशक, (न.) दस की संख्या ।

दशकण्ठ, (पु.) रावण । दशकण्ठ वाला ।

दशत्, (पु.) दसों का समूह ।

दशधा, (अव्य.) दस प्रकार का ।

दशन, (पु.) दाँत । शिखर । कवच । (क्रि.) डसना । दाँत से काटना ।

दशकर्म, (न.) दस प्रकार के संस्कार ।

दशभुजा, (स्त्री.) दुर्गा देवी ।

दशम, (वि.) दसवाँ ।

दशमिन्, (वि.) बहुत बूढ़ा ।

दशमी, (स्त्री.) दसवीं तिथि । कामदेव की दसवीं अवस्था । बहुत बूढ़ी उम्र ।

दशमीस्थ, (वि.) अति वृद्ध । बहुत बूढ़ा । स्मृतिहीन ।

दशमूल, (न.) दस प्रकार की जड़ों का बना काढ़ा या चूर्ण ।

दशरथ, (पु.) जिसका रथ दसों दिशाओं में घूम फिर आया हो । सूर्यवंशी एक राजा जिनके प्रसिद्ध पुत्र श्रीरामचन्द्र जी थे ।

दशहरा, (स्त्री.) जो दस जन्म के अर्जित पापों को नष्ट करे । गङ्गा का जन्मदिन । जेठ मास की शुक्ला दशमी । विजया दशमी कुआँर और चैत्र के शुक्ल पक्ष की दशमी ।

दशा, (स्त्री.) अवस्था । आँचल । जवानी । बाल्यावस्था । वृद्धावस्था । ज्योतिष में ग्रह और योगिनी की दशा ।

दशाकर्ष, (पु.) दीया । आँचल ।

दशार्ण, (पु.) देशविशेष । एक नदी [illegible] नाम ।

दशार्ह, (पुं.) राजा यदु का देश । उस देश के रहने वाले ।

दशावतार, (पु.) दस अवतार वाला । विष्णु ।

दशाश्व, (पु.) दस घोड़ों के रथ वाला । चन्द्रमा ।

दशाश्वमेधिक, (पु.) जहाँ ब्रह्मा ने दस अश्वमेध यज्ञ किये हैं । काशी या प्रयाग में स्थानविशेष ।

दशाह, (पु.) दस दिन । दसवाँ दिन ।

दशेन्धन, (पु.) दीपक, चिराग ।

दष्ट, (वि.) काटा गया । डँसा गया ।

दस्यु, (पु.) चोर । शत्रु । बड़ा साहसी ।

दस्र, (पु.) गधा । अश्विनीकुमार ।

दहन, (पु.) अग्नि । [illegible] । कबूतर ।

दहर, (पु.) मूसा । चाँदी सोना गलाने की घरिया । [illegible] । [illegible] । हृदय ।

दह्र, (पु.) दावानल । हृदय के भीतर का [illegible] ।

दा, (क्रि.) दान ।
दाक, (पु.) यजमान । दाता ।
दाक्षायणी, (स्री.) सती । शिव की स्री ।
दाक्षाय्य, (पु.) गिद्ध ।
दाक्षिणात्य, (वि.) दक्षिणी । दक्षिण दिशा का । नारियल ।
दाक्षिण्य, (न.) अनुकूलता ।
दाक्षी, (स्री.) व्याकरणाचार्य पाणिनि की माता ।
दाक्ष्य, (न.) दक्षता । निपुणता ।
दाघ, (पु.) ताप । उष्णता ।
दाडक, (पु.) दन्त ।
दाड़िम, (पु.) अनार । इलायची ।
दाड़िम्ब, (पु.) अनार ।
दाढ़ा, (स्री.) दाढ़ । अभिलाषा । समूह ।
दाण्डा, (स्री.) पटेबाजी का खेल ।
दात, (वि.) कटा । शुद्ध । साफ ।
दाता, (वि.) दानी । देने वाला ।
दात्यूह, (पु.) चातक । जलकाक । मेघ ।
दात्र, (न.) कुल्हाडी । आरी ।
दान, (न.) हाथी का मदजल । पालन । देना । सफाई ।
दानक, (न.) निन्दित दान ।
दानपति, (पु.) अक्रूर । सदा देने वाला ।
दानव, (पु) असुर ।
दानवारि, (पु.) देवता लोग । इन्द्र । विष्णु ।
दानशील, (वि.) स्वाभाविक दानी ।
दानशौण्ड, (वि.) दानवीर । उदार ।
दान्त, (वि.) जितेन्द्रिय ।
दापित, (वि.) दिलाया गया । दण्डित । वश किया गया ।
दाम, (स्री. न.) रस्सी । माला । लड़ ।
दामिनी, (स्री.) बिजली ।
दामोदर, (पु.) श्रीकृष्ण ।
दाम्भिक, (वि.) पाखण्डी ।
दाय, (पु.) दहेज । बाप दादे की सम्पत्ति । हिस्सा । बँटने की जायदाद ।

दायभाग, (पुं.) बाप दादे की सम्पत्ति हिस्सा बाँट ।
दायाद, (पु.) पुत्र । सगोत्र । सम्बन्धी ।
दारक, (पु) बालक । पुत्र । सूअर ।
दारकर्म, (न.) विवाह ।
दारण, (न.) फाड़ना ।
दारद, (पु.) विष । पारा । हींग । समुद्र ।
दारा, (नित्य पुं.) स्री । भार्या ।
दारिका, (स्री.) बालिका ।
दारिद्र्य, (न.) दरिद्रता । गरीबी ।
दार्री, (स्री.) बेवाँई ।
दारु, (न) पीतल । लकड़ी । देवदारु । कारीगर ।
दारुक, (पु.) कृष्ण का सारथी ।
दारुका, (स्री.) कठपुतली ।
दारुण, (वि.) भयानक । घोर ।
दारुसार, (न.) चन्दन । लकड़ी के भीतर का सार चूर्ण । बुरादा ।
दारुसिता, (स्री.) दालचीनी ।
दार्दुर, (न.) दक्षिणावर्त शंख ।
दार्वट, (न.) सलाह करने का स्थान । कचहरी ।
दार्वण्ड, (पु.) मयूर ।
दार्वाघाट, (पु.) कठफोड़वा पक्षी ।
दार्वी, (स्री.) लकड़ी की ।
दाल, (पु.) कोदों । मधुविशेष ।
दाल्भ्य, (पु.) एक मुनि ।
दाव, (पु.) जंगल की आग । वन ।
दावानल, (पुं.) दाव । वन में लगी हुई आग । दवाग ।
दाश, (पु.) धीवर । मल्लाह ।
दाशरथ-थि, (पुं.) दशरथ के पुत्र श्रीरामचन्द्र, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ।
दाशार्ह, (पु.) श्रीकृष्ण । विष्णु ।
दाशेयी, (स्री.) वेदव्यास की माता ।
दाशेरक, (पु.) मालवा देश ।
दास्य, (पु.) दाता ।

दिव्य, (न.) लवंग । चन्दन । कसम । (पु.) गगन । जौ । (वि.) अद्भुत । अलौकिक । मनोहर । सुन्दर ।

दिव्यस्त्री, (स्त्री.) अप्सरा । सुंदर स्त्री ।

दिव्या, (स्त्री.) आँवला । सतावर । भार्गी । सफेद दूब । हड़ ।

दिशा, (स्त्री.) पूर्व आदि चार दिशाएँ ।

दिष्ट, (न.) भाग्य । समय ।

दिष्टान्त, (पु.) मरण ।

दिष्ट्या, (अ.) हर्ष । मंगल । बड़े भाग्य से ।

दिष्णु, (वि.) दाता ।

दीक्षा, (स्त्री.) नियम । मन्त्र लेना । संस्कार ।

दीक्षागुरु, (पु.) मन्त्रोपदेश करने वाला गुरु ।

दीक्षित, (वि.) दीक्षा ले चुका ।

दीधिति, (स्त्री.) किरण ।

दीन, (वि.) दुर्गति को प्राप्त । दरिद्र । डरा हुआ । शोकपीड़ित ।

दीनार, (पु.) सोने का गहना । सोने का सिक्का (मोहर) । ३२ रत्ती सोना ।

दीप, (पु.) दीया । चिराग ।

दीपक, (पु.) दीया । एक राग । काव्य का एक अर्थालंकार । बाज पक्षी । कुंकुम । एक वृक्ष ।

दीपकूपी, (स्त्री.) पलीता ।

दीपध्वज, (पुं.) काजल ।

दीपन, (पु.) प्याज । तगर की जड़ । केसर । मेथी ।

दीपमालिका, (स्त्री.) दिवाली । दीपकों की माला ।

दीप्त, (पु.) सिंह । नीबू । (न.) सोना । हींग । (वि.) प्रज्वलित ।

दीप्तजिह्वा, (स्त्री.) स्यारी ।

दीप्तलोचन, (पु.) बिलार ।

दीप्ताग्नि, (पुं.) अगस्त्य मुनि ।

दीप्ति, (स्त्री.) प्रभा । कान्ति । चमक ।

दीप्यमान, (वि.) प्रकाशमान । चमक रहा ।

दीयमान, (वि) दिया जा रहा ।

दीर्घ, (पु.) ऊँट । दो मात्रा का अक्षर । (वि.) लम्बा ।

दीर्घकण्टक, (पुं.) बबूल ।

दीर्घकण्ठ, (पु.) बगला ।

दीर्घकन्द (पु.) मूली ।

दीर्घकेश, (पु.) भालू । रीछ ।

दीर्घग्रन्थि, (पु.) ईख । गन्ना ।

दीर्घजिह्व, (पु.) सर्प ।

दीर्घतरु, (पुं.) ताड़ का वृक्ष ।

दीर्घदर्शी, (पु.) पण्डित । दूरदर्शी । दूरदर्शक । गिद्ध । भालू ।

दीर्घनाद, (पु.) शंख ।

दीर्घनिद्रा, (स्त्री.) मृत्यु ।

दीर्घपल्लव, (पुं.) सन का पेड़ ।

दीर्घपादप, (पु.) लंबा पेड़ । सन का पेड़ । सुपारी का पेड़ ।

दीर्घफला, (स्त्री.) काली दाख ।

दीर्घरागा, (स्त्री.) हल्दी ।

दीर्घसत्र, (न.) चक्रतीर्थ । बहुत दिनों में होने वाला यज्ञ ।

दीर्घसूत्र, } (पु.) दिर्लगा । किसी काम
दीर्घसूत्री, } में बहुत देर लगाने वाला ।

दीर्घायु, (पुं.) मार्कण्डेय ऋषि । (वि.) चिरंजीवी । बड़ी उमर वाला ।

दीर्घिका, (स्त्री.) बावड़ी ।

दीर्घिमा, (स्त्री.) लम्बाई ।

दीर्ण, (वि.) फटा हुआ । डरा हुआ ।

दुःख, (न.) पीड़ा । कष्ट । तकलीफ ।

दुःखग्राम, (पु.) संसार ।

दुःखत्रय, (न.) आध्यात्मिक । आधिभौतिक और आधिदैविक तीन दुःख ।

दुःखायमान, (न.) दुःख पाता ।

दुःखित, } (वि.) दुखिया । दुःख पाया हुआ ।
दुःखी, }

दुःशकुन, (न.) अपशकुन ।

दुःशासन, (पुं.) दुर्योधन का छोटा भाई । धृतराष्ट्र का लड़का ।

दुःशील, (त्रि.) बुरे स्वभाव का । बद-मिज़ाज ।

दुःसह, (त्रि.) असह्य ।

दुःसाक्षी, (त्रि.) बुरा गवाह । झूठा गवाह ।

दुःसाधी, (पुं.) द्वारपाल ।

दुःसाध्य, (त्रि.) कष्टसाध्य । कठिनाई से होने वाला ।

दुःस्थ, } (त्रि.) दुर्गति में पड़ा
दुःस्थित, } हुआ । दीन । मूर्ख ।

दुःस्पर्श, (त्रि.) जो छुआ न जा सके ।

दुकूल, (न.) महीन कपड़ा । रेशमी वस्त्र । दुपट्टा । चिकना वस्त्र ।

दुग्ध, (न.) दूध । अमृत । (त्रि.) दुहा गया ।

दुग्धफेनन, (पु.) दूध का फेना । झाग ।

दुग्धिका, (स्त्री.) दूधी नाम की घास ।

दुन्दुभि, (पुं.) नगाड़ा । एक राक्षस । विष । (स्त्री.) पाँसे ।

दुम्बक, (पु.) दुम्बा । मेढ़ा ।

दुर्, (अ.) निषेध । दुष्ट । दुःख । निन्दा ।

दुरक्ष, (पु.) कपट के पाँसे ।

दुरतिक्रम, } (त्रि.) दुस्तर । जिसे लाँघना
दुरत्यय, } या पार जाना कठिन हो ।

दुरदृष्ट, (न.) दुर्भाग्य । बदकिस्मती ।

दुरधिगम, (त्रि.) दुःख से जो मिल सके ।

दुरन्त, (त्रि.) बुरे अन्त वाली तृष्णा, मद्य-पान, शिकार आदि की आदतें । दुर्बोध । अपार ।

दुराग्रह, (पु.) बुरा हठ । व्यर्थ हठ ।

दुराचार, (पु.) दुष्ट आचार । बुरा चलन ।

दुरात्मा, (त्रि.) नीच । दुष्ट ।

दुराधर्ष, (त्रि.) दुर्धर्ष । जिस पर हमला करना कठिन हो ।

दुराप, (त्रि.) दुर्लभ ।

दुरारोह, (त्रि.) जिस पर च[illegible] कठिन हो ।

दुरासद, (त्रि.) दुष्प्राप । दुर्गम ।

दुरित, (न.) पाप ।

दुरुक्त, (न.) [illegible] । [illegible] ।

दुरूह, (त्रि.) बड़ी कठिनता से [illegible] जा सके ।

दुरोदर, (न.) जुआ । चौसर ।

दुर्ग, (न.) गढ़ । कोट । एक असुर ।

दुर्गत, (त्रि.) दुर्दशाग्रस्त ।

दुर्गति, (स्त्री.) दुर्दशा । दरिद्रता । [illegible]

दुर्गन्ध, (पु.) बदबू ।

दुर्गम, (त्रि.) जहाँ जाना कठिन हो ।

दुर्गा, (स्त्री.) देवी ।

दुर्गाध्यक्ष, (पु.) सेनापति । [illegible]

दुर्घट, (त्रि.) जिसका होना बड़ा कठिन हो ।

दुर्जन, (त्रि.) दुष्ट । बुरा आदमी ।

दुर्जय, (त्रि.) जिसे जीतना कठिन है ।

दुर्जर, (त्रि.) जो कठिनता से पचे ।

दुर्जात, (न.) संकट । [illegible] ।

दुर्दर्श, (पु.) बड़े कष्ट से दिखने वाला ।

दुर्दान्त, (पु.) ऊधमी । उपद्रवी ।

दुर्दिन, (न.) बदली का दिन ।

दुर्धर, (पु.) विष्णु । (त्रि) जिसे धारण करना या पकड़ लेना कठिन हो ।

दुर्धर्ष, (त्रि.) जिसका तिरस्कार न हो सके । जो पकड़ा न जा सके ।

दुर्नाम, (न.) बदनामी ।

दुर्बल, (त्रि) दुबला । कमज़ोर ।

दुर्भग, (त्रि.) अभागा ।

दुर्भाग्य, (न.) अभाग्य ।

दुर्भिक्ष, (न.) अकाल । [illegible] । [illegible] ।

दुर्मति, (त्रि) दुष्ट बुद्धि वाला । मूर्ख ।

दुर्मना, (त्रि) उदास । [illegible] ।

दुर्मर्षण, (त्रि.) डाह रखने वाला । न सह सकने वाला ।
दुर्मुख, (पु.) घोड़ा । वानर । एक दैत्य । (त्रि.) बुरे मुख वाला । अप्रिय वचन बोलने वाला ।
दुर्मेधा, (त्रि.) कुबुद्धि वाला ।
दुर्योधन, (पु.) धृतराष्ट्र का बड़ा लड़का ।
दुर्लभ, (त्रि.) दुष्प्राप्य ।
दुर्वर्ण, (न.) चांदी । रंगभेद । (त्रि.) बुरे रंग वाला । मैला ।
दुर्वाक्, (स्त्री) दुष्ट वाणी ।
दुर्वाच्य, (न.) गाली आदि न कहने की बातें ।
दुर्वाद, (पु.) बदनामी । निन्दा ।
दुर्वासा, (पु.) ऋषिविशेष ।
दुर्विज्ञेय, (त्रि.) जो न जाना जा सके ।
दुर्विध, (त्रि.) दरिद्र । नीच । मूर्ख ।
दुर्विनीत, (त्रि.) ढीठ ।
दुर्विभाव्य, (त्रि.) अतर्क्य । अचिन्तनीय ।
दुर्वृत्त, (त्रि.) दुर्जन । दुष्ट ।
दुर्हृद्, (त्रि.) दुष्ट हृदय वाला ।
दुल्, (कि.) ऊपर फेंकना । झुलाना ।
दुलि-ली, (स्त्री.) कछुई । मादा कच्छप । मुनिविशेष ।
दुश्चर्म्मन्, (पुं.) बुरे चमड़े वाला । महापातक से उत्पन्न चिह्नों वाला ।
दुश्च्यवन, (पु.) इन्द्र । च्यवन ऋषि के शाप से एक बार इन्द्र को च्युत होना पड़ा था ।
दुष्, (कि.) बदल जाना । वैर करना ।
दुष्कर, (न.) कठिनता से करने योग्य । आकाश ।
दुष्कर्मन्, (न.) पाप । पापी । बुरा काम । बुरे काम करने वाला ।
दुष्कृत, (न.) पाप । पापी ।
दुष्ट, (त्रि.) नीच । अधम । दुर्जन । कोढ़ । दुर्बल । (१) (स्त्री.) व्यभिचारिणी स्त्री ।

दुष्य-(ष्म) न्त, (पु.) चन्द्रवंशी एक राजा । भरत राजा का पिता । शकुन्तला का पति ।
दुःषम, (पु.) बुरा । भूला ।
दुस्, (उप.) इसे संज्ञा और क्रियाओं के पहले लगाने से उनका अर्थ बुरा, दूषित, दुष्ट, नीच, कठिन, कठोर आदि हो जाया करते हैं ।
दुस्तर, (त्रि.) कठिनता से पार होने योग्य ।
दुह्, (कि.) दुहना । निचोड़ना । वध करना । मारना ।
दुहितृ, (स्त्री.) बेटी । लड़की ।
दू, (अ.) दुःखी होना । कष्ट सहना ।
दूत, (पु.) संदेशा ले जाने वाला ।
दूति-ती, (स्त्री) कुटनी ।
दूत्य, (न.) दूतपना ।
दून, (त्रि.) जला हुआ । तपा हुआ । दुःखित ।
दूर, (त्रि.) दूर । अगोचर । आँखों से परे ।
दूरग, (त्रि.) दूर तक फैला हुआ ।
दूरद, (पु) कफ ।
दूरदर्शन, (पु.) दूर से देखने वाला । गीध ।
दूरदर्शिन्, (पु.) पण्डित । दूर से देखने वाला ।
दूर्वा, (स्त्री.) एक प्रकार की घास जो घोड़ों को खिलाई जाती है । बहुत फैलने वाली । गणेशजी की पूजा की प्रधान और प्रिय सामग्री । रक्तशुद्धि करने वाली घास ।
दूषण, (पु. न.) एक राक्षस जो रावण की मौसी का बेटा था और जनस्थान की चौकी पर जो रहता था । हानिकारक । दोष ।
दूषिका, (स्त्री.) आँख का कीचड़ ।
दूषित, (त्रि.) बुरा । दोषयुक्त । निन्दित ।
दूष्य, (न.) तम्बू । रुई । दूषण देने योग्य । (स्त्री.) हाथी की कक्षा रस्सी ।
दृ, (कि.) मारना । आदर करना ।
दृक्छद, (न.) पलक ।

दृष्टस्मार, (पु.) [illegible] हुआ अञ्जन आँख में लगाने से नेत्र [illegible] होते हैं ।

दृढ़, (न.) [illegible] । बहुत मोटा । [illegible] । [illegible] । मोटा ।

दृढ़मुष्टि, (पुं.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । कञ्जूस ।

दृढ़व्रत, (पुं.) दृढ़ प्रतिज्ञा वाला । [illegible] [illegible] ।

[illegible], (स्त्री.) [illegible] ।

दृति, (पु.) चमड़े की मशक । [illegible] । [illegible] की [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

दृप्, (क्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] । [illegible] । [illegible] होना ।

[illegible], (क्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (क्रि.) [illegible] ।

[illegible] (क्रि.) [illegible] हुआ । [illegible] हुआ ।

[illegible], (क्रि.) [illegible] । [illegible]

[illegible], (क्रि.) [illegible] ।

[illegible] (न.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible] (स्त्री.) [illegible] ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

दृष्टान्त, (पुं.) उदाहरण । [illegible] विशेष । मृत्यु । शास्त्र ।

दृष्टि, (स्त्री.) निगाह । दर्शन । [illegible] । नेत्र । आँख । [illegible] की [illegible] । [illegible] ।

दृह्, (क्रि.) बढ़ाना ।

दॄ, (क्रि.) पालन करना । बचाना ।

देव्, (क्रि.) [illegible] ।

देव, (पु.) अमर । [illegible] । देवता । [illegible] की उपाधि । [illegible] । [illegible] । [illegible] राजा ।

देवक, (पु.) श्रीकृष्ण के मातामह (नाना) देवकी का पिता ।

देवकी, (स्त्री.) देवक राजा की बेटी । वसुदेव की स्त्री और श्रीकृष्ण की मा ।

देवकीनन्दन, (पु.) श्रीकृष्ण ।

देवकुसुम, (न.) लौंग । [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] हुआ [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible]

[illegible]

[illegible], (पु.) [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible]

देवता, (स्त्री.) [illegible] ।

[illegible], (न.) [illegible] ।

[illegible] (पु.) [illegible]

[illegible]

[illegible] (न.) [illegible] ।

[illegible] (न.) [illegible]

देवदीप, (पु) नेत्र ।
देवदेव, (पु.) महादेव । शङ्कर ।
देवन, (पु.) पाँसा । पासा का खेल चमक । क्रीड़ा । व्यवहार । स्तुति । जीतने की कामना ।
देवनदी, (स्त्री.) देवताओं की नदी । गङ्गा ।
देवपति, (पु.) इन्द्र । देवताओं का स्वामी ।
देवपथ, (पु.) ऊपर का रास्ता । छायापथ ।
देवपुरोधस्, (पु.) देवताओं का पुरोहित । बृहस्पति । [illegible] ।
देवभवन, (न.) स्वर्ग । देवों का स्थान ।
देवभूय, (न.) देवत्व । देवसायुज्य ।
देवमणि, (पु.) शिव । कौस्तुभमणि ।
देवयान, (न.) देवरथ । अचिरादि मार्ग । (?) शुक्राचार्य की कन्या ।
देवयात्रा, (स्त्री.) यात्रोत्सव ।
देवयु, (पु.) पवित्र ।
देवयोनि, (पु.) देवताओं के अंश से उत्पन्न विद्याधर आदि जो योनियाँ प्रधान हैं। जैसे-विद्याधर, अप्सरा, यक्ष, राक्षस, गन्धर्व, किन्नर, पिशाच, गुह्यक और सिद्ध ।
देवर, (पु.) पति का छोटा भाई ।
देवराज, (पु.) इन्द्र ।
देवरात, (पु.) अभिमन्युपुत्र । परीक्षित् ।
देवर्षि, (पु.) नारदादि मुनि । देवताओं के ऋषि ।
देवल, (पु.) एक मुनि । पुजारी । जिसकी जीविका देवपूजन से चलती हो ।
देवलोक, (पु.) स्वर्ग ।
देववर्द्धकि, (पु.) विश्वकर्मा ।
देवव्रत, (पु.) भीष्म ।
देवसात्, (अव्य.) देवताओं के अधीन ।
देवसायुज्य, (न.) देव के साथ मेल । देव के साथ एकासन होने की योग्यता ।
देवसेना, (स्त्री.) इन्द्रकन्या । कार्तिकेय की स्त्री षष्ठी । सोलह माताओं में से एक । इत्यादि देवताओं की फौज ।
देवसेनापति, (पु.) कार्तिकेय । स्कन्द । शिवपुत्र ।
देवस्व, (न.) देवताओं का धन ।
देवहूति, (स्त्री.) स्वायम्भुव मनु की कन्या । कर्दम मुनि की स्त्री । कपिल भगवान् की माता ।
देवाजीव, (त्रि.) देवता की प्रतिमा के द्रव्य से जीने वाला ।
देवात्मन्, (पु.) पीपल का वृक्ष । देवता जैसा ।
देवानांप्रिय, (पु.) देवताओं का प्यारा । बकरा । मूर्ख ।
देवापि, (पु.) चन्द्रवंशीय एक राजा ।
देवार्ह, (न.) देवताओं के योग्य । सहदेवी लता ।
देवालय, (पु) स्वर्ग । देवमन्दिर ।
देविका, (स्त्री.) नदीविशेष ।
देवी, (स्त्री.) दुर्गा । ब्राह्मणियों की उपाधि ।
देवृ, (पु.) देवर । पति का छोटा भाई ।
देवेश, (न.) महादेव । देवदेव । विष्णु ।
देवेष्ट, (पु.) गुग्गुल । वनबीजपूरक ।
देवौकस्, (न.) देवस्थान ।
देवोद्यान, (न.) वैभ्राज । मिश्रक । सिधकवन और नन्दन—ये चार देवोद्यान हैं ।
देव्यायतन, (न.) दुर्गा देवी का मन्दिर ।
देश, (पु.) भूमण्डल का कोई विभाग । भाग । स्थान ।
देशान्तर, (न.) अन्य देश । और देश ।
देशिक, (पु.) पथिक । बटोही । गुरु । उपदेश देने वाला ।
देशिनी, (स्त्री.) तर्जनी । अंगूठे के पास वाली अङ्गुली ।
देश्य, (न.) प्रथम सम्मति । पूर्व पक्ष ।
देह, (पु.) शरीर । वपु । बदन ।
देहधारक, (पु.) हड्डी ।
देहभृत्, (पु.) जीवात्मा । शरीर का रक्षक ।

देहयात्रा, (स्त्री.) आजीविका । शरीर की रक्षा का साधन । भोजन । मरण ।

देहली, (स्त्री.) ड्योढ़ी । घर का प्रवेश-स्थान । मर्यादा ।

देहसार, (पुं.) मज्जा ।

देहात्मवादिन्, (पुं.) चार्वाक । नास्तिक ।

देहिन्, (वि.) शरीर वाला । प्राणी । जीव ।

दैप्, (क्रि.) साफ करना ।

दैतेय, (पुं.) असुर । दैत्य ।

दैत्यगुरु, (पु.) शुक्राचार्य । दैत्यों का गुरु ।

दैत्यनिषूदन, (पुं.) विष्णु । दैत्यों के नाशकर्ता ।

दैत्यमेदज, (पु.) गुग्गुल । पृथिवी । भूमि ।

दैत्या, (स्त्री.) सुरा । दैत्य की माँ ।

दैत्यारि, (पुं.) दैत्यों के शत्रु । विष्णु ।

दैन, (न.) दीनता । कातरता ।

दैनन्दिन, (वि.) प्रतिदिन होने वाला ।

दैनन्दिनप्रलय, (पु.) रखे हुए सम्पूर्ण पदार्थों का क्षय ।

दैन्य, (न.) दीनता । कातरता ।

दैव, (न.) भाग्य । देवसम्बन्धी ।

दैवज्ञ, (पु.) गणक । ज्योतिषी । भूत-भविष्य का जानने वाला । भाग्य का ज्ञाता ।

दैवत, (पु.) देवसमूह ।

दैवतन्त्र, (वि.) भाग्याधीन ।

दैवपर, (वि.) भाग्य पर निर्भर । कायर । अकर्मण्य ।

दैववाणी, (स्त्री.) आकाशवाणी ।

दैवात्, (अ.) हठात् । अकस्मात् । दैवयोग से ।

दैविक, (न.) देवसम्बन्धी । दैविक । विपत्ति ।

दैवी (स्त्री.) देवता की शक्ति ।

दैवोदासी, (पु.) दिवोदास का सन्तान । प्रतर्दन राजा ।

दैव्य, (न.) भाग्य । देवता का ।

दैशिक, (वि.) देश का । विशेष सम्बन्ध ।

दैष्टिक, (वि.) भाग्याधीनतावादी ।

दैहिक, (पु.) शरीरसम्बन्धी ।

दो, (क्रि.) खेद करना । काटना ।

दोःशिखर, (न.) कन्धा । मुड्डा ।

दोग्धृ, (पुं.) दुहैया । अहीर । बछड़ा । दोहने वाला ।

दोर्दण्ड, (पु.) भुजदण्ड ।

दोर्मूल, (न.) कक्ष । बगल ।

दोल, (पु.) डोलयात्रा । होली ।

दोलायमान, (वि.) झूलता हुआ ।

दोष, (पुं.) पाप । वैद्यक में वात, पित्त और कफ के तीन दोष होते हैं । अलङ्कार में रसादि बिगाड़ने वाले शब्द । न्याय में राग, द्वेष, मोह ।

दोषप्रदर्शिन्, (वि.) दोष देखने वाला ।

दोषज्ञ, (वि.) पण्डित । चिकित्सक ।

दोषत्रय, (न.) तीन दोष—वात, पित्त, कफ ।

दोषल, (वि.) बिगड़ा हुआ ।

दोषन्, (न.) बाहु । भुजा ।

दोषा, (अ.) रात ।

दोषाकर, (पु.) चन्द्रमा । दोषों का समूह ।

दोषैकदृश्, (वि.) केवल दोष ही को देखने वाला । नीच । खल ।

दोस्-षा, (पु.) भुजा । बाहु ।

दोह, (पु.) दूध । दुहनी । दूध का बर्तन (वि.) दुहना ।

दोहद, (पु.) गर्भ । गर्भ का लक्षण ।

दोहदवती, (स्त्री.) गर्भिणी । दोहद वाली ।

दोहनी, (स्त्री.) दुहनी का दूध दुहने का पात्र ।

दोहा, (स्त्री.) मात्रा छन्द विशेष जिसका प्रयोग प्रायः भाषा की कविता में हुआ करता है।
दौत्य, (न.) दूतपना। दूत का काम।
दौरात्म्य, (न.) बुराई। अधमता।
दौर्गत्य, (न.) दीनता। दरिद्रता। दुर्गति में जाना।
दौर्जन्य, (न.) दौरात्म्य। दुष्टता।
दौर्भाग्य, (न.) अभाग्यता। मन्द [illegible]।
दौर्मनस्य, (न.) उदासी। [illegible] घबराहट। बुरा परामर्श।
दौर्ह्रद्य, (न.) [illegible]। दुष्ट वृत्ति से रहना।
दौवारिक, (पु.) द्वारपाल। दरवाजे का रक्षक।
दौष्कुलेय, (वि.) छोटी जाति का। नीच।
दौहित्र, (पु.) नाती। जो बेटी द्वारा पैदा [illegible] पालने वाला। [illegible]
दौहित्र, (न.) [illegible]। कन्या का पुत्र।
द्यावापृथिवी, (स्त्री.) पृथ्वी-आकाश।
द्यु, (पु.) अग्नि। सूर्य। [illegible] आकाश। दिन।
द्युग्, (वि.) [illegible]
द्युनि-नी, (स्त्री.) [illegible]। [illegible]
द्युमणि, (पु.) सूर्य। मदार का वृक्ष।
द्युत, (पु.) [illegible]।
द्योतिष, (स्त्री.) [illegible]।
द्यु, (पु.) [illegible]
द्युम्न, (न.) [illegible]
द्युतकर, (वि.) [illegible]
द्युपूर्णिमा, (स्त्री.) [illegible]
द्यो, (स्त्री.) स्वर्ग। आकाश।
द्योत, (पु.) प्रकाश। धूप। चमक।
द्योतनिका, (स्त्री.) [illegible] दीपक।
द्योतिस्, (न.) नक्षत्र। तारा।
द्रङ्ग, (पु.) कसबा। नगर।
द्रढिमन्, (पु.) दृढ़ता। मजबूती।
द्रप्स, (न.) कपड़ा।
द्रप्सम्, (न.) [illegible]
द्रव, (पु.) रस। पतला। पनीला।
द्रवत्व, (न.) पतलापन। [illegible]
द्रवद्रव्य, (न.) दूध, दही, घी आदि बहनेवाले पदार्थ।
द्रवन्ती, (स्त्री.) नदी। [illegible]
द्रविड, (पु.) एक देश।
द्रविण, (न.) सोना। पराक्रम। बल।
द्रव्य, (न.) [illegible] लाख। [illegible]
द्रष्टु, (वि.) [illegible]
द्रा, (वि.) [illegible]
द्राक्ष, (अव्य.) [illegible]
द्राक्षा, (स्त्री.) [illegible]
द्राघय, (वि.) [illegible]
द्राघिमन्, (पु.) [illegible]
द्राविड, (पु.) [illegible]
द्रावक, (पु.) [illegible]
द्राविड़ी, (स्त्री.) [illegible]
द्राह, (वि.) [illegible]
द्रु, (वि.) [illegible]
द्रु, (पु.) [illegible]
द्रुघण, (पु.) [illegible]
द्रुत, (वि.) [illegible]
द्रुपद, (वि.) [illegible]
द्रुमण, (वि.) [illegible]
द्रुमि, (स्त्री.) [illegible]

द्रुत, (पुं.) तेज । झट । भागा हुआ ।
द्रुपद, (पुं.) पञ्चालदेशीय एक राजा जो द्रौपदी का पिता था । खम्भा ।
द्रुम, (पु.) पेड़ । पारिजात । कुबेर ।
द्रुह, (क्रि.) बुरा चीतना । द्रोह करना ।
द्रुहिण, (पु.) जगत्स्रष्टा । ब्रह्मा ।
द्रेक, (क्रि.) शब्द करना । उन्मादित करना ।
द्रै, (क्रि.) सोना ।
द्रोण, (पु.) पाण्डव राजकुमारों के गुरु । द्रोणाचार्य । काक विशेष । बिच्छू । बादल विशेष । एक वृक्ष । चौंतीस सेर की तौल विशेष । आठ सौ गज़ लम्बा तालाब विशेष । कूँडा । नाँद ।
द्रोणि, (स्त्री.) एक देश । एक नदी । नील का वृक्ष । एक पहाड़ ।
द्रोह, (पु.) बुरा चीतना । बैर ।
द्रौणायन, (पुं.) द्रोणाचार्य की औलाद । अश्वत्थामा ।
द्रौपदी, (स्त्री.) द्रुपदराज की कन्या । पाण्डवों की धर्मपत्नी ।
द्वन्द्व, (पुं.) रहस्य । कलह । जोड़ा । विवाद । रोगविशेष । समासविशेष । शोक । हर्ष । शीत । उष्ण ।
द्वन्द्वचर, (पुं) जो साथ साथ जोड़ा हो कर विचरे । चकवा चकई ।
द्वय, (न.) दो की संख्या ।
द्वाःद्वास्थ, (पु.) दरबान । द्वारपाल ।
द्वाचत्वारिंशत्, (स्त्री.) ४२ ।
द्वादश, (त्रि.) बारह ।
द्वादशाकर, (पु.) कार्तिकेय और बृहस्पति ।
द्वादशनेत्र, (पु.) कार्तिकेय ।
द्वादशाङ्गुल, (पु.) बित्ता का नाप ।
द्वादशात्मन्, (पु.) सूर्य । मदार का पेड़ ।
द्वापर, (पु.) संशय । युग विशेष जो सत्य और त्रेता के पीछे आता है ।

द्वामुष्यायण, (पुं.) गौतम मुनि ।
द्वार, (स्त्री.) द्वार । उपाय । दरवाज़ा ।
द्वारका, (स्त्री.) द्वारावती । सात पुरियों में से एक । श्रीकृष्ण की बसाई राजधानी ।
द्वारकेश, (पुं.) श्रीकृष्ण । द्वारकाधिप । रणछोड़ ।
द्वारप, (त्रि.) द्वारपाल ।
द्वारयंत्र, (न.) ताला ।
द्वारावती, (स्त्री.) द्वारका ।
द्वारिन्, (त्रि.) द्वारपाल । दरबान ।
द्वाविंशति, (स्त्री.) बाईस ।
द्वि, (त्रि.) दो ।
द्विक, (पु.) काक । कौआ । दो संख्या वाला ।
द्विककुद्, (पु.) ऊँट ।
द्विगु, (पु.) संख्यावाचक शब्द पहले आने वाला समास । दो गौओं का स्वामी ।
द्विगुण, (त्रि.) दुगुना ।
द्विज, (पु.) संस्कार और जन्म से दो बार जन्मा । ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य । त्रैवर्णिक । दाँत । अण्डज जीव । तुम्बुरु का एक वृक्ष । संस्कारित ब्राह्मण ।
द्विजदेव, (पु.) ब्राह्मण । ऋषि । चन्द्रमा ।
द्विजन्मन्, (पु.) देखो द्विज ।
द्विजबन्धु, (पु.) कर्म से रहित जन्ममात्र से जाने वाले ब्राह्मणादि प्रथम तीन वर्ण ।
द्विजराज, (पु.) द्विजों का राजा । चन्द्र । अनन्त । गरुड़ ।
द्विजवर, (पु.) उच्च विप्र । ब्राह्मण ।
द्विजाति, (पु.) देखो द्विजन्मा ।
द्विजिह्व, (पु.) दो जीभ वाला । सर्पविशेष । खल । चुगल । चोर । झूँठा ।
द्विजेन्द्र, (पु.) ब्राह्मणश्रेष्ठ । कर्मिष्ठ ब्राह्मण ।
द्वितय, (त्रि.) दो की संख्या वाला ।
द्वितीय, (त्रि.) दूसरा ।
द्वितीयाकृत, (त्रि.) दुबारा जोता हुआ खेत ।

द्विदत्, (वि.) दो दाँत वाला । घोड़ा । बैल आदि ।

द्विदैव, (पु.) विशाखा नामी नक्षत्र ।

द्विधा, (अव्य.) दो प्रकार ।

द्विप, (पु.) हाथी । मुँह और सूँड़ से पीने वाला ।

द्विपद्, (पु.) मनुष्य । देवता । पक्षी । राक्षस । नारि । दो पैर वाला ।

द्विपद्य, (वि.) अन्धेरीय पद्य विशेष ।

द्विमातृक, (पु.) गणेश । जरासन्ध ।

द्विमुख, (पु.) दो मुख वाला । राजसर्प । कुचलैट । चुगलखोर ।

द्विरद, (पु.) दो दाँतों वाला । हाथी ।

द्विरागमन, (न.) गौना । विवाह के पश्चात् दूसरी बार दुलहिन का घर आना ।

द्विरुक्त, (वि.) दुहराया हुआ ।

द्विरूढ़ा, (स्त्री.) दो बार की विवाही स्त्री ।

द्विरेफ, (पु.) भौंरा ।

द्विवचन, (न.) दो वचन ।

द्विशफ, (पु.) गौ बकरी या वे जानवर जिनके खुर फटे हुए हैं ।

द्विशस्, (अव्य.) दो बार जो देना या करना ।

द्विष्, (स्त्री.) बैर करना ।

द्विषत्, (पु) शत्रु । बैरी ।

द्विषन्तप, (पुं.) शत्रु को तपाने वाला ।

द्विष्ठ, (वि.) दो के बीच का । मध्योपादि पदार्थ ।

द्विस्, (अव्य.) दो बार । दुहरा ।

द्विसप्तति, (स्त्री.) बहत्तर ।

द्विहल्य, (वि.) दुबारा जोता हुआ खेत ।

द्विहायनी, (स्त्री.) दो वर्ष की गौ ।

द्विहृदया, (स्त्री.) गर्भवती ।

द्वीप, (न) पानी से चारों ओर घिरा स्थल । टापू । चीते का चमड़ा । बाघ । दुकड़ा ।

द्वीपिन्, (पुं.) चीता ।

द्वीपिनी, (स्त्री.) नदी ।

द्वृ, (कि) सहारा करना । रोकना । ढाँकना ।

द्वैधा, (अव्य.) दो प्रकार से ।

द्वेष, (पु.) बैर । विरोध ।

द्वेषण, (वि.) बैरी । शत्रु ।

द्वेष्य, (वि.) शत्रु । बैरी ।

द्वैगुणिक, (वि.) सूदखोर । ब्याज खाने वाला ।

द्वैत, (न.) दो प्रकार के भेद वाला ।

द्वैतवन, (न.) वनविशेष ।

द्वैतवादिन् (वि.) जीव और ईश्वर में भेद मानने वाले ।

द्वैध, (पु.) दो प्रकार ।

द्वैप, (पु.) चीता का चमड़ा । चीते के चमड़े से ढका हुआ रथ ।

द्वैपायन, (पु.) व्यासदेव । व्यास । पुराण कर्त्ता । या जिसकी जन्मभूमि द्वीप हो ।

द्वैमातुर, (पु.) जिसकी दो मातायें हों । गणेश । जरासन्ध ।

द्व्यणुक, (न.) दो परमाणुओं से उत्पन्न पदार्थ ।

द्व्याद, (न.) ताँबा । ताँबा ।

द्व्यामुष्यायण, (पु.) एक प्रकार का गोद लिया हुआ पुत्र ।

ध

ध, (पुं.) धर्म । कुबेर । ब्रह्मा । धन ।

धक्, (क्रि.) नाश करना ।

धट, (पुं.) तुला । तखड़ी । तराजू ।

धटक, (पु.) ४२ रत्ती की एक तौल ।

धण्, (क्रि.) ध्वनि करना । शब्द करना ।

धत्तूर, (पु.) धतूरा ।

धन्, (क्रि.) धानों को उत्पन्न करना । शब्द करना ।

धन, (न.) सम्पत्ति । दौलत । लूट [redacted] माल ।

धनञ्जय, (पुं.) धन को जीतने वाला । अर्जुन । अग्नि । हाथी । शरीर को पुष्ट करने वाला वायु । वृक्षविशेष ।

धाराधर, (पु.) बादल । मेह ।
धारावाहिन्, (त्रि.) निरन्तर गिरने वाला ।
धारासम्पात, (पु.)महावृष्टिमूसलाधार वर्षा ।
धारिका, (स्त्री.) सम्मी । मूर्तिका ।
धारिणी, (स्त्री.) भूमि । निमन्त्र का पत्र ।
धारिन्, (पु.) पीलू का पेड़ । धारण करने वाला ।
धार्तराष्ट्र, (पुं.) एक सर्प । एक हंस । धृतराष्ट्र की सन्तान । दुर्योधन आदि ।
धार्मिक, (त्रि.) धर्मशील । धर्मात्मा । धर्मी ।
धाव्, (क्रि.) भागना । जल्दी चलाना ।
धावक, (पु.) दौड़ने वाला । दूत । धोबी ।
धावन, (न.) साफ करना । शीघ्र जाना ।
धाष्टर्य, (न.) ढिठाई । निर्लज्जता ।
धि, (क्रि.) पकड़ना । रखना । सन्तुष्ट करना ।
धिक्, (अव्य.) झिड़कना । निन्दा ।
धिक्कार, (पुं.) तिरस्कार । निरादर ।
धिक्कृत, (त्रि.) झिड़का गया । निन्द्य । तिरस्कृत ।
धिक्ष्, (क्रि.) जगाना । रहना ।
धिग्दण्ड, (पुं.) लानत मलामत ।
धियंधा, (पु.) चतुर ।
धिषण, (पुं.) देवगुरु । बृहस्पति ।
धिषणा, (स्त्री.) बुद्धि । तसला ।
धिष्ण्य, (न.) जगह । घर । शक्ति । तारा । आग । (पु.) शुक्र । ऊँचे पद के योग्य (त्रि.) ।
धी, (स्त्री.) बुद्धि । समझ ।
धीन्द्रियम्, (न.) आँख, कान आदि ज्ञानेन्द्रिय ।
धीमत्, (पुं.) प्रज्ञावान् । बृहस्पति । बुद्धि वाला । पण्डित ।
धीति, (स्त्री.) पीना । चूमना । अनुभव । भक्ति ।
धीर्, (क्रि.) अपमान करना ।
धीर, (त्रि.) धीरज वाला । नम्र । बल वाला तथा पण्डित । राजा बलि । बूँद को झेलने वाला । बुद्धिमान् । परमेश्वर । केसर । एक नायिका । प्रतिदिन प्रजा ।
धीरोदात्त, (पुं.) एक नायक । धीर और शान्त पुरुष ।
धीवर, (पुं.) कैवर्त । मछली पकड़ने वाला ।
धीशक्ति, (स्त्री.) शुश्रूषा आदि आठ गुण ।
धीसचिव, (पु.) मन्त्री । अमात्य ।
धु, (क्रि.) काँपना ।
धुक्ष्, (क्रि.) जगाना । रहना ।
धुत, (त्रि.) छोड़ा गया । कँपाया गया । त्यक्त । कम्पित ।
धुनि-नी, (स्त्री.) तूफानी । नदी ।
धुन्धुमार, (पु.) कुवलयाश्व राजा का पुत्र । वीरबहूटी । इन्द्रगोप कीड़ा ।
धुर-रा, (स्त्री.) चिन्ता । रथ की धुरी ।
धुरन्धर, (त्रि.) बोझा ढोने वाला । मुख्य । बैल ।
धुरीण, (त्रि.) श्रेष्ठ । अच्छा ।
धुर्य, (त्रि.) भार उठाने वाला । अच्छा । सर्वोत्तम । प्रथम । मुख्य ।
धुर्व्, (क्रि.) मारना ।
धुवित्र, (न.) यज्ञादि में अग्नि का सुलगाना ।
धुवन, (न.) अधरपान । हिलना ।
धू, (क्रि.) काँपना ।
धूत, (त्रि.) काँप गया । छोड़ा गया । त्यक्त । झिड़का गया ।
धूप्, (क्रि.) चमकना । तपना ।
धूप, (पुं.) एक प्रकार का चूर्ण जिसे जलाने से सुगन्ध युक्त धुआँ निकलता है । इसके पचाङ्ग, दशाङ्ग, षोडशाङ्ग आदि कई भेद हैं । वस्तुभेद से नामभेद हैं ।
धूपित, (त्रि.) थका हुआ । सन्तप्त । धूप दिया हुआ ।
धूम, (पुं.) धुआँ ।

धूमकेतन, (पु.) धनुमसूचक तारों का समूह । पूँछ वाला तारा ।

धूमयोनि, (पु.) मेघ । मोंदा । माग । मोली लकड़ी ।

धूमल, (पुं.) काले और लाल रङ्ग वाला ।

धूम्या, (स्त्री.) धुएँ का समूह ।

धूम्र, (पु.) धुँमला । काला और लाल रङ्ग वाला ।

धूम्रक, (पु.) ऊँट ।

धूम्रलोचन, (पुं.) कबूतर । महिषासुर नामक एक सेनापति ।

धूम्रवर्ण, (पु.) धुमैला रङ्ग या धुँपले रङ्ग वाला ।

धूमावती, (स्त्री.) देवीविशेष ।

धूमिका, (स्त्री.) भाप । कोहरा । ओस ।

धूर, (क्रि.) मारना । जाना ।

धूर्जटि, (पु.) जहाँ तीनों लोक की चिन्ता दूर होती है । शिव ।

धूर्त, (पु.) धतूरे का पेड़ । ठग । वञ्चक । मायावी । जुआरी । नायकविशेष ।

धूर्तक, (पुं.) शृगाल । गीदड़ ।

धूर्तकितव, (पु.) जुआरी ।

धूर्वह, (त्रि.) बोझ उठाने वाला ।

धूलि-ली, (स्त्री.) पराग । धूल ।

धूलिध्वज, (पु.) वायु । हवा ।

धूसर, (पुं.) ऊँट । कबूतर । पीले रङ्ग वाला ।

धूसरित, (त्रि.) धूमिल ।

धृ, (क्रि.) [illegible] । ठहरना । धारण करना ।

धृत, [illegible] ।

धृतराष्ट्र, (पु.) कौरवों का एक राजा । दुर्योधन का पिता । कौरव । पक्षी ।

धृतात्मन्, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

धृति, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] जिसके [illegible] में अठारह अक्षर होते हैं । १८ की संख्या ।

धृतिविशेष, (पु.) दुर्जन । मोची ।

धृष, (क्रि.) चतुराई दिखाना । बल को रोकना । क्रोध करना । दबाना ।

धृष्ट, (त्रि.) ढीठ । निर्लज्ज । एक नायक ।

धृष्टद्युम्न, (पु.) तेजस्वी बल वाला । द्रुपदराज का पुत्र ।

धृष्टि, (पु.) ढीठता । (स्त्री.) बहादुरी । ढीठता ।

धृष्णु, (पु.) चतुर । वीर । निर्लज्ज ।

धेनु, (स्त्री.) नई ब्याही हुई गाय ।

धेनुक, (पुं.) असुरविशेष जिसे श्रीकृष्ण ने मारा था । (स्त्री.) हथिनी । धेनु ।

धेनुका, (स्त्री.) दुधार गाय ।

धेनुदुग्धकर, (पु.) गाजर ।

धेनुष्या, (स्त्री.) गिरवी रखी हुई गौ ।

धेनुक, (पु.) गौओं का झुण्ड ।

धैर्य, (न.) धीरज । धैर्य ।

धैवत, (पु.) गाने के [illegible] का शब्द ।

[illegible]

धोरण, [illegible] । [illegible] । [illegible] का [illegible] ।

धौत, ([illegible]) [illegible] हुआ । [illegible] ।

धौतकौशेय, ([illegible]) [illegible] हुआ [illegible] । [illegible] ।

धौरेय, ([illegible]) [illegible] ।

ध्मा, (क्रि.) [illegible] फूँकना ।

ध्मात, (त्रि.) फूँका हुआ । [illegible] ।

ध्माक्ष, [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

ध्माङ्क्ष, (पु.) [illegible] । [illegible] ।

ध्यै, (क्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

निःसत्त्व, (वि.) धीरज रहित। कमजोर।
निःसम्पात, (पुं.) आधीरात।
निःसरण, (न.) घर का द्वार। मरना। मुकना।
निःसार, (पुं.) सारशून्य। केले का पेड़।
निःसारण, (न.) घर से निकलने का रास्ता।
निःस्नेहा, (स्त्री.) प्रेमरहित। अलसी का वृक्ष।
निःस्व, (पुं.) निर्धन। गरीब।
निकट, (न.) समीप। पास।
निकर, (पुं.) समूह। सार। धन।
निकष-स, (पुं.) कसौटी। सिल्ली। सान।
निकषण, (न.) खास स्थानों के बाहिर घूमने फिरने का स्थान।
निकषा, (अव्य.) निकट। मध्य। राक्षसों की माता।
निकषोपल, (न.) सान। सिल्ली। कसौटी।
निकाम, (न.) इच्छानुसार। बहुत। घर। परमात्मा।
निकाय, (न.) निवास। एक धर्म वालों का समुदाय।
निकाय्य, (न.) घर।
निकार, (स.) तिरस्कार। अपमान। अपकार। औंटना। कूटना।
निकाश, (पु.) दृष्टि। दृश्य।
निकुञ्ज, (न.) उपवन। लता आदि से ढका हुआ स्थान।
निकुम्भ, (पुं.) कुम्भकर्ण का पुत्र। दन्ती पेड़।
निकुम्भिला, (स्त्री.) लङ्का में स्थापित एक देवी विशेष।
निकुरम्ब, (न.) समुदाय। समूह। अतिशय। बहुतायत।
निकृत, (वि.) तिरस्कृत। वञ्चित। धूर्त। नीच।

निकृति, (स्त्री.) धूर्तता। तिरस्कार। अपमान। निर्धनता।
निकृष्ट, (वि.) जाति और आचार से निन्दित। नीच। अधम।
निकेतन, (न.) घर।
निकोच, (पुं.) सिकुड़न।
निक्रमण, (स.) कुशलता।
निक्वण-क्वाण, (पुं.) वीणा का शब्द।
निक्षिप्त, (वि.) फेंका गया। स्थापित।
निक्षेप, (पुं.) धरोहर। ठीक करने के लिये शिल्पी के हाथ में सौंपी गयी वस्तु।
निखनन, (न.) खोद कर गाड़ना।
निखर्व, (पुं.) बौना। दस हजार करोड़। दस खर्व संख्या।
निखात, (वि.) गड़ा। खोदा हुआ।
निखिल, (वि.) सम्पूर्ण। सकल।
निगड, (पुं.) शृङ्खला। जंजीर। हथकड़ी। बेड़ी।
निगडित, (वि.) बँधा हुआ।
निगद, (पु.) भाषण। चिल्ला कर पाठ करना।
निगम, (पुं.) निश्चय। प्रतिज्ञा। वेद। न्याय शास्त्र के पञ्च अवयवों में से अन्तिम अवयव। व्यापार। वेद की शाखा। हाट। मार्ग।
निगमन, (न.) न्याय शास्त्र का अवयव विशेष।
निगार-ल, (पुं.) भोजन। आहार।
निगाल, (पु.) घोड़े के गले का स्थान।
निगुः, (पुं.) मन। मल। चित्र। मूल विशेष। चित्र।
निगृहीत, (वि.) रोका हुआ। पीड़ित। घिरा हुआ।
निग्रन्थन, (न.) मारण। वध।
निग्रह, (पु.) झिड़कना। सीमा। बन्धन। रोक। मारना। प्रकृति से हटाना। रोग चिकित्सा।

निग्रहस्थान, (न.) रोकने का स्थान । गौतम कथित षोडश पदार्थों में से अन्तिम पदार्थ ।

निग्राद, (पु.) शाप । कटुवचन ।

निघ, (पु.) गेंद । वृक्ष । वृत्त । जितना ऊँचा उतना ही चौड़ा । पाप । —

निघण्टु, (पु.) अर्थ सहित शब्दसमूह । विशेष कर के वैदिक शब्दों का संग्रह । जिसे यास्क मुनि ने निरुक्त में लिया है । वैद्यक का कोश जिसमें हर एक वस्तु के नाम और गुण-दोष हैं ।

निघस, (पुं.) भोजन । आहार ।

निघ्न, (त्रि.) अधीन । गुणा गया । " द्विगुणान्यथनिघ्न– "लीलावती ।

निचय, (पुं) बढ़ा हुआ । ढेर । समूह ।

निचाय, (पु.) राशीकृत । समूह ।

निचित, (त्रि.) पूरित । भरा हुआ । फैला हुआ । सङ्कीर्ण । मिला हुआ । रचा हुआ ।

निचोल, (पुं.) डोली का परदा । दुपट्टा । चादर ।

निज, (न.) अपना ।

निटल, (न.) कपाल । माथा ।

निगूढ़, (न.) छिपा हुआ । गुप्त । रहस्यमय ।

नितम्ब, (पु.) कटिदेश । चूतड़ । कन्धा । तट । किनारा । कमर ।

नितम्बिनी, (स्त्री.) स्त्री ।

नितरां, (अव्य.) सर्वदा । अतिशय । विशेष कर के ।

नितल, (न.) बहुत नीचा । पाताल विशेष ।

नितान्त, (न.) एकान्त । असाधारण । अतिशय । बहुत । सघन ।

नित्य, (न.) निरन्तर । अनन्त । अमर । अन्त रहित । (पु.) समुद्र ।

नित्यकर्म, (न.) सन्ध्यावन्दनादि प्रति-दिन करने योग्य कर्म ।

नित्यदा, (अव्य.) सदा । सर्वदा । रोजरोज । नित्यनैमित्तिक कर्म । कोई कर्म जो किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिये नित्य किया जाय । कोई सामयिक कृत्य जो समय पर सर्वदा किया जाय ।

नित्यमुक्त, (पु.) परमात्मा । और शेष विष्वक्सेन आदि सूरिगण जिन्हें वेदों में "तद्विष्णोः परमं पदं सदा पश्यन्ति सूरयः ।" इत्यादि कहा है ।

नित्ययज्ञ, (पु.) बलिवैश्वदेव । अग्नि-होत्रादि ।

नित्यसत्त्वस्थ, (त्रि.) धैर्यवान् ।

नित्यसमास, (पु.) समासविशेष ।

नित्यानध्याय, (पुं.) वेद न पढ़ने का नियत दिन । प्रतिपदादि ।

नित्याभियुक्त, (त्रि.) केवल शरीर की रक्षा करने वाला । योगाभ्यास में निरत ।

निदर्शन, (न.) उदाहरण । अर्थोपहार ।

निदाघ, (पु.) गरम । पसीना । गर्मी की ऋतु ।

निदाघकर, (पु.) सूर्य ।

निदान, (न.) आदिकारण । शुद्धि । बछड़े की रस्सी । अवसान । रोग निर्णय करने वाला । रोग का मूल कारण और सामान्य लक्षण तथा परिणामनिदर्शक ग्रन्थ विशेष । जैसे–" निदाने माधवः श्रेष्ठः । " माधवनिदान ग्रन्थ । तथा और भी वैद्यक के ग्रन्थविशेष । रोग का कारण तपःफल की याचना ।

निदिग्ध, (त्रि.) उपचित । बढ़ा हुआ । तेल मला गया ।

निदिध्यासन, (न.) ध्यान विशेष । विचारे हुए अर्थ में निमग्न होना ।

निदेश, (पु.) शासन । आज्ञा । कथन । पास । वर्णन ।

निद्रा, (स्त्री.) नींद ।

निधन, (पु.) मरण । नाश । कुल । लग्न से आठवाँ स्थान ।

निधान, (न.) आधार । धनागार । कार्यान्त ।

निधि, (पुं.) धन । वह धन जिसका कोई पाने वाला या स्वामी नहीं । अवलम्ब । जैसे "दयानिधिः" । "वारिधिः" ।

निधीश, (पुं.) कुबेर ।

निधुवन, (न.) सुरत । क्रीड़ा । संयोग । मैथुन ।

निनद, निनाद, (पुं.) ध्वनि । शब्द । रथ या गाड़ी का शब्द ।

निन्दा, (स्त्री.) बुराई । अपवाद । दोष ।

निन्दक, (पुं.) निन्दा करने वाला ।

निन्द्य, (त्रि.) निन्दा करने योग्य । बुरा ।

निपत्या, (स्त्री.) युद्धभूमि ।

निपात, (पुं.) मरण । व्याकरण में च, व आदि [illegible] अव्यय ।

निपान, (न.) कुएँ का हौद । कुण्डी ।

निपीड़ित, (त्रि.) निचोड़ा गया ।

निपुण, (त्रि.) प्रवीण । चतुर ।

निबन्ध, (पुं.) किसी वस्तु का किसी नियत समय पर देने की प्रतिज्ञा । ग्रन्थ या प्रबन्धरचना । मूत्रोपरोध । बन्धन । नीम का पेड़ । अनाह रोग जिसमें मल मूत्र रुक जाते हैं ।

निबन्धन, (न.) हेतु । बाँधना । वीणा का ऊपरी भाग ।

निभ, (त्रि.) सदृश । सरीखा । समान ।

निभृत, (त्रि.) गुप्त । निर्जन । एकान्त । अस्तोन्मुख । विनीत । धीर । निश्चल ।

निमज्जथु, (पुं.) अवगाहन । स्नान करना । [illegible] रहना ।

निमज्जन, (न.) डूब रहना । [illegible] जल में घुसना ।

[illegible], (न.) [illegible]

[illegible], (न.) [illegible]

[illegible], (पुं.) [illegible]

[illegible], (न.) [illegible]

निमित्त कारण, (न.) न्याय शा[illegible] कारण विशेष । जो निमित्तमात्र हो घड़ा, दीपक आदि का कुम्हार, सूत आदि निमित्त कारण हैं । मट्टी उपादान कारण ।

निमिष, निमेष, (पुं.) वह समय जित[illegible] आँख का पलक झपके ।

निमीलन, (न.) आँख या आँका समेटना ।

निम्न, (त्रि.) गभीर । नीचा । गहरा । [illegible]

निम्नगा, (स्त्री.) नदी । नीचे बहने वा[illegible]

निम्नोन्नत, (त्रि.) ऊँचा नीचा । दबा और उठा हुआ । असम ।

निम्ब, (पुं.) नीम का पेड़ ।

निम्लोचन, (न.) अस्तमय ।

नियत, (त्रि.) निश्चित । पक्का । नि[illegible] आचार वाला । नियम वाला । [illegible]

नियति, (स्त्री.) नियम । भाग्य ।

नियन्तृ, (पुं.) सारथि । गाड़ीवान । दण्ड देने वाला ।

नियन्त्रित, (त्रि.) दबाया । रुका हुआ और [illegible] वश में किया गया ।

नियम, (पुं.) प्रतिज्ञा । निश्चय । [illegible] शौच । सन्तोष । तप । [illegible] में [illegible]

[illegible], [illegible]

[illegible], (न.) [illegible]

[illegible], (पुं.) [illegible] काम में लगाना ।

[illegible], (त्रि.) [illegible]

[illegible], (त्रि.) [illegible]

[illegible], (न.) [illegible]

निर्, (अव्य.) निषेध। नहीं। निश्चय। बाहिर।

निरंश, (वि.) अंशरहित। पवित्र।

निरग्नि, (पुं.) अग्निरहित। अग्नि द्वारा किये जाने वाले वैदिक कर्मों से रहित।

निरङ्कुश, (वि.) जो अङ्कुश से भी न माने। जो वश में न हो। बकहठी।

निरञ्जन, (वि.) निर्मल। परमात्मा।

निरतिशय, (वि.) परमोत्कृष्ट। सर्वोत्तम। जिससे बढ़ कर कोई न हो।

निरत्यय, (वि.) नाशरहित। न बदलने वाला। अमायिक। भयरहित।

निरन्तर, (वि.) लगातार। निबिड़। सघन।

निरपत्रप, (वि.) निर्लज्ज।

निरर्गल, (वि.) न रुकने वाला। अबाध।

निरर्थक, (वि.) व्यर्थ। निष्प्रयोजन।

निरवग्रह, (वि.) बेरोक।

निरवद्य, (वि.) दोषरहित। अच्छा।

निरवयव, (पुं.) आकाररहित।

निरवशेष, (वि.) सब। सारा।

निरवसित, (वि.) चाण्डाल आदि नीच वर्ण।

निरसन, (न.) परित्याग। फेंकना। मारना। निकालना। तिरस्कार करना।

निरस्त, (वि.) दूर गया। प्रेरित किया गया। तिरस्कृत।

निराकरण, (न.) निवारण। [illegible] करना। तिरस्कार करना।

निराकरिष्णु, (वि.) निकाल देने वाला।

निराकृति, (स्त्री.) हरण। निवारण।

निरामय, (वि.) रोग से बिलग। रोगरहित। तन का चंगा और दुरुस्त।

निरुक्त, (न.) वेद का एक अङ्ग विशेष। कहा हुआ। निश्चय किया हुआ।

निरुक्ति, (स्त्री.) व्युत्पत्ति। कथन। निर्वचन।

निरुपाख्य, (वि.) अलक्ष्य। शून्य।

निरूढ, (पु.) पशुविधि।

निरूढ लक्षणा, (स्त्री.) रूढ़िलक्षणा। लक्षणा।

निरूढि, (स्त्री.) प्रसिद्धि। ख्याति।

निरूपण, (न.) प्रकरण के अनुकूल शब्द का प्रयोग करने वाला विचार।

निरूपित, (वि.) वर्णित। नियुक्त। रचित।

निरोध, (पु.) नाश। प्रलय। प्रतिरोध। घेर।

निरोधन, (न.) कारागार में बन्द कर के रोकना। बन्द करना।

निर्ऋति, (पु.) दक्षिण और पश्चिम दिशा का पति। अलक्ष्मी। जहाँ उपद्रव पुष्ट उत्पन्न हो। निधन।

निर्गुण, (पु.) सम्पूर्ण गुणों से रहित। गुणहीन। मूर्ख। प्राकृत गुणहीन ईश्वर।

निर्गुण्डी, (स्त्री.) [illegible]। [illegible]। कमल की जड़। कली। सिन्धुवार का पेड़।

निर्ग्रन्थ, (पु.) क्षपणक दिगम्बर। जैनी। निर्धन। मूर्ख। जुआरी। बैरागी। [illegible] विहीन।

निर्ग्रन्थिक, (पु.) नङ्गा। कौपीन तक न पहिनने वाला। दिगम्बर।

निर्घात, (पु.) दो बादलों के टकराने से उत्पन्न शब्द। नाश। तूफान। [illegible]।

निर्घृण, (वि.) निर्दयी। बेरहम।

निर्घोष, (पु.) हर तरह का शब्द।

निर्जन, (वि.) विजन। एकान्त।

निर्जर, (पु.) देव। अमृत। बुढ़ापे से रहित।

निर्जरा, (स्त्री.) दूर्वा। गिलोय। [illegible]।

निर्झर, (पु.) झरना।

निर्झरिणी, (स्त्री.) नदी।

निर्णय, (पु.) निश्चय। तय। निबटेरा। विवेक।

निर्णिक्त, (त्रि.) साफ । संशोधित । संस्कारित ।
निर्णेजक, (पु.) धोबी । साफ करने वाला ।
निर्दहन, (पुं.) [illegible] ।
निर्दिष्ट, (त्रि.) उपदिष्ट । बतलाया हुआ । ठहराया हुआ । कहा हुआ । दिखलाया हुआ ।
निर्देश, (पुं.) शासन । आज्ञा । वेतन । "[illegible] निर्देश [illegible]" देश से बाहिर हुआ ।
निर्धन, (पु.) धन से रहित । गरीब ।
निर्धारण, (न.) पृथक्करण । निश्चय करना ।
निर्धारित, (त्रि.) निश्चय किया हुआ ।
निर्द्वन्द्व, (त्रि.) द्वन्द्वों से रहित । बेफिक्र ।
निर्बन्ध, (पु.) हठ । [illegible] । आग्रह । अभिनिवेश ।
निर्बाध, (त्रि.) निरापद । बाधारहित । [illegible] ।
निर्बीज, (पु.) [illegible] ।
निर्भर, (न.) अवलम्बित । अतिशय ।
निर्भर्त्सन, (न.) [illegible] ।
निर्मम, (त्रि.) ममतारहित ।
निर्मल (त्रि.) शुद्ध । स्वच्छ ।
निर्माल्य, (न.) [illegible]
[illegible]
[illegible]

निर्यूह, (पु.) कील । द्वार । मौर । छज्जा । चोटी ।
निर्वचन, (न.) धातु एवं प्रत्यय के विभाग से अर्थ कहने वाली निरुक्ति । अर्थ का निष्कर्ष ।
निर्वपण, (न.) बीज बोना । दान । पितृ श्राद्ध ।
निर्वर्तित, (त्रि.) निष्पादित । अन्त तक पहुँचाया हुआ ।
निर्वहण, (न.) कथा की समाप्ति । अन्त । नाश । नाटक की एक सन्धि ।
निर्वाण, (न.) मोक्ष । बुझजाना । विनाश । गजस्नान । औषध । शान्त । विश्राम ।
निर्वाद, (पुं.) लोकापवाद । बदनामी । लोकनिन्दा ।
निर्वापण, (न.) मार डालना । देना ।
निर्वासन, (न.) निकालना । देशनिकाला देना । मारना । विसर्जन । छोड़ना ।
निर्वाह, (पु.) कार्यसमापन । निष्पत्ति । [illegible] । जीविका ।
निर्विकल्प, (त्रि.) जानने योग्य ज्ञान । अलौकिक अनुभव का ज्ञान ।
निर्विकार, (पु.) विकार अथवा परिवर्तन रहित [illegible]
निर्वीजा, (स्त्री.) एक प्रकार की दाख [illegible] । बेदाना ।
निर्वृति, (स्त्री.) [illegible] । आराम से रहना [illegible] ।
निर्वृत्त, (त्रि.) निष्पन्न । पूरा किया हुआ ।
निर्वेद, (पु.) [illegible]
निर्वेश (पु.) भोग । वेतन । [illegible]
निर्व्यूढ (त्रि.) [illegible]
[illegible]

सद्गुणोत्पादन । सौंपना । इच्छानुसार लगाना ।

निर्हारिन्, (पु.) शव को जलाने के लिये ले जाने वाला ।

निर्ह्राद, (पुं.) शब्द ।

निलय, (पु.) घर । वासस्थान । रहने की जगह ।

निवपन, (न.) पिता आदि के नाम पर किसी वस्तु का देना ।

निवर्त्तन, (न.) हटाना । सौ वर्ग गज भूमि ।

निवर्हण, (न.) मारना ।

निवसति, (स्त्री.) गृह । घर ।

निवसथ, (पु.) ग्राम । गाँव ।

निवसन, (न.) घर । कपड़ा ।

निवह, (पु.) समुदाय । समूह । झुण्ड ।

निवात, (पु.) वातरहित देश । कवच ।

निवातकवच, (पुं.) एक दैत्य । प्रह्लाद का पुत्र ।

निवाप, (पु.) पितरों के लिये दान ।

निवास, (पु.) घर । वासा ।

निविड, (वि.) घन । मोटा ।

निवीत, (न.) कण्ठ में पड़ा हुआ जनेऊ । कपड़े पहने हुए ।

निवृत्त, (न.) निरत । हटा हुआ । लौट गया । पृथक् ।

निवृत्ति, (स्त्री.) उपराम । हटना । निरति ।

निवेदन, (न.) सम्मानपूर्वक विज्ञप्ति ।

निवेश, (पुं.) विन्यास । भरना । छावनी । विवाह । स्थान ।

निवेशन, (न) घर । प्रवेश । रहना ।

निश, (स्त्री.) रात । हल्दी ।

निशा, (स्त्री.) रात । हल्दी । मेष आदि राशि समूह ।

निशाकर, (पु.) चन्द्रमा । मुर्गा ।

निशाचर, (पुं.) राक्षस । उल्लू । साँप । शृगाल । चकवा । चोर । रात को विचरने वाला ।

निशान, (न) तीक्ष्णीकरण । तेज करना ।

निशान्त, (न.) घर ।

निशापति, (पु.) चन्द्रमा ।

निशीथ, (पु.) आधीरात । रात ।

निशीथिनी, (स्त्री) रात ।

निशुम्भ, (पु.) शुम्भ दैत्य का भाई । एक दैत्य । मारना ।

निश्चय, (पु.) संशयरहित सिद्धान्त । निर्णय । पक्का ।

निश्चल, (वि.) स्थिर । पक्का । भूमि । (स्त्री.) शालपर्णी ।

निश्वास, (पु.) साँस ।

निषङ्ग, (पु) तर्कस ।

निषङ्गिन्, (वि.) धनुर्धारी ।

निषद्या, (स्त्री.) हाट । बाजार । दूकान । छोटा खटोला । मचवी ।

निषद्वर, (पु.) कीच । कामदेव ।

निषध, (पुं.) कठिन । एक देश । निषाद स्वर ।

निषाद, (पुं.) वीणा या गले का स्वर । चाण्डाल । वर्णसङ्कर विशेष ।

निषादिन्, (पु.) महावत । हस्तिप ।

निषिद्ध, (वि.) बुरा । रोका हुआ । हटाया हुआ ।

निषेक, (पु.) गर्भाधान ।

निष्क, (क्रि.) मापना ।

निष्क, (पु.) सोलह माशे की तौल । १०८ रत्ती भर सोना । सोने का बर्तन ।

निष्कर्ष, (पुं) निचोड़ । निश्चय । सार । तत्त्व ।

निष्कल, (वि.) कलारहित । जो हुनर न जानता हो । (पु.) ब्रह्म ।

निष्कासित, (वि.) निकाला हुआ ।

निष्कुट, (पुं.) घर के पास का उपवन । खेत । अन्तःपुर । (स्त्री.) इलायची ।

निष्कुषित, (वि.) खण्डित । छीला गया । खाल उतारा गया ।

निष्कृति, (स्त्री.) छुटकारा । मुक्ति ।
निष्कृष्ट, (त्रि.) निकाला गया । खींचा गया । भगाया । निचोड़ ।
निष्कोषण, (न.) भीतर के हिस्सों या अंगों को बाहर निकालना ।
निष्क्रमण, (न.) बाहर निकलना । एक वैदिक संस्कार ।
निष्क्रय, (पुं.) बिक्री । तनख्वाह ।
निष्क्रान्त, (त्रि.) निकला ।
निष्क्रिय, (त्रि.) बेकार । कुछ न करने वाला ।
निष्क्वाथ, (पुं.) रसा । जूस ।
निष्ठा, (स्त्री.) निर्वाह । दृढ़ता । अन्त ।
निष्ठीवन, (न.) थूक । खखार ।
निष्ठुर, (त्रि.) निठुर । बेरहम ।
निष्ठ्यूत, (त्रि.) फेंका गया । थूका गया ।
निष्णात, (त्रि.) चतुर । निपुण । बढ़ा हुआ ।
निष्पत्ति, (स्त्री.) सिद्धि । समाप्ति । [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
निष्पन्न, (त्रि.) पूरा । सम्पन्न । सिद्ध ।
निष्परिग्रह, (त्रि.) संन्यासी । वनवासी । अपने पास कुछ न रखने वाला ।
निष्पादन, (न.) सम्पादन । पूर्ण करना ।
निष्पादित, (त्रि.) सम्पादित किया गया । पूरा किया गया ।
निष्पाप, (त्रि.) पापरहित ।
निष्प्रतिभ, (त्रि.) मूर्ख । जड़ ।
[illegible] (त्रि.) अकारण । वृथा ।
निष्फल, (त्रि.) बेकार । व्यर्थ । वृथा ।
[illegible], (न.) [illegible] । [illegible] ।
[illegible] ।
[illegible], (पुं.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible] (त्रि.) [illegible] ।

निसृष्टार्थ, (पुं.) दोभाषिया ।
निस्तत्त्व, (त्रि.) तत्त्वरहित । असार ।
निस्तरण, (न.) उपाय । निस्तार । तैरना ।
निस्तल, (त्रि.) गोल । बे पेंदे का ।
निस्तार, (पुं.) उद्धार । बचाव । छुटकारा ।
निस्तुषित, (त्रि.) त्यागा हुआ । [illegible]हीन ।
निस्तेजस, (त्रि.) तेज रहित ।
निस्तोद, (पुं.) पीड़ा । व्यथा । दर्द ।
निस्त्रिंश, (पुं.) खड्ग । [illegible] ।
निस्त्रैगुण्य, (त्रि.) निष्काम ।
निस्नेह, (त्रि.) रूखा । बेमुरौवत ।
निस्पन्द, (पुं.) धड़कन । हिलना ।
निस्पृह, (त्रि.) सन्तोषी । कोई चाह न रखने वाला ।
निस्यन्द, (पुं.) टपकना । बहना ।
निस्राव, (पुं.) भात का माँड़ ।
निस्व, (त्रि.) [illegible] । कंगाल । निर्धन । निर्बल ।
निस्वन, (पुं.) शब्द ।
निस्सारित, (त्रि.) निकाला गया ।
निस्सीम, (त्रि.) सीमारहित । बेहद ।
निहत, (त्रि.) मारा गया ।
निहनन, (न.) वध करना । मार डालना ।
[illegible], (त्रि.) [illegible] ।
निह्नव, (पुं.) छिपाना । दुराना ।
निहित, (त्रि.) भीतर रखा हुआ ।
[illegible], (पुं.) [illegible] ।
[illegible], (त्रि.) [illegible] ।
निह्राद, (पुं.) [illegible] शब्द ।
नीकाश (पुं.) [illegible] ।
[illegible] (पुं.) [illegible] ।
नीच, (त्रि.) [illegible] ।
[illegible] (त्रि.) [illegible] ।

(अ.) नीचे । थोड़ा । क्षुद्र ।
(पुं.) क्रौञ्च । घोंसला ।
, (पुं.) पक्षी । चिड़िया । घोंसले में
दा होने वाला ।
(वि.) लाया गया । पहुँचाया गया ।
, (स्त्री.) एक शास्त्र । न्याय । उचित
व्यवहार ।
शास्त्र, (न.) नीति के ग्रन्थ ।
ज्ञ, (वि.) नीति को जानने वाला ।
(पुं.) कदम्ब । नीला अशोक ।
दुपहरिया ।
मान, (वि.) पहुँचाया जा रहा । लिया
जा रहा ।
(न.) जल । रस ।
ज, (न.) कमल । मोती । जलजीव ।
(वि.) रज से रहित ।
द, (पुं.) बादल । मोथा । (वि.)
बे दाँत वाला ।
धि,
निधि, } (पुं.) समुद्र ।
न्ध्र, (वि.) गाढ़ा । घना । छिद्र
रहित ।
स, (वि.) रूखा । रसहीन ।
ाजन, (न.) आरती उतारना ।
रुज़, (पुं.) रोगरहित । आराम ।
ल, (पुं.) नीला । वानर विशेष । निधि
विशेष । पर्वत विशेष । लाञ्छन ।
कलंक । नीलम मणि ।
लक, (न.) काला नमक ।
लकण्ठ, (पुं.) महादेव । एक पक्षी ।
पपीहा । मोर ।
ललोहित, (पुं.) महादेव । काला और
लाल मिला हुआ रंग ।
लाम्बर, (पुं.) बलदाऊजी । शनैश्चर ।
राक्षस । (न.) नीले रंग का कपड़ा ।
लोत्पल, (न.) नीले रंग का कमल ।
वार, (पुं.) तृणधान्य । तिन्नी के चावल ।

नीवी, (स्त्री.) पूँजी । स्त्रियों के लहँगे का
नाला ।
नीवृत्, (पुं. स्त्री.) जनपद । देश ।
नीशार, (पुं.) पर्दा । कनात । तंबू ।
नीहार, (पुं.) कुहासा । कुहरा ।
नु, (अ.) तर्कणा । विकल्प । अपमान ।
अनुनय । प्रश्न । कारण । अतीत ।
नुति, (स्त्री.) स्तुति । पूजा ।
नुन्न, (वि.) प्रेरित ।
नुत्त, (वि.) क्षत । प्रेरित । निरस्त ।
नूतन, (वि.) नया ।
नूत्न, (वि.) नया ।
नूद, (पुं.) शहतूत का दरख्त ।
नून, (वि.) समूचा ।
नूनम्, (अ.) निश्चय । तर्कणा । स्मरण ।
अपेक्षा । वाक्यपूर्ति ।
नूपुर, (पुं.) नेवर । बिछिया ।
नृ, (पुं.) पुरुष । मनुष्य ।
नृकरोटिका, (स्त्री.) मनुष्य की खोपड़ी ।
नृग, (पुं.) एक बड़े दानी राजा ।
नृति, (स्त्री.) नाचना ।
नृत्त,
नृत्य, } (न.) हाव भाव के साथ नाचना ।
नृप, (पुं.) राजा ।
नृपति, (पुं.) राजा । कुबेर ।
नृपशु, (पुं.) पशु की तरह विवेकरहित
मनुष्य ।
नृपाध्वर, (पुं.) राजसूय यज्ञ ।
नृशंस, (वि.) क्रूर । नीच । खूनी ।
नृसिंह, (पुं.) विष्णु का एक अवतार ।
मनुष्यों में शेर ।
नेजक, (पुं.) धोबी ।
नेता, (वि.) अगुआ । हाँकिया । मालिक ।
नेत्र, (न.) मथानी की रस्सी । आँख । रथ ।
नेत्रच्छद, (पुं.) पलकें ।
नेत्रबन्ध, (पुं.) आँखमिचौनी का खेल ।
नेत्राम्बु, (न.) आँसू ।

नेदिष्ठ, (त्रि.) अत्यन्त निकटवर्ती ।
नेदीयान्, (त्रि.) बहुत ही नज़दीकी ।
नेप, (पुं.) पुरोहित ।
नेपथ्य, (न.) रंगभूमि । स्टेज । वेशभूषा बनाने का स्थान ।
नेपाल, (पुं.) नेपाल देश ।
नेम, (पु.) समय । अवधि । खण्ड । प्रकार । छल कपट । गड़ा ।
नेमि, (स्त्री.) गरारी । पहिये की लकीर । जैनियों के एक देवता ।
नेमिश, (न.) नैमिषारण्य (नीमसार) क्षेत्र ।
नेमी, (स्त्री.) पहिये की लकीर । गरारी ।
नेष्ट, (त्रि.) निषिद्ध । अप्रिय । नापसन्द ।
नैकट्य, (न.) निकटता ।
नैकृतिक, (त्रि.) चुगलखोर ।
नैगम, (पुं.) उपनिषद् । ब्रह्मविद्या । बनिया । व्यापारी ।
नैज, (त्रि.) अपना ।
नैत्य, (न.) नित्यता ।
नैपुण्य, (न.) निपुणता । चातुरी ।
नैमित्तिक, (त्रि.) विशेष कारण से होने वाला (कर्म) ।
नैमिष, (न.) नीमसार क्षेत्र । नैमिषारण्य । वायुपुराणोक्त वह स्थान, जहाँ ब्रह्मा का दिया हुआ मानसचक्र धारा टूट कर गिर गया और तपस्या आदि के लिये सर्वोत्तम स्थान माना गया । " निमि:शीर्यत्यस्मिन । "
नैयायिक, (त्रि.) न्याय शास्त्र को पढ़ने या जानने वाला ।
नैरन्तर्य, (न.) निरन्तरता । अखण्डता ।
नैराश्य, (न.) नाउम्मेदी । आशा न रहना ।
नैरुक्त, (पु.) निरुक्तसम्बन्धी ।
नैर्ऋत, (पु.) राक्षस । पश्चिम दक्षिण दिशा के स्वामी ।
नैर्गुण्य, (न.) निर्गुणता । मुक्ति ।
नैवेद्य, (न.) निवेदन (अर्पण) करने की सामग्री । भगवान् का भोग ।

नैश, (त्रि.) रात का ।
नैषध, (पुं.) महाराज नल । श्रीहर्ष कवि का बनाया महाकाव्य ।
नैष्कर्म्य, (न.) कर्म न करना । बेक रहना ।
नैष्ठिक, (पुं.) बालब्रह्मचारी ।
नैसर्गिक, (त्रि.) स्वाभाविक । स्वभावसिद्ध
नो, (अ.) नहीं । अभाव । निषेध ।
नोचेत्, (अ.) नहीं तो ।
नोदना, (स्त्री.) प्रेरणा ।
नौ, (स्त्री.) नाव । बेड़ा ।
नौका, (स्त्री.) नाव ।
नौकादण्ड, (पुं.) डाँड़ ।
न्यक्कार, (पु.) अनादर । धिक्कार ।
न्यग्रोध, (पुं.) बरगद का पेड़ ।
न्यङ्कु, (पु.) मृगविशेष । बारहसिंगा ।
न्यञ्चित, (त्रि.) औंधा ।
न्यस्त, (त्रि.) रक्खा गया । त्यक्त ।
न्यस्तदण्ड, (पु.) सन्यासी ।
न्यस्तशस्त्र, (त्रि.) त्यक्तशस्त्र । निहत्था ।
न्याय, (पु.) उचित । इन्साफ । नीति । छः दर्शन शास्त्रों में से एक दर्शन शास्त्र ।
न्याय्य, (त्रि.) युक्तियुक्त । मुनासिब ।
न्यास, (पु.) धरोहर । अमानत । सन्यास रखना ।
न्युब्ज, (पुं.) कुशनिर्मित स्रुवा । (न.) कमरख । (त्रि.) कुबड़ा । औंधा ।
न्यून, (त्रि.) कम । निन्दा योग्य ।

प

प, पीना । बचाना । वायु । पत्ता । अण्डा ।
पक्व, (त्रि.) पका हुआ । दृढ़ ।
पक्कण, (न.) भील का घर । चाण्डाल की झोपड़ी ।
पक्ष, (पु.) १५ दिन । पखवाड़ा । पंख । सहाय । तरफ ।
पक्षक, (पुं.) खिड़की । पखवा या कोट दीवार ।

पक्षति, (स्त्री.) पखवाड़े की आरम्भ तिथि । परवा । प्रतिपदा तिथि । पक्षियों के परों की जड़ ।

पक्षपात, (पुं.) तरफदारी । पक्ष का गिर जाना । पंख झड़ जाना ।

पक्षान्त, (पुं.) अमावस और पूनों का दिन । जिसमें पखवारा समाप्त हो ।

पक्षिल, (वि.) सहायता देने वाला । वात्स्यायन मुनि ।

पक्षी, (पु.) चिड़िया । तीर । पखवाड़े वाला । महीना ।

पक्ष्म, (न.) पलक ।

पङ्क, (पु. न.) कीचड़ । पाप ।

पङ्कज, (न.) कमल । (वि.) जो कीचड़ में पैदा हो ।

पङ्किल, (वि.) मैला । कीचड़ वाला ।

पङ्केरुह, (न.) कमल । सारस पक्षी ।

पङ्क्ति, (स्त्री.) पाँति । कतार । श्रेणी ।

पङ्क्तिदूषक, (पु.) धूर्त । चार आदमियों में न बैठने लायक । अनाचारी । जिसके साथ भोजन करने से भ्रष्टता हो जाय ।

पङ्क्तिपावन, (पु.) विद्वान् । गुणी । सदाचारी जिसके साथ भोजन को बैठने वाले पवित्र हो जावें ।

पङ्क्तिशः, (अ.) कतार की कतार । अनुक्रम से ।

पङ्गु, (वि.) लँगड़ा । (पुं.) शनैश्चर ग्रह ।

पचन, (न.) पकाना । अन्नादि का पकाना ।

पञ्च, (पुं.) रुद्र ।

पञ्चक, (न.) पाँच का समूह । धनिष्ठा के उत्तरार्द्ध से रेवती तक पाँच नक्षत्र ।

पञ्चकषाय, (पुं.) जामुन । सेमर । बेर आदि पाँच कसैली चीजें ।

पञ्चकोष, (पु.) अन्नमय । प्राणमय । मनोमय । विज्ञानमय और आनन्दमय—ये शरीर के भीतरी पाँच भाग ।

पञ्चगव्य, (न.) गौ की पाँच चीजें—दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर । हिन्दू इसको पी कर अपनी देहशुद्धि मानते हैं ।

पञ्चचूड़ा, (स्त्री.) एक अप्सरा ।

पञ्चजन, (पुं.) एक दैत्य । पाँच आदमी । पुरुष ।

पञ्चतत्त्व, (न.) पाँच तत्त्व—पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश ।

पञ्चवटी, (स्त्री.) दण्डकारण्य का एक स्थान । जहाँ वनवास में रामचन्द्र ने निवास किया था । सीताहरण का स्थान ।

पञ्चबाण, (पु.) पाँच बाण वाला । कामदेव के पाँच बाण ये हैं—

"अरविन्दमशोकञ्च चूतं च नवमल्लिका ।
नीलोत्पलं च पञ्चैते पञ्च बाणस्य सायकाः ॥"

अर्थात्—कमल, अशोक, आम, नयी मालती (मधुमालती) और नीले रंग का कमल ये पाँच बाण हैं ।

अथवा—

"उन्मादनस्तापनश्च शोषणः स्तम्भनस्तथा ।
सम्मोहनश्च कामस्य पञ्च बाणाः प्रकीर्तिताः ॥"

अर्थात्—पागल कर देना । सन्तप्त कर देना । कर्तव्यभ्रष्ट करना । शरीर सुखा देना और मोहित (अचेत) कर देना ये पाँच बाण हैं । कामदेव ।

पञ्चशाख, (पु.) पंजा । हाथ ।

पञ्चसूना, (स्त्री.) चूल्हा, चक्की, बुहारी, पीसना और पकाना—इनसे होने वाली जीवों की हत्या ।

पञ्चाग्नि, (पुं.) चारों तरफ आग जला कर ऊपर से सूर्य का ताप सहना । पाँच आगें तपसी गर्मी में दोपहर के वक्त तापते हैं ।

पञ्चाङ्ग, (न.) जिसमें तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण ये पाँच अङ्ग हों । पत्रा । तिथिपत्र । (पु.) कछुआ । (वि.) पाँच अङ्ग वाला ।

पद्मपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक।
पद्मबन्ध, (पुं.) शब्दसम्बन्धी अलङ्कार विशेष।
पद्मबन्धु, (पु.) सूर्य्य। भौंरा।
पद्मभू, (पुं.) पद्मोद्भव। ब्रह्मा।
पद्मराग, (न.) माणिक। लाल।
पद्मलाञ्छन, (पु.) सूर्य्य। ब्रह्मा। राजा। कुबेर।
पद्मा, (स्त्री.) लक्ष्मी। लवङ्ग। मनसा देवी। कुसुम्भ का पुष्प।
पद्मासन, (न.) बैठक भेद। आसन विशेष।
पद्मिनी, (स्त्री.) कमलों का समूह। कमलों वाला देश। स्त्रीविशेष।
पद्मिन, (पुं.) हाथी। कमलों वाला।
पद्मेशय, (पुं.) विष्णु।
पद्य, (न.) श्लोक। कविता। कवियों की छन्दोबद्ध रचना।
पन्, (क्रि.) स्तुति करना।
पनस, (पु) कटहर। काँटा। कण्टकी-फल।
पन्न, (वि.) गया हुआ। गिरा हुआ।
पन्नग, (पु.) साँप। सर्प।
पन्नगाशन, (पु.) गरुड़। साँप का खाने वाला। सर्पभोजी।
पन्नद्धा, (स्त्री.) पाँव में बाँधी गयी। चर्म-पादुका। जूती।
पम्पा, (स्त्री.) दक्षिणी एक तालाब। पम्पा सरोवर। जहाँ श्रीरामचन्द्र और सुग्रीव की भेंट हुई थी। नदीविशेष।
पय्, (क्रि.) जाना।
पयस, (न.) दूध। जल। पानी।
पयस्य, (वि.) दुग्धविकार। दही, मलाई इत्यादि। बिल्ला। कर्कटशृङ्गिका और दुग्धिनी भी।
पयस्विनी, (स्त्री.) दूध वाली। गौ। नदी। कार्तिकेय। बकरी। जीवन्ती। रात्रि।
पयोधर, (पुं.) मेघ। स्त्री का स्तन। नारियल।
पयोधि, (पुं.) समुद्र।
पयोव्रत, (न.) बारह दिन का व्रतविशेष जिसमें केवल दूध पिया जाता है।
पर, (वि.) भिन्न। और। दूसरा। अन्य। दूर। सर्वोत्तम। छुटकारा। केवल। (न.) ब्रह्म। (पु.) शत्रु।
परःशत, (न.) सौ से अधिक।
परःश्वस्, (अव्य.) परसों का दिन।
परःसहस्र, (न.) एक हजार से ऊपर की गिनती।
परकीय, (वि.) दूसरे का। (१) (स्त्री.) उपनायिका।
परच्छन्द, (पुं.) दूसरे की इच्छा। पराधीन।
परजात, (वि.) दूसरे से उत्पन्न।
परतंत्र, (वि.) पराधीन। दूसरे के अधीन।
परत्व, (न.) वैशेषिक मतानुसार सिद्ध गुण विशेष एक भेद।
परपिण्डाद, (वि) परान्नोपजीवी। दूसरे के अन्न से जीने वाला।
परपुष्ट, (पु) कोयल (स्त्री) वेश्या।
परपूर्वा, (स्त्री) दूसरा पति करने वाली स्त्री।
परभाग, (पु.) दूसरे का हिस्सा।
परभृत्, (पु.) काक। कौआ।
परम्, (अव्य.) वियोग। शेष। केवल। अनन्तर।
परम, (वि.) प्रधान। उत्कृष्ट। बड़ा। पहला। ओंकार।
परमम, (अव्य.) अच्छा। स्वीकार करना।
परमर्षि, (पु.) महर्षि। श्रेष्ठ सन्त।
परमहंस, (पु.) कुटीचक आदि चार संन्यासियों में से एक प्रकार का सबसे ऊँचा अन्तिम भेदी का संन्यासी।
परमाणु, (पुं.) बहुत बारीक अणु।

परमात्मन्, (पुं.) परमात्मा।
परमान्न, (न.) खीर। दूध में पका हुआ चावल। हविष्य। देवप्रिय होने से परम कहा है।
परमायुस्, (न.) १०० वर्ष की पूरी आयु।
परमेश्वर, (पुं.) जगत् की उत्पत्ति, स्थिति और पालन का हेतु अर्थात् परमात्मा। चक्रवर्ती राजा।
परम्परा, (स्त्री.) वंश। [illegible]। सन्तति।
परम्पराक, (न.) यज्ञार्थ पशुहनन।
परम्परीण, (त्रि.) क्रमागत। अविच्छेद। सन्तत। [illegible]।
परवश, (त्रि.) पराधीन।
परवान्, (त्रि.) परवश। दूसरे के अधीन।
परशु, (पुं.) कुल्हाड़ा।
परशुराम, (पुं.) जमदग्निसुत। एक ऋषि। भगवान् का चौबीसों में से एक अवतार विशेष।
परश्वध, (पुं.) कुल्हाड़ा।
परस्पर, (त्रि.) आपस में।
परस्मैपद, (न.) जिसमें दूसरे के लिये फल का ज्ञान हो। व्याकरण में कथित तिङ् आदि।
परा, (अव्य.) उलटा। बढ़के। पूरे बल कहना। सम्मुखे। हिंसा। बहुती। [illegible]। जाना। दूसरा। विलक्षण नें रता।
पराक, (पुं.) व्रतविशेष। खड्ग। रोग विशेष। क्षुद्र।
पराक्रम, (पुं.) बल। वीर्य। उद्योग।
पराग, (पुं.) पुष्परज। प्रसिद्धि। चन्दन।
पराङ्मुख, (त्रि.) विमुख। पीठ फेरे। उलटा।
पराचित, (त्रि.) दूसरे [illegible] हुआ। दूसरे से पाला हुआ।

पराचीन, (त्रि.) पराङ्मुख। तत्कालिक दूसरा।
पराजय, (पुं.) पराभव। तिरस्कार। हार। विनाश।
परामर्श, (पुं.) युक्ति। विवेचन। स्मरण।
परायण, (न.) तत्पर और निष्ठ।
परारि, (अव्य.) पूर्वतर तृतीय वर्ष। गया साल।
परार्द्ध, (न.) चरम संख्या। ब्रह्मा की आयु का आधा भाग, उसके ५० वर्ष।
परार्ध्य, (त्रि.) श्रेष्ठ। बहुत अच्छा।
परावर्त, (पुं.) बदला। बदलना। विनिमय।
पराशर, (पुं.) व्यासदेव के पिता का नाम।
पराश्रय, (न.) परवशता।
परासु, (त्रि.) मरा हुआ। मृत।
पराहत, (त्रि.) निरस्त। पराजित।
पराह, (पुं.) परदिन। अगला दिन। दूसरा दिन।
पराह्ण, (पुं.) दिन का पिछला हिस्सा।
परि, (अव्य.) चारों ओर से। [illegible]। [illegible]। दूर। [illegible]। दूसरा। [illegible]। शोक। [illegible]। [illegible]। बहुत। [illegible] एक विषय
परिकर, (पुं.) परिवार। पर्यङ्क। समारम्भ। समूह। विवेक। कमर बाँधना। [illegible]।
परिकर्मन्, (न.) देह का संस्कार। उबटन लगाना। सेवा।
परिक्रम, (पुं.) परिक्रमा। [illegible]।
परिक्षित्, (पुं.) अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु का पुत्र। कुरुवंश का एक राजा। [illegible]। इसके [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
परिखा, (स्त्री.) खाई।
परिगत, (त्रि.) ज्ञात। प्राप्त। विस्मृत। वेष्टित। मिला हुआ। [illegible]।
परिग्रह, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible]।

पर्यक्, (अ.) चारों ओर।
पर्यङ्क, (पु.) खाट। पलँग।
पर्यटक, (पु.) घूमने वाला। यात्री। सन्यासी।
पर्यटन, (न.) घूमना। फिरना। यात्रा करना।
पर्यन्त, (पु.) तक। तलक।
पर्यय, (पु.) चक्कर। लौट पौट। अनाचार।
पर्ययधारणा, (न.) दृढ़ निश्चय। दृढ़ विचार।
पर्ययरणा, (स्त्री.) विरोध।
पर्यश्रु, (अ.) आँसुओं से भर।
पर्यस्त, (त्रि.) उलटापुलटा। अस्तव्यस्त। गिरा हुआ। मारा हुआ।
पर्याण, (न.) घोड़े की काठी।
पर्यांस, (न.) [illegible]। काठी।
पर्याय, (पु.) बारी बारी। सिलसिला।
पर्यालोचन, (न.) अच्छी तरह देखना-विचारना।
पर्याहृत, (त्रि.) [illegible] हुआ।
पर्यास, (पु.) [illegible]।
पर्युक्ष, (न.) छिड़कना।
पर्युक्षण, (न.) छिड़कना।
पर्युपासन, (न.) सेवा। पूजा।
पर्युत्सुक, (त्रि.) [illegible]। [illegible]।
[illegible]
पर्युदास, (पु.) [illegible]। [illegible]।
पर्युषित, (त्रि.) [illegible]।
पर्येषणा, (स्त्री.) [illegible]।
[illegible] (पु.) [illegible]।
[illegible] (त्रि.) [illegible]।
[illegible] (न.) [illegible]। [illegible]।
[illegible] (पु.) [illegible]।
[illegible]

पर्शुका, (स्त्री.) पसली की हड्डी।
पर्षद, (स्त्री.) सभा। धर्मोपदेशक पण्डितों का समाज।
पल, (न.) एक छोटी तौल। बहुत थोड़ा काल। सेकंड। मांस।
पलल, (न.) कीचड़। मांस।
पलाण्डु, (पु.) प्याज।
पलायन, (न.) भागना।
पलाल, (पु. न.) पुआल। पैरा।
पलाश, (न.) पत्ता। ढाक। हरा रंग। राक्षस।
पलिक्नी, (स्त्री.) बुढ़िया। जवानी में ही गर्भ धारण करने वाली स्त्री।
पलित, (न.) बालों का पकना। बदन की झुर्रियाँ।
पल्यङ्क, (पु.) पलँग।
पल्लव, (पु.) वृक्षों की कोंपल। नई पत्तियाँ। विस्तार।
पल्ली, (स्त्री.) छोटा गाँव। टोला।
पवन, (पु.) हवा। (न.) साफ करना।
पवनात्मज, (पु.) हनुमान। भीमसेन। [illegible]।
पवनाश, (पु.) साँप।
पवमान, (पु.) वायु। हवा।
पवि, (पु.) वज्र। [illegible]।
पवित्र, (त्रि.) शुद्ध।
पवित्री, (स्त्री.) [illegible] की बनी [illegible]।
पशु, (पु.) [illegible]।
पशुपति, (पु.) महादेव।
पशुराट्, (पु.) शेर। सिंह।
पश्चात्, (अ.) पीछे।
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पद्मपत्नी, (स्त्री.) नारीविशेष ।
पद्मप, (पु.) म्लेच्छों की एक जाति ।
पा. (क्रि.) पीना, रक्षा करना ।
पांशु, (पु.) धूलि । रज । पाप ।
पांशुल, (त्रि.) परदेश । पापी ।
पाक, (पु.) पकना । एक दैत्य ।
पाकशाला, (स्त्री.) रसोईघर ।
पाकशासन, (पु.) इन्द्र ।
पाक्षिक, (त्रि.) एक पक्ष का । एक पखवाड़े का ।
पाचक, (पु.) रसोइया ।
पाचन, (न.) पचाने वाला । चूरन वगैरह ।
पाञ्चजन्य, (पु.) विष्णु का शङ्ख ।
पाञ्चाल, (पु.) पञ्जाब ।
पाटच्चर, (पु.) चोर ।
पाटल, (पु.) गुलाबी रंग ।
पाटलिपुत्र, (पु.) पटना शहर ।
पाटव, (न.) होशियारी । तन्दुरुस्ती ।
पाठ, (पु.) सबक़ । पढ़ना ।
पाठक, (पु.) पढ़ाने वाला । ब्राह्मणों की एक जाति ।
पाठशाला, (स्त्री.) पढ़ने की जगह । मदरसा । स्कूल ।
पाठीन, (पु.) पढ़िना मछली ।
पाणि, (पु.) हाथ ।
पाणिगृहीती, (स्त्री.) भार्या । जोरू ।
पाणिग्रहण, (न.) हाथ पकड़ना । विवाह संस्कार ।
पाणिनि, (पु.) व्याकरण के आचार्य एक प्रसिद्ध मुनि ।
पाणिनीय, (न.) पाणिनिरचित व्याकरण ।
पाणिस्पर्शा, (स्त्री.) रस्सी ।
पाण्डव, (पु.) राजा पाण्डु के लड़के युधिष्ठिर आदि ।
पाण्डु, (पु.) कुरुवंशी एक राजा । पीला ।
पाण्डुर, (पु.) पीला । काँवर का रोग ।
पाण्ड्य, (पु.) एक देश ।
पात, (पु.) पतन । गिरना । रक्षित ।
पातक, (न.) पाप ।
पातञ्जल, (न.) पतञ्जलि कथित योगशास्त्र ।
पाताल, (न.) पृथिवी के नीचे का लोक ।
पातुक, (त्रि.) गिरने वाला ।
पात्र, (न. स्त्री.) बर्तन । आधार । नाटक में अभिनय करने वाला ।
पात्रीय, (त्रि.) यज्ञीय द्रव्य ।
पाथ, (न.) जल । अग्नि । सूर्य ।
पाथस्, (न.) जल । अन्न । वायु । आकाश ।
पाथेय, (त्रि.) रास्ते में खाने के लिये भोजन ।
पाद, (पु.) चरण । पैर । चतुर्थांश । वृक्ष की जड़ ।
पादकटक, (पु.) नूपुर । पाँजेब । झाँझन ।
पादकृच्छ्र, (पु.) एक प्रकार का व्रत । एक दिवस का उपवास ।
पादग्रहण, (न.) पादवन्दन ।
पादचारिन्, (पु.) पैरों चलने वाला । पैदल ।
पादत्राण, (न.) जूता । खड़ाऊँ ।
पादप, (पु.) पेड़ । पौधा ।
पादमूल, (न.) पैर का तलवा ।
पादविक, (त्रि.) पथिक । बटोही । पैदल ।
पादाङ्गद, (न.) बिछिया । पायजेब । झाँझन ।
पादात, (न.) सैन्य समूह ।
पादुका, (स्त्री.) जूते । खड़ाऊँ ।
पाद्य, (न.) पैर धोने का जल ।
पान, (न.) पीना । शराब । पीने का बर्तन । रक्षा । नहर ।
पानगोष्ठी, (स्त्री.) शराबियों की मण्डली ।
पानभाजन, (न.) पानपात्र । मदिरा पीने का प्याला या गिलास ।
पानीय, (न.) जल । पीने योग्य ।

पिङ्गाक्ष, (पु.) शिव। सुदर्शन।
पिचण्ड, (पुं.) उदर। पेट।
पिचु, (पुं.) कपास। वृक्ष विशेष।
पिच्छ्, (क्रि.) काटना। छेद करना।
पिच्छ, (न.) मोर की पूँछ और चोटी। सिंवल का पेड़। सुपारी। कोष। पंक्ति।
पिज्, (क्रि.) चमकना।
पिञ्ज, (न.) बल। कपूर। (वि.) विकल। (स्त्री.) हल्दी। अहिंसा।
पिञ्जट, (पुं.) कीचड़।
पिञ्जर, (न.) हरताल। सोना। नागकेसर। पिंजड़ा। ठठरी। घोड़ा विशेष। पीला और लाल रङ्ग।
पिट्, (क्रि.) इकट्ठा होना। शब्द करना।
पिटक, (पु.) डलिया। पिटारी। फोड़ा।
पिठ्, (क्रि.) कष्ट उठाना। मारना।
पिठर, (पु.) बर्तन। मथानी। थाली।
पिण्ड, (वि.) शरीर का एक भाग। घर का एक भाग। भात का एक कौर। बना गोलाकार सामान। हाथी का माथा। मदन पेड़। पर्वतांश। बोल।
पिण्डखर्जूर, (पु.) वृक्ष विशेष।
पिण्डायस, (न.) तेज लोहा।
पिण्डार, (पु.) क्षपणक। गोप। वृक्ष।
पिण्डी, (स्त्री.) गेंद। चक्र की धुरी। पिंडी। अशोक वृक्ष। घर। पीढ़ा। बेदी।
पिण्डीशूर, (पु.) डरपोक।
पिण्याक, (न.) तिलों का चूरा। हींग। सन।
पितामह, (पु.) बाबा। दादा। ब्रह्मा का नाम।
पितृ, (पु.) पिता। बड़े लोग।
पितृकानन, (न.) श्मशान।
पितृतीर्थ, (न.) गया। तर्जनी और अङ्गूठे का मध्यस्थल।
पितृपति, (पु.) यमराज।
पितृप्रसू, (स्त्री.) साँझ। दादी।
पितृयज्ञ, (पु.) पितृतर्पण।
पितृयाण, (पु.) पितरों के जाने का मार्ग।
पितृलोक, (पु.) चन्द्रलोक से ऊपर पितरों के रहने योग्य लोक।
पितृबन्धु, (पु.) पिता के मामा के लड़के।
पितृव्य, (पुं.) चाचा। काका।
पितृष्वस्रीय, (पुं. स्त्री.) बुआ का बेटा या बेटी।
पितृसन्निभ, (पु.) जो पिता के समान हो।
पित्त, (न.) देहस्थ धातु विशेष। गर्मी।
पित्तल, (न) पीतल धातु। पित्त वाले स्वभाव का।
पित्र्य, (वि.) मधु। मघा नक्षत्र। अमावास्या।
पित्सत्, (पुं.) गिरने की इच्छा वाला।
पिधान, (न.) पर्दा। ओढ़ना। पिछौरी।
पिनद्ध, (वि.) पहना हुआ। बँधा हुआ।
पिनाक, (पुं. न.) कमान। धूलि की वर्षा।
पिनाकिन्, (पु) महादेव।
पिपासा, (स्त्री.) पीने की इच्छा। प्यास।
पिपासु, (वि.) प्यासा।
पिपीलक, (पु.) चेंटा।
पिप्पल, (न.) पीपल का पेड़। जल। कपड़े का टुकड़ा। पक्षी।
पियाल, (पु.) वृक्ष विशेष।
पिल्, (क्रि.) चलाना।
पिश्, (क्रि.) [illegible]।
पिश, (क्रि.) हिंसा करना।
पिशङ्ग, (पु.) कमल की धूलि के रङ्ग का पीला रङ्ग।
पिशाच, (पु.) देवयोनि विशेष।
पिशित, (न.) मांस। जटामासी।
पिशुन, (न.) कुङ्कुम। चुगलखोर। [illegible]। नारद और कौआ।
पिष्, (क्रि.) पीसना।
पिष्ट, (न.) [illegible]

पिष्टक, (पु. न.) चावल के चूरे का बना हुआ । पीठी ।

पिष्टप, (पु. न.) भुवन । जगत् । सर्ग ।

पिष्टात, (पु.) केसर आदि गन्धद्रव्य ।

पिस्, (क्रि.) जाना । चमकना । सुगन्धि लगाना । बल करना । मारना । देना ।

पिहित, (वि.) छिपा हुआ ।

पी, (क्रि.) पीना ।

पीठ, (पु. न.) पीढ़ा । वेदी । चौकी ।

पीड्, (क्रि.) दुःख करना । अत्याचार करना ।

पीडन, (न.) दबाव । कष्ट । आक्रमण ।

पीड़ा, (स्त्री.) व्यथा । दुःख ।

पीड़ित, (वि.) दुःखित ।

पीत, (न.) हल्दी के रङ्ग जैसा ।

पीतक, (न.) केसर । हरताल । पीतल ।

पीतवाससर्, (पु.), श्रीकृष्ण ।

पीन, (वि) स्थूल । मोटा । पुष्ट । सम्पन्न ।

पीनोरुणी, (स्त्री) बहुत मोटे थन वाली गौ ।

पीनस, (पु.) नासिका का रोग जिसमें नाक से कीड़े भरते हैं । नाक गल कर गिर जाती है । खांसी । जुकाम ।

पीय्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।

पीयूष, (न.) अमृत । दूध ।

पील्, (क्रि.) रोकना ।

पीलु, (पु.) हाथी । हड्डियों का टुकड़ा । फूल ।

पीव्, (क्रि.) मोटा होना ।

पीवन्, (वि.) स्थूल । मोटा । बल वाला । (पु) वायु ।

पीवर, (वि.) युवती स्त्री । रानपत्नी । अश्व-गन्धा । स्थूल ।

पुंलिङ्ग, (न.) पुरुष का चिह्न ।

पुंश्चली, (स्त्री.) व्यभिचारिणी स्त्री । दुश्च-रित्रा स्त्री ।

पुंस्, (क्रि.) मलना ।

पुंसवन, (न.) गर्भ का संस्कार विशेष । दूध ।

पुंस्त्व, (पु.) पुरुषत्व । धातु विशेष । शुक्र ।

पुक्कस-श, (पु.) चाण्डाल । अधम ।

पुङ्ख, (पु.) तीर का सिरा । पूरा ।

पुङ्गव, (पुं.) बैल । किसी शब्द के पीछे आने पर उत्तम अर्थ उत्तम होता है जैसे नरपुङ्गव ।

पुच्छ्, (क्रि.) नापना । छोड़ना ।

पुच्छ, (न.) पूंछ । दुम ।

पुञ्ज, (पु.) राशि । समूह । ढेर ।

पुट्, (क्रि.) चमकना । जुड़ना । मिलना ।

पुट, (न.) आच्छादन । मिट्टी के प्याले । ढकना । दोना ।

पुटभेद, (पु.) नगर । बाजा । दरार । हवा का भवण्डर ।

पुटिका, (स्त्री.) इलायची ।

पुटित, (वि.) सीया हुआ । सम्पुट किया हुआ ।

पुड्, (क्रि.) परित्याग करना ।

पुड्, (क्रि.) मलना । पीसना ।

पुण्, (क्रि.) धर्मकार्य करना ।

पुण्डरीक, (पु.) अग्निकोण का दिग्गज । चीता । श्वेत कमल का फूल । दवाई ।

पुण्डरीकाक्ष, (पुं.) कमल-नयन । श्रीविष्णु । श्रीकृष्ण ।

पुण्ड्र, (पुं.) एक प्रकार का गन्ना । माधवी लता । तिलक । दैत्य विशेष ।

पुण्य, (न.) अच्छा काम । धर्म ।

पुण्यजन, (पु.) राक्षस ।

पुण्यजनेश्वर, (पु.) कुबेर ।

पुण्यभूमि, (स्त्री.) आर्यावर्त । विन्ध्य और हिमालय के मध्य की भूमि ।

पुण्यश्लोक, (वि.) जिसका चरित्र पुण्य-दायक है । प्रसिद्ध । पुण्यशाली ।

"पुण्यश्लोको नलो राजा पुण्यश्लोको युधिष्ठिरः ।
पुण्यश्लोका च वैदेही पुण्यश्लोको जनार्दनः ॥"

पुण्याह, (न.) पुण्य उपजाने वाला दिन । पवित्र दिन ।
पुण्याहवाचन, (न.) वैदिक कर्म विशेष ।
पुत्तिका, (स्त्री) छोटी मक्खी ।
पुत्र, (पुं.) बेटा । तनय ।
पुत्रक, (पु.) कृत्रिम पुत्र । धूर्त । शरभ । पहाड़ विशेष ।
पुत्रदा, (स्त्री.) वन्ध्या । ककरौंदी । लक्ष्मणा-कन्द ।
पुत्रिकापुत्र, (पु.) पुत्र के अभाव में पुत्र के स्थान में स्वीकृत लड़की । लड़की का लड़का ।
पुत्रेष्टि, (स्त्री.) पुत्र के लिये यज्ञ ।
पुथ्, (क्रि.) मारना । हानि पहुँचाना ।
पुद्गल, (पु.) परमाणु । शरीर । आत्मा । शिवजी का एक नाम ।
पुनःपुनर, (अव्य.) धीरे धीरे । बार बार ।
पुनःपुना, (पु.) एक नदी ।
पुनःसंस्कार, (पु.) दूसरी बार संस्कार ।
पुनर्, (अव्य) भेद । फिर । अधिकार ।
पुनरुक्तवदाभास, (पु.) अलङ्कार विशेष ।
पुनर्नव, (पु.) नख । नौं ।
पुनर्भू, (स्त्री.) दुबारा ब्याही हुई । फिर पैदा हुआ ।
पुनर्वसु, (पु.) विष्णु । शिव । अश्विनी से सातवाँ नक्षत्र ।
पुन्नाग, (पु.) वृक्ष विशेष । श्वेत कमल । जायफल । श्रेष्ठ मनुष्य ।
पुन्नाम नरक, (पु.) नरक विशेष ।
पुमान्, (पु.) पुरुष ।
पुम्कोट, (न.) गढ़ी ।
पुरः, (अ.) आगे ।
पुरःसर, (त्रि.) आगे आगे चलने वाला ।
पुर, (न.) नगर । शहर ।
पुरञ्जन, (पु.) जीव ।
पुरञ्जय, (पु.) सूर्यवंशी एक राजा । शिव । ... । (त्रि.) ... ।
पुरतः, (अ.) आगे ।
पुरन्दर, (पुं.) इन्द्र । चोर ।
पुरद्वार, (न.) नगर का सदर फाटक ।
पुरन्धि, (स्त्री.) उत्साह ।
पुरन्ध्रि, (स्त्री.) ... । बहुत परिवार वाली स्त्री ।
पुरश्चरण, (न.) किसी कार्य की सिद्धि के लिए नियमित देवपूजा । प्रयोग ।
पुरस्कार, (पु.) पूजा । इनाम । आगे करना ।
पुरस्कृत, (त्रि.) आगे किया गया । इनाम को प्राप्त ।
पुरस्तात्, (अ.) आगे ।
पुरा, (अ.) पहले ।
पुराकथा, (स्त्री.) पुरानी कथा ।
पुराण, (त्रि.) पुराना । (न.) व्यासरचित अठारह ग्रन्थ ।
पुराणपुरुष, (पु.) विष्णु । (त्रि.) बूढ़ा आदमी ।
पुरातन, (त्रि.) पुराना ।
पुराधिप, (पु.) शहर का हाकिम ।
पुराविद्, (पु.) पुरानी बातें जानने वाला । इतिहासज्ञ
पुरावृत्त, (न.) इतिहास । पुरातत्त्व ।
पुरी, (स्त्री.) नगरी ।
पुरीतत्, (स्त्री.) आंत । नाड़ी ।
पुरीष, (न) विष्ठा । मैला ।
पुरु, (पु.) चन्द्रवंश का एक राजा । एक दैत्य । एक नदी । स्वर्ग । (त्रि.) बहुत ।
पुरुष, (पु.) जीव । मर्द ।
पुरुषकार, (पु.) पौरुष । हिम्मत । उद्योग ।
पुरुषसिंह, (पु.) श्रेष्ठ पुरुष । बहादुर आदमी ।
पुरुषार्थ, (पु.) शक्ति । धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ।

पुरुषोत्तम, (पु.) विष्णु । उत्तमपुरुष ।
पुरुहानि, (स्त्री.) बड़ी हानि ।
पुरुहूत, (पु.) इन्द्र ।
पुरूरवा, (पु.) एक चन्द्रवंशी राजा ।
पुरोग, (वि.) अग्रगामी ।
पुरोडाश, (पु.) यज्ञ का एक भाग ।
पुरोधा, (पु.) पुरोहित । पाधा ।
पुरोभागी, (वि.) सबसे पहले भाग पाने वाला ।
पुलक, (पु.) रोमाञ्च । कीड़ा । मणिविशेष । पत्थर । मानिक का प्याला । राई । हाथी का भोजन ।
पुलस्त्य, (पु.) एक मुनि । रावण और कुबेर का दादा ।
पुलह, (पु.) एक ऋषि ।
पुलाक, (पु.) [illegible] ।
पुलिन, (न.) समुद्र नदी आदि का तट ।
पुलिन्द, (पु.) भीलादि जाति विशेष ।
पुलोमजा, (स्त्री.) इन्द्र की स्त्री ।
पुलोमा, (पु.) एक असुर ।
पुष्कर, (न.) एक तीर्थ । हाथी की सूँड़ । कमल । एक द्वीप । (पु.) एक दिग्गज । एक राजा । एक पहाड़ । एक द्वीप ।
पुष्करिणी, (स्त्री.) कमलिनी । तलैया । बावली ।
पुष्कल, (न.) बहुत । भरत का पुत्र ।
पुष्ट, (वि.) मजबूत ।
पुष्टि, (स्त्री.) पुष्ट होना ।
पुष्प, (न.) फूल । कुबेर का विमान । नेत्ररोग । स्त्री का रज ।
पुष्पकरण्डक, (न.) फूलों की टोकरी । [illegible] ।
पुष्पचाप, (पु.) कामदेव । फूलों का धनुष ।
पुष्पदन्त, (पु.) एक दिग्गज । एक [illegible]

पुष्पपुर, (न.) पटना शहर ।
पुष्पमास, (पु.) चैत का महीना ।
पुष्पलिट्, (पु.) भौंरा ।
पुष्पशरासन, (पु.) कामदेव ।
पुष्पिताग्रा, (स्त्री.) एक छन्द ।
पुष्य, (पु. स्त्री) एक नक्षत्र ।
पुष्यलक, (पु.) कस्तूरी मृग ।
पुस्त, (न.) [illegible] ।
पुस्तक, (पु.) पोथी । किताब ।
पुस्तिका, (स्त्री.) पोथी । किताब ।
पूग, (पु.) समूह । सुपारी । छन्द । कटहल पेड़ ।
पूगीफल, (न.) सुपारी ।
पूजक, (पु.) पुजारी, पूजा करने वाला ।
पूजन, (न.) पूजा । पूजा करना ।
पूजा, (स्त्री.) पूजना ।
पूजनीय, (वि.) मान्य । पूजा करने योग्य ।
पूजार्ह, (वि.) पूजा के योग्य ।
पूज्य, (पु.) ससुर । पूजा के योग्य ।
पूत्, (वि.) [illegible] ।
पूत, (न.) पवित्र । [illegible] ।
पूतक्रतायी, (स्त्री.) [illegible] ।
पूतक्रतु, (पु.) [illegible] देवराज । इन्द्र ।
पूतना, (स्त्री.) [illegible]
पूति, (स्त्री.) पवित्रता ।
पूतिक, (न.) [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
पूप, (पु.) [illegible] ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] ।
पूय, (वि.) [illegible] ।
पूर, (न.) [illegible] ।
पूर ([illegible]) [illegible] ।
पूर, (पु.) [illegible]

का भराव। एक प्रकार की रोटी। नाक के द्वारा साँस को धीरे धीरे खींचना। वृक्ष विशेष। गन्ध विशेष।
क, (पुं.) एक प्रकार का नींबू। प्रेत के शरीर को पूरा बनाने वाला। दसवाँ पिण्ड।
ष, (पुं.) नर। आदमी।
, (त्रि.) भरा हुआ।
पात्र, (न.) भरा हुआ बर्तन। हर्ष का काल। यज्ञ में २५६ मुट्ठी चावलों से भरा एक पात्र विशेष।
मास, (पुं.) पूर्णिमा के दिन करने योग्य यज्ञ विशेष।
मा, (स्त्री) पूर्णमासी।
, (न.) तालाब। कूप। भरना। समय।
ढका हुआ। पूरित।
-र्व, (क्रि.) बसना। बुलाना।
-र्व, (त्रि.) प्रथम। समस्त। सारा। ज्येष्ठ भाई।
-र्व+देव, (पुं.) असुर। दैत्य। अच्छा देवता।
श, (पुं.) पुरबिया देश।
क्ष, (पुं.) पहिला पक्ष।
द, (न.) पहिला पद।
र्वत, (पुं.) उदयाचल।
फाल्गुनी, (स्त्री.) अश्विनी से ग्यारहवाँ नक्षत्र।
भाद्रपद, (पुं. स्त्री.) अश्विनी से २५ वाँ नक्षत्र।
क, (पुं.) अभिनय (नाटक) में पहला अभिनय।
प, (न.) रोग का निदान।
दिन, (पुं.) दुहई। वादी।
षाढ़ा, (स्त्री.) अश्विनी से बीसवाँ नक्षत्र।
, (पुं.) पहला आधा दिन।
द्यु, (अव्य.) पहिला दिन।
(क्रि.) इकट्ठा करना।

पूष्, (क्रि.) बढ़ाना।
पूषन्, (पुं.) सूर्य।
पृ, (क्रि.) काम करना। प्रसन्न होना। पालन करना।
पृच्, (क्रि.) जोड़ना। मिलना। छूना। इकट्ठा होना।
पृच्छा, (स्त्री.) प्रश्न। भविष्य के विषय में प्रश्न।
पृतना, (स्त्री.) विशेष संख्या वाली सेना।
पृथ, (क्रि.) फेंकना। फैलाना।
पृथक्, (अव्य.) भिन्न। बिना। नानारूप वाला।
पृथक्जन, (पुं.) नीच। मूर्ख। पामर।
पृथग्विध, (त्रि.) नानारूप। नाना प्रकार।
पृथा, (स्त्री) कुन्ती।
पृथिवी, पृथ्वी, (स्त्री.) धरा। भूमि।
पृथिवीपति, (पुं.) भूपति। राजा।
पृथु, (पुं) मोटा। राजा विशेष।
पृथुक, (न.) चिड़वा। (पुं.) बालक।
पृथुल, (त्रि.) स्थूल। मोटा।
पृथूदर, (पुं.) तोंदिल। बड़े पेट वाला। मेढ़ा।
पृथ्वी, (स्त्री.) धरती। भूमि। बड़ी इलायची। जीरा।
पृदाकु, (पुं) साँप। बीछी। भेड़िया। हाथी। चित्रक वृक्ष।
पृश्नि, (त्रि.) बौना। पतला। कमजोर। थोड़ा। श्रीकृष्ण की माँ देवकी।
पृश्निगर्भ, (पुं.) श्रीकृष्ण।
पृष्, (क्रि.) सींचना।
पृषत्, (न.) बिन्दु। दाग। सींचने वाला।
पृषत, (पुं.) चित्तीदार हिरन। बून्द।
पृषत्क, (पुं.) बाण। तीर।
पृषदश्व, (पुं.) वायु। हवा।

पृषदाज्य, (न.) दधिमिश्रित घृत ।
पृषन्ति, (पु.) बूंद ।
पृषोदर, (वि.) [illegible] ।
पृष्ठ, (न.) पीठ । स्तोत्र विशेष ।
पृष्ठतस्, (अव्य.) पीछे पीछे ।
पृष्ठदृष्टि, (पु.) भालू । रीछ ।
पृष्ठवंश, (पु.) पीठ की हड्डी । मेरुदण्ड ।
पृष्ठ्य, (न.) यज्ञ विशेष । घोड़ा । बैल ।
पेचक, (पु.) उल्लू । हाथी की पूँछ का सिरा । पर्यंक । जूँ । मेघ ।
पेटक, (पु. न.) पेटी । सन्दूक । टोकरी । थैला । ढेर ।
पेलृ, (क्रि.) चलना ।
पेल, (न.) अण्ड विशेष । अण्डकोश ।
पेलव, (वि.) कोमल । नरम । सुन्दर ।
पेशल, (वि.) सुन्दर । दक्ष । कोमल ।
पेशि-शी, (स्त्री.) अण्डा । मांसपेशी । तलवार की म्यान । नदी विशेष । राक्षसी विशेष । [illegible] ।
पेषृ, (क्रि.) सेवा करना । निश्चय करना ।
पेषण, (न.) पीसना । [illegible] ।
पेषणि, (स्त्री.) पीसने की सिल ।
पेस्, (क्रि.) जाना ।
पै, (क्रि.) सूखना । मुरझाना ।
पैङ्गि, (पु.) यास्क का नाम ।
पैञ्जन, (पु.) [illegible] ।
पैठर, (त्रि.) पिठर में उबला हुआ ।
पैठीनसि, (पु.) एक मुनि का नाम ।
पैण्डिक्य, (न.) भिक्षुक । भिखारी ।
पैतृक, (न.) श्राद्ध । पुरखों का ।
पैतृष्वस्रीय, (पु.) [illegible] का पुत्र ।
पैतृष्वसेय, (पु.) बुआ का [illegible] ।
पैत्तल, (त्रि.) पीतल धातु का ।
पैत्र, (न.) [illegible] ।

पैशाच, (पु.) आठ प्रकार के विवाहों में से एक [illegible] विशेष ।
पैष्टी, (स्त्री.) आटे से निकाली गई मदिरा । गौड़ी ।
पो, (पु.) पवित्र । स्पष्ट ।
पोगण्ड, (वि.) पाँच और दस वर्ष के बीच की अवस्था का । विकलांग । पौगण्ड ।
पोट, (पु.) घर की नींव । सम्मिश्रण ।
पोटा, (स्त्री.) मर्दानी औरत । [illegible] दासी की ।
पोटक, (पु.) सेवक । नौकर ।
पोटिक, (पु.) एक फोड़ा ।
पोटी, (स्त्री.) एक बड़ा मगर । ग्राह ।
पोट्टलिका, (स्त्री.) पोटली । [illegible] ।
पोत्र, (न.) [illegible] के ऊपर वाली [illegible] ।
पोत, (पु.) जहाज । किसी जानवर का बच्चा । दस वर्ष की अवस्था का हाथी । कपड़ा । छोटा पेड़ । घर की नींव ।
पोतवणिज्, (पु.) जहाज द्वारा व्यापार करने वाला व्यापारी ।
पोतवाह, (पु.) मल्लाह । माँझी ।
पोताधान, (न.) [illegible] ।
पोतृ, (पु.) [illegible] के [illegible] ।
पोत्या, (स्त्री.) [illegible] ।
पौंस्न, (न.) [illegible] ।
पौंश्चल्य, (न.) [illegible] ।
पौनःपुनिक, (स्त्री.) [illegible] ।
पौर, (पु.) [illegible] ।
पौरन्ध्र, (स्त्री.) [illegible] ।
पौरविक, (पु.) [illegible] ।
पौष, (पु.) [illegible] ।

पोषण, (न.) पालना । सेवा ।

पोषयित्नु, (पु.) कोइल ।

पोष्यवर्ग, (पु.) वे कुटुम्बी जिनका पालन पोषण करना कर्त्तव्य है यथा माता, पिता, गुरु, स्त्री, सन्तान, अतिथि आदि ।

पौंड्र, (पुं.) एक देश का नाम । उस देश के निवासी । ईख विशेष । भीम के शङ्ख का नाम ।

पौण्ड्रक, (पु.) एक प्रकार के पौंड़े । वर्णसङ्कर विशेष ।

पौतव, (न.) एक प्रकार का माप ।

पौत्तिक, (न.) पीले रङ्ग का मधु । शहद ।

पौत्र, (पु.) नाती । पुत्र का पुत्र ।

पौनःपुनिक, (न.) बारम्बार । दुहराया गया ।

पौनर्भव, (पु.) दुबारा ब्याही हुई स्त्री में उत्पन्न । बारह प्रकार के पुत्रों में से एक ।

पौर, (न.) नगरसम्बन्धी । नगरवासी ।

पौरव, (पु) पुरु नामी चन्द्रवंशीय राजा का पुत्र ।

पौरस्त्य, (त्रि.) पूर्वी । पहला । आगे का ।

पौराणिक, (पु.) पुराणज्ञ । पुराण जानने वाला ।

पौरुष, (न.) विक्रम । वीरता । उद्यम ।

पौरोगव, (पु.) राजा के रसोईघर का अध्यक्ष ।

पौर्णमास, (पु.) पूर्णिमा को किया गया एक प्रकार का यज्ञ ।

पौर्विक, (त्रि.) पहला । पैतृक । पुराना ।

पौलस्त्य, (पु) रावण आदि ।

पौलि, (पु.) एक प्रकार की रोटी ।

पौलोमी, (स्त्री) शची । इन्द्राणी ।

पौष, (पु.) पूस महीना ।

प्याँ, (क्रि.) बढ़ना ।

प्र, (अ. न.) आरम्भ । गति । चारों ओर से । प्रकर्ष । उत्पत्ति । प्रसिद्धि । व्यवहार ।

प्रकट, (त्रि.) स्पष्ट । प्रकाश ।

प्रकम्पन, (पु.) हवा । वायु । नरक विशेष । बहुत काँपने वाला ।

प्रकर, (पु.) समूह । अधिकार ।

प्रकरण, (न.) प्रस्ताव । प्रसङ्ग । दृश्य काव्य विशेष । ग्रन्थ-सन्धि ।

प्रकर्ष, (पु.) उत्कर्ष । बढ़ती । बड़ाई । उत्तमता ।

प्रकाण्ड, (पु.) वृक्ष का वह भाग जो उसकी जड़ से शाखा पर्यन्त होता है । प्रशस्त । अच्छा ।

प्रकाम, (त्रि.) बहुत ही । इच्छानुसार । (अव्य.) मन की प्रसन्नता प्रकट करना ।

प्रकार, (पु.) सादृश्य । भेद ।

प्रकाश, (पु.) चमक । उजियाला । विकाश ।

प्रकाशात्मन्, (पु.) सूर्य । परमात्मा ।

प्रकीर्ण, (न.) बिखरा हुआ । चामर । भिन्न भिन्न जातियों का एकत्र ।

प्रकृत, (त्रि.) यथार्थ । आरम्भ कियाहुआ ।

प्रकृति, (स्त्री.) स्वभाव । चिह्न । प्रधान । मित्र । स्वामी । पुरवासी । दुर्ग । बन । कारीगर । शक्ति । स्त्री । परमात्मा । जीव । छन्द विशेष । माता । धातु ।

प्रकृष्ट, (त्रि.) प्रधान । उत्तम ।

प्रकोष्ठ, (पु) मणिबन्ध का अन्त । सहन । कमरा ।

प्रक्रम, (पु.) क्रम । सिलसिला । उपक्रम ।

प्रक्रिया, (स्त्री.) रीति । भांति । राजचिह्नों का लेना । उच्च पदवी । किसी ग्रन्थ का अध्याय । जैसे " उणादि प्रक्रिया " । अधिकार विशेष । किसी ग्रन्थ का उपोद्घात का अध्याय । शब्द बनाने के नियम ।

प्रक्वाण, (पु.) वीणा का शब्द ।

प्रक्ष्वेडन, (पु.) लोहे का तीर ।

प्रखर, (त्रि.) बड़ा पैना । घोड़े का साज । मुर्गा । कुत्ता । हाथी ।

ता, (स्त्री.) आवश्यकता । आशा ।
ाट ।
य, (त्रि.) पूज्य । प्रतिष्ठा योग्य ।
ीन, (त्रि.) पश्चिमी ।
ञ्चुक, (पुं.) पाने वाला ।
ति, (स्त्री.) विश्वास । ख्याति ।
ादर । हर्ष ।
त, (त्रि.) फेरा हुआ । वापिस किया
या ।
ञ्चक, (पु.) विदेह देश ।
ाह, (पु.) झण्डा । निशान ।
, (त्रि.) प्रतिकूल । पश्चवर्ती एक
मा ।
दर्शिनी, (स्त्री.) स्त्री । औरत ।
, (न.) तट । किनारा ।
, (पु.) चातक ।
ी, (स्त्री.) पत्नी ।
(त्रि.) पुराना ।
, (अव्य.) आँख के सामने ।
, (त्रि.) गया । साथ हुआ ।
, (त्रि.) पिछला समय । परिश्रम
ुरा ।
पर्वत, (पुं.) बड़े पहाड़ के पास की
ाड़ी ।
योग, (पुं.) वादी पर अभियोग ।
वाद, (पु.) आशीर्वाद ।
, (पुं.) शपथ । विश्वास । अधीन ।
द । हित । आधार । निश्चय ।
रण । व्याकरण का शब्द विशेष ।
न, (त्रि.) प्राप्त । विश्वासी ।
ात ।
र्थिन्, (त्रि.) शत्रु । प्रतिवादी ।
त्, (न.) प्रतिदान । लौटाना ।
साल, (न.) [illegible]
रित, (त्रि.) [illegible]
स्कन्द, (पुं.) [illegible]
[illegible]

प्रत्यवस्थातृ, (त्रि.) शत्रु । प्रतिवादी ।
प्रत्यवाय, (पु.) पाप । दोष । अड़चन । लोप । हरास ।
प्रत्याख्यात, (त्रि.) अस्वीकृत । उत्तर दिया गया ।
प्रत्याख्यान, (न.) अस्वीकार । उत्तर देना ।
प्रत्यादिष्ट, (त्रि.) निकाला गया । निराकृत । अस्वीकृत ।
प्रत्यादेश, (पु.) निकालना । अस्वीकार करना ।
प्रत्यालीढ, (न.) धनुषधारी का पैतरा । चाटा हुआ ।
प्रत्यासन्न, (त्रि.) अति निकटस्थ ।
प्रत्याहार, (पु.) वापिस लेना ।
प्रत्युत्क्रम, (पु.) युद्ध की तयारी । आरम्भ करना ।
प्रत्युत्तर, (न.) उत्तर का उत्तर ।
प्रत्युत्थान, (न.) [illegible]
[illegible]
[illegible]
प्रत्युत्पन्नमति, (त्रि.) [illegible]
बुद्धि का उत्पन्न होना ।
प्रत्युपमनीय, (न.) [illegible]
पूजा के [illegible]
प्रत्यूष, (पु.) प्रभात । सवेरा । [illegible]
में से एक ।
प्रत्यूह, (पु.) [illegible]
प्रथ्, (त्रि.) [illegible]
प्रथम, (त्रि.) पहिला । प्रधान ।
प्रथित, (त्रि.) [illegible]
प्रथिमन्, (पु.) [illegible]
प्रदर, (पु.) [illegible]
विशेष ।
प्रदीप, (पु.) दीप । दीया ।
प्रदीपन, (पु.) [illegible]
[illegible]

प्रदेश, (पुं.) एक देश । दीवाल ।
प्रदेश-शि+नी, (स्त्री.) तर्जनी अङ्गुली ।
प्रद्युम्न, (पुं.) कामदेव । श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ पुत्र का नाम । भगवान् के प्रधान चार व्यूहों में से एक ।
प्रद्रव, (पुं.) भागना ।
प्रधन, (न.) युद्ध । लड़ाई ।
प्रधान, (न.) मुख्य । परमात्मा । प्रकृति । वज़ीर ।
प्रधि, (पुं.) पहिया । धुरा ।
प्रपञ्च, (पुं.) संसार । उलटापन । इकट्ठा । ठगना ।
प्रपथ्या, (स्त्री.) हरीतकी । हर्रे ।
प्रपद, (न.) पाँव के आगे का भाग ।
प्रपन्न, (त्रि.) शरणागत ।
प्रपा, (स्त्री.) पौसाला । पौसरा ।
प्रपात, (पुं.) झरना । कूल । किनारा । आकस्-दाम ।
प्रपितामह, (पुं.) बाबा का पिता । ब्रह्मा ।
प्रपौत्र, (पुं.) पौत्र का बेटा । पन्ती ।
प्रफुल्ल, (त्रि.) खिला हुआ ।
प्रबन्ध, (पुं.) सन्दर्भ । ग्रन्थादि की रचना ।
प्रबाल, (न.) नया पत्ता । लाल रङ्ग । मूँगा । वीन का डण्डा ।
प्रबोध, (पुं.) अच्छी समझ । ज्ञान ।
प्रबोधन, (न.) जागना । चेतना । समझना ।
प्रबोधनी, (स्त्री.) कार्त्तिक शुक्ला ११ । [illegible]
प्रभञ्जन, (न.) वायु । हवा ।
प्रभद्र, (पुं.) नीम का पेड़ ।
प्रभव, (पुं.) उत्पादक । बल । जन्म ।
प्रभा, (स्त्री.) चमक । दीप्ति ।
प्रभाकर, (पुं.) सूर्य । मीमांसा ग्रन्थ के रचने वाले ।
प्रभात, (न.) सबेरा ।
प्रभाव, (पुं.) राजाओं का कोश और दण्ड से उत्पन्न तेज । सामर्थ्य ।
प्रभास, (पुं.) एक तीर्थ "प्रभासक्षेत्र जिसकी कथा श्रीमद्भागवत में है" ।
प्रभिन्न, (पुं.) मस्त हाथी । अन्तर वाला ।
प्रभु, (पुं.) विष्णु । पारा । शब्द । स्वामी ।
प्रभूत, (पुं.) प्रचुर । बहुत ऊँचा ।
प्रभृति, (अव्य.) तब से ले कर ।
प्रमथ, (पुं.) शिव का एक अनुचर । घोड़ा । (स्त्री.) हर्रे ।
प्रमथन, (न.) वध । क्लेश देना ।
प्रमथाधिप, (पुं.) शिव । प्रमथादि गणों का स्वामी ।
प्रमदवन, (न.) राजा का शिकारगाह ।
प्रमदा, (स्त्री.) सुन्दरी स्त्री ।
प्रमनस्, (त्रि.) जिसका मन बहुत खुश होता है ।
प्रमा, (स्त्री.) यथार्थ ज्ञान ।
प्रमाण, (न.) मर्यादा । शास्त्र । हेतु । प्रमाता ।
प्रमातामह, (पुं.) नाने का पिता ।
प्रमाद, (पुं.) अनवधानता । असावधानी । लापरवाही ।
प्रमापण, (न.) मारना ।
प्रमिति, (स्त्री.) प्रमा । यथार्थ ज्ञान ।
प्रमीत, (त्रि.) मर गया । यज्ञार्थ मारा हुआ पशु ।
प्रमीला, (स्त्री.) तन्द्रा ।
प्रमुख, (त्रि.) मान्य । श्रेष्ठ । आदि । अध्यक्ष । आरम्भ ।
प्रमुदित, (त्रि.) प्रसन्न ।
प्रमेह, (पुं.) एक प्रकार का रोग ।
प्रमोद, (पुं.) हर्ष ।
प्रयत, (त्रि.) पवित्र । नम्र । दृढ़ ।
प्रयाग, (पुं.) तीर्थ भेद । यज्ञ । इन्द्र ।

ओर फैलना। किसी विषय जल आदि का फैलना।
प्रसव, (पुं.) गर्भमोचन। उत्पत्ति। फल।
प्रसवित्री, (स्त्री.) जननी। माता। जच्चा।
प्रसव्य, (त्रि.) विरुद्ध। विपरीत।
प्रसह्य, (अव्य.) हठात्। जोरावरी।
प्रसह्यचौर, (पुं.) धाड़ा मारने वाला चोर।
प्रसाद, (पुं.) अनुग्रह। सफाई। देवताओं को नैवेद्य लगाया हुआ।
प्रसादना, (स्त्री.) सेवा। प्रसन्न करने की [illegible] करना।
प्रसाधक, (त्रि.) सजाने वाला। पूरा करने वाला।
प्रसाधन, (न.) श्रृङ्गार। वेश। भेस।
प्रसाधित, (त्रि.) पूरा किया गया। अलंकृत किया गया।
प्रसारण, (न.) फैलाव। विस्तारकरण।
प्रसारिन्, (त्रि.) फैलाने वाला।
प्रसित, (त्रि.) आसक्त। जुटा हुआ।
प्रसिति, (स्त्री.) रस्सी।
प्रसिद्ध, (त्रि.) मशहूर। भूषित।
प्रसू, (स्त्री.) जननी। माता। केला। लता। [illegible]।
प्रसूति, (स्त्री.) [illegible]। [illegible]। [illegible] की उत्पत्ति।
प्रसूतिका, (स्त्री.) जच्चा। [illegible] की [illegible]।
प्रसूतिज, (न.) प्रसव काल का दुःख। प्रसव काल का [illegible]।
प्रसून, (न.) पुष्प। फूल। फल।
प्रसृत, (पुं.) [illegible]।
प्रसेवक, (पुं.) थैला (चमड़े का)।
प्रस्कन्न, (पुं.) [illegible]। गिरा हुआ।
प्रस्तर, (पुं.) पत्थर। [illegible]।
प्रस्तार, (पुं.) फैलाव। [illegible]। [illegible]।
[illegible] (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible]।

प्रस्तावना, (स्त्री.) उत्थानिका। आरम्भ का कथन।
प्रस्तुत, (त्रि.) प्रासङ्गिक। उपस्थित। उद्यत। बहुत स्तुति किया गया।
प्रस्थ, (पुं.) एक सेर की तौल। पहाड़। फैलाव।
प्रस्थान, (न.) जेगीषु की रवानगी। यात्रा। जाना। चल देना।
प्रस्फोटन, (न.) चोट लगाना। खिलाना। फोड़ना।
प्रस्रवण, (न.) झरना। पसीना। टपकना। एक पर्वत का नाम।
प्रस्राव, (पुं.) मूत्र। पेशाब। बहना।
प्रहर, (पुं.) पहर। दिन का आठवाँ हिस्सा।
प्रहरण, (न.) चोट लगाना। अस्त्र। सम्पुट (गाड़ी का)। युद्ध। प्रहार। वशीभूत करना।
प्रहसन, (न.) हास्य। एक प्रकार का नाटक।
प्रहसन्ती, (स्त्री.) लता। वासन्ती।
प्रहर्षिणी, (स्त्री.) हल्दी। बारह अक्षरों के चार चरण का [illegible]।
प्रहस्त, (पुं.) [illegible] रावण के [illegible] प्रधान एक सेनापति का नाम।
प्रहि, (पुं.) कूप। [illegible] जिससे [illegible] [illegible] जाता है।
प्रहित, (त्रि.) भेजा हुआ। फैला हुआ। [illegible]।
प्रहेलिका, (स्त्री.) पहेली। बुझौवल।
प्रह्लाद, (पुं.) हिरण्यकशिपु दैत्य का पुत्र एक प्रसिद्ध भगवद्भक्त जिसके लिये भगवान् को नृसिंह अवतार लेना पड़ा।
प्रह्व (त्रि.) नम्र। विनीत।
प्रांशु (त्रि.) ऊँचा। लम्बा।
प्राकाम्य, (न.) आठ सिद्धियों में से एक।
प्राकार, (पुं.) परकोटा। चहारदीवारी।

प्राकृत, (वि.) नीच । स्वभावसिद्ध । बिगड़ी हुई बोली जो नाटकों में प्रायः काम में लाई जाती है ।

प्राकृतप्रलय, (पुं.) प्रकृति का लय जिसमें हो । ब्रह्मा के दिन की समाप्ति में होने वाला दैनंदिन प्रलय ।

प्राक्तन, (वि.) पहिले का ।

प्रागभाव, (पुं.) भविष्यत् काल ।

प्राग्भार, (पुं.) भारी बोझ । उत्कर्ष । बहुतता । पर्वत का शिखर ।

प्राग्रहर, (वि.) जो सब से आगे किया जाए ।

प्राग्र्य, (वि.) श्रेष्ठ । मैक । बहुत आगे हुआ ।

प्राग्वंश, (पुं.) हवनशाला से पूर्व की ओर यजमानादि के रहने का घर ।

प्राघार, (पुं.) यज्ञादि में अग्नि पर घी का प्रवाह ।

प्राघुण, (पुं.) अतिथि । मेहमान ।

प्राङ्गण, (न.) आँगन । चबूतरा । द्वारा । पैड़ा । वाद्यपत्र विशेष ।

प्राच्, (वि.) पहिला समय और देश । पूर्व दिशा ।

प्राचीन, (वि.) पुराना वा पूर्व दिशा का ।

प्राचीनबर्हिस्, (पुं.) इन्द्र । एक राजा ।

प्राचीनावीत, (न.) श्राद्ध आदि कर्मों में यज्ञोपवीत का दहिने कन्धे पर रखना ।

प्राचीर, (न.) दीवार । शहरकोट । प्राकार ।

प्राचेतस, (पुं.) प्राचीनबर्हि राजा का पुत्र । वरुणपुत्र ।

प्राच्य, (पुं.) पूर्व का । शरावती नदी के पूर्व और दक्षिण भाग का देश ।

प्राजापत्य, (पुं.) आठ प्रकार के विवाहों में से एक प्रकार का विवाह । बारह दिन वाली एक व्रत । प्रजापति का यज्ञ आदि ।

प्राज्ञ, (पुं.) पण्डित । बुद्धिमान । चतुर ।

प्राज्य, (न.) बहुत ।

प्राञ्जल, (वि.) सच्चाई । साफ । सरल ।

प्राड्विवाक, (पुं.) मुन्सिफ । न्यायाधीश ।

प्राण, (पुं.) शरीर का वायु विशेष । शरीर का जीवनरस । वायु । बल ।

प्राणनाथ, (पुं.) पति । प्राणों का स्वामी ।

प्राणमयकोश, (पुं.) कर्मेन्द्रिय सहित पांचों प्राण अर्थात् प्राण, अपान, समान, उदान और व्यान ।

प्राणायाम, (पुं.) श्वास की क्रिया विशेष ।

प्राणाय्य, (न.) ठीक । योग्य । अनुकूल ।

प्रातिप्रस्थ, (न.) लम्बी लता पर दूर्वा, मैदा आदि को लगाना ।

प्राणिन्, (पुं.) जीव । चेतन

प्राणिन्य, (न.) ऋण । कर्ज ।

प्रातःकृत्य, (न.) सवेरे करने योग्य कर्म, पूजा अनुष्ठानादि ।

प्रातःसन्ध्या, (स्त्री.) सवेरे करने योग्य सन्ध्या ।

प्रातर्, (अव्य.) सवेरा । तीन घड़ी दिन चढ़े तक ।

प्रातराश, (पुं.) [illegible] कलेवा ।

प्रातिपद, (स्त्री.) बल ।

प्रातिपदिक, (पुं.) प्रत्येक शब्द ।

प्रातिभाव्य, (न.) जामिन होना ।

प्रातिस्विक, (न.) प्रत्येक वस्तु का असाधारण धर्म ।

प्रातिहारिक, (वि.) [illegible] ऐन्द्रजालिक ।

प्राथमिक, (वि.) पहला ।

प्रादुर्भाव, (पुं.) प्रकट । आविर्भाव ।

प्रादेश, (पुं.) [illegible] अंगूठा । एक प्रकार का नाप

प्रादेशन, (न.) दान देना ।

प्राध्व, (पुं.) [illegible]

फणिन्, (पुं.) साँप।
फणीश्वर, (पु.) अनन्त। शेष। सर्पराज।
फणिज्झक, (पु.) लता विशेष।
फण्ड, (पु.) पेट। उदर।
फत्कारिन्, (पुं.) पक्षी विशेष।
फर, (न.) ढाल।
फरुवक, (न) पिनहरा। पीकदान।
फर्फरायते, (क्रि) फड़फड़ाना। इधर उधर घूमना। चमकना।
फर्फरीक, (पु.) खुला या फैला हुआ हाथ। दोनों हाथों का खुलना। कोमलता।
फल्, (क्रि.) फल का उपजना। फाड़ना। तोड़ना।
फल, (न.) लाभ। वृक्ष का फल। ढाल। कार्य। अभिप्राय। प्रयोजन। जायफल। [illegible]। तीर का अगला भाग। दान।
फलद, (पु.) वृक्षमात्र। फलदाता।
फलश्रेष्ठ, (पु.) आम का पेड़। अच्छे फल वाला।
फलिन, (वि.) फल वाला।
फलेग्रहि, (पु.) ठीक समय। फलने [illegible]।
फलोदय, (पु.) लाभ। बढ़ती। हर्ष।
फल्गु, (वि) [illegible]। मनोहर। व्यर्थ। [illegible]।
फल्गुनाल, (पु) [illegible]।
फल्य, (न.) [illegible]। पुष्प।
फाण्ट, [illegible]।
फाटकी, (स्त्री.) फिटकरी।
फाणित, (पु) [illegible]।
[illegible]
[illegible]

फाल, (न.) हल की नोक। सीमन्त भाग। सिर पर की माँग। मास। बलराम का नाम। शिव।
फालखेला, (स्त्री.) पक्षी विशेष।
फाल्गुन, (पु.) हिन्दू वर्ष का बारहवाँ मास। अर्जुन का नाम। वृक्ष विशेष।
फाल्गुनी, (स्त्री.) नक्षत्र विशेष। फागुन की पूर्णिमा।
फि, (पु.) दुष्टमन। [illegible]। क्रोध।
फिङ्गक, (पु.) काँटेदार पूँछ वाला पक्षी विशेष।
फिरङ्ग, (पु.) योरुप। फिरङ्गियों का देश। गर्मी। आतशक।
फु, (पु.) मन्त्रोच्चारपूर्वक फूँकना।
फुक, (पु.) पक्षी विशेष।
फुल्ल, (वि) [illegible]। हुआ। [illegible] फल।
फुल्फुस, (पु.) फेफड़ा।
फुल्ल्, (क्रि.) खिलना।
फुल्ल, (वि.) खिला हुआ। पुष्प। फल।
फुल्लरीक, (पु.) [illegible]।
फेत्कार, (पु.) चीख।
फेनम, (न.) फेन। झाग। [illegible]।
फेरु, फेरण्ड, (पु.) शृगाल। गीदड़।
फेरव, (पु.) शृगाल। गीदड़। [illegible]।
फेल, (पु.) [illegible]
फेलू, (वि.) [illegible]।
फेलमा, (न. स्त्री.) [illegible]।

थ

थ, [illegible]
थुड (क्रि.) [illegible]
थुड्डु (क्रि.) [illegible]

यंहीयस्, (वि.) अतिशय । बहुत ही ।
यकुर, (वि.) भयानक । विमर्षी ।
यंकुल, (पु.) वृक्ष विशेष । मौलसिरी ।
यकेतवा, (स्त्री.) छोटी जाति का शालम । इस के मोड़े में सुखी वृक्ष की शाखी ।
यकोतर, (पु.) दुग्ध । शालन ।
यकृ, (पु.) बालक । छोकरा ।
यजया, (स्त्री.) चोटी । यज्ञिनी । दासी । पीली ।
यजधासिन, (पु.) मक्खी घास ।
यजयाज्ञम, (पु.) यज्ञियहिस्थान । भैंसे का बच्चा । बछेड़ा ।
यज्ञि-लिङ्गा, (न.) मछली का काँटा ।
यज्, (क्रि.) शब्द करना ।
यज्ञिकृतम्, (पु.) हाट । मण्डी ।
यज्ञिग्राम, (पु.) व्यापार ।
यज्ञिज, (पु.) व्यापार ।
यत, (अव्य.) तुल्य । सीव । इवा । इवे । प-वैथ ।
यद्, (क्रि.) बोलना ।
यदवद्वरी, (स्त्री.)
यदवद्वर, (न.) } केदारदेव । बदरीश ।
यदवद्वरिकाश्रम, (पु. न.) बेर के पास वाला एक आश्रम । हिमालय पर्वत का तीर्थ विशेष । बद्रीनाथ । उत्तर दिशा का प्रधान तीर्थ ।
यदशुचि, (वि.) दुष्ट । अस्वच्छ । अप-वित्र ।
यदरिशाल, (पु.) [illegible]
यध, (वि.) [illegible]
यधिर, (वि.) बहरा ।
यधू, (स्त्री.) [illegible]
यधूटी, (स्त्री.) [illegible]
यन्ध, (वि.) [illegible]
यन्धकृति, (स्त्री.) [illegible]
यन्ध, (न.) [illegible]

यन्द्, (क्रि.) बोलना ।
यन्द्, (क्रि.) बाँधना ।
यन्ध, (पु.) देह । शरीर । बन्ध ।
यन्धक, (पु.) विनिमय । [illegible]
यन्धन, (न.) बाँधना । [illegible]
यन्धनकरतल, (पु.) [illegible]
यन्धनमोचन, (न.) [illegible]
यन्धु, (पु.) मित्र । [illegible]
यन्धुता, (स्त्री.) [illegible]
यन्धुर, (न.) [illegible]
यन्ध्य, (पु.) [illegible]
यभ, (क्रि.) [illegible]
यभ्रुर्य, (स्त्री.) [illegible]
यभ्रु, (वि.) [illegible]
यभ्रुधातु, (पु.) [illegible]
यभ्रुवाहन, (पु.) [illegible]
यम्, (क्रि.) [illegible]
यम्बर, (पु.) [illegible]
यम्बरवाटी, (स्त्री.) [illegible]
यर, (न. पु. स्त्री.) [illegible]
यर्ट (पु.) [illegible]
यर्द, (क्रि.) [illegible]

बालधि, (पु) बालों वाली पूँछ ।
बालभोज्य, (पु.) बालकों के खाने योग्य । चना । बालभोग । शिशुभोग । जलपान ।
बालव्यजन, (न.) चामर । चँवर । छोटा पंखा ।
बालहस्त, (पु.) पशुओं की पूँछ ।
बाला, (स्त्री.) नारियल । हल्दी । घृतकुमारी । बालछड़ । छोटी सी पुत्री । सोलह वर्ष की कन्या ।
बालि, (पुं.) इन्द्रपुत्र । बानरराज ।
बालिश, (त्रि.) मूर्ख । बच्चा । तकिया ।
बालिहन्, (पु.) श्रीरामचन्द्र ।
बाली, (स्त्री.) कान में पहनने का एक गहना ।
बालुका, (स्त्री.) रेत । रेणुका ।
बालुकी, (स्त्री.) एक प्रकार की ककड़ी ।
बालूक, (पु.) विष विशेष ।
बालेय, (पुं.) एक दैत्य । बलि की सन्तान । [illegible] । [illegible] ।
बालेष्ट, (पु.) [illegible] । बेर । बालकों का प्रिय ।
बाल्य, (न.) लड़कपन । १६ वर्ष तक की उम्र । मूर्खता ।
बाह्लीक, (पु.) एक देश । [illegible] । केसर । हींग ।
[illegible] (पु.) [illegible] ।
[illegible], (पु) [illegible] ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] ।
[illegible] (पु.) [illegible] ([illegible]) [illegible] ।
[illegible] (पु) [illegible] ।
[illegible] (पु) [illegible] ।
[illegible] (पु न.) [illegible] ।
[illegible] ([illegible]) [illegible] ।
[illegible] ([illegible]) [illegible] ।

बाहुल, (पुं.) वह्नि । आग । कार्तिक मास । कृत्तिका का स्वामी ।
बाह्य, (त्रि.) बाहिरी ।
बाहुलेय, (पु.) कार्तिकेय । महादेव का बड़ा पुत्र ।
बिट्, (क्रि.) चिल्लाना । शपथ खाना । शाप देना ।
बिटक, (पु.) फोड़ा ।
बिठ, (न.) आकाश ।
बिड, (न.) एक प्रकार का नमक ।
बिडाल, (पु.) आँख की पुतली । ([illegible]) बिल्ली ।
बिडालक, (पु.) [illegible] ।
बिडौजस्, (पु.) इन्द्र का नाम ।
बिद्, (क्रि.) अलग करना । चीरना ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
[illegible], (स्त्री.) [illegible] करने की इच्छा ।
[illegible], ([illegible]) [illegible] ।
[illegible], ([illegible]) [illegible] ।
[illegible] [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible], (क्रि.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible], (न.) [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।
[illegible], (क्रि.) [illegible] ।
[illegible] (पु) [illegible] ।
[illegible], (पु.) [illegible] ।

बीज, (न.) बीजा । बीट । उद्गम स्थान । वीर्य । गणित विशेष । मन्त्र के विशेष अक्षर । मज्जा । वृक्ष विशेष ।

बीभत्स, (वि.) घृणित । पापी । निष्ठुर । रस विशेष ।

बीरिट, (पुं.) वायु । भीड़ ।

बुक्क्, (क्रि.) भूकना । बात करना । बोलना ।

बुक्क, (न.) हृदयपिण्ड । हृदय ।

बुड्, (क्रि.) चोटिल करना । मार डालना ।

बुड, (क्रि.) छिपाना । ढकना ।

बुध्, (क्रि.) पहचानना । जानना ।

बुद्ध, (वि.) ज्ञात । जाना हुआ । जागा हुआ । (पु.) भगवान् का नवाँ अवतार ।

बुद्धि, (स्त्री.) ज्ञानशक्ति ।

बुद्बुद, (न.) बुलबुला । बलबुला ।

बुध्, (क्रि.) जानना । समझना । विचारना ।

बुध, (पु.) पण्डित । ग्रह का नाम । देव विशेष । चतुर । दक्ष । समझदार ।

बुधरत्न, (न.) पन्ना ।

बुधाष्टमी, (स्त्री.) बुधवार सहित अष्टमी ।

बुधित, (वि.) ज्ञात । जाना हुआ ।

बुन्द, (न.) बुगबुल । तीर । शरीर ।

बुभुक्षा, (स्त्री.) भूख । क्षुधा ।

बुभुक्षित, (वि.) भूखा ।

बुभुत्सा, (स्त्री.) जानने की इच्छा । ईरानी । चतुर ।

बुल्, (क्रि.) डूबना । डुबोना ।

बुलि, (स्त्री.) डर । भय ।

बुल्य, (न.) बाँका । तिरछा ।

बुस्, (क्रि.) छोड़ना । बिखेरना । बाँटना ।

बुस, (न.) भूसी । सूखा गोबर । धन । थोड़ा थोड़ा देना । पानी ।

बुस्त्, (क्रि.) मान करना । प्रतिष्ठा करना ।

बुस्त, (न.) छिलका । भुना हुआ मांस ।

बृंह्, (क्रि.) उगना ।

बृह्, (क्रि.) बढ़ना । उगना ।

बृहत्, (वि.) बड़ा ।

बृहस्पति, (पु.) देवगुरु । ग्रह का नाम ।

बेकनाट, (पु.) सूदखोर ।

बेड़ा, (स्त्री.) नाव ।

बेह्, (क्रि.) यत्न करना ।

बैडालव्रत, (न.) दम्भ । ढोंग ।

बोध, (पु.) ज्ञान ।

बोधकर, (पुं.) भाट । जगाने वाला ।

बोधन, (न.) विज्ञापन । जताना ।

बोधनी, (स्त्री.) पीपल । देवोत्थान एकादशी । कार्तिक शुक्ल एकादशी ।

बोधि, (पु.) पीपल का पेड़ । जानने वाला ।

बौद्ध, (न.) बुद्धदेव के अनुयायी । उनके शास्त्र ।

बौधायन, (पु.) एक प्राचीन लेखक ।

ब्युस्, (क्रि.) छोड़ना । जुदा करना ।

ब्रण्, (क्रि.) शब्द करना । बोलना ।

ब्रतति, (स्त्री.) लता । वृक्ष की बेल ।

ब्रध्न, (पु.) सूर्य । आक का पौधा । शिव । पेड़ की जड़ । घोड़ा । तीर की नोंक ।

ब्रह्मन्, (न.) परमात्मा । ब्रह्मा का लोक । धर्मग्रन्थ । वेद । ओंकार । ब्राह्मण । तपस्या । शक्ति । धन । मंत्र । [illegible]

ब्रह्मकूर्च, (न.) व्रत विशेष ।

ब्रह्मचर्य, (न.) विद्या के लिए व्रत धारण । मैथुनरहित । इन्द्रियनिग्रह ।

ब्रह्मचारिन्, (पु.) ब्रह्मचारी । जितेन्द्रिय ।

ब्रह्मज्ञ, (न.) परमात्मा को जानने वाले । ब्रह्मवेत्ता । वेदज्ञ ।

ब्रह्मण्य, (न.) ब्राह्मण और वेद का रक्षक । विष्णु ।

ब्रह्मतीर्थ, (न.) पुष्करराज । अंगूठे की जड़ ।

भर, (पुं.) अतिशय। बहुत। पालन करने वाला।

भरण, (न.) पोषण। मजदूरी। पकड़ना। (स्त्री.) घोष लता।

भरण्यभुज्, (त्रि.) मजदूर। वैतनिक कर्मचारी।

भरत, (पुं.) जड़भरत नामके मुनि विशेष। नाट्यशास्त्र और अलङ्कारशास्त्र के निर्माता। भील। दरजी। खेत। जुलाहा। राम के भाई जिनका जन्म कैकेयी के गर्भ से हुआ था। नट। दुष्यन्तपुत्र भरत। एक वह राजा जिनके कारण यह वर्ष भारतवर्ष कहा जाता है।

भरतखण्ड, (न.) जम्बूद्वीप के नव टुकड़ों में से एक, जिसे भरत ने प्रसिद्ध किया। भारतवर्ष।

भरतवर्ष, (न.) भारतवर्ष। भारतखण्ड।

भरताग्रज, (पुं.) भरत के बड़े भाई श्रीरामचन्द्र।

भरद्वाज, (पुं.) मुनिविशेष। पक्षीभेद।

भर्ग, (पुं.) शिव। ब्रह्मा। जलता पदार्थ। तेज। सूर्यान्तर्गत ईश्वरीय तेज। प्रकाश।

भर्तृ, (पुं.) मालिक। पति। राजा। धना।

भर्तृदारक, (पुं.) राजा का पुत्र।

भर्तृहरि, (पुं.) विक्रमादित्य का बड़ा भाई। एक राजा।

भर्त्स्, (क्रि.) झिड़कना। तिरस्कार करना।

भर्त्सन, (न.) तिरस्कार युक्त वचन।

भर्व्, (क्रि.) खाना।

भर्म, (न.) स्वर्ण। मजदूरी। नाभि। [illegible]

भर्ह, (क्रि.) [illegible]

भल्, (क्रि.) [illegible]

भल्ल्, (क्रि.) देना। वध करना। निरूपण करना।

भल्ल, (पुं.) रीछ। भालू। अस्त्र विशेष।

भव, (पुं.) जन्म। उत्पत्ति।

भवत्, (त्रि.) आप।

भवादृश, (त्रि.) आपके समान।

भवानी, (स्त्री.) पार्वती। दुर्गा।

भवितव्य, (न.) अवश्य होने वाला।

भवितव्यता, (स्त्री.) भाग्य। अदृष्ट। होनहार।

भविष्णु, (त्रि.) होनहार। भवितव्यता।

भविष्यत्, (पुं.) आने वाला समय।

भव्य, (त्रि.) सुन्दर। होनहार। मङ्गल। शुभ। सत्य। योग्य।

भष्, (क्रि.) भौंकना।

भषक, (पुं.) कुत्ता।

भस्, (क्रि.) चमकना।

भस्त्रा, (स्त्री.) धुकनी। धौंकनी। मशक।

भस्मक, (न.) रोग विशेष जिसके कारण बहुत खा लेने पर भी भूख बनी ही रहती है।

भस्मन्, (न.) शिवजी की विभूति।

भस्मसात्, (अव्य.) पूरी तरह भस्म कर डालना।

भाति, (क्रि.) चमकना।

भा, (स्त्री.) चमकना। प्रकाश।

भाग, (पुं.) बाँट। अंश। भागी नदी। एक देश। भाग्य। राशि का तीसवाँ भाग।

भागधेय, (न.) राजा का कर। [illegible]

भागवत, (त्रि.) अठारह पुराणों में से एक पुराण। भगवद्भक्त। वैष्णव। भगवत्सम्बन्धी।

भागशस्, (अव्य.) एक एक भाग करके।

भागहर, (त्रि.) बटवारी। उत्तराधिकारी।

भागिन्, (त्रि.) हिस्सेदार।

भागिनेय, (पुं.) भानजा।

भागीरथी, (स्त्री.) गङ्गा ।

भागुरि, (पु.) धर्मशास्त्र और व्याकरण का बनाने वाला एक मुनि विशेष ।

भाग्य, (न.) [illegible] । हिस्सेदार ।

भाङ्गीन, (न.) भांग का खेत ।

भाज्, (क्रि.) पृथक् करना ।

भाजन, (न.) पात्र । बर्तन । योग्य । आसरा ।

भाज्य, (त्रि.) बाँटने योग्य ।

भाटक, (न.) भाड़ा । किराया ।

भाण, (पु.) दृश्य काव्य विशेष ।

भाण्ड, (न.) पात्र । बर्तन । व्यापार । पूंजी । महाल । नदी के दोनों तटों का बीच ।

भाण्डारिन्, (पु.) भण्डारी ।

भाण्डिवाद्, (पु.) नाई ।

भाति, (स्त्री.) चमक । मनोहरता ।

भाद्र, (पु.) चैत्र से छठों मास । पूर्व और उत्तर भाद्रपद नक्षत्र ।

भाद्रमातुर, (पुं.) सती का पुत्र ।

भानु, (पु.) आक का पौधा । सूर्य । किरन । स्वामी । राजा ।

भानुमत्, (पु.) सूर्य ।

भानुमती, (स्त्री.) राजा विक्रमादित्य की रानी ।

भाम्, (क्रि.) क्रोध करना ।

भाम, (पुं.) सूर्य । रोष वाली स्त्री ।

भामिनी, (स्त्री.) औरत । विशेष कर वह स्त्री जो रोष करती है ।

भार, (पु.) बोझा । आठ हजार तोले की तौल ।

भारत, (न.) वेदव्यास रचित इतिहास का महाग्रन्थ ।

भारती, (स्त्री.) सरस्वती । पक्षी विशेष । अलङ्कार की एक प्रकार की वृत्ति । संस्कृत भाषा ।

भारद्वाज, (पु.) भरद्वाजगोत्री । द्रोणाचार्य । अगस्त्य मुनि । पक्षी विशेष । बृहस्पतिपुत्र । बनैला कपास ।

भारयष्टि, (स्त्री.) बोझ उठाने का डण्डा । गेंड़ी ।

भारवाह, (पुं.) बोझ उठाने वाला ।

भारवि, (पु.) किरातार्जुनीय काव्य का रचयिता कवि ।

भारक, (पुं.) बोझ उठाने वाला । मजूर ।

भार्गव, (पु.) शुक्राचार्य । परशुराम । तीरन्दाज । हाथी । वेद की एक क्रिया विशेष । (स्त्री.) पार्वती । लक्ष्मी । दूब ।

भार्या, (स्त्री.) विधिपूर्वक विवाही गयी स्त्री । पत्नी ।

भाल, (न.) ललाट । मस्तक । माथा ।

भालदर्शन, (न.) सिन्दूर ।

भालनेत्र, (पु.) शिवजी । जिनके मस्तक में नेत्र हो ।

भालाङ्क, (पु.) एक प्रकार का साग । चक्र विशेष । राजहंस । रोहू मछली । महापुरुष के चिह्न वाला । शिव । कछुआ । भाग्यवान् मनुष्य ।

भालु-भल्लूक, (पु.) रीछ ।

भाव, (पुं.) पसीना । कम्प । साध्य । सिद्ध या क्रिया रूपी धातु का अर्थ । अनुराग । आशय । अस्तित्व । दशा । परिस्थिति ।

भावक, (पुं.) मन का विकार । पदार्थ को सोचने वाला । उत्पादक ।

भावत्क, (पु.) आपका ।

भावना, (स्त्री.) चिन्ता । ध्यान । पर्यालोचना । चिकित्सा शास्त्र में दवाइयों का संस्कार विशेष ।

भावबोधक, (पु.) शरीर की चेष्टा । दुख का प्रकट होना ।

भावानुगा, (स्त्री.) छाया । टीका । आशय के पीछे जाने वाली ।

भुजग, (पुं.) साँप। आश्लेषा नक्षत्र।

भुजगान्तक, (पुं.) गरुड़। सर्पहन्ता।

भुजगाशन, (पुं.) गरुड़। सर्पभक्षक।

भुजङ्ग, (पुं.) साँप। जार। आश्लेषा नक्षत्र।

भुजङ्गप्रयात, (न.) एक छन्द जिसके प्रत्येक पाद में १२ अक्षर होते हैं।

भुजङ्गम, (पुं.) सर्प। साँप।

भुजाशिरस्, (पुं.) कन्धा।

भुजान्तर, (न.) क्रोड़। कुक्षि। गोद।

भुजिष्य, (पुं.) दास। रोग। स्वतन्त्र। हाथ का डोरा। (स्त्री.) दासी। वेश्या।

भुवन, (न.) जगत्। दुनिया। लोक। आकाश। १४ की संख्या।

भुवनकोष, (पुं.) भूगोल। ज्योतिष का एक ग्रन्थ।

भुवर्, (अव्य.) आकाशात्मक दूसरा लोक।

भू, (क्रि.) पाना। प्राप्त करना। होना।

भूकेश, (पुं.) वड़ का पेड़। सिवार। शैवाल।

भूगोल, (पुं.) पृथिवीमण्डल।

भूच्छाया, (स्त्री.) पृथिवी की छाया।

भूजम्बू, (स्त्री.) गेहूँ। फल विशेष।

भूत, (त्रि.) उचित। पृथिवी। तेज। जल। वायु। आकाश। यथार्थ। पिशाच आदि। रूप रस गन्ध आदि विशेष गुण वाले पदार्थ। कुमार। योगियों के राजा। कृष्णपक्ष। सदृश। सत्य। कृष्णा १४ शी।

भूतघ्न, (पुं.) भोजपत्र। लहसुन। ऊँट। (स्त्री.) तुलसी।

भूतचतुर्दशी, (स्त्री.) यमचतुर्दशी, यह आश्विन कृष्ण और कार्तिक मास की कृष्ण तथा शुक्ल की चतुर्दशी है, इन चतुर्दशियों में यमराज को दीपदान किया जाता है।

भूतधात्री, (स्त्री.) पृथिवी।

भूतनाथ, (पुं.) भैरव। महादेव।

भूतनाशन, (न.) रुद्राक्ष। सरसों।

भूतपक्ष, (पुं.) कृष्णपक्ष।

भूतभावन, (पुं.) विष्णु। बटुक भैरव।

भूतयज्ञ, (पुं.) कौवा आदि जीवों के लिये अन्नदान। पञ्चमहायज्ञों में से गृहस्थ के करने योग्य यज्ञविशेष बलि-वैश्वदेव।

भूतल, (न.) पृथ्वी।

भूतशुद्धि, (स्त्री.) शरीर का संस्कार जो मंत्र द्वारा किया जाता है।

भूतहर, (पुं.) गुग्गुल।

भूतात्मन्, (पुं.) परमात्मा। विष्णु। बटुक भैरव।

भूतावास, (पुं.) विष्णु। बहेड़े का पेड़।

भूति, (स्त्री.) सम्पत्ति। जाति। अणिमा आदि आठ प्रकार की सिद्धियाँ।

भूदार, (पुं.) सूअर।

भूदेव, (पुं.) ब्राह्मण।

भूधर, (पुं.) पहाड़।

भूप, (पुं.) नरेश। राजा।

भूपाल, (पुं.) राजा। नृपति।

भूभुज्, (पुं.) भूपाल। राजा।

भूभृत्, (पुं.) पहाड़। राजा।

भूमन्, (पुं.) बहुत।

भूमि-मी, (स्त्री.) पृथिवी। जिह्वा। एक की संख्या।

भूमिका, (स्त्री.) रचना। दीवारी। उपोद्घात। बदलने का भेष। मन की अवस्था। सीढ़ी। कक्षा। वर्ष।

भूमिज, (पुं.) भूमि का पुत्र। मङ्गलग्रह। नरक दैत्य, इसीका नाम भौमासुर है।

भूमिरुह, (पुं.) वृक्ष।

भूमिष्ठ, (पुं.) झुका हुआ।

भूमिस्पृश, (पुं.) वैश्य। झुका हुआ। धरती पर रखा हुआ।

भूमीन्द्र, (पु.) नृप । राजा ।
भूयस्, (अव्य.) फिर । बहुत ही ।
भूयिष्ठ, (त्रि.) बहुत ही ।
भूर्, (पुं.) नीचे के सप्त लोकों में एक । ब्रह्मा का मानसिक पुत्र ।
भूरि, (पु.) विष्णु । शिव । इन्द्र । (न.) सोना । (त्रि.) प्रचुर ।
भूरिगम, (पुं.) गधा ।
भूरिमाय, (पुं.) शृगाल । गीदड़ ।
भूरिशस्, (अव्य.) बहुत बार ।
भूरिश्रवस्, (पुं.) चन्द्रवंशी राजा सोमदत्त का पुत्र । राजा विशेष ।
भूर्ज, (पु.) भोजपत्र का वृक्ष ।
भूर्जपत्र, (पुं.) भोजपत्र ।
भूष्, (क्रि.) सजाना ।
भूषण, (न.) अलङ्कार । गहना ।
भूषा, (स्त्री.) सजावट ।
भूषित, (त्रि.) सजा हुआ ।
भूष्णु, (त्रि.) होनहार ।
भृ, (क्रि.) धारण करना । पालना ।
भृकुंस-श, (पु.) भौं का इशारा । स्त्री का भेष धारण करने वाला नट ।
भृकुटि-टी, (स्त्री.) भौं का चढ़ाव उतार । भौं का विक्षेपन ।
भृगु, (पु.) मुनि विशेष । जिन्होंने ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों में बड़े की परीक्षा करने के लिये जा कर विष्णु को लात मारी थी । वह चिह्न "भृगुलता" सदा के लिये हो गया । शङ्कर । शुक्र ग्रह । पहाड़ की चोटी । जमदग्नि । ऊँचा कगार । भृगुपति ।
भृगुलता, (स्त्री.) विष्णु के वक्षस्थल में भृगु के लात मारने का चिह्न जिस को भूषण में मान लिया है ।
भृगुपति, (पु.) परशुराम । परशुराम ।
भृगुसुत, (पु.) परशुराम । शुक्राचार्य ।
भृङ्ग, (पुं.) जार । भौंरा । धमरख । पक्षी विशेष ।
भृङ्गरिटि-टि, (पुं.) शिवजी का गण विशेष ।
भृङ्गाभीष्ट, (पु.) भौंरे का प्रिय । आम का पेड़ ।
भृङ्गि, (पुं.) शिवजी का गण ।
भृज् (क्रि.) भूनना ।
भृतक, (त्रि.) मजदूर ।
भृति, (स्त्री.) भरण । पोषण । मजदूरी । मूल्य ।
भृतिभुज्, (त्रि.) मजदूर । नौकर ।
भृत्य, (पु.) दास । नौकर ।
भृ-भ्र+मि, (पु.) भँवर । वायुभेद ।
भृश्, (क्रि.) नीचे गिरना ।
भृश, (न.) बहुत । अधिक ।
भृष्ट, (त्रि.) भुना हुआ ।
भ्रस्ज्, (क्रि.) भूँजना । भिड़कना । पालना ।
भेक, (पु.) मेंडक । मेघ । ऋषि विशेष ।
भेद, (पु.) टुकड़ा करना । फाड़ना ।
भेदक, (त्रि.) विदारक । फाड़ने वाला ।
भेदन, (त्रि.) हींग । अमलतास । विदारण ।
भेदित, (त्रि.) विदारित । फाड़ा हुआ ।
भेद्य, (त्रि.) विदार्य । फाड़ने योग्य ।
भेरि-री, (स्त्री.) बड़ा नगाड़ा या ढोल ।
भेल, (पु.) बेड़ा । (त्रि.) भीरु । मूर्ख । चञ्चल । लम्बा । तीव्र ।
भेलक, (पु.) नाव । बेड़ा ।
भेष्, (क्रि.) डरना । भय खाना ।
भेषज, (न.) औषध ।
भेषजाङ्ग, (न.) अनुपान ।
भैक्ष, (न.) भीख ।
भैक्षचर्या, (स्त्री.) भीख माँगना ।
भैमी, (स्त्री.) भीमपुत्री । दमयन्ती ।
भैरव, (न.) भय । भयानक । रस विशेष । शङ्कर । रागभेद ।

भैषज्य, (न.) दवाई ।
भोः, (अव्य.) सम्बोधन । हे । अरे ।
भोग, (पुं.) सुख दुःख का अनुभव । साँप का फन । धन । पोषण । आहार ।
भोगदेह, (पुं.) प्रेतदेह ।
भोगभूमि, (स्त्री.) भारतवर्ष ।
भोगवती, (स्त्री.) पातालगङ्गा ।
भोगिन्, (पुं.) साँप । राजा । नाई । गाँव का मुखिया । भोगने वाला ।
भोगिवल्लभ, (पुं.) चन्दन ।
भोगीन्द्र, (पुं.) अनन्त देव । वासुकि ।
भोग्य, (न.) धन । धान्य । भोगने योग्य ।
भोज, (पुं.) भोजराज ।
भोजन, (न.) आहार । विष्णु का नाम ।
भोज्य, (त्रि.) खाने योग्य पदार्थ ।
भोटाङ्ग, (पुं.) भूटान । देश विशेष ।
भौतिक, (त्रि.) व्याधि ।
भौम, (त्रि.) मङ्गलग्रह । नरकनामी दैत्य । पानी । मकान । अति भूमि । (स्त्री) सीता ।
भौमरत्न, (न.) मूँगा । प्रवाल ।
भौमिक, (त्रि.) जमींदार ।
भौरिक, (त्रि.) खजानची ।
भ्यस्, (क्रि.) डरना ।
भ्रण, (क्रि.) शब्द करना ।
भ्रकुंस-स, (पुं.) स्त्री का रूप धर कर नाचने वाला नट ।
भ्रकुटि-टी, (स्त्री.) भ्रूभङ्ग । भौं चढ़ाना ।
भ्रम्, (क्रि.) चलना । घूमना ।
भ्रम, (पुं.) मिथ्याज्ञान । पानी के निकास का स्थान । पानी का चलना । कुन्द फूल ।
भ्रमण, (न.) घूमना ।
भ्रमर, (पुं.) भौंरा ।
भ्रमरक, (पुं.) माथे पर लटकने वाले जुल्फें ।
भ्रश्, (क्रि.) नीचे गिरना ।
भ्रष्ट, (त्रि.) गिरा हुआ ।
भ्रस्ज्, (क्रि.) पकाना । रींधना ।
भ्राज, (क्रि.) चमकना ।
भ्राजिष्णु, (त्रि.) चमकने वाला ।
भ्रातृ, (पुं.) भाई । सहोदर ।
भ्रातृज, (पुं.) भतीजा ।
भ्रातृव्य, (पुं.) भतीजा । शत्रु ।
भ्रातृश्वशुर, (पुं.) स्वामी का बड़ा भाई । जेठ ।
भ्रात्रीय, (पुं.) भाई का । भतीजा ।
भ्रान्त, (न.) मिथ्या ज्ञान वाला । घूमने वाला ।
भ्रान्ति, (स्त्री.) मिथ्या ज्ञान । भ्रमण ।
भ्रान्तिमत्, (त्रि.) घूमने वाला । भूलना । अर्थालङ्कार भेद ।
भ्रामक, (पुं.) गीदड़ । घुमाने वाला ।
भ्रामर, (न.) शहद । भौंरा सम्बन्धी ।
भ्राष्ट्र, (न.) भाड़ । कड़ाही ।
भ्रुकुंस, (पुं.) स्त्री का रूप धर कर नाचने वाला पुरुष ।
भ्रुकुटि-टी, (स्त्री.) क्रोध में भर कर भौं चढ़ाना ।
भ्रू, (स्त्री.) भौं ।
भ्रूक्षेप, (पुं.) भौं का चढ़ाना । कटाक्ष करना ।
भ्रूण, (पुं.) गर्भ । बालक ।
भ्रूणघ्न, (त्रि.) गर्भ की हत्या करने वाला ।
भ्रेज्, (क्रि.) चमकना ।
भ्रेष्, (क्रि.) जाना । चलना । उचित स्थान से गिरना ।
भ्लक्ष्, (क्रि.) खाना ।
भ्लाश्, (क्रि.) चमकना ।

म

म, (पुं.) चन्द्रमा। शङ्कर। ब्रह्मा। यम। समय। मधुसूदन। विष। विष्णु। छन्द विशेष। मध्यम स्वर। [illegible]। जल।

मंह्, (क्रि.) उगना। बढ़ना। देना। बोलना। चमकना।

मख्, (क्रि.) सरकना। जाना।

मकर, (पुं.) मगर। कामदेव के झण्डे का चिह्न। दसवीं राशि। एक प्रकार के कान का आभूषण। कुबेर के नव कोषों में से एक। व्यूह विशेष।

मकरकुण्डल, (पुं.) कान का आभूषण जिसकी बनावट मगरमच्छ जैसी होती है।

मकरकेतन, (पुं.) कामदेव। मकरध्वज।

मकरन्द, (पुं.) पुष्प का रस। कुन्द वृक्ष। [illegible]। कोकिल। भौंरा। आम का विशेष। सुगन्ध वाला वृक्ष।

मकुट, (न.) ताज। मुकुट।

मकुर, (पुं.) दर्पण। आईना। बकुल वृक्ष। कुम्हार की लकड़ी। पुष्प की कली।

मक्क्, (क्रि.) जाना।

[illegible], (पुं.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मगध, (पुं.) [illegible] वाला। एक देश विशेष।

मगधेश्वर, (पुं.) मगध देश का [illegible] जरासन्ध।

मगधोद्भवा, (स्त्री.) पीपल।

मघ्, (क्रि.) छल करना। [illegible]

मघवत्, (पुं.) इन्द्र।

मघवन्, (पुं.) इन्द्र।

मघा, (स्त्री.) अश्विनी से दसवाँ नक्षत्र।

मङ्क्, (क्रि.) चलना। सजाना।

मङ्किल, (पुं.) वन की आग।

मङ्कुर, (पुं.) दर्पण।

मङ्क्षण, (न.) पैरों का कवच।

मंक्षु, मङ्क्षु, (अव्य.) तुरन्त। बहुधा।

मख, (पुं.) यज्ञ।

मङ्ग्, (क्रि.) चलना।

मङ्ग, (पुं.) नाव का सिर। [illegible] एक भाग।

मङ्गल, (वि.) एक ग्रह। कल्याण। [illegible] कुशल। शुभ।

मङ्गलप्रस्थ, (पुं.) पर्वत।

मङ्गलपाठक, (पुं.) स्तुति पाठ करने [illegible]

[illegible] (स्त्री.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मच्छु, (पुं.) यह मत्स्य का अपभ्रंश है। इसका अर्थ है—बड़ी मछली।

मज्जन, (न.) स्नान। नहान।

मज्जसमुद्भव, (न.) शुक्र। वीर्य।

मज्जा, (स्त्री.) हड्डियों का सार। वृक्ष का सार भाग।

मज्जाज, (न.) गुग्गुल।

मज्जारस, (पुं.) वीर्य।

मञ्जिका, (स्त्री.) [illegible]।

मञ्जूषा, (स्त्री.) पेटी। [illegible]।

मञ्च्, (क्रि.) [illegible] करना। ऊँचा होना। चलना। चमकना। सजाना।

मञ्च, (पुं.) खाट। ऊँचा मचान विशेष।

मञ्चिका, (स्त्री.) कुर्सी।

मञ्ज्, (क्रि.) साफ करना। धोना। शब्द करना।

मञ्जर, (न.) फूलों का गुच्छा। मोती। तिलक वृक्ष।

मञ्जरी, (स्त्री.) नई निकली कोमल पत्तों की कली। लता। तुलसी।

मञ्जा, (स्त्री.) बकरी। बेल। फूलों का गुच्छा।

मञ्जिका, (स्त्री.) रंडी।

मञ्जिमन्, (पुं.) सुन्दरता।

मञ्जिष्ठ, (पुं.) [illegible]। लाल।

मञ्जिष्ठा, (स्त्री.) मजीठ। बेल विशेष।

मञ्जीर, (न.) [illegible]। [illegible]। वह [illegible] जिसमें [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible] [illegible] है।

मञ्जील, (पुं.) वह गाँव जिसमें अधिकतर धोबी रहते हों।

मञ्जु, (त्रि.) सुन्दर। मनोहर।

मञ्जुघोष, (पुं.) [illegible] विशेष। (स्त्री.) अप्सरा।

मञ्जुल, (त्रि.) मनोहर। (पुं.) [illegible]। (न.) निकुंज।

मञ्जूषा, (स्त्री.) [illegible]। [illegible]।

मट्, (क्रि.) [illegible] होना। निर्धन होना।

मटची,
मटमी, } (स्त्री.) ओला।

मटुक, (न.) [illegible] की [illegible]।

मठ्, (क्रि.) रहना। घूमना। पीसना।

मठ, (पुं.) संन्यासियों के रहने का स्थान। देवमन्दिर। पाठशाला।

मठिका, (स्त्री.) कुटी।

मड्, (क्रि.) सजाना।

मड्डु,
मड्डुक, } (पुं.) [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मण्, (क्रि.) [illegible]। [illegible] [illegible] करना।

मणि,
मणी, } (पुं. स्त्री.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिकर्णिका, (स्त्री.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिपूर, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिबन्ध, (न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिपुर, (न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिबन्ध, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मणिमन्थ, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible] (सं)।

मणिबीज, (पुं.) [illegible]।

मणिसर, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

मण्डित, (त्रि.) [illegible] [illegible]।

मण्ड, (पुं. न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible]। (स्त्री.) [illegible]। (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible]।

मण्डक (पुं.) [illegible]। [illegible]।

मण्डप, (पुं. न.) देवादिगृह । थोड़े दिनों के लिये खड़ा किया गया मण्डवा । सीमा । निकुञ्ज । देवगृह ।

मण्डल, (न.) गोल आकार का । चार सौ योजन का एक देश । वृत्त । भलायात । बारह राजाओं का समूह । गोल । चौक यथा गृहमण्डल, सर्वतोभद्र मण्डल । कुत्ता । साँप ।

मण्डलनृत्य, (न.) चक्र बाँध कर नाचना ।

मण्डलाधीश, (पुं.) मण्डलेश्वर । चार सौ योजन पर्य्यन्त भूमि का स्वामी ।

मण्डलिन्, (पु.) कुण्डलियादार साँप । बिल्ला । बड़ का पेड़ ।

मण्डित, (त्रि.) भूषित ।

मण्डूक, (पुं.) मेंढक । मुनि विशेष ।

मण्डूर, (न.) लोहे का मैल ।

मत, (त्रि.) सम्मत । माना गया । ज्ञात । पूजा गया । (न.) आशय । पूजा ।

मतङ्ग, (पुं.) मेघ । बादल । एक मुनि ।

मतङ्गज, (पु.) गज । हाथी ।

मतल्लिका, (स्त्री.) प्रशस्त । भला ।

मति, (स्त्री.) ज्ञान । इच्छा । चाह । स्मृति ।

मतिभ्रम, (पुं.) बुद्धि का फेर ।

मतिविभ्रम, (पु.) उन्मादरोग । पागलपन ।

मत्क, (पु.) खटमल । मेरा ।

मत्कुण, (पु.) खटमल ।

मत्तुणारि, (पुं.) भाँग ।

मत्त, (पु.) दुर्मद । मदयुक्त । प्रमत्त ।

मत्तकाशिनी, } (स्त्री.) उत्तम स्त्रीजाति । मत्तवासिनी, } मस्त स्त्री । स्वच्छन्द स्त्री ।

मत्तमयूर, (पु.) बादल । एक प्रकार का छन्द ।

मत्तवारण, (पु.) मस्त । हाथी ।

मद, (क्रि.) हर्ष अथवा प्रेम करना ।

मत्सर, (पुं.) ईर्षा । क्रोध । (स्त्री.) मक्खी ।

मत्स्य, (पुं.) मछली ।

मत्स्यधानी, (स्त्री.) मछली र पात्र ।

मत्स्यण्डी, } (स्त्री.) मिश्र मत्स्यण्डिका, } हुई खाण्ड । राब

मत्स्यरङ्क, (पु.) मछरङ्गा एक प्र पक्षी ।

मत्स्यराज, (पु.) रोहित मछली का नाम ।

मत्स्यवेधन, (न.) मछली फँसाने की पनकौवी ।

मत्स्योदरी, (स्त्री.) मत्स्यगन्धा । वै की माता । काशी में एक विशेष ।

मथ्, (क्रि.) बिलोना । मथ मारना ।

मथन, (न.) मारना । क्लेश देन बिलोना ।

मथित, (त्रि.) हत । मारा गया । बिना का मठा ।

मथुरा, } (स्त्री.) श्रीकृष्ण की जन्मभू मधुरा, } प्राचीन शूरसेन देश की राजधा

मद्, (क्रि.) अभिमान करना । होना ।

मद, (पु.) हाथी के गाल का पानी । नशे अहङ्कार । वीर्य । कस्तूरी । मदी । कस्य कारी पदार्थ ।

मदकट, (पुं.) चीनी । साण्ड ।

मदकल, (पु.) मधुर मस्त । मस्त हाथी ।

मदनाख्य, (पु.) सामदेव इव । शराब ।

मदन, (पु.) कामदेव । बसन्त । मौलिसिरि ।

मदनचतुर्दशी, (स्त्री.) चैत्रशुक्ला चतुर्दशी

मदनमोहन, (पु.) श्रीकृष्ण देव ।

मदनावस्था, (स्त्री.) उन्मत्त दशा ।

मदयित्नु, (पु.) कामदेव। मेघ। कलवार। (त्रि.) मादक। (न) मदिरा।

मदालापिन्, (पुं.) कोयल।

मदिरा, (स्त्री.) शराब। लाल कत्था।

मदोत्कट, (पुं) मत्त गज। (स्त्री.) शराब। (त्रि.) मस्त।

मदोदग्र, (पुं.) मद। (स्त्री.) नारी।

मदोद्धत, (त्रि.) मत्त।

मद्गुर, (पु.) एक प्रकार का साँप। मीन। जन्तु विशेष। दोगला। वगुला।

मद्य, (न.) मदिरा।

मद्र, (पु.) देश विशेष। प्रसन्नता।

मद्रक, (पु.) नशीला। मादक (पुं.) सिंह।

मधव्य, (पुं.) वैशाख मास।

मधु, (न.) शहद। पुष्परस। शराब। जल। चीनी। मिठाई। सोम रस। एक दैत्य। चैत्र मास। वसन्त ऋतु। अशोक वृक्ष। मुलहठी।

मधु-कर्कटिका, (स्त्री.) शहद का कसा।

मधु आधार, (न.) मोम।

मधुआम्र, (पु.) आम विशेष।

मधुकर, (पुं.) भौंरा।

मधुक्षीर, (पुं.) खजूर का पेड़।

मधुज, (न.) मोम। मधु दैत्य। मेद से उपजी।

मधुजित्, (पुं.) विष्णु।

मधुत्रय, (न.) शहद, घी और मिश्री।

मधुप, (पु) भौंरा।

मधुपर्क, (न.) दही, घी, जल, शहद और मिश्री। कांसे के पात्र में रक्खा शहद और दही।

मधुपुरी, (स्त्री.) मथुरा।

मधुमक्षिका, (स्त्री.) शहद की मक्खी।

मधुमत्, (त्रि.) मिठाई विशेष। मेद की हो। मधुर। हरिया युक्त देही।

मधुयष्टि, (स्त्री.) मुलहठी।

मधुर, (पुं.) मीठा। मनोहर। (त्रि.) प्रिय। (पु.) लाल गन्ना। गुड़। धान। जीरा।

मधुरस, (पुं.) गन्ना। पानी।

मधुरस्रवा, (स्त्री.) पिण्डखजूर।

मधुलिह्, (पु.) भ्रमर।

मधुवन, (न.) मथुरा क्षेत्र में एक स्थान विशेष। किष्किन्धा नगरी में सुग्रीव का बगीचा।

मधुवार, (पुं.) बारम्बार मद्यपान।

मधुवीज, (पु.) अनार।

मधुशिग्रु, (पुं. न.) मोम।

मधुसख, (पु.) कामदेव।

मधुसूदन, (पुं.) श्रीकृष्ण। भौंरा। [illegible] विशेष। पक्षियों का राजा।

मधुस्वर, (पु.) कोकिल। [illegible]

मधुहन्, (पुं.) विष्णु। [illegible]

मधूच्छिष्ट, (न.) मोम।

मधूपघ्न, (पु. न.) मथुरा नगरी।

मध्य, (पुं.) बीच। कमर। पेट। बीच की अङ्गुली।

मध्यगन्ध, (पु.) आम का एक और पेड़।

मध्यगत, (न.) बीच। बीच में और बीच में।

मध्यदेश, (पु.) कमर। हिमालय और विन्ध्याचल का बीच। देश विशेष।

मध्यन्दिन, (न.) दोपहर। दोपहर। इस काल की पूजा।

मध्यपदलोपिन्, (पु.) [illegible] का समास विशेष।

मध्यम, (त्रि.) बीच का।

मध्यमक, (पु.) बीच का।

मध्यमिका, (स्त्री.) [illegible]

मध्यमपदलोपिन्, (पु.) [illegible]

मध्यमभृतक, (पुं.) किसान । नौकरी पा कर खेती करने वाला।

मध्यमलोक, (पुं.) पृथिवी ।

मध्यमसंग्रह, (पुं.) साधारण झगड़ा, जिसका कारण यह हो कि पराई स्त्री के पास माला मिठाई आदि भेजना।

" प्रेषणं गन्धमाल्यानां धूपभूषणवाससाम् ।
प्रलोभनं चान्नपानैर्मध्यमः संग्रहः स्मृतः ॥ "

तीन प्रकार के दण्डों में से दूसरे प्रकार का दण्ड ।

मध्यमसाहस, (पुं.) पाँच पण का दण्ड । ज़ोर से कोई कार्य करना । दूसरे के वस्त्रों को फेंकना या फाड़ना ।

मध्यमा, (स्त्री.) ऋतु वाली स्त्री । बीच की अङ्गुली । कमल की डण्डी । दस्योद्भवा एक प्रकार की नायिका ।

मध्यमाहरण, (न.) अविदित अव्यक्त मान को बतलाने वाली गणना ।

मध्यरात्र, (पु.) निशीथ । आधी रात ।

मध्यवर्तिन्, (त्रि.) मध्यस्थ । बिचवानिया ।

मध्यस्थ, (पु.) बीच में पड़ने वाला ।

मध्या, (स्त्री.) नायिका विशेष । मध्यमा अङ्गुली । छन्द जिसका पाद तीन अक्षर वाला होता है ।

मध्याह्न, (पु.) दोपहर । दिन का बीच ।

मध्वक, (पुं.) मधुमक्षिका ।

मध्वासव, (पु.) मदिरा । शराब ।

मध्विजा, (स.) नशीला कोई आसव । मदिरा ।

मन्, (क्रि.) पूजा करना । अभिमान करना । जानना । विचारना । अनुमान करना । मान करना ।

मनःशिला, (स्त्री.) लाल रङ्ग की एक धातु । मनसिल ।

मनस्, (न.) मनसिल । मन ।

मनसा, (स्त्री.) आस्तीक मुनि की माता । जरत्कारु की पत्नी ।

मनसिज, (पु.) कामदेव ।

मनसिशय, (पु.) कामदेव ।

मनस्कार, (पुं.) मन का पूर्णतः होना ।

मनस्ताप, (पुं.) पश्चात्ताप । मन की पीड़ा । मानसिक दुःख ।

मनस्विन्, (त्रि.) अपने मन का । धीर । पण्डित । दृढ़ चित्त वाला ।

मनाक्, (अव्य.) थोड़ा । धीरे । थोड़ा सा ।

मनाका, (स्त्री.) हथिनी ।

मनायी-यी, (स्त्री.) मनु की स्त्री ।

मनित, (त्रि.) जाना हुआ ।

मनीक, (न.) आँख का कीचड़ ।

मनीषा, (स्त्री.) बुद्धि । इच्छा । चाह । समझ । वैदिक सूक्त या गीत ।

मनीषिका, (स्त्री.) समझ । बुद्धि ।

मनीषित, (पु.) चाहा हुआ । अभिलषित ।

मनीषिन्, (पु.) पण्डित । बुद्धि वाला ।

मनु, (स्त्री.) एक प्रजापति । मानव शास्त्र के निर्माता । ब्रह्मा से उत्पन्न ।

मनु+अन्तर (मन्वन्तर), (न.) मनु की आयु का ७१ चौयुगी । ब्रह्मा के दिन का चौदहवां हिस्सा ।

मनुज, (पु.) मनुष्य । मन से उत्पन्न ।

मनुजा, (स्त्री.) स्त्री ।

मनुज्येष्ठ, (पु. न.) तलवार ।

मनुश्रेष्ठ, (पु.) विष्णु का नाम ।

मनुसंहिता, (स्त्री.) मानवधर्मशास्त्र ।

मनुष्य, (पु.) आदमी । नर । मनुष्य जाति ।

मनुष्यधर्मन्, (पु.) कुबेर । धन के राजा ।

मनुष्ययज्ञ, (पु.) अतिथिसत्कार ।

मनुष्यलोक, (पु.) विनाशशील देह-धारियों का लोक । पृथिवी ।

मनुष्यविश, (पु.) मानव जाति ।

मनुष्यशोणित, (न.) मनुष्य का रक्त ।

मनुष्यसभा, (स्त्री.) नरों की सम्मेलनी ।

मनुष्यता, } (सं.) आदमियत ।
मनुष्यत्व, } इन्सानियत ।
मनोतृ, (पुं.) आविष्कारकर्त्ता । प्रबन्धक ।
मनोजव, (वि.) मन के समान वेग वाला । बड़े वेग वाला । (स्त्री.) आग की जीभ ।
मनोजवृद्धि, (पुं.) कामवृद्धि वृक्ष ।
मनोज्ञ, (वि.) मनोहर । सुन्दर । मनसिल । (स्त्री.) मदिरा ।
मनोभव, (पु.) कामदेव ।
मनोरथ, (पु.) इच्छा । अभिलाष ।
मनोरम, (वि.) मनोहर । सुन्दर । (स्त्री.) गोरोचना ।
मनोहर, (वि.) मनोरम । रुचिर । सुन्दर । (पु.) कुन्द का वृक्ष । (न.) सोना ।
मक्ष, (क्रि.) पोंछना ।
मन्तु, (पु.) अपराध । मनुष्य । प्रजापति ।
मंत्र, (पु.) परामर्श । वेद का भाग विशेष अथर्व । देवता की सिद्धि के लिये वाक्य समूह विशेष ।
मंत्रजिह्व, (पुं.) अग्नि ।
मंत्रदातृ, (पु.) गुरु ।
मंत्रिन्, (पुं.) अमात्य । सचिव । दीवान ।
मन्थ्, (क्रि.) बिलोना । हिलना ।
मन्थ, (पुं.) मथानी । सूर्य । आक का वृक्ष । आँख का कीचड़ । किरण ।
मन्थज, (न.) नवनीत । मक्खन ।
मन्थन, (पु.) मथनी । रई ।
मन्थर, (वि.) धीमा । मन्द । मूर्ख । स्थूल । टेढ़ा । क्रोध । सूचक । वेग । कोष । बाला नवनीत । मथानी । कपाट । (पुं.) फल । (स्त्री.) कैकेयी की दासी मन्थरा ।
मन्थक, (पु.) चाँदी का वर्क ।
मन्थान, (पु.) मथनी । शिव ।
मन्थिन्, (क्रि.) बिलोने वाला । सोमलता का रस । वर्तन विशेष ।
मन्थशैल, (पुं.) मन्दार नामक पर्वत ।
मन्द, (वि.) सुस्त । मूर्ख । मृदु । अभागा । रोगी । थोड़ा । स्वतन्त्र । सुस्त । नीच । शनिग्रह । हाथी विशेष । यम । प्रलय । सूर्यसंक्रमण ।
मन्दग, (वि.) धीरे २ जाना । सुस्त ।
मन्दरता, (स्त्री.) मन्दपना । आलस्य । जड़ता ।
मन्दर, (पु.) इस नाम का एक पर्वत । मन्दार का पेड़ । स्वर्ग । हार विशेष । दर्पण । (वि.) बहुत । मन्द ।
मन्दाकिनी, (स्त्री.) स्वर्गगङ्गा । आकाशगङ्गा ।
मन्दाक्रान्ता, (स्त्री.) छन्द जिसके प्रत्येक चरण में १७ अक्षर होते हैं ।
मन्दाक्ष, (न.) लज्जा । कम दृष्टि ।
मन्दाग्नि, (पु.) पाचन शक्ति की क्षीणता । अनपच रोग । धीमी आँच ।
मन्दिर, (न.) घर । विशेष कर देवस्थान । पुर । शिविर । समुद्र । घुटने के पीछे का भाग ।
मन्दिरपशु, (पुं.) बिल्ली ।
मन्दिरमणि:, (पुं.) शिव का नाम ।
मन्दिरा, (स्त्री.) घुड़साल । अस्तबल ।
मन्दुरा, (स्त्री.) घुड़साल । अस्तबल । चटाई ।
मन्दोदरी, (स्त्री.) मय दानव की कन्या । रावण की पटरानी ।
मन्दोष्ण, (न.) थोड़ा गरम । गुनगुना ।
मन्द्र, (पुं.) नीचा । गहरा । पोला । सरसराहट (शब्द) । प्रसन्नकर । हर्षप्रद । मनोहर । धीमा शब्द । एक प्रकार का ढोल । हाथी विशेष ।
मन्धातृ, (पु.) बुद्धिमान् पुरुष । भक्त ।
मन्मथ, (पुं.) कामदेव । कैथा का पेड़ ।
मन्यु, (पु.) दीनता । शोक । दुःख । क्रोध । अहङ्कार ।

मन्यु, (पुं.) क्रोध । शोक । दुःख । दुरवस्था । दीनता । यज्ञ । उत्साह । अभिमान । शिव । अग्नि ।

मन्वन्तर, (न.) सत्ययुग आदि ७१ चौकड़ियों । ३११४४८०० वर्षों का समय ।

मभ्र, (क्रि.) जाना ।

मम, (अव्य.) मेरा ।

ममता, (स्त्री.) मेरापन । स्नेह ।

ममापताल, (पुं.) ज्ञानेन्द्रिय ।

मय्, (क्रि.) जाना ।

मम्मट, (पुं.) काव्यप्रकाश ग्रन्थ के रचयिता ।

मय्, (क्रि.) जाना ।

मय, (पुं.) एक दैत्य । ऊँट । खच्चर ।

मयट, (पुं.) झोंपड़ी ।

मयष्टक, } (पुं.) एक प्रकार की सेम
मयुष्टक, } या छीमी ।

मयस, (न.) हर्ष । सन्तोष ।

मयु, (पुं.) किन्नर । हिरन । बारहसिंहा ।

मयूख, (पुं.) चमक । किरन । शिखा । शोभा ।

मयूखिन्, (त्रि.) चमकीला । भड़कदार ।

मयूर, (पुं.) मोरपक्षी । पुष्प विशेष । सूर्यशतक काव्य के निर्माता का नाम । समय मापक यन्त्र विशेष ।

मयूरकेतु, } (पुं.) कार्तिकेय का नाम ।
मयूररथ, }

मयूरारि, (पुं.) गिरगट । कृकलास ।

मर, (पुं.) वैदिक प्रयोग में आता है, इसका अर्थ है—मृत्यु । पृथिवी ।

मरक, (पुं.) महामारी । छुआछूत की बीमारी ।

मरकत, (न.) पन्ना । हरे रङ्ग की मणि । इसके धारण करने से छुआछूत या महामारी का भय नहीं रहता ।

मरण, (न.) मरना । मृत्यु ।

मरणशील, (त्रि.) मरने वाला । मरने के स्वभाव वाला ।

मरत, (पुं.) मृत्यु ।

मरन्द, } (पुं.) मकरन्द । पुष्परस ।
मरन्दक, }

मरार, (पुं.) अनाज की मण्डी ।

मराल, (पुं.) राजहंस । कारण्डव । कारण्डव । घोड़ा । बादल । नील । अनार का वन । चिकना ।

मरिचि, } (पुं.) एक मुनि । किरण ।
मरीचि, } कृपण । सूर्य । ब्रह्मा के दस मानसिक पुत्रों में से एक स्मृतिकार का नाम । श्रीकृष्ण का नाम ।

मरीचिका, (स्त्री.) मृगतृष्णा ।

मरीमृज, (त्रि.) बार बार रगड़ने वाला ।

मरु, (पुं.) पर्वत । रेगिस्तान । मारवाड़ देश ।

मरुक, (पुं.) मोर ।

मरुण्डा, (स्त्री.) बड़े माथे वाली स्त्री ।

मरुत्, (पुं.) वायु ।

मरुत्त, (पुं.) चन्द्रवंशी एक राजा ।

मरुत्पथ, (पुं.) आकाश ।

मरुत्पाल, (पुं.) इन्द्र । देवराज ।

मरुत्वत्, (पुं.) इन्द्र ।

मरुत्सख, (पुं.) इन्द्र । चित्रक वृक्ष ।

मरुद्आन्दोल, (न.) पङ्खा ।

मरुद्विष, (पुं.) गुग्गुल ।

मरुभू, (पुं.) मारवाड़ देश । जलरहित देश ।

मरुल, (पुं.) एक प्रकार की बतक ।

मरुव, (पुं.) राहु । पौधा विशेष ।

मरूवक, } (पुं.) व्याघ्र । राहु । सारस ।
मरूयक, }

मरूक, (पुं.) मोरपक्षी ।

मरोलि, } (पुं.) समुद्र का एक जीव ।
मरोलिक, } मकर । नक्र । मगर ।

मर्क्, (क्रि.) जाना ।

मर्कक, (पुं.) मकड़ी । मकड़ा ।

मर्कट, (पुं.) बन्दर । मकड़ी । सारस । विष विशेष ।

मर्कटीजाल, (न.) फलित शास्त्र में एक चक्र विशेष जिससे अशुभ और शुभ का विचार किया जाता है ।
मर्कर, (पु.) भृङ्गराज वृक्ष । पात्र । (स्त्री.) बाँझ स्त्री ।
मर्करा, (स्त्री.) बर्तन । गुफा । बन्ध्या स्त्री ।
मर्च्, (क्रि.) लेना । शब्द करना । बजाना । जाना । हटाना । चोट लगाना । मद में डालना ।
मर्जू, (पुं.) धोबी । गुदा भञ्जन कराने वाला ।
मर्ब्, (क्रि.) पकड़ना ।
मर्त्त, (पुं.) मनुष्य । पृथिवी । मरणशील ।
मर्त्य, (त्रि.) मरणशील । मनुष्य ।
मर्त्यलोक, (पु) वह लोक जिसमें मरणशील देहधारी रहते हैं । मनुष्यलोक ।
मर्दल, (पु.) एक प्रकार का ढोल ।
मर्द, (न.) पिसा हुआ । कुचला हुआ । चूर्ण किया हुआ ।
मर्दन, (न.) चूर्ण करना । पीसना । मलना ।
मर्दित, (त्रि.) चूर्णित ।
मर्थ, (क्रि.) जाना । मरना ।
मर्मज्ञ, (पुं.) तत्त्वज्ञ । रहस्यवेत्ता ।
मर्मन्, (न.) कोमल । सन्धिस्थान । सार । भेद । तात्पर्य ।
मर्म्मर, (पु.) मर्मर शब्द । (स्त्री.) हलदी ।
मर्मरी, (स्त्री.) हलदी ।
मर्मरीक, (पुं.) दरिद्र मनुष्य । खोटा मनुष्य ।
मर्म्मस्पर्शी, (त्रि.) मर्म्मपीडक ।
मर्य, (त्रि.) मरणशील ।
मर्य्या, (अव्य.) सीमा । हद । (पुं.) मनुष्य ।
मर्य्यादा, (स्त्री.) सीमा । तट ।
मल्, (क्रि.) अधिकार करना । पकड़ना ।
मल, (पुं.) मैल । पाप । विष्ठा । कीट । काई । पसीना । कफ । कपूर । कृपण ।

मलज, (पु) शाल्मलीकन्द ।
मलद्रावित्, (पुं.) जमालगोटा ।
मलमास, (पु.) चाँद का मास । अधिक महीना ।
मलय, (पु.) चन्दनवन । पर्वत विशेष के निकट का स्थान । नवद्वीपों में से एक । ऋषभदेव का एक पुत्र ।
मलयज, (न.) चन्दन । मलय देश का पवन ।
मलाका, (स्त्री.) दूती । हथिनी । कामातुरा स्त्री ।
मलि, (स्त्री.) अधिकार । विलास ।
मलिक, (पुं.) राजा । अधिपति ।
मलिन, (त्रि.) मैला । दूषित । लगा हुआ । दागदगीला । [illegible] ।
मलिम्लुच, (पुं.) डाँकू । चोर । राक्षस । मच्छर । पवन । अग्नि । पञ्चमहायज्ञ नित्य न करने वाला ब्राह्मण । चित्रक वृक्ष । [illegible] । वर्ष ।
मलिष्ठा, (स्त्री.) रजस्वला स्त्री ।
मलीमस, (त्रि.) मैला । अपवित्र । काला । दुष्ट । पापी । लोहा ।
मल्ल्, (क्रि.) पकड़ना ।
मल्ल, (पुं.) पहलवान । प्याला । गण्डस्थल । वर्णसङ्कर विशेष । देश विशेष ।
मल्लक, (पु.) दीवट (दीपक रखने की) ।
मल्लभू, (स्त्री.) अखाड़ा ।
मल्लयुद्ध, (न.) कुश्ती ।
मल्लार, (पुं.) छः रागों में से एक राग ।
मल्लि, } मल्ली, } (स्त्री.) मालती की बेल ।
मल्लिनाथ, (पुं.) एक विद्वान् । रघुवंश आदि ग्रन्थों के प्रसिद्ध टीकाकार ।
मल्लिका, (स्त्री.) एक प्रकार का हंस । जिसकी चोंच पीली होती है । [illegible] । मालती ।
मल्लीकर, (पु.) चोर ।
मल्लु, (पुं.) रीछ ।

मल्लूर, (पुं.) लोहे की मैल ।
मव्, मव्य, (क्रि.) बाँधना । जकड़ना ।
मश्, (क्रि.) क्रोध करना । भिनभिनाना ।
मश, मशक, (पुं.) मच्छर । मच्छर का शब्द । क्रोध ।
मशकिन्, (पुं.) उदुम्बर का पेड़ ।
मशहरी, (स्त्री.) मसहरी ।
मशी, मसी, (स्त्री.) स्याही ।
मशुन, (पुं.) कुत्ता ।
मष्, (क्रि.) मार डालना । घायल करना ।
मस्, (क्रि.) तौलना । मापना । रूप बदलना ।
मस, (पुं.) माप या तौल विशेष ।
मसरा, (स्त्री.) मसूर ।
मसार, मसारक, (पुं.) रत्न विशेष । पन्ना ।
मसि, (स्त्री. पुं.) स्याही ।
मसिधान, (न.) दवात ।
मसिपण्य, (पुं.) मुंशी । बाबू । लेखक ।
मसिप्रसू, (स्त्री.) लेखनी । स्याही की बोतल ।
मसिक, (पुं.) साँप का बिल ।
मसिन, (वि.) अच्छे प्रकार पिसा हुआ ।
मसीना, (स्त्री.) अलसी ।
मसूर, (पुं.) मसूर की दाल । तकिया । वेश्या ।
मसूरक, (पुं.) तकिया । इन्द्र की ध्वजा का आभूषण विशेष ।
मसूरिका, (स्त्री.) चेचक का रोग । कुटनी । मसहरी ।
मसूरी, (स्त्री.) छोटी माता या चेचक ।
मसृण, (वि.) चिकना । कोमल । नरम । प्यारा ।
मस्क्, (क्रि.) जाना । गति ।
मस्कर, (पुं.) बाँस । पोला बाँस । जाना । ज्ञान ।

मस्करिन्, (पुं.) सन्यासी । चन्द्रमा ।
मस्ज्, (क्रि.) नहाना । डुबकी मारना । डूबना ।
मस्त, मस्तक, (न.) माथा ।
मस्तकस्नेह, (पुं.) भेजा । मगज ।
मस्ति, (स्त्री.) मापना । तौलना ।
मस्तिष्क, (न.) मगज । भेजा ।
मस्तमूलक, (न.) गरदन । गला ।
मस्तु, (न.) खट्टी मलाई । दही का पानी ।
मह्, (क्रि.) मान करना । पूजा करना चमकना । बढ़ना ।
मह, (पुं.) उत्सव । तेज । यज्ञ । भैंसा ।
महक, (पुं.) प्रसिद्ध पुरुष । कच्छप । विष्णु ।
महक, (पुं.) दूर तक फैली हुई गन्ध ।
महत्, (वि.) विपुल । बड़ा । बूढ़ा ।
महती, (स्त्री.) नारद बाबा की वीणा ।
महत्तत्त्व, (न.) बड़ा तत्त्व । बुद्धि ।
महर्लोक, (पुं.) भू आदि ऊपर के सात लोकों में से एक ।
महर्षि, (पुं.) वेदव्यास आदि बड़े ऋषि ।
महस्, (न.) तेज । यश । उत्सव ।
महा, (स्त्री.) गौ । बड़ा ।
महाकाय, (पुं.) बड़े शरीर वाला । शिवजी का नन्दी । हाथी । स्थूल शरीर वाला ।
महाकार्तिकी, (स्त्री.) रोहिणी नक्षत्र वाली कार्तिक की पूर्णिमा ।
महाकाल, (पुं.) शिवजी । एक देव । भैरव विशेष ।
महाकाव्य, (न.) आठ से अधिक सर्ग वाला काव्य ।
महाकुल, (न.) बड़ा कुल । जिसमें दस पीढ़ी तक वेद का पढ़ना पढ़ाना चला आता हो ।

महागन्ध, (न.) हरिचन्दन । (स्त्री.) नागबला ।

महागुरु, (पुं.) माता । पिता । आचार्य । दान की गयी कन्या का पति ।

महाग्रीव, (पु.) ऊँट ।

महाङ्ग, (पु.) ऊँट । मोघुरुष ।

महाच्छाय, (पु.) वट वृक्ष ।

महाजन, (पु.) वेद के वाक्यों में विश्वास करने वाला पुरुष । धार्मिक । श्रेष्ठ पुरुष ।

महाज्येष्ठी, (स्त्री.) विशेष लक्षण वाली जेठ मास की पूर्णिमा ।

महाढ्य, (पुं.) कदम्ब का पेड़ । बड़ा धनी ।

महातल, (न.) नीचे के लोकों में से पाँचवाँ पाताल ।

महातारा, (स्त्री.) जैनियों की देवी ।

महातीक्ष्णा, (स्त्री.) भिलावा । बहुत तेज ।

महातेजस्, (पुं.) पारा । अतितेजस्वी । कार्तिकेय । अग्नि ।

महात्मन्, (वि.) बड़े आशय वाला ।

महादान, (न.) बड़ा दान ।

महादेव, (पु.) शिव ।

महाद्रुम, (पु.) अश्वत्थ वृक्ष ।

महाधन, (पुं.) सुवर्ण ।

महाधातु, (पु.) सोना ।

महानदी, (स्त्री.) गङ्गा ।

महानन्द, (पु.) मोक्ष । माघ शुक्ला ९मी । सुरा । अतिशय आनन्द । एक नदी ।

महानन्दि, (पु.) कलियुग का अन्तिम भारतवर्षीय नरेश ।

महानवमी, (स्त्री.) आश्विन मास की शुक्ला नवमी ।

महानस, (न.) पाकस्थान । रसोईघर ।

महानाटक, (न.) हनुमन्नाटक । नाटक विशेष ।

महानाद, (पु.) बड़े शब्द वाला । हाथी । सिंह । बादल । ऊँट ।

महानिद्रा, (स्त्री.) बड़ी नींद । मृत्यु । मौत ।

महानिशा, (स्त्री.) रात्रि के मध्यभाग के दो प्रहर ।

महानुभाव, (पु.) महाशय । बड़े विचार वाला ।

महापथ, (पुं.) बड़ा मार्ग । बड़ी सड़क । हिमालय के उत्तर स्वर्ग जाने का मार्ग ।

महापद्म, (पुं.) नाग विशेष । कुबेर का भण्डार । एक राजा ।

महापातक, (न.) ब्रह्महत्या, सुरापान, चोरी, गुरुपत्नीगमन और इन चारों के साथ मेल रखना—ये महापातक हैं ।

महापुराण, (न.) सृष्टि आदि दश लक्षण युक्त व्यास रचित पुराण ।

महापुरुष, (पु.) नरश्रेष्ठ । नारायण ।

महाप्रलय, (पु.) ब्रह्मा के आयुष्य की समाप्ति में जब वे अपने रचे सब पदार्थों को विलीन करते हैं । घोर प्रलय ।

महाप्रसाद, (पु.) जगन्नाथजी का प्रसाद ।

महामाष, (पु.) शोष नामक एक कास । अत्युग्रवाय [redacted] बालग्रह विशेष ।

महाफल, (पु.) बेल । (स्त्री.) इन्द्रवारुणी ।

महाबल, (पु.) बड़े बल वाला । वायु । बुद्ध । सीसा ।

महाभारत, (पुं. न.) संस्कृत का वेदव्यास रचित इतिहास का बड़ा ग्रन्थ । इसमें १ लक्ष श्लोक हैं । इसका दूसरा नाम पञ्चम वेद भी है ।

महाभीता, (स्त्री.) छुईमुई । लज्जालु लता । बहुत डरी हुई ।

महाभूत, (न.) पाँच तत्त्व—पृथिवी, जल, तेज, वायु और आकाश ।

महामनस्, (वि.) उदार । महाशय ।

महामात्र, (वि.) बहुत बड़ा । प्रधानामात्य । "मन्त्रे कर्मणि भूषायां वित्ते माने परिच्छदे । मात्रा च महती येषां महामात्रास्तु ते स्मृताः ॥" हाथियों को आज्ञा देने वाला । महावत ।

महामहावारुणी, (स्त्री.) शनिवार । शतभिषा नक्षत्र । शुभ योग सहित चैत्र की कृष्णा १३शी ।

महामाया, (स्त्री.) दुर्गा ।

महामाष, (पु.) उर्द । राजमाष ।

महामृग, (पु.) बड़ा पशु । हाथी । शरभ ।

महामृत्युञ्जय, (पु.) शिव का एक प्रकार का वेदोक्त ॐ जूं सः बीजयुक्त "त्र्यम्बकं यजामहे॰" मन्त्र ।

महामेद, (पु. स्त्री.) औषध विशेष ।

महामोह, (पुं.) अज्ञान विशेष ।

महायज्ञ, (पुं.) बड़ा यज्ञ ।

महारथ, (पु.) शिव । बड़ा योद्धा ।

महारस, (पुं.) गन्ना । पारा । कांजी ।

महाराज, (पुं.) राजों के राजा । जैनियों के गुरु विशेष । हाथ की उंगली का नख ।

महाराजिक, (पुं.) विष्णु का नाम । पर जब यह बहुवचनान्त होता है तब उन देवताओं का अर्थ देता है जिनकी संख्या २२० या २३६ बतलाई जाती है ।

महाराज्ञी, (स्त्री.) महारानी । पटरानी । दुर्गा का नाम ।

महारात्रि, (स्त्री.) महाप्रलय । अर्द्धरात्रि के पीछे की दो घड़ी । होली, दीवाली की दो रातें ।

महाराष्ट्र, (पु.) मरहठों का देश । [illegible] । बूटी विशेष ।

महारोग, (पु.) मिरगी आदि आठ रोग ।

महारौरव, (पु.) बड़ा नरक विशेष ।

महार्घ, (त्रि.) बड़े मूल्य वाला । महँगा ।

महार्णव, (पु.) महासागर ।

महालय, (पु.) तीर्थस्थान । परमात्मा । विहार ।

महालक्ष्मी, (स्त्री.) बड़ी लक्ष्मी । अगहन [illegible] की [illegible] का भेद । [illegible] । जल प्राण । [illegible] ।

महावराह, (पु.) विष्णु का अवतार विशेष ।

महावरोह, (पु.) वट वृक्ष । [illegible] ।

महावाक्य, (न.) वेदवाक्य । बहुत से वाक्यों के स्वरूप में एक वाक्य ।

महाविद्या, (स्त्री.) दस महाविद्याएँ ।

महाविषुव, (न.) सूर्य की मेष राशि स्थिति ।

महावीचि, (पु.) एक नरक ।

महावीर, (पुं.) बड़ा बहादुर । गरुड़ । हनुमान् । सिंह । यज्ञाग्नि । वज्र । [illegible] । योद्धा । कोकिल । धनुर्धारी ।

महावीर्य्य, (पु.) बड़े वीर्य वाला । वाराहीकन्द । परमात्मा ।

महाव्याधि, (पु.) बड़ा रोग । कोढ़ आदि ।

महाव्याहृति, (स्त्री.) वैदिक मन्त्र विशेष ।

महाव्रण, (न.) बड़ा फोड़ा ।

महाव्रत, (न.) बारह वर्ष का व्रत विशेष ।

महाशङ्ख, (पु.) बड़ा शङ्ख । तान्त्रिक माला विशेष जो मनुष्यों की खोपड़ी से बनती है । कान और आँख के बीच की हड्डी ।

महाशठ, (पु.) धतूरा । बड़ा धूर्त ।

महाशय, (त्रि.) बड़े आशय वाला । महानुभाव । उदार ।

महाशूद्र, (पु.) आभीर । जाति विशेष ।

महाश्मशान, (न.) काशी । बड़ा मरघट ।

महाष्टमी, (स्त्री.) आश्विन के शुक्ल [illegible] की अष्टमी ।

महासान्तपन, (न.) सात दिन में समाप्त होने वाला व्रत ।

महासेन, (पुं.) बड़ी सेना के पति । कार्त्तिकेय ।

महि, } (स्त्री.) पृथिवी । मालवा देश
मही, } की एक नदी ।

महिका, (स्त्री.) हिम । बर्फ ।

महित, (त्रि.) प्रतिष्ठित । पूज्य ।

महिन्धक, (पु.) चूहा । मूसा ।

महिमन्, (पुं.) महत्त्व । बड़ाई ।

महिर, } (पु.) सूर्य। बर्फ़ हवा।
मिहिर, }

महिला, (स्त्री.) स्त्री। मान की। प्रियङ्गु लता। रेणुका नाम्नी गन्धद्रव्य।

महिष, (पु.) भैंसा। एक असुर।

महिषध्वज, (पु.) यमराज।

महिषमर्दिनी, (स्त्री.) एक देवी। दुर्गा।

महिषासुर, (पु.) एक असुर जो दुर्गा के हाथ से मारा गया था।

महिषी, (स्त्री.) भैंस। पटरानी।

महिष्ठ, (वि.) सब से बड़ा।

मही, (स्त्री.) पृथिवी। [illegible] की [illegible] में मिले पानी एक नदी। एक नदी होना।

महीक्षित्, (पु.) भूप। राजा।

महीज, (न.) अदरक। मङ्गल ग्रह। नरकासुर।

महीध्र, (पु.) पर्वत। पहाड़।

महीप्राचीर, (न.) समुद्र।

महीभृत्, (पु.) पर्वत। राजा।

महीयान्, (वि.) बहुत बड़ा।

[illegible], (वि.) पुष्प। मेघ।

महीन्द्र, (पु.) इन्द्र। राजा।

महेच्छ, (वि.) महाशय। उदारचित्त।

महेन्द्र, (पु.) इन्द्र। परमेश्वर। भारतवर्ष का एक पर्वत।

महेन्द्रपुरी, (स्त्री.) अमरावती।

महेश, (पु.) शिव।

महेशबन्धु, (पु.) बिल्व वृक्ष।

महेशा, (स्त्री.) [illegible]।

महोक्ष, (पु.) बड़ा बैल।

महोत्पल, (पु.) बड़ा कमल।

महोत्साह, (वि.) बड़ा उत्साही।

महोदधि, (पु.) समुद्र।

महोदय, (पु.) [illegible]।

महोदर, (पु.) [illegible]।

महोरग, (पु.) एक प्रकार का बड़ा सर्प।

महौषधि, (स्त्री.) दूब। [illegible]। [illegible] की औषधियाँ।

मा, (नि.) मापना। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]।

मा, (अव्य.) यह निषेध में आता है। (स्त्री.) लक्ष्मी। माता। [illegible]।

मांस, (न.) माँस। आमिष।

मांसज, (न.) चर्बी।

मांसल, (वि.) मोटा। पुष्ट। बलवान्।

मांससार, (पु.) मेद। चर्बी।

मांसिक, (वि.) कसाई। बूचर।

माकन्द, (पु.) आम का पेड़। [illegible] का पेड़। [illegible]। [illegible] एक नगर का नाम।

माकर, (पु.) } [illegible]
माकरि, (स्त्री.) } [illegible]

माकलि, (पु.) इन्द्र के सारथि का [illegible]।

माकुर, (वि.) [illegible]।

माक्षिक, } (न.) [illegible]।
माक्षीक, }

माक्षिकज, (न.) मोम।

[illegible], (वि.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

माजन, (पु.) पक्षी विशेष।

माञ्जिष्ठ, माञ्जिष्ठ, (न.) लाल रंग।

माठ, (पु.) मार्ग। रास्ता।

माठर, (पु.) व्यास का नाम। [illegible] विशेष। सूर्य का पार्श्ववर्ती एक देव।

माडी, (स्त्री.) [illegible]।

माढ, (पु.) वृक्ष विशेष। [illegible]।

माढि, (पु.) [illegible]।

माणव, माणवक, (पु.) [illegible]।

[illegible]

मातलि, (पुं.) इन्द्र का सारथि।

माता, (स्त्री.) माता।

मातामह, (पु.) नाना।

मातुल, (पुं.) मामा।

मातुलक, (पुं.) मामा। धतूरे का पेड़।

मातुला, मातुलानी, मातुली, (स्त्री.) मामी। सन।

मातुलेय, (पु.) मामा का पुत्र।

मातुलेयी, (स्त्री.) मामा की बेटी।

मातुलिङ्ग, मातुलुङ्ग, (पु.) बिजौरा। नींबू। अनार।

मातृ, (स्त्री.) माता। गौ। लक्ष्मी। दुर्गा। आकाश। पृथिवी। देवी। [illegible] यथा—

[illegible]

माता, (स्त्री.) माप विशेष। कूट। पल। परछ। अक्षर। धन। नागरी वर्णमाला के स्वरों के चिह्न जो अक्षरों के ऊपर नीचे अगल बगल लगाये जाते हैं। कान में पहनने की बाली। रस।

मात्सर्य, (न.) ईर्ष्या।

मात्स्यिक, (पु.) मछली पकड़ने वाला। धीमर। मल्लाह।

माथ, (पु.) पन्था। मार्ग। (क्रि.) बिलोना। नष्ट करना। मारना।

माथुर, (वि.) मथुरा में उत्पन्न। मथुरा से आया हुआ।

माद, (पुं.) नशा। दर्प। हर्ष।

मादक, (वि.) नशीला। नशा उत्पन्न करने वाला। पपीहा।

मादन, (न.) लौंग। कामदेव। मदन वृक्ष। (स्त्री.) भाँग।

मादृश, }
मादृशी, } (वि.) मेरे समान।

माद्री, (स्त्री.) मद्रदेशसम्भूत पाण्डुराज की दूसरी स्त्री।

माधव, (पुं.) नारायण। लक्ष्मीपति। वसन्त ऋतु। बैसाख मास। महुआ का पेड़। (स्त्री.) मालती लता। इन्द्र। परशुराम। यादव। सायन के साथी और ऋग्वेद के टीकाकार।

माधवक, (पु.) मद्य विशेष जो मधु से बनाई जाती है।

माधविका, (स्त्री.) एक लता।

माधवी, (स्त्री.) एक प्रकार की मदिरा। वासन्ती लता। कुटनी।

माधुर, (न.) मालती का पुष्प।

माध्य, (वि.) बीच का।

माध्यन्दिन, (न.) दिन का मध्य भाग। यजुर्वेद की एक शाखा।

माध्याह्निक, (वि.) दोपहर सम्बन्धी।

माध्व, (पु.) मध्व के अनुयायी।

मान्, (क्रि.) विचार करना। पूजा करना।

मान, (न.) सम्मान। प्रतिष्ठा। अभिमान। (अच्छे अर्थ में) क्रोध। माप। हाथ। तौलना। प्रमाण। तौल का बाट।

मानग्रन्थि, (पु.) अपराध। भूल चूक।

मानरन्ध्रा, (स्त्री.) एक प्रकार का समय-सूचक यन्त्र।

माननीय, (वि.) मान के योग्य। प्रतिष्ठित।

मानःशिल, (न.) मनःशिल का।

मानव, (पुं.) मनुष्य। मनु के वंशधर।

मानवधर्मशास्त्र, (न.) मनु का बनाया धर्मशास्त्र।

मानस, (न.) मन। मानसरोवर।

मानसव्रत, (न.) अहिंसा, सत्य आदि व्रत, चोरी न करना, ब्रह्मचर्य धारण, लालच न करना—ये मानस व्रत कहलाते हैं।

मानसिक, (न.) मन सम्बन्धी।

मानसौकस्, (पु.) हंस।

मानिका, (स्त्री.) मदिरा विशेष। तौल विशेष।

मानिनी, (स्त्री.) मान करने वाली स्त्री। फली वाला वृक्ष।

मानुष, (पु.) आदमी। मानव।

मानुषी, (स्त्री.) स्त्री। नारी।

मानुष्य, (न.) मनुष्यत्व। आदमीपन।

मानोज्ञक, (न.) सुन्दरता।

मान्त्रिक, (पुं.) मन्त्र जानने वाला।

मान्थ्, (क्रि.) पीड़ित करना।

मान्थर्य, (न.) सुस्ती। थकावट। निर्बलता।

मान्दार, (पु.) वृक्ष विशेष।

मान्द्य, (न.) मन्दपना। सुस्ती। बीमारी। न्यूनता।

मान्धातृ, (पु.) सूर्यवंशी एक राजा का नाम। यह युवनाश्व का [redacted] था और अपने बाप के पेट से उत्पन्न हुआ था। पेट से उसके निकलते ही ऋषियों ने कहा था—"कं एष धास्यति?" इस पर इन्द्र ने प्रकट हो कर कहा—"मां धास्यति।" तब ही से इसका नाम मान्धातृ या मान्धाता पड़ा।

मान्य, (पुं.) पूज्य।
माघत्य, (पुं.) कामदेव।
माम, (सर्व.) मुझे। मेरा (सम्बोधन में) चाचा।
मामक, } (त्रि.) मेरा। स्वार्थी। लालची।
मामिका, }
माय, (पु.) बाजीगर। राक्षस।
माया, (स्त्री.) अज्ञान विशेष। भ्रम। कृपा। दम्भ। लक्ष्मी। बुद्धदेव की माता। ईश्वर की उपाधि।
मायाकृत, (पुं.) मदारी। बाजीगर।
मायादेवीसुत, (पुं.) बुद्धदेव।
मायाविन्, (त्रि.) ऐन्द्रजालिक। मदारी।
मायिक, (त्रि.) मदारी। कपटी। छली।
मायु, (पुं.) सूर्य। देहस्थ पित्त। रोग विशेष।
मायूर, (न.) मोर सम्बन्धी। मोरों का झुण्ड।
मार, (पुं.) मरण। मौत।
मारक, (पुं.) मारण। महामारी। कामदेव। घातक। बाज पक्षी।
मारकस्थान, (पुं.) वधस्थान। जन्मकुण्डली में लग्न से सातवाँ और दूसरा स्थान।
मारि, (स्त्री.) महामारी।
मारीच, (पु.) ताड़का राक्षसी का बेटा। एक राक्षस जिसे रामचन्द्र ने विश्वामित्र के यज्ञ में चार सौ योजन फेंका था। जिसने माया मृग बन कर सीता का हरण कराया था।
मारुतात्मज, (पु.) वायु का पुत्र, हनुमान और भीमसेन।
मार्कण्ड, (पुं.) एक ऋषि। मृकण्डु की सन्तान जो सदैव १४ ही वर्ष के रहते हैं।
मार्ग, (क्रि.) ढूँढना। साफ करना।
मार्गण, (न.) अन्वेषण। खोज। याचन। बाण।
मार्गशिर, } (पु.) अगहन।
मार्गशीर्ष, }
मार्गित, (त्रि.) ढूँढा हुआ।
मार्जित, (पु.) [illegible]

मार्ज्, (क्रि.) बुहारना। बटोरना। धोना। पोंछना। साफ करना।
मार्जन, (न.) पोंछ कर साफ करना।
मार्जनी, (स्त्री.) बुहारी। झाड़ू।
मार्जार, } (पुं.) बिलार। मोर।
मार्जाल, }
मार्जारी, (स्त्री.) बिल्ली।
मार्जारीय, (पु.) बिल्ली। शूद्र। कायशोधन।
मार्जित, (पुं.) साफ किया हुआ। सजाया हुआ।
मार्जिता, (स्त्री.) एक प्रकार की चटनी, जो दही में चीनी तथा अन्य मसालों के मिश्रण से बनायी जाती है।
मार्तण्ड, (पुं.) सूर्य। अर्क वृक्ष। सूअर। बारह की संख्या। मरे अण्डे में उत्पन्न।
मार्तिक, (पु.) मिट्टी का बना। ढेला। घड़े का ढकना।
मार्त्य, (त्रि.) मरणशील।
मार्दङ्ग, (पु.) ढोलची। ढोल बजाने वाला। नगर विशेष।
मार्दङ्गिक, (पु.) ढोल बजाने वाला।
मार्दव, (न.) कोमलता। कोमल या दयालु हृदय वाला।
मार्द्वीक, (न.) शराब। मदिरा।
मार्मिक, (त्रि.) मर्म जानने वाला।
मार्ष्टि (स्त्री.) स्नान। सफाई।
माल, (पुं.) बंगाल के एक नगर का नाम। ऊंची भूमि की जाति। विष्णु।
मालक, (पु.) नीम का पेड़। ग्राम के समीप का वन। नारियल की खपड़ी का बना पात्र।
मालकोश, (पु.) राग विशेष।
मालति, } (स्त्री.) चमेली। कली।
मालती, } [illegible]
मालतीरज, (पु.) सुहागा।

मालतीपत्री, (स्त्री.) जावित्री।
मालतीफल, (न.) जायफल।
मालय, (पुं.) } मलय पर्वत का। चन्दन।
मालयी, (स्त्री.) }
मालव, (पुं.) एक देश जिस पर लक्ष्मीजी की कृपा हो (प्रायः सर्वोपरिमन्) दुर्भिक्षादि वर्जित मालवा प्रान्त। राग विशेष। (बहुवचन में) मालवा प्रान्त वासी।
मालविका, (स्त्री.) त्योरी।
मालश्री, (स्त्री.) मौलसिरी का पेड़।
माला, (स्त्री.) हार। समूह। [illegible]। डोरी। दाम।
मालाकार, (पुं.) माली।
मालादीपक, (न.) अलङ्कार में अर्थालङ्कार विशेष।
मालिक, (पुं.) माली। रंगरेज। [illegible]। पक्षी विशेष।
मालिका, (स्त्री.) मालती की बेल। गरदन का गहना। चमेली। पुत्री। राजभवन। सुरा। पक्षी विशेष। नदी विशेष। फूलों की माला।
मालिनी, (स्त्री.) मालाकार। १५ अक्षर के पाद वाला छन्द। [illegible]। चम्पा नगरी। [illegible]। कण्व के आश्रम के निकट की एक नदी। [illegible] वृक्ष।
मालेय, (वि.) माला की रचना में चतुर। माली।
माल्य, (न.) पुष्प। फूल। माथे पर बांधने की पुष्पमाला।
माल्यवत्, (वि.) माला वाला। [illegible] और [illegible] के बीच का पर्वत। [illegible] का [illegible]। रावण का मन्त्री। एक राक्षस।
मालिन्य, (न.) मैलापन। मैल।
मालु, (स्त्री.) लताविशेष। स्त्री।
मालूर, (पुं.) बेल और कैथे का पेड़।
मालेया, (स्त्री.) बड़ी इलायची।

माष, (पुं.) वर्णसङ्कर जाति विशेष।
माषपर्णी, (स्त्री.) [illegible] के जोड़।
माषाविष्टक, (वि.) [illegible] करने वाला।
माष, (पुं.) मासा (तौल का)। मूर्ख। उड़द की दाल। [illegible]।
माषक, (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible] (तौलका)।
माषवर्धक, (पुं.) सुनार।
माषिक, (पुं.) } मासा भर।
माषिकी, (स्त्री.) }
माषीण, (न.) उड़द का खेत।
मास, } (पुं.) चन्द्रमा। तीस दिन का समय।
मासर, } महीना।
मासन, (न.) सोमराजी लता।
मासर, (पुं.) भात का उबला हुआ पानी। माण्ड।
मासल, (पुं.) वर्ष।
मासान्त, (पुं.) महीने का अन्त।
मासिक, (वि.) महीने का।
मासुरी, (स्त्री.) [illegible]।
माहुर, (न.) } [illegible]।
माहुरी, (स्त्री.) }
माहम, (अव्य.) [illegible]।
माह, (क्रि.) नापना मापना।
माहा, (स्त्री.) गौ।
माहाकुल, (वि.) बड़े कुल वाला।
माहाकुली, (स्त्री.) कुलीन स्त्री।
माहात्म्य, (न.) महिमा।
माहिष, (न.) भैंस का दूध।
माहिष्य, (पुं.) [illegible]।
माहेन्द्र, (पुं.) इन्द्र का। [illegible] विशेष। [illegible]। इन्द्र की [illegible]।
माहेय, (पुं.) [illegible]। मङ्गल ग्रह। [illegible]।
माहेश्वर, (वि.) शिव सम्बन्धी। शिव पूजक।
माहेश्वरी, (स्त्री.) दुर्गा।

मि, (क्रि.) फेंकना।
मिञ्ज्, (क्रि.) रोकना। चिकना।
मित्, (स्त्री.) सन्ध्या।
मित, (त्रि.) परिमित। मापा हुआ। निर्दिष्ट। सीमाबद्ध।
मितङ्गमे, (पुं.) धीरे धीरे चलना। हाथी।
मितद्रु, (पुं.) समुद्र।
मितम्पच, (पुं.) सूम।
मिति, (स्त्री.) ज्ञान। मान। प्रमाण। साक्ष्य। [illegible]।
मित्र, (न.) सूरज। दोस्त।
मित्रविन्द, (पुं.) अग्नि।
मित्रता, } मित्रत्व, } (स.) मैत्री। दोस्ती।
मित्रयु, (पुं.) मित्रवत्सल।
मिथ्, (क्रि.) मिलना। मारना। समझना। काटना। पकड़ना।
मिथस्, (अव्य.) अकेले। आपस में।
मिथिला, (स्त्री.) तिरहुत। राजा जनककी पुरी।
मिथुन, (न.) स्त्री पुरुष का जोड़ा। मेष से तीसरी राशि। मिथ के अर्थ मिलन।
मिथ्या, (अव्य.) असत्य। झूठ।
मिथ्यादृष्टि, (स्त्री.) [illegible]।
मिथ्याभिशंसन, (न.) शपथ खा कर [illegible] करना या मुकरना।
मिथ्याभियोग, (पुं.) झूठी [illegible]।
मिथ्याभिशंसन, (न.) झूठा कलङ्क।
मिथ्याभिधान, (पुं.) झूठा [illegible]।
मिथ्यामति, (स्त्री.) भ्रम। भूल।
मिद्, (क्रि.) [illegible]।
मिद्, (क्रि.) [illegible]।
[illegible], (पुं.) [illegible]।
[illegible], (पुं.) [illegible]
[illegible], (पुं.) [illegible]।
[illegible], (क्रि.) [illegible]।
[illegible] (क्रि.) [illegible]

मिश्रव्यवहार, (पुं.) गणितशास्त्रकी क्रिया विशेष
मिष्, (क्रि.) दूसरों को नीचा दिखाने की अभिलाषा। आँख मारना। नम्र करना।
मिष, (न.) स्पर्द्धा। छल। कपट।
मिषिका, (स्त्री.) जटामांसी।
मिष्ट, (त्रि.) मीठा।
मिह्, (क्रि.) सींचना। प्रवाह या फैलाव करना। वीर्य निकालना।
मिहिका, (स्त्री.) पाला। बर्फ।
मिहिर, (पुं.) सूर्य। आक का पेड़। वृद्ध। मेघ। चन्द्रमा। वायु।
मिहिराण, (पुं.) शिव।
मी, (क्रि.) मारना। कम करना। बदलना। भ्रष्ट करना। खोना। भटकना। जाना। जानना। मरना। नष्ट होना।
मीढ, (त्रि.) मूता हुआ।
मीढुष्टम, (पुं.) शिव। सूर्य। चोर।
मीन, (पु.) मछली। बारहवीं राशि।
मीनकेतन, (पु.) कामदेव।
मीनगन्ध, (पु.) सत्यवती।
मीनाण्डा, (स्त्री.) मिश्री। परिष्कृत शर्करा। मछली का [illegible]।
मीम्, (क्रि.) शब्द करना।
मीमांसक, (पु.) मीमांसा शास्त्र के ज्ञाता अथवा उसके पढ़ने वाले। पण्डित। सिद्धान्ती। निर्णायक।
मीमांसा, (स्त्री.) विचार। अनुसन्धान। आस्तिक षड्दर्शनों में से एक दर्शन का नाम। यह दर्शन दो भागों में विभक्त है एक पूर्वमीमांसा है, जिसके कर्ता [illegible] हैं। इस भाग में कर्म का प्रतिपादन किया गया है। दूसरे भाग का नाम उत्तरमीमांसा है। इसके रचयिता [illegible] हैं। इसमें [illegible] का निरूपण है। [illegible]।
मीर, (पु.) समुद्र। [illegible]। [illegible]। [illegible]।

मील्, (क्रि.) पलकों को बन्द करना । मुर्झाना । मिलना ।

मीलन, (न.) सकोड़ना । बन्द करना ।

मीलित, (त्रि.) अन्तर्हित । सङ्कुचित । अलङ्कार विशेष ।

मीव्, (क्रि.) जाना । मोटा होना ।

मीवर, (त्रि.) अहितकर । मान्य । सेनापति ।

मीवा, (स्त्री.) पवन ।

मु, (पुं.) शिव । चिता । मूत्र रज्जु ।

मुकुट, (पुं.) शिरोभूषण । ताज ।

मुकु, (पुं.) छुटकारा । उत्सर्ग । त्याग । मोक्ष ।

मुकुन्द, (पुं.) मोक्षदाता । विष्णु । पारा । बहुमूल्य रत्न विशेष । कुबेर की नव निधियों में से एक । एक प्रकार का होम ।

मुकुम्, (अव्य.) मोक्ष । निर्विकल्पक समाधि ।

मुकुर, (पुं.) शीशा । दर्पण । बकुल वृक्ष । कुम्हार का डण्डा । मालती का पेड़ । कली ।

मुकुल, (पुं. न.) अधखिली कली । आत्मा । शरीर ।

मुकुष्ठ, } (पुं.) एक प्रकार की सेम या
मुकुष्ठक, } मोठी ।

मुक्त, (त्रि.) छुटकारा पाया । आनन्दयुक्त ।

मुक्तसङ्ग, (त्रि.) परिव्राजक । संन्यासी ।

मुक्तहस्त, (त्रि.) उदार । बहुदानशील ।

मुक्ता, (स्त्री.) मोती ।

मुक्ताप्रसू, (स्त्री.) सीप ।

मुक्ताफल, (न.) मोती । कपूर । सीताफल । बोपदेव कृत ग्रन्थ विशेष, जिसमें भक्ति का विशेष वर्णन है ।

मुक्तावली, (स्त्री.) मोतियों की माला । इस नाम का न्यायशास्त्र ग्रन्थ ।

मुक्तास्फोट, (पुं. स्त्री.) सीप ।

मुक्ति, (स्त्री.) छुटकारा । मोक्ष ।

मुक्तिक्षेत्र, (न.) काशी धाम ।

मुक्त्वा, (अव्य.) छुटकारा पाकर । अतिरिक्त । छोड़ कर ।

मुख, (न.) मुँह । चुम्बन । चूचुक । सामने या आगे का भाग । तीर का अग्रभाग । द्वार । उपोद्घात । आय । प्रधान ।

मुखज, (पुं.) विप्र ।

मुखनिरीक्षक, (त्रि.) मुँह की ओर देखने वाला । आलसी । खुशामदी ।

मुखपूरण, (न.) अञ्जलि भर जल ।

मुखभूषण, (न.) पान । बीड़ा ।

मुखर, (त्रि.) बड़ बड़ाने वाला । बकवादी । बहुत शब्द करने वाला । अपशब्द बोलने वाला । अप्रियवादी । काक । शङ्ख ।

मुखरित, (त्रि.) शब्द करने वाला ।

मुखलाङ्गल, (पुं.) सूअर ।

मुखवल्लभ, (पुं.) अनार का पेड़ ।

मुखवास, (पुं.) गन्ध द्रव्य । कपूर ।

मुखवासन, (पुं.) मुख को सुगन्धियुक्त करने वाला ।

मुखव्यादान, (पुं.) मुख खोलना । [illegible] । जमुहाई ।

मुखशोधन, (न.) दालचीनी ।

मुखस्राव, (पुं.) लार ।

मुखाग्नि, (पुं.) ब्राह्मण । दावानल ।

मुख्य, (त्रि.) प्रधान । अव्वल ।

मुग्ध, (त्रि.) मूढ़ । सरल । भोला । [illegible] । सुन्दर ।

मुग्धा, (स्त्री.) नायिका भेद ।

मुच्, (क्रि.) ढलना । छोड़ना ।

मुचकुन्द, } (पुं.) पुष्प वृक्ष
मुचुकुन्द, } विशेष । राजा मान्धाता के पुत्र का नाम ।

मुचुकुन्दप्रसादक, (पुं.) श्रीकृष्ण ।

मुचिर, (त्रि.) उदार । (पुं.) देव विशेष । नेकी । पवन ।

मुचिलिन्द, (पुं.) एक प्रकार का पुष्प।
मुचुटी, (स्त्री.) चींमटी।
मुज, मुञ्ज, (क्रि.) साफ करना। बनाना। शब्द करना।
मुञ्ज, (पु.) मूंज। जिससे ब्राह्मणों के लिये मेखला बनायी जाती है। मेखला। धार नगरी के एक राजा का नाम। जो भोज के चाचा थे।
मुञ्जाद, मुञ्जातक, (पुं.) एक प्रकार का पौधा।
मुञ्जर, (न.) कमल की जड़।
मुट, (क्रि.) तोड़ना। पीसना। दबाना।
मुण्ड, (क्रि.) बालों का काटना, या मूंडना।
मुण्ड, (पु. न.) मस्तक। एक दैत्य। नाई। डालपात हीन वृक्ष।
मुण्डक, (पुं.) नाई।
मुण्डफल, (पुं.) नारियल।
मुण्डिन्, (पु.) नाई।
मुण्, (क्रि.) वचन हारना। प्रतिज्ञा करना।
मुक्त, (न.) मोती।
मुद, (क्रि.) प्रसन्न होना।
मुद, मुदा, (स्त्री.) हर्ष।
मुदिर, (पुं.) बादल। कामुक। कामी। [illegible]।
[illegible], (स्त्री.) [illegible]। [illegible]।
मुद्ग, (पु.) मूंग। पक्षी विशेष। [illegible]।
मुद्गर, (न.) [illegible]। [illegible]। [illegible]।
मुद्गल, (पु.) एक ऋषि का नाम। एक [illegible]।
मुद्गष्ट (पु.) [illegible]।
मुद्रा (स्त्री.) [illegible]। [illegible]। [illegible]

मुद्रालिपि, (स्त्री.) छापे के अक्षर। [illegible] प्रकार की लिखावटों में से एक।
मुद्रिका, (स्त्री.) अंगूठी। मोहर। [illegible]।
मुद्रित, (त्रि.) चिह्नित। बन्द हुआ। [illegible]।
मुधा, (अव्य.) मिथ्या। झूठ। [illegible]। वृथा।
मुनि, (पु.) पवित्र पुरुष। ऋषि। सात की गिनती।
मुनिभेषज, (न.) हर्रे। [illegible]। [illegible]।
मुनीन्द्र, (पु.) ऋषिश्रेष्ठ। [illegible] भगत। [illegible]।
मुन्थ, (क्रि.) जाना।
मुन्था, (स्त्री.) ज्योतिष के ताजिक (वर्ष फल) भाग में प्रयुक्त होने वाला एक विशेष ग्रह। दसवाँ ग्रह।
मुम्मुर, (न.) अंगार। [illegible]।
मुमुक्षा, (स्त्री.) मोक्ष की कामना।
मुमुक्षु, (त्रि.) मोक्ष की इच्छा वाला।
मुमुचान, (पु.) बादल।
मुमुषिषु, (पु.) चोर।
मुमूर्षु, (त्रि.) आसन्नमृत्यु।
मुर, (क्रि.) घेर लेना। [illegible]।
मुर, (पु.) दैत्य विशेष। [illegible]। [illegible]।
मुरज, (पु.) मृदंग। [illegible]।
मुरद्विषु, (पु.) विष्णु। मुरारी।
मुरला, (स्त्री.) केरल देश की एक नदी का नाम।
मुरली, (स्त्री.) वंशी। वेणु।
मुरलीधर, (पु.) श्रीकृष्ण। [illegible]।
मुर्छ्, (क्रि.) मूर्छित होना।
मुर्मुर, (पु.) [illegible]। [illegible] [illegible]।
[illegible], [illegible], (स्त्री.) [illegible]।
[illegible], (पु.) [illegible]

मुष, (क्रि.) मुसना । चुराना ।
मुषल, } (पुं.) मूसल जिससे अनाज
मुशल, } उखली में कूट कर साफ़ किया जाता है ।
मुसल, }
मुषित, (त्रि.) चुराया हुआ द्रव्य । वह मनुष्य जिसका द्रव्य चोर चुरा ले गये हों ।
मुष्क, (पु.) अण्डकोश । चोर । वृक्ष विशेष । मोटा आदमी ।
मुष्कशून्य, (पु.) खोजा । नपुंसक ।
मुष्टि, (पु. स्त्री.) मुट्ठी । माप विशेष । मूठ या मुठिया । लिङ्ग । (स्त्री.) चुराना ।
मुष्टिमुष्टि, (अव्य.) घूँसों की लड़ाई ।
मुष्टिक, (पुं.) कंस का एक पहलवान । सुनार । क्षेम ।
मुष्टिकान्तक, (पु.) बलदेव । मुष्टिकासुर मल्ल के काल ।
मुष्टिन्धय, (पु.) बालक । बच्चा । मुट्ठी चूसने वाला ।
मुष्टिबन्ध, (पुं.) मुट्ठी बाँधना । मुट्ठी भर ।
मुष्पक, (पु.) काली सरसों । राई ।
मुस, (क्रि.) टुकड़े टुकड़े करना । चीरना । काटना ।
मुसल, (पु.) मूसल ।
मुसलिन्, (पु.) बलराम । मुसलधारी ।
मुसलीका, (स्त्री.) बिसखुपरा । छिपकली ।
मुस्त्, (क्रि.) ढेर करना । एकत्र करना ।
मुस्त, (पु.) मोथा । तृणविशेष ।
मुस्त, (न.) छोड़ा । मूसल । द्वार ।
मुह्, (क्रि.) बेसुध होना । अचेत होना । मूर्च्छित होना । हैरान होना । गड़बड़ी में पड़ना ।
मुहिर, (पु.) कामदेव । मूर्ख ।
मुहुक, (न.) (वैदिक प्रयोग) क्षण । पल ।
मुहुस्, (अव्य.) प्रायः । बार बार ।
मुहूर्त, (पु. न.) ४८ मिनिट का काल विशेष । किसी कार्य के लिये नियत समय ।
मुहेर, (पु.) मूर्ख । ज्योतिषी ।

मू, (क्रि.) बाँधना ।
मूक, (पु.) मत्स्य । मछली । गूँगा । दीन । दैत्य विशेष ।
मूकिमन्, (पु.) गूँगापन ।
मूत, (त्रि.) बँधा हुआ । सिला हुआ ।
मूत्र, (न.) पेशाब ।
मूत्रकृच्छ्र, (सं.) पेशाब की बीमारी जिसमें पेशाब बड़े कष्ट से उतरता है ।
मूर, (त्रि.) मूर्ख । मारा करना ।
मूर्ख, (त्रि.) बुद्धिहीन । गँवार ।
मूर्च्छना, (स्त्री.) बेसुध होना ।
मूर्च्छा, (स्त्री.) मोह । मनश्चैतन्यावस्था । वृद्धि ।
मूर्च्छित, (त्रि.) मूर्च्छित । बेसुध । अचेत ।
मूर्त, (त्रि.) अचेत । बेहोश ।
मूर्ति, (स्त्री.) प्रतिमा । विग्रह ।
मूर्तिमत्, (पु.) आकारविशेष । शरीर । कला ।
मूर्धन्, (पु.) माथा । सर्वोच्च स्थान । नेता । सरदार । आधार ।
मूर्धज, (पुं.) केश । बाल ।
मूर्धन्य, (त्रि.) माथे में उत्पन्न होने वाले । ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष ये मूर्धन्य कहलाते हैं ।
मूर्धाभिषिक्त, (पुं.) क्षत्रिय । राजा । सर्व-श्रेष्ठ । मन्त्री ।
मूर्वा, } (स्त्री.) एक लता, जिसके द्वारा
मूर्वी, } पत्तों की रस्सियाँ और डोरियाँ
मूर्विका, } भी करधनी बनायी जाती है ।
मूल्, (क्रि.) स्थिर होना । पक्का होना । लगाना । उगाना ।
मूल, (न.) जड़ । नींव । आधार । यथार्थ । मुख्य । पारम्पर्यगत प्राप्त सेवक । धनमूल । निकुञ्ज । पूँजी । सामीप्य । पिप्पलीमूल । उन्नीसवाँ नक्षत्र ।
मूलक, (न.) एक प्रकार का कन्द । मूली ।
मूलकर्मन्, (न.) मुख्य काम । जादू । मन्त्र और औषधि से किये जाने वाले कर्म ।

मूलकृच्छ्र, (न.) व्रतविशेष।
मूलप्रकृति, (स्त्री.) प्रधान प्रकृति। युद्ध के चार सिद्धान्त, जिन पर युद्ध के समय ध्यान दिया जाता है, यथा—विजिगीषु, अरि, मध्यम और उदासीन।
मूलिन्, (पुं.) वृक्ष।
मूषिकभुज, (पुं.) [illegible]।
मूलाधार, (पुं.) नाभि। लिङ्ग का मध्य भाग। तंत्र का विशेष माना एक चक्र।
मूल्य, (न.) दाम। कीमत।
मूष, (क्रि.) लूटना।
मूषक, } (पुं. स्त्री.) मूसा। चूहा।
मूष,
मूषिक, (पुं.) चूहा।
मूषी, (स्त्री.) घरिया जिसमें रख कर सोना चाँदी पिघलाया जाता है।
मृ, (क्रि.) मरना। मरजाना।
मृकण्डु, (पुं.) एक ऋषि का नाम।
मृक्ष, (क्रि.) [illegible] चोखा करना। [illegible]।
मृग, (पुं.) पशुमात्र। हिरन। हाथी। चन्द्रकलङ्क। अश्विनी से पाँचवाँ नक्षत्र। [illegible]। [illegible]। कस्तूरी। मकर राशि। [illegible] का [illegible]।
मृगगामिनी, (स्त्री.) [illegible]।
मृगदंशक, (पुं.) [illegible]।
मृगतृष्णा, (स्त्री.) [illegible]।
मृगतृष्णिका, (स्त्री.) [illegible]।
मृगधूर्त्तक, (पुं.) [illegible]।
मृगधूर्त्त, (पुं.) [illegible]।
मृगनाभि, (पुं.) कस्तूरी।
मृगनेत्रा, (स्त्री.) [illegible]।
[illegible] (पुं.) [illegible]।
[illegible] (पुं.) [illegible]।
[illegible] (पुं.) [illegible]।

मृगमद, (पुं.) कस्तूरी।
मृगया, (स्त्री.) अहेर। शिकार।
मृगयु, (पुं.) ब्रह्मा। शृगाल।
मृगराज, (पुं.) सिंह। चन्द्रमा।
मृगलक्षण, (पुं.) चन्द्रमा।
मृगवाहन, (पुं.) वायु।
मृगव्य, (न.) शिकार। अहेर।
मृगशिरस्, (न. पुं.) अश्विनी से पाँचवाँ नक्षत्र।
मृगाक्षी, (स्त्री.) इन्द्रायन। हिरन के समान नेत्र वाली स्त्री।
मृगाण्डजा, (स्त्री.) कस्तूरी।
मृगादन, (पुं.) छोटा भेड़िया।
मृगाराति, (पुं.) सिंह। भेड़िया। कुत्ता।
मृगाविध, (पुं.) व्याध। शिकारी।
मृगित, (त्रि.) माँगा गया।
मृगेन्द्र, (पुं.) सिंह।
मृगेन्द्रचटक, (पुं.) श्येन। बाज पक्षी।
मृज, (क्रि.) साफ करना। सजाना।
मृजा, (स्त्री.) साफ करना।
मृड, (क्रि.) प्रसन्न करना। प्रसन्न होना।
मृड, (पुं.) शिव।
मृडा, } (स्त्री.) पार्वती।
मृडानी,
मृडी,
मृडीक, (पुं.) [illegible]।
मृण, (क्रि.) मारना।
मृणाल, (न.) कमल की डण्डी का सूत।
मृणालिन, (पुं.) कमल।
मृणालिनी, (स्त्री.) [illegible]।
मृत, (न.) [illegible]।
मृतक, (न.) [illegible]।

मृतकल्प, (वि.) मृतप्राय।
मृतवत्सा, (स्त्री.) मरी हुई सन्तान वाली स्त्री।
मृतसञ्जीवनी, (स्त्री.) एक बूटी। तांत्रिक विद्या विशेष।
मृतस्नात, (वि.) मरने पर नहाने वाला।
मृताण्ड, (पु.) सूर्य।
मृतालक, (न.) एक प्रकार की मिट्टी।
मृति, (स्त्री.) मौत।
मृत्तिका, (स्त्री.) मिट्टी।
मृत्यु, (पु.) मरण। मौत। यम। कामदेव।
मृत्युनाशक, (पुं.) मौत को नाश करने वाला।
मृत्युञ्जय, (पु.) शिव।
मृत्स्ना, (स्त्री.) बहुत स्वच्छ मिट्टी। धूल।
मृद्, (क्रि.) चूर करना।
मृद्, } (स्त्री.) मृत्तिका।
मृदा, }
मृदङ्कुर, } (पुं.) हरे रङ्ग का कपोत या कबूतर।
मृदङ्कुण, }
मृदङ्ग, (पु.) एक प्रकार की ढोलक।
मृद्राकर, (पु.) वज्र। कुलिश।
मृदु, (वि.) कोमल। निर्बल। मीठा। धीमा। शनिग्रह।
मृदुत्वच्, (पुं.) भोजपत्र।
मृदुल, (न.) जल। (वि.) कोमल।

मृषोद्य, (न.) मिथ्या कथन।
मृष्ट, (न.) शोधित। मिर्च।
मृष्टेरुक, (वि.) स्वार्थी। उदार।
मृ, (क्रि.) वध करना।
मे, (क्रि.) बदलना। विनिमय।
मेक, (पु.) बकरा।
मेकल, } (पु.) पर्वत विशेष। बकरा।
मेखल, }
मेकल+अद्रिजा, } (स्त्री.) नर्मदा नदी।
मेकलकन्यका, } [मेकलकी जगह "मेखल"
मेकलकन्या, } भी होता है]।
मेखला, (स्त्री.) कमरपेटी। करधनी। प्रथम तीन वर्णों के पहरने का कटिसूत्र। तलवार का परतला। घोड़े का तंग। नर्मदा। होमकुण्ड।
मेखलाल, (पु.) शिव।
मेखलिन्, (पु.) शिव। ब्रह्मचारी।
मेघ, (पु.) बादल। मोथा। राग विशेष। राक्षस विशेष। रोग भेद।
मेघगर्जन, (पुं.) बादल की [illegible]
मेघज्योतिस्, (न.) बिजली।
मेघनाद, (पु.) वरुण। रावण का पुत्र। मेघगर्जन।
मेघयोनि, (स्त्री.) [illegible]
मेघवर्त्मन्, (न.) [illegible]
मेघवह्नि, (पुं.) [illegible]
मेघवाहन, (पुं.) [illegible]

मेठ, (पु.) मेढ़ा। महावत।

मेठि, मेथि, (पु.) खम्भा। खूँटा।

मेढ्र, मेढ्रक, (पुं.) मेढ़ा। लिङ्ग।

मेथिका, मेथिनी, (स्त्री.) तृण विशेष। मेथी।

मेद्, (क्रि.) मोटा। अलम्बुषा। सर्परूपी दानव विशेष।

मेदस्, (न.) चर्बी।

मेदस्कृत्, (पु.) मांस।

मेदिनी, (स्त्री.) पृथिवी।

मेदुर, (त्रि.) मोटा। चिकना। घना।

मेद्य, (त्रि.) देखो मेदुर।

मेध, (पुं.) बलि, यथा—नरमेध, अश्वमेध। यज्ञपशु। बलि। मांस का रस।

मेधज, (पु.) विष्णु।

मेधा, (स्त्री.) धारणावती बुद्धि। सरस्वती का रूप विशेष। बलि। शक्ति। सामर्थ्य। याग।

मेधाविन्, (पुं.) बड़ी बुद्धि वाला। जिसकी धारणा शक्ति बहुत अच्छी हो। तोता। मदिरा विशेष।

मेधातिथि, (पु.) अरुन्धती का पिता। मनुस्मृति का एक टीकाकार।

मेधिर, (त्रि.) अच्छी बुद्धि वाला।

मेधिष्ठ, (त्रि.) बड़ा बुद्धिमान्।

मेध्य, (त्रि.) पवित्र। खदिर। जौ। केतकी। शङ्खपुष्पी। (स्त्री.) रोचना। शमी।

मेनका, (स्त्री.) एक अप्सरा का नाम। जिसके गर्भ से शकुन्तला का जन्म हुआ था। हिमालय की स्त्री।

मेनकात्मजा, (स्त्री.) पार्वती।

मेना, (स्त्री.) हिमालयपत्नी। नदी विशेष। पितरों के मन से उत्पन्न हुई कन्या।

मेमार, (पु.) [illegible]। शिल्पी। [illegible]।

मेन्धिका, मेन्धी, (स्त्री.) मेंहदी।

मेय, (त्रि.) मापने योग्य। जानने योग्य। ज्ञेय।

मेरक, (पुं.) विष्णु के एक शत्रु का नाम। खाल से ढका आसन।

मेरु, (पुं.) एक शास्त्र कल्पित पर्वत जिसके चारों ओर समस्त नक्षत्र घूमा करते हैं और जो कई एक द्वीपों का मध्य भाग समझा जाता है। कहा जाता है यह सुवर्ण और रत्नों का बना है। जपमाला के ऊपर का दाना।

मरुक, (पुं.) गन्ध द्रव्य।

मेरुसावर्णि, (पु.) ग्यारहवें मनु का नाम।

मेलक, (त्रि.) मिलाप। संग।

मेला, (स्त्री.) स्याही। नील का पेड़। सुर्मा। मिलाना।

मेलाम्बु, (पुं.) दवात।

मेव्, (क्रि.) पूजा करना। सेवा करना।

मेष, (पुं.) मेढ़ा। भेड़। पहिली राशि। ज्योतिश्चक्र का बारहवाँ भाग।

मेषा, (स्त्री.) छोटी इलायची।

मेषाण्ड, (पु.) इन्द्र।

मेथिका, मेथी, (स्त्री.) मेथी।

मेह, (पुं.) पेशाब। प्रमेह का रोग। सुजाक रोग। मेढ़ा। बकरा।

मेहनी, (स्त्री.) हल्दी।

मेहन, (न.) मूत्रेन्द्रिय। लिङ्ग।

मैत्र, (न.) मित्र का। मित्र का दिया हुआ। मित्रभाव से। वर्णसङ्कर जाति विशेष। गुदा। मित्र। मित्र देवता। अनुराधा।

मैत्रावरुण, मैत्रावरुणि, (पुं.) वाल्मीकि। अगस्त्य। वसिष्ठ।

मैत्री, (स्त्री.) मित्रता। दोस्ती।

मैत्रेय, (त्रि.) मित्र की सन्तान। [illegible]। (पु.) [illegible] जाति विशेष।

मैत्रेयिका, (स्त्री.) मित्रयुद्ध।

मैथुन, (न.) रति। [illegible]।

मैथिल, (पुं.) मिथिला का एक राजा। मिथिला राज्यवासी।

मैथिली, (स्त्री.) सीता।

मैथुन, (न.) जोड़ा। विवाह द्वारा मिलन। भोगसम्बन्धी। विवाह। सम्बन्ध। अग्न्याधान।

मैधावक, (न.) बुद्धि।

मैनाक, (पुं.) हिमालय के औरस से मेनका के गर्भ से उत्पन्न पहाड़। केवल इसीके पर रह गये हैं। इसीने हनुमान का समुद्र जाते समय आतिथ्य करना चाहा था।

मैनाकस्वसृ, (स्त्री.) पार्वती।

मैनाल, (पुं.) मछली मारने वाला। धीवर।

मैन्द, (पुं.) एक दैत्य जो कृष्ण द्वारा मारा गया था।

मैरेय, (पु.) मदिरा भेद।

मैलिन्द, (पुं.) मधुमक्षिका।

मोक, (न.) पशु का अलग कियाहुआ चर्म।

मोक्ष्, (क्रि.) छूटना। खोलना। फेंकना। अलग करना।

मोक्ष, (पु.) मुक्ति।

मोक्षद्वार, (पु. न.) सूर्य।

मोक्षपुरी, (स्त्री.) मोक्ष देने वाली पुरी काञ्ची। काशी। मोक्ष देने वाली सात पुरियाँ हैं।

"अयोध्या मथुरा माया काशी काञ्ची अवन्तिका। पुरी द्वारावती चैव सप्तैता मोक्षदायिकाः॥"

मोघ, (त्रि.) निरर्थक। त्यक्त।

मोघोलि, (पुं.) बाड़ा। घेरा।

मोच, (पु.) केले का पेड़। शोभाञ्जन वृक्ष।

मोचक, (पु.) मोक्ष। वैराग्यसम्पन्न। केले का पेड़। [illegible]। वृक्ष।

मोटक, (न.) कुशा के बने और श्राद्ध के काम के पट्टे।

मोट्टायित, (न.) प्रेमपूर्वक प्रिय से मिलने के लिये स्त्री की अभिलाषा विशेष।

मोण, (पु.) सूखा फल विशेष। साँप के रखने की पिटारी।

मोद, (पुं.) हर्ष। प्रसन्नता।

मोदक, (पु.) लड्डू। प्रसन्न करने वाला। कहार।

मोदिनी, (स्त्री.) अजमोदा। [illegible]। मल्लिका। कस्तूरी। मदिरा।

मोरट, (पुं.) पेवसी। गन्ने की जड़। अङ्कोल वृक्ष का फूल।

मोष, (पु.) चोर। चोरी। लूट। चोरी की वस्तु।

मोषक, (पु.) चोर। डाकू।

मोषण, (न.) लूटना। चुराना। काटना। मारना।

मोह, (पु.) मूर्च्छा। अज्ञान। दुःख। शरीर में आत्माभिमान।

मोहन, (पुं.) मोहोत्पादक। कामदेव का एक तीर।

मोहरात्रि, (स्त्री.) ब्रह्मा का पचासवाँ साल। जन्माष्टमी की रात्रि।

मोहिनी, (स्त्री.) एक अप्सरा का नाम। बड़ी सुन्दरी स्त्री। विष्णु ने जिस स्त्री का रूप अमृतहरण के लिये धारण किया था उसका नाम। चमेली का फूल।

मौकलि, } मौकुलि, } (पु.) काक। कौआ।

मौक्तिक, (न.) मोती।

मौक्तिकप्रसवा, (स्त्री.) सीप।

मौक्तिकसर, (पु.) मोतियों का हार।

मौक्य, (न.) गूँगापन।

मौख्य, (न.) प्राधान्य।

मौखरि, (पु.) एक वंश का नाम।

मौखर्य, (न.) बहुभाषित्व। गाली।

मौग्ध्य, (न.) सुन्दरता। निर्दोषता।

मौच, (न.) केले की फली।

मौञ्जी, (स्त्री.) करधनी।

मौञ्जीबन्धन, (पु.) उपनयन संस्कार जिसमें बटुक के हाथ दण्ड कटिदेश की बन्धन किया जाता है।

मौण्ड्य, (न.) गञ्जापन। सिर के बालों का मुण्डन।
मौढ्य, (न.) लड़कपन। मूढ़ता।
मौद्गलि, (पुं.) काक।
मौद्गल्य, (पुं.) मुद्गलमुनि की एक सन्तान। एक मुनि विशेष।
मौद्गीन, (न.) मूंग उपजाने योग्य एक खेत।
मौन, (न.) चुपचाप। स्मृति का वचन है कि नीचे लिखे काम चुपचाप करे अर्थात् इन कामों को करते समय बात चीत न करे या बोले नहीं। १ उच्चार। २ मैथुन। ३ प्रस्राव। ४ दन्तधावन। ५ स्नान, भोजन।
मौनिन्, (पुं.) मौनी। मुनि।
मौरजिक, (त्रि.) ढोल वाला। मृदङ्ग बजाने वाला।
मौर्ख्य, (न.) मूर्खता। जड़ता।
मौर्वी, (स्त्री.) मूर्वानाम्नी बेल से बनी। धनुष का डोरा। प्रत्यञ्चा।
मौल, (त्रि.) पुराना। पहले का। मूलो-द्भव।
मौलि, (पुं. स्त्री.) चोटी। मुकुट। अशोक का पेड़। भूमि।
मौषल, (न.) मूसलों वाला। महाभारत का पर्व विशेष जिसमें मूसल द्वारा एक कुल का नाश वर्णन किया गया है।
मौहूर्त, (पुं.) ज्योतिषी।
म्ना, (क्रि.) बारम्बार मन ही मन कहना। याद करना।
म्नात, (त्रि.) दुहराया हुआ। याद किया हुआ। अभ्यस्त किया हुआ।
म्रक्ष्, (क्रि.) मसलना। इकट्ठा करना। मलना। चिकना करना। मिलाना। असत्य रूप से ढंकना।
म्रक्ष, (पुं.) दम्भ। ढोंग।
म्रक्षण, (न.) तेल मलना। चुपड़

म्रद्, (क्रि.) चूर्ण करना। कुचल
म्रदिमन्, (पुं.) कोमलता। नि
म्रदिष्ठ, (त्रि.) अति कोमल।
म्रुच्, (क्रि.) जाना।
म्रुञ्च्, (क्रि.) जाना।
म्रेट्, म्रेड्, (क्रि.) पगलाना।
म्रियमाण, (त्रि.) मृतकल्प। मु
म्लक्ष्, (क्रि.) काटना या करना।
म्लानि, (स्त्री.) कुम्हलाना। मुर
म्लिष्ट, (न.) अस्पष्ट। जड़ी हुआ।
म्लुच्, म्लुञ्च्, (क्रि.) जाना।
म्लेच्छ्, म्लेछ्, (क्रि.) अस्पष्ट या बोलना।
म्लेच्छ, (पुं.) अनार्य। नीच और जाति विशेष। पामर लोग।
म्लेच्छकन्द, (पुं.) लहसन। प्याज
म्लेच्छजाति, (स्त्री.) गोमांस जाति।
म्लेच्छमुख, (न.) तांबा।
म्लेट्, म्लेड्, (क्रि.) पगलाना।
म्लेव्, (क्रि.) पूजना। सेवा करना।
म्लै, (क्रि.) मुरझाना।

य

य, (पुं.) जाने वाला। गाड़ी। हवा। लन। कीर्ति। जौ। रोक। स्थान। छन्द विशेष। यव का
यकन्, यकृत्, (न.) दहिनी कोख पिण्ड।
यक्ष्, (क्रि.) पूजा करना। सजाना।
यक्ष, (पुं.) देवयोनि विशेष जो कहलाते हैं। इन के राजा

यक्षकर्दम, (पुं.) लेप जिसमें कपूर, केसर, कस्तूरी, चन्दन, शीतलचीनी, अगुरु मिला हुआ है।
यक्षतरु, (पुं.) वट वृक्ष।
यक्षधूप, (पुं.) धूप विशेष।
यक्षराज, (पुं.) कुबेर।
यक्षरात्रि, (स्त्री.) कार्तिकी पूर्णिमा की रात।
यक्षामलक, (न.) पिण्डखजूर का फल।
यक्षिणी, (स्त्री.) यक्ष की स्त्री। कुबेरपत्नी।
यक्ष्म, यक्ष्मन्, (पुं.) क्षई रोग।
यक्ष्मघ्नी, (स्त्री.) दाख। अङ्गूर।
यज्, (क्रि.) यज्ञ करना। यजन करना। पूजन करना। दान देना और सत्कार करना।
यजति, (पुं.) एक प्रकार का यज्ञ।
यजन, (पुं.) यज्ञ।
यजमान, (पुं.) जो यज्ञ करता और यज्ञ कराने वालों को दक्षिणा देता।
यजुर्वेद, (पुं.) वेद का नाम।
यजुष्, (न.) यजुर्वेद।
यज्ञपशु, (पुं.) घोड़ा। बकरा।
यज्ञपुरुष, (पुं.) विष्णु।
यज्ञभूषण, (पुं.) सफेद कुश।
यज्ञयोग्य, (पुं.) गूलर का पेड़, जिसकी लकड़ी यज्ञ के काम में आती है।
यज्ञवल्ली, (स्त्री.) सोमलता।
यज्ञवराह, (पुं.) भगवान् का अवतार विशेष।
यज्ञवाट, (पुं.) यज्ञस्थान।
यज्ञसूत्र, (न.) यज्ञोपवीत। जनेऊ।
यज्ञाङ्ग, (पुं.) उदुम्बर, खदिर, सोम वैकङ्कत सबको कहते।
यज्ञान्त, (पुं.) यज्ञ का अन्त।
यज्ञिक, (पुं.) ढाक वृक्ष।
यज्ञियप्रदेश, (पुं.) वह देश जिसमें काले हिरन घूमा करते हैं।
यज्ञेश्वर, (पुं.) विष्णु।
यज्ञोपवीत, (न.) जनेऊ।
यज्वन्, (पुं.) विधिपूर्वक यज्ञ कराने वाला।
यत्, (क्रि.) यत्न करना।
यतम, (त्रि.) कौन। बहुतों में कौन सा।
यतर, (त्रि.) कौन सा। दो में से कौन सा।
यतस्, (अव्य.) जिससे। क्योंकि।
यतिन्, (पुं.) परिव्राजक। संन्यासी।
यतिनी, (स्त्री.) विधवा स्त्री।
यत्न, (पुं.) उद्योग।
यत्र, (अव्य.) जहाँ।
यथा, (अव्य.) जैसे।
यथाकाम, (अव्य.) इच्छानुसार।
यथाक्रम, (अव्य.) क्रमानुसार।
यथाजात, (त्रि.) मूर्ख। नीच।
यथार्थ, (अव्य.) ठीक। सच।
यथार्ह, (अव्य.) जैसे का तैसा।
यथार्हवर्ण, (पुं.) दूत।
यथाशक्ति, (अव्य.) शक्त्यनुसार।
यथाशास्त्र, (अव्य.) शास्त्रानुसार।
यथास्थित, (अव्य.) ठीक। जहाँ का तहाँ।
यथेप्सित, (अव्य.) इच्छानुसार।
यथोचित, (अव्य.) उचित।
यद्, (सर्वनाम) जो।
यदा, (अव्य.) जब
यदि, (अव्य.) अगर। जो।
यदु, (पुं.) राजा ययाति के औरस और देवयानी से उत्पन्न बड़े पुत्र और यादवों का पूर्वपुरुष। मथुरा के समीप का एक देश।
यदुनन्दन, यदुनाथ, यदुश्रेष्ठ, (पुं.) श्रीकृष्ण।

रत्नगर्भा, (पुं.) समुद्र । कुबेर । पृथिवी । अच्छे लड़के वाली स्त्री ।
रत्नद्वीप, (पुं. न.) द्वीप विशेष ।
रत्नपारायण, (न.) समस्त रत्नों का पूरा पूरा स्थान ।
रत्नमुख्य, (न.) हीरा ।
रत्नवती, (स्त्री.) पृथिवी ।
रत्नसानु, (पुं.) सुमेरु नामक पहाड़ ।
रत्नसू, (स्त्री.) पृथिवी । रत्नगर्भा ।
रत्नाकर, (पुं.) समुद्र । रत्नों की खान ।
रत्नाभरण, (न.) जड़ाऊ गहना ।
रत्नावली, (स्त्री.) रत्नों की माला । वत्सराज की पत्नी । श्रीहर्ष की बनायी एक नाटिका ।
रत्नि, (पुं. स्त्री.) कोहनी । माप विशेष ।
रथ, (पुं.) गाड़ी । [illegible] । शरीर । पैर । बेंत ।
रथकट्या, (स्त्री.) रथों का समूह ।
रथकार, (पुं.) बढ़ई । वर्णसंकर जाति विशेष । [illegible]
रथगुप्ति, (स्त्री.) रथ का [illegible]
[illegible]
[illegible]

रथ्या, (स्त्री.) सड़क ।
रद्, (क्रि.) फाड़ना । तोड़ना ।
रद, (पुं.) दाँत । हाथी का दाँत
रदच्छद, (पुं.) ओठ ।
रदन, (पुं.) दाँत । विदारण ।
रदनिन्, रदिन्, (पुं.) हाथी ।
रध्, (क्रि.) मारना । पकाना ।
रन्तिदेव, (पुं.) चन्द्रवंश का [illegible] कुत्ता । विष्णु ।
रन्तु, (पुं.) रास्ता । नदी ।
रन्ध्र, (न.) छेद । त्रुटि । (ज्योतिष में) लग्न से आठ[illegible]
रन्ध्रबभ्रु, (पुं.) [illegible] ।
रन्ध्रवंश, (पुं.) पोला बाँस ।
रप्, (क्रि.) साफ साफ बोलना ।
रपस्, (न.) दोष । [illegible] । [illegible] हानि ।
रभ्, (क्रि.) आरम्भ करना । जल्दी से लगाना । उत्सुक [illegible] किसी काम को करना [illegible]
रभस, (पुं.) [illegible] । [illegible] किसी [illegible] देना ।
रम्, (क्रि.) खेलना । [illegible] करना ।
रम, (पुं.) [illegible] पति । [illegible] ।
रमक, (पुं.) [illegible] ।
रमठ, (न.) हींग ।
रमण, (पुं.) [illegible] । [illegible]
रमणा, (स्त्री.) [illegible] ।
रमणी, (स्त्री.) [illegible]
रमणीय, (वि.) [illegible]

रमति, (पु.) कामदेव । प्रेमिक । स्वर्ग । समय । काक ।

रमल, (न.) एक प्रकार का ज्योतिःशास्त्र ।

रमा, (स्त्री.) लक्ष्मी । सौभाग्य । धन । दीप्ति ।

रमाकान्त, रमानाथ, रमापति, रमाप्रिय, } (पु.) विष्णु ।

रमाप्रियम्, (न.) कमल ।

रमावेष्ट, (पुं.) तारपीन ।

रम्भ्, (क्रि.) गौओं का (रम्भाना) शब्द करना ।

रम्भ, (पुं.) गौओं का शब्द । गर्जन । आधार । लकड़ी । बाँस । धूलि । दैत्य विशेष ।

रम्भा, (स्त्री.) केला । गौरी । नलकूबर की स्त्री का नाम । यह अप्सरा स्वर्ग की सब अप्सराओं में सुन्दरता में बढ़ चढ़ कर समझी जाती है । वेश्या । एक प्रकार के चावल ।

रम्य, (त्रि.) प्रसन्नकारक । सुन्दर । प्रिय । जम्बूद्वीप के नौ वर्षों में से एक । चम्पक का पेड़ । एक [illegible] । पटोलमूल ।

रम्यपुष्प, (पुं.) शाल्मली वृक्ष ।

रम्यश्री, (पुं.) विष्णु ।

रम्या, (स्त्री.) रात ।

रय्, (क्रि.) जाना ।

रय, (पुं.) नदी की धार । वेग । [illegible] ।

रयि, (पुं. न.) धन । सम्पत्ति (वैदिक प्रयोग) ।

रयिष्ठ, (पुं.) कुबेर । अग्नि । ब्रह्मा ।

रल्लक, (पुं.) कम्बल । पलक । हिरन ।

रव्, (क्रि.) जाना ।

रव, (पुं.) गीत । चिल्लाहट । चिचियाहट । चिड़ियों की बोली । कोलाहल । बादल का शब्द । [illegible] ।

रवण, (पुं.) गर्जन तर्जन । तेज । गरम । चपल । ऊँट । कोयल । पीतल ।

रवणक, (पुं.) बाँस का बना अन्न साफ करने का यंत्र ।

रवि, (पुं.) सूर्य । पहाड़ । अर्क वृक्ष । बारह की संख्या ।

रविकान्त, (पुं.) सूर्यकान्तमणि ।

रविज, रवितनय, रविपुत्र, रविसूनु, } (पुं.) शनि ग्रह । कर्ण । बालि । वैवस्वत मनु । यम । सुग्रीव ।

रविनेत्र, (पुं.) विष्णु ।

रविप्रिय, (न.) लाल कमल का फूल । ताँबा ।

रविरत्न, (न.) माणिक ।

रविलोचन, (पुं.) विष्णु । शिव ।

रविलोह, रविसंज्ञक, } (न.) ताँबा ।

रविसंक्रान्ति, (स्त्री.) रवि का एक राशि से दूसरी राशि पर जाना ।

रवीषु, (पुं.) कामदेव । [illegible] ।

रशना, रसना, } (स्त्री.) रस्सी । लगाम । [illegible] । करधनी । जिह्वा ।

रश्मि, (पुं.) किरण । रस्सी । लगाम । [illegible] । अंकुश । चाबुक । [illegible] ।

रश्मिकलाप, (पुं.) ५४ लड़ का मोती का हार ।

रश्मिमुच, (पुं.) सूर्य ।

रस्, (क्रि.) [illegible]

रस, (पु.) [illegible]

रसकर्पूर, (न.) पारा आदि विषों के योग से बनाया विष विशेष।
रसघ्न, (पुं.) सुहागा।
रसज, (न.) रक्त। लोहू। (पुं.) गुड़। मद्यकीड़।
रसज्ञा, (स्त्री.) जिह्वा।
रसतेजस्, (न.) रक्त। लोहू।
रसन, (न.) स्वाद। ध्वनि।
रसना, (स्त्री.) जिह्वा। रस्सी।
रसराज, (पुं.) पारा।
रसवती, (स्त्री.) पाकस्थान। रसोईघर।
रसशोधन, (न.) सुहागा।
रसा, (स्त्री.) पृथिवी। दाख।
रसातल, (न.) भूमि के नीचे का सातवाँ परदा।
रसाभास, (पुं.) जो यथार्थ न हो पर रस जैसा भान पड़े।
रसायन, (न.) माठा। कटि। विष भेद। दवाई।
रसायनफला, (स्त्री.) हर्रे।
रसाल, (न.) आम का वृक्ष। दूर्वा। द्राक्षा। ईख। गेहूँ।
रसाला, (स्त्री.) जिह्वा। दही जिसमें शक्कर तथा अन्य मसाले मिले हों। दूर्वा। द्राक्षा।
रसालसा, (स्त्री.) नस।
रसास्वादिन्, (पुं.) भौंरा।
रसिक, (वि.) स्वादिष्ट। सुन्दर। रंगीला। विषयी। (पुं.) सुन्दरता का मर्म। हाथी। घोड़ा। सारस पक्षी।
रसिका, (स्त्री.) गन्ने का रस। जिह्वा। स्त्री के पहिने का नारा या कमरबन्द।
रसेन्द्र, (पुं.) पारा।
रसोत्तम, (पुं.) पैन। दूध।
रस्य, (न.) रुधिर। चरण। रुचिर।
रस्न, (न.) वस्तु। पदार्थ।
रंह्, (क्रि.) जाना।
रंहस्, (न.) वेग। जोर।
रह्, (क्रि.) छोड़ना। त्यागना।
रहण, (न.) त्याग। वियोग।
रहस, (न.) एकान्तता। वैराग्य। रहस।
रहस्य, (वि.) छिपाने योग्य। गूढ़। गुप्त।
रहाट, (पुं.) सचिव। दूत।
रहित, (वि.) वर्जित।
रा, (क्रि.) देना।
राका, (स्त्री.) पूर्णिमा। पूर्णमासी की अधिष्ठात्री देवी। हाल की हुई रजस्वला लड़की। खाज। खर तथा तीक्ष्णता की मात्रा।
राक्षस, (पुं.) पिशाच। नन्द के मंत्री का नाम।
राक्षसी, (स्त्री.) पिशाचिनी। दंष्ट्रा। दंत। डाढ़। हाथी का दाँत।
राक्षसेन्द्र, (पुं.) रावण।
राक्षा, (स्त्री.) लाख।
राख्, (क्रि.) सूखना। सजाना। रोकना। योग्य होना। पर्याप्त होना।
राग, (पुं.) रङ्गना। लाल रङ्ग। ललाई। प्रेम। अनुराग। उत्कण्ठा। उत्तेजना। आनन्द। क्रोध। सुन्दरता। गाने का राग। शोक। लालच। असमर्थता। पारा बनाने की एक प्रक्रिया। राजा। सूर्य। चन्द्रमा।
रागाङ्गी, (स्त्री.) मजीठ।
रागिणी, (स्त्री.) गीत का भाग। अनुराग करनेवाली स्त्री। क्रोधयुक्ता। चाहने वाली।
राघ्, (क्रि.) समर्थ होना।
राघ, (पुं.) योग्य अथवा उद्योग पूर्ण पुरुष।
राघव, (पुं.) रघु की सन्तान, विशेष कर श्रीरामचन्द्र। बड़ी जाति की एक मछली। समुद्र।
राङ्कव, (पुं.) केश।
राङ्कव, (न.) हिरन के रोम का बना वस्त्र विशेष।

राज्, (क्रि.) चमकना ।

राज्, } (पुं.) राजा । नरपति । क्षत्री श्रेणी
राज, } या जाति में उत्तम ।

राजक, (न.) राजाओं का समूह । चमकने वाला । (पुं.) छोटा राजा ।

राजकल्प, (पुं.) नृपतुल्य । राजा के समान ।

राजकीय, (त्रि.) राजा का ।

राजकुमार, (पुं.) राजपुत्र । राजा का लड़का ।

राजगिरि, (पुं.) मगध देश का एक पर्वत ।

राजग्, (त्रि.) देश । राजा का मानने वाला ।

राजजम्बु, (स्त्री.) पिण्डखजूर ।

राजयक्ष्मन्, } (पुं.) रोग विशेष ।
राजयक्ष्मन्, }

राजतरु, (पुं.) कनेर का पेड़ ।

राजताल, (पुं.) सुपारी वृक्ष ।

राजदन्त, (पुं.) ऊपर की पंक्ति के बीच वाले दो दाँत ।

राजदेशीय, (पुं.) राजा के तुल्य ।

राजधर्म, (पुं.) प्रजापालनादि कर्म्म ।

राजधानी, (स्त्री.) महानगरी । जहाँ राजा का नित्य निवास हो ।

राजन्, (पुं.) नृप । राजा । चन्द्रमा । पक्षि । क्षत्रिय । यक्ष । इन्द्र । जब यह शब्द किसी शब्द के पहिले या पीछे आता है, तब यह श्रेष्ठत्व का वाचक होता है । राजमार्गः अधिराज ।

राजनीति, (स्त्री.) जिसमें राजा या राज्य सम्बन्धी चाल-चलन आदि का स्पष्ट वर्णन हो । राजाओं और राजपुरुषों का अनुसरणीय शास्त्र । अथवा ग्रन्थ जैसे "कामन्दक स्मृति" आदि ।

राजन्य, (पुं.) क्षत्रिय । राजपुत्र । अग्नि । खीरिका का पेड़ ।

राजन्यक, (न.) क्षत्रियों या राजाओं का समूह ।

राजन्वत्, (त्रि.) सुन्दर राजा वाला देश ।

राजन्वत्, (त्रि.) धार्मिक राजा वाला देश ।

राजपथ, (पुं.) बड़ा रास्ता ।

राजपुत्र, (पुं.) राजा का पुत्र । बुध ग्रह । हाथेला । राजपूत । क्षत्रिय का पुत्र ।

राजभूय, (न.) राजा का असाधारण धर्म्म ।

राजभोग्य, (न.) सुपारी । राजाओं के भोगने योग्य वस्तु ।

राजराज, (पुं.) सम्राट् । चन्द्रमा ।

राजर्षि, (पुं.) क्षत्रिय ऋषि ।

राजवंश्य, (त्रि.) एक जाति विशेष ।

राजवर्मन्, (न.) राजा के करने योग्य काम ।

राजवीजिन्, (त्रि.) राजा के वंश में उत्पन्न ।

राजशाक, (पुं.) बथुए का शाक ।

राजस, (त्रि.) रजोगुण की प्रेरणा से प्रसिद्धि के लिये किया गया कर्म ।

राजसभा, (स्त्री. न.) नृप की सभा । राज-दरबार ।

राजसूय, (पुं.) यज्ञ विशेष । जो पृथ्वी के सब राजाओं को जीत लेने का द्योतक है ।

राजस्व, (न.) राजा का कर ।

राजहंस, (पुं.) कलहंस । जिनके पैर लाल हों और सफेद हों ।

राजादन, (न.) खीरिका । पेड़ ।

राजाम्र, (पुं.) आम विशेष । बड़ा आम । राज आम ।

राजाल, (पुं.) लहा पेड़ ।

राजार्ह, (न.) जम्बू । जामन ।

राजि, } (स्त्री.) कतार । पंक्ति । रेखा ।
राजी, } सफेद सरसों ।

रोहिण, (न.) रोहिणी नक्षत्र में उत्पन्न । विष्णु । वट । रोहितक । भूतृण आदि वृक्षों के नाम ।

रोहिणिका, (पुं.) लाल मुख वाली स्त्री । गले की सूजन ।

रोहिणी, (स्त्री.) लाल रङ्ग की गौ । दक्ष की कन्या । नक्षत्र विशेष । बलराम की जननी और वसुदेव की भार्या । प्रथम बार हुई ऋतुमती लड़की । बिजली । गले की सूजन । मजीठ । हर्रे ।

रोहिणीपति, (पुं.) वासुदेव । चन्द्रमा ।

रोहिणीव्रत, (न.) जन्माष्टमी । श्रीकृष्ण-जयन्ती ।

रोहित, (पुं.) मृग । रोहू मछली । (स्त्री.) लाल घोड़ी । हिरनी ।

रोहित, (त्रि.) लाल । लाल रङ्ग का । (पुं.) लाल रङ्ग । लोमड़ी । मृग विशेष । लाल घोड़ा । हरिश्चन्द्र के पुत्र का नाम । मछली । (न.) लोहू । केसर । इन्द्र-धनुष ।

रोहिताश्व, (पु.) अग्नि ।

रोहिन्, (त्रि.) लम्बा । निकला हुआ । बढ़ा हुआ । (पु.) रोहितक । वट । अश्वत्थ आदि वृक्ष ।

रोहिष, (पु.) एक प्रकार की मछली । एक प्रकार का हिरन ।

रौक्म, (त्रि.) } सुनहला ।
रौक्मी, (स्त्री.) }

रौक्ष्य, (न.) कठोर । कड़ा । रूखापन । निठुरपन ।

रौचनिक, (त्रि.) } कुछ कुछ पीला ।
रौचनिकी, (स्त्री.) }

रौच्य, (पु.) बिल्व वृक्ष का डण्डा । बिल्व वृक्ष की लकड़ी का दण्ड रखने वाला ब्रह्मचारी ।

रौड्, } (क्रि.) अनादर करना ।
रौड़, }

रौद्र, (न.) आठ रसों में से एक । रुद्र देवता का । गुस्सैल । सूर्यताप । भयानक । त्रास-जनक । (पुं.) रुद्र का पूजने वाला । गर्मी । क्रोध । व्यसन । यम । जाड़ा ।

रौद्रकर्मन्, (त्रि.) भयानक काम करने वाला । साहसी । अविचारी ।

रौद्रदर्शन, (त्रि.) भयङ्कर रूप वाला । कुरूप ।

रौधिर, (त्रि.) खूनी । रुधिर से उत्पन्न ।

रौप्य, (त्रि.) चाँदी । चाँदी का बना । चाँदी जैसा । (न.) चाँदी ।

रौम, (न.) साँभर नोन ।

रौरव, (पुं.) नरक विशेष । जङ्गली । (त्रि.) रुरु के चर्म का बना । भयानक । बेईमान । छली ।

रौहिण, (त्रि.) रोहिणी नक्षत्र में उत्पन्न । (पुं.) चन्दन का वृक्ष । वट का वृक्ष । अग्नि ।

रौहिणेय, (पु.) बछड़ा । बलराम । बुध ग्रह । शान मह । (न.) मरकत मणि ।

रौहिष, (पुं.) मृग विशेष । तृण विशेष । लता । दूर्वा घास विशेष । मछली भेद ।

ल

ल, (पुं.) इन्द्र । छन्दशास्त्र में आठ गणों में से एक गण । व्याकरण में काल विभाग के लिये पाणिनि ने दस लकार माने हैं, जैसे— लट्, लिट्, लुट्, लृट्, लेट्, लोट्, लङ्, लिङ्, लुङ् और लृङ् ।

लक्, (क्रि.) स्वाद लेना । चखना । पाना ।

लक, (पु.) माथा । बनैले चावलों की बाल ।

लकुच, } (पु.) वृक्ष विशेष । बड़हर का
लुकुच, } पेड़ या उसका फल ।

लकुट, (पु.) लाठी । छड़ी ।

लक्क, (पुं.) लाल । चिह्न । कलङ्क ।

लक्षिका, (स्त्री.) छिपकली। बिल्सुइया।
लक्ष्, (क्रि.) देखना। पहिचानना। चिह्न करना।
लक्ष, (न.) एक लाख। चिह्न। दिखावट। छल। तीर का चिह्न।
लक्षक, (वि.) चिह्न। लक्षणा से अर्थ को बतलाने वाला।
लक्षण, (न.) चिह्न। पहिचान। लक्ष्मण का नाम। परिभाषा।
लक्षित, (वि.) अनुमान किया गया। जाना हुआ।
लक्ष्मन्, (न.) चिह्न या दाग या लाञ्छन जो सदा के लिये हो जाय। सारस पक्षी। प्रधान।
लक्ष्मण, (पुं.) दशरथ के पुत्र का नाम। सुमित्रानन्दन। सौमित्रि। (२) एक औषधि जिसकी जड़ वन्ध्या को चतुर्थ दिन नाक में भरने से गर्भाधान होता है।
लक्ष्मी, (स्त्री.) विष्णुपत्नी। हल्दी। शोभा। धन। मोती। वृक्ष विशेष। सुन्दरता। चन्द्र की ग्यारहवीं कला।
लक्ष्मीकान्त, (पुं.) विष्णु। राजा।
लक्ष्मीगृह, (न.) लाल कमल का फूल।
लक्ष्मीनाथ, } (पुं.) विष्णु। राजा।
लक्ष्मीपति, }
लक्ष्मीपुत्र, (पुं.) घोड़ा। कुश और लव का नाम। कामदेव।
लक्ष्मीपुष्प, (पुं.) माणिक।
लक्ष्मीपूजन, (न.) } लक्ष्मी के पूजन
लक्ष्मीपूजा, (स्त्री.) } का समय अर्थात् कार्तिकी अमावस की रात। दीपमालिका। दीवाली।
लक्ष्मीफल, (पुं.) बिल्वफल। बेल। नारियल।
लक्ष्मीरमण, (पुं.) विष्णु।
लक्ष्मीवत्, (पुं.) शोभा वाला। कटहर का पेड़। भाग्यवान्। धनी।
लक्ष्मीवसति, (स्त्री.) लाल कमल।
लक्ष्मीवार, (पुं.) शुक्रवार।
लक्ष्मीवेष्ट, (पुं.) तारपीन।
लक्ष्मीसहज, } (पुं.) लक्ष्मी का प्यारा।
लक्ष्मीसहोदर, } चन्द्रमा। इन्द्र का घोड़ा। उच्चैःश्रवस्। पाञ्चजन्य शङ्ख। समुद्रमन्थन के समय निकलने वाले, कौस्तुभ मणि। पारिजात वृक्ष। धन्वन्तरि। ऐरावत हाथी। (२) मदिरा। सुधा (अमृत)। कामधेनु।
लक्ष्य, (न.) उद्देश्य। अनुमान योग्य। जानने योग्य। निशाना लगाने योग्य।
लक्ष्यभेद, (पुं.) निशाना मारना। उद्देश्य में भेद। मतभेद।
लक्ष्यवेध, (पुं.) निशाना मारना। उद्देश्य की सिद्धि।
लक्ष्यवीथि, (स्त्री.) ब्रह्मलोक का मार्ग। देख कर चलने के योग्य मार्ग जैसे बदरी-नारायण का रास्ता आदि।
लक्ष्यहन्, (पुं.) तीर। उद्देश्यभ्रष्ट। बे परवाह।
लख्, } (क्रि.) जाना।
लङ्ख्, }
लग्, (क्रि.) चिपकना। लगना। मिलना। छूना। रोकना। चलना। पाना।
लगित, (वि.) लगा हुआ। मिला हुआ। प्राप्त।
लग्न, (न.) मेषादि राशियों का उदय। (त्रि.) लज्जित। लगा हुआ। स्तुतिपाठ करने वाला। जामिन।
लग्नक, (पु.) जामिनी। जमानत। प्रतिभू।
लग्निका, (स्त्री.) नग्निका का अशुद्ध रूप। अक्षतयोनि स्त्री।
लगड, (त्रि.) प्यारा। सुन्दर।
लगुड, }
लगुर, } (पुं.) लाठी। डण्डा। छड़ी।
लगुल, }
लघ्, (क्रि.) कुछ न खाना। अर्थात् सोच कर जाना।

लघट्, (पुं.) हवा। पवन।
लघिमन्, (पु.) हल्कापन। ईश्वर का एक प्रकार का ऐश्वर्य। लाघव।
लघिष्ठ, (वि.) अत्यन्त हल्का।
लघु, (वि.) हल्का। थोड़ा। छोटा। अभिप्रेत। नीच। निर्बल। अभागा। चपल। तेज। सहज। (छन्द में) लघु। कोमल। अनुकूल। साफ। अवस्था में छोटा। (पुं.) हस्त, पुष्य और अश्विनी नक्षत्रों के नाम।
लघ्वी, (स्त्री.) बड़ी कोमल प्रकृति की। गाड़ी। लघु शब्द का स्त्रीवाचक अर्थ।
लङ्का, (स्त्री.) कुबेर की प्रधान राजधानी जिसको रावण ने हठ से छीन लिया था, और जहाँ रावण मारा गया था। रण्डी। वेश्या। डाली। शाखा। धान विशेष।
लङ्काधिप, } (पुं.) कुबेर। रावण।
लङ्काधिपति, } विभीषण।
लङ्कास्थायिन्, (पु.) लङ्का में रहने वाले।
लङ्कादाहिन्, (पुं.) हनुमान्।
लङ्केश, } (पु.) रावण और उसका भाई
लङ्केश्वर, } विभीषण।
लङ्गनी, (स्त्री.) अलगनी।
लङ्ग्, (क्रि.) जाना। लड़खड़ाना।
लङ्ग, (पु.) लँगड़ापन। सम्मिलनी। प्रेमिक। मैत्री।
लङ्गक, (पु.) प्रेमी। यार।
लङ्गूल, (न.) हल।
लङ्गूल, (न.) पूँछ।
लङ्घ्, (क्रि.) उछलना। छलांग मार कर जाना। कूदना। चढ़ना। पार होना। अनाहार रहना। हराना। कम करना। चमकना।
लङ्घन, (न.) निराहार। उपवास। कोदना। चढ़ना। उछलना। पहुँचना।
लच्, (क्रि.) चिह्न करना।
लज्, (क्रि.) शर्मिन्दा होना। कलङ्कित करना। दोषारोपण करना। चमकना। ढकना। छिपाना।
लज्ज्, (क्रि.) लज्जित होना।
लज्जका, (स्त्री.) बनैले कपास का पेड़।
लज्जरी, (स्त्री.) एक प्रकार का छोटा पौधा।
लज्जा, (स्त्री.) शर्म। लाज। लाजवन्ती बेल।
लज्जालु, (स्त्री.) शर्मीला। लजीला।
लज्जाशील, (त्रि.) लजीला। लजाने वाला।
लज्जित, (पुं.) पीड़ित। शरमाया हुआ। लजाया हुआ।
लञ्ज्, (क्रि.) दोष लगाना। पूजना। प्रकाश करना। मार डालना। देना। बोलना। दृढ़ होना। रहना। चमकना। प्रकट होना।
लञ्जा, (स्त्री.) धारा। व्यभिचारिणी। लक्ष्मी। निद्रा।
लञ्जिका, (स्त्री.) रण्डी। वेश्या।
लट्, (क्रि.) लड़कपन करना। तुतलाना। चिल्लाना। रोना।
लट्, पाणिनि का व्यवहृत वर्तमान लकार के लिये शब्द विशेष।
लट, (पु.) धूर्त। दोष। चोर। डाकू।
लटपर्ण, (पु.) दालचीनी।
लट्ट, (पु.) बदमाश। दुष्ट।
लट्व, (पु.) घोड़ा। नाचने वाला लड़का। राग विशेष। एक जाति का नाम। पक्षी विशेष। गौरैया। बाजा। सेज। असली की।
लड्, (क्रि.) खेलना। फेंकना। उछालना। जिह्वा को ऐंठना। लेप आदि करना। चपचपाना।
लडह, (वि.) सुन्दर।
लड्डु, } (पु.) लड्डू। लड्डुआ। मिठाई
लड्डुक, } विशेष।

लण्ड्, (क्रि.) ऊपर उछालना । बोलना ।
लण्ड, (न.) विष्ठा । पाख़ाना । गू ।
लण्ड्, (पु.) लण्डन नगर ।
लता, (स्त्री.) बेल । शाखा । प्रियङ्गु । माधवी । कुरक । चाबुक की रस्सी । माला का डोरा । स्त्री । दूर्वा घास ।
लतार्क, (पु.) हरा प्याज़ ।
लताजिह्व, } लतारसन, } (पुं.) सर्प । साँप ।
लतालक, (पुं.) ताड़ का पेड़ । ताल वृक्ष । नारियल का पेड़ ।
लतापनस, (पु.) खरबूजा । तरबूज़ ।
लतापर्णी, (पु.) विष्णु ।
लताभवन, (न.) लतामण्डप ।
लतामणि, (पु.) मूंगा ।
लतायष्टि, (स्त्री.) मजीठ ।
लतावृक्ष, (पु.) नारियल का पेड़ ।
लतावेष्ट, (पु.) एक प्रकार के मैथुन की विधि ।
लतावेष्टन, } लतावेष्टितक, } (नं.) एक प्रकार से छाती से लगाना ।
लतिका, (स्त्री.) छोटी बेल ।
लत्तिका, (स्त्री.) एक प्रकार की छोटी छिपकली ।
लप्, (क्रि.) बोलना । बातचीत करना । गुनगुनाना । कानाफूँसी करना । कराहना ।
लपन, (न.) मुख । बातचीत ।
लपित, (वि.) कथित । कहा गया ।
लव्, (क्रि.) पकड़ना । सहारा देना ।
लब्ध, (वि.) प्राप्त । पाया ।
लब्धवर्ण, (पुं.) पण्डित । चतुर ।
लभ्, (क्रि.) पाना । रखना । लेना । पकड़ना । मिलना । फिर से पाना । उगाहना । जानना । सीखना ।
लमक, (पु.) जार । प्रेमी । विषयी ।
लम्पट, (पुं.) विषयी । व्यभिचारी । लबार ।

लम्ब, (पुं.) नाचने वाला । सुन्दर । घूँस । मनुष्यदिन के विपुल आदि भेद । (वि.) लम्बा । लटका हुआ ।
लम्बकर्ण, (पु.) बकरा । हाथी । राक्षस । बाज । अङ्कोट वृक्ष । गधा ।
लम्बकेश, (वि.) लम्बे बालों वाला । (पु.) कुशा का आसन ।
लम्बबीजा, (स्त्री.) मदिरा । लङ्का में उत्पन्न । लम्बे बीज वाली ।
लम्बोदर, (पु.) गणेश जी । बड़े पेट वाला । बहुत खाने वाला ।
लय, (क्रि.) जाना ।
लय, (पुं.) विनाश । गीत । ताल । ईश्वर ।
लयपुत्री, (स्त्री.) नाटक की एक पात्री । नटी । नाचने वाली स्त्री ।
लर्ब्, (क्रि.) जाना ।
लल्, (क्रि.) चाहना । खेलना । थरथराना ।
लल, (वि.) खिलाड़ी । इच्छा करने वाला ।
ललजिह्व, (पु.) हिल रही जीभ वाला । कुत्ता । ऊँट । हिंसक जन्तु ।
ललन्तिका, (स्त्री.) लम्बी गले की माला । छिपकली या गिरगिट ।
ललना, (पु.) महिला । स्त्री । नारी ।
ललनाप्रिय, (पुं.) कदम्ब वृक्ष । स्त्रियों का प्यारा ।
ललाक, (पुं.) लिङ्ग । पुरुष चिह्न ।
ललाट, (न.) माथा । कपाल ।
ललाटन्तप, (पु.) सूर्य ।
ललाटिका, (स्त्री.) माथे का भूषण ।
ललाम, (वि.) सुन्दर । प्यारी । मनोहारिणी । माथे की सुन्दरता बढ़ाने के लिये कृत्रिम चिह्न विशेष । (न.) माथे का आभूषण । सर्वोत्तम कोई वस्तु । चिह्न । ध्वजा । पंक्ति । केसर । पूँछ । प्रभाव । पौरुष । सौन्दर्य । सींग । (पु.) घोड़ा ।
ललित, (न.) सुन्दर । चाहा हुआ ।

ललिता, (स्त्री.) स्त्री। कस्तूरी। दुर्गा का एक रूप।

ललितापञ्चमी, (स्त्री.) आश्विनशुक्ला पञ्चमी।

ललितासप्तमी, (स्त्री.) भाद्रशुक्ला सप्तमी।

लव, (पुं.) छेदन। लेश। श्रीरामचन्द्र के एक पुत्र का नाम। परिमाण विशेष। गौ की पूँछ के बाल। हानि। लौंग। [illegible]

लवङ्ग, (न.) लौंग का पेड़ या फल।

लवङ्गकलिका, (स्त्री.) लौंग। लौंग की कली, जो आगे में [illegible] रहती है।

लवङ्गक, (न.) लौंग।

लवण, (त्रि.) नमकीन। प्यारा। सुन्दर। (पुं.) [illegible] रस। खारी पानी का समुद्र। एक असुर का नाम जिसे शत्रुघ्न ने मारा था। नरक विशेष। (न.) [illegible] नमक।

[illegible]

लहरि, } (स्त्री.) लहर। [illegible]
लहरी, } लहर।

ला, (क्रि.) पकड़ना।

लाकुटिक, (त्रि.) लकुट या डण्डा [illegible] (पु.) चौकीदार।

लाक्षकी, (स्त्री.) सीता।

लाक्षणिक, (त्रि.) लक्षण युक्त। [illegible]

लाक्षण्य, (त्रि.) भले बुरे लक्षणों के जानने वाला।

लाक्षा, (स्त्री.) लाख।

लाक्षारक्त, (पु.) लाख का रंग। [illegible] लाल का रंग।

लाख्, (क्रि.) [illegible]। [illegible]। पर्याप्त होना।

लाघ्, (क्रि.) समान या बराबर [illegible] पूरा पाड़ना।

लाघव, (न.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]

[illegible]

लाट, (पु.) देश विशेष । पुराने फटे कपड़े । लड़कों जैसी भाषा । विज्ञ पुरुष ।

लाटानुप्रास, (पु.) अलङ्कार में शब्द सम्बन्धी । अनुप्रास ।

लाभ, (पुं.) नफा । ब्याज ।

लालन, (न.) प्रेम के साथ पालना । लाड़ लड़ाना ।

लालसा, (स्त्री.) चाहना । गर्भ वाली स्त्री की चाहना । गर्भचिह्न ।

लाला, (स्त्री.) लार ।

लालाटिक, (पु.) अपने मालिक के भाग्य पर जीने वाला । काम न कर सकने वाला । भाग्याधीन ।

लालित्य, (न.) सौन्दर्य ।

लाव, (पुं.) एक प्रकार का पक्षी ।

लावण, (न.) नमकीन ।

लावणिक, (न.) नमक बेचने वाला । नमक ।

लावण्य, (न.) सलोनापन । सौन्दर्य विशेष ।

लासिका, (स्त्री.) नाचने वाली ।

लास्य, (न.) नाचना । नाच । नृत्य ।

लिकुच, (पु.) मन्दार का पेड़ ।

लिक्का, } (स्त्री.) जूं का अण्डा । माप
लिक्षा, } विशेष । लीख जो अक्सर सिरों के बालों में जूँ की भांति की छोटी छोटी पड़ जाती हैं ।

लिख्, (क्रि.) लिखना ।

लिखन, (न.) लेखन । लिपि । लेख ।

लिखित, (न.) लिखा हुआ । एक मुनि का नाम ।

लिग्, (क्रि.) जाना ।

लिङ्ग, (पु.) पुरुषत्व का प्रधान चिह्न । पुरुष, स्त्री और नपुंसक का प्रदर्शक चिह्न । सामान्य चिह्न । अनुमान सिद्धि का कारण । प्रकट । शब्द के लिङ्गावबोध दर्शक धर्म । अर्थप्रकाशन का सामर्थ्य । शिवजी की मूर्ति । न्याय ।

लिङ्गवर्धिनी, (स्त्री.) अपामार्ग ।

लिङ्गवृत्ति, (पु.) कपटी या दाम्भिक सन्यासी ।

लिङ्गिन्, (वि.) चिह्न वाला ।

लिप्, (क्रि.) लीपना ।

लिपि, } (स्त्री.) लेख ।
लिपी, }

लिपिकर, } (पु.) लेखक । लिखने वाला ।
लिपिकार, }

लिप्त, (वि.) लिपटा हुआ । सना हुआ । एक कला । विषदिग्ध (तीर का अग्रभाग) । खाया हुआ । मिला हुआ ।

लिप्तक, (पु.) विष में बुझा तीर ।

लिप्सा, (स्त्री.) चाह । लाभ की चाहना ।

लिम्पाक, (पु.) वृक्ष विशेष । गधा ।

लिह्, (क्रि.) चाटना । चखना ।

ली, (क्रि.) सटना । मिलना । पिघलना ।

लीढ, (स्त्री.) चाटा गया । चक्खा गया ।

लीन, (वि.) डूबा हुआ । निमग्न । लगा हुआ ।

लीला, (स्त्री.) खेल । भोग विलास ।

लीलावती, (स्त्री.) भास्कराचार्य की बेटी । उसकी बनाई अङ्कगणित का एक ग्रन्थ । न्यायशास्त्र का एक ग्रन्थ, जिसमें प्रसिद्ध पदार्थों का प्रतिपादन किया गया है । पुराण प्रसिद्ध । वेश्या विशेष ।

लीलोद्यान, (न.) देवताओं का एक वन ।

लुकायित, (वि.) छुपा । छिपा हुआ । लुका हुआ ।

लुञ्चित, (वि.) नोचा हुआ । छीला गया ।

लुट्, (क्रि.) चमकना । पड़ रहना । बोलना । भूमि पर लोटना । लूटना ।

लुठ्, (क्रि.) मारना । मार कर गिरा देना । जमीन पर लोटना । सामना करना । लूट लेना ।

लुठन, (न.) लोटना । इधर उधर घूमना ।

लुण्टक, (वि.) चोर ।

लुण्टाक, (वि.) चोर । डाकू ।

लुण्ठक, (त्रि.) चोर।
लुण्ठ्, (क्रि.) लोड़ना। उदा देना।
लुप्, (क्रि.) पकड़ना। तोड़ना। लूटना।
लुन, (न.) नष्ट। गिर गया। टूट गया।
लुब्ध, (पु.) लम्पट। लालुप। शिकार में [illegible] हुआ।
लुभ्, (क्रि.) घबरा जाना। चाहना।
लुलाय, } (पु.) भैंसा।
लुलाप, }
लुलित, (त्रि.) हिलाया गया। चला गया।
लुष्, (क्रि.) चोरी करना।
लूतक, (पु.) [illegible]।
लू, (क्रि.) काटना।
लू, (क्रि.) [illegible]। [illegible] करना। [illegible]। [illegible]।
लूता, (स्त्री.) मकड़ी। [illegible]।
[illegible], (पु.) [illegible]। एक प्रकार की [illegible]।
[illegible], (स्त्री.) [illegible]।
[illegible]
[illegible]

लेश, (पुं.) थोड़ा। टुकड़ा।
लेह, (पु.) आहार। खाना।
लेहिन, (पुं.) सुहागा।
लेह्य, (त्रि.) मधुर। चाटने योग्य।
लैङ्ग, (न.) अठारह पुराणों में से एक।
लैङ्गिक, (त्रि.) अनुमित। (पु.) मूर्ति बनाने वाला।
लोक्, (क्रि.) जाना। चल जाना। प्रकट करना। दिखलाना।
लोच्, (क्रि.) देखना। जानना। [illegible] होना।
लोक, (न.) भुवन। जन। [illegible]।
लोककान्त, (पु.) लोकप्रिय [illegible]।
लोकधारिणी, (पं.) पृथ्वी।
लोकमातृ, (स्त्री.) लक्ष्मी।
लोकालोक, (पु.) [illegible]।
लोकबाह्य, (त्रि.) लोक से बाहर।
लोकायत, (न.) चार्वाक मत।
लोकायतिक, (पु.) नास्तिक। [illegible]।
लोकालोक, (पु.) देखा जाता और नहीं देखा जाता। एक पहाड़ जिसके एक ओर प्रकाश और दूसरी ओर अन्धकार रहता है।
लोकेश, (पु.) ब्रह्मा। राजा। [illegible]।
लोचक, (पु.) [illegible] का [illegible]।
[illegible]
[illegible]
[illegible]

लोटन, (न.) लोट पोट ।

लोटा, / लोटिका, } (स्त्री.) शाक । पौधा ।

लोट, (पुं.) भूमि पर लोट पोट करना ।

लोढ़, (क्रि.) पागल या मूर्छ होना ।

लोड़न, (न.) हिलाना डुलाना । मन्दन करना । आन्दोलन करना ।

लोणार, (पुं.) एक प्रकार का लवण ।

लोत, (पुं.) आँसू । चिह्न । (न.) लूट का माल । लवण ।

लोत्र, (न.) लूट का माल ।

लोध्र, / लोध, } (पुं.) वृक्ष विशेष, जिसकी छाल या लकड़ी काम आती है । [illegible] लोध, इसकी पोटली बाँध कर [illegible] पानी में भिगाकर आँखों में लगाते हैं । इससे आँख आराम हो जाती है ।

लोप, (पुं.) विनाश । छुपना । दुराव । बाहना । घबराहट ।

लोपा, / लोपामुद्रा, } (स्त्री.) अगस्त्य मुनि की स्त्री ।

लोप्त्र, (न.) चोरी का माल ।

लोभ, (पुं.) लालच ।

लोभिन्, (पुं.) लालची ।

लोभ्य, (पुं.) मूंग ।

लोम, (पुं.) केश । शरीर के रोम ।

लोमकर्ण, (पुं.) शशक ।

लोमकूप, (पुं.) रोमों के छेद ।

लोमश, (न.) ऋषि विशेष । [illegible] जिनसे [illegible] " [illegible] "।

लोमपाद, (पुं.) अङ्ग देश का राजा ।

लोमश, (वि.) रोमों वाला । (पुं.) एक ऋषि विशेष [illegible] है, [illegible] के [illegible] है [illegible] ।

लोमहर्षण, (न.) [illegible] । [illegible] के एक शिष्य का नाम । [illegible] का एक [illegible] । [illegible] जिनको [illegible] ने मार डाला था ।

लोल, (वि.) लालची । चञ्चल । (स्त्री.) जिह्वा । लक्ष्मी ।

लोलुप, / लोलुभ, } (वि.) बड़ा लालची ।

लोष्टु, (क्रि.) [illegible] करना ।

लोह, (पुं. न.) [illegible] । [illegible] ।

लोहकार, (पुं.) [illegible] ।

लोहट, (पुं. न.) [illegible] ।

लोहकार, (पुं.) [illegible] ।

लोहचिह्न, (न.) [illegible] । [illegible] ।

लोहद्रावक, (पुं.) [illegible]

लोहित, (न.) [illegible] । [illegible] । (पुं.) [illegible] । (वि.) [illegible] ।

लोहितसार, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।

लोहिताङ्ग, (पुं.) [illegible] ।

लोहितायस, (पुं.) [illegible] ।

लोहिनी, (स्त्री.) [illegible] ।

लोहोत्तम, (न.) [illegible] ।

लौकायतिक, (न.) [illegible] ।

लौकिक, (वि.) [illegible] ।

लौकिकन्याय, (पुं.) [illegible] ।

लौह, (वि.) [illegible] ।

लौह, (पुं.) [illegible] ।

लौहकार, (पुं.) [illegible] ।

लौहज, (न.) [illegible] ।

लौहभाण्ड, (पुं.) [illegible] ।

लौहशङ्कु, (पुं.) [illegible] ।

लौहित, (पुं.) शिव का त्रिशूल।
लौहितिक, (त्रि.) ललौहा। कुछ कुछ लाल रङ्ग का।
लौहित्य, (न.) लाल रङ्ग। एक नदी।
ल्पी, }
ल्वी, } (क्रि.) मिलना।
ल्वी, (क्रि.) जाना।

व

व, (त्रि.) बलवान्। दृढ़। (पुं.) हवा। बाहु। वरुण। समुद्र। आवाहन। चीता। कपड़ा। मान। राहु। वरुण का आवास-स्थान। कमल की जड़। कल्याण। सान्त्वन।
वंश, (पुं.) एक प्रकार का बाँस। कुल। जाति। बाँसुरी। समूह। मेरुदण्ड। शाल वृक्ष। दस हाथ का माप। गन्ना।
वंशकर्पूररोचना, (स्त्री.) वंशलोचन।
वंशज, (न.) कुलीन।
वंशधर, (त्रि.) कुल चलाने वाला। सन्तान।
वंशशर्करा, (स्त्री.) तवाशीर। वंशलोचन।
वंशस्थविल, (न.) एक छन्द जिसके प्रत्येक पाद में बारह अक्षर होते हैं।
वंशाग्र, (न.) [illegible]
वंशीधर, (पुं.) श्रीकृष्ण।
वंश्य, (त्रि.) कुलीन।
वक्, (क्रि.) टेढ़ा होना। तिरछा होना।
वक (बक), (पुं.) बगला। [illegible]
[illegible]
वकनख (बकनख) (न.) [illegible]
[illegible]
वकधूर्त्त (बकधूर्त्त), (पुं.) [illegible]
वकव्रतिक (बकव्रतिक), }
वकव्रतचर (बकव्रतचर), } (पुं.) [illegible]
[illegible]

वकुल (बकुल), (पुं.) एक वृक्ष मौलसिरी
वक्तव्य, (न.) कथन। (त्रि.) निन्दित। दीन। दुष्ट।
वक्तृ, (त्रि.) उचित। बकवादी।
वक्त्र, (न.) मुख। वस्त्र विशेष। छन्द विशेष
वक्त्रासव, (पुं.) अधर रस।
वक्र, (न.) नदी का घुमाव। शनैश्चर। मङ्गल। रुद्र। त्रिपुर दैत्य। तिरछा जाना। (त्रि.) तिरछा।
वक्राङ्ग, (पुं.) हंस। (त्रि.) कुटिल अङ्ग वाला। (त्रि.) कुटिल। टेढ़ा।
वक्रिम, (न.) टेढ़ापन।
वक्रतुण्ड, (पुं.) गणेश जी।
वक्रोक्ति, (स्त्री.) अलङ्कार विशेष। काकोक्ति। कटाक्ष।
वक्ष्, (क्रि.) क्रोध करना।
वक्षस्, (न.) छाती।
वक्षस्स्थल, }
वक्षःस्थल, } (न.) [illegible] छाती।
वक्षी, (स्त्री.) [illegible]
वक्षोज, (पुं.) स्तन।
वक्षोरुह, (पुं.) स्तन।
वख्, (क्रि.) जाना।
वगाह, (पुं.) [illegible]
वङ्ग्, (क्रि.) जाना।
वङ्क, (पुं.) नदी की मोड़।
वङ्क्षण, (पुं.) कोख।
वङ्क्रि, (पुं.) पसली। [illegible]
वंक्षण, (न.) [illegible]
वंक्षु, (पुं.) [illegible]
वञ्च्, (क्रि.) जाना।
वञ्चक, (पुं.) [illegible]
वञ्चन, (न.) [illegible] (पुं.) [illegible]
[illegible]
वञ्चना, (न.) [illegible]
वञ्चितत्व, (न.) [illegible]
वञ्जुल, (पुं.) [illegible]

वज्रारि, (पु.) हरताल ।
वच, (कि.) कहना ।
वचन, (न.) वाक्य । संख्यावाची । सोंठ । उपदेश ।
वचनग्राहिन्, (त्रि.) वशीभूत ।
वचनीय, (त्रि.) निन्दा योग्य । लोकापवाद ।
वचनस्थित, (त्रि.) अपनी बात को पालने वाला । आज्ञाकारी । वश में आया हुआ ।
वचस्, (न.) वाक्य । वचन ।
वचसांपति, (पुं.) देवगुरु । बृहस्पति ।
वचस्कर, (त्रि.) आज्ञाकारी वश में उत्पन्न ।
वचा, (स्त्री.) पदार्थ विशेष ।
वज्, (कि.) गति ।
वज्र, (पुं. न.) इन्द्र का अस्त्र विशेष ।
वज्रचर्म्मन्, (पुं.) गैंडा ।
वज्रदन्त, (पुं.) शूकर । मूसा ।
वज्रधर, (पुं.) इन्द्र ।
वज्रनिर्घोष, (पुं.) गर्जन ।
वज्रपाणि, (पु.) इन्द्र ।
वज्रपुट, (न.) औषध पाचन पात्र । दवा पकाने का बर्तन ।
वज्रमय, (त्रि.) वज्र स्वरूप ।
वज्रिन्, (पुं.) इन्द्र ।
वञ्चक, (पुं.) गीदड़ । छली । दगाबाज । धूर्त ।
वञ्चन, (न.) ठगना । छलना । धोखा देना ।
वञ्जुल, (पुं.) अशोक का पेड़ । बेंत । पक्षी । (त्रि.) टेढ़ा ।
वट्, (कि.) घेरना । हिस्सा करना । कहना । चोरी करना ।
वट, (पुं.) एक वृक्ष । सन की रस्सी ।
वटक, (पुं.) बड़ा । पकौड़ी । मुंगौड़ा । कचौड़ी ।
वटी, (स्त्री.) गोली । टिकिया ।
वटु, (पुं.) बालक । ब्रह्मचारी ।
वटुक, (पु.) एक देवता । भैरव ।
वठ्, (कि.) बली होना ।
वठर, (पु.) मूर्ख । वर्णसङ्कर विशेष । शठ ।

वड्, (कि.) बाँटना ।
वडभि, } (स्त्री.) छज्जा । घर की चोटी ।
वडभी, } महल के शिखर का घर ।
वड्र, (त्रि.) बड़ा । श्रेष्ठ । अच्छा ।
वण्टक, (पुं.) विभाजक । हिस्सा करने वाला ।
वत्, (अव्य.) सादृश्य । समानता ।
वत, (अव्य.) कष्ट । दया । खुशी । विस्मय । आमन्त्रण ।
वतंस, (पु.) अवतंस में अवतंस शब्द है । अकार का लोप होने से आभूषण । चोटी । हर प्रकार का गहना । कर्णफूल ।
वतण्ड, (पुं.) एक मुनि का नाम ।
वतोका, (स्त्री.) सन्तान रहित स्त्री ।
वत्स, (न.) वक्षःस्थल । वत्सर । वर्ष । (पु.) बछड़ा । पुत्र । प्रिय । बछा ।
वत्सक, (न.) इन्द्रजौ । (पु.) बछड़ा । देखो वत्स शब्द ।
वत्सतर, (पु. स्त्री.) छोटा बछड़ा । छोटा शावक ।
वत्सनाभ, (पुं.) एक विष । बछनाग । सर्प के काटने पर घी के साथ पिलाने से सर्पविष नष्ट होता है ।
वत्सपत्तन, (न.) कौशाम्बी नाम नगरी ।
वत्सपाल, (पु.) श्रीकृष्ण । ग्वाल । बछड़ों का रक्षक ।
वत्सर, (पुं.) वर्ष । साल ।
वत्सराज, (पु.) चन्द्रवंशी एक राजा । बढ़िया दिलनौटा बछड़ा ।
वत्सरान्तक, (पु.) वर्ष समाप्ति का महीना । फाल्गुन मास ।
वत्सल, (त्रि.) स्नेह युक्त । प्रेमी । दयालु ।
वत्सिमन्, (पु.) लड़कपन । युवावस्था ।
वत्सीय, (पु.) गोपालक । चरवाहा ।
वद्, (कि.) बोलना । कहना ।
वदन, (न.) चेहरा । मुख । बदन ।
वदन्य, } (पु.) उदार पुरुष । बहुत देने
वदान्य, } वाला ।

वदाम (वदाम), (पुं.) बादाम ।
वदावद, (पुं.) बहुत बोलने वाला ।
वदि, कृष्ण पक्ष । जैसे ज्येष्ठ वदि ।
वद्य, (त्रि.) कहने योग्य । कृष्ण पक्ष । निन्द्य ।
वध्, (क्रि.) मार डालना ।
वधस्तम्भ, (पुं.) फाँसी का खम्भ ।
वधक, (पुं.) जल्लाद । फाँसी लगाने वाला ।
वधित्र, (न.) कामदेव ।
वधु, वधुका, (स्त्री.) लड़के की स्त्री । बहू ।
वधू, (स्त्री.) दुलहिन । भार्य्या । बहू ।
वधूजन, (पुं.) स्त्रियाँ ।
वधुटी, वधूटी, (स्त्री.) कम उम्र की स्त्री । बहू ।
वध्य, (त्रि.) मारने योग्य ।
वध्रिका, (पु.) नपुंसक । हिजड़ा ।
वध्रप, (पुं.) जूता ।
वन्, (क्रि.) मान करना । उपकार करना । माँगना । सेवा करना ।
वन, (न.) जङ्गल । जलस्रोत । निवास । जल । मेघ । फुहारा । घर । काठ का बर्तन ।
वनकदली, (स्त्री.) काष्ठकदली ।
वनचन्दन, (न.) वन का चन्दन ।
वनज, (न.) पद्म । मोथा ।
वनमाला, (स्त्री.) पैरों तक लम्बी वनमाला ।
वनमालिन्, (पु.) श्रीकृष्ण । बाराहीकन्द ।
वनरम्भा, (स्त्री.) केले का वृक्ष ।
वनवासिन्, (पु.) वाराहीकन्द । शाल्मली-कन्द ।
वनशोभन, (न.) पद्म । कमल ।
वनस्पति, (पु.) बरगद आदि वृक्ष ।
वनायु, (पु.) अरब देश । वह देश जहाँ घोड़े पैदा होते हैं ।
वनायुज, (पु.) अच्छा घोड़ा । अरबी घोड़ा ।
वनिता, (स्त्री.) प्यारी स्त्री ।
वनिन्, (पुं.) वानप्रस्थ आश्रम वाला । वृक्ष । सोमलता ।
वनी, (स्त्री.) जङ्गल ।
वनीयक, (पुं.) भिखारी ।
वनेचर, (पुं.) वन में घूमने वाला । भील । जङ्गली । बनमानुष । जलमानुष ।
वनौकस, (पुं.) बन्दर । सिंह ।
वञ्च्, (क्रि.) ठगना ।
वन्दन, (न.) प्रणाम ।
वन्दनीय, (त्रि.) नमनीय । नमस्कार करने योग्य । पूज्य । मान्य ।
वन्द्र, (पु.) पुजारी ।
वन्दारु, (त्रि.) नमस्कार करने का स्वभाव वाला । देवता ।
वन्दि, वन्दी, (स्त्री.) कैदी । नमस्कार । (पु.) भाट ।
वन्द्य, (त्रि.) वन्दनीय । (स्त्री.) गोरोचना ।
वन्य, (न.) दारचीनी । वाराहीकन्द । (स्त्री.) जल का समूह ।
वप्, (क्रि.) बीज बोना ।
वपन, (न.) बीज की बुआई । मूँड़ डालना ।
वपनी, (स्त्री.) नाई का घर ।
वपिल, (पु.) पिता ।
वपु, (पु.) शरीर ।
वपुन, (पु.) देवता ।
वपुष्, वपुस्, (न.) सुन्दर । शरीर । आश्चर्य । जल ।
वप्तृ, (पु.) पिता । किसान । बीज बोने वाला ।
वप्र, (पु. न.) मिट्टी की दीवाल । नगर की रक्षा के लिये चहारदीवारी । खेत । किनारा । शीशा । प्राचीर । पहाड़ का शिखर । धूलि । (पु.) पिता । प्रजापति ।
वम्रि, (पुं.) बाण । समुद्र । दीमक ।
वम्री, (स्त्री.) दीमक ।
वभ्र, (क्रि.) जाना ।
वम्, (क्रि.) वमन करना । कै करना ।
वमन, (न.) दर्दन । अर्दन । मर्दन । बाहर निकलना ।

नीया, (स्त्री.) मक्खी, जिसके पेट में जाने से कै हो जाय।
म, (स्त्री.) कै। अग्नि।
मेल, (पुं.) कै की गद्दी।
म्र, (पुं.) मौत।
म्रारण्य, (पुं.) पोहों का बोल।
म्र, (पुं.) चींटा। लाल चींटा जो वृक्षों पर पीछे रहा करता है, बीछू के समान विषैला होता है।
म्री, (स्त्री.) चींटी।
वय्, (क्रि.) जाना।
वय, (पुं.) जुलाहा। कोरी। बुनने वाला।
वयन, (न.) बुनना। बुनावट।
वयस्, (पुं.) उम्र। युवावस्था। पक्षी। काक। शक्ति। बलिदान का पदार्थ।
वयस्थ, (पुं.) मित्र। सहयोगी।
वयस्य, (पुं.) समान अवस्था वाला।
वयस्या, (स्त्री.) सखी। सहेली।
वयाक, (पुं.) लता। छोटी शाखा। डाली।
वयुन, (न.) ज्ञान। बुद्धि। समझने की शक्ति। देवालय। (पुं.) नियम। आचार। रीति भाँति। सफाई।
वयोधस, (पुं.) तरुण। युवा।
वयोधा, (वि.) बली। (स्त्री.) बल। शक्ति।
वयोरङ्ग, (न.) सीसा।
वर्, (क्रि.) चुनना। माँगना। पाने के लिये खोजना। चाहना।
वर, (न.) केसर। इच्छा। माँग। पारा। बेत। (वि.) सर्वोत्कृष्ट। प्यारा। श्रेष्ठ। (पुं.) गुग्गुल। यार। जमाई। दुलहा। वरदान। अनुग्रह। पति।
वरट, (न.) कुन्द का फूल। कीड़ा विशेष। हंस। बरैया। घास विशेष।
वरण, (न.) चुनाव। इकरार। पूजन। करना। माँगना। किसी पूजा अनुष्ठानादि करने के लिये नियत समय के लिये वहाँ काम में लगे रहने का अनुरोध करना। अवगाह। रोक। निषेध। (पुं.) नगर का परकोटा। पुल। वरुण वृक्ष। ऊँट। धनुष की सजावट विशेष। इन्द्र।
वरणमाला, (स्त्री.) जयमाल। स्वामित्व-स्वीकार की सूचक माला। वरमाला।
वरणसी, } (स्त्री.) काशी। विश्वनाथ
वाराणसी, } की पुरी।
वरण्ड, (पुं.) समूह। मुँहासे। बरण्डा। घास का ढेर। मछली पकड़ने की बंसी की डोर। लीला। भेद।
वरण्डालु, (पुं.) एरण्ड वृक्ष।
वरत्रा, (स्त्री.) चमड़े का तस्मा। हाथी अथवा घोड़ा बाँधने की चमड़े की रस्सी।
वरत्वच, (पुं.) नीम का पेड़।
वरद, (वि.) अभीष्टदाता। प्रसन्न। (स्त्री.) कन्या। अश्वगन्धा। आदित्यभक्ता। दुर्गा।
वरदाचतुर्थी, (स्त्री.) माघशुक्ला चतुर्थी।
वरम्, (अव्य.) थोड़ा। प्राय। बहुत अच्छा। बेहतर।
वररुचि, (वि.) अच्छी प्रीति वाला। कात्यायन ऋषि। विक्रमादित्य की सभा के नव रत्न कवियों में से एक का नाम।
वरलब्ध, (वि.) वरदान पाये हुए। (पुं.) चम्पक वृक्ष।
वरवर्णिनी, (स्त्री.) सुन्दरी स्त्री। लाख। लक्ष्मी। दुर्गा। सरस्वती। प्रियङ्गु लता। हल्दी।
वराक, (पुं.) शिव। (न.) युद्ध। (वि.) छोटा। शोच्य। बेचारा।
वराङ्ग, (न.) श्रेष्ठ पुरुष अङ्ग। मस्तक। माथा। गुदा। योनि। गुह्य। (पुं.) हाथी। विष्णु। कामदेव। (स्त्री.) दालचीनी। हल्दी। (।) अच्छे अङ्गों वाली स्त्री।
वराङ्गिन्, (पुं.) अच्छे अङ्गों वाला। अम्लवेतस।
वराट, (पुं.) कौड़ी। रस्सा।

वल्कल, (न.) छिलका । छाल । दालचीनी ।
वल्किल, (पुं.) काँटा ।
वल्कुट, (न.) छाल ।
वल्ग्, (क्रि.) जाना । कूदना । नाचना । प्रसन्न होना । खाना ।
वल्गा, (स्त्री.) घोड़े की लगाम । रास ।
वल्गु, (पुं.) बकरा । (त्रि.) सुन्दर । मधुर । [illegible] । (न.) चन्दन । धन । पैसा ।
वल्गुल, (पुं.) दौड़ती हुई लोमड़ी ।
वल्भ्, (क्रि.) भोजन करना ।
वल्मिकि, (पुं.) दीमकों का बनाया मिट्टी का ढेर ।
वल्मी, (स्त्री.) चींटी ।
वल्मीक, (पुं. न.) (दीमकों या चींटियों का घर) बांबी । मिट्टी की टिलिया । फीलपाँव का रोग । वाल्मीकि ऋषि, जिन्होंने रामायण की रचना की ।
वल्यूल्, (क्रि.) काट डालना । साफ करना ।
वल्ल, (पुं.) दो रत्ती भर । फटकन । एक मासा भारी ।
वल्लकी, (स्त्री.) बीन । सारंगी । तम्बूरा ।
वल्लभ, (पुं.) प्यारा । स्वामी । अच्छा घोड़ा ।
वल्लरि, } वल्लरी, } (स्त्री.) लता । मंजरी । मेथी ।
वल्लव, (पुं.) ग्वाला । रसोइया । भीमसेन ।
वल्लि, } वल्ली, } लता । बेल । पृथिवी ।
वल्लूर, (न.) कुञ्ज । मंजरी । खेत । निर्जन स्थान । ऊसर ।
वल्वर, (त्रि.) [illegible] । [illegible] मूर्ति ।
वल्हरा, (स्त्री.) [illegible] का पेड़ ।
वश, (पुं. न.) अधीन होना । प्रभुत्व ।
वशंवद, (त्रि.) [illegible] । अधीन ।
वशक्रिया, (स्त्री.) वश में करना ।
वशग, (त्रि.) अधीन ।
वशवर्तिन्, (त्रि.) [illegible] ।
वशा, (स्त्री.) [illegible] ।

वशित्व, (न.) स्वाधीनता । ईश्वर का ऐश्वर्य ।
वशिन्, (त्रि.) स्वाधीन । जितेन्द्रिय ।
वशिष्ठ, } वसिष्ठ, } (पुं.) इन्द्रियों को वश में रखने वाला । मुनि विशेष ।
वशीकरण, (न.) जिसके द्वारा किसी को वश में किया जाय, जो कभी वश ही न हो सके । तान्त्रिक विधान विशेष । [illegible] पीड़ा । खुशामद । प्रार्थना ।
वश्य, (न.) वश में आया हुआ । लौंग ।
वषट्, (अव्य.) देवोद्देश से घी आदि देना या छोड़ना ।
वषट्कार, (पुं.) यज्ञ विशेष ।
वषट्कृत, (त्रि.) होम किया हुआ ।
वष्क्, (क्रि.) जाना ।
वष्कय, (पुं.) एक वर्ष का बछड़ा ।
वस्, (क्रि.) ढाँकना । रहना ।
वसन, (न.) कपड़ा । घरा । गहना । रहना ।
वसति, } वसती, } (स्त्री.) वास । रहना । रात । स्थान । घर ।
वसन्त, (पुं.) ऋतु विशेष जो चैत्र और वैशाख में होती है । एक प्रकार का राग । चेचक की बीमारी ।
वसन्ततिलक, (न.) (पुं.) छन्द जिसका चरण चौदह अक्षर का होता है ।
वसन्तद्रुम, (पुं.) कोकिल । कोयल । आम का पेड़ । [illegible] ।
वसन्तसहचर, (पुं.) कामदेव । वसन्त का मित्र ।
वसा, (स्त्री.) चर्बी । मेद ।
वसु, (न.) धन । रत्न । सोना । जल । वृक्ष । नमक विशेष । (त्रि.) मधुर । धनी । अच्छा । देवता विशेष । इन देवताओं की संख्या आठ है—
"धरो ध्रुवश्च सोमश्च अहश्चैवानिलोऽनलः ।
प्रत्यूषश्च प्रभासश्च वसवोऽष्टौ इति स्मृताः ॥"
[illegible] । कुबेर । शिव । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
(स्त्री.) [illegible] ।

वसुकीट, } (पुं.) भिखारी।
वसुकर्मि, }
वसुदा, (स्त्री.) पृथिवी।
वसुदेव, (पुं.) यदुवंशोद्भव राजा शूर के पुत्र और श्रीकृष्ण के पिता।
वसुधा, (स्त्री.) भूमि।
वसुधारा, (स्त्री.) कुबेर की राजधानी। मङ्गल कार्यों में मातृकाओं के ऊपर घी की धार।
वसुन्धरा, (स्त्री.) पृथिवी।
वसुमती, (स्त्री.) पृथिवी।
वसुल, (पुं.) एक देवता।
वसूरा, (स्त्री.) रण्डी। वेश्या।
वस्क्, (क्रि.) जाना।
वस्कराटिका, (स्त्री.) बिच्छू।
वस्त्, (क्रि.) जाना। मारडालना। मांगना। उत्पीड़न करना।
वस्त, (न.) आवास करना। (पुं.) बकरा।
वस्ति, (पुं. स्त्री.) पेट। मूत्राशय। पिच-कारी। कपड़े का पल्ला।
वस्तिमल, (न.) मूत्र। पेशाब।
वस्तु, (न.) द्रव्य। पदार्थ।
वस्त्य, (न.) गृह। घर।
वस्तुतस्, (अव्य.) यथार्थ में। वास्तव में।
वस्त्रकुट्टिम, (न.) तम्बू। डेरा। छाता।
वस्त्रग्रन्थि, (पुं.) नीवी। धोती की गांठ।
वस्न, (न.) वेतन। मजूरी। मूल्य। धन। मौत। बिछला (पुं.) सूर्य।
वस्नसा, (स्त्री.) स्नायु। धमनी। नाड़ी।
वह्, (क्रि.) पहुंचाना। बहना। ढोना।
वह, (पुं.) बैल का कन्धा। घोड़ा। रास्ता। हवा। नद। [illegible]
वहल, (पुं.) जहाज। (वि.) दृढ़।
वहित्र, (न.) नदी पार की तरणी। नाव। जहाज।
वहिरङ्ग (बहिरङ्ग), (न.) शरीर का भाग। (वि.) बाहरी।

वहिरिन्द्रिय (बहिरिन्द्रिय), (न.) बाहर का काम करने वाली इन्द्रिय।
वहिर्मुख (बहिर्मुख), (वि.) विमुख।
वहिस् (बहिस्), (अव्य.) बाहर।
वह्नि, (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष। भिलावा। नींबू। उदर का ताप। [illegible]
वह्निकरी, (स्त्री.) अग्नि की ज्वाला को बढ़ाने वाला। धौरवा।
वह्निगर्भ, (पुं.) बांस। शमी वृक्ष।
वह्निनी, (स्त्री.) जटामांसी। [illegible]
वह्निभोग्य, (न.) घृत। घी।
वह्निमित्र, (पुं.) वायु। हवा।
वह्निरेतस्, शिव।
वह्निवधू, (स्त्री.) अग्निदेव की बहू।
वह्निशिख, (पुं.) [illegible]
वह्य, (न.) सवारी। रथ। [illegible] [illegible] की सवारी।
वा, (वि.) [illegible]
वांशिक, (पुं.) [illegible]
वाक, (पुं.) [illegible] (न.) [illegible] का [illegible]
वाक्पारुष्य, (न.) [illegible]
वाक्य, (न.) [illegible]
वाक्ष्, (क्रि.) चाहना।
वागर, (पुं.) [illegible]
वागा, (स्त्री.) [illegible]
वागाट, (वि.) [illegible]
वागात्मिक, (पुं.) [illegible]
वाग्गुराभूति, (पुं.) [illegible]
वाग्गुलिक, (पुं.) [illegible]
वाग्डम्बर, (पुं.) [illegible]
वाग्दण्ड, (पुं.) [illegible]
वाग्दत्ता, (स्त्री.) [illegible]

वातरायण, (पुं.) उन्मत्त । पागल । निकम्मा मनुष्य । कायर । बाण । सरल का पेड़ ।

वातल, (वि.) तूफानी । वायु उत्पन्न करने वाला । (पुं.) चना । रोग भेद ।

वातव्याधि, (पुं.) बाई की बीमारी ।

वाताद, (पु.) बादाम । फलदार पेड़ ।

वातापि, (पु.) दैत्य विशेष जो अगस्त्य द्वारा मारा गया था ।

वातापिसूदन, (पु.) अगस्त्य मुनि ।

वातामोद, (स्त्री.) कस्तूरी ।

वातायन, (न.) झरोखा । खिड़की । (पुं.) घोड़ा ।

वातायु, (पु.) हिरन ।

वातारि, (पुं.) एरण्ड का पेड़ । शतमूली । रेणुकाविश । यवानी । भार्ङी । सुही । विडङ्ग । सर्प जन्तु का शत्रु ।

वाति, (पु.) वायु । हवा ।

वातिक, (पु.) बाई की बीमारी ।

वातीय, (न.) काँजी ।

वातुल, (वि.) वात उत्पन्न करने वाला । उन्मत्त । (न.) अन्धड़ • हवा का भँवर ।

वातूल, (वि.) देखो वातुल ।

वात्या, (स्त्री.) तूफान ।

वात्सक, (न.) बछड़ों का समूह ।

वात्सल्य, (न.) स्नेह जो अपने से छोटों— जैसे पुत्रादि,—में होता है ।

वात्सि, } (स्त्री.) ब्राह्मण के औरस से
वात्सी, } उत्पन्न शूद्रा के गर्भ से उत्पन्न लड़की ।

वात्स्य, (पु.) वत्स की सन्तान ।

वात्स्यायन, (पु.) काम सूत्र के रचयिता । न्यायसूत्र के एक टीकाकार ।

वाद, (पु.) बातचीत । वर्णन । वादविवाद । तर्कना । न्याय का पारिभाषिक शब्द विशेष ।

वादन, (न.) बाजे का शब्द ।

वादर, (न.) सूती कपड़ा ।

वादरायण, (पु.) वेदव्यास ।

वादाम (बादाम), (न.) फल विशेष ।

वादित्र, (न.) मृदङ्ग आदि बाजा ।

वादिन्, (पु.) बोलने वाला । वक्ता । वादी । विवाद कर्ता ।

वाद्य, (न.) हर प्रकार का बाजा ।

वाध्, (क्रि.) बिगाड़ना । सताना । कष्ट देना । विरोध करना ।

वाध, (पु.) टूट । रोक । रुकावट । विघ्न ।

वाधुक्य, } (न.) विवाह ।
वाधूक्य, }

वाध्रीणस, (पु.) गैंडा ।

वान, (वि.) सूखा । बनैला । (न.) सूखे फल ।

वानप्रस्थ, (पु.) तीसरा आश्रम ।

वानर, (पु.) बन्दर ।

वानरेन्द्र, (पु.) सुग्रीव । बाली ।

वानस्पत्य, (पु.) आम का पेड़ ।

वानायु, (पु.) अरब देश ।

वानायुज, (पु.) अरबी घोड़े ।

वानीर, (पु.) एक प्रकार के बेत ।

वानीरक, (पु.) मूञ्ज ।

वान्त, (वि.) उगला हुआ ।

वाप, (पु.) बुनाव । मुण्डन । बीज आदि ब... लगाना ।

वापि, } (स्त्री.) बावली । बड़ा ...
वापी, } जिसमें जल तक पहुँचने को ... द्वार सीढ़ियाँ हों ।

वार्पिद, (पु.) चातक । पपीहा ।

वाप्य, (न.) कुआँ की ... । (...
बावली का ।

वाम, (वि.) बायाँ । उलटा । दुष्ट । ...
मनोहर । छोटा । (पु.) जीव ...
शिव । कामदेव । सर्प । स्तनी । ...
कर्म तथा मद्यपानादि । (न.) ...
अधिकार ।

वामदेव, (पु.) ऋषि विशेष । शिव ...

वामन, (वि.) बौना। छोटा। अल्प। घटाया हुआ। कम किया गया। झुकाया गया। (पु.) विष्णु का पांचवां अवतार। दक्षिण दिग्गज। काशिका वृत्ति के रचयिता का नाम।

वामनी, (स्त्री.) बौनी स्त्री। घोड़ी। योनि का रोग विशेष।

वामलूर, (पुं.) वल्मीक। बम्बी।

वामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री।

वामा, (स्त्री.) स्त्री। बड़ी प्यारी स्त्री। गौरी। लक्ष्मी। सरस्वती।

वामाचार, (पु.) उल्टी चाल। तन्त्र का आचार विशेष।

वामी, (स्त्री.) घोड़ी। गधी। [illegible]। गीदड़नी।

वामोरु, (स्त्री.) सुन्दर जंघा वाली स्त्री।

वायवी, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा।

वायव्य, (वि.) पवन सम्बन्धी।

वायस, (पु.) काक। [illegible]।

वायसाराति, (पु.) उल्लू।

वायु, (पुं.) पवन। पवनदेव। प्राणवायु।

वायुपुत्र, (पु.) हनुमान्। भीमसेन।

वायुभक्ष, (पु.) सर्प।

वायुवर्त्म, (न.) आकाश।

वायुवाह, (पु.) धूआं। धूम।

वायुवाहिनी, (स्त्री.) शरीर की नाड़ी विशेष।

वायुसख, (पु.) अग्नि। आग।

वाय्वास्पद, (न.) आकाश।

वार्, (न.) [illegible] जल।

वार, (पु.) [illegible]। [illegible]। मुहूर्त। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible]। (न.) [illegible] [illegible]।

[illegible], (त्रि.) [illegible] [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible]। [illegible]। [illegible] (पु. न.) [illegible]।

वारणबुषा, वारणबुसा, (स्त्री.) केले का पेड़।

वारणवल्लभा, (स्त्री.) केला। हथिनी।

वारमुख्या, (स्त्री.) वेश्या।

वारंवार, (अव्य.) बेर बेर।

वारयितृ, (पुं.) पति। मालिक। (त्रि.) हटाने वाला।

वारयोषा, (स्त्री.) वेश्या। रण्डी।

वारवाण, (पु. न.) कवच।

वाराङ्गना, (स्त्री.) रण्डी।

वाराणसी, (स्त्री.) काशी।

वाराह, (पुं.) शूकर। वृक्ष विशेष। (त्रि.) शूकर सम्बन्धी।

वाराहकल्प, (पुं.) जिस कल्प के आरम्भ में वाराह अवतार पहले हुआ हो। वर्तमान कल्प में श्वेत वाराह अवतार हुआ था इस लिये इसका नाम श्वेत वाराह कल्प है।

वाराहपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक।

वाराही, (स्त्री.) सुअरिया। भूमि। पृथिवी। शूकर के रूप में विष्णु की शक्ति। मातृ विशेष।

वाराहीकन्द, (पु.) एक प्रकार का [illegible]।

वारि, (न.) पानी। रस। गन्ध। पदार्थ।

वारिचर, (पु.) [illegible] [illegible]।

वारिज, (न.) कमल। लौंग। [illegible]। [illegible]। (पु.) शङ्ख। घोंघा।

वारित्र, (स्त्री.) [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible]।

वारिद, (न.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। (वि.) [illegible]।

वारिधि, (पु.) [illegible]।

वारिमसि, (पुं.) मेघ । बादल ।
वारिराशि, (पुं.) समुद्र ।
वारिरुह, (न.) कमल ।
वारिवाह, (पुं.) मेघ ।
वारिश, (पुं.) विष्णु ।
वारीश, (पुं.) समुद्र । वरुण ।
वारु, (पुं.) विजय कुंजर ।
वारुंड, (पुं.) [illegible] । [illegible] । नाव जिसपर [illegible] जाता है ।
वारुण, (वि.) वरुणसम्बन्धी । (पुं.) भारत वर्ष के नौ खण्डों में से एक । (न.) जल ।
वारुणि, (पुं.) अगस्त्य । भृगु ।
वारुणी, (स्त्री.) पश्चिम दिशा । मदिरा । शतभिषा । दूर्वा घास । वरुण पत्नी ।
वारुण्ड, (पुं.) सर्पराज । (न.) कान और आंख का मैल । नाव से पानी उलीचने का पात्र ।
वारुणई, (स्त्री.) हाथ की सीढ़ी ।
वार्त्तिक, (पुं.) लेखक । भाट ।
वार्तिका, (स्त्री.) बटेर पक्षी ।
वार्त्त, (वि.) तन्दुरुस्त । हल्का । निर्बल । असार । पैदा वाला । (न.) [illegible] आरोग्य ।
वार्ताक, (पुं.) बैंगन । भटा ।
वार्तावह, (पुं.) दूत । [illegible] ।
वार्तिक, (न.) [illegible] विशेष । [illegible] ।
वार्दल, (न.) दुर्दिन ।
वार्धि, (पुं.) समुद्र ।
वार्द्धि, (पुं.) [illegible]
वार्द्धिक, (पुं.) [illegible]
वार्द्धक्य, (न.) [illegible] ।
वार्द्धीणस, (पुं.) गैंडा । [illegible] [illegible] जिसके [illegible] हैं ।
वार्मेल, (न.) [illegible] हुए [illegible] ।
वार्मुच, (पुं.) मेघ । बादल ।

वार्षिक, (वि.) [illegible] । [illegible] । (न.) एक औषध विशेष ।
वार्षिला, (स्त्री.) [illegible] विशेष ।
वार्ष्णेय, (पुं.) कृष्ण । [illegible] ।
वार्हद्रथ (बार्हद्रथ), }
वार्हद्रथि (बार्हद्रथि), } (पुं.) जरासन्ध ।
वालि (बालि), (पुं.) [illegible] का [illegible] ।
वालुका (बालुका), (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
वालुकाकार, }
वालुकाकारी, } (स्त्री.) [illegible] ।
वाल्क, (न.) [illegible] का [illegible] ।
वाल्मीकि, (पुं.) [illegible] [illegible] मुनि का [illegible] । [illegible] महाभारत में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।
वावदूक, (वि.) [illegible] । [illegible] ।
वावय, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible] ।
वावुट, (पुं.) [illegible] । [illegible] ।
वावृत्, (वि.) [illegible] । [illegible] [illegible] ।
वाशि, (वि.) [illegible] ([illegible]) [illegible] ।
वाशित, (न.) [illegible] । [illegible] ।
वाशिता, (स्त्री.) [illegible] । [illegible] ।
वाशिर }
वाशिरा } (पुं.) [illegible]
वास, (पुं.) [illegible] । (न.) [illegible] ।
वासक, }
वासप, } (पुं.) [illegible] ।
वासा, (स्त्री.) [illegible] ।
वासन, (न.) [illegible] ।
वासव, (पुं.) [illegible] ।

वामन, (त्रि.) बौना। छोटा। अल्प। घटाया हुआ। कम किया गया। झुकाया गया। (पुं.) विष्णु का पांचवा अवतार। दक्षिण दिग्गज। काशिका वृत्ति के रचयिता का नाम।

वामनी, (स्त्री.) बौनी स्त्री। घोड़ी। योनि का रोग विशेष।

वामलूर, (पु.) वल्मीक। बम्बी।

वामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री।

वामा, (स्त्री.) स्त्री। बड़ी प्यारी स्त्री। गौरी। लक्ष्मी। सरस्वती।

वामाचार, (पुं.) उल्टी चाल। तन्त्र का आचार विशेष।

वामी, (स्त्री.) घोड़ी। गधी। ऊँटनी। गीदड़नी।

वामोरु, (स्त्री.) सुन्दर जंघ वाली स्त्री।

वायवी, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा।

वायव्य, (त्रि.) पवन सम्बन्धी।

वायस, (पु.) काक। तारपीन।

वायसाराति, (पुं.) उल्लू।

वायु, (पु.) पवन। पवनदेव। प्राणवायु।

वायुपुत्र, (पु.) हनुमान। भीमसेन।

वायुभक्ष, (पु.) सर्प।

वायुवर्त्मन्, (न.) आकाश।

वायुवाह, (पु.) धूम्र। धूम।

वायुवाहिनी, (स्त्री.) शरीर की नाड़ी विशेष।

वायुसख, (पु.) अग्नि। आग।

वाय्वास्पद, (न.) आकाश।

वार्, (न.) पानी। जल।

वार, (पु.) द्वार। समूह। अवसर। शिवलिङ्ग। दिवस जैसे रविवार आदि। क्षण। बारी। अवसर। द्वार। नदी का दूसरा सामने वाला तट। [illegible] पूँछ। (न.) मद्यपात्र। मदिरा रखने का पात्र।

वारक, (त्रि.) रोकने वाला। हटाने वाला। (पु.) घोड़े की चाल विशेष। घोड़े का [illegible]।

वारण (न.) रोक। निषेध। कवच (पु.न.) हाथी।

वारणबुषा, **वारणबुसा**, (स्त्री.) केले का पेड़।

वारणवल्लभा, (स्त्री.) केला। हथिनी।

वारमुख्या, (स्त्री.) वेश्या।

वारंवार, (अव्य.) बेर बेर।

वारयितृ, (पु.) पति। मालिक। (त्रि.) हटाने वाला।

वारयोषा, (स्त्री.) वेश्या। रण्डी।

वारवाण, (पुं. न.) कवच।

वाराङ्गना, (स्त्री.) रण्डी।

वाराणसी, (स्त्री.) काशी।

वाराह, (पु.) शूकर। वृक्ष विशेष। (त्रि.) शूकर सम्बन्धी।

वाराहकल्प, (पु.) जिस कल्प के आरम्भ में वाराह अवतार पहले हुआ हो। वर्तमान कल्प में श्वेत वाराह अवतार हुआ था इस लिये इसका नाम श्वेत वाराह कल्प है।

वाराहपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक।

वाराही, (स्त्री.) सुअरिया। भूमि। पृथिवी। शूकर के रूप में विष्णु की शक्ति। मातृ विशेष।

वाराहीकन्द, (पु.) एक प्रकार का कन्द।

वारि, (न.) पानी। रस। गन्ध। पदार्थ।

वारिचर, (पु.) पानी में चलने वाले जीव-धारी जन्तु।

वारिज, (न.) कमल। लौंग। निमक। और शङ्ख। (पु.) शङ्ख। घोंघा।

वारित्रा, (स्त्री.) छाता। सूर्य आदि [illegible]।

वारिद, (न.) मेघ। बादल। मोथा। (त्रि.) पानी देने वाला।

वारिधि, (पु.) समुद्र।

वारिमसि, (पु.) मेघ । बादल ।
वारिराशि, (पु.) समुद्र ।
वारिरुह, (न.) कमल ।
वारिवाह, (पुं.) मेघ ।
वारिशा, (पुं.) विष्णु ।
वारीश, (पु.) समुद्र । वरुण ।
वारु, (पुं.) विजय कुञ्जर ।
वारुठ, (पुं.) अर्थी । टकटी । शव जिसपर
 कहीं लाया जाता है ।
वारुण, (वि.) वरुण सम्बन्धी । (पुं.) भारत-
 वर्ष के नौ खण्डों में से एक । (न.) जल ।
वारुणि, (पु.) अगस्त्य । भृगु ।
वारुणी, (स्त्री.) पश्चिम दिशा । मदिरा
 शतभिषा । दूर्वा घास । वरुण पत्नी ।
वारुण्ड, (पु.) सर्पराज (न.) आँख और
 कान का मैल । नाव से पानी उलीचने
 का पात्र ।
वारुण्डी, (स्त्री.) द्वार की सीढ़ी ।
वार्णिक, (पुं.) लेखक । क्लार्क ।
वार्तिका, (स्त्री.) बटेर पक्षी ।
वार्त्त, (वि.) तनदुरुस्त । हल्का । निर्बल ।
 असार । पेशे वाला । (न.) स्वास्थ्य ।
 चातुर्य ।
वार्त्ताक, (पुं.) बैंगन । भण्टा ।
वार्त्तावह, (पुं.) दूत । जासूस ।
वार्त्तिक, (न.) वृत्ति स्वरूप में रचा
 गया ग्रन्थ विशेष । गद्य ग्रन्थ ।
वार्द्धक्य, (न.) बुढ़ापा ।
वार्द्धि, (पु.) समुद्र ।
वार्द्धुषि, (पु.) सूदखोर । ब्याज खाने वाला ।
वार्द्धुषिन्, (वि.) ब्याज पर जीने वाला ।
वार्द्धुष्य, (न.) ऋण दान ।
वार्द्धीणस, (पु.) गैंडा । जङ्गली बकरा
 जिसके लम्बे कान होते हैं ।
वार्मण, (न.) कवच पहिने हुए लोगों का
 समूह ।
वार्मुच, (पुं.) मेघ । बादल ।
वार्षिक, (वि.) सालाना । वर्षाती । (न.)
 एक औषध विशेष ।
वार्षिला, (स्त्री.) नरक विशेष ।
वार्ष्णेय, (पु.) कृष्ण । नल के सारथि का नाम ।
वार्हद्रथ (बार्हद्रथ), } (पु.) जरासन्ध ।
वार्हद्रथि (बार्हद्रथि), }
वालि (बालि), (पुं.) सुग्रीव का बड़ा भाई ।
वालुका (बालुका), (स्त्री.) रेती । चूर्ण । कपूर ।
वालुकाका, } (स्त्री.) ककड़ी ।
वालुकाकी, }
वाल्क, (न.) छाल का बना कपड़ा ।
वाल्मीकि, (पु.) रामायण बनाने वाले
 मुनि का नाम । इस नाम का एक चाण्डाल ।
 महाभारत में पाण्डवों के अश्वमेध की
 साफल्य सूचक शङ्ख इसी की पूजा और
 भोजन होने पर बजा था ।
वावदूक, (वि.) वक्ता । बातूनी ।
वावय, (पु.) तुलसी या उसी प्रकार का
 तीव्र गन्ध वाला वृक्ष ।
वावुट, (पुं.) नाव । डोंगी ।
वावृत्, (क्रि.) चुनना । प्यार करना ।
 खोजना । सेवा करना ।
वाश्, (क्रि.) गुर्राना । गरजना । चीखना ।
 (पशु पक्षियों की बोली) बुलाना ।
वाशित, (न.) पक्षियों की बोली । बुलाना ।
 पुकारना ।
वाशिता, (स्त्री.) हथिनी । स्त्री ।
वाशिष्ठ, } (न.) वसिष्ठमुनि का उपदेश
वासिष्ठ, } दिया हुआ योग विद्या
 का ग्रन्थ । योगवासिष्ठ ।
वास, (न.) घर । चौराहा । (पु.) दिन ।
वाष्प, } (पु.) भाफ । आँसू । हींग ।
वास्प, }
वास्, (क्रि.) सुगन्धित करना ।
वास, (पु.) घर । वस्त्र । रहना । सुगन्ध ।
वासक, (पु.) वस्त्र विशेष । अडूसा । दमे
 की उत्तम औषधि ।

वामन, (त्रि.) बौना । छोटा । अल्प । घटाया हुआ । कम किया गया । झुकाया गया । (पुं.) विष्णु का पांचवा अवतार। दक्षिण दिग्गज । काशिका वृत्ति के रचयिता का नाम ।

वामनी, (स्त्री.) बौनी स्त्री । घोड़ी । योनि का रोग विशेष ।

वामलूर, (पुं.) वल्मीक । वल्मी ।

वामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री ।

वामा, (स्त्री.) स्त्री । बड़ी प्यारी स्त्री । गौरी। लक्ष्मी । सरस्वती ।

वामाचार, (पुं.) उल्टी चाल । तन्त्र का आचार विशेष ।

वामी, (स्त्री.) घोड़ी । गधी । ऊंटिनी । गीदड़नी ।

वामोरु, (स्त्री.) सुन्दर जंघ वाली स्त्री ।

वायवी, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा ।

वायव्य, (त्रि.) पवन सम्बन्धी ।

वायस, (पुं.) काक । तारपीन ।

वायसाराति, (पुं.) उल्लू ।

वायु, (पुं.) पवन । पवनदेव । प्राणवायु ।

वायुपुत्र, (पुं.) हनुमान् । भीमसेन ।

वायुभक्ष, (पुं.) सर्प ।

वायुपरमंत्र, (न.) आकाश ।

वायुवाह, (पुं.) धूम्र । धूम ।

वायुवाहिनी, (स्त्री.) शरीर की नाड़ी विशेष ।

वायुसख, (पुं.) अग्नि । आग ।

वाय्वास्पद, (न.) आकाश ।

वार्, (न.) पानी । जल ।

वार, (पुं.) दफा । समूह । झुण्ड । निगड़ । दिन सोम मंगल आदि । समय । बारी । अवसर । द्वार । नदी का दूसरा सामने वाला तट । शिव । वृक्ष । (न.) जल । मदिरा रखने का पात्र ।

वारक, (त्रि.) रोकने वाला । हटाने वाला । (पुं.) घोड़े की चाल विशेष । घोड़े का पैर ।

वारण, (न.) रोक । निषेध । कवच (पुं.न.) हाथी । कवच ।

वारणबुशा, वारणबुसा, (स्त्री.) केले का पेड़ ।

वारणवल्लभा, (स्त्री.) केला । हथिनी ।

वारमुख्या, (स्त्री.) वेश्या ।

वारंवार, (अव्य.) बेर बेर ।

वारयितृ, (पुं.) पति । मालिक । (त्रि.) हटाने वाला ।

वारयोषा, (स्त्री.) वेश्या । रण्डी ।

वारवाण, (पुं. न.) कवच ।

वाराङ्गना, (स्त्री.) रण्डी ।

वाराणसी, (स्त्री.) काशी ।

वाराह, (पुं.) शूकर । वृक्ष विशेष । (त्रि.) शूकर सम्बन्धी ।

वाराहकल्प, (पुं.) जिस कल्प के आरम्भ में वाराह अवतार पहले हुआ हो । वर्तमान कल्प में श्वेत वाराह अवतार हुआ था इस लिये इसका नाम श्वेत वाराह कल्प है ।

वाराहपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक ।

वाराही, (स्त्री.) दुधारिया । भूमि । पृथिवी । शूकर के रूप में विष्णु की शक्ति । मातृ विशेष ।

वाराहीकन्द, (पुं.) एक प्रकार का कन्द ।

वारि, (न.) पानी । रस । तरल पदार्थ ।

वारिचर, (पुं.) पानी में चलने वाले जीवधारी जन्तु ।

वारिज, (न.) कमल । लौंग । निमक । और सुवर्ण । (पुं.) शङ्ख । घोंघा ।

वारित्रा, (स्त्री.) छाता । धूप आदि वह वस्तु जो पानी के बूंदों से बचाती है ।

वारिद, (न.) मेघ । नागरमोथा । (त्रि.) पानी देने वाला ।

वारिधि, (पुं.) समुद्र ।

वारिमसि, (पु.) मेघ । बादल ।
वारिराशि, (पु.) समुद्र ।
वारिरुह, (न.) कमल ।
वारिवाह, (पु.) मेघ ।
वारिश, (पु.) विष्णु ।
वारीश, (पुं.) समुद्र । वरुण ।
वारु, (पुं.) विजय कुञ्जर ।
वारुठ, (पुं.) अर्थी । टठरी । वह जिसपर मुर्दा लादा जाता है ।
वारुण, (वि.) वरुण सम्बन्धी । (पु.) भारतवर्ष के नौ खण्डों में से एक । (न.) जल ।
वारुणि, (पु.) अगस्त्य । भृगु ।
वारुणी, (स्त्री.) पश्चिम दिशा । मदिरा शतभिषा । दूर्वा घास । वरुण पत्नी ।
वारुण्ड, (पु.) सर्पराज (न.) आँख और कान का मैल । नाव से पानी उलीचने का पात्र ।
वारुण्डी, (स्त्री.) द्वार की सीढ़ी ।
वार्त्तिक, (पुं.) लेखक । भाट ।
वार्त्तिका, (स्त्री.) बटेर पक्षी ।
वार्त्त, (वि.) तन्दुरुस्त । हलका । निर्बल । असार । पेशे वाला । (न.) स्वास्थ्य । चातुर्य ।
वार्त्ताक, (पुं.) बैंगन । भटा ।
वार्त्तावह, (पु.) दूत । जासूस ।
वार्त्तिक, (न.) वृत्ति स्वरूप में रचा गया ग्रन्थ विशेष । गद्य ग्रन्थ ।
वार्द्धक्य, (न.) बुढ़ापा ।
वार्द्धि, (पुं.) समुद्र ।
वार्द्धुषि, (पु.) सूदखोर । ब्याज खाने वाला ।
वार्द्धुषिन्, (वि.) ब्याज पर जीने वाला ।
वार्द्धुष्य, (न.) ऋण दान ।
वार्द्धीणस, (पु.) गैंडा । जङ्गली बकरा जिसके लम्बे कान होते हैं ।
वार्मण, (न.) कवच पहिने हुए लोगों का समूह ।
वार्मुच, (पुं.) मेघ । बादल ।

वार्षिक, (वि) सालाना । बरसाती । (न.) एक औषध विशेष ।
वार्षिला, (स्त्री.) नरक विशेष ।
वार्ष्णेय, (पु.) कृष्ण । नल के सारथि का नाम ।
वार्हद्रथ (बार्हद्रथ), }
वार्हद्रथि (बार्हद्रथि), } (पु.) जरासन्ध ।
वालि (बालि), (पुं.) सुग्रीव का बड़ा भाई ।
वालुका (बालुका), (स्त्री.) रेती । चूर्ण । कपूर ।
वालुकाका, }
वालुकाकी, } (स्त्री.) ककड़ी ।
वाल्क, (न.) छाल का बना कपड़ा ।
वाल्मीकि, (पु.) रामायण बनाने वाले मुनि का नाम । इस नाम का एक चाण्डाल। महाभारत में पाण्डवों के अश्वमेध की सफलता बोधक शङ्ख इसी की पूजा और भोजन होने पर बजा था ।
वावदूक, (वि.) वक्ता । बातूनी ।
वावय, (पु.) तुलसी या इसी प्रकार का तीव्र गन्ध वाला वृक्ष ।
वावृत्त, (पुं.) नाव । डोंगी ।
वावृस्, (क्रि.) चुनना । प्यार करना । खोजना । सेवा करना ।
वाशृ, (क्रि.) गुर्राना । गरजना । चीखना । (पशु पक्षियों की बोली) बुलाना ।
वाशित, (न.) पक्षियों की बोली । बुलाना। पुकारना ।
वाशिता, (स्त्री.) हथिनी । स्त्री ।
वाशिष्ठ, }
वासिष्ठ, } (न.) वशिष्ठमुनि का उपदेश दिया हुआ योग विद्या का ग्रन्थ । योगवाशिष्ठ ।
वास, (न.) घर । चौपाया । (पु.) दिन ।
वाष्प, }
वास्प, } (पु.) भाफ । आँसू । हिंगुआ ।
वास्, (क्रि.) सुगन्धित करना ।
वास, (पु.) घर । वस्त्र । रहना । सुगन्ध ।
वासक, (पु.) वृक्ष विशेष । अडूसा । इसे की उत्तम औषधि ।

वामन, (वि.) बौना। छोटा। अल्प। घटाया हुआ। कम किया गया। झुकाया गया। (पुं.) विष्णु का पांचवां अवतार। दक्षिण दिग्गज। काशिका वृत्ति के रचयिता का नाम।

वामनी, (स्त्री.) बौनी स्त्री। घोड़ी। योनि का रोग विशेष।

वामलूर, (पु.) वल्मीक। बम्बी।

वामलोचना, (स्त्री.) सुन्दर नेत्र वाली स्त्री।

वामा, (स्त्री.) स्त्री। बड़ी प्यारी स्त्री। गौरी। लक्ष्मी। सरस्वती।

वामाचार, (पु.) उल्टी चाल। तन्त्र का आचार विशेष।

वामी, (स्त्री.) घोड़ी। गधी। ऊँटिनी। गीदड़नी।

वामोरु, (स्त्री.) सुन्दर वस्त्र वाली स्त्री।

वायवी, (स्त्री.) उत्तर पश्चिम दिशा।

वायव्य, (वि.) पवन सम्बन्धी।

वायस, (पु.) काक। तारपीन।

वायसाराति, (पुं.) उल्लू।

वायु, (पुं.) पवन। पवनदेव। श्वासवायु।

वायुपुत्र, (पु.) हनुमान्। भीमसेन।

वायुभक्ष, (पु.) सर्प।

वायुवर्त्मन्, (न.) आकाश।

वायुवाह, (पु.) धूआं। धूम।

वायुवाहिनी, (स्त्री.) शरीर की नाड़ी विशेष।

वायुसख, (पु.) अग्नि। आग।

वाय्वास्पद, (न.) आकाश।

वार, (न.) पानी। जल।

वार, (पु.) ढकना। समूह। क्षुण्ण। विशेष। दिवस जैसे रविवार आदि। समय। बारी। अवसर। द्वार। नदी का दूसरा अपने वाला तट। शिव। ढेर। (न.) जलपात्र। मदिरा रखने का पात्र।

वारक, (वि.) रोकने वाला। हटाने वाला। घोड़े की चाल विशेष। [illegible]

वारण, (न.) रोक। निषेध। [illegible] (पु.न.) [illegible]

वारणबुषा, **वारणबुसा**, (स्त्री.) केले का पेड़।

वारणवल्लभा, (स्त्री.) केला। हथिनी।

वारमुख्या, (स्त्री.) वेश्या।

वारंवार, (अव्य.) बेर बेर।

वारयितृ, (पुं.) पति। मालिक। (वि.) हटाने वाला।

वारयोषा, (स्त्री.) वेश्या। रण्डी।

वारवाण, (पु. न.) कवच।

वाराङ्गना, (स्त्री.) रण्डी।

वाराणसी, (स्त्री.) काशी।

वाराह, (पु.) शूकर। वृक्ष विशेष। (वि.) शूकर सम्बन्धी।

वाराहकल्प, (पु.) जिस कल्प के आरम्भ में वाराह अवतार पहले हुआ हो। वर्तमान कल्प में श्वेत वाराह अवतार हुआ था इस लिये इसका नाम श्वेत वाराह कल्प है।

वाराहपुराण, (न.) अठारह पुराणों में से एक।

वाराही, (स्त्री.) सुअरिया। भूमि। पृथिवी। शूकर के रूप में विष्णु की शक्ति। मातृ विशेष।

वाराहीकन्द, (पु.) एक प्रकार का कन्द।

वारि, (न.) पानी। [illegible]। गन्ध पदार्थ।

वारिचर, (पु.) पानी में चलने वाले जीव जन्तु।

वारिज, (न.) कमल। लौंग। निमक। गौर सुवर्ण। (पु.) शङ्ख। घोंघा।

वारित्र, (स्त्री.) [illegible]

वारिद, (न.) मेघ। बादल। मोथा। (वि.) पानी देने वाला।

वारिधि, (पु.) समुद्र।

वारिमसि, (पु.) मेघ। बादल।
वारिराशि, (पु.) समुद्र।
वारिरुह, (न.) कमल।
वारिवाह, (पु.) मेघ।
वारिश, (पु.) विष्णु।
वारीश, (पुं.) समुद्र। वरुण।
वारु, (पु.) विजय कुंजर।
वारुट, (पुं.) अर्थी। टटरी। यान जिसपर मुर्दा लादा जाता है।
वारुण, (त्रि.) वरुण सम्बन्धी। (पु.) भारतवर्ष के नौ खण्डों में से एक। (न.) जल।
वारुणि, (पु.) अगस्त्य। भृगु।
वारुणी, (स्त्री.) पश्चिम दिशा। मदिरा। शतभिषा। दूर्वा घास। वरुण पत्नी।
वारुण्ड, (पु.) सर्पराज (न.) आँख और कान का मैल। नाव से पानी उलीचने का पात्र।
वारुण्डी, (स्त्री.) द्वार की सीढ़ी।
वार्णिक, (पुं.) लेखक। क्लार्क।
वार्तिका, (स्त्री.) बटेर पक्षी।
वार्त्त, (त्रि.) तन्दुरुस्त। हल्का। निर्बल। असार। पेशे वाला। (न.) स्वास्थ्य। चातुर्य।
वार्त्ताक, (पु.) बैंगन। भटा।
वार्त्तावह, (पुं.) दूत। जासूस।
वार्त्तिक, (न.) टीका स्वरूप में रचा गया ग्रन्थ विशेष। गद्य ग्रन्थ।
वार्द्धक्य, (न.) बुढ़ापा।
वार्द्धि, (पुं.) समुद्र।
वार्द्धुषि, (पु.) सूदखोर। ब्याज खाने वाला।
वार्द्धुषिन्, (त्रि.) ब्याज पर जीने वाला।
वार्द्धुष्य, (न.) ब्याज दान।
वार्ध्रीणस, (पु.) गैंडा। आजी बकरा जिसके लम्बे कान होते हैं।
वार्मण, (न.) कवच पहिने हुए लोगों का समूह।
वार्मुच, (पु.) मेघ। बादल।

वार्षिक, (त्रि.) सालाना। बरसाती। (न.) एक औषध विशेष।
वार्षिला, (स्त्री.) नरक विशेष।
वार्ष्णेय, (पु.) कृष्ण। नल के सारथि का नाम।
वार्हद्रथ (बार्हद्रथ), वार्हद्रथि (बार्हद्रथि), } (पुं.) जरासन्ध।
वालि (बालि), (पु.) सुग्रीव का बड़ा भाई।
वालुका (बालुका), (स्त्री.) रेती। चूर्ण। कपूर।
वालुकाका, वालुकाकी, } (स्त्री.) ककड़ी।
वाल्क, (न.) छाल का बना कपड़ा।
वाल्मीकि, (पु.) रामायण बनाने वाले मुनि का नाम। इस नाम का एक चाण्डाल। महाभारत में पाण्डवों के अश्वमेध की सफलता द्योतक शङ्ख इसी की पूजा और भोजन होने पर बजा था।
वावदूक, (त्रि.) वक्ता। बातूनी।
वावय, (पु.) तुलसी या उसी प्रकार का तीव्र गन्ध वाला वृक्ष।
वावुट, (पुं.) नाव। डोंगी।
वावृत्, (क्रि.) चुनना। प्यार करना। सोचना। सेवा करना।
वाश्, (क्रि.) गुर्राना। गरजना। चीखना। (पशु पक्षियों की बोली) बुलाना।
वाशित, (न.) पक्षियों की बोली। बुलाना। पुकारना।
वाशिता, (स्त्री.) हथिनी। स्त्री।
वाशिष्ठ, वासिष्ठ, } (न.) वसिष्ठमुनि का उपदेश दिया हुआ योग विद्या का ग्रन्थ। योगवासिष्ठ।
वाश्र, (न.) घर। चौराहा। (पु.) दिन।
वाष्प, वास्प, } (पु.) भाफ। आँसू। [illegible]।
वास्, (त्रि.) सुगन्धित करना।
वास, (पु.) घर। वस्त्र। रहना। सुगन्ध।
वासक, (पु.) वृक्ष विशेष। अडूसा। इसे - की उत्तम औषधि।

वासकसज्जा, (स्त्री.) नायिका विशेष ।
वासगृह, (न.) घर के बीच का कमरा ।
वासतेयी, (स्त्री.) रात ।
वासन, (न.) धूप देना । कपड़ा । रहने का स्थान । ज्ञान ।
वासना, (स्त्री.) प्रत्याशा । भरोसा । खुशबूदार करना ।
वासन्त, (पुं.) ऊंट । हाथी का बच्चा । कोयल । दक्षिणी वायु जो मलय पर्वत पर होकर चलता है । मूंग ।
वासन्ती, (स्त्री.) एक प्रकार की चमेली । बड़ी मिर्च । पुष्प विशेष । एक उत्सव जो कामदेव का कहलाता है । लता विशेष ।
वासर, (पु. न.) दिन । नाग भेद ।
वासवदत्ता, (स्त्री.) ग्रन्थ विशेष । एक नायिका का नाम जिसका परिचय भिन्न भिन्न ग्रन्थों में भिन्न भिन्न प्रकार का पाया जाता है ।
वासस्, (न.) कपड़ा । वस्त्र ।
वासागार, (न.) रहने योग्य गृह ।
वासि, } (स्त्री.) एक प्रकार की कुल्हाड़ी ।
वासी, } रहने वाला ।
वासित, (त्रि.) सुरभीकृत । बसाया गया । सुगन्ध युक्त किया गया ।
वासु, (पुं.) विष्णु ।
वासुकि, (पु.) [illegible]
वासुदेव, (पु.) श्रीकृष्ण । विष्णु ।
वासू, (स्त्री.) [illegible]
वास्तव, (न.) [illegible]
वास्तविक, (त्रि.) [illegible]
वास्तव्य, (त्रि.) रहने [illegible] । रहने योग्य ।
वास्तु, (पु.) [illegible] भूमि । घर । [illegible]
वास्तेय, (त्रि.) रहने योग्य ।
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]
[illegible], (त्रि.) [illegible]

वाह, (पु.) कुली । मजूर । ढोने वाला जानवर । घोड़ा बैल भैंसा आदि । गाड़ी रथ । बाँह । हवा । चार भार का भार विशेष ।
वाहन, (न.) सवारी ।
वाहिनी, (स्त्री.) सेना । नदी ।
वाहिनीपति, (पुं.) सेना का मालिक । समुद्र ।
वाहीक, (पु.) जाति विशेष ।
वाहु (बाहु), (पुं.) बाहु । रेखा विशेष ।
वाहुमूल (बाहुमूल), (न.) काँख । बगल ।
वाह्य, (न.) अश्वादि सवारी । बन्दर । (त्रि.) बाहिर का ।
वाह्लिक, } (पुं.) बलखबुखारा देश ।
वाह्लीक, } इस देश में उत्पन्न हुआ घोड़ा । (न.) केशर । हींग ।
वि, (अव्य.) वियोग । विशेष । असहन । निग्रह । हेतु । अव्याप्ति । ईषद् । परिभव । शुद्धि । अवलम्बन । ज्ञान । गति । आलस्य । पालन । इसको संज्ञा के पूर्व लगाने से उसके अनेक प्रकार के अर्थ हो जाते हैं ।
वि, (पु. स्त्री.) पक्षी । घोड़ा । जानेवाला । सोम ।
विंश, (त्रि.) बीसवाँ ।
विंशक, (न.) [illegible]
विंशति, (स्त्री.) [illegible]
विंशतिक, (त्रि.) बीस के योग्य अथवा बीस के मूल्य का ।
विंशतितम, (त्रि.) बीसवाँ ।
विक, (न.) [illegible]
विकङ्कत, (पु.) [illegible]
[illegible]
विकट, ([illegible]) [illegible]
[illegible] (पु.) [illegible]
[illegible], (पु.) [illegible]

विकत्थन, (न.) आत्मश्लाघा। बढ़ बढ़ कर बोलना।

विकर्त्तन, (पु.) सूर्य। अर्क वृक्ष। [illegible]

विकर्मस्थ, (पु. वि.) निन्द्य आचरण में लिप्त। अनाचारी।

विकल, (वि.) व्याकुल। घबराया हुआ। बिगड़ा हुआ।

विकलाङ्ग, (वि.) न्यूनाधिक अङ्ग वाला।

विकल्प, (पु.) सन्देह। पक्ष या मत।

विकस्वर, } (वि.) प्रकाशशील। चमकने वाला।
विकश्वर, }

विकषा, (स्त्री.) मजीठ।

विकसित, } (वि.) [illegible] हुआ। खिला हुआ।
विकासित, }

विकार, (पु.) परिवर्तन। बीमारी।

विकाल, (पु.) विरुद्ध समय सायङ्काल वह समय जिसमें देव पितृ कोई भी कार्य न किया जाय। सांझ।

विकाश, (न.) अकेले। प्रकाश। [illegible] आकाश। [illegible]

विकासित, (वि.) खिला हुआ।

विकिर, (पु.) पक्षी। कुत्ता। [illegible] भिन्न भिन्न [illegible] आती है।

विकिरण, (न.) फैलाना। [illegible] (पु.) आक का पेड़। (वि.) [illegible] रहित।

विकीर्ण, (वि.) [illegible]

विकुञ्चित, (वि.) सिकुड़ा हुआ।

विकुक्षि, (पु.) सूर्यवंशी एक राजा।

विकृत, (वि.) [illegible]

विक्रम, (पु.) [illegible] विक्रमादित्य [illegible] इतिहास प्रसिद्ध है।

विक्रमादित्य, (पु.) [illegible] जिस के नाम का संवत् चलता है।

विक्रमिन्, (पुं.) विष्णु। सिंह। (वि.) वीर।

विक्रय, (पु.) बेचना।

विक्रयिक, (पु.) बेचने वाला।

विक्रयिन्, (वि.) बेचने वाला।

विक्रान्त, (पुं.) शेर। वीर। विक्रम। बहादुरी।

विक्रिया, (स्त्री.) विकार। बदलना। वस्तु का अन्यथा परिणाम।

विक्रेय, (वि.) बेचने योग्य वस्तु।

विक्लव, (वि.) घबराहट।

विक्लिन्न, (वि.) गीला। [illegible] हुआ। पुराना।

विक्षाव, (पुं.) [illegible]

विक्षेपशक्ति, (स्त्री.) [illegible] वेदान्त के अनुसार अविद्या की एक शक्ति।

विख्य, (वि.) नकटा।

विख्यात, (वि.) प्रसिद्ध।

विगणन, (न.) गणना करना। हिसाब।

विगत, (वि.) बीता हुआ। [illegible]

विगतार्तवा, (स्त्री.) [illegible]

विगम, (पु.) नाश। [illegible]

विगर्हण, (न.) निन्दा। [illegible]

विगर्हित, (वि.) निन्दित।

विगाढ, (वि.) [illegible] हुआ।

विगान, (न.) निन्दा। [illegible] हुआ। [illegible]

विगलित, (वि.) [illegible] हुआ।

विगुण, (वि.) [illegible]

विगृहीत, (वि.) [illegible] हुआ। [illegible] किया हुआ शब्द।

विघ, (वि.) [illegible]

विघस, (पु.) [illegible]

विघटिका, (स्त्री.) [illegible]

विघटित, (त्रि.) वियोजित। विशेष रीति बनाया हुआ।
विघट्टित, (त्रि.) जुदा किया हुआ।
विघस, (पु.) आहार (न.) मोम।
विघसाशिन्, (त्रि.) देव पितृ कार्य से बचा हुआ खाने वाला।
विघात, (पुं.) व्याघात। चोट। रुकावट। विघ्न।
विघातिन्, (त्रि.) विघातक। हटाने वाला। नाश करने वाला। मारने वाला। हत्यारा।
विघ्न, (पु.) व्याघात। रुकावट। कृष्ण पाक फला नामक एक बूटी।
विघ्ननाशक, (पुं.) विघ्नों को मिटाने वाला। गणेश।
विघ्नराज, (पुं.) गणेश।
विघ्नित, (त्रि.) जिसमें विघ्न होगया हो।
विच्, (क्रि.) अलग करना।
विचक्षण, (पुं.) पण्डित। चतुर। (स्त्री.) नाग दमनी।
विचयन, (न.) खोज। ढूंढना।
विचर्चिका, (स्त्री.) खाज। खुजली।
विचार, (पु.) तत्वनिर्णय। विवेक। सोचना।
विचारण, (न.) मीमांसा करना। विचार करना।
विचि, विची, (पु. स्त्री.) तरङ्ग। लहर।
विचिकित्सा, (स्त्री.) सन्देह। तर्क।
विचित्र, (न.) अद्भुत। धब्बेदार। चित्र विचित्र रङ्ग का। सुन्दर।
विचित्रवीर्य, (पु.) शान्तनु राजा का बेटा। (त्रि.) अद्भुत पराक्रम वाला।
विचित्राङ्ग, (पु.) मोर। व्याघ्र। (त्रि.) अद्भुत शरीर वाला।
विचेतस्, (त्रि.) अज्ञान। दुर्मना। [illegible]। [illegible]। दुष्ट।
विचेष्टित, (त्रि.) [illegible]।

विच्छ्, (क्रि.) चमकना। जाना।
विच्छन्दक, (पुं.) ईश्वर गृह। कई तरह का बड़ा भवन।
विच्छाय, (न.) पक्षियों के समूह की छाया। (त्रि.) छाया रहित।
विच्छित्ति, (स्त्री.) अङ्गराग। एक प्रकार का चन्दन। हार विशेष। छेद। टूट। नाश। विच्छेद। स्त्रियों की चेष्टा विशेष।
विच्छिन्न, (त्रि.) विभक्त। पाया हुआ। छेदन।
विच्छेद, (पु.) वियोग। विछोह। विभाग। अलगाव।
विछ्, (क्रि.) पृथक् करना। बकना। कोसना।
विजन, (त्रि.) निर्जन। एकान्त। अकेला स्थान।
विजनन, (न.) गर्भमोचन। प्रसव। निकलना।
विजय, (पुं.) अर्जुन। विमान। यमराज। जीत। पराक्रम पूर्वक पकड़ना।
विजयकुञ्जर, (पुं.) राज वाहन गज। वह प्रधान हाथी जिस पर बैठ कर रण में विजय किया जाय।
विजया, (स्त्री.) आश्विन शुक्ला १० मी। उमा की एक सखी। दुर्गा। जयन्ती। शेफालिका। मजीठ। भाँग। [illegible] विशेष। शमी विशेष।
विजयार्थिन्, (त्रि.) विजय चाहने वाला।
विजिगीषा, (स्त्री.) जीतने की अभिलाषा। जिस उत्कर्ष की इच्छा से पर विजय में प्रवृत्त होना।
विजिल, (न.) [illegible]। [illegible]। दुध मट्ठा।
विजृम्भण, (न.) विकास। जम्हाई।
विजृम्भित, (त्रि.) विकसित। खिला हुआ। [illegible]। [illegible]।
विज्ञ, (पु.) पण्डित। चतुर।
विज्ञप्त, (त्रि.) विज्ञापित। जताया हुआ।

विज्ञान, (न.) विशेष ज्ञान । वेदान्त में कहा हुआ अविद्या की वृत्ति का भेद ।

विज्ञानमय कोष, (पु.) ज्ञान की इन्द्रिय और बुद्धि ।

विज्ञानिक, (वि.) विज्ञान जानने वाला ।

विट्, (क्रि.) चिल्लाना । शब्द करना ।

विट, (पु.) धूरत । जार । पर्वत विशेष । चूहा । खदिर वृक्ष । नारंगी का वृक्ष ।

विटङ्क, (न.) कबूतरों की काबुक । कबूतरों के बैठने की छतरी ।

विटप, (पु. न.) शाखा । पल्लव विस्तार । (वि.) विटपालक ।

विटपिन्, (पु.) वृक्ष । पेड़ ।

विटि, **विटी**, (स्त्री.) पीत चन्दन ।

विट्चर, (पु.) गाँव का पालतू सूअर ।

विट्पति, (पु.) जमाई ।

विड्, (क्रि.) चिल्लाना ।

विड, (न.) लवण भेद । एक प्रकार का नोन ।

विडङ्ग, (पु. न.) कृमिनाशक एक औषधि । वाय विडङ्ग । (त्रि.) अभिज्ञ । जानने वाला ।

विडम्बन, (न.) तिरस्कार । अनुकरण । (स्त्री.) हँसी ।

विड़ाल (बिडाल), (पुं.) बिल्ला । नेत्र का गोला । नेत्र की औषधि विशेष ।

विडीन, (न.) पक्षियों की एक प्रकार की गति ।

विडौजस्, **विडोजस्**, (पुं.) इन्द्र ।

विड्वराह, (पुं.) ग्राम शूकर ।

वितंस, (पु.) पक्षियों को बाँधने का फन्दा आदि ।

वितण्डा, (स्त्री.) एक प्रकार के वाद प्रतिवाद का ढङ्ग । ज्ञान की अल्पज्ञता छिपाने के लिये मन गढ़न्त बातों से वाद विवाद करना । अपना पूर्वपक्ष समर्थन करने के बिना ही परपक्ष को हठ से दबाना । झूठा झगड़ा । व्यर्थ का झगड़ा । बकवाद ।

वितथ, (त्रि.) झूठा । अयथार्थ ।

वितद्रु, (स्त्री.) पञ्जाब की एक नदी ।

वितरण, (न.) दान । देना । बाँटना । सुपुर्द देना ।

वितर्क, (पुं.) सन्देह । तर्क । ज्ञान की यथार्थता पर ऊहापोह करना ।

वितर्दि, (स्त्री.) वेदी ।

वितल, (न.) पाताल विशेष ।

वितस्ति, (पुं. स्त्री.) बालिश्त । बारह अङ्गुल का माप ।

वितान, (न. पु.) चन्दोवा । शामियाना । वृत्ति विशेष । अवसर । यज्ञ । फैलाव ।

वित्, (क्रि.) त्यागना ।

वित्त, (न.) धन । (त्रि.) विचारा गया । जाना गया । पाया गया ।

वित्ति, (स्त्री.) ज्ञान । लाभ । विचार ।

वित्तेश, (पु.) कुबेर । धन का स्वामी ।

विथ्, (क्रि.) माँगना ।

विद्, (क्रि.) लाभ होना । पाना । विचार करना । होना । जानना ।

विदग्ध, (त्रि.) नगरवासी । होशियार । पण्डित । चतुर ।

विदग्धा, (स्त्री.) नायिका विशेष । चतुर और चालाक स्त्री ।

विदु, (पु.) पण्डित । वेत्ता । बुध ग्रह ।

विदथ, (पु.) योगी । कृतकृत्य । सफल मनोरथ ।

विदर्भ, (पु. स्त्री.) वह देश जहाँ दर्भ न हों । कौण्डिन्य के निकट भीष्मक की राजधानी, जो हाल में अमरावती नाम से

प्रसिद्ध है। यह उज्जैन जिले में है। [illegible] के चिह्न भी यहां के [illegible] हैं। यही [illegible] समय में कुण्डिनपुर था जो [illegible] ने इसको जीत कर [illegible] था। राजधानी धारा [illegible]

[illegible]

[illegible], ([illegible]) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विद्यमान, (पु.) वर्तमान काल। (वि.) मौजूद।

विद्या, (स्त्री.) ज्ञान। मंत्र विशेष।

[illegible], } (वि.) विद्या में [illegible]।
[illegible], }

[illegible], (पु.) विद्या द्वारा [illegible] प्राप्त।

[illegible], (अ.) [illegible]

[illegible], (अ.) विद्या द्वारा [illegible] धन ([illegible] करके या विद्या [illegible] कर)।

[illegible], (पु.) देवता विशेष।

विद्युत्, (स्त्री.) बिजली। चपला।

[illegible], (अ.) [illegible]

[illegible], (स्त्री.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विधातृ, (पुं.) प्रजापति । ब्रह्मा । कामदेव । मदिरा । भृगु मुनि के पुत्र । कार्यकर्ता ।
विधान, (न.) विधि । प्रकार । कार्य का निर्देश । गजभक्ष्यदान ।
विधानज्ञ, (पुं.) पण्डित । विधि जानने वाला । कार्यकुशल । होशियार ।
विधायक, (त्रि.) विधानकर्त्ता । कार्य का व्यवस्थापक ।
विधि, (पु.) ब्रह्मा । भाग्य । क्रम । प्रवर्त्तना रूप नियोग । विष्णु । काल । गजभक्ष्याध। वैद्य । नयी आज्ञा देना । व्याकरण का सूत्र विशेष । आर्जन ।
विधिज्ञ, (त्रि.) विधि को जानने वाला ।
विधित्सा, (स्त्री.) करने की चाह ।
विधिदेशक, (पु.) गुरु । सदस्य ।
विधिवत्, (अव्य.) विधि के अनुसार । यथाविधि ।
विधु, (पुं.) चन्द्रमा । विष्णु । ब्रह्मा । राक्षस। कपूर । वायु ।
विधुत, (त्रि.) कँपा हुआ । त्यक्त ।
विधुनन, (न.) हिलाना । कँपाना । फट-कारना ।
विधुन्तुद, (पुं) राहु । बादल ।
विधुर, (त्रि.) विश्लिष्ट । विकल । (न.). अलग होना ।
विधुवन, (न.) कम्पन ।
विधूत, (त्रि.) कम्पित । त्यक्त ।
विधेय, (त्रि.) करने योग्य । आज्ञाकारी । समझाया हुआ ।
विध्वंस, (पु.) नाश ।
विनत, (त्रि.) प्रणत । झुका हुआ । टेढ़ा । शिक्षित । गरुड़ की माता । कश्यप की स्त्री ।
विनतासुनु, (पुं.) अरुण और गरुड़ ।
विनय, (पु.) शिक्षा । प्रणाम । अनुनय । (त्रि.) निभृत । क्षिप्त । जितेन्द्रिय ।
विनयग्राहिन्, (त्रि.) अधीन । आज्ञा-कारी ।
विनयस्थ, (त्रि.) कहना मानने वाला ।
विनशन, (न.) विनाश । कुरुक्षेत्र ।
विना, (अव्य.) बगैर । वर्जन ।
विनाकृत, (त्रि.) त्यक्त । रहित ।
विनायक, (पुं.) गणेश । गरुड़ । विघ्न । (त्रि.) गुरु । विनय वाला । नम्र ।
विनाश, (पु.) ध्वंस ।
विनाशोन्मुख, (त्रि.) नष्टप्राय । विनाश के लिये उद्यत ।
विनाह,
वीनाह, } (पुं.) कूए का ढकना ।
विनिद्र, (त्रि.) जागा हुआ ।
विनिमय, (पु.) बदला । बदला । बन्धक । धमानत । एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना ।
विनियोग, (पु.) काम में लगाना ।
विनीत, (त्रि.) विनय युक्त । दण्ड पाया हुआ । फैला गया । दूर किया हुआ । (पुं.) सिखाया हुआ । अश्व । वृक्ष विशेष ।
विनेतृ, (पुं.) शिक्षक । राजा ।
विनेय, (त्रि.) सिखाने योग्य । पाने योग्य ।
विनोक्ति, (स्त्री.) अलङ्कार विशेष ।
विनोद, (पुं.) खेल । कौतूहल । हास्यरस ।
विन्दु (बिन्दु), (पुं.) बूंद । बिन्दी । अनुस्वार । चिह्न । (त्रि.) जानने वाला । जानने योग्य ।
विन्दुजाल (बिन्दुजाल), (न.) हाथी की सूँड़ पर का बिन्दु के समान चिह्न ।
विन्दुपत्र (बिन्दुपत्र), (पु.) भोजपत्र ।
विन्दुसरस् (बिन्दुसरस्), (न.) एक तालाब जो कर्दमऋषि की तपस्या से उत्पन्न होकर दहाई हो कर श्री विष्णु ने आँसू बहाये उनसे भर गया । " विन्दु सरोवर " यह गुजरात में सरस्वती नदी के किनारे सिद्धपुर में प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है ।

विप्लाव, (वि.) घोड़े की गति विशेष। डूबा। चारों ओर से पानी का उमड़ाव।
विप्लुत, (वि.) आफ़त में फँसा हुआ। बिगड़ा हुआ। उपद्रुत।
विफल, (वि.) निरर्थक। निष्फल।
विफला, (स्त्री.) केतकी। केवड़ा।
विबध, (पु.) एकत्र किये हुए चावल आदि।
विबन्ध, (पुं.) रोग विशेष।
विबुध, (पु.) पण्डित। देवता।
विभक्त, (वि.) बाँटा हुआ।
विभक्ति, (स्त्री.) विभाग। व्याकरण में सुप् तिङ् प्रत्यय।
विभव, (पुं) धन। मोक्ष। ऐश्वर्य। एक वर्ष का नाम।
विभा, (स्त्री.) किरण। शोभा। प्रकाश।
विभाकर, (पुं.) सूर्य। अर्कवृक्ष।
विभाग, (पु.) भाग। हिस्सा। बटवारा।
विभाज्य, (वि.) विभाग योग्य।
विभाण्डक, (पुं.) मुनि विशेष। ऋष्यशृङ्ग ऋषि के पिता।
विभात, (न.) प्रभात।
विभाव, (पु.) परिचित। मित्र। उत्तेजन देने वाला।
विभावना, (स्त्री.) एक प्रकार का अलङ्कार, जिसमें कारण के बिना कार्य की उत्पत्ति प्रदर्शित होती है।
विभावरी, (स्त्री.) रात्रि। हल्दी। कुटनी।
विभावसु, (पु.) सूर्य। आक का वृक्ष। आग। चित्रक वृक्ष।
विभाषा, (स्त्री.) निषेध। विकल्प।
विभिन्न, (वि.) प्रकाशित। चमका हुआ। विदलित। खिला हुआ।
विभीतक, (पुं.) बहेड़े का पेड़। बहुत डरा हुआ।
विभीषण, (पु.) शत्रुओं को बहुत डराने वाला। रावण का छोटा भाई। नल वृक्ष।
विभीषिका, (स्त्री.) भय प्रदर्शन।
विभु, (पु.) [redacted]। महादेव। बलवान्। प्रभु।
विभूति, (स्त्री.) भस्म। राख। अणिमा आदि आठ प्रकार का ऐश्वर्य।
विभूषा, (स्त्री.) शोभा। भूषण। सजावट।
विभ्रम, (पुं.) स्त्रियों के शृङ्गार का अङ्ग विशेष। चेष्टा विशेष। शोभा। सन्देह। भ्रमण। स्त्रियों का विलास।
विभ्राज्, (वि.) भूषण।
विमत, (वि.) बैरी। शत्रु।
विमनस्, विमनस्क, (वि.) व्याकुल चित्त।
विमर्द, (पुं.) मसलना। घटना।
विमर्शन, (न.) परामर्श। वितर्क। विचार।
विमर्ष, (पुं.) विचार। नाटक का एक अङ्ग।
विमल, (वि.) स्वच्छ। साफ। निर्मल।
विमातृ, (स्त्री.) सौतेली माता।
विमातृज, (पु.) सौतेला भाई।
विमान, (पु. न.) माप विशेष। चक्रवर्ती का एक घर। घोड़ा। देवताओं का यान।
विमार्ग, (पु.) बुरा रास्ता। कुपथ। निन्दिताचार।
विमुद्र, (वि.) खिला हुआ। विकसित।
विम्ब(बिम्ब), (पु. न.) दर्पण। परछाहीं। कमण्डलु। सूर्य आदि का मण्डल। बिम्बिका फल। कुँदरू।
वियत्, (न.) आकाश। आसमान।
वियद्गङ्गा, (स्त्री.) स्वर्गङ्गा। आकाशगङ्गा।
वियात, (वि.) धृष्ट। ढीठ। बेशरम। निर्लज्ज।
वियोग, (पु.) विच्छेद। बिछोह।
वियोगिन्, (पुं.) चकवाक। चकवा पक्षी।
विरक्त, (वि.) विरत। हटा हुआ।
विरचित, (वि.) बनाया गया। निर्मित।
विरजस्तमस, (वि.) सत्त्व प्रधान।
विरजस्, (स्त्री.) ऋतु रहित स्त्री।

ाकृत, (त्रि.) विभक्त । व्याख्या किया हुआ । भली प्रकार किया गया ।

ाक्रोश, } (त्रि.) फैला हुआ । खिला
ाकोष, } हुआ । प्रफुल्ल ।

ाक्षिप्, (क्रि.) उछालना । फैलाना । खोलना ।

ाक्षोभ, (पुं.) हलचल । घबराहट ।

ाख्या, (स्त्री.) विस्तार से किसी विषय को सरल शब्दों में कहना । वर्णन । कथन ।

ाख्यात, (त्रि.) वर्णित । कहा हुआ । व्याख्यान किया हुआ ।

ाख्यान, (न.) वर्णन । वक्तृता । किसी विषय को भली भाँति खुलासा कर के पाँच लक्षण युक्त कहना । जैसे—"पदच्छेदः पदार्थोक्तिर्विग्रहो वाक्ययोजना । आक्षेपस्य समाधानं व्याख्यानं पञ्चलक्षणम् ॥"

ाघट्टन, (न.) मथना । परस्पर रगड़ना ।

ाघात, (पुं.) चोट । विघ्न । रुकावट । अर्थ सम्बन्धी एक अलङ्कार ।

ाघ्र, (पुं.) बाघ । लाल एरण्ड । करञ्ज का वृक्ष ।

याघ्रास्य, (पुं) बिडाल । बिल्ला ।

याज, (पु.) बहाना । कपट ।

याजनिन्दा, (स्त्री.) कपट निन्दा । अर्थालङ्कार विशेष ।

याजस्तुति, (स्त्री.) अर्थालङ्कार विशेष । कपट युक्त प्रशंसा ।

याजोक्ति, (स्त्री.) अर्थालङ्कार विशेष । कपट युक्त कहना ।

याड, (पु.) मांस खाने वाले जीव जैसे बाघ सिंही आदि । सर्प । इन्द्र । (त्रि.) ठग । गुण्डा ।

याडि, (पुं.) एक ग्रन्थकार । जिसने व्याकरण और कोष के एक एक ग्रन्थ रचे ।

याध, (पु.) शिकारी । बहेलिया ।

याधभीत, (पु.) जो पारधी को देख कर डरे । हिरन । पशु आदि ।

व्याधि, (पुं.) रोग । बीमारी । कोढ़ का रोग । उपद्रव ।

व्याधित, (त्रि.) बीमार । उपद्रव युक्त ।

व्याघुत, } (त्रि.) काँपा हुआ । हिला हुआ ।
व्याघूत, }

व्यान, (पुं.) प्राण वायु विशेष ।

व्यापक, (त्रि.) फैला हुआ ।

व्यापन्न, (त्रि.) मरा हुआ । विपत्ति में फँसा हुआ ।

व्यापाद, (पु.) हिंसा । वध । द्रोहचिन्तन ।

व्यापादन, (न.) मारना । दूसरे का बुरा सोचना ।

व्यापार, (पुं.) काम । लाभ होने योग्य काम । परिश्रम । चेष्टा । उद्योग ।

व्यापारिन्, (त्रि.) व्यापारी । उद्यमी ।

व्यापिन्, (त्रि.) फैला हुआ । (पुं.) विष्णु ।

व्यापृत, (त्रि.) व्यापार वाला ।

व्याप्त, (त्रि.) पूर्ण । पूरा । भरा हुआ ।

व्याप्ति, (स्त्री.) पूर्ति—व्यापकता ।

व्याप्य, (त्रि.) व्याप्त होने के लायक, जैसे—शमी की लकड़ी में आग इत्यादि ।

व्याम, (पु.) दोनों भुजाओं के बीच का माप विशेष ।

व्यायत, (त्रि.) लम्बा । चौड़ा । दृढ़ । बहुत । (न.) लम्बाई । चौड़ाई ।

व्यायाम, (पुं.) श्रम । मेहनत । कसरत ।

व्यायोग, (पु.) एक प्रकार का काव्य ।

व्याल, (त्रि.) दुष्ट । बुरा । निडर । (पु.) दुष्ट या खूनी हाथी । सर्प । बाघ । चीता । राजा । छलिया । ठग । विष्णु का नाम ।

व्यालक, (पुं.) निर्दई हाथी ।

व्यालग्राह, (पु.) सपेरा । साँप पकड़ने वाला ।

व्यालरूप, (पु.) शिव ।

व्यालम्ब, (पु.) एरण्ड वृक्ष विशेष ।

व्यालोल, (त्रि.) हिलने वाला । काँपने वाला । खुला हुआ । स्पष्ट ।

व्यवकलन, (न.) घटाना। बाकी।
व्यवहासी, (स्त्री.) परस्पर हँसना।
व्यावृत्त, (वि.) घूमा। घेरा। गोल। निवृत्त। हटाया। रुक गया।
व्यावृत्ति, (स्त्री.) निवारण। हटाव। लौटना।
व्यास, (पुं.) भागों में विभाग। चौड़ाई, चौड़ाई। वृत्त का व्यास। समष्टिकर्त्ता या विभाग कर्त्ता विशेष। सत्यवती सुत। द्वैपायन व्यास।
व्यासक्त, (वि.) तत्पर। आसक्त।
व्यासङ्ग, (पुं.) आसक्ति।
व्यासिद्ध, (वि.) निषिद्ध। रोका गया।
व्याहृत, (वि.) उच्चारित हुआ। कहा हुआ।
व्याहार, (पुं.) वाक्य। उक्ति।
व्युत्क्रम, (पुं.) क्रम विपर्यास। उलट पुलट।
व्युत्थान, (न.) बैर बाँधना। स्वातन्त्र्य कार्य। प्रतिरोधन। नृत्य विशेष।
व्युत्पत्ति, (स्त्री.) उत्पत्ति। शब्दों के अर्थ जानने की शक्ति। सब पदार्थ की ज्ञान शक्ति।
व्युत्पन्न, (वि.) पण्डित। विद्वान्। बुद्धिमान्।
व्युदस्त, (वि.) फेंका हुआ। तिरस्कार किया हुआ।
व्युदास, (पुं.) निरादर करना।
व्युष्, (क्रि.) त्यागना। बोलना।
व्युष्ट, (वि.) दग्ध। जला हुआ।
व्यूढ, (वि.) विशेष रीति से सेना की रची होना। चौड़ा। फैला हुआ। पहिना हुआ। विवाहित।
व्यूत, (वि.) सीया हुआ। बुना हुआ।
व्यूह, (पुं.) समूह। निर्माण। सम्पूर्ण तर्क। शरीर। सेना।
व्यो, (अव्य.) स्नेह। बीज।
व्योकार, (पुं.) लुहार।
व्योमकेश, (पुं.) शिव। महादेव।
व्योमचारिन्, (पुं.) पक्षी। देवता। मेघ।

व्योमधूम, (पुं.) मेघ। बादल।
व्योमन्, (न.) आकाश। पानी।
व्योमयान, (न.) उड़न खटोला। विमान। आकाश गामी विमान।
व्योष, (न.) तीन कड़वी वस्तु-यथा, सोंठ, काली मिर्च और पीपल। त्रिकटु।
व्रज्, (क्रि.) जाना। चलना।
व्रज, (पुं.) समूह। झुण्ड। ग्वालों के रहने का स्थान। गौ शाला। सड़क। बादल। पुराणेतिहासप्रसिद्ध चौरासी कोस का मथुरा मण्डल।
व्रजनाथ, (पुं.) श्रीकृष्ण।
व्रजमोहन, (पुं.) श्रीकृष्ण।
व्रजवल्लभ, (पुं.) श्रीकृष्ण।
व्रजाङ्गना, (स्त्री.) व्रज वासिनी स्त्री। गोपी।
व्रज्या, (स्त्री.) पर्यटन करना। घूमना। युद्ध की इच्छा से जाना।
व्रण्, (क्रि.) घाव लगना। चोट लगना।
व्रण, (पुं. न.) घाव। जखम। फोड़ा।
व्रणित, (वि.) घायल। चोटैल।
व्रत, (पुं. न.) पुण्य के साधन उपवासादि नियम विशेष। प्रतिज्ञा।
व्रतति, } (स्त्री.) लता। बेल। पसार।
व्रतती, } फैलाव।
व्रतिन्, (पुं.) यजमान। व्रत धारण करने वाला। विरती।
व्रश्च्, (क्रि.) काटना। टुकड़े करना।
व्रश्चन, (पुं.) आरी। [illegible] छोटी। (न.) काटना। [illegible]।
व्राज, (पुं.) समूह। झुण्ड।
व्राजि, (स्त्री.) [illegible]।
व्रात, (पुं.) समूह। झुण्ड। [illegible] मजदूरी।
व्रातीन, (वि.) [illegible]

शात्य, (पुं.) संस्कार च्युत द्विज । नीच मनुष्य । वर्णसङ्कर विशेष । शठ । "सावित्री पतिता व्रात्याः ॥"—मनुः ।
शात्यस्तोम, (पुं.) व्रात्य के करने योग्य यज्ञ । वेद में एक तन्त्र जो व्रात्यों ही के लिये है ।
शीं, (कि.) सुनना । जाना । ढकना । सुना जाना ।
शीड, } (पुं.) लज्जा ।
शीडा, } (स्त्री.)
शीडन, (न.) लजाना ।
शीडित, (त्रि.) लज्जित ।
शीण्, (कि.) नाश करना । वध करना ।
शीहि, (पुं.) धान्य ।
शीहिकाञ्चन, (न.) एक प्रकार की दाल ।
शुड्, (कि.) ढकना । एकत्र करना । ढेर करना । डूबना ।
श्रैहेय, (त्रि.) धान्य । धान उपजने योग्य खेत ।
श्लीं, (कि.) जाना । पकड़ना । सहारना । [illegible] देना । चुनना ।
श्लेड् (कि.) देखना ।

श

श, (न.) [illegible] । [illegible] । (न.) [illegible] ।
शंयु (त्रि.) [illegible] ।
शंस, (पुं.) [illegible] ।
[illegible]
शंसन, (न.) [illegible] ।
शंसा, (कि.) [illegible] ।
[illegible]
शंसित (त्रि.) [illegible]
[illegible]
[illegible]

शक, (पुं.) एक देश । एक जाति । एक राजा जिसने अपना शक चलाया । उसका चलाया वर्ष । युधिष्ठिर, विक्रमादित्य और शालिवाहन इन तीनों राजाओं ने अपने अपने शक चलाये थे ।
शकट, (पुं. न.) छकड़ा । एक दैत्य, जिसे श्रीकृष्ण ने मारा था ।
शकटहन, (पुं.) श्रीकृष्ण ।
शकल, (पुं. न.) खण्ड । हिस्सा । भाग । टुकड़ा । छाला । छीलन (मछली का) ।
शकाः, (पुं.) बहुवचन । देश विशेष । जाति विशेष ।
शकार, (पुं.) राजा की बिन ब्याही स्त्री का भाई । अकुल भ्राता । मद माता । अभिमानी ।
शकारि, (पुं.) शक का शत्रु । विक्रमादित्य राजा जिसने शक नष्ट कर अपना शाके चलाया था ।
शकुन, (न.) शकुन । पक्षी विशेष । सगुनाचार । गीध । शुभ सूचक चिह्न ।
शकुनज्ञ, (त्रि.) ज्योतिषी ।
शकुन्त, (पुं.) पक्षी । एक प्रकार का कीड़ा ।
शकुन्तला, (स्त्री.) दुष्यन्त की स्त्री ।
शकृत, } (पुं.) बैल । चौपाए पशु का
शकृत्करि, } [illegible] ।
शक्करी (स्त्री.) एक नदी । छोटी जाति की स्त्री । [illegible] ।
शक्त, (त्रि.) शक्तिवाला । [illegible] । धनी । समर्थ । चतुर ।
शक्ति, (स्त्री.) सामर्थ्य । देवी । [illegible]
[illegible]
शक्तिधर, (पुं.) [illegible]
[illegible]
शक्तिग्राहक, (पुं.) [illegible]
[illegible]
शक्तिवर, (पुं.) [illegible] (त्रि.) [illegible]
[illegible]

शक्तिहेतिक, (पु.) बर्छी से लड़ने वाला।

शक्तु, } सक्तु, } (पुं.) सतुआ।

शक्ल, (त्रि.) प्रिय बोली।

शक्य, (त्रि.) शक्ति वाला।

शक्र, (पुं.) इन्द्र। कुटज वृक्ष। अर्जुन वृक्ष। ज्येष्ठा नक्षत्र। उल्लू। चौदह की संख्या। शिव।

शक्रगोप, (पु.) बीर बहूटी।

शक्रज, (पुं.) इन्द्र का पुत्र। जयन्त। अर्जुन।

शक्रजित्, (पुं.) मेघनाद। इन्द्रजित्।

शक्रधनुष्, (न.) राम धनुष्। इन्द्र धनुष्।

शक्रनन्दन, (पुं.) अर्जुन।

शक्रसुत, (पुं.) इन्द्र पुत्र। बालि नामी बानरों का राजा।

शक्राणी, (स्त्री.) इन्द्र की पत्नी–पुलोमजा। शची।

शङ्कर, (पुं.) कल्याण कर्त्ता। महादेव।

शङ्का, (स्त्री.) सन्देह। त्रास। वितर्क। डराव।

शङ्कित, (त्रि.) डरा हुआ। सन्दिग्ध।

शङ्कु, (पुं.) शाल वृक्ष। मछली भेद। शस्त्र बाण। कील। दस करोड़ की संख्या। महादेव। १२ अङ्गुल लम्बायुक्त यन्त्र विशेष, जिससे सूर्य की छाया नापी जाती है।

शङ्कुकर्ण, (पु.) गधा।

शङ्ख, (पुं. न.) समुद्र से उत्पन्न शङ्ख। ललाट की हड्डी। निधि। हाथी के दांत का मध्य भाग। एक मुनि।

शङ्खध्म, (पु.) [illegible] बजाने वाला।

शङ्खभृत्, (पु.) विष्णु। नारायण।

शङ्खिनी, (स्त्री.) चोरपुष्पी। [illegible]। एक प्रकार की स्त्री।

शप्, (क्रि.) कहना। कोसना।

शचि, } शची, } (स्त्री.) इन्द्र पत्नी।

शचीपति, (पुं.) इन्द्र।

शट्, (क्रि.) रोगी होना। आलस्य करना। जाना। थकना।

शट, } (पुं.) खट्टा।
शटा, } (स्त्री.) शेर की गर्दन के बाल।

शठ्, (क्रि.) ठगना। धोखा देना। वध करना। चोटिल करना। समाप्त करना। अनुराग छोड़ देना। जाना। दुःख सहे रहना। बुराई करना। प्रशंसा करना।

शठ, (न.) लोहा। केसर। (पुं.) दम्भ। धतूरा। कटाई मीठा। धूर्त। पुरमङ्ग। विश्वासिका। मध्यस्थ। वध। बहुत। ढीठा या दुष्ट मनुष्य। (त्रि.) घोरपापी। नट खट। कपटी। बेईमान। धोखा देने वाला।

शठता, (स्त्री.) शाठ्य। ठगी।

शण्, (क्रि.) देना।

शण, (पुं.) सन। भाँग। सन का पौधा।

शण्ड, (न.) नपुंसक बैल।

शत, (न.) एक सौ।

शतकुम्भ, (पुं.) एक पर्वत जिसमें से सोना निकलता है।

शतकोटि, (पु.) जिसमें सौ करोड़ धार हों। वज्र। हीरा। (स्त्री.) सौ करोड़ की गिनती।

शतक्रतु, (पुं.) इन्द्र। देवों का राजा।

शतघ्नी, (स्त्री.) एक प्रकार का हथियार। तोप। बिच्छू। [illegible]।

शततम, (त्रि.) सौवाँ।

शतदुम्भा, (पुं.) [illegible]।

शतधा, (स्त्री.) दूब। दूर्वा। [illegible]।

शतधामन्, (पु.) विष्णु।

शतधार, (पु.) वज्र। हीरा।

शतधृति, (पु.) इन्द्र। ब्रह्मा। स्वर्ग।

शतपत्र, (न.) कमल। बहुत पत्तों वाला।

शाप, (पुं.) कोसना। गाली। कड़ी बात। शपथ।

शापास्त्र, (पुं.) मुनि। ऋषि। सन्त।

शाब्दबोध, (पु.) ज्ञान विशेष।

शाब्दिक, (पु.) व्याकरण शास्त्र का ज्ञाता।

शामित्र, (न.) पशु के बाँधने का स्थान।

शाम्बरी, (स्त्री.) माया। इन्द्रजाल।

शाम्भव, (पु.) गुग्गुल। कापूर। एक विष। शिवपुत्र। (न.) देवदारु। (त्रि.) शिवोपासक।

शायक, } (पुं.) बाण। तीर।
सायक, }

शार, (न.) चितकबरा। रंग बिरंगा।

शारङ्ग, (पु.) पपीहा। हिरन। हाथी। भौंरा। मोर।

शारद, (न.) सित कमल। बाली। मकुन। (पु.) हरी मूंग। (त्रि.) शरद ऋतु में। इस ऋतु में उपजा।

शारदिक, (न.) शरद काल का श्राद्ध। (त्रि.) इस ऋतु में उत्पन्न रोग।

शारदीया, (स्त्री.) शरद काल में [illegible] [illegible]।

शारि, } (स्त्री.) पांसा। [illegible] के [illegible]। शारी } [illegible] [illegible]। [illegible]। [illegible] का [illegible]।

[illegible], (पु. न.) [illegible] [illegible] का [illegible]।

[illegible], (त्रि.) [illegible] [illegible] [illegible] हुआ [illegible]। (पु.) [illegible]।

[illegible] (त्रि.) [illegible]।

[illegible], (त्रि.) [illegible]।

[illegible] (त्रि.) [illegible]।

[illegible] (न.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] [illegible]

शार्दूल, (पुं.) बाघ। भेड़िया। एक राक्षस। शरभ। जब यह किसी शब्द के पीछे लगाया जाता है तब इसका अर्थ श्रेष्ठ होता है। यथा नरशार्दूल अर्थात् श्रेष्ठ नर।

शार्दूलविक्रीडित, (न.) छन्द विशेष।

शार्वर, (न.) रात का। बहुत अंधेरा।

शाल्, (क्रि.) कहना। चापलूसी करना। प्रशंसा करना। चमकना। युक्त होना। शेखी मारना।

शाल, (पु.) एक वृक्ष का नाम जो बहुत लम्बा होता है। घेरा। मछली। शालिवाहन राजा।

शालग्राम, (पु.) विष्णु चिह्न बाले उस पत्थर को जो गण्डकी नदी में हो, वहाँ से लाया गया हो, किसी ने बनाया न हो, स्वाभाविक मूर्ति। अंधेरों में प्रधान उपास्य शालग्राम शिला। विष्णुपूर्ति और कई पुराणों में इसकी महिमा प्रसिद्ध है। शालग्राम पहाड़ से उत्पन्न मूर्ति। महाविष्णु।

शालनिर्यास, (पु.) शाल वृक्ष का गोंद।

शालभञ्जिका, (स्त्री.) काठ की पुतली। वेश्या।

शाला, (स्त्री.) गृह। घर। स्थान। पेड़ की डाली। पुष्पशाला।

शालावृक, (पु.) बन्दर। कुत्ता।

शालावृक, (पु.) कुत्ता। गीदड़। सियार। [illegible]।

शालि, (पु.) धान

शालिवाहन (पु.) एक राजा विशेष। [illegible] [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]

[illegible], (त्रि.) [illegible]।

[illegible], (न.) [illegible] [illegible] (पु.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible]

[illegible] (पु.) [illegible]।

[illegible] (पु.) [illegible]।

थिल, (त्रि.) ढीला । कमजोर । मन्द । मूर्ख । धीमा । सुस्त ।
नि, (पु.) सात्यकी का मामा । यदुवंशीय एक क्षत्रिय ।
म, (पु.) तालाव । नदी ।
काकन्द, (पुं.) कमल के फूल की जड़ ।
ःफल, (पु.) नारियल ।
ःशूल, (न.) सिर की पीड़ा ।
ज, (पु.) केश । बाल ।
स्, (न.) मत्था । सिर । आगे । सिरा ।
सिरुह, (पु.) बाल । केश ।
स्क, (न.) टोपी । पगड़ी । मुरेठा ।
स्त्र, (न.) पगड़ी । मुरेठा ।
स्य, (पुं.) सिर पर उत्पन्न । बाल ।
रा, (स्त्री.) नाड़ी ।
राल, (त्रि.) नाड़ी वाला ।
रीष, (पु.) सिरस का पेड़ ।
रोगृह, (न.) अटारी । अट्टा ।
रोधरा, (स्त्री.) ग्रीवा । गर्दन ।
रोधि, (स्त्री.) ग्रीवा । गर्दन ।
रोमणि, (पु.) चूड़ामणि ।
रोरुह, (पु.) केश । बाल ।
रोवेष्ट, (पु.) पगड़ी । मुरेठा ।
ल्, (क्रि.) एक एक दाना बीनना ।
ल, (न.) खेत में बेकाम पड़े अन्न के दानों को बीनना । पत्थर ।
लाकुट्टक, (पु.) छेनी । पत्थर काटने का औजार ।
लाजतु, (न.) उपधातु विशेष । शिलाजीत ।
लाभिद्, (पु.) पत्थरचटा की छेनी ।
लासार, (न.) लोहा ।
लि, (पु.) भोजपत्र का पेड़ । दहली की लकड़ी ।
लिन्द, (पु.) एक प्रकार की मछली ।

शिली, (स्त्री.) दहरी के नीचे की लकड़ी । एक प्रकार का कीट । खम्भे का ऊपरी भाग । तीर । मादा मेंढक ।
शिलीन्ध्र, (न.) केले का फूल । एक प्रकार की मछली । वृक्ष विशेष । ओला ।
शिलीमुख, (पुं) मधुमक्खिका । तीर । युद्ध । मूर्ख ।
शिलोच्चय, (पु.) पर्वत ।
शिलोञ्छ, (पु.) खेत में पड़े हुए अनाज के दानों को बीनना ।
शिल्प, (न.) कारीगरी । श्रुवा । आकार । सृष्टि ।
शिल्पकारिन्, (त्रि.) कारीगर ।
शिल्पशाला, (स्त्री.) कारीगरी का घर ।
शिल्पशास्त्र, (न.) शिल्प सिखाने वाला शास्त्र या विद्या ।
शिल्पिन्, (त्रि.) कारीगर ।
शिव, (न.) मङ्गल । जल । सेंधानोन । सुहागा । (पु.) महादेव । मोक्ष । गुग्गुल । वेद । पुण्डरीक का पेड़ । काला धतूरा । पारा । देवता । लिङ्ग । एक शुभ योग । वेद । पारा ।
शिवक, (पु.) एक कील ।
शिवचतुर्दशी, (स्त्री.) फाल्गुन कृष्ण १४ शी ।
शिवदूती, (स्त्री.) दुर्गा की मूर्ति विशेष ।
शिवद्रुम, (पु.) शिवजी का प्यारा वृक्ष ।
शिवधातु, (पु.) पारा ।
शिवपुरी, (स्त्री.) शिवजी की नगरी । उज्जैन और काशी प्रसिद्ध हैं ।
शिवरात्रि, (स्त्री.) शिवजी की उपासना के लिये रात्रि विशेष । कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी ।
शिवलिङ्ग, (न.) शिव का आकार ।
शिवलोक, (पु.) कैलास ।
शिववाहन, (न.) वृषभ । बैल ।

शिवबीज, (न.) पारा ।
शिवशेखर, (पु.) चन्द्रमा । धतूरा फल ।
शिवसुन्दरी, (स्त्री.) दुर्गा ।
शिवा, (स्त्री.) पार्वती । गीदड़ी । सौभाग्य-वती स्त्री । शमी वृक्ष । आमला । दूर्वा । हल्दी ।
शिवानी, (स्त्री.) पार्वती । जयन्ती वृक्ष । दुर्गा ।
शिवालय, (न.) श्मशान या शिवजी का मन्दिर ।
शिवालु, (पु.) गीदड़ ।
शिबि, (पु.) हिंस्र पशु । भोजपत्र का पेड़ । उशीनर राजा का पुत्र ।
शिबिका, (स्त्री.) डोली । पालकी ।
शिबिर, (न.) छावनी ।
शिशिर, (न.) माघ और फागुन के मास की ऋतु ।
शिशु, (पु.) बालक । बच्चा । आठ और १६ वर्ष के भीतर उम्र का बालक । शिष्य । चेला ।
शिशुत्व, (न.) बचपन ।
शिशुपाल, (पु.) चेदि देश का एक राजा ।
शिशुपालहन्, (पु.) श्रीकृष्ण ।
शिशुमार, (पु.) जल का जीव विशेष । बालग्रह, जिससे बच्चे मर जाते हैं ।
शिश्न, (न.) लिङ्ग ।
शिश्नोदरपरायण, (वि.) कामी । पेटू । व्यभिचारी । पापी ।
शिष्, (क्रि.) बाक़ी करना । वध करना । बचाना । पहचानना ।
शिष्ट, (वि.) शान्त । वेद के वचनों पर विश्वास करने वाला । बचा हुआ । शिक्षित । चतुर । बुद्धिमान् । प्रतिष्ठित । मुख्य । नम्र । सर्वोत्तम । सज्जन ।
शिष्टाचार, (पु.) सज्जनों का आचार ।
शिष्टि, (स्त्री.) शासन । आज्ञा । सज़ा । दण्ड ।
शिष्य, (वि.) छात्र । विद्यार्थी ।
शी, (क्रि.) लेटना । सोना । आराम करना ।
शी, (स्त्री.) आराम । निद्रा । शान्ति ।
शीक्, (क्रि.) छिड़कना । भिगोना । धीरे धीरे चलना । क्रोध करना । बारीक करना । सन्तोष करना । बोलना । चमकना ।
शीकर, (पु.) धीरे बहना । पानी के कण । हवा ।
शीघ्र, (वि.) जल्दी ।
शीघ्रचेतन, (पु.) जल्दी जागने वाला । कुत्ता ।
शीत, (न.) ठण्ढा । पानी । बर्फ । (वि.) ठण्ढा । सुस्त ।
शीतक, (पु.) शीतकाल । सर्दी । सुस्त मनुष्य । विष्णु । निश्चिन्त मनुष्य ।
शीतकर, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।
शीतकाल, (पु.) जाड़े की ऋतु ।
शीतकृच्छ्र, (पु.) एक प्रकार का व्रत । इस व्रत में तीन तीन दिनों तक क्रमशः दही, घी और दूध पी कर रहना पड़ता है ।
शीतगु, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।
शीतभानु, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।
शीतभीरु, (स्त्री.) मालती । (वि.) सर्दी से डरा हुआ ।
शीतरश्मि, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।
शीतल, (वि.) ठण्ढा । (पु.) चन्द्रमा । कपूर । दारचीनी । चम्पक वृक्ष । व्रत विशेष । (न.) ठण्ढक । सर्दी । सफ़ेद चन्दन । मोती । तूतिया । कमल । खीरा ।
शीतलक, (न.) सफ़ेद कमल ।
शीतला, (स्त्री.) एक देवी । वसन्त रोग । चेचक की बीमारी ।
शीता, सीता, } (स्त्री.) हल का फाल । सीता । दूर्वा ।
शीतांशु, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।

शीतार्त्त, (त्रि.) शीतपीड़ित ।
शीतालु, (त्रि.) शीतबाधायुक्त ।
शीत्कार, (पुं.) स्त्रियों की सी सी आवाज़ । सिसकारी ।
शीत्य, } (त्रि.) हल चलाया हुआ ।
सीत्य, }
शीधु, (पुं. न.) मद्य विशेष ।
शीन, (त्रि.) गाढ़ा । घना । जमा हुआ । मूर्ख । अजगर ।
शीभ्र, (क्रि.) शेखी मारना । कहना ।
शीभ्य, (पुं.) साँड । शिव ।
शीर, (पुं.) अजगर ।
शीर्ण, (त्रि.) कृश । पतला । मुर्झाया हुआ । सड़ा हुआ । भूना हुआ । सूखा । फटा हुआ । थोड़ा ।
शीर्षि, (त्रि.) हानिकारी ।
शीर्ष, (न.) सिर । माथा ।
शीर्षक, (न.) शिरस्त्राण । टोपी । पगड़ी । सिर । सिर की हड्डी । फ़ैसला । (पु.) राहु । किसी विषय या लेख का नाम, जिससे उसका स्वरूप ज्ञात हो जाय ।
शीर्षच्छेद्य, (त्रि.) मारने योग्य ।
शीर्षण्य, (पुं.) टोपी । पगड़ी । (त्रि.) बालों से उत्पन्न ।
शील्, (क्रि.) विचारना । सोचना । मनन करना । सेवा करना । पूजा करना । अभ्यास करना । पहनना । समाधि लगाना ।
शील, (न.) स्वभाव । अच्छा आचरण । (पुं.) साँप ।
शीलन, (न.) अभ्यास । बार बार करना ।
शीलित, (त्रि.) अभ्यस्त ।
शुक्, (क्रि.) जाना ।
शुक, (न.) एक पेड़ । कपड़ा । व्यास के पुत्र । तोता । (पु.) शीरिष वृक्ष ।
शुकदेव, (पु.) एक महायोगी मुनि, जिन्होंने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत को सुनाकर मैं सुनाया । व्यासपुत्र ।
शुकनास, (पु.) श्योनाक वृक्ष । कादम्बरी में तारापीड़ राजा का १ मंत्री ।
शुक्त, (न.) मांस । काञ्जी । विरक्त हुआ । मीठा पदार्थ जो समय पाकर खट्टा हो गया हो । (त्रि.) निर्दय । दुर्जन । खट्टा । (स्त्री.) सीपी ।
शुक्तिज, (न.) मोती ।
शुक्तिमत्, (पु.) पहाड़ ।
शुक्तिमती, (स्त्री.) एक नदी ।
शुक्र, (न.) वीर्य्य । विन्दु । नेत्र रोग विशेष । एक ग्रह । दैत्यगुरु । अग्नि । चित्रक वृक्ष । जेठ का मास । चौबीसवाँ योग ।
शुक्रभुज्, (स्त्री.) मयूरनी ।
शुक्रला, (स्त्री.) उच्चटा वृक्ष ।
शुक्रशिष्य, (पुं.) असुर । दैत्य ।
शुक्रिय, (त्रि.) यजुर्वेद का १९वाँ शान्ति अध्याय । (न.) ।
शुक्ल, (न.) चाँदी । मक्खन । एक प्रकार का रोग । (पु.) विट्ठा रङ्ग । (त्रि.) विट्ठा रङ्ग वाला । साफ़ ।
शुक्लकर्मन्, (त्रि.) अच्छा काम करने वाला । पवित्र । साफ़ । (त्रि.) शुभचरित ।
शुक्लपक्ष, (पुं.) उजियाला पाख । सफेद पक्ष ।
शुक्लवायस, (पुं.) बगला । सफेद काक ।
शुक्लापाङ्ग, (पु.) मयूर ।
शुक्लिमन्, (पुं.) सफेदी ।
शुक्लोपला, (स्त्री.) सफेद मिश्री । सफेद पत्थर ।
शुङ्ग, (पुं.) वट वृक्ष ।
शुच्, (स्त्री.) शोक । चिन्ता ।
शुच्, (क्रि.) अफ़सोस करना ।
शुचि, (पु.) आग । चित्रक वृक्ष । जेठ का महीना । नेक चाल । ग्रीष्म ऋतु । अच्छा चरित्र । सफेद रङ्ग ।
शुचिद्रुम, (पु.) पीपल का वृक्ष ।

शुण्ड, (पु.) सूँड़ (हाथी की) । शराब खाना । (स्त्री.) वेश्या । कुटनी ।

शुण्डार, (पु.) कलाल । हाथी ।

शुद्ध, (न.) सेंधव लवण ।

शुद्धपत्नी, (स्त्री.) फिटकिरी ।

शुद्धान्त, (पुं.) राजा का रनवास । अन्तःपुर ।

शुद्धापह्नुति, (स्त्री.) अर्थसम्बन्धी अलङ्कार विशेष ।

शुद्धि, (स्त्री.) सफाई । दुर्गा । देवी ।

शुद्धोदनि, (पु.) बुद्ध का पिता ।

शुध्, (कि.) साफ होना । घटाना ।

शुन्, (कि.) जाना ।

शुन, (पुं.) कुत्ता ।

शुनःशेप, (पुं.) विश्वामित्र का धर्मपुत्र । अजीगर्त के औरस से उत्पन्न ।

शुनक, (पु.) मुनि विशेष । कुत्ता । पिल्ला ।

शुनाशीर, } शुनासीर, } (पु.) इन्द्र । उल्लू ।

शुनी, (स्त्री.) कुतिया ।

शुन्ध्, (कि.) साफ करना ।

शुम्भ्, (कि.) चमकना । चमकाना ।

शुभ, (न.) मङ्गल । भलाई (वि.) । भलाई वाला ।

शुभंयु, (वि.) शुभान्वित । भलाई वाला ।

शुभग्रह, (पुं.) साधुग्रह । अच्छा ग्रह ।

शुभङ्कर, (वि.) मङ्गलकारक ।

शुभद, (पु.) पीपल का पेड़ (वि.) मङ्गलकारी ।

शुभ्र, (न.) अबरक । रूपा । चन्दन । सेंधा नोंन ।

शुभ्रदन्ती, (स्त्री.) पुष्पदन्त दिग्गज की हथिनी ।

शुम्भ, (पु) एक दानव विशेष ।

शुम्भमर्दिनी, (स्त्री.) शुम्भ दैत्य को मारने वाली देवी । दुर्गा ।

शुर्, (कि.) मार डालना ।

शुल्क्, (कि.) कहना । देना । वह द्रव्य, जो इनाम के तौर पर चिड़िया पशु आदि को फँसाव से छुड़ाने को दिया जाय । भेंट । उपहार ।

शुल्क, (पु. न.) मोल । फीस । कर (टैक्स) । घाट आदि की उतराई में दिया जाने वाला द्रव्य । अनियमित द्रव्य । एक प्रकार का स्त्रीधन । लड़की का मूल्य । दहेज । यौतुक । देखो शुल्क् क्रिया ।

शुल्कस्थान, (न.) चुंगी वसूल करने का स्थान । उपहार बैठने की जगह । वह कचहरी, जहाँ लगान या फीस आदि दिया जाय ।

शुल्ब, (न.) ताम्र । तांबा । रस्सी ।

शुल्व, (न.) आचार । यज्ञ का कार्य । रस्सी । तांबा ।

शुश्रूषण, (न.) सेवा करना । सन्तोषप्रद सेवा करना ।

शुश्रूषा, (स्त्री.) सुनने की चाह । उपासना । सेवा । बरदारी । परिचर्या ।

शुष्, (कि.) सूखना ।

शुष, (पु.) गर्त । गढ़ा । बिल ।

शुषिर, (न.) छिद्र । वंशी आदि बाजा । (वि.) सच्छिद्र (पु.) मूसा । आग ।

शुष्क, (वि.) धूप आदि से सूख गया । सूखा ।

शुष्कमांस, (न.) सूखा हुआ मांस ।

शुष्कवैर, (न.) उद्देश्यशून्य कलह । व्यर्थ की शत्रुता या वैमनस्य ।

शुष्कव्रण, (पु.) सूखा घाव ।

शुष्मन्, (न.) तेज । शौर्य । (पुं) अग्नि । चित्रक वृक्ष ।

शूक, (पुं. न.) यव । शिखा । शोक । कीड़ा । दया । ममता । एक प्रकार का विषैला कीड़ा ।

शूकर, (पु.) सूअर ।

श्रीधर, (पुं.) विष्णु । श्रीमद्भागवत के नामन टीकाकारों में से प्रसिद्ध एक टीकाकार 'श्रीधर स्वामी' ।
श्रीनिकेतन, (पुं.) विष्णु । विवाह मण्डप । शोभा भवन । महफ़िल । सभा ।
श्रीपथ, (पुं.) राजपथ । कल्याणप्रद रास्ता ।
श्रीपर्ण, (न.) कमल का फूल ।
श्रीपुत्र, (पुं.) कामदेव । उच्चैःश्रवा घोड़ा ।
श्रीपुष्प, (न.) लवङ्ग ।
श्रीफल, (पुं.) बिल्व का वृक्ष । नारियल ।
श्रीभागवत, (न.) अष्टादश पुराणों के अन्तर्गत, एक प्रसिद्ध महापुराण ।
श्रीमत्, (पुं.) शोभा वाला । तिलक वृक्ष । पीपल का पेड़ । विष्णु । शिव । प्रतिष्ठित । ऐश्वर्यवान् ।
श्रीमती, (स्त्री.) सुशोभिता । रूपवती । राधिका । प्रतिष्ठिता ।
श्रीमूर्ति, (स्त्री.) देवप्रतिमा । प्रतिष्ठा करने के योग्य मूर्ति या व्यक्ति विशेष ।
श्रीरङ्गपत्तन, (न.) दक्षिण का एक तीर्थ विशेष, प्रसिद्ध 'श्रीरङ्गपट्टन' ।
श्रीराम, (पुं.) मर्यादा पुरुषोत्तम रामचन्द्र । दशरथनन्दन । सीताराम ।
श्रील, (त्रि.) शोभा वाला । धनवान् । श्रीविष्णु ।
श्रीलता, (स्त्री.) महाज्योतिष्मती लता ।
श्रीवत्स, (पु.) श्रीविष्णु का एक प्रधान चिह्न जो सदा वक्षःस्थल में लक्ष्मी निवास का सूचक है । जैनियों का झण्डा । राजा का चिह्न [illegible] ।
श्रीवराह, (पुं.) विष्णु के दशावतारों में से एक ।
श्रीवास, (पुं.) सरल वृक्ष का रस । राल । विष्णु ।
श्रीविद्या, (स्त्री.) त्रिपुरसुन्दरी ।
श्रीश, (पुं.) विष्णु । लक्ष्मीनाथ ।
श्रु, (क्रि.) सुनना ।
श्रुत, (न.) सुना जाता है । शास्त्र । (त्रि.) समझा हुआ ।
श्रुतकीर्ति, (स्त्री.) शत्रुघ्न की स्त्री । (पु.) जिसका विख्यात यश हो । यशस्वी ।
श्रुतदेवी, (स्त्री.) सरस्वती ।
श्रुतबोध, (पु.) छन्द शास्त्र का ग्रन्थ विशेष ।
श्रुतश्रवस्, (पुं.) शिशुपाल का पिता ।
श्रुति, (स्त्री.) कान । वेद । सुनी बात । कहानी ।
श्रुतिकटु, (पु.) कानों में कड़वा लगने वाला वचन । कोरहना । गाली गलौज । काव्य का एक दोष ।
श्रुतिजीविका, (स्त्री.) स्मृति । धर्मशास्त्र ।
श्रुतिधर, (त्रि.) जो सुनते ही से सब समझ लेता है । जो वेद को मानता है । जिसे वेद कण्ठस्थ हैं । वेदज्ञ । वेदपाठी ।
श्रुतिमूल, (न.) वेद । वेदविहित धर्म । कर्णमूल रोग ।
श्रुतिवर्जित, (त्रि.) बहरा । बोरा । वेद का पाठ न करने वाला । वेद का अनधिकारी ।
श्रुतिवेध, (पु.) कनछेदन संस्कार ।
श्रुत्यनुप्रास, (पु.) शब्दालङ्कार ।
श्रुत्युक्त, (त्रि.) वेदविहित धर्म ।
श्रुवा, स्रुवा, (स्त्री.) यज्ञीय पात्र विशेष । यज्ञ का हाथ ।
श्रेढी, (स्त्री.) गणित शास्त्र का प्रकार विशेष ।
श्रेणि, श्रेणी, (स्त्री.) सिलसिलेवार पंक्ति ।
श्रेयस, (न.) बहुत सराहने योग्य । धर्म । मोक्ष । शुभ । (त्रि.) बहुत अच्छा ।
श्रेष्ठ, (पु.) बहुत अच्छा । कुबेर । राजा । ब्राह्मण । विष्णु । (न.) गौ का दूध । (त्रि.) सर्वोत्तम ।

श्रेष्ठिन्, (पु.) सेठ। साहूकार।
श्रै, (क्रि.) पसीजना।
श्रैष्ठ्यम्, (न.) उत्तमता। भलाई।
श्रोण्, (क्रि.) एकत्र करना।
श्रोण, (वि.) लङ्गड़ा। (पुं.) रोग विशेष।
श्रोणा, (स्त्री.) श्रवण नक्षत्र।
श्रोणि, } श्रोणी, } (स्त्री.) कटि। पथ। मार्ग।
श्रोणिफलक, (न.) चौड़ी कमर।
श्रोतव्य, (वि.) सुनने योग्य।
श्रोतस्, (न.) कान। नदी का वेग। इन्द्रिय।
श्रोत्र, (न.) कान।
श्रोत्रिय, (पुं.) वेद पढ़ने वाला ब्राह्मण।
श्रौत, (वि.) वेदविहित। (पुं.) गार्हपत्य, आहवनीय तथा दक्षिण अग्नि।
श्रौत्र, (न.) श्रोत्रिय का काम।
श्रौषट्, (अव्य.) देवता को हवि देने का मन्त्र।
श्लक्ष्ण, (वि.) अल्प। थोड़ा। मनोहर। ढीला। चिकना। सोहा।
श्लथ्, (क्रि.) कमज़ोर होना।
श्लथ, (वि.) शिथिल। ढीला।
श्लाघ्, (क्रि.) अपने गुणों को प्रकट करना।
श्लाघा, (स्त्री.) प्रशंसा। बड़ाई।
श्लाघ्य, (वि.) प्रशस्य। बड़ाई के योग्य।
श्लिष्, (क्रि.) मिलना।
श्लिष्ट, (वि.) आलिङ्गित। श्लेषरूप शब्दा-लङ्कार युक्त शब्द।
श्लील, (वि.) शोभा वाला। अच्छा। प्रशंसनीय।
श्लेष, (पु.) आलिङ्गन। शब्दालङ्कार।
श्लेष्मण, (पुं.) कफ वाला।
श्लेष्मन्, (पुं.) बलगम। कफ।
श्लेष्मल, (वि.) कफ वाला।
श्लेष्मातक, (पु.) लसोड़े का पेड़। बोहर कल।

श्लोक्, (क्रि.) प्रशंसा करना। बनाना। बढ़ाना। एकत्र होना।
श्लोक, (पु.) कवि की रची चार पदों वाली पद्यमयी रचना। यश। कीर्ति। बड़ाई।
श्वःश्रेयस, (न.) भलाई। सुख। परमात्मा। शिव। शुभ। भद्र।
श्वदंष्ट्रक, (पुं.) गोखरू। गोक्षुर।
श्वधूर्त, (पु.) शृगाल। गीदड़।
श्वन्, (पुं.) कुत्ता।
श्वपच, (पु.) चाण्डाल।
श्वपाक, (पु.) चाण्डाल।
श्वपाल, (पु.) चमार। महरी। चौकुर।
श्वफल्क, (पु.) अक्रूर के पिता का नाम।
श्वभीरु, (पु.) शृगाल।
श्वभ्र्, (क्रि.) जाना।
श्वभ्र, (न.) छिद्र। छेद। हौदी।
श्वयथु, (पु.) शोथ। सूजन।
श्ववृत्ति (पु.) नौकरी। दासता वृत्ति। कुत्तावृत्ति।
श्वशुर, (पु.) ससुर।
श्वशुर्य, (पु.) ससुर का सन्तान। देवर।
श्वश्रू, (स्त्री.) सास।
श्वस्, (अव्य.) आने वाला दिन। कल।
श्वस्, (क्रि.) जीना। सोना।
श्वसन, (पु.) हवा।
श्वसित, (न.) सांस।
श्वस्तन, (वि.) आनेवाले (कल) के [illegible]
श्वस्त्य, (वि.) देखो श्वस्तन।
श्वागणिक, (पु.) कुत्ते द्वारा आखेट करने वाला।
श्वादन्त, (वि.) कुत्ते के दांत वाला।
श्वान, (पुं.) कुत्ता। कुत्ता।
श्वापद, (पु.) बाघ। चीता।
श्वास, (पुं.) हवा। दमा का रोग।
श्वित्र, (वि.) सफ़ेद। धवल।

श्वित्र्, (क्रि.) सफेद करना।

श्वित्र, (न.) सफेद । [illegible]

श्वित्र्, (क्रि.) सफेद कोढ़ का रोगी।

श्वेत, (पुं.) एक द्वीप । एक पहाड़ । [illegible] । सफेद बादल । जीरा । (न.) [illegible]

श्वेतद्वीप, (पुं.) [illegible] का द्वीप।

श्वेतचम्पक, (पुं.) [illegible]

श्वेतपत्र, (पुं.) हंस।

श्वेतपद्म (न.) सफेद कमल का फूल।

श्वेतपिङ्गल, (पुं.) सिंह । [illegible]

श्वेतभङ्गा, (पुं.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ष

[illegible]

षट्कोण, (न.) [illegible] स्थान । [illegible]

षट्चक्र, (न.) [illegible] मूलाधार के वायु को रोककर [illegible] उनका [illegible] स्थान । [illegible]

षट्पञ्चाशिका, (स्त्री.) [illegible]

षट्पद, (पुं.) भौंरा । [illegible]

षट्, (क्रि.) [illegible]

षट्तिलिन्, (पुं.) [illegible]

षड्विंशति, (स्त्री.) [illegible]

षडभिज्ञा, (स्त्री.) [illegible]

षड्पदी, (स्त्री.) [illegible]

षड्रस, (पुं.) [illegible]

षडङ्ग, (न.) [illegible]

षड्भाव, (पुं.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

षड्धा, (अव्य.) छः प्रकार।
षड्रस, (पुं.) छः रस। (मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त और कषाय)।
षड्वर्ग, (पुं.) षड्रिपु। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य।
षण, (क्रि.) देना।
षण्ड, } षण्ढ, } (पुं.) बैल। हिजड़ा। ढेर।
षण्मुख, (पुं.) स्वामिकार्तिक। षडानन।
षद्, (क्रि.) विषाद करना। नष्ट करना। जाना।
षञ्ज, (क्रि.) मिलना।
षष्, (वि.) छः। ६।
षष्टि, (स्त्री.) साठ।
षष्टितम, (वि.) साठवाँ।
षष्टिसंवत्सर, (पुं.) प्रभव आदि ज्योतिष के प्रसिद्ध साठ वर्ष।
षष्ठ, (वि.) छठा।
षष्ठक, (वि.) छठवाँ हिस्सा।
षष्ठांश, (पुं.) छठवाँ हिस्सा जो कर रूप में किसान राजा को देते हैं।
षष्ठान्न, (वि.) दिन के छठवें भाग में भोजन करने वाला।
षष्ठी, (स्त्री.) मातृका। छठी देवी।
षस्, (क्रि.) सोना।
षस्ज्, (क्रि.) [illegible]।
षह्, (क्रि.) सहना। क्षमा करना।
षाड्गुण्य, (न.) राजनीति के संधि आदि छः गुण।
षाण्मातुर, (पुं.) कार्तिकेय। जिनकी छः माता हैं।
षाण्मासिक, (न.) [illegible]
षाध्, (क्रि.) सधना।
षान्त्व, (क्रि.) सान्त्वना देना।
षि, (क्रि.) बाँधना।
षिट्, (क्रि.) अनादर करना।
षिड्ग, (पुं.) धूर्त। लम्पट।
षिध्, (क्रि.) जाना।
षिव्, (क्रि.) सीना।
षु, (क्रि.) सोमरस का निकालना और मथना। नहाना।
षू, (क्रि.) उत्पन्न होना। पैदा होना। फेंकना।
षूद्, (क्रि.) हटाना।
षेव, (क्रि.) सेवा करना।
षो, (क्रि.) नाश होना।
षोडन, (पुं.) छः दाँत की उमर का बैल।
षोडशधा, (वि.) सोलह प्रकार।
षोडश, (पुं.) सोलहवाँ। [illegible]
षोडशक, (न.) देव के [illegible] निमित्त दी जाती सोलह वस्तुएँ भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीपक, अन्न, पान, [illegible], गंध, माला, फल, [illegible], पादुका, गौ, सोना, चाँदी।
षोडशमातृका, (स्त्री.) सोलह माताएँ; यथा—गौरी, पद्मा, शची, मेधा, सावित्री, विजया, जया, देवसेना, स्वधा, स्वाहा, माता, लोकमाता, धृति, पुष्टि, तुष्टि, [illegible]
षोडशाङ्ग, (पुं.) गुग्गुल आदि सोलह वस्तुओं से बनी हुई धूप। वह धूप जिसमें सोलह वस्तुएँ हैं।
षोडशार्चि, (पुं.) शुक्र।
षोडशार, (न.) सोलह पत्ते का कमल। [illegible]
षोडशांश, (पुं.) [illegible]
षोडशोपचार, (न.) पूजन के सोलह उपचार। यथा—आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, मधुपर्क, स्नान, वस्त्र, आभरण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य [illegible]
[illegible], (अव्य.) [illegible]
[illegible], (पुं.) [illegible]

ष्टु, (क्रि.) बड़ाई अथवा प्रशंसा करना ।

ष्टै, (क्रि.) घेरा दे लेना ।

ष्टग्, (क्रि.) छिपाना ।

ष्ठा, (क्रि.) ठहरना ।

ष्ठिव्, (क्रि.) थूकना ।

ष्ठ्यूत, (वि.) थूका गया । वमन किया गया ।

ष्णा, (क्रि.) स्नान करना । साफ़ करना ।

ष्णिह्, (क्रि.) प्यार करना ।

ष्मि, (क्रि.) मुसकुराना ।

ष्वद्, (क्रि.) प्यार करना । चाटना ।

ष्वञ्ज्, (क्रि.) गले लगाना ।

ष्वप्, (क्रि.) सोना ।

ष्विद्, (क्रि.) स्नान करना ।

स

स, (पुं.) सर्प । पवन । पक्षी । चन्द्र । शिव । विष्णु । जब यह किसी शब्द के पहले लगाया जाता है, तब उस शब्द का अर्थ सम, तुल्य, सह, सदृश का अर्थ बतलाता है । यथा—सपुत्र, सभार्य, सतृष्ण, सधन, सरोष, सकोप आदि ।

संक्षेप, (पु.) थोड़े में ।

संक्षोभ, (पु.) क्षोभ । घबराहट ।

संग्राहिन्, (पु) कुटज नाम का पेड़ । एकत्र करने वाला ।

संघ, (पु.) बहुत से जीव । पक्का मेल ।

संघर्ष, (पु.) परस्पर की रगड़ । टक्कर । लड़ाई ।

संज्ञ, (न.) गन्ध द्रव्य विशेष । चेतना, बुद्धि, आख्या, हाथ आदि से अपने भाव को प्रकट करना ।

संज्ञा, (स्त्री.) गायत्री । सूर्यपत्नी ।

संज्ञापन, (न.) मारण । जतलाना ।

संज्ञासुत, (पु.) शनैश्चर ।

संज्ञु, (त्रि.) घुटने टेके हुए ।

संज्वर, (पुं.) आग से उत्पन्न हुई गर्मी ।

संमर्द, (पुं.) आपस की रगड़ ।

संयत, (त्रि.) बँधा हुआ । राज के नियम से बँधा हुआ । स्थिर । दृढ़ । पक्का हुआ ।

संयन्तृ, (त्रि.) नियन्ता । नियम पर चलाने वाला ।

संयम, (पुं.) इन्द्रियनिग्रह । [redacted] के पहिले दिन किये जाने वाले कर्म ।

संयमन, (स्त्री.) यमकी नगरी ।

संयमिन्, (पुं.) मुनि विशेष । (त्रि.) इन्द्रियों को रोकनेवाला ।

संयाव, (पुं.) हलवा । मोहनभोग ।

संयुज, (त्रि.) संयुक्त । जुड़ा हुआ ।

संयुग, (न.) युद्ध । लड़ाई । जङ्ग ।

संयुत, (त्रि.) संयुक्त । मिला हुआ ।

संयोग, (पु.) मेल ।

संयोजित, (त्रि.) मिलाया हुआ । मिला हुआ ।

संरम्भ, (पु.) कोप । निन्दा । उत्साह । वेग ।

संराधन, (न.) अच्छे प्रकार सोचना ।

संराव, (पुं.) शब्द । आवाज़ ।

संरूढ, (त्रि.) प्रौढ़ । अङ्कुरित । जमा हुआ ।

संरोध, (पुं.) रोकना । फेंकना ।

संलग्न, (त्रि.) लगा हुआ । सटा हुआ ।

संलप, (पु.) एकान्त में बातचीत ।

संवत्सर, (पुं.) वत्सर । बरिस । साल ।

संवत्, (अव्य.) विक्रमादित्य के राज्य से चला शाका ।

संवर्त, (पु.) प्रलयकाल । धर्मशास्त्र-प्रणेता मुनि विशेष । मेघ । मेघराज । प्रलय के समय बरसने वाला मेघ । वैसीही आग । वैसाही वायु ।

संवर्तक, (न.) बलदेव का हल । (पुं.) बाडवानल ।

संवर्तिका, (स्त्री.) दीप की लाट । नया पत्ता ।

संवर्द्धक, (त्रि.) बढ़ाने हारा ।

संवलित, (त्रि.) मिला हुआ ।

संवसथ, (पुं.) ग्राम । कुटिया ।
संवह, (पुं.) सप्तवायु में से एक ।
संवार, (पुं.) उच्चारणसम्बन्धी बाह्य प्रयत्न । छिपाना ।
संवास, (पुं.) घर । निवासस्थान ।
संवाह, (पुं.) अंगों को दाबने वाला । चाकरी करने वाला ।
संवाहन, (न.) भार उठाना । अंगों को दाबना ।
संविग्न, (त्रि.) उद्विग्न । घबड़ाया हुआ ।
संवित्ति, (स्त्री.) समझ । प्रतिपत्ति । बुद्धि । स्वीकृति ।
संविद्, (स्त्री.) ज्ञान । प्रतिपत्ति । समाधि । नाम । आचार । संकेत । लड़ाई । प्रसन्नता । प्रतिज्ञा ।
संविदा, (स्त्री.) सिद्धि । भाँग । उत्तम अवस्था । श्रेष्ठ ज्ञान ।
संविद्व्यतिक्रम, (पुं.) प्रतिज्ञा भङ्ग के कारण उत्पन्न विवाद ।
संविदित, (त्रि.) स्वीकृत । अच्छी तरह समझा ।
संविधान, (न.) उपाय । रचना । कार्य ।
संवीक्षण, (न.) खोजना । भली भाँति देखना ।
संवीत, (त्रि.) ढका हुआ । बन्द हुआ । छिपा हुआ ।
संवृत, (त्रि.) ढका हुआ । छिपा हुआ ।
संवेग, (पुं.) पूरा वेग । घबड़ाहट ।
संवेद, (पुं.) उत्तम ज्ञान ।
संवेश, (पुं.) नींद ।
संवेशन, (न.) रतिक्रिया । मैथुन ।
संव्यान, (न.) चादर या ऊपर से ओढ़ने का वस्त्र । दुपट्टा । अँगोछा ।
संशप्तक, (पुं.) शपथ से प्रतिज्ञापूर्वक लड़ने और जहाँ से न लौटने वाला वीर । सुभट ।
संशय, (पुं.) सन्देह ।

संशयस्थ, (त्रि.) संशययुक्त ।
संशयात्मन्, (पुं.) सन्देह करने वाला । शक्की ।
संशयालु, (त्रि.) शक्की । जिसे सदा सन्देह बना रहे ।
संशयित, (त्रि.) सन्देह करने वाला ।
संशरण, (न.) जिस में प्रविष्ट जाता हो । आक्रमण । युद्धारम्भ ।
संशित, (त्रि.) निर्णय किया हुआ ।
संशितव्रत, (त्रि.) अपने व्रत या नियम को भली भाँति पूरा करने वाला ।
संशुद्धि, (स्त्री.) सब प्रकार की पूरी सफाई ।
संश्यान, (त्रि.) शीत आदि से सिकुड़ा हुआ ।
संश्रय, (पुं.) आसरा । निवासस्थान ।
संश्रव, (पुं.) प्रतिज्ञा ।
संश्रुत, (त्रि.) स्वीकृत ।
संश्लिष्ट, (त्रि.) मिला हुआ ।
संश्लेष, (पुं.) मेल ।
संसक्त, (त्रि.) मिला हुआ । अति नि[illegible]
संसद्, (स्त्री.) सभा । कचहरी ।
संसरण, (न.) बहाव । गमन । आक्रमण । युद्धारम्भ ।
संसर्ग, (पुं.) मेल । सम्बन्ध ।
संसर्गाभाव, (पुं.) सम्बन्ध न होना ।
संसार, (पुं.) विश्व । दुनिया ।
संसारमार्ग, (पुं.) इन्द्रियद्वार । [illegible] गर्भ । भग ।
संसारिन्, (त्रि.) संसारी ।
संसिद्ध, (त्रि.) भली भाँति बना ।
संसृति, (स्त्री.) जन्म । देह ।
संसृष्ट, (पुं.) मिला हुआ । स्पष्ट । साफ किया हुआ ।
संसृष्टिन्, (पुं.) सम्मिलित [illegible] भाई बन्द ।
संस्पर्श, (त्रि.) [illegible] करना ।

संसेक, (पु.) छिड़काव । सींचना ।

संस्तृ, (क्रि.) सजाना । चिकनाना । सफाई करना ।

संस्कर्तृ, (पुं.) रसोई दार । करैया । दीक्षा देने वाला । निषेक से अन्त्येष्टि पर्यन्त सोलह संस्कार करने वाला । शुद्धि करने वाला ।

संस्कार, (पु.) धर्म, रसोई, पात्रशुद्धि, अन्नशुद्धि आदि किसी तरह की शुद्धि, जैसे मलादि शुद्धि, धातु आदि शुद्धि । श्रुति-स्मृति आदि का अनुभवजन्य आत्मा का गुण । शास्त्र से उत्पन्न ज्ञान । योग्यता । व्याकरण आदि से शुद्ध शब्द । देववाणी । व्याकरण द्वारा शब्दों की साधनिका । यज्ञादि कर्मों में भूमि आदि की शुद्धि के लिये किये जाने वाले कर्म । निषेक, गर्भाधानादि सोलह संस्कार । वैष्णवी दीक्षा सम्बन्धी पञ्च संस्कार इत्यादि ।

संस्कृत, (त्रि.) साफ किया हुआ । शोधित । सिद्ध किया । सजाया ।

संस्तर, (पु.) पत्ते फूल आदि से बनी या कुश कास आदि की आसनी । शय्या । सेज । बिस्तरा ।

संस्तव, (पु.) भली भांति प्रशंसा करना ।

संस्त्याय, (पु.) ढेर । पड़ोस । विस्तार । फैलाव । गृह ।

संस्थ, (त्रि.) मृत । चालन् । व्यक्त । (पुं.) रहने वाला । पड़ोसी । स्वदेशी भाई । जासूस । भेदिया ।

संस्थान, (न.) ढेर । समूह । पद । रूप । बनावट । चौराहा । मृत्यु ।

संस्थापन, (न.) एकत्रीकरण । जमाव ।

संस्थापित, (त्रि.) एकत्र किया हुआ । नियत किया गया ।

संस्थित, (त्रि.) मृत । ठहराया हुआ ।

संस्पृश्, (क्रि.) छूना । पानी छिड़कना । मिलाना ।

संस्पृष्ट, (त्रि.) छुआ हुआ । मिला हुआ ।

संस्फाल, (पुं.) मेढ़ा । बादल ।

संस्फुट, (त्रि.) खिला हुआ । कुसुमित ।

संस्फेट, }
संस्फोट, } (पुं.) युद्ध । लड़ाई ।
संस्फोटि, }

संस्मृ, (क्रि.) स्मरण करना ।

संस्मृति, (स्त्री.) स्मरण । याददाश्त ।

संस्राव, }
संस्राव, } (पु.) टपका । बहाव । धार ।

संहन्, (क्रि.) दो को एक करना । ढेर लगाना मार डालना । चोट लगाना ।

संहत, (त्रि.) चोटिल । बन्द । दृढ़तापूर्वक जुड़ा हुआ । एकत्र हुआ ।

संहति, (स्त्री.) समूह । भली प्रकार चोट लगाना ।

संहनन, (न.) दृढ़ता । शरीर । वध । अंगों की रगड़न । बल ।

संहर्ष, (पु.) आनन्द । वायु ।

संहार, (पु.) प्रलय । नाश ।

संहिता, (स्त्री.) पुराण । इतिहास । वेद का वह भाग जिसमें कर्मकाण्ड का प्रतिपादन किया गया है ।

संहूति, (स्त्री.) अनेकों द्वारा आहूत ।

संह्लादिन्, (त्रि.) शब्द करने वाला ।

सकर्ण, (त्रि.) सुनने वाला ।

सकर्मक, (त्रि.) कर्म वाली क्रियाओं को बतलाने वाला व्याकरण का धातु ।

सकल, (त्रि.) सम्पूर्ण । समूचा ।

सकारण, (त्रि.) कार्यसहित । कार्य ।

सकाश, (पु.) समीप । पास ।

सकुल्य, (त्रि.) जात भाई । सगोत्र ।

सकृत्, (अव्य.) एक बार ।

सकृत्प्रज, (पुं.) काक ।

सकृत्फला, }
सकृत्फली, } (स्त्री.) जिसमें एकही बार फल हो । केले का पेड़ । जो एकही बार जने । सिंहिनी ।

सक्त, (त्रि.) लगा हुआ । आसक्त ।

सक्तु, (पुं.) सत्तू । सतुआ ।
सक्थि, (न.) ऊरु । गाड़ी का धुरा ।
सखि, (वि.) समान प्रेम करने वाला ।
सखी, (स्त्री.) सहेली ।
सख्य, (न.) मैत्री ।
सगर, (पु.) सूर्यवंशीय एक राजा । (वि.) विष वाला ।
सगर्भ, (पुं.) सहोदर भाई ।
सगोत्र, (न.) एक गोत्र वाला ।
सग्धि, (स्त्री.) सह भोजन ।
सङ्कट, (वि.) भीड़ा । विपत्ति । छोटा स्थान ।
सङ्कर, (पुं.) दोगला ।
सङ्कर्षण, (पु.) बलदेव । भारी खिंचाव ।
सङ्कलन, (न.) सम्पादन । संग्रह ।
सङ्कल्प, (पु.) दृढ़ विचार । निश्चय ।
सङ्कल्पजन्मन्, (पु.) कामदेव ।
सङ्कल्पयोनि, (पुं.) कामदेव ।
सङ्कसुक, (वि.) मन्द । मूर्ख । दुर्जन ।
सङ्काश, (वि.) सदृश । समान ।
सङ्कीर्ण, (वि.) सिकुड़ा हुआ । (पुं.) दोगला ।
सङ्कुचित, (वि.) सिकुड़ा हुआ ।
सङ्केत, (पु.) इशारा । ठहराव । प्रेमी से मिलने का गुप्त स्थान ।
सङ्केतित, (वि.) सङ्केत किया हुआ ।
सङ्कोच, (पुं.) संकोच । सिकुड़ना । मछली । (न.) केसर ।
संक्रन्दन, (पुं.) इन्द्र ।
संक्रमण, (न.) संक्रान्ति । जाना । बीच में जाना । पार जाना । सूर्य जब एक राशि से दूसरी राशि पर जाता है तब उसे संक्रमण कहते हैं ।
संक्रान्ति, (स्त्री.) मेल । एक स्थान से दूसरे स्थान पर गमन ।
संख्य, (न.) युद्ध । लड़ाई । विचार । बुद्धि ।
संख्यात, (वि.) गिना हुआ । प्रसिद्ध ।
संख्यावत्, (पुं.) पण्डित । (वि.) गिनती करने वाला ।
संख्येय, (वि.) गिनने योग्य ।
सङ्ग, (पुं.) संसर्ग । (वि.) मिला हुआ ।
सङ्गत, (न.) मैत्री ।
सङ्गति, (स्त्री.) साथ । मेल । सभा । परिचय । अचानक घटना । ज्ञान । विशेष ज्ञान के लिये पूछना ।
सङ्गम, (पु.) मेल । मैथुन । नद अथवा नदियों के परस्पर मिलने का स्थान ।
सङ्गर, (पुं.) आपत्ति । युद्ध । प्रतिज्ञा । विष । शमी वृक्ष ।
सङ्गव, (पुं.) प्रातःकाल के बाद का तीन मुहूर्त समय ।
सङ्गिन्, (वि.) साथी । भोगी ।
सङ्गीत, (न.) नाच । गान । बजाना । गीत ।
सङ्गीर्ण, (वि.) माना हुआ ।
संग्रह, (पुं.) संचय । संक्षेप । बहुत अर्थ वाले विषय को थोड़े में लिखना ।
संग्रहणी, (स्त्री.) रोग विशेष ।
संग्राम, (पु.) लड़ाई ।
संग्रामपटह, (पुं.) रणवाद्य । युद्ध का बाजा ।
संग्राहिन्, (पु.) कुटज वृक्ष । (वि.) जोड़ने वाला ।
सङ्घ, (पु.) एक जाति वालों का मेल । समूह ।
सङ्घट्ट, (पु.) आपस की रगड़ [illegible] । गठन । बन्ध । पीड़ा ।
सङ्घर्ष, (पुं.) घिसना । आपस में डाह । स्पर्धा ।
सङ्घशस्, (अव्य.) बहुत का इकट्ठा होना ।
सङ्घात, (पु.) समूह । एक नरक ।
सचि, } (स्त्री.) इन्द्राणी ।
सची, }
सचिव, (पुं.) मन्त्री । सहायक । [illegible]

सचेतन, (वि.) [illegible] । विवेक-ज्ञान युक्त ।

सचेष्ट, (पु.) [illegible] । (वि.) [illegible] ।

सच्चिदानन्द, (पु.) ब्रह्म । परमात्मा ।

सच्छूद्र, (पु.) [illegible] ।

सजाति, (पु.) एक जाति वाला ।

सजातीय, (वि.) अपनी जाति का ।

सजुष्, } (अव्य.) साथ के अर्थ में ।
सजूः, }

सज्ज, (वि.) प्रस्तुत । तैयार । सजा हुआ । [illegible] से युक्त ।

सज्जन, (वि.) [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] के [illegible] [illegible] का [illegible] ।

[illegible], (वि.) [illegible] हुआ । [illegible] ।

[illegible] (पु.) [illegible] । [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible]

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] से [illegible] ।

[illegible], (पु.) [illegible] । [illegible] । [illegible]

[illegible] (स्त्री.) [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

[illegible] (पु.) [illegible] । [illegible] ।

[illegible] (क्रि.) [illegible] । [illegible] । [illegible]

[illegible]

सज्, (क्रि.) चिपकना ।

सञ्जन्, (क्रि.) उत्पन्न होना ।

सञ्जय, (पु.) धृतराष्ट्र के सारथी का नाम । इसने कौरव और पाण्डवों में सन्धिस्थापन की बहुत चेष्टा की थी, किन्तु वह निष्फल हुआ ।

सञ्जल्प, (क्रि.) बातचीत करना । (पु.) बातचीत । गड़बड़ । कोलाहल ।

सञ्ज्ञपन, (न.) एक दूसरे से जो [illegible] हुए ।

सञ्ज्ञा, (स्त्री.) बकरी ।

सञ्जीव्, (क्रि.) साथ साथ रहना । फिर से जीवित होना ।

सञ्जीवन, (न.) फिर से जीवित करने वाला । २१ नरकों में से एक । चार घरों का समूह । कोला ।

सञ्जीवनौषधि, (स्त्री.) एक औषध जिससे मरा हुआ भी उठे ।

संज्ञा, (क्रि.) जानना । समझना । मेल मिलाप से रहना । मानना । (स्त्री.) चेत ।

संज्ञापन, (न.) मारण ।

सञ्ज्वर, (पु.) बड़ी गर्मी । ज्वर ।

सट्, (क्रि.) [illegible] करना । [illegible] ।

सटीक, (वि.) टीका का [illegible] ।

सट्ट्, (क्रि.) [illegible] करना ।

सट्टक, (न.) [illegible] का [illegible] [illegible] । जैसे "[illegible]" ।

[illegible]

[illegible]

[illegible] (स्त्री.) [illegible]

[illegible] (पु.) [illegible]

[illegible] (पु.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

सतत, (न.) निरन्तर । लगातार ।
सतत्त्व, (न.) स्वभाव ।
सतानन्द, (पु.) गौतमपुत्र ।
सतीर्थ्य, } सतीर्थ, } (पुं.) गुरुभाई ।
सतीक्ष, (पुं.) बाँस । वायु । मटर । मसूर ।
सतीलक, (पु.) मटर ।
सतेर, (पुं.) भूसी । चोकर ।
सत्कर्त्तृ, (पु.) विष्णु ।
सत्कर्म्मन्, (न.) वेदविहित यज्ञादि कर्म्म ।
सत्कार, (पुं.) आदर ।
सत्कृत, (वि.) सम्मानित ।
सत्क्रिया, (स्त्री.) सत्कार । आदर ।
सत्तम, (वि.) बहुत अच्छा ।
सत्ता, (स्त्री.) प्रभुता । मुख्यता । अस्तित्व । विद्यमानता ।
सत्र, (न.) घर । ढकना । धन । वन । तालाब । यज्ञ । कपट । आश्रम । दान । धर्मार्थ दान ।
सत्रशाला, (स्त्री.) धर्मशाला । यज्ञशाला ।
सत्राजित, (पुं.) श्रीकृष्णजी का ससुर ।
सत्रिन्, (पु.) गृहस्थ । यज्ञकर्ता ।
सत्त्व, (न.) प्रकृति का अवयव । एक पदार्थ । (पु. न.) जन्तु । जीव । जब यह केवल "सत्त्व" होता है तब इसका अर्थ होता है—स्वभाव, प्राण, व्यवसाय, द्रव्य, आत्मा, चित्त, वायु, धन ।
सत्पथ, (पुं.) शोभन मार्ग । भगवद्भजन । सन्मार्ग । वेदविहित आचार । अच्छा रास्ता ।
सत्प्रतिग्रह, (पुं.) अच्छे पुरुषों का प्रदत्त दान । अनिन्दित दान लेना ।
सत्प्रतिपक्ष, (पुं.) हेतुसम्बन्धी दोष भेद ।
सत्फल, (पु.) अनार का पेड़ । (वि.) अच्छे फल वाला । अच्छा फल ।
सत्य, (वि.) सच्चा । असली । यथार्थ । (पुं.) ब्रह्म के रहने का लोक । पीपल का पेड़ । राम । विष्णु । नान्दीमुख श्राद्ध का अधिष्ठाता देवता ।
सत्यङ्कार, (पुं.) बयाना । किसी वस्तु को मोल लेने की पक्कात ।
सत्यपुर, (न.) वैकुण्ठ ।
सत्यफल, (पुं.) बिल्वफल ।
सत्यभामा, (स्त्री.) राजा सत्राजित् की कन्या और श्रीकृष्ण की स्त्री ।
सत्यम्, (अव्य.) स्वीकार । हाँ । "सच है" ।
सत्ययुग, (न.) सत्यप्रधान युग । प्रथम युग । कृतयुग ।
सत्ययौवन, (पु.) विद्याधर ।
सत्यलोक, (पु.) सात लोकों में से एक ।
सत्यवचस्, (पुं.) मुनि । (वि.) सच बोलने वाला ।
सत्यवत्, (पुं.) सत्य वाला । सत्यवान् ।
सत्यवती, (स्त्री.) व्यास की माता ।
सत्यवतीसुत, (पु.) वेदव्यास ।
सत्यवाच्, (पुं.) ऋषि । काक ।
सत्यवादिन्, (वि.) सत्यवादी ।
सत्यव्रत, (पुं.) सत्यतत्पर । त्रिशंकुराजा ।
सत्यसङ्गर, (पु.) कुबेर । (वि.) सत्यप्रतिज्ञ ।
सत्यसन्ध, (वि.) सत्यप्रतिज्ञ । रामचन्द्र ।
सत्यानृत, (न.) व्यापार ।
सत्यापन, (न.) बयाना देना ।
सत्योद्य, (वि.) सत्यवादी । (न.) सच्चा वचन ।
सत्वर, (न.) शीघ्र । जल्दी ।
सद्म, (न.) गृह । घर ।
सदय, (वि.) दयालु ।
सदस्, (स्त्री.) सभा । बैठक । वासस्थान ।
सदस्य, (पुं.) सभासद ।
सदा, (अव्य.) सदैव । निरन्तर । नित्य ।
सदागति, (पुं.) पवन । सूर्य । सदा रहने वाला आनन्द । मोक्ष ।
सदाचार, (पुं.) साधु आचरण ।
सदातन, (पुं.) विष्णु । (वि.) नित्य ।
सदादान, (वि.) सदा दान करने वाला । (पुं.) ऐरावत हाथी ।

सदानन्द, (पुं.) शिव । (त्रि.) निरन्तर आनन्द वाला ।
सदानर्त्त, (पुं.) सदा नाचने वाला ।
सदानीरा, (स्त्री.) करतोया नदी ।
सदाशिव, (पुं.) महादेव ।
सदुत्तर, (न.) प्रतिज्ञापत्र के अनुसार उत्तर ।
सदृक्ष, (त्रि.) तुल्यरूप । बराबर ।
सदेश, (पुं.) देश के साथ । निकट । (त्रि.) देश वाला ।
सद्धेतु, (पुं.) अच्छा हेतु ।
सद्भाव, (पुं.) साधुभाव । अच्छा भाव ।
सद्भूत, (त्रि.) यथार्थ । ठीक ।
सद्मन्, (न.) घर । जल ।
सद्यःकृत, (त्रि.) झटपट किया हुआ ।
सद्यःप्राणकर, (त्रि.) झटपट प्राण करने वाला ।
" सद्योमांसं नवं चान्नं बाला स्त्री क्षीरभोजनम् ।
घृतमुष्णोदकस्नानं सद्यः प्राणकराणि षट् ॥ "
सद्यःप्राणहर, (त्रि.) झटपट प्राण हरने वाला ।
" शुष्क मांसं स्त्रियो वृद्धा बालार्कस्तरुणं दधि ।
प्रभाते मैथुनं निद्रा सद्यः प्राणहराणि षट् ॥ "
सद्यःशौच, (न.) तत्काल होनेवाली शुद्धि ।
सद्योजात, (पुं.) तुरन्त पैदा हुआ । बछड़ा । शिवजी की एक मूर्ति । वैद्यक में एक रस ।
सद्वृत्त, (न.) अच्छे स्वभाव वाला । अच्छा समाचार ।
सद्वृत्ति, (स्त्री.) उत्तम चरित्र । उत्तम व्याख्यान वाला ग्रन्थ । अच्छी जीविका । (त्रि.) अच्छी जीविका वाला । अच्छी चालचलन वाला ।
सधर्मन्, (त्रि.) सदृश । बराबर ।
सधर्मचारिणी, (स्त्री.) भार्या ।
सधर्मिन्, (त्रि.) सदृश ।
सधवा, (स्त्री.) सौभाग्यवती स्त्री ।
सध्र्यञ्च, (त्रि.) सहचर । साथ विचरने वाला ।
सनक, (पुं.) एक मुनि ।
सनत्, (पुं.) एक मुनि । (त्रि.) आनन्द वाला ।
सनत्कुमार, (पुं.) ब्रह्मपुत्र । एक मुनि ।
सनसूत्र, (न.) मछली पकड़ने का सूत का बना जाल ।
सना, (अव्य.) सदैव ।
सनातन, (त्रि.) सदा होने वाला । (पुं.) शिव । ब्रह्मा । स्वर्गीय मनुष्य । विष्णु ।
सनाभि, (पुं.) जाति भाई । (त्रि.) नाभि वाला । स्नेहयुक्त । कुटुम्बी ।
सनामक, (पुं.) शोभाञ्जन का पेड़ ।
सनिष्ठीव, सनिष्ठेव, (न.) थूक के साथ ।
सनीड, (त्रि.) समीप रहनेवाला । घोंसले वाला । निल वाला ।
सन्तत, (पुं.) सतत । लगातार । (त्रि.) फैला हुआ ।
सन्तति, (स्त्री.) गोत्र । नाम । पुत्र । कन्या । फैलाव । पंक्ति । अविच्छिन्न धारा ।
सन्तप्त, (त्रि.) थका हुआ । तपा हुआ ।
सन्तमस, (न.) अँधेरा । मोह ।
सन्तान, (पुं.) वंश । अपत्य । कुटुम्ब । विस्तार । कल्पवृक्ष ।
सन्तानिका, (स्त्री.) मलाई । सोंठा । फेन । छुरी का फल ।
सन्ताप, (पुं.) वह्नि से उत्पन्न ऊष्मा ।
सन्तापन, (पुं.) कामदेव के पांच शरों में से एक । (त्रि.) सन्ताप करने वाला ।
सन्तोष, (पुं.) धैर्य । हर्षता । स्वास्थ्य ।
सन्दंश, (पुं.) सड़ँसी ।
सन्दंशपतित, (पुं.) मीमांसा का एक न्याय विशेष ।
सन्दर्भ, (पुं.) रचना । प्रबन्ध । सारवचन । भेजना ।

सन्दान, (न.) बंधन । अच्छे प्रकार खोलना । अच्छे प्रकार दान करना । (पु.) हाथी के पुट्ठों के नीचे का भाग ।
सन्दानिनी, (स्त्री.) गोष्ठ । गोशाला ।
सन्दाव, (पुं.) भागना ।
सन्दाह, (पु.) पूरी जलन ।
सन्दिग्ध, (वि.) सन्देहयुक्त ।
सन्दित, (वि.) बद्ध ।
सन्दिष्ट, (न.) सन्देसा ।
सन्दिहान, (वि.) सन्देह वाला ।
सन्दी, (स्त्री.) खाट । चारपाई ।
सन्देशहर, (पु.) सन्देशहारक ।
सन्देह, (पु.) संशय ।
सन्दोह, (पु.) समूह । भली प्रकार दुहना ।
सन्द्राव, (पुं.) भागना ।
सन्धा, (स्त्री.) स्थिति । प्रतिज्ञा । मेल । मदिरा निकालना । सीमा ।
सन्धान, (न.) अनुसन्धान । मेल । की बांधने की शाला ।
सन्धि, (पुं.) संयोग । जोड़ । सेंध । सुरङ्ग । नाटक का एक अङ्ग । व्याकरण में दो वर्णों के एकत्र होने से उत्पन्न वर्णविकार ।
सन्धिचौर, (पु.) सेंध फोड़ कर चोरी करने वाला चोर ।
सन्धित, (वि.) मिला हुआ ।
सन्धिनी, (स्त्री.) बैल के संयोग से गर्भधारिणी गौ ।
सन्धिपूजा, (स्त्री.) आश्विन की शुक्ला अष्टमी और नवमी की सन्धि की पूजा ।
सन्धिबन्ध, (पु.) मुनिबन्धक । इसको खाने से टूटी हुई हड्डी का जोड़ भी मिल जाता है ।
सन्धिविग्रहाधिकारिन्, (पुं.) मन्त्री, जिसे राजा की ओर से मेल अथवा युद्ध करने का अधिकार प्राप्त होचुका है ।
सन्धिवेला, (स्त्री.) सन्ध्या का समय । शाम-सवेरा ।
सन्धिहारक, (पु.) सुरङ्ग से दूसरे के धन को लेजाने वाला ।
सन्धुक्षित, (वि.) भड़काया गया । प्रकाशित ।
सन्धेय, (वि.) मिलाने योग्य ।
सन्ध्या, (स्त्री.) दिन और रात के मिलने का समय । सन्धिकाल । सन्ध्याकाल का कर्म । देवता । एक नदी । ब्रह्मा की एक स्त्री ।
सन्ध्यानटिन्, (पु.) शिव । शङ्कर ।
सन्ध्याभ्र, (न.) सुवर्ण । गेरू । साँझ का बादल ।
सन्ध्याराग, (न.) सिन्दूर । सेंदुर ।
सन्ध्याराम, (पुं.) ब्रह्मा ।
सन्न, (पु.) पियाल का पेड़ । (वि.) अवसन्न । थोड़ा ।
सन्नत, (वि.) झुका हुआ ।
सन्नद्ध, (वि.) कवचधारी । तैयार । उत्पन्न हुआ ।
सन्नय, (पुं.) समूह । बहुतता ।
सन्नहन, (न.) उद्योग । हिम्मत । दृढ़ बन्धन ।
सन्नाह, (पु.) कवच ।
सन्निकर्ष, (पुं.) सामीप्य । विषय और इन्द्रिय का व्यापार । न्याय विशेष ।
सन्निकर्षण, (न.) सन्निधान ।
सन्निधि, (पुं.) सामीप्य ।
सन्निपतित, (वि.) मरगया । मिला हुआ । उपस्थित ।
सन्निपात, (पु.) नीचे गिरना । इकट्ठा होना । उतरना । भिड़ना । समूह । ज्वर विशेष । नाश । उपस्थिति । ताल विशेष ।
सन्निबंधन, (न.) कई स्थलों में बिखरे हुए वाक्यों को एकत्र करना तथा तदुपयोगी ग्रन्थ । (वि.) अच्छी भांति बांधा जाता ।
सन्निभ, (वि.) सदृश । समान ।

सन्निवेश, (पुं.) नगर के बाहिर का भाग। अखाड़ा। सम्यक् स्थिति।

सन्निहित, (त्रि.) निकटस्थ। समीप ठहरा हुआ।

संन्यस्त, (त्रि.) डाला गया। अच्छे प्रकार रक्खा गया। छुटा हुआ। अर्पित। छोड़ा गया।

संन्यास, (पुं.) त्याग। चौथा आश्रम।

संन्यासिन्, (पुं.) संन्यासी। चौथे आश्रम वाला।

सपक्ष, (त्रि.) अपने पक्ष वाले।

सपत्राकरण, (न.) तीर के घाव की पीड़ा। (त्रि.) पीड़ित किया गया।

सपत्न, (पुं.) शत्रु। वैरी।

सपत्नी, (स्त्री.) सौत।

सपदि, (अव्य.) तत्क्षण। उसी समय।

सपर्य, (क्रि.) पूजा करना।

सपर्या, (स्त्री.) पूजा। आदर।

सपाद, (त्रि.) चतुर्थांश सहित। सवा।

सपिण्ड, (त्रि.) पिण्ड वाला। पितृ सम्बन्धी।

सपिण्डीकरण, (न.) मिलाया गया। मृतक का श्राद्ध। मरे हुए का पितृ पुरुषों में मिलाना।

सपिण्डीकृत, (त्रि.) वह मरा हुआ पुरुष जिसका पितृ सपिण्डी कर्म किया गया हो।

सपीति, (स्त्री.) अन्य व्यक्तियों के साथ बैठ कर जल आदि पीना।

[illegible]

सप्तदश, (त्रि.) १७ वीं संख्या।

सप्तद्वीपा, (स्त्री.) पृथिवी।

सप्तधा, (अव्य.) सात प्रकार।

सप्तधातु, (पुं.) रस, मांस, मेद, रुधिर, मज्जा, शुक्र, अस्थि।

सप्तन्, (पुं.) सात।

सप्तपदी, (स्त्री.) भाँवर। विवाह के समय [illegible] स्त्री के साथ [illegible] की सात परिक्रमा। [illegible]

सप्तपर्ण, (पुं.) छतिवन का वृक्ष।

सप्तपाताल, (न.) अतल आदि पृथ्वी के नीचे के लोक।

सप्तप्रकृति, (स्त्री.) स्वामी की अमात्य आदि सात प्रकृतियाँ। सात स्वभाव।

सप्तम, (त्रि.) सातवां।

सप्तर्षि, (पुं.) मरीचि, अत्रि, पुलह, पुलस्त्य, क्रतु, अङ्गिरा, वसिष्ठ, सात ऋषि।

सप्तर्षिमण्डल, (त्रि.) आकाशस्थ नक्षत्र सात ऋषियों के तारों का समूह।

सप्तशती, (स्त्री.) सात सौ। मार्कण्डेय पुराण के अन्तर्गत सात सौ श्लोकों का देवी के माहात्म्य का वर्णन वाला स्तोत्र। दुर्गा ग्रन्थ।

सप्तशलाक, (पुं.) ज्योतिष में विवाह विचारने का एक चक्र जिसमें सात खड़ी और सात आड़ी रेखा होती हैं।

सप्तशिरा, (स्त्री.) पान की बेल। नागवल्ली।

सप्तसप्ति, (पुं.) वह सूर्य जिसके सात घोड़े हों। सूर्य। [illegible]

[illegible]

सबल, (वि.) सामर्थ्य वाला। सेना सहित।
सब्रह्मचारिन्, (पु.) गुरु भाई।
सभर्तृका, (स्त्री.) सुहागिन स्त्री।
सभा, (स्त्री.) किसी बात को निश्चित करने के लिये जमाव करके बैठने का स्थान, जिसमें वृद्ध हों। परिषद्, मजलिस आदि। "न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धा."
सभाज्, (क्रि.) सेवा करना। देखना।
सभाजन, (न.) आने जाने के समय का कुशल प्रश्न। मान। आदर। पूजा। सत्कार। प्रतिष्ठा करना।
सभासद्, (पु.) सभा में बैठने के अधिकारी। सभ्य। मेम्बर।
सभास्तार, (पुं.) सभ्य। मेम्बर। सभासद्।
सभिक, (पु.) जुआरिया।
सभ्य, (पुं.) जुआरी। (वि.) निरवासी।
सम्र, (अव्य.) भलीभांति। बहुत।
सम, (वि.) समान। तुल्य। सारा। भला। (न.) जोड़। दूसरी, चौथी और छठवीं राशियां। ताल।
समक्ष, (अव्य.) आंख के सामने।
समग्र, (वि.) सकल। सारा।
समङ्गा, (स्त्री.) मजीठ।
समचित्त, (वि.) तत्त्वज्ञानी।
समज, (न.) वन। समूह। मूर्खों का गिरोह।
समज्ञा, (स्त्री.) कीर्ति। यश। बड़ाई।
समज्या, (स्त्री.) सभा। कीर्ति। गोष्ठी।
समञ्जस, (वि.) उचित। युक्त।
समदर्शिन्, (वि.) सर्वत्र समान भाव से देखने वाला।
समदृष्टि, (स्त्री.) समान दृष्टि।
समधिक, (वि.) अत्यन्ताधिक।
समन्त, (पु.) सीमा।
समन्ततस्, (अव्य.) चारों ओर से।
समन्तपञ्चक, (न.) तीर्थविशेष।
समन्तभद्र, (पुं) बुद्धावतार। बुद्धदेव।
समन्तभुज्, (पु.) आग।
समन्तात्, (अव्य.) चारों ओर।
समन्वित, (वि.) युक्त। सहित।
समपद, (न.) अवस्थान विशेष।
समभिव्याहार, (पु.) साहित्य। साथ। अच्छी प्रकार कहना।
समभिव्याहृत, (वि.) मिला हुआ। सहित।
समभिहार, (पु.) बारबार।
समम्, (अव्य.) एकही बार।
समय, (पुं.) काल। शपथ। आचार। सिद्धान्त। सङ्केत। स्वीकृति।
समया, (अव्य.) नैकट्य। सामीप्य। पास। बीच।
समयाध्युषित, (पु.) सूर्य और तारों से रहित समय।
समर, (पुं.) युद्ध। लड़ाई।
समरमूर्धन्, (पु.) लड़ाई के मैदान में।
समर्चन, (न.) अच्छे प्रकार आदर करना।
समर्ण, (वि.) भले प्रकार पीड़ित किया गया।
समर्थ, (वि.) शक्तिसम्पन्न। हितकर।
समर्थन, (न.) पुष्टीकरण। सिद्ध करना। प्रमाण देना।
समर्द्धक, (वि.) देवता।
समर्याद, (वि.) मर्यादा सहित। अच्छे आचरण वाला।
समल, (वि.) बहुत मैला। काला। (न.) विष्ठा।
समवतार, (पु.) पानी में नीचे जाने की सीढ़ियां।
समवर्तिन्, (पुं.) यमराज। पुलिस आदि राजकर्मचारी जो सिपाही और अपराधी को समान करें।
समवकार, (पुं.) नाटक विशेष।
समवाय, (पु.) समूह। मेल। न्याय दर्शन में सम्बन्ध विशेष।

समवेत, (त्रि.) एकत्रित। मिला हुआ।
समष्टि, (स्त्री.) सम्यक् व्याप्ति। सम्पूर्णता।
समसन, (न.) समास। संक्षेप। मिलन।
समस्त, (त्रि.) सकल। संक्षिप्त।
समस्थली, (स्त्री.) दुआब। गङ्गा और यमुना के बीच की भूमि।
समस्या, (स्त्री.) जो पूरी नहीं है अर्थात् किसी पद्य का एक भाग बतलाकर पूरा पद्य तयार करना। एक सङ्केत जिस के आधार से शेष बात कही जाय।
समा, (स्त्री.) वत्सर।
समांसमीना, (स्त्री.) प्रतिवर्ष ब्याने वाली गौ।
समाकर्षिन्, (पुं.) बहुत दूर जाने वाला गन्ध। (त्रि.) अच्छे प्रकार खींचने वाला।
समाकुल, (त्रि.) भरपूर। बहुत उत्तेजित। घबराया हुआ।
समाक्षिप्, (क्रि.) निकाल लेना। छीन लेना।
समाख्या, (स्त्री.) कीर्ति। यश। प्रसिद्धि। नाम।
समाख्यात, (त्रि.) गिना हुआ। भली प्रकार वर्णित। प्रसिद्ध।
समागम्, (क्रि.) एकत्र होना। मेल मिलाप करना। मैथुन करना। समीप आना। लौटना। पाना।
समागत, (त्रि.) आया हुआ। मिला हुआ।
समागता, (स्त्री.) एक प्रकार की पहेली।
समाघात, (पुं.) वध। युद्ध।
समाचयन, (न.) जोड़ना। बटोरना।
समाचर, (क्रि.) करना। बरतना।
समाचार, (पुं.) [illegible]
[illegible]
समाज, (पुं.) [illegible]
समर्जित, } (त्रि.) [illegible]
समार्जित, } [illegible]

समाज्ञा, (क्रि.) भली भांति समझना। कीर्ति। प्रसिद्धि।
समादा, (क्रि.) पाना। लेना। ग्रहण करना। पकड़ना। देना। लेने … आरम्भ करना। विचार करना।
समादान, (न.) ग्रहण। जैनि… नित्य क्रिया विशेष।
समादिश्, (क्रि.) बतलाना।
समादेश, (पुं.) आज्ञा।
समाधा, (क्रि.) एक साथ रखना। मि… जोड़ना। रखना। अभिषेक क… चित्त को सावधान करना। चि… एकाग्र करना। सन्तुष्ट करना। … करना। अलग करना।
समाधि, } (न.) मेल। जोड़। …
समाधान, } विचार। ध्यान। किसी की … की निवृत्ति। मनकी शा…
समाधि, (पुं.) ध्येय के साथ मन … लेजा कर एक कर देना। काव्य का … गुण। मढ़ी। ईश्वर में एकाकार होना …
समाध्मात, (त्रि.) फूंक कर फुलाया हु…
समान, (त्रि.) तुल्य। बराबर।
समानोदक, (पुं.) [illegible] में … का अधिकारी। चौदहवीं पीढ़ी … समानोदक भाव दूर होजाता है।
समानोदर्य, (पुं.) भाई। एक … [illegible]
समाप, (पुं.) देवता के पूजा का स्थान …
समापन, (न.) समाप्ति। [illegible]
[illegible] विचार।
समापन्न, (त्रि.) [illegible]
[illegible] हुआ।
समाप्त, (त्रि.) परिपूर्ण। [illegible]
समाभाष, (पुं.) [illegible]
समाभाषण, (न.) बातचीत।
समाघ्राण, (न.) [illegible]

समाम्नाय, (पु.) पारम्परिक पाठ । उपदेश परं-
परा ।

समाय, (पु) आगमन । भेंट ।

समायत, (वि.) खींचा हुआ । बढ़ाया हुआ ।

समायुज्, (क्रि.) जोड़ना । मिलाना ।

समायुत, (वि.) मिला हुआ ।

समायुक्त, (वि.) जुड़ा हुआ । मिला हुआ ।
तैयार किया हुआ ।

समायोग, (पु.) मेल । संयोग ।

समारभ्, (क्रि.) आरम्भ करना ।

समारुह्, (क्रि.) चढ़ना । सवार होना ।

समालम्भी, (स्त्री.) एक प्रकार की दाल ।

समावर्तन, (न.) वेद पढ़ने के अनन्तर गुरु-
गृह त्याग से गृहस्थी में लौटने का संस्कार
विशेष । लौटना । पूरा होना । समाप्त
होना । किसी काम के अन्त पर पहुँचना ।

समाविष्ट, (वि.) मिला हुआ । लगा हुआ ।

समावेश, (पु.) किसी कार्य में लगना ।
घुसना । किसी पर भूतप्रेतादि दुष्टात्माओं
का आवेश ।

समास, (पु.) संक्षेप । सम्बन्ध । समाहार ।
दो पदों को मिला कर एक करने वाला
व्याकरण विशेष ।

समासक्त, (वि.) मिला हुआ । फँसा हुआ ।

समासङ्ग, (पु.) मिलाप । मेल ।

समासादित, (वि.) पाया हुआ ।

समासार्था, (स्त्री.) समस्या ।

समाहित, (वि.) शान्त । समीप रहता हुआ ।

समाहृत, (वि.) संगृहीत । एकत्र किया गया ।
अच्छी तरह लाया गया । समूह ।

समाहृति, (स्त्री.) संग्रह । संक्षेप ।

समाह्वय, (पु.) पशुओं लड़ाकर जुआ खेलना ।
जुआ खेलना । युद्ध । बुलाना ।

समित्, (स्त्री.) युद्ध । लड़ाई ।

समिता, (स्त्री.) गेहूँ का आटा । (वि.) मिला हुआ ।

समिध्, (स्त्री.) यज्ञ की लकड़ी या सामग्री लकड़ी ।

समिध, (पु.) आग । आग ।

समिन्धन, (न.) काठ । लकड़ी जलाना ।

समीक, (न.) युद्ध । लड़ाई ।

समीकरण, (न.) समान को सम करना ।
बीजगणित में अज्ञात संख्या को जानने
की क्रिया विशेष ।

समीक्षा, (न.) पर्यालोचन । बुद्धि । सांख्य
शास्त्र । यत्न ।

समीक्ष्यकारिन्, (वि.) भली भाँति सोच
विचार कर काम करने वाला ।

समीचीन, (वि.) साधु । सत्य । ठीक ।

समीप, (वि.) निकट । पास ।

समीर, (पु.) वायु ।

समीरण, (पु.) वायु । पथिक । राही ।

समीरिता, (स्त्री.) कथिता । उच्चरिता ।
प्रेरणा की हुई ।

समीहित, (वि.) अभीष्ट । चाहा गया ।

समुचित, (वि.) उपयुक्त ।

समुच्चित, (वि.) एकत्र किया हुआ ।

समुच्चार, } (पु.) अच्छे प्रकार उच्चारण
समुच्चारण, } करना ।

समुच्छेद, (पु.) विनाश । काटना ।

समुच्छ्रय, } (पु.) अनुमान । विरोध ।
समुच्छ्राय, } ऊँचाई ।

समुच्छ्रित, (वि.) अत्युन्नत ।

समुच्छ्वसित, (पु.) चारों ओर फैला हुआ ।
चारों ओर बिखरा हुआ ।

समुच्छ्वसित, (वि.) उच्छ्वास लेता हुआ ।

समुज्झित, (वि.) त्यक्त । छोड़ा हुआ ।

समुत्क्रम, (पु.) भले प्रकार ऊपर जाना ।

समुत्क्रोश, (पु.) कुरर नामी पक्षी ।

समुत्थ, (वि.) उठा हुआ । सम्यक् उत्पन्न ।

समुत्थान, (न.) उद्योग । उत्तोलन ।
उठान ।

समुत्पन्न, (वि.) उपजा । उत्पन्न हुआ ।

समुत्पाद, (पु.) उत्पादन ।

समुत्पिञ्ज, (वि) अत्याकुल । अत्यन्त
घबराया हुआ ।

समुत्सर्ग, (पुं.) त्याग देना। पेशाब करना। शौच जाना।

समुत्सुक, (त्रि.) अत्यन्त उत्कण्ठित।

समुत्सृष्ट, (त्रि.) बिलकुल छोड़ा गया।

समुत्सेध, (पुं.) बहुत बढ़ना।

समुदय, (पुं.) समूह। युद्ध। बढ़ाव। दिन। लग्न।

समुदीरण, (न.) भली भाँति कहना।

समुद्ग, (पुं.) पेटी। सन्दूक।

समुद्गम, (पुं.) उत्पत्ति। ऊपर जाना।

समुद्गीत, (त्रि.) जोर से या चिल्लाकर गाया गया।

समुद्गीर्ण, (त्रि.) उगला हुआ। उठाया हुआ। कहा हुआ।

समुद्दिष्ट, (त्रि.) भली भाँति बतलाया हुआ।

समुद्धत, (त्रि.) अभिमानी। घमण्डी।

समुद्धरण, (न.) उद्धार। वमन।

समुद्भव, (पुं.) जन्म। उत्पत्ति।

समुद्भूत, (त्रि.) समुत्पन्न। उत्पन्न हुआ।

समुद्यत, (त्रि.) पूरे उद्यम वाला।

समुद्यम, (पुं.) पूरा यत्न।

समुद्र, (पुं.) जलनिधि।

समुद्रकफ, (पुं.) समुद्रफेन।

समुद्रगा, (स्त्री.) नदी।

समुद्रचुलुक, (पुं.) जिन्होंने समुद्र को चुल्लू में भर कर पिया। अगस्त्य मुनि।

समुद्रमेखला, (स्त्री.) जिसके चारों ओर समुद्र बना हो। पृथिवी।

समुद्रयान, (न.) जहाज।

समुद्रीय, } समुद्र्य, } (त्रि.) समुद्र में उत्पन्न होने वाली वस्तु।

समुन्नद्ध, (त्रि.) [illegible]

समुन्दन, (न.) [illegible]

समुन्नत, (त्रि.) [illegible]

समुन्नय, (त्रि.) [illegible]

समुन्मूलन, (पुं.) [illegible]

समुन्नद्ध, (त्रि.) [illegible] हुआ।

समुन्नय, (पुं.) ऊपर का निकास। प्राप्त करना।

समुपचित, (त्रि.) बढ़ाया हुआ।

समुपेयिवस्, (त्रि.) पास गया हुआ। पहुँचा हुआ।

समुपोढ़, (त्रि.) मिल गया। उत्पन्न हुआ।

समुल्लेख, (पुं.) पाँव से पृथिवी का खनन।

समूढ, (त्रि.) एकत्र किया हुआ। झुका हुआ। टेढ़ा। वश में किया हुआ। विवाहित। शोधित। मूर्ख के साथ।

समूल, (त्रि.) जड़सहित।

समूह, (पुं.) समुदाय। सब का सब। झुंड।

समूहनी, (स्त्री.) झाड़ू। बुहारी।

समूह्य, (पुं.) यज्ञ की आग।

समृद्ध, (त्रि.) बहुत बढ़ा।

समेत, (त्रि.) समागत। आया हुआ। मिला हुआ।

समेधित, (त्रि.) संवर्धित।

समोदक, (न.) [illegible] सहित।

सम्पत्ति, (स्त्री.) बड़ा ऐश्वर्य।

सम्पद्, (स्त्री.) विभव। दौलत।

सम्पन्न, (त्रि.) सहित। प्रमाणित। सम्पदा वाला।

सम्पराय, (पुं.) लड़ाई। आपदा।

साम्परायिक, (न.) युद्ध। लड़ाई।

सम्पर्क, (पुं.) सम्बन्ध। मेल।

सम्पर्किन्, (त्रि.) मेल वाला।

सम्पा, (स्त्री.) बिजली।

सम्पाक, (पुं.) वृक्ष विशेष, जिसके केसर से रंगा हुआ अर्थात् [illegible] है।

सम्पात, (पुं.) पक्षी विशेष की चाल। [illegible]

सम्पाति, (पुं.) पक्षी विशेष। [illegible] बड़ा भाई, जिसने समुद्र पर [illegible]

सम्पुट, (पुं.) [illegible]

सम्पुटक, (पुं.) सन्दूक । मञ्जूषा । पेटी । ढका हुआ ।
सम्पूर्ण, (त्रि.) समग्र । सारा ।
सम्पृक्त, (त्रि.) मिश्रित । मिला हुआ ।
सम्प्रति, (अव्य.) अब ।
सम्प्रतिपत्ति, (स्त्री.) उत्तर विशेष ।
सम्प्रदातृ, (त्रि.) देने वाला ।
सम्प्रदान, (न.) भले प्रकार देना ।
सम्प्रधारणा, (स्त्री.) निश्चय (योग्यायोग्य विचार पूर्वक)।
सम्प्रयोग, (पुं.) मेल । सम्बन्ध ।
सम्प्रसाद, (पुं.) अच्छी प्रसन्नता ।
सम्प्रसाधन, (न.) कङ्घा, चूड़ी आदि भूषण । सजावट ।
सम्प्रसारण, (न.) अच्छा फैलाव ।
सम्प्रहार, (पु.) युद्ध । लड़ाई ।
सम्प्राप्ति, (स्त्री.) भली भाँति पाना । आयुर्वेद शास्त्रानुसार रोग की अवस्था विशेष ।
सम्प्रैष, (पु.) नियोग । आज्ञा ।
सम्प्रोक्षण, (न.) छिड़काव ।
सम्फुल्ल, (त्रि.) विकसित । खिला हुआ ।
सम्बद्ध, (पु.) अच्छा बंधा हुआ ।
सम्बन्ध, (पु.) संसर्ग । मेल । ब्याह । (त्रि.) समृद्ध । समर्थ । हितकर ।
सम्बर, (न.) जल । चीतों का एक भेद । बुद्ध । एक दैत्य । मृगभेद । मछली । पर्वत ।
सम्बाध, (न.) नरक मार्ग । (पु.) बराबर की रगड़ ।
सम्बोधन, (न.) आठवीं विभक्ति ।
सम्भली, (स्त्री.) कुट्टिनी । व्यभिचारिणी ।
सम्भव, (पुं.) उत्पत्ति । बड़ा सन्देह ।
सम्भावना, (न.) अर्थसम्बन्धी एक अलङ्कार ।
सम्भावित, (त्रि.) प्रतिष्ठायुक्त सज्जन, जिसके होने की सम्भावना हो । होनहार ।
सम्भाषण, (न.) बातचीत । शास्त्रार्थ ।
सम्भिन्न, (त्रि.) टूटा हुआ । विकसित ।
सम्भूति, (स्त्री.) विभव । ऐश्वर्य । उत्पत्ति । मूल । मेल ।
सम्भूयसमुत्थान, (न.) मिलकर व्यापार (करना)। एक प्रकार का विवाद ।
सम्भृति, (स्त्री.) सम्यक् पोषण ।
सम्भोग, (पु.) अच्छा भोग । शृङ्गार रस की एक अवस्था ।
सम्भ्रम, (पु.) हड़बड़ी । आदर । विभ्रम ।
सम्मति, (स्त्री.) अनुमति । चाह ।
सम्मद, (पुं.) हर्ष ।
सम्मर्द, (पुं.) युद्ध । आपस की रगड़ ।
सम्मान, (पुं.) आदर ।
सम्मार्जन, (न.) संशोधन ।
सम्मार्जनी, (स्त्री.) झाड़ू । बुहारी ।
सम्मित, (त्रि.) बराबर नाप वाला ।
सम्मुख, (त्रि.) सामने का ।
सम्मुखीन, (त्रि.) सामने आया हुआ ।
सम्मूर्च्छन, (न.) उँचाई । फैलाव । अचेतनता ।
सम्मृष्ट, (त्रि.) धोया हुआ । साफ किया हुआ ।
सम्मोद, (पु.) हर्ष । प्रीति ।
सम्यच्, (त्रि.) मिला हुआ । मनोज्ञ । मनोहर । सच बोलने वाला ।
सम्राज्, (पुं.) शाहंशाह । समस्त पृथिवी का अधीश्वर । राजराजेश्वर ।
सर, (न.) चाल । सरोवर । जल । नोन । मट्ठा । मक्खन । तीर । झरना । वमन । मदिरा विशेष ।
सरघा, (स्त्री.) मधुमक्षिका । मदिरा को गाढ़ा करने वाली वस्तु ।
सरज, (न.) मक्खन ।
सरजस्, (स्त्री.) ऋतुमती स्त्री । (त्रि.) रजोगुणी ।
सरट, (पु.) कृकलास । केकड़ा ।
सरण, (न.) गमन । लोहे का मैल ।

सहपान, (न.) एक साथ किसी वस्तु का पान । प्रायः मद्यपान ।
सहभोजन, (न.) एक स्थान पर और एक साथ खान, पान ।
सहमरण, (न.) सहगमन । एक साथ मरना । सती होना ।
सहस्, (न.) बल । (पु.) मार्गशीर्ष का मास ।
सहसा, (अव्य.) हठात् । अकस्मात् । यथानक । जबरदस्ती । एकायक । बिना सोचे-विचारे ।
सहस्य, (पुं.) पौष का मास ।
सहस्र, (न.) हजार । महुसंख्यक ।
सहस्रकर, सहस्रकिरण, } (पु.) सूर्य ।
सहस्रनयन, (पुं.) हजार नेत्र वाला । इन्द्र ।
सहस्रपत्र, (न.) पद्म । कमल का फूल ।
सहस्रपाद, (पुं.) विष्णु । कनखजूरा ।
सहस्रभुज, (पु.) विष्णु । कार्तवीर्य्यार्जुन । बाणासुर ।
सहस्रशिखर, (पु.) विन्ध्यपर्वत ।
सहस्रांशु, (पुं.) सूर्य्य । आक का पेड़ ।
सहस्राक्ष, (पु.) इन्द्र । विष्णु ।
सहस्रार, (न.) षट्चक्र चक्र । सिरमें सुषुम्ना नाड़ी के बीच हजार पत्र वाला कमलपुष्प ।
सहस्रिन्, (पु.) एक हजार सैनिकों की सेना । एक सहस्र सैनिकों का सेनापति ।
सहस्वत्, (त्रि.) बलवान् । दृढ़ ।
सहा, (स्त्री.) पृथिवी । पुष्प विशेष ।
सहाय, (पु.) मित्र । सहायक । अनुयायी ।
सहायता, (स्त्री.) मदद । सहायकों का समूह ।
सहार, (पु.) आम का पेड़ । सार्वदेशिक प्रलय ।
सहासन, (न.) एक आसन ।
सहित, (त्रि.) मिला हुआ । हितकारी ।
सहितृ, (त्रि.) सहारने वाला ।
सहिष्णु, (त्रि.) सहनशील ।
सहिष्णुता, (स्त्री.) क्षमा ।
सहृदय, (त्रि.) बहुत चतुर ।
सहलेख, (पु) विगड़ा हुआ धन ।
सहेल, (पु.) खिलाड़ी ।
सहोक्ति, (स्त्री.) अर्थसम्बन्धी अलङ्कार ।
सहोटज, (पुं. न.) पत्तों की कुटिया ।
सहोढ़, (पु.) चोर जो चुराई हुई वस्तु के साथ पकड़ा गया हो ।
सहोदर, (पु.) सगा भाई ।
सहोर, (त्रि.) अच्छा । उत्तम । (पुं.) सन्त । ऋषि ।
सह्य, (न.) साहाय्य । (त्रि.) सहारने योग्य । (पु.) एक पहाड़ ।
सा, (स्त्री.) लक्ष्मी । पार्वती ।
सांख्य, (न.) कपिल का रचा हुआ दर्शन शास्त्र ।
सांघातिक, (त्रि.) एकत्र करने वाला ।
सांयात्रिक, (पु) व्यापारी । जहाज या नाव का व्यापारी ।
सांयुगीन, (त्रि.) रणकुशल ।
सांवत्सरक, (पु.) गणक । ज्योतिषी ।
सांवादिक, (पु.) नैयायिक । विवाद करने वाला ।
सांवृत्तिक, (त्रि.) मायावी । विचक्षण ।
सांशयिक, (त्रि.) सन्देहयुक्त । शकी ।
सांसारिक, (त्रि.) दुनियावी ।
सांसिद्धिक, (त्रि.) स्वाभाविक ।
सांस्थानिक, (पु.) स्वदेशवासी ।
सांहननिक, (त्रि.) शारीरिक ।
साक (पु. न.) शाकपात । बूटी ।
साकम्, (अव्य.) साथ ।
साकल्य, (न.) सम्पूर्ण । सारा । होम के लिये तिल आदि द्रव्य ।
साकांक्ष, (त्रि.) अभिलाष ।
साकार, (त्रि.) मूर्ति वाला । आकृति वाला ।
साकूत, (त्रि.) अर्थ वाला ।

साकेत, (न.) अयोध्या।
साक्षात्, (अव्य.) प्रत्यक्ष। आँखों के सामने।
साक्षात्कार, (पुं.) प्रत्यक्ष। सामने।
साक्षिन्, (त्रि.) सामने देखने वाला। गवाहीदार।
साक्ष्य, (न.) गवाही। साखी।
सागर, (पुं.) समुद्र। अपार्व्वी संख्या। मृग।
सागरगामिनी, (स्त्री.) नदी।
सागरमेखला, (स्त्री.) पृथिवी।
सागरालय, (पुं.) समुद्र जिसका घर है अर्थात् वरुणदेव। मोती। शंख।
साग्निक, (पुं.) अग्निहोत्री।
साङ्कर्य, (न.) मिश्रित। गड़बड़ी।
साग्र, (त्रि.) साग्रहित। पूरा पूरा।
साचि, (अव्य.) तिरछोहाँ। टेढ़े से।
सात्यकि, (पुं.) श्रीकृष्ण का सारथि।
सात्वत्, (पुं.) यादवों का अधिकार युक्त एक देश।
सात्वत, (पुं.) विष्णु। बलराम। समाज-बहिष्कृत वैश्य का पुत्र। वैष्णव। एक राजा।
सात्त्विक, (पुं.) सतोगुणी। विष्णु।
सादिन्, (पुं.) घुड़सवार। हाथी पर या गाड़ी पर सवार। सारथि।
सादृश्य, (न.) समानता।
साधक, (पुं.) साधन करने वाला। सिद्ध। ऐन्द्रजालिक।
साधना, (स्त्री.) पूजा।
साधन्त, (पुं.) भिखारी।
साधर्म्य, (न.) सादृश्य। समानता। एक धर्म वाला।
साधारण, (त्रि.) सामान्य।
साधारणधर्म, (पुं.) सामान्य धर्म। यथा:—
अहिंसा सत्यमस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।
दमः क्षमार्जवं दानं धर्मं साधारणं विदुः॥
साधारणस्त्री, (स्त्री.) रण्डी। वेश्या।
साधारणी, (स्त्री.) ताले को खोलना। कुञ्जी। चाबी।

साधित, (त्रि.) दिखाया गया। प्रमाणित किया हुआ। पूरा किया हुआ।
साधिदैव, (त्रि.) अधिदैवतादि सहित। परमेश्वर।
साधिष्ठ, (त्रि.) बहुत पक्का। साधु। बहुत अच्छा।
साधिष्ठान, (त्रि.) निकट। बहुतों में से वह जनविशेष जो समुदाय भारी के भीतर है।
साधीयस्, (त्रि.) स्वास्थ्य। बहुत अच्छा।
साधु, (त्रि.) उत्तम कुल में उत्पन्न हुआ। सुन्दर। मनोहर। (पुं.) मुनि। जिनदेव। वह जन जो न तो सम्मानित होने पर प्रसन्न हो, न अपमानित होने पर क्रुद्ध हो और क्रुद्ध होने पर भी जो कठोर वचन न कहे। व्यापारी।
साध्य, (पुं.) बारह गणदेवता। विष्कम्भ आदि योगों में से इक्कीसवाँ योग। (त्रि.) प्रमाणित करने योग्य। सत्कार योग्य। वश।
साध्यतावच्छेदक, (पुं.) जिस रूप से जिसकी साध्यता निश्चित हो।
साध्यसिद्धि, (स्त्री.) सिद्ध होने योग्य पदार्थ की सिद्धि। निष्पत्ति। समाप्ति।
साध्वस, (न.) भय। घबराहट।
साध्वी, (स्त्री.) पतिव्रता स्त्री। एक प्रकार की जड़ का नाम। भली स्त्री।
सानन्द, (त्रि.) प्रसन्न।
सानसि, (पुं.) सुवर्ण।
सानिका, सानेयिका, सानेयी, (स्त्री.) बंशी। बाँसुरी।
सानु, (पुं. न.) पर्वतशिखर। पर्वत की चोटी का समतल भाग। अंकुर। वन। मार्ग। पल्लव। पण्डितजन। सूर्य। वायु।
सानुज, (त्रि.) छोटे भाई सहित। (पुं.) तुम्बुरु वृक्ष।
सानुमत्, (पुं.) पर्वत।
सानुमती, (स्त्री.) एक अप्सरा का नाम।

सान्तपन, न.) एक प्रकार का विशेष व्रत । शान्ति करना । समझाना-बुझाना ।

सान्तर, (न.) विरला । व्यवधानसहित । अन्तरसहित ।

सान्तानिक, (वि.) फैला हुआ । बढ़ा हुआ । सन्तानसम्बन्धी । (पु.) वह ब्राह्मण जो सन्तानार्थ विवाह करना चाहता है।

सान्त्वन, (न.) क्रोधी पुरुष को मीठी और ठण्डी बातें कह कर अपने अनुकूल कर लेना । ठण्डा करना । कर्ण और मन को प्रसन्न करने वाला वचन ।

सान्दीपनि, (पु.) सान्दीपन मुनि की सन्तान । एक विद्वान् ब्राह्मण अवन्तिका (उज्जैन) निवासी । श्रीकृष्ण-बलराम के विद्यागुरु जिनको गुरुदक्षिणा में श्रीकृष्ण जी ने मरा हुआ पुत्र ला कर सजीवित दिया था ।

सान्द्र, (वि.) निविड़ । गाढ़ा । कोमल । चिकना । मनोहर (न.) वन ।

सान्धिविग्रहिक, (पु.) दीवान । किसी रियासत का मन्त्री जिसको परराष्ट्रीय कार्य करने पड़ते हों ।

सान्ध्य, (वि.) सन्ध्याकाल सम्बन्धी ।

सान्ध्यसम्मिलन, (न) सायंकाल के समय मित्रों की गोष्ठी (Evening Party) ।

सान्निध्य, (न.) पास । समीप ।

सान्निपातिक, (वि.) सन्निपात से उत्पन्न रोग ।

सान्वय, (वि) पुश्तैनी । खानदानी का ।

सापत्न, (पु) सौत का बेटा । शत्रु ।

सापिण्ड्य, (न.) कुटुम्बी । जिनका पिण्ड तक का सम्बन्ध है ।

साप्तपदीन, (न.) जो सात पदों के अभ्यास से, सात पग चलने से (भाँवरी, फिरने) के करने से हुआ ...

साफल्य, (वि.) सात प...

साफल्य, (न.) सफलता । ... उत्तीर्णता ।

साम्, (क्रि.) शान्त करना ।

सामक, (न.) ऋण का मूल ... को छोड़ कर) ।

सामग, (पु.) सामवेद के गा...

सामग्री, (स्त्री. न.) सामान ...

सामञ्जस्य, (न.) औचित्य ।

सामन्, (न.) राजाओं का ... विशेष जिससे वे अपने श... वश में करते हैं । (स्त्री.) ... रस्सी ।

सामन्त, (पु.) करद राजा । प... (वि.) पड़ोसी । पास का ।

सामयिक, (वि.) समयानुसार ।

सामयोनि, (पु.) ब्रह्मा । चतुर्...

सामर्थ्य, (न.) बल । पराक्र... योग्यता । धन ।

सामाजिक, (पु.) समासम्बन्धी... सभ्य । मेम्बर । सभा से सम... वाला मनुष्य ।

सामान्य, (वि.) साधारण । मामू...

सामान्यलक्षण, (न.) एक से ... बतलाने वाला चिह्न । (स्त्री.) ... की एक चिह्नदर्शक वाक्यावली ।

सामान्यवनिता, (स्त्री.) साधारण... मामूली औरत ।

सामान्या, (स्त्री.) रण्डी । वेश्या । ...

सामान्यत., (अव्य.) साधारणतः । ... तौर पर ।

सामासिक, (वि.) संक्षिप्त । बो... अनेक शब्दों का एक शब्द ।

सामि, (अव्य.) आधा । अंग्रेजी का ... (सेमी) इसी का अपभ्रंश है ।

समीची, (स्त्री.) प्रशंसा । स्तुति ।
सामीप्य, (न.) निकट । पास ।
सामुद्र, (पुं.) समुद्रयात्री । (न.) समुद्री नोन । शरीर पर चिह्न ।
सामुद्रक, (न.) समुद्री नमक ।
सामुद्रिक, (वि.) समुद्री । (पुं.) जो हाथ की रेखा तथा शरीर के अन्य चिह्नों को देख कर मनुष्यों के भले बुरे फलों को बतलावे ।
साम्परायिक, (न.) परलोक के लिये हितकारी ।
साम्प्रतम्, (अव्य.) अब । योग्य । ठीक ठीक । उचित ।
साम्य, (न.) बराबरी । समान धर्म ।
साम्राज्य, (न.) बादशाहत । [illegible] भूमि पर शासन करने वाला ।
सायंसन्ध्या, (स्त्री.) दिन के अन्त की सन्ध्या । सायं सन्ध्या के समय उपासना विशेष ।
सायक, (पु.) बाण । तीर । शर ।
सायन्तन, (वि.) [illegible] में हुआ ।
सायम्, (अव्य.) साँझ ।
सायाह्न, (पुं.) सन्ध्या । साँझ ।
सायुज्य, (न.) साथ रहना ।
सार, (न.) [illegible] । धन । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । (वि.) सच्चा ।
सारगन्ध, (पुं.) चन्दन ।
सारघ, (पु.) मधु । शहद ।
सारङ्ग, (पु.) [illegible] हाथी । [illegible] । राजहंस । [illegible]
सारसिक, (पु.) [illegible]

सारज, (न.) मक्खन ।
सारणि, } (स्त्री.) छोटी नदी । [illegible]
सारणी, } [illegible]
सारथि, (पु.) [illegible]
सारदा, (स्त्री.) [illegible]
सारमेय, (पुं.) [illegible] कुत्ता ।
सारस्य, (वि.) [illegible] पूर्ण ।
सारस्वत, (न.) [illegible]
सारस्वत, (वि.) [illegible] (पु.) [illegible]
सारस्वतोत्सव, (पु.) [illegible]
सारि, } (स्त्री.) [illegible]
सारी, } [illegible]
सारिका, (स्त्री.) [illegible]
सार्थ, (पु.) [illegible]
सार्थवाह, (पु.) [illegible]
सार्द्र, (वि.) [illegible]
सार्ध, (अव्य.) [illegible]
सार्व, (न.) [illegible]
सार्वकालिक, (वि.) [illegible]
सार्वजनिक, (वि.) [illegible]
सार्वभौम, (वि.) [illegible]

सान्तपन, (न.) एक प्रकार का विशेष व्रत। शान्ति करना। समझाना-बुझाना।
सान्तर, (न.) विरला। व्यवधानसहित। अन्तरसहित।
सान्तानिक, (वि.) फैला हुआ। बढ़ा हुआ। सन्तानसम्बन्धी। (पु.) वह मनुष्य जो सन्तानार्थ विवाह करना चाहता है।
सान्त्वन, (न.) क्रोधी पुरुष को मीठी और ठण्डी बातें कह कर अपने अनुकूल कर लेना। ठण्डा करना। कर्ण और मन को प्रसन्न करने वाला वचन।
सान्दीपनि, (पु.) सान्दीपन मुनि की सन्तान। एक विद्वान् ब्राह्मण अवन्तिका (उज्जैन) निवासी। श्रीकृष्ण-बलराम के विद्यागुरु जिनको गुरुदक्षिणा में श्रीकृष्ण जी ने मरा हुआ पुत्र ला कर संजीवित दिया था।
सान्द्र, (वि.) निविड़। गाढ़ा। कोमल। चिकना। मनोहर (न.) वन।
सान्धिविग्रहिक, (पु.) दीवान। किसी रियासत का मन्त्री जिसको परराष्ट्रीय कार्य करने पड़ते हों।
सान्ध्य, (वि.) सन्ध्याकाल सम्बन्धी।
सान्ध्यसम्मिलन, (न.) सायंकाल के समय मित्रों की गोष्ठी (Evening Party)।
सान्निध्य, (न.) पास। समीप।
सान्निपातिक, (वि.) सन्निपात से उत्पन्न रोग।
सान्वय, (वि.) पुश्तैनी। बाप दादों का।
सापत्न्य, (पु.) सौत का बेटा। शत्रु।
सापिण्ड्य, (न.) कुटुम्बी। जिनका पिण्ड तक का सम्बन्ध है।
साप्तपदीन, (न.) जो सात पदों के बचाने से, सात पग चलने से (सप्तपदी, विवाह) के करने से हुआ हो सम्बन्ध। मित्र। दोस्ती। मेल।
साप्तपौरुष, (वि.) सात पीढ़ी तक का।
साफल्य, (न.) सफलता। सिद्धि। लाभ। उत्तीर्णता।
साम्, (क्रि.) शान्त करना। ठण्डा करना।
सामक, (न.) ऋण का मूल धन (ब्याज को छोड़ कर)।
सामग, (पु.) सामवेद के गाने वाले।
सामग्री, (स्त्री. न.) सामान। चीज़। वस्तु।
सामञ्जस्य, (न.) औचित्य। ठीकठाक।
सामन्, (न.) राजाओं का एक उपाय विशेष जिससे वे अपने शत्रु को अपने वश में करते हैं। (स्त्री.) पशु बाँधने की रस्सी।
सामन्त, (पु.) बड़ा राजा। पड़ोसी राजा। (वि.) पड़ोसी। पास का।
सामयिक, (वि.) समयानुसार। समयोचित।
सामयोनि, (पु.) ब्रह्मा। चतुर्मुख।
सामर्थ्य, (न.) बल। पराक्रम। शक्ति। योग्यता। धन।
सामाजिक, (पु.) समाजसम्बन्धी। (पु.) सभ्य। मेम्बर। सभा से सम्बन्ध रखने वाला मनुष्य।
सामान्य, (वि.) साधारण। मामूली।
सामान्यलक्षण, (न.) एक से धर्म को बतलाने वाला चिह्न। (स्त्री.) उसी प्रकार की एक विलक्षण बातचीत।
सामान्यवनिता, (स्त्री.) साधारण स्त्री। मामूली औरत।
सामान्या, (स्त्री.) रण्डी। वेश्या। मामूली।
सामान्यतः, (अव्य.) साधारणतः। मामूली तौर पर।
सामासिक, (वि.) संक्षिप्त। बोधगम्य। अनेक शब्दों का एक शब्द।
सामि, (अव्य.) आधा। अंग्रेज़ी का Semi (सेमी) इसी का अपभ्रंश है।
सामिधेनी, (स्त्री.) वैदिक ऋचा जो समिधा को अग्न्याहित करते समय पढ़ी जाती है।

समीची, (स्त्री.) प्रशंसा । स्तुति ।
सामीप्य, (न.) निकट । पास ।
सामुद्र, (पुं.) समुद्रयात्री । (न.) समुद्री नोन । शरीर पर चिह्न ।
सामुद्रक, (न.) समुद्री नमक ।
सामुद्रिक, (वि.) समुद्री । (पुं.) जो हाथ की रेखा तथा शरीर के अन्य चिह्नों को देख कर मनुष्यों के अच्छे बुरे फलों को बतलावे ।
साम्परायिक, (न.) परलोक के लिये हितकारी ।
साम्प्रतम्, (अव्य.) अब । योग्य । ठीक ठीक । उचित ।
साम्य, (न.) बराबरी । समान धर्म ।
साम्राज्य, (न.) बादशाहत । इस सारी भूमि पर शासन करने वाला ।
सायंसन्ध्या, (स्त्री.) दिन के अन्त की सन्ध्या । साय काल के समय उपासना विधि ।
सायक, (पुं.) बाण । तीर । खड्ग ।
सायन्तन, (वि.) दिवसान्त में हुआ ।
सायम्, (अव्य.) साँझ ।
सायाह्न, (पुं.) सन्ध्या । साँझ ।
सायुज्य, (न.) साथ मिलना ।
सार, (न.) मर्म । बल । मक्खन । हीरा । धन । रस । स्थिर अंश । न्याय । (वि.) अच्छा ।
सारगन्ध, (पुं.) चन्दन ।
सारघ, (पुं.) मधु । शहद ।
सारङ्ग, (पुं.) चातक । पपीहा । हिरन । हाथी । भौंरा । मोर । राजहंस । चातक भेद । चकोर । अनेक रङ्ग । कोयल । कमल । बाण । सुगन्ध । कमल का फूल । शङ्ख । चन्दन । कपूर । पुष्प । कोयल । बादल । केश । रात्रि । पृथ्वी । दीपक । चन्द्र ।
सारङ्गिक, (पुं.) बहेलिया । चिड़ीमार । व्याध ।

सारज, (न.) मक्खन ।
सारणि, } (स्त्री.) छोटी नदी । ज्योतिष
सारणी, } शास्त्र में ग्रहों की चाल को बताने वाला ज्योतिष का ग्रन्थ विशेष ।
सारथि, (पुं.) गाड़ीवान । नियन्ता ।
सारदा, (स्त्री.) सरस्वती ।
सारमेय, (पुं.) सरमा नामी कुतिया का पुत्र । कुत्ता ।
सारव, (वि.) सरयू नदी के जल से भरा हुआ पूर्ण ।
सारस, (न.) कमल का फूल । स्त्री-भूषण । चन्द्रमा । हंस । एक पक्षी विशेष ।
सारस्वत, (वि.) सरस्वती का । सारस्वत देश का । (पुं.) सरस्वती नदी के आसपास का देश । ब्राह्मणों की एक जाति विशेष । एक वैयाकरण का व्याकरण का ग्रन्थ विशेष जिसे अनुभूति स्वरूपाचार्य ने सरस्वती के वरदान से सूत्रों की रचना के आधार पर बनाया था ।
सारस्वतप्रदाय, (पुं.) तन्त्र की रीति के अनुसार सरस्वती के पुत्र का विशेष दिवस ।
सारि, } (स्त्री.) पाँसा फेंकने वाला ।
सारी, } शतरंज का खेल खेलने वाला ।
सारिका, (स्त्री.) मैना चिड़िया ।
सार्थ, (पुं.) समूह । जन्तुओं का समुदाय । बनियों का झुण्ड । संघ विशेष की सवारी ।
सार्थवाह, (पुं.) व्यापारी । सौदागर । बनिया ।
सार्द्र, (वि.) गीला । भींगा हुआ ।
सार्द्धम्, (अव्य.) साथ । संग ।
सार्ध, (न.) आधे सहित ।
सार्वकालिक, (वि.) सब काल में होने वाला ।
सार्वभौम, (वि.) सब भूमि के स्वामी हुआ । सब देशों का ।
सार्वलौकिक, (वि.) सब लोकों के हुआ । सब जगह हुआ ।

[illegible]

[illegible]

सिंहिकासुत, (पुं.) राहु।
सिंही, (स्त्री.) भटकटैया। राहु की माँ। सिंहनी।
सिच्, (क्रि.) सींचना।
सिकता, (स्त्री.) रेत। बालुका। रेगिस्तान।
सिकतिल, (वि.) रेतीली भूमि।
सिक्थ, (न. पुं.) मोम। भात। नील का पौधा। भात का कण।
सिङ्घाण, सिंघाण, } (न.) नाक का मैल। रेंट।
सिचय, (पुं.) वस्त्र।
सित, (न.) चाँदी। चन्दन। शुक्र ग्रह। (पुं.) सफेद रङ्ग।
सितकर, (पुं.) चन्द्रमा। कपूर।
सितपक्ष, (पुं.) हंस। शुक्लपक्ष।
सिता, (स्त्री.) सफेद। चीनी। मिश्री। गङ्गा। सफेद मिट्टी (खड़िया)।
सितापाङ्ग, (पुं.) मोर।
सितवासस, (पुं.) काले कपड़े वाला। बलभद्र।
सितेतर, (पुं.) काला रङ्ग।
सितोपल, (पुं.) स्फटिक। खड़िया। (न.) [illegible]। (स्त्री.) चीनी। मिश्री।
सिद्ध, (न.) सेंधा नमक। (वि.) पूरा हुआ। पका। निश्चय। (पुं.) व्यास आदि ऋषि। देवयोनि विशेष। [illegible] ज्योतिष का योग। गुड़। काला धतूरा। वृक्ष विशेष।
सिद्धदेव, (पुं.) महादेव।
सिद्धधातु, (पुं.) पारा।
सिद्धपीठ, (पुं. न.) सिद्धि का स्थान।
सिद्धपुर, (न.) भारतवर्ष और [illegible] के [illegible] एक स्थान, जिसे [illegible] कहते हैं।
सिद्धविद्या, (स्त्री.) [illegible] एक [illegible] विद्या।
सिद्ध[illegible]

सिद्धा, (स्त्री.) ज्योतिष की एक योगिनी दशा का नाम।
सिद्धान्त, (पुं.) मत। शास्त्र ग्रन्थ विशेष।
सिद्धार्थ, (पुं.) श्वेत सर्षप। बट वृक्ष। प्रसिद्ध बुद्ध।
सिद्धि, (स्त्री.) मोक्ष। सम्पदा। अणिमा आदि आठ प्रकार का ऐश्वर्य। प्रभाव आदि तीन शक्तियाँ।
सिद्धिद, (पुं.) बटुकभैरव (वि.) सिद्धि का देने वाला।
सिद्धियोग, (पुं.) सिद्धिकारक योग।
सिध्मल, (वि.) कोढ़ी।
सिनीवाली, (स्त्री.) चतुर्दशी वाली अमावस्या।
सिन्दुवार, सिन्धुवार, } (पुं.) निर्गुण्डी नामक वृक्ष। यह नाम काला वृक्ष है और इसमें सफेद रङ्ग के फूल लगते हैं।
सिन्दूर, (न.) सेंदुर। (पुं.) वृक्ष विशेष।
सिन्धु, (पुं.) समुद्र। एक नद। [illegible]। एक राग। एक देश। हाथी का मदजल। सिन्धु देश तथा वहाँ रहने वाला।
सिन्धुर, (पुं.) [illegible] हाथी।
सिन्धुसङ्गम, (पुं.) दो नदियों का मेल। नदी का समुद्र से मिलना।
सिम, (पुं.) [illegible]। [illegible]। [illegible]। (स्त्री.) [illegible] एक नदी। [illegible] विशेष।
सि[illegible], (पुं.) [illegible]।
सीक्, (क्रि.) सींचना।
सीकर, (पुं.) पानी की बूँद।
सीता, (स्त्री.) हल का फार। [illegible]। [illegible]। [illegible]।
सीमन्त[illegible], (पुं.) [illegible]। [illegible]।
सीत्कार, (पुं.) सिसकारी। आनन्द से उत्पन्न शब्द।
सीधु, (पुं.) मद्य। शराब।

सीधुरस, (पुं.) आम का पेड़।
सीमन्त, (पुं.) सीमनी। माँग। गर्भ संस्कार विशेष।
सीमन्तिनी, (स्त्री.) सीमन्त वाली स्त्री। नारी।
सीमन्तोन्नयन, (न.) गर्भ संस्कार वाला कर्म विशेष।
सीमन्, (स्त्री.) मर्यादा। हद। अण्डकोष।
सीमा, (स्त्री.) मर्यादा। गाँव का डाँड़। हद।
सीमाविवाद, (पु.) सीमा के विषय में झगड़ा। हद का झगड़ा। मर्यादा सामान का झगड़ा।
सीर, (पु.) सूर्य। हल। आक वृक्ष। बलराम।
सीरध्वज, (पुं.) राजा जनक का नाम।
सीरपाणि, (पुं.) बलदेव। बलराम।
सीरिन्, (पु.) बलराम। बलभद्र।
सीवन, सेवन, } (न.) सीना।
सु, (अव्य.) पूजा। अच्छा। अतिशय।
सुकरा, (स्त्री.) सुशीला स्त्री। (वि.) जो सहज में हो।
सुकल, (पु.) वह पुरुष जो धन के सद् व्यवहार और उदारता के लिये प्रसिद्ध है।
सुकर्मन्, (पु.) अच्छे काम करने वाला पुरुष [illegible] आदि में [illegible]। (न.) अच्छा काम।
सुकाण्ड, (पु.) [illegible] अच्छी [illegible]
सुकामा, (स्त्री.) [illegible] (वि.) अच्छी कामना वाला।
सुकुन्दना, (स्त्री.) [illegible] (वि.) [illegible]
सुकृत, (वि.) [illegible] (पु.) पुण्य। धर्म। [illegible] (न.) अच्छा काम।
सुकृति, (स्त्री.) पुण्य। भलाई। अच्छा काम।

सुकृतिन्, (वि.) पुण्य वाला। भलाई वाला। अच्छे कामों से युक्त।
सुख, (न.) हर्ष। (वि.) सुखी।
सुखजात, (वि.) आनन्दित। प्रसन्न।
सुखभाज्, (वि.) सुखवाला।
सुखरात्रिका, (स्त्री.) दिवाली की रात।
सुखाधार, (पु.) स्वर्ग।
सुखावह, (वि.) सुखजनक।
सुखोत्सव, (पु.) सुख देने वाला उत्सव। पति।
सुगत, (पु.) बुद्धदेव।
सुगन्ध, (न.) गन्धक। व्यापारी। सुवास।
सुगन्धि, (पु.) खाली हुई सुगन्ध।
सुगृहीतनामन्, (पु.) पवित्र नाम वाला मनुष्य। नामी मनुष्य।
सुग्रन्थि, (पु.) चोरक नामी द्रव्य।
सुग्रीव, (पु.) अच्छे कण्ठ वाला। श्रीकृष्ण का घोड़ा। सूर्यपुत्र। श्रीरामचन्द्र जी का मित्र। वानरराज।
सुचक्षुस्, (पु.) [illegible] (न.) अच्छे नेत्र। (वि.) अच्छे नेत्र वाला।
सुचरित्रा, (स्त्री.) अच्छे चालचलन वाली। पतिव्रता स्त्री।
सुचिर, (अव्य.) बहुत काल तक। बहुत देर तक।
सुचिरायुस्, (पु.) देवता।
सुचेलक, (पु.) उत्तम वस्त्र। (वि.) अच्छे वस्त्र पहने हुए। अच्छा कपड़ा।
सुजन्म, (न.) [illegible] वह देश जिसमें जन्म [illegible]
सुत (पु.) पुत्र।
सुता, (स्त्री.) कन्या।
सुतक, सूतक, } (न.) [illegible]
सुतनु, सुतनू } (स्त्री.) [illegible]
सुतनय, (पु.) [illegible] (न.) [illegible]

सुतराम्, (अव्य.) बेहतर । बहुत उत्तमता से । सबसे बढ़ कर । बहुत । बहुतमा ।

सुतल, (पु. न.) अच्छे तल वाला । पृथिवी के नीचे के लोकों में से एक ।

सुतिक्त, (पुं.) पर्पट । नीम । (त्रि.) बहुत तीता ।

सुतीक्ष्ण, (त्रि.) बहुत तेज । (पुं.) शिग्रु का वृक्ष । एक मुनि का नाम, जिनके आश्रम में रामचन्द्र ने विश्राम किया था ।

सुतुङ्ग, (त्रि.) बहुत ऊंचा । (पु.) नारियल का पेड़ ।

सुत्रामन्, } (पु.) इन्द्र । देवताओं का राजा ।
सुत्रात्मन्, }

सुत्वन्, (पु.) सोमलतपायी । सोमरस निचोड़ने वाला ।

सुदण्ड, (पुं.) बेंत ।

सुदत्, (त्रि.) अच्छे दाँतों वाला । सुदंत ।

सुदर्शन, (त्रि.) रूपवान् । अच्छे रूप का । जो सहज में देखा जा सके । (पुं.) विष्णु के चक्र का नाम । शिव का नाम । मेरु पर्वत । एक द्वीप ।

सुदर्शनी, } अमरावती पुरी ।
सुदर्शना, }

सुदामन्, (त्रि.) उदार । (पुं.) बादल । पर्वत । समुद्र । इन्द्र के हाथी का नाम । एक ब्राह्मण का नाम जो श्रीकृष्ण का सहपाठी था और भूखे हुए पाण्डवों को भेंट दे, अपनी स्त्री के अनुरोध करने पर द्वारिका में जा श्रीकृष्ण से मिला था, श्रीकृष्ण ने प्रसन्न हो कर उसको कैलोक्य की सम्पत्ति से पूर्ण कर दिया ।

सुदि, शुक्लपक्ष ।

सुदिन, (न.) अच्छा दिन ।

सुदिवस, (न.) बहुत अच्छा दिन ।

सुदूर, (त्रि.) बहुत दूर ।

सुदृश, (पु.) अच्छे रूप वाला ।

सुधन्वन्, (त्रि.) सुन्दर धनुष धारण करने वाला । (पु.) एक राजा । अनन्त नाग । विश्वकर्मा ।

सुधर्मन्, (स्त्री.) देवताओं की सभा (पु.) सुधर्म वाला ।

सुधा, (स्त्री.) अमृत । कली चूना । गङ्गा । बिजली । रस । जल । स्त्रीपदी । हरीतकी । मधु ।

सुधांशु, (पु.) चन्द्रमा । कपूर ।

सुधाशीविन्, (पु.) राज । कारीगर ।

सुधानिधि, (पु.) अमृत का भाण्डार । चन्द्रमा । कपूर ।

सुधाहर, (पुं.) गरुड़ । सौंप । बहुत । चोर ।

सुधी, (पु) पण्डित । अच्छी बुद्धि वाला ।

सुधीरूप, (पु) धन्वन्तरि वैद्य ।

सुनन्द, (न.) बलराम का मूसल । श्रीकृष्ण का महल । एक प्रकार का राजा का घर । (त्रि.) आनन्ददायी ।

सुनयन, (पु.) मृग । (त्रि.) अच्छी आँख वाला ।

सुनासीर, } (पु.) इन्द्र ।
सुनाशीर, }

सुनिश्चित, (त्रि) बहुत तय हुआ ।

सुनीति, (स्त्री.) ध्रुव की माता । सुन्दर नीति ।

सुनील, (न.) लामज घास । अनार । (पु.) सुन्दर नीला रङ्ग ।

सुनीला, (स्त्री.) अलसी । अपराजिता ।

सुन्द, (पुं.) एक दैत्य । एक बन्दर ।

सुन्दर, (त्रि.) मनोहर । रूपदेव ।

सुन्दरी, (स्त्री) खूबसूरत स्त्री । कामदेव की ।

सुपक्व, (पु.) अच्छा आम । (त्रि.) अच्छी तरह पका हुआ ।

सुपथ, (पु.) अच्छा मार्ग । सदाचार । (न.) सुन्दर पथ का ।

सुपर्ण, (पु.) गरुड़ । कल्पवृक्ष । (त्रि.) अच्छे पत्ते वाला ।

सुरपुरी, (स्त्री.) अमरावती ।
सुरभि, (न.) सोना । चम्पा । जायफल । वसन्त ऋतु । सुगन्ध । चैत्र का मास । (पुं.) पण्डित । (स्त्री.) रुद्र की जटा । देवीभेद । गौ । सुरा । तुलसी । पृथिवी । (त्रि.) धीर । अच्छे गन्ध वाला । मनोहर । प्रसिद्ध ।
सुरर्षि, (पुं.) नारदादि देवर्षि ।
सुरलोक, (पुं.) स्वर्ग । देवों का निवास-स्थल ।
सुरवर्त्मन्, (न.) आकाश ।
सुरवल्ली, (स्त्री.) तुलसी ।
सुरवैरिन्, (पुं.) असुर । (त्रि.) देवों का शत्रु ।
सुरसुन्दरी, (स्त्री.) देवताओं की प्रिय सुन्दरी । मेनका आदि अप्सरा । एक योगिनी ।
सुरा, (स्त्री.) मद्य । शराब ।
सुराजन्, (पु.) अच्छा राजा ।
सुराजीविन्, (पु.) कलाल या कलवार ।
सुराप, (त्रि.) मदिरा पीने वाला ।
सुरापगा, (स्त्री.) गङ्गा ।
सुरापान, (न.) मदिरा पान ।
सुराह्व, (न.) हरिचन्दन ।
सुराष्ट्र, (पु.) एक देश । अच्छा राज्य ।
सुरूप, (न.) सुन्दर रूप । राई । (पु.) पण्डित ।
सुरेज्य, (पु.) बृहस्पति ।
सुरेज्या, (स्त्री.) तुलसी ।
सुरेन्द्र, (पु.) इन्द्र । देवराज ।
सुरेश्वर, (पुं.) महादेव । रुद्र । देवनायक ।
सुरोत्तम, (पु.) सूर्य । देवताओं में श्रेष्ठ विष्णु ।
सुरोद, (पुं.) सुरासमुद्र ।
सुलभ, (त्रि.) सहज ।
सुलोचन, (पु.) हिरन । (त्रि.) अच्छी आँखों वाला ।

सुलोमशा, (स्त्री.) अच्छे रोएँ वाली ।
सुवचस्, (त्रि.) वाग्मी । अच्छे बोल बोलने वाला ।
सुवर्ण, (न.) सोना । (त्रि.) सुन्दर रङ्ग अथवा सुन्दर अक्षर वाला । अच्छा अक्षर ।
सुवर्णकार, (त्रि.) सुनार । रहेरा । लेखक ।
सुवयस्, (स्त्री.) प्रौढ़ा (जोबन में भरी) ।
सुवास, (पु.) अच्छी गन्ध ।
सुवासिनी, (स्त्री.) चिरकाल तक पिता के घर में रहने वाली स्त्री ।
सुविद्, (पु.) पण्डित । अच्छा ज्ञाता ।
सुविद्वत्, (पु) राजा ।
सुविनीता, (स्त्री.) सुशीला गौ । (त्रि.) विनम्र ।
सुवृक्ष, (पु) लालवन । एक वृक्ष ।
सुवीर्य्य, (न.) बेर । बदरीफल ।
सुवृत्त, (पु.) अच्छा वृत्तान्त ।
सुवेल, (पु.) लङ्का के एक पर्वत का नाम । (त्रि.) अच्छे नियम वाला । शान्त । प्रणत ।
सुवेश, (पु.) सफेद गन्ना । (त्रि.) सुन्दर वेश वाला ।
सुव्रता, (स्त्री.) अच्छे नियम वाली स्त्री । सुशीला गौ ।
सुशर्मन्, (पु) एक राजा । (त्रि.) सुन्दर सुख वाला ।
सुशिख, (पु) आग । चित्रक वृक्ष । (त्रि.) अच्छी शिखा वाला । (स्त्री.) मोर की चोटी या कलगी ।
सुशीत, ( ) पीला चन्दन (त्रि.) बहुत शीतल ।
सुशील, (त्रि.) विष्णु के पास बिठाने वाला । अच्छे स्वभाव वाला । अच्छे चरित्र वाला ।
सुश्रीक, (स्त्री.) एक चिड़िया, जिसे हाथी बड़े चाव से खाते हैं । (त्रि.) अच्छी शोभा वाला ।

सुश्रुत, (पुं.) विश्वामित्र का पुत्र। एक मुनि जिसके नाम का एक चिकित्साग्रन्थ प्रसिद्ध है। ग्रन्थ विशेष। (वि.) कर्णमधुर।

सुश्लिष्ट, (वि.) भली भाँति मिला हुआ।

सुषम, (पु.) शोभन। सम। (स्त्री.) बड़ी शोभा।

सुषिर, (न.) छेद। सूराख।

सुषीम, (पु.) जिसकी अच्छी सीमा है। शीतल स्पर्श। (वि.) मनोज्ञ। मनोहर।

सुषुप्त, (न.) शान्तरूप दशा। (वि.) शान्तरूप अवस्था वाला।

सुषुप्ति, (स्त्री.) अवस्था विशेष।

सुषुम्णा, (स्त्री.) सूक्ष्मनाड़ी विशेष।

सुषेण, (पुं.) वैद्य। लङ्का के एक वैद्य का नाम। राम की वानरी सेना का एक वानर सेनापति।

सुष्ठु, (अव्य.) अत्यन्त। प्रशस्त। सत्य।

सुसंस्कृत, (वि.) अच्छी प्रकार बनाया हुआ।

सुसम्पद्, (स्त्री.) अच्छी सम्पदा। सौभाग्य। (वि.) अच्छी सम्पदा वाला।

सुस्थ, (वि.) नीरोग। सुखी।

सुस्नात, (वि.) अच्छे प्रकार मङ्गल द्रव्यों से स्नान किये हुए।

सुहृद्, (पु.) अच्छे हृदय वाला। हितकारी मित्र।

सुहृदय, (वि.) अच्छे हृदय वाला।

सुहृत्त्व, (न.) मित्रत्व।

सू, (क्रि.) जनना। देना। भेजना।

सूकर, (पु.) सूअर। [illegible] पशु विशेष।

सूक्त, (न.) अच्छे वचन। [illegible]

सूक्ष्म, (न.) [illegible]

[illegible]

(वि.) [illegible]

[illegible], (वि.) [illegible]

[illegible]

सूक्ष्मभूत, (न.) पृथिवी आदि पञ्च भूतों के अंश विशेष।

सूक्ष्मैला, (स्त्री.) छोटी या सफेद इलायची।

सूच्, (क्रि.) चुगली खाना।

सूचक, (वि.) चुगलखोर। सूचना देने वाला। (पु.) काक। कुत्ता। बिडाल। पिशाच। बुद्ध। नाटक में मुख्य नट।

सूचन, (न.) मारना। जतलाना।

सूचि, सूची, (स्त्री.) शिखा। सूई।

सूचिक, (वि.) दरजी। (स्त्री.) हाथी की सूंड।

सूचित, (वि.) कहा हुआ। मारा हुआ। जतलाया हुआ।

सूचीमुख, (न.) हीरा।

सूत, (पुं.) सूर्य। क्षत्रियपुत्र जो ब्राह्मणी के गर्भ और क्षत्रिय के औरस से उत्पन्न हुआ हो। विश्वकर्मा। सारथी। बन्दी। लोमहर्षण नामक पुराणवक्ता। (न.) पारा। (वि.) जना हुआ। उत्पन्न हुआ।

सूततनय, (पु.) कर्ण राजा।

सूति, (स्त्री.) उत्पत्ति। सोमरस निकालने का स्थान।

सूतिका, (स्त्री.) नवप्रसूता स्त्री।

सूतिकागार, (न.) सूतिकागार।

सूत्थान, (वि.) अच्छे उद्योग वाला। चतुर। काम करने में कुशल।

सूत्या, (स्त्री.) यज्ञ के अङ्ग का स्नान विशेष। सोमरस का पीना।

[illegible], (न.) [illegible]

सूत्र्, (क्रि.) गूंथना। बटोरना।

सूत्र, (न.) सूत। धागा। [illegible] नियम। [illegible]

[illegible]

सूत्रकण्ठ, (पुं.) [illegible]

सूत्रधार, (पुं.) [illegible]

[illegible]

[illegible] (पुं.) [illegible]

सूक्ष्मांश, (न.) अल्प ।
सूत, (पु.) सारथि । वर्णसंकरविशेष । भाट । बन्दी । बढ़ई । पारा ।
सूतक, (न.) जन्म । अशौच ।
सूतिकागार, (स्त्री.) प्रसवगृह । सौरीघर ।
सून, (न.) पुष्प ।
सूना, (स्त्री.) कसाईखाना । लड़की । हाथी की सूँड़ । गले का बेलना ।
सूनु, (पु.) पुत्र । छोटा भाई ।
सूनृत, (न.) सत्य वचन । मङ्गल । (वि.) सत्य । शुभ ।
सूप, (पु.) दाल । रसोई ।
सूपकार, (पु.) पाचक । रसोइया ।
सूपाङ्ग, (न.) हींग आदि मसाला ।
सूर, (पु.) सूर्य । आक का वृक्ष । पण्डित ।
सूरत, (वि.) दयालु । कृपालु ।
सूरसुत, (पु.) बन्दर ।
सूरि, (पु.) सूर्य । आक का पेड़ । एक यादव । एक पण्डित ।
सूरिन्, (पु.) पण्डित । बहुज्ञ जन ।
सूर्पणखा, (स्त्री.) रावण की बहिन ।
सूर्य, (पु.) दिवाकर । सूरज । आक का पेड़ । एक दैत्य ।
सूर्यकान्त, (पु.) दाहक मणि । आतशी शीशा ।
सूर्यग्रहण, (न.) सूर्य का ग्रहण । पर्व विशेष ।
सूर्यज, (पु.) शनिग्रह । यमराज । वैवस्वत मनु । सुग्रीव ।
सूर्यजा, (स्त्री.) यमुना नदी ।
सूर्या, (स्त्री.) सूर्य की (संज्ञा) स्त्री । कुन्ती (सावित्री) ।
सूर्यालोक, (पु.) सूर्य का प्रकाश । धूप । तेज ।
सूर्याश्मन्, (पु.) सूर्यकान्तमणि ।
सूर्योढ, (पु.) सूर्यास्त के समय आया हुआ अतिथि ।

सृक्क, सृक्कन्, } (न.) होठों के पास का भाग ।
सृगाल, (पु.) शत्रु । असुर ।
सृति, (स्त्री.) जाना । पथ । रास्ता ।
सृत्वर, (वि.) जानेवाला ।
सृप्र, (वि.) चला ।
सृमर, (पु.) मृग विशेष (वि.) जाने वाला ।
सृष्ट, (वि.) निर्मित । रचा हुआ । छुटा हुआ । निश्चय किया हुआ । फैला हुआ । लगा हुआ ।
सृष्टि, (स्त्री.) रचना । स्वभाव ।
सेक, (पु.) सींचना ।
सेकपात्र, (न.) डोल । मशक । हजारा ।
सेक्तृ, (पु.) पति । (वि.) सींचने वाला ।
सेचन, (न.) सींचना । बाल्टी ।
सेटु, (पु.) तरबूज ।
सेतु, (पु.) पुल । वरुण वृक्ष । प्रणव रूप मन्त्र ।
सेतुबन्ध, (पु.) लङ्का जाने के लिये श्रीराम का बनवाया हुआ पुल ।
सेन, (न.) देह । [illegible] ।
सेना, (स्त्री.) सैन्य ।
सेनाङ्ग, (न.) हाथी, घोड़ा, रथ, पैदल आदि सेना की सामग्री ।
सेनाचर, (पु.) सेनागामी । फौज में फिरने वाला ।
सेनानी, (पु.) कार्तिकेय । देवताओं का सेनापति ।
सेनापति, (पु.) कार्तिकेय । फौज का स्वामी । देवताओं का सेनापति कार्तिकेय । कमाण्डर ।
सेनामुख, (न.) सेना के आगे का हिस्सा ।
सेनारक्ष, (पुं.) पहरुआ । फौज का रक्षक ।
सेफ, (पु.) लिङ्ग ।
सेवक, (पु.) नौकर । टहलुआ । सीने वाला ।
सेवधि, (पु.) जिसकी सेवा करनी पड़ती है । शङ्ख आदि निधि । धनागार । खजाना । सीमा । खातिर ।

सेघन, (न.) सीना । आसरा लेना । भोगना । बाँधना । पूजना । सूई ।

सेवा, (स्त्री.) भजन । आराधन । भोजन । नौकरी । परिचर्या ।

सेवित, (वि.) पूजा गया । सेवा किया गया । सेवा गया (पेड़ आदि)।

सेव्य, (न.) पीपल । (वि.) सेवा के योग्य । लक्ष्मीपति ।

सैंहिक, (पुं.) राहु ।

सैकत, (न.) किसी भी नदी का बहुत रेतीला तट । (वि.) रेतीला ।

सैद्धान्तिक, (न.) सिद्धान्त जानने वाला ।

सैनापत्य, (न.) सेनापति या कप्तान का काम ।

सैनिक, (वि.) फौजी । (पु.) सिपाही ।

सैन्धव, (न.) सेंधा नोन । घोड़ा । (वि.) सिन्धु देश में उत्पन्न ।

सैन्धवघन, (पु.) चिदानन्दस्वरूप । परमेश्वर ।

सैन्य, (पु.) सेना के हाथी घोड़े आदि (न.) सेना का समूह ।

सैरन्ध्री, (स्त्री.) दूसरे के घर में रह कर भी स्वतन्त्र हो पर शिल्प का काम करने वाली स्त्री । राजा विराट के यहाँ द्रौपदी ने सैरन्ध्री ही का काम किया था । दासी ।

सैरिभ, (पु.) भैंसा । स्वर्ग ।

सैवाल, (न.) सेवाँ सेवाल ।

सोढ़, (वि.) सहने वाला । क्षमाशील ।

सोढ, (वि.) सहनशील ।

सोत्कण्ठ, (वि.) [illegible]

सोत्प्रास, (वि.) [illegible]

सोत्साह, (वि.) [illegible] । [illegible] (पु.) [illegible]

सोदय, (वि.) [illegible] । [illegible]

सोदर, (पु.) [illegible]

सोदर्य, (पु.) [illegible]

सोन्माद, (वि.) पागल । उन्मत्त ।

सोपप्लव, (पुं.) राहु व चन्द्रमा की ग्रा... दबाया हुआ । शत्रुओं से ।

सोपाधिक, (न.) विशेष । उपाधि साथ । किसी विशेष गुण को धारण हुए । आवश्यक ।

सोपान, (न.) सीढ़ी । नसैनी ।

सोम, (पुं.) चन्द्रमा । अमृत । सोमरस किरण । कपूर । जल । वायु । कुबे... शिव । यम । सुग्रीव । मुख्य ।

सोमगर्भ, (पु.) विष्णु । नारायण ।

सोमज, (न.) दुग्ध । (पु.) बुध ।

सोमतीर्थ, (न.) प्रभासक्षेत्र ।

सोमप, (पु.) यज्ञ में सोमरस को पी... वाला ।

सोमपीतिन्, **सोमपीथिन्**, (पु.) सोमपी । सोमरस पीने वाला ।

सोमबन्धु, (पु.) सूर्य । बुध । (न.) कुमुद का फूल ।

सोमभू, (पु.) बुधग्रह । चन्द्रवंशीयक्षत्रिय

सोमयाग, (पु.) याग विशेष ।

सोमयाजिन्, (पु.) सोमयागकर्ता ।

सोमलता, (स्त्री.) लता विशेष ।

सोमवंश, (पु.) चन्द्रमा का वंश ।

सोमवार, (पु.) चन्द्रवार ।

सोमविक्रयिन्, (पु.) सोमलता या उसके रस का बेचने वाला ।

सोमसिद्धान्त, (पु.) [illegible] का ग्रन्थ विशेष ।

सोमसुत, (पु.) बुध ।

सोमसुता, (स्त्री.) नर्मदा नदी । चन्द्रमा की कन्या ।

सोमसूत्र, (न.) [illegible]

सोल्लुण्ठ, (वि.) [illegible]

सौकर्य, (न.) [illegible]

सौकुमार्य, (वि.) [illegible]

सौख्य, (न.) सुख। आराम।
सौगत, (पु.) सुगत बुद्ध विशेष।
सौगन्धिक, (न.) कह्लार। एक प्रकार का पद्मपुष्प।
सौचिक, (पु.) दरजी।
सौजन्य, (न.) भलमनसाई। सज्जनता।
सौत्रामणि, (स्त्री.) यज्ञ विशेष जिसमें ब्राह्मणों के सुरा पीने का भी विधान है। यथा-" सौत्रामण्यां सुरां पिबेदिति।"
सौदामिनी, (स्त्री.) बिजली।
सौदायिक, (न.) स्त्रीधन भेद।
सौदास, (पु.) चक्रवर्ती कल्माषपाद राजा।
सौध, (पु. न.) राजप्रासाद विशेष। (त्रि.) सुधासम्बन्धी।
सौनिक, (पु.) कसाई। बूचड़।
सौन्दर्य, (न.) सुन्दरता।
सौपर्ण, (न.) पन्ना।
सौपर्णेय, (पु.) विनता का पुत्र। गरुड़।
सौप्तिक, (त्रि.) रात में हुआ। महाभारत ग्रन्थ का पर्व विशेष।
सौभ, (न.) कामचारी नगर।
सौभद्र, (पु.) अभिमन्यु। सुभद्रा का पुत्र।
सौभरि, (पु.) एक ऋषि।
सौभागिनेय, (पुं.) पति की प्यारी स्त्री का पुत्र।
सौभाग्य, (न.) [illegible]। [illegible]। (पु.) (ज्योतिष का) चौथा योग। (न.) [illegible]।
सौमिक, (पु.) [illegible]।
सौमनस्य, (न.) [illegible]
सौमित्र, (पु.) [illegible]
सौम्य, (त्रि.) [illegible]
सौराष्ट्र? (पु.) [illegible]

सौर, (पु.) सूर्यपुत्र। शनैश्चर। यमराज। (त्रि.) सूर्यसम्बन्धी।
सौरभ, (न.) केसर।
सौरभेय, (पुं.) गौ (त्रि.) गौ सम्बन्धी।
सौराष्ट्र, (पु.) अच्छे राज वाला। एक देश विशेष। (न.) एक विष। (त्रि.) अच्छे देश में उत्पन्न।
सौल्विक, (त्रि.) कसेरा।
सौवस्तिक, (पु.) पुरोहित।
सौविदल्ल, (पु.) अन्तःपुर का रखवाला।
सौष्ठव, (न.) सुन्दरता।
सौहार्द, (न.) स्नेह। प्यार। मैत्री।
स्कन्द्, (क्रि.) उछल कर चलना।
स्कन्द, (पु.) कार्तिकेय।
स्कन्दन, (न.) बहना। सूखना। जाना।
स्कन्ध, (पु.) कन्धा। वृक्ष का तना। [illegible] रचना। लड़ाई। समूह। शरीर। एक छन्द। सांख्य सिद्धान्त में विज्ञानादि पाँच। राशि। ग्रन्थ का भाग।
स्कन्धावार, (पु.) छावनी। शिविर।
स्कन्न, (त्रि.) च्युत। गलित। शीर्ण। बहा हुआ। सूखा हुआ। [illegible]
स्कम्भ्, (क्रि.) [illegible]
[illegible]
[illegible]

स्तनभर, (पुं.) मोटे स्तनों का भार।
स्तनयित्नु, (पुं.) मेघ। बादल। मोथा। बिजली। मौत। रोग।
स्तनान्तर, (न.) स्तनों का मध्य। हृदय। छाती।
स्तनाभोग, (पुं.) स्तनों की पूर्णता।
स्तनित, (न.) कोड़ा आदि का शब्द। (वि.) शब्द वाला।
स्तम्भ्, (क्रि.) रोकना।
स्तन्य, (न.) दूध।
स्तब्धरोमन्, (पुं.) शूकर। सुअर।
स्तभ्, (क्रि.) रोकना।
स्तम्ब, (पुं.) झाड़ी। गुल्म। खम्भा।
स्तम्बेरम, (पुं.) गज। हाथी।
स्तम्भ, (पुं.) खम्भा।
स्तम्भन, (न.) रोक देना। मन्त्र का प्रयोग विशेष।
स्तव, (पुं.) प्रशंसा। स्तुति।
स्तवक, (पुं.) गुच्छा।
स्तावक, (वि.) स्तुतिकारक। बड़ाई करने वाला।
स्तिमित, (न.) गीलापन। निश्चल। ठहरना। (वि.) भीगा।
स्तुत, (पुं.) स्तुति किया हुआ।
स्तुतिपाठक, (पुं.) राजा आदि की बड़ाई करने वाला।
स्तुभ्, (क्रि.) [illegible]
स्तूप, (पुं.) [illegible]
[illegible]

स्तोत्र, (न.) बड़ाई। गुणानुवाद।
स्तोभ, (पुं.) स्तम्भ।
स्तोम्, (क्रि.) अपने गुणों की प्रशंसा करना।
स्तोम, (पुं.) समूह। यज्ञ। बड़ाई। [illegible]। धन। माथा। ढेरी। (वि.) टेढ़ा।
स्त्यान, (न.) चिकनाहट। मोटापन। [illegible]। आलस्य। [illegible]।
स्त्यै, (क्रि.) इकट्ठा करना। शब्द करना।
स्त्री, (स्त्री.) नारी। औरत।
स्त्रीचिह्न, (न.) योनि। भग।
स्त्रीचोर, (पुं.) कामी। लम्पट।
स्त्रीजित्, (पुं.) स्त्रैण।
स्त्रीधन, (न.) औरत की सम्पत्ति।
स्त्रीधर्म, (पुं.) रजस्वला होना। [illegible] धर्म।
स्त्रीधर्मिणी, (स्त्री.) ऋतुमती स्त्री।
स्त्रीपुंस, (पुं.) स्त्री और पुरुष।
स्त्रीलिङ्ग, (पुं.) स्त्रीवाची।
स्त्रीवश, (पुं.) स्त्री के वशीभूत रहने वाला।
स्त्रीविधेय, (पुं.) स्त्री के वश में रहने वाला।
स्त्रीसंग्रहण, (न.) स्त्री का पकड़ना। एक प्रकार का विवाह।
[illegible]
स्त्रैण, (वि.) [illegible]
[illegible]

स्थण्डिलशायिन्, } (पु.) व्रत धारण कर
स्थण्डिलेशय, } चबूतरे पर सोने वाला।

स्थपति, (पु.) रनवास में रहने वाला बूढ़ा ब्राह्मण। शिल्पी विशेष। राज बढ़ई। अधीश। "बृहस्पतिसव" नामक यज्ञ करने वाला। (वि.) बहुत अच्छा।

स्थपुट, (वि.) टेढ़ी और ऊँची जगह।

स्थल्, (क्रि.) ठहरना।

स्थल, (न. स्त्री.) भूमि का भाग। थल। बनावटी भूभाग।

स्थलेशय, (पु.) वराह। कछ। एक प्रकार का हिरन।

स्थविर, (न.) गन्ध द्रव्य विशेष। (पु.) ब्रह्मा। (वि.) अचल। स्थिर। बूढ़ा।

स्थविष्ठ, (वि.) अतिदृढ़।

स्थाणु, (पु.) शिव। शाखा आदि से रहित वृक्ष। (वि.) दृढ़।

स्थान, (न.) समानता। अवकाश। रहन। ग्रन्थसन्धि। भाजन। पात्र। जगह।

स्थानिक, (वि.) थानापति। स्थान का मालिक या स्वामी।

स्थानिन्, (वि.) स्थान की रक्षा करने वाला।

स्थानीय, (न.) नगर। रहने योग्य स्थान। (पु.) स्थान वाला।

स्थाने (अव्य.) योग्यता। औचित्य। ठीक। सत्य।

स्थापन, (न.) आगार। ठहराव। अड्डा।

स्थापित, (वि.) निश्चित। दृढ़। न्यस्त।

स्थायिन्, (वि.) स्थितिशील।

स्थायुक, (वि.) स्थितिशील। (पु.) एक ग्राम का स्वामी।

न.) थाल। बड़ी थाली।

, (पु.) एक प्रकार का न्याय।
हुई बटलोई में से एक चावल को
ल कर उस बटलोई भर चावलों को
अर्थात् वे सिझे कि नहीं।
"स्थालीपुलाक" न्याय

स्थावर, (वि.) अचल। स्थिर। (
वृक्ष। पर्वत। पृथिवी। (न.)
का रोदा।

स्थाविर, (न.) बुढ़ापा।

स्थासक, (पुं.) चलहार। जलबिन्दु

स्थास्नु, (वि.) स्थितिशील।

स्थित, (वि.) ठहरा हुआ। निश्चल।
वाला।

स्थिति, (स्त्री.) मर्य्यादा। स्थान।

स्थिर, (पु.) भूमिशाल्मली वृक्ष। पर
देवता। वृक्ष। स्वामिकार्तिक। शनि।
ज्योतिष में वृष, सिंह, वृश्चिक, और
राशियाँ। (वि.) कठिन। निश्चल

स्थिरच्छद, (वि.) अन्यस्थिर (पुं.)

स्थिरमति, (स्त्री.) स्थिरचित्त।

स्थिरयौवन, (न.) विद्याधर आदि।

स्थिरायुस्, (पु.) शाल्मली वृक्ष।

स्थुल्, (क्रि.) बढ़ना।

स्थूल, (वि.) मोटा।

स्थेय, (पु.) पञ्च। जूरी। पुरोहित।

स्थेयस, (वि.) बहुत पक्का।

स्थैर्य, (न.) स्थिरता।

स्थौल्य, (न.) मोटापन।

स्नपन, (न.) स्नान।

स्नव, (पु.) बहना। चूना।

स्नातक, (पु.) गुरु के पास विद्या पढ़ क
घर लौट कर आने वाला ब्रह्मचारी।

स्नातकव्रत, (न.) व्रतविशेष। "स्ना
वैव कुर्यात् स्नातकव्रतमादरात्"

स्नान, (न.) शोधन। सफाई।

स्नानीय, (वि.) स्नान के लिये हितकर
यथा—तैल, उबटन।

स्नायु, (स्त्री.) एक नाड़ी। रग।

स्निग्ध, (वि.) चिकना। (पुं.) चिर
सरलवृक्ष (स्त्री.) चर्बी। मेदा।

स्निग्धता, (स्त्री.) चिकनाई। प्रेम।

स्नुत, (वि.) बहा हुआ। [illegible]

स्नुषा, (स्त्री.) बहू । पुत्र की स्त्री ।
स्नेह, (पुं.) प्रेम । तेल ।
स्नेहन, (न.) तेल की मालिश ।
स्नेहभू, (स्त्री.) कफ । श्लेष्मा ।
स्नेहिन्, (पुं.) बन्धु । (वि.) स्नेह वाला ।
स्पन्द्, (क्रि.) थोड़ा काँपना ।
स्पन्द, (पुं.) थोड़ा सा हिलना । आँख का फड़कना ।
स्पर्द्ध्, (क्रि.) बहुत प्रसन्न होना । दूसरे को दबाने की इच्छा करना ।
स्पर्द्धा, (स्त्री.) अहमहमिका । दूसरे को दबाने की इच्छा । बराबरी । उन्नति ।
स्पर्श्, (क्रि.) पकड़ना । छूना । चुराना ।
स्पर्श, (पुं.) पकड़ना । रोग । युद्ध । गुप्तचर । आक्रमण । (पुं.) वायु । "क" से लेकर "म" तक के वर्ण ।
स्पश, (पुं.) चर । दूत । युद्ध ।
स्पष्ट, (वि.) व्यक्त । प्रकट । स्फुट । साफ ।
स्पृष्ट, (वि.) छुआ हुआ । (न.) छूना ।
स्पृष्टास्पृष्टि, (न.) छुआ छूत ।
स्पृह्, (क्रि.) चाहना । इच्छा करना ।
स्पृहणीय, (वि.) वाञ्छनीय । चाहने योग्य ।
स्पृहयालु, (वि.) चाहने वाला ।
स्पृहा, (स्त्री.) इच्छा । चाह ।
स्पृह्य, (वि.) वाञ्छनीय ।
स्फट्, (क्रि.) फटना ।
स्फटिक, स्फाटिक, } (पुं.) [illegible]
[illegible]
[illegible]

स्फुट, (वि.) खिला हुआ । प्र[illegible]
स्फुटा, (स्त्री.) साँप का फन [illegible]
स्फुटन, (न.) फटना । खि[illegible]
स्फुर्, (क्रि.) फुरना ।
स्फुरण, (न.) थोड़ा थोड़ा हि[illegible]
स्फूर्ज्, (क्रि.) बादल की गड़[illegible] शब्द करना ।
स्फुल, (न.) तम्बू ।
स्फुलिङ्ग, (पुं. स्त्री.) आग की [illegible]
स्फूर्जथु, (पुं.) वज्र के गिरने का [illegible]
स्फूर्ति, (स्त्री.) फुरना । फुर्ती [illegible] प्रतिभा ।
स्फूर्तिमत्, (पुं.) पशुपत मार्गी [illegible] (वि.) फुर्तीला । खिला हुआ [illegible] शाली ।
स्फेयस्, (वि.) अतिवृद्ध । बहुत [illegible]
स्फोट, (पुं.) फोड़ा ।
स्फोटक, (पुं.) फोड़ा । फोड़े [illegible]
स्फोटन, (न.) विदारण । विभाजन [illegible] [illegible]
स्फोटायन, (पुं.) व्याकरण [illegible] विशेष ।
[illegible]

स्मि, (क्रि.) ईषत् हँसना ।
स्मित, (न.) मुसकराना । थोड़ा सा हँसना ।
स्मृ, (क्रि.) याद करना ।
स्मृत, (वि.) याद किया हुआ ।
स्मृति, (स्त्री.) स्मरणशक्ति । यादगारी । मनु आदि महर्षि प्रोक्त धर्मोपदेशक शास्त्र ।
स्मृतिहेतु, (पुं.) संस्कार । वासना रूप गुण विशेष ।
स्मेर, (वि.) खिला हुआ ।
स्यद, (पुं.) वेग । जोर ।
स्यन्द्, (क्रि.) बहना ।
स्यन्द, (पुं.) प्रवाह । चूना ।
स्यन्दन, (न.) बहना । जाना । रथ । (पुं.) तिनिश का पेड़ ।
स्यन्दनारोह, (पुं.) रथ पर चढ़ कर लड़ने वाला ।
स्यन्दिन्, (वि.) टपकी । बहने वाला ।
स्यन्न, (वि.) बहा हुआ ।
स्यम्, (क्रि.) शब्द करना ।
स्यमन्तक, (पुं.) एक विख्यात मणि जो सत्राजित को सूर्य से मिली थी [illegible] जिसको पीछे श्रीकृष्ण को [illegible] थी, फिर पीछे से श्रीकृष्ण के पास थी, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
स्यूत, (वि.) सिया हुआ । (पुं.) थैला ।
स्यूति, (स्त्री.) सीवन । सिलाई ।
स्रंसन, (न.) नीचे गिरना ।
स्रंसिन्, (वि.) [illegible]
स्रग्धर, (वि.) [illegible] (न.) [illegible]
स्रज्, (स्त्री.) माला ।
स्रंस्, (क्रि.) गिरना ।
स्रस्त, (वि.) [illegible]
[illegible] (पुं.) [illegible]

स्रवत्, (न.) घृत । जल । पसीना ।
स्रवन्ती, (स्त्री.) नदी । एक औषध । (वि.) बहने वाला ।
स्रष्टृ, (पुं.) ब्रह्मा । शिव । (वि.) सृष्टिकर्ता ।
स्रस्त, (वि.) च्युत । पतित । गिरा हुआ ।
स्रस्तर, (पुं.) बिछौना ।
स्राक्, (अव्य.) झट । शीघ्र ।
स्रु, (क्रि.) बहना ।
स्रुघ्न, (पुं.) एक देश ।
स्रुच्, (स्त्री.) स्रुवा ।
स्रुत, (वि.) बहा हुआ । टपका । (स्त्री.) होम के द्रव्य की धारा ।
स्रुव, (पुं.) खैर की लकड़ी का बना हुआ [illegible]
स्रोत, (न.) प्रवाह । [illegible]
स्रोतस्, (न.) वेग से जल का निकलना । इन्द्रिय ।
स्रोतस्वत्, (वि.) [illegible] (स्त्री.) नदी ।
स्रोतस्विनी, (स्त्री.) नदी । [illegible]
स्रोतोञ्जन, (न.) [illegible]
स्रोतोवहा, (स्त्री.) नदी ।
स्व, (न.) धन । (पुं.) [illegible] (वि.) अपना ।
स्वकर्मन्, (न.) [illegible]
स्वकीय, (वि.) अपना ।
स्वगत, (वि.) [illegible]
स्वच्छ, (वि.) [illegible]
स्वच्छन्द, (वि.) [illegible]
स्वच्छन्दचारिन्, (पुं.) [illegible]
स्वज, (न.) [illegible]
स्वजन, (पुं.) [illegible]
स्वतन्त्र, (वि.) [illegible]
स्वधा, (अ.) [illegible]

स्वत्व, (न.) किसी पदार्थ पर अपना अधिकार।

स्वधर्म, (पुं.) वेदादि शास्त्र विहित अपना कर्म। [illegible] से बचाने वाला कार्य।

स्वधा, (अव्य.) पितरों के उद्देश्य से हवि का देना।

स्वधाप्रिय, (पुं.) काला तिल।

स्वधाभुज्, (पुं.) पितृगण। देवता।

स्वधिति, } (स्त्री.) कुठार।
स्वधिती, }

स्वन्, (क्रि.) शब्द करना।

स्वन, (पुं.) शब्द।

स्वनित, (वि.) शब्दित।

स्वपन, (न.) शयन। सोना। नींद।

स्वप्न, (पुं.) नींद। सपना।

स्वभाव, (पुं.) निज शील।

स्वभावोक्ति, (स्त्री.) अपने स्वभाव का कथन।

स्वभू, (पुं.) ब्रह्मा। विष्णु। शिव जी। कामदेव।

स्वयंवर, (पुं.) विवाह की एक पद्धति विशेष, जिसमें कन्या अपनी इच्छा के अनुसार वर को पसन्द कर स्वीकार करती है।

स्वयंभूत, (पुं.) [illegible]।

स्वयंदत्त, (पुं.) वह लड़का जिसने अपने को अपने आप ही दिया हो।

स्वयम्, (अव्य.) आप ही आप।

स्वर, (अव्य.) [illegible]। देवताओं के रहने का स्थान (पुं.) [illegible] [illegible]।

[illegible], (पुं.) [illegible]।

[illegible]

[illegible], (पुं.) [illegible]।

[illegible] (स्त्री.) [illegible]।

[illegible]

स्वरु, (पुं.) वज्र। यज्ञीय [illegible] तीर। सूर्य की किरण। [illegible]

[illegible], (वि.) [illegible]।

स्वरूप, (न.) अपना पदार्थ। [illegible] वाला। पण्डित। (वि.) [illegible]

स्वरूपसम्बन्ध, (पुं.) [illegible]

स्वरोदय, (पुं.) एक विद्या जिस [illegible] श्वास द्वारा भावी शुभाशुभ [illegible] जाता है।

स्वर्ग, (पुं.) [illegible] का लोक।

स्वर्गनाथ, (पुं.) इन्द्र।

स्वर्गवधू, (स्त्री.) स्वर्गलोक की स्त्रि[illegible] आदि।

[illegible], (पुं.) [illegible]।

स्वर्गिन्, (पुं.) देवता (वि.) [illegible]

स्वर्गौकस्, (पुं.) देवता।

स्वर्ण, (न.) काञ्चन। सोना। धतूरा। [illegible]

स्वर्णकाय, (पुं.) गरुड़।

स्वर्णकार, (पुं.) सुनार।

स्वर्णदी, (स्त्री.) गङ्गा।

स्वर्भानु, (पुं.) राहु।

स्वर्लोक, (पुं.) स्वर्ग।

[illegible], (स्त्री.) गङ्गा।

स्वर्वेश्या, (स्त्री.) मेनका आदि अप्स[illegible]

स्वल्प, (वि.) बहुत थोड़ा। अल्प।

स्ववासिनी, (स्त्री.) पिता के घर में [illegible]

[illegible], (स्त्री.) [illegible]

[illegible], (अव्य.) [illegible]

[illegible], (पुं. न.) [illegible]

[illegible]

[illegible]

स्वस्त्ययन, (न.) शुभ के लिये वेदविहित यह भाग आदि ।
स्वस्थ, (त्रि.) स्वर्ग में रहने वाला । सुख से रहने वाला ।
स्वस्त्रीय, (पु.) भांजा ।
स्वागत, (न) कुशल ।
स्वाति, } (पु. स्त्री) सूर्य की एक स्त्री ।
स्वाती, } अश्विनी से पन्द्रहवाँ नक्षत्र ।
स्वाद्, (क्रि.) प्रसन्न होना । स्वाद लेना । चाटना ।
स्वाद, (पुं.) रस का अनुभव । प्रसन्न होना । चाटना ।
स्वादु, (पु.) मिठाई । गुड़ । (त्रि.) चाहा हुआ । मीठा । मनोहर ।
स्वाधीन, (त्रि.) स्वतन्त्र ।
स्वाधीनपतिका, (स्त्री.) नायिका विशेष ।
स्वान्त, (न.) मन । साहाय्य ।
स्वाप, (पुं.) सोना । निद्रा । अज्ञान ।
स्वापतेय, (न.) धन । दौलत ।
स्वाभाविक, (त्रि.) स्वभाव सिद्ध ।
स्वामिन्, (त्रि.) अधिपति । ईश्वर । (पुं.) महादेव । राजा । कार्त्तिकेय । पति । वात्स्यायन मुनि । गरुड़ । परमहंस । मालिक । स्त्री का पति ।
स्वायम्भुव, (पुं.) स्वयम्भू का पुत्र । चौदह में इस नाम का पहिला मनु । (त्रि.) स्वयम्भू सम्बन्धी ।
स्वार्थिक, (त्रि.) व्याकरण का प्रत्यय विशेष ।
स्वाराज्, (पुं.) इन्द्र ।
स्वाराज्य, (न.) स्वर्ग ।
स्वार्थ, (पुं.) अपना अभिप्राय ।
स्वारोचिष, (पु.) दूसरा मनु ।
स्वास्थ्य, (न.) आरोग्य । आराम । सुख ।
स्वाहा, (स्त्री.) अग्नि की स्त्री । दुर्गा । हवन में आहुतिसूचक मन्त्र वचन । देवताओं का तृप्तिसूचक वचन ।
स्वाहाप्रिय, (पुं.) अग्नि ।
स्वाहाभुज्, (पुं.) देव । देवता ।
स्विद्, (अव्य.) प्रश्न । पादपूरण ।
स्विन्न, (त्रि.) पसीने वाला ।
स्वीकार, (पु.) मानना ।
स्वीय, (त्रि.) अपना । (स्त्री.) एक प्रकार की नायिका ।
स्वृ, (क्रि.) शब्द करना ।
स्वेच्छा, (स्त्री.) अपनी अभिलाषा ।
स्वेच्छामृत्यु, (पु.) जिसका मरना अपनी इच्छा के अनुसार हो, जैसे—"भीष्म-पितामह" इन्होंने उत्तरायण आने पर अपनी इच्छानुसार देह त्याग किया था ।
स्वेद, (पुं.) पसीना । गर्मी ।
स्वेदनी, (स्त्री.) तवा । कड़ाही । भट्टी ।
स्वैर, (न.) अपनी इच्छा । (त्रि.) अपनी इच्छा वाला ।
स्वैरिन्, (त्रि.) स्वेच्छाचारी । स्वतन्त्र । (स्त्री.) व्यभिचारिणी स्त्री ।
स्वोपार्जित, (त्रि.) अपना कमाया हुआ ।
स्वोपसर्जन, (न.) उत्सव ।

ह

ह, (पुं.) शिव । जल । आकाश । रक्त । रुदन । ध्यान । शुभस्व । स्वर्ग । दान । डर । शाव । चन्द्रमा । विष्णु । युद्ध । अश्व । अभिमान । वैद्य । कारण । कार्त्ति-केय । (न.) परमात्मा । मङ्गल । मन्त्र विशेष । रक्त की चमक । घड़ी का शब्द । (अव्य.) स्पष्ट । प्रसिद्ध ।
हंस, (पु.) मानसरोवरवासी पक्षी विशेष । परमात्मा । जीवात्मा । सूर्य । शिव । विष्णु । कामदेव । सन्यासी विशेष । शरीर मनुष्य । नरेन्द्र । स्पर्द्धा । घोड़ा ।
हंसक, (पुं) पाँव का गहना [illegible] नूपुर ।
हंसगामिनी, (स्त्री.) [illegible]
हंसवाहिनी, (स्त्री.) [illegible]

स्वती, (न.) किसी पदार्थ पर अपना अधिकार।

स्वधर्म, (पुं.) वेदादि शास्त्र विहित अपना कर्म। अधःपात से बचाने वाला कार्य।

स्वधा, (अव्य.) पितरों के उद्देश्य से हवि का देना।

स्वधाप्रिय, (पुं.) काला तिल।

स्वधाभुज्, (पुं.) पितृगण। देवता।

स्वधिति, } (स्त्री.) कुठार।
स्वधिती, }

स्वन्, (क्रि.) शब्द करना।

स्वन, (पुं.) शब्द।

स्वनित, (त्रि.) शब्दित।

स्वपन, (न.) शयन। सोना। नींद।

स्वप्न, (पुं.) नींद। सपना।

स्वभाव, (पुं.) निज शील।

स्वभावोक्ति, (स्त्री.) अपने स्वभाव का कथन।

स्वभू, (पुं.) ब्रह्मा। विष्णु। शिव जी। कामदेव।

स्वयंवर, (पुं.) विवाह की एक पद्धति विशेष, जिसमें कन्या अपनी इच्छा के अनुसार वर को पसन्द कर स्वीकार करती है।

स्वयंहस्त, (पुं.) मनमानी।

स्वयंदत्त, (पुं.) वह लड़का जिसने अपने को अपने आप ही दिया हो।

स्वयम्, (अव्य.) आप ही आप।

स्वर, (अव्य.) परलोक। आकाश। देवताओं के रहने का स्थान। (पुं.) अक्षर के उच्चारण का यत्न विशेष। गाने की आवाज।

स्वरभङ्ग, (पुं.) एक प्रकार का रोग। गले की आवाज बैठ जाना।

स्वरस, (पुं.) अपना अभिप्राय। [illegible] की रचना विशेष। किसी गीली वस्तु को कूट कर निचोड़ा गया रस।

स्वराट्, (पुं.) ईश्वर। वेद का छन्द विशेष।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

[illegible] (त्रि.) [illegible]।

स्वरु, (पुं.) वज्र। यज्ञीय स्तम्भ का टुकड़ा। तीर। सूर्य की किरण। बिच्छू भेद।

स्वरुचि, (त्रि.) स्वातन्त्र्य। स्वतन्त्रता।

स्वरूप, (न.) अपना पदार्थ। (पुं.) जानने वाला। पण्डित। (त्रि.) मनोहर।

स्वरूपसम्बन्ध, (पुं.) अपने रूप का सम्बन्ध।

स्वरोदय, (पुं.) एक विद्या जिससे नाक की श्वास द्वारा भावी शुभाशुभ का ज्ञान हो जाता है।

स्वर्ग, (पुं.) बड़े सुख का स्थान। देवताओं का लोक।

स्वर्गनाथ, (पुं.) इन्द्र।

स्वर्गवधू, (स्त्री.) स्वर्गलोक की स्त्रियाँ इन्द्राणी आदि।

स्वर्गाचल, (पुं.) सुमेरु पर्वत।

स्वर्गिन्, (पुं.) देवता (त्रि.) स्वर्गवासी।

स्वर्गौकस्, (पुं.) देवता।

स्वर्ण, (न.) कांचन। सोना। धतूरा। नागकेसर।

स्वर्णकाय, (पुं.) गरुड़।

स्वर्णकार, (पुं.) सुनार।

स्वर्णदी, (स्त्री.) गङ्गा।

स्वर्भानु, (पुं.) राहु।

स्वर्लोक, (पुं.) स्वर्ग।

स्वर्वापी, (स्त्री.) गङ्गा।

स्वर्वेश्या, (स्त्री.) मेनका आदि अप्सराएँ।

स्वल्प, (त्रि.) बहुत थोड़ा। क्षुद्र।

स्ववासिनी, (स्त्री.) पिता के घर में चिर काल तक रहने वाली स्त्री

स्वसृ, (स्त्री) बहिन।

स्वस्ति, (अव्य.) क्षेम। कल्याण। आशीर्वाद।

स्वस्तिक, (पुं. न.) [illegible] । [illegible] विशेष। [illegible] भेद। [illegible] विशेष। [illegible] का चिह्न विशेष।

स्वस्तिवाचन, (न.) [illegible]।

स्वस्तिवाचनिक, (त्रि.) [illegible]।

हरिद्वार, (न.) इस नाम का एक तीर्थ गङ्गा जी का आर्यावर्त में आने का द्वारा। गङ्गाद्वार।
हरिनामन्, (न.) हरि का नाम। (पुं.) मूँग।
हरिनेत्र, (न.) विष्णु की आँख। सफेद कमल। (पुं.) उल्लू।
हरिन्मणि, (पुं.) पन्ना।
हरिभक्त, (वि.) विष्णु का भक्त।
हरिभुज्, (पु.) सर्प।
हरिवंश, (पुं.) एक पुराण—इसके विधि-पूर्वक सुनने से पुत्रहीन को पुत्र होता है।
हरिवर्ष, (न.) जम्बुद्वीप के नौ वर्षों में से एक।
हरिवासर, (न.) एकादशी का दिन। आषाढ़ भाद्रपद और कार्तिक में क्रमशः अनुराधा, श्रवण और रेवती नक्षत्रों के प्रथम द्वितीय और चतुर्थ पादों से युक्त द्वादशी। इन द्वादशियों में भूल से पारण करने वाले का बारह महीने का फल नष्ट हो जाता है।
हरिवाहन, (न.) गरुड़। इन्द्र का वाहन। ऐरावत।
हरिवीज, (न.) हरताल।
हरिशयन, (न.) आषाढ़ शुक्ला एकादशी से कार्तिक शुक्ला [illegible] तक। [illegible] का समय। चतुर्मास। एकादशी का व्रत।
हरिश्चन्द्र, (पु.) सूर्यवंशीय। अयोध्या के एक राजा का नाम, जिन्होंने [illegible] के लिये अनेक कष्ट के सह लिये थे।
हरिसङ्कीर्तन, (न.) हरि का नाम लेना।
हरिहय, (पु.) इन्द्र।
हरिहर, (पुं.) मूर्ति विशेष [illegible] आधा भाग शिव का और आधा विष्णु का है।
हरिहरक्षेत्र, (न.) [illegible] के तट का (गङ्गा और [illegible] के सङ्गम का) एक तीर्थ विशेष।
हरीतकी, (स्त्री.) हर्रे या हर्र का पेड़।
हर्तृ, (त्रि.) चोर। (पु.) सूर्य।
हर्म्य, (न.) महल। राजप्रासाद।
हर्यक्ष, (पुं.) पीली आँख वाला। शेर। कुबेर।
हर्यश्व, (पुं.) इन्द्र। प्राचीनकाल के राजा के पृषोनिद का पुत्र।
हर्ष, (पु.) हास।
हर्षक, (पु) [illegible] योग। (वि.) हर्षद। (न) हर्ष करने वाला।
हर्षमाण, (पु.) आठ का देवता विशेष। (त्रि.) प्रसन्नचित्त।
हर्षिणी, (स्त्री.) [illegible]। (त्रि.) हर्ष करने वाली।
हर्षित, (त्रि.) प्रसन्न हुआ।
हल्, (क्रि.) खींचना।
हल, (न.) लाङ्गल। [illegible]।
हलधर, (पुं.) बलराम। किसान।
हलभूति, (स्त्री.) खेती बारी। किसानी।
हला, (स्त्री.) सखी। पृथिवी। जल।
हलायुध, (पु.) बलराम। किसान।
हलाहल, (पुं) [illegible] समुद्र मथने से पहले पहल निकला था और शिव जी ने पिया था। [illegible] ([illegible])।
हलिन, (पु) बलराम। किसान।
हव्य, (त्रि.) [illegible]।
हव, (पु.) यज्ञ। [illegible]। [illegible]।
हवन, (न.) होम।
हवनी, (स्त्री.) [illegible]।
हवनीय, (त्रि.) होम का द्रव्य।
हविष्यान्न, (न.) [illegible]

हंसमाला, (स्त्री.) हंसों की कतार।
हंसरथ, (पुं.) ब्रह्मा।
हंसारूढ़, (पुं.) ब्रह्मा। (स्त्री.) ब्रह्माणी।
हंसी, (स्त्री.) मादा हंस। बारह अक्षरों के पाद वाला छन्द विशेष।
हे हो, (अव्य.) सम्बोधन। भ्रम।
हञ्जे, हञ्जा, } (अव्य.) नाटक में चेटी का सम्बोधन।
हट, (क्रि.) चमकना।
हट्ट, (पुं.) बाजार। मण्डी। मेला।
हट्टचौरक, (पुं.) खुले मैदान चोरी करने वाला।
हठ, (पुं.) दुराग्रह।
हठयोग, (पुं.) योग का भेद।
हड्डु, (न.) हड्डी। [illegible] एक जाति।
हण्डा, (स्त्री.) मिट्टी का बड़ा पात्र। नाटक में नीच का सम्बोधन।
हत, (वि.) मारा गया। [illegible] से मारा हुआ। [illegible]। निराश।
हतक, (वि.) [illegible]।
[illegible]

हय, (क्रि.) जाना।
हय, (पुं.) घोड़ा।
हयग्रीव, (पुं.) विष्णु का अवतार विशेष। एक दैत्य।
हर, (पुं.) [illegible]। अग्नि। गधा। [illegible]। हरण। विभाजक।
हरण, (न.) दूसरे स्थान पर ले जाना। [illegible]।
हरगौरी, (स्त्री.) शिव पार्वती।
हरतेजस्, (न.) महादेव का तेज। पारा।
हरवल्लभा, (स्त्री.) गंगा।
हरि, (पुं.) विष्णु। सिंह। [illegible]। बन्दर। भेक। [illegible]। सूर्य। वायु। [illegible]। महादेव। [illegible]। किरण। [illegible]। मोर। कोयल। हंस। तोता। [illegible]। पीला। हरा [illegible]।
हरिकेश, (पुं.) एक [illegible]।
[illegible]

हिंस्र, (वि.) मारने वाला । घातक ।
हिक्क, (क्रि.) शब्द करना । चुकना । मार डालना । मार डालना ।
हिक्का, (स्त्री.) हिचकी । एक रोग विशेष (बादि) ।
हिङ्गु, (न.) हींग ।
हिण्ड्, (क्रि.) जाना । घूमना ।
हिडिम्ब, (पुं.) एक राक्षस, जिसे भीम ने मारा था ।
हिडिम्बा, (स्त्री.) हिडिम्ब राक्षस की बहिन, जिसने भीम के साथ विवाह किया और उसके पेट से घटोत्कच की उत्पत्ति हुई थी, इस घटोत्कच ने महाभारत के युद्ध में बड़ी वीरता दिखलाई थी ।
हित, (वि.) भेजा गया । हितकारी । भलाई ।
हितकारिन्, (वि.) शुभकारक । भलाई करने वाला । हितकारक ।
हितैषिन्, (वि.) हित चाहने वाला ।
हितोपदेश, (पुं.) भलाई का उपदेश । पं. विष्णुशर्मा का रचा हुआ शिक्षाप्रद कथाओं का एक ग्रन्थ ।
हिन्दोल, (पुं.) झूलना । एक राग विशेष ।
हिम, (न.) बर्फ । शीतल स्पर्श । (स्त्री.) छोटी इलायची । नागरमोथा । (पुं.) जाड़ा, पूस का महीना (या हेमन्त) । चन्दन का पेड़ । कमला । कपूर । (वि.) ठण्डा ।
हिमकर, (पुं.) चन्द्रमा । कपूर ।
हिमगिरि, (पुं.) हिमालय पर्वत ।
हिमप्रस्थ, (पुं.) हिमालय पर्वत ।
हिमवत्, (पुं.) हिमालय पर्वत ।
हिमसंहति, (स्त्री.) बर्फ का ढेर ।
हिमांशु, (पुं.) चन्द्रमा । कपूर ।
हिमागम, (पुं.) जाड़ा और पूस के मास की ऋतु । हेमन्त ऋतु ।
हिमाद्रिजा, (स्त्री.) पार्वती । [illegible]
हिमाद्रितनया, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हिमानी, (स्त्री.) बर्फ का ढेर ।
हिमाराति, (पुं.) सूर्य । आग । [illegible]
हिमालय, (पुं.) भारत की उत्तरी सीमा पर स्थित एक विशाल पर्वत का नाम ।
हिमाम्बु, (न.) ओस । कमल का फूल ।
हिरण्मय, (वि.) सोने का बना हुआ । (न.) [illegible] । (पुं.) सूर्य से रहने वाला [illegible] ।
हिरण्य, (न.) सोना । [illegible] । [illegible] ।
हिरण्यकशिपु, (पुं.) एक दैत्य, जो कश्यप ऋषि का पुत्र और प्रह्लाद का पिता था और जिसे मारने के लिये भगवान् ने नृसिंह अवतार धारण किया था ।
हिरण्यकशिपुदम, (पुं.) हिरण्यकशिपु के मारने वाले, [illegible] ।
हिरण्यगर्भ, (पुं.) ब्रह्मा । [illegible] । [illegible] । एक [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।
हिरण्यबाहु, } (पुं.) एक देव । [illegible]
हिरण्यवाहु, } एक नद ।
हिरण्यरेतस्, (पुं.) अग्नि । [illegible] ।
हिरण्याक्ष, (पुं.) कश्यप [illegible] [illegible] का पुत्र एक दैत्य, जिसे [illegible] को भगवान् ने वराह अवतार धारण कर [illegible] किया था ।
हिरुक्, (अव्य.) [illegible] ।
हिल्लोल, (वि.) [illegible] ।
हिल्लोल, (पुं.) [illegible] ।
हिह, (क्रि.) [illegible] ।
हिहाय, (अ.) ([illegible]) [illegible] ।
हिस्, (क्रि.) [illegible] ।
ही, (अव्य.) [illegible] । [illegible] [illegible] ।
हींग, (वि.) [illegible] [illegible] ।

-१

हविस्, (न.) होम योग्य प्रत्येक पदार्थ ।
हव्य, (न.) देवताओं के निमित्त । होम करने योग्य द्रव्य ।
हव्यवाह, (पुं.) अग्नि । जो हवन की चीज़ें जिनके नाम दी जायँ उन्हें पहुँचा दे ।
हस, (क्रि.) हँसना ।
हस, हास, (पुं.) हँसना ।
हसन, (न.) हास्य । हँसना ।
हसन्ती, (स्री.) अंगीठी । (क्रि.) हँसने वाली ।
हसित, (न.) हँसना (वि.) हँसा हुआ । खिला हुआ ।
हस्त, (पुं. स्री.) हाथ । हाथी की सूँड़ । अश्विनी से तेरहवाँ तारा ।
हस्तामलक, (न.) सहज ही में देखने योग्य पदार्थ । जैसे हाथ में रखा हुआ आँवला सब पूरा पूरा सहज में दीखता है । वेदान्त का ग्रन्थ विशेष । करामलक ।
हस्तिक, (न.) हाथियों का समूह ।
हस्तिदन्त, (पु.) हाथी का दाँत । घर की दीवाल में गाड़ी गयी कील ।
हस्तिन्, (पुं.) गज । हाथी । चन्द्रवंशी एक राजा ।
हस्तिनापुर, (न.) नगर । दिल्ली । पाण्डवों की राजधानी ।
हस्तिनी, (स्री.) हथिनी । स्री विशेष ।
हस्तिप, (पु.) महावत । हाथीवान् ।
हस्तिमद, (पु.) हाथी का मद । एक प्रकार का गन्ध वाला द्रव्य ।
हस्त्यारोह, (पु.) महावत । हाथीवान् ।
हा, (क्रि.) छोड़ना । त्यागना । जाना ।
हा, (अव्य.) विषाद । शोक । पीड़ा । निन्दा ।
हाटक, (न.) एक देश । उस देश में उत्पन्न सोना । धतूरा । (वि.) सोने का बना हुआ ।
हान, (न.) परित्याग । [illegible] ।
हानि, (स्री.) क्षति । नुकसान ।
हायन, (पुं.) धान । वर्ष । (स्री.) आग की लपट ।
हार, (पुं.) मोतियों की माला । बाँटने वाला । विभाजक ।
हारक, (पुं.) चोर । धूर्त । [illegible] । भाजक अङ्क । (वि.) चुराने वाला ।
हारावली, (स्री.) मोतियों की माला ।
हारिद्र, (वि.) हल्दी से रंगा हुआ । (पुं.) कदम्ब का पेड़ ।
हारिन्, (वि.) चुराने वाला । हार वाला । मनोहारी ।
हारीत, (पुं.) एक मुनि । धर्मशास्त्र बनाने वाला । एक पक्षी । धूर्त ।
हार्द, (न.) स्नेह । प्रेम । (वि.) हृदय में उत्पन्न या मन में आया हुआ ।
हार्य्य, (पुं.) बहेड़ा । (वि.) ले जाने योग्य ।
हाल, (पुं.) बलराम । हल ।
हाला, (स्री.) मद्य । तालरस की मदिरा ।
हालाहल, (पुं. न.) उग्र विष विशेष । कीड़ा विशेष (स्री.) । मदिरा । (देखो हलाहल) ।
हालिक, (वि.) किसान । हलवा ।
हाव, (पुं.) आह्वान । स्त्रियों की शृङ्गार भाव से उत्पन्न चेष्टा ।
हास्तिक, (न.) हाथी का समूह ।
हास्तिन, (न.) हस्तिनापुर । दिल्ली ।
हास्य, (न.) हँसना । अलङ्कार का रस विशेष ।
हाहाकार, (पुं.) शोक का शब्द (हाय हाय) ।
हि, (क्रि.) बढ़ना । जाना ।
हि, (अव्य.) हेतु । कारण । निश्चय । विशेष । [illegible] । क्योंकि । ठीक । [illegible] ।
हिंसक, (पुं.) [illegible] आदि हिंसक पशु । शत्रु । (वि.) हिंसा करने वाले ।
हिंसा, (स्री.) वध । किसी को अपने के [illegible] ।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ माशे की तौल । (पुं.) काले रङ्ग का घोड़ा । बुध ।
हेमकार, (पुं.) सुनार ।
हेमकूट, (पुं.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।
हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । जल ।
हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।
हेममालिन्, (पुं.) सूर्य ।
हेमाङ्ग, (पुं.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्म । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (वि.) सोने के रङ्ग जैसा ।
हेमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक प्रसिद्ध मन्त्री जिसके रचे (कई खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।
हेय, (वि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।
हेरम्ब, (पुं.) गणेश ।
हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।
हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।
हेष्, (क्रि.) घोड़ा का शब्द । हिनहिन ।
हेषा, (स्त्री.) हिनकार ।
हैहै, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।
हैतुक, (वि.) युक्तियुक्त वचन कहने वाला ।
हैम, (वि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।
हैमन, (पुं.) हेमन्त काल । (वि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न ।
हैमवत, (न.) हिमालय का । भारतवर्ष । एक प्रकार का विष ।
हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हर्रे ।
हैयङ्गवीन, (न.) नवनीत । ताजा घी ।
हैहय, (पुं.) एक देश और वहाँ का राजा । एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था ।
होड, (पुं.) बेड़ा विशेष ।
होतृ, (पुं.) ऋग्वेदज्ञ । (वि.) होम करने वाला ।
होत्र, (न.) होम की सामग्री । (स्त्री.) यज्ञशाला ।
होत्रिन्, (पुं.) होम करने वाला ।
होत्रीय, (न.) हविर्गृह । (वि.) होम सम्बन्धी ।
होम, (पुं.) देवयज्ञ ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।
होमधान्य, (न.) तिल चौर जौ ।
होमिन्, (पुं.) होम करने वाला ।
होम्य, (वि.) होम के उपयोगी घी ।
होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । लग्नसूचक शास्त्र ।
होलका, (स्त्री.) तृण आदि से अधपके गये के धान ।
होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव ।
ह्नु, (क्रि.) चोरी करना ।
ह्मल्, (क्रि.) चलना ।
ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन ।
ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ ।
ह्रद, (पुं.) गहरा तालाब । झील ।
ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी ।
ह्रसिष्ठ, (वि.) बहुत छोटा ।
ह्रसिमन्, (पुं.) छुटाई ।
ह्रसीयस्, (वि.) बहुत छोटा ।
ह्रस्व, (न.) एक प्रकार का नाप (वि.) छोटा । बौना । (पुं.) एक मात्रा के समय में उच्चारण करने योग्य लघु वर्ण । वामन । (न.) औषध विशेष ।
ह्रस्वगर्भ, (पुं.) कुश । दर्भ ।
ह्राद, (पुं.) शब्द । कोलाहल । चक्रवर्ति । हुंकार । शोर । गर्जन । कोई संख्या । भयानक ।
ह्राद्, (क्रि.) शब्द करना । गरजना ।
ह्राद, (पु.) शब्द । हिरण्यकशिपु का एक पुत्र ।

हीनवादिन्, (पु.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।

हीनाङ्ग, (त्रि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा।

हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। शिव। साँप। हार। सिंह।

हु, (क्रि.) होम करना।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।

हुड, (पुं.) मेष। बादल। चोर की रोक को पृथिवी में गाड़ी कील विशेष।

हुत, (त्रि.) होमा हुआ।

हुतभुज्, (पुं.) अग्नि।

हुतवह, हुताश, } (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।

हुति, (स्त्री.) होम।

हुम्, (अव्य.) [illegible]। प्रश्न। [illegible]। रोष।

हुहु, हूहू, } (पुं.) एक गन्धर्व।

हुङ्कार, (पुं.) [illegible] को [illegible] वाला। एक प्रकार का शब्द। हुँ शब्द।

हूत, (त्रि.) बुलाया हुआ।

हूति, (स्त्री.) [illegible]। बुलाना।

हूण, हून, } (पु.) म्लेच्छों की जाति।

[illegible], (न.) [illegible]। [illegible]।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। [illegible] वाली। सन्देह। मन का पेंच। [illegible] और अज्ञान की गाँठ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य। (त्रि.) मनोहर। चित्त [illegible]

हृदयस्थान, (न.) वक्षस्थल।

हृदयिक, (त्रि.) अच्छे चित्त वाला।

हृदयेश, (पुं.) मालिक।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती का रोमों का भौंरा।

हृदिका, (स्त्री.) कृतवर्मा की माँ।

हृदिस्पृश, (त्रि.) हृद्य। मनोहर। [illegible]

हृद्य, (न.) दालचीनी। (त्रि.) मनोहर।

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की पीड़ा

[illegible], (पु.) [illegible]। [illegible]।

[illegible], (पु.) हिचकी का रोग।

हृल्लेख, (पु.) ज्ञान। तर्क। पीड़ा विशेष। [illegible]।

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना।

हृषित, (त्रि.) प्रसन्न। विस्मित।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय। [illegible] साधन।

हृषीकेश, (पु.) विष्णु।

हृष्ट, (त्रि.) हैरान। प्रसन्न।

हृष्टमानस, (त्रि.) प्रसन्न चित्त वाला।

हृष्टरोमन्, (त्रि.) जिसके रोएँ खड़े हो गये हैं। प्रसन्नचित्त।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।

हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा।

हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। सिंह। साँप। हार। सिंह।

हु, (क्रि.) होम करना।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।

हुड, (पु.) मेष। बादल। चोर की रोक को [illegible] में लगी कील विशेष।

हुत, (वि.) होमा हुआ।

हुतभुज्, (पुं.) अग्नि।

हुतवह, } (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।
हुताश,

हुति, (स्त्री.) होम।

हुम, (अव्य.) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

हूड, } (पुं.) एक [illegible]
हुड,

हुङ्कार, (पुं.) [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible]

हूत, (वि.) [illegible] हुआ।

हूति (स्त्री.) [illegible]

हूण, } (पुं.) [illegible] की जाति।
हूण

[illegible]

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। [illegible] सन्देह। मन का [illegible]। [illegible] और अज्ञान की गाँठ।

हृदयङ्गम, (न.) [illegible] [illegible] (वि.) मनोहर। [illegible]

हृदयस्थान, (न.) [illegible]

हृदयिक, (वि.) अच्छे चित्त वाला।

हृदयेश, (पुं.) मालिक।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर [illegible] भौंरा।

हृदिस्था, (स्त्री.) [illegible] की माँ।

हृदिस्पृश, (वि.) [illegible]

हृद्य, (न.) [illegible] (वि.) [illegible]

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की [illegible]

हृल्लेखा, (पु.) [illegible]

हृल्लास, (पुं.) [illegible]

हृषीक, (पुं.) [illegible] [illegible] [illegible]

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना।

हृषित, (वि.) प्रसन्न। [illegible]

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय। [illegible]

हृषीकेश, (पुं.) विष्णु।

हृष्ट, (वि.) [illegible] प्रसन्न।

हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त [illegible]

हृष्टरोमन्, (वि.) [illegible] [illegible]

[illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।

हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा।

हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। शिव। साँप। हार। सिंह।

हु, (क्रि.) होम करना।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।

हुड, (पु.) मेघ। बादल। चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष।

हुत, (वि.) होमा हुआ।

हुतभुज्, (पु.) अग्नि।

हुतवह, हुताश, (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।

हुति, (स्त्री.) होम।

हुम्, (अव्य.) स्मरण। प्रश्न। [illegible]। रोष।

हुहू, हूहू, (पुं.) एक गन्धर्व।

हुङ्कार, (पु.) मनुष्य को बताने वाला एक प्रकार का शब्द। हँकारा।

हूत, (वि.) बुलाया हुआ।

हूति, (स्त्री.) बुलाना। पुकारना।

हूण, हून, (पु.) म्लेच्छों की जाति।

[illegible], (न.) [illegible]।

हृ, (क्रि.) ले जाना। छीन लेना। [illegible]

[illegible] (पु.) [illegible] (वि.) [illegible]

[illegible]

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। अज्ञान। सन्देह। मन का मैल। और अज्ञान की गाँठ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य। (वि.) मनोहर। [illegible]

हृदयस्थान, (न.) वक्षस्थल।

हृदयिक, (वि.) अच्छे चित्त वाला।

हृदयेश, (पुं.) मालिक।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा।

हृदिका, (स्त्री.) कृतवर्मा की माँ।

हृदिस्पृश, (वि.) प्यारा। मनोहर। [illegible]

हृद्य, (न.) दारचीनी। (वि.) मनोहर।

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी।

[illegible], (पु.) [illegible]।

हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग।

[illegible], (पु.) [illegible] विशेष। [illegible]

हृष्, (वि.) प्रसन्न होना।

हृषित, (वि.) प्रसन्न। विस्मित।

हृषीक, (न.) ज्ञानेन्द्रिय। [illegible] साधन।

हृषीकेश, (पु.) विष्णु।

हृष्ट, (वि.) [illegible]। प्रसन्न।

हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त वाला।

हृष्टरोमन्, (वि.) जिसके रोएँ खड़े हों। [illegible]

हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द। हर्ष।

हे, (अव्य.) सम्बोधन।

हेड् (क्रि.) अनादर करना।

हेति, (स्त्री.) [illegible]

[illegible]

हीनयादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विपक्षियों में बोलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लूला ।

हीर, (न. पु.) वज्र । हीरा । सिंह । साँप । हार । सिंह ।

हु, (क्रि.) होम करना ।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना ।

हुड, (पु.) मेष । बादल । चोर को रोकने की पृथिवी में गाड़ी कील विशेष ।

हुत, (वि.) होमा हुआ ।

हुतभुज्, (पु.) अग्नि ।

हुतवह, } (पुं.) आग । चित्रक वृक्ष ।
हुताश,

हुति, (स्त्री.) होम ।

हुम्, (अव्य.) स्मरण । प्रश्न । हुकम । रोष ।

हूड, } (पुं.) एक मल्लई ।
हूड,

हुङ्कार, (पु.) भयभीत को बचाने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हूत, (वि.) बुलाया हुआ ।

हूति, (स्त्री.) न्योता । बुलावा ।

हूण, } (पुं.) म्लेच्छों की जाति ।
हून,

हूर्छन, (न.) कुटिलता । विवर्तन ।

हृ, (क्रि.) ले जाना । चोरी करना । छीनाछीनी ले जाना ।

हृच्छय, (पु.) कामदेव । (वि.) हृदयशायी । हृदय में सोने वाला ।

हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष ।

हृणी, (क्रि.) निन्दा करना ।

हृणीया, (स्त्री.) निन्दा ।

हृत्ताप, (पु.) हृदय का संताप ।

हृत, (वि.) चुराया गया । अपहृत ।

हृद्, (वि.) सुन्दर चाल । (न.) हृदय । मन ।

हृदय, (न.) मन । वक्षस्थल ।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ । दुःख वाली । सन्देह । मन का मैल । अविद्या और अज्ञान की गाँठ ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य । रोचक वाक्य । (वि.) मनोहर । प्रिय वाक्य ।

हृदयस्थान, (न.) वक्षस्थल ।

हृदयिक, (वि.) अच्छे चित वाला ।

हृदयेश, (पु.) मालिक ।

हृदावर्त्त, (पुं.) घोड़े की छाती पर रोमों का भँवर ।

हृदिका, (स्त्री.) कृतवर्मा की माँ ।

हृदिस्पृश, (वि.) हृद्य । मनोहर । दुःखदायी ।

हृद्य, (न.) दालचीनी । (वि.) मनोहर ।

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।

हृल्लेखक, (पु.) मदर । पेट ।

हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग ।

हृल्लेख, (पु.) ज्ञान । तर्क । तान्त्रिक मंत्र विशेष । पश्चात्ताप ।

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।

हृषित, (वि.) प्रसन्न । विस्मित ।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।

हृषीकेश, (पु.) विष्णु ।

हृष्ट, (वि.) हर्षित । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त वाला ।

हृष्टरोमन्, (वि.) जिसके रोंगटे खड़े हो गये हैं । आनन्दित ।

हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द । हर्ष ।

हे, (अव्य.) सम्बोधन ।

हेड् (क्रि.) अनादर करना ।

हेति, (स्त्री.) अस्त्रशस्त्र । आग की लपट । सूर्य की किरण । एक प्रकार का हथियार । चमक ।

हेतु, (पु.) कारण । तर्क ।

हेतुता, (स्त्री.) कारणता ।

हेतुमत्, (वि.) हेतु वाला । कारण वाला ।

हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा जान पड़े । कुहेतु ।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । [illegible] पानी की [illegible] । (पुं.) काले रंग का घोड़ा । बुध ।
हेमकार, (पुं.) सुनार ।
हेमकूट, (पुं.) किंपुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।
हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । बर्फ ।
हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।
हेमयाजिन्, (पु.) [illegible] ।
हेमाङ्ग, (पु.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्मा । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (वि.) सोने के रंग जैसा ।
हेमाद्रि, (पु.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक धुरन्धर मन्त्री जिसके रचे (व्रत खण्ड में) दान खण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।
हेय, (वि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।
हेरम्ब, (पु.) गणेश ।
हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हेलन, (न.) अवज्ञा । तिरस्कार । अपमान ।
हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।
हेष, (वि.) [illegible] का शब्द । हिनहिनाना ।
हेषा, (स्त्री.) हिनहिनाना ।
है, (अव्य.) [illegible] । पुकारना ।
हैतुक, (वि.) हेतु से [illegible] ।
हैम, (वि.) सोने का [illegible] । सोने का बना हुआ ।
हैमन, (पु.) [illegible] (वि.) [illegible] में उत्पन्न ।
हैमवत, (न.) [illegible] एक वर्ष का नाम ।
हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हर्रे ।
हैयङ्गवीन, (न.) [illegible] ।
हैहय, (पु.) [illegible] ।
होड़, (पु.) [illegible] ।

होतृ, (पु.) ऋत्विक । (वि.) हवन करने वाला ।
होत्र, (न.) हवन की सामग्री । (स्त्री.) [illegible] ।
होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होत्रीय, (न.) [illegible] । (वि.) [illegible] ।
होम, (पु.) देवयज्ञ ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।
होमधान्य (न.) [illegible] ।
होमिन, (पु.) [illegible] ।
होम्य, (वि.) होम के [illegible] ।
होरा, (स्त्री.) [illegible] ।
होलाका, (स्त्री.) [illegible] ।
होलाकार, (स्त्री.) [illegible] ।
ह्नु, (वि.) [illegible] ।
ह्नव, (न.) [illegible] ।
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।
हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा।
हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। शिव। साँप। हार। सिंह।
हु, (क्रि.) होम करना।
हुड़, (क्रि.) इकट्ठा करना।
हुड, (पुं.) मेष। बादल। चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष।
हुत, (वि.) होमा हुआ।
हुतभुज्, (पुं.) अग्नि।
हुतवह, हुताश, (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।
हुति, (स्त्री.) होम।
हुम्, (अव्य.) स्मरण। प्रश्न। हुकम। रोक।
हुहु, हूहू, (पुं.) एक गन्धर्व।
हुङ्कार, (पु.) अवज्ञा को बताने वाला। एक प्रकार का शब्द। हुँ शब्द।
हूत, (वि.) बुलाया हुआ।
हूति, (स्त्री.) न्योता। बुलावा।
हून, हूण, (पुं.) म्लेच्छों की जाति।
हृच्छर्दन, (न.) कुटिलता। निर्भर्त्सन।
हृ, (क्रि.) ले जाना। चोरी करना। खोसली जाना।
हृच्छय, (पु.) कामदेव (वि.) हृदयशायी। हृदय में सोने वाला।
हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष।
हृणी, (क्रि.) निन्दा करना।
हृणीया, (स्त्री.) निन्दा।
हृत्कम्प, (पु.) हृदय का काँपना।
हृत, (वि.) चुराया गया। स्थानान्तरित।
हृद्, (वि.) चुराने वाला। (न.)हृदय। मन।
हृदय, (न.) मन। वक्षःस्थल।
हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। बेईमानी। सन्देह। मन का मैल। अविद्या और अज्ञान की गाँठ।
हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य। रोचक वाक्य। (वि.) मनोहर। प्रिय वाक्य।
हृदयस्थान, (न.) वक्षःस्थल।
हृदयिक, (वि.) अच्छे चित्त वाला।
हृदयेश, (पुं.) मालिक।
हृदावर्त्त, (पुं.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा।
हृदिका, (स्त्री.) कृपाचार्य की माँ।
हृदिस्पृश, (वि.) हृद्य। मनोहर। दुःखदायी।
हृद्य, (न.) दारचीनी। (वि.) मनोहर।
हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी।
हृल्लण्टक, (पु.) जठर। पेट।
हृल्लास, (पु.) हिचकी का रोग।
हृल्लेख, (पु.) ज्ञान। तर्क। तान्त्रिक मंत्र विशेष। औत्सुक्य।
हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना।
हृषित, (वि.) प्रसन्न। विस्मित।
हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय। ज्ञान का साधन।
हृषीकेश, (पुं.) विष्णु।
हृष्ट, (वि.) हैरान। प्रसन्न।
हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त वाला।
हृष्टरोमन्, (वि.) जिसके रोएं खड़े हो गये हैं। प्रसन्नचित्त।
हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द। हर्ष।
हे, (अव्य.) सम्बोधन।
हेड़्, (क्रि.) अनादर करना।
हेति, (स्त्री.) अस्त्र। बाण। आग की लाट। सूर्य की किरन। हर प्रकार का शस्त्र। चमक।
हेतु, (पु.) कारण। वजह।
हेतुता, (स्त्री.) कारणपन।
हेतुमत्, (वि.) हेतु वाला। कारण सहित।
हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा मालूम पड़े। दुर्हेतु।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ मासे की तौल । (पु.) काले रङ्ग का घोड़ा । बुध ।

हेमकार, (पु.) सुनार ।

हेमकूट, (पुं.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।

हेमन, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । वर्ष ।

हेमन्त, (पु. न.) शीतऋतु ।

हेममालिन्, (पु.) सूर्य ।

हेमाङ्ग, (पु.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्म । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (वि.) सोने के रङ्ग जैसा ।

हेमाद्रि, (पु.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मन्त्री जिसके रचे (कई खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।

र, (वि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।

म्ब, (पु.) गणेश ।

..म्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।

हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।

हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।

हेष, (क्रि.) घोड़ा का शब्द । हिनहिन ।

हेषा, (स्त्री.) हिनकार ।

हेहै, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।

हैतुक, (वि.) युक्तियुक्त वचन कहने वाला ।

हैम, (वि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।

हैमन, (पु.) हेमन्त ऋतु । (वि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न ।

हैमवत, (न.) हिमालय का । भारतवर्ष । एक प्रकार का विष ।

हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हर्रे ।

हैयङ्गवीन, (न.) मक्खन । [illegible] का ।

हैहय, (पु.) एक देश और वहाँ का राजा । एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था ।

होड, (पु.) नौका विशेष ।

होतृ, (पुं.) ऋग्वेदज्ञ । (वि.) होम करने वाला ।

होत्र, (न.) होम की सामग्री । (स्त्री.) प्रशंसा ।

होत्रिन्, (पु.) होम करने वाला ।

होत्रीय, (न.) हविर्गृह । (वि.) होम सम्बन्धी ।

होम, (पु.) देवयज्ञ ।

होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।

होमधान्य, (न.) तिल और जौ ।

होमिन्, (पुं.) होम करने वाला ।

होम्य, (वि.) होम के उपयोगी घी ।

होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । लक्षणसूचक चिह्न ।

होलका, (स्त्री.) तृण आदि से अधपके अन्नों के धान ।

होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव ।

ह्नु, (क्रि.) चोरी करना ।

ह्मल्, (क्रि.) चलना ।

ह्यस्, (अव्य.) बीता दिन ।

ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ ।

ह्रद, (पु.) गहरा तालाब । झील ।

ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी ।

ह्रसिष्ठ, (वि.) बहुत छोटा ।

ह्रसिमन्, (पु.) छुटाई ।

ह्रसीयस्, (वि.) बहुत छोटा ।

ह्रस्व, (न.) एक मात्रा का अक्षर । (वि.) छोटा । बौना । (पु.) एक मात्रा के काल में उच्चारण करने योग्य स्वर अ इ उ । बटुक । (न.) औषध विशेष ।

ह्रस्वगर्भ, (पु.) कुश । दर्भ ।

ह्राद, (पु.) शब्द । कोलाहल । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।

ह्राद्, (क्रि.) शब्द करना । [illegible] ।

ह्राद, (पु.) शब्द । हिरण्यकशिपु का एक पुत्र ।

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला । वादी विशेष ।
हीनाङ्ग, (त्रि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा ।
हीर, (न. पु.) वज्र । हीरा । शिव । साँप । हार । सिंह ।
हु, (क्रि.) होम करना ।
हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना ।
हुड, (पुं.) मेष । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गाड़ी कील विशेष ।
हुत, (त्रि.) होमा हुआ ।
हुतभुज्, (पुं.) अग्नि ।
हुतवह, } (पुं.) आग । चित्रक वृक्ष ।
हुताश, }
हुति, (स्त्री.) होम ।
हुम्, (अव्य.) स्मरण । प्रश्न । हुक्म । रोष ।
हुहु, } (पुं.) एक गन्धर्व ।
हूहू, }
हुङ्कार, (पु.) घबड़ा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हूँ शब्द ।
हूत, (त्रि.) बुलाया हुआ ।
हूति, (स्त्री.) न्योता । बुलावा ।
हूण, } (पुं.) म्लेच्छों की जाति ।
हून, }
हूर्च्छन, (न.) कुटिलता । निर्भीकता ।
हृ, (क्रि.) ले जाना । चोरी करना । जोरावरी से ले जाना ।
हृच्छय, (पु.) कामदेव (त्रि.) हृदयशायी । हृदय में सोने वाला ।
हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष ।
हृणी, (क्रि.) निन्दा करना ।
हृणीया, (स्त्री.) निन्दा ।
हृत्कम्प, (पु.) हृदय का काँपना ।
हृत, (त्रि.) चुराया गया । स्थानान्तरित ।
हृद्, (त्रि.) चुराने वाला । (न.) हृदय । मन ।
हृदय, (न.) मन । वक्षःस्थल ।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ । ऐंठ मानी । सन्देह । मन का मैल । अविद्या और अज्ञान की गाँठ ।
हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य । रोचक वाक्य । (त्रि.) मनोहर । प्रिय वाक्य ।
हृदयस्थान, (न.) वक्षःस्थल ।
हृदयिक, (त्रि.) अच्छे चित्त वाला ।
हृदयेश, (पु.) मालिक ।
हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा ।
हृदिका, (स्त्री.) कृपाचार्य की माँ ।
हृदिस्पृश, (त्रि.) हृद्य । मनोहर । दुःखदायी ।
हृद्य, (न.) दारचीनी । (त्रि.) मनोहर ।
हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी ।
हृल्लण्डक, (पु.) जठर । पेट ।
हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग ।
हृल्लेख, (पुं.) ज्ञान । तर्क । मानसिक मन विशेष । औत्सुक्य ।
हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।
हृषित, (त्रि.) प्रसन्न । विस्मित ।
हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।
हृषीकेश, (पुं.) विष्णु ।
हृष्ट, (त्रि.) हैरान । प्रसन्न ।
हृष्टमानस, (त्रि.) प्रसन्न चित्त वाला ।
हृष्टरोमन्, (त्रि.) जिसके रोएं खड़े हो गये हैं । प्रसन्नचित्त ।
हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द । हर्ष ।
हे, (अव्य.) सम्बोधन ।
हेड् (क्रि.) अनादर करना ।
हेति, (स्त्री.) अस्त्र । बाण । आग की लाट । सूर्य की किरन । [redacted] प्रकार का तेज । घाव ।
हेतु, (पुं.) कारण । फल ।
हेतुता, (स्त्री.) कारणपन ।
हेतुमत्, (त्रि.) हेतु वाला । कारण भरा ।
हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा मालूम पड़े । दुष्टहेतु ।

हेम, (न.) सोना। धतूरा। १ माशे की तौल। (पुं.) काले रंग का घोड़ा। बुध।

हेमकार, (पुं.) सुनार।

हेमकूट, (पुं.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़।

हेमन, (न.) सोना। धतूरा। नागकेसर। बर्फ।

हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु।

हेममालिन्, (पुं.) सूर्य।

हेमाह्व, (पुं.) मदार। सिंह। सुमेरु पर्वत। मदार। चम्पा का पेड़। विष्णु। (वि.) सोने के रंग जैसा।

हेमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत। सुमेरु पर्वत। दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मंत्री जिसके रचे (चार खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं।

हेय, (वि.) त्याज्य। छोड़ने योग्य।

हेरम्ब, (पुं.) गणेश।

हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा। पार्वती।

हेलन, (न.) अवज्ञा। निरादर। अपमान।

हेला, (स्त्री.) अपमान करना। शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष।

हेष, (वि.) घोड़ा का शब्द। हिनहिन।

हेषा, (स्त्री.) हिनहिनाहट।

हैहै, (अव्य.) सम्बोधन। बुलाना।

हैतुक, (वि.) युक्ति तर्क करने वाला।

हैम, (वि.) सोने का विकार। सोने का बना हुआ।

हैमन, (पुं.) हेमन्त काल। (वि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न।

हैमवत, (न.) हिमालय का एक वर्ष। एक प्रकार का विष।

हैमवती, (स्त्री.) पार्वती। हर्रे।

हैयङ्गवीन, (न.) मक्खन। ताजा घी।

हैहय, (पुं.) एक देश का नाम। वहाँ का राजा। एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था।

होड़, (पुं.) नौका विशेष।

होतृ, (पुं.) ऋग्वेदज्ञ। (वि.) होम करने वाला।

होत्र, (न.) होम की सामग्री। (स्त्री.) यज्ञशाला।

होत्रिन्, (पुं.) होम करने वाला।

होत्रीय, (न.) हविर्गृह। (वि.) होम सम्बन्धी।

होम, (पुं.) देवयज्ञ।

होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड।

होमधान्य, (न.) तिल और जौ।

होमिन्, (पुं.) होम करने वाला।

होम्य, (वि.) होम के सम्बन्ध की।

होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष। राशि का आधा भाग। रेखा। [illegible] शास्त्र।

होलका, (स्त्री.) दूध आदि में पकाये हरे के धान।

होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव।

ह्नु, (वि.) चोरी करना।

ह्यस्, (अ.) [illegible]।

ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन।

ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ।

ह्रद, (पुं.) गहरा तालाब। झील।

ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी।

ह्रसिष्ठ, (वि.) बहुत छोटा।

ह्रसिमन्, (पुं.) छोटापन।

ह्रसीयस्, (वि.) बहुत छोटा।

ह्रस्व, (न.) [illegible] (वि.) छोटा। बौना। (पुं.) [illegible] (न.) [illegible] विशेष।

ह्रस्वगर्भ, (पुं.) कुश। दर्भ।

ह्राद, (पुं.) शब्द। कोलाहल। [illegible]

ह्राद, (वि.) [illegible]

ह्री, (पुं.) [illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।

हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लूला।

हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। शिव। साँप। हार। सिंह।

हु, (क्रि.) होम करना।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।

हुड, (पु.) मेष। बादल। चोर की रोक की पृथिवी में गाड़ी कील विशेष।

हुत, (वि.) होमा हुआ।

हुतभुज्, (पुं.) अग्नि।

हुतवह, हुताश, } (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।

हुति, (स्त्री.) होम।

हुम्, (अव्य.) स्वीकार। प्रश्न। [illegible]। रोष।

हूड, हूण, } (पु.) एक [illegible]।

हुङ्कार, (पु.) भय को बताने वाला। एक प्रकार का शब्द। हुँ शब्द।

हूत, (वि.) बुलाया हुआ।

हूति, (स्त्री.) [illegible]। बुलाना।

हूण, हून, } (पुं.) म्लेच्छों की जाति।

[illegible], (न.) [illegible]।

हृ, (क्रि.) ले जाना। चोरी करना। [illegible] ले जाना।

हृच्छय, (पुं.) [illegible] (वि.) [illegible] में [illegible]।

[illegible], (न.) पेट का [illegible]।

[illegible], (क्रि.) [illegible]।

[illegible], (स्त्री.) [illegible]।

[illegible], (पु.) [illegible] का [illegible]।

हृत, (वि.) [illegible]।

हृत्, (वि.) [illegible]। (न.) [illegible]।

हृदय, (न.) [illegible]।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। ऐंचातानी। सन्देह। मन का मैल। अविद्या और अज्ञान की गाँठ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य। रोचक वाक्य। (वि.) मनोहर। प्रिय वाक्य।

हृदयस्थान, (न.) वक्षःस्थल।

हृदयिक, (वि.) अच्छे चित्त वाला।

हृदयेश, (पुं.) मालिक।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा।

हृदिका, (स्त्री.) कृतवर्मा की माँ।

हृदिस्पृश, (वि.) हृद्य। मनोहर। दुःखदायी।

हृद्य, (न.) दारचीनी। (वि.) मनोहर।

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी।

हृल्लेख, (पु.) जठर। पेट।

हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग।

हृल्लेख, (पु.) ज्ञान। तर्क। तांत्रिक मंत्र विशेष। ओंकार।

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना।

हृषित, (वि.) प्रसन्न। विस्मित।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय। ज्ञान का साधन।

हृषीकेश, (पु.) विष्णु।

हृष्ट, (वि.) हर्षित। प्रसन्न।

हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त वाला।

हृष्टरोमन्, (वि.) जिसके रोएं खड़े हो गये हैं। प्रसन्नचित्त।

हृष्टि (स्त्री.) [illegible]।

हे (अव्य.) [illegible]।

हेड् (क्रि.) [illegible] करना।

हेति, (स्त्री.) अस्त्र। [illegible]। आग की लपट। [illegible] की किरण। एक प्रकार का शस्त्र। [illegible]।

हेतु, (पु.) कारण। [illegible]।

हेतुता, (स्त्री.) [illegible]।

हेतुमत्, (वि.) हेतु वाला। कारण वाला।

हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा [illegible] [illegible]। कुहेतु।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ माशे की तौल । (पुं.) काले रङ्ग का घोड़ा । बुध ।
हेमकार, (पु.) सुनार ।
हेमकूट, (पुं.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।
हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । बर्फ ।
हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।
हेममालिन्, (पु.) सूर्य ।
हेमाङ्ग, (पुं.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्मा । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (वि.) सोने के रङ्ग जैसा ।
हेमाद्रि, (पु.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मन्त्री जिसके रचे (कई खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।
हेय, (वि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।
हेरम्ब, (पुं.) गणेश ।
हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।
हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।
हेष, (पुं.) घोड़ा का शब्द । हिनहिन ।
हेषा, (स्त्री.) हिनहिन ।
है, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।
हैतुक, (वि.) युक्ति तर्क वचन कहने वाला ।
हैम, (वि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।
हैमन, (पु.) हेमन्त काल । (वि.) हेमन्तऋतु में उत्पन्न ।
हैमवत, (न.) हिमालय का [illegible] । एक प्रकार का विष ।
हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हरें ।
हैयङ्गवीन, (न.) मक्खन । ताजा घी ।
हैहय, (पु.) एक देश [illegible] । एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुए थे ।
होड़, (पु.) बेड़ा विशेष ।
होतृ, (पु.) ऋत्विक । (वि.) होम करने वाला ।
होत्र, (न.) होम की सामग्री । ([illegible]) [illegible] ।
होत्रिन्, (पुं.) होम करने वाला ।
होत्रीय, (न.) हविर्गृह । (वि.) होम सम्बन्धी ।
होम, (पु.) देवयज्ञ ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।
होमधान्य, (न.) तिल और जौ ।
होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होम्य, (वि.) होम के सम्बन्धी घी ।
होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । ज्योतिष का ग्रन्थ ।
होलका, (स्त्री.) [illegible] ।
होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव ।
ह्नु, (वि.) [illegible] ।
[illegible], (वि.) [illegible] ।
ह्यस्, (अव्य.) [illegible] ।
ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ ।
ह्रद, (पु.) गहरा जलाशय । झील ।
ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी ।
ह्रसिष्ठ, (वि.) बहुत छोटा ।
ह्रसिमन्, (पु.) छोटापन ।
ह्रसीयस्, (वि.) बहुत छोटा ।
ह्रस्व, (न.) [illegible]
[illegible]
ह्रादिनी, (स्त्री.) [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला । वादी विशेष ।
हीनाङ्ग, (वि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुआ ।
हीर, (न. पु.) वज्र । हीरा । शिव । साँप । हार । सिंह ।
हु, (क्रि.) होम करना ।
हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना ।
हुड, (पुं.) मेष । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष ।
हुत, (वि.) होमा हुआ ।
हुतभुज्, (पु.) अग्नि ।
हुतवह, हुताश, (पुं.) आग । चित्रक वृक्ष ।
हुति, (स्त्री.) होम ।
हुम्, (अव्य.) स्मरण । प्रश्न । हुक्म । रोक ।
हुहु, हुहू, (पुं.) एक गन्धर्व ।
हुङ्कार, (पुं.) अवज्ञा को जताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।
हूत, (वि.) बुलाया हुआ ।
हूति, (स्त्री.) न्योता । बुलावा ।
हून, हूण, (पुं.) म्लेच्छों की जाति ।
हृच्छ्रेन, (न.) कुटिलता । निर्दोषन ।
हृ, (क्रि.) ले जाना । चोरी करना । जोरावरी से जाना ।
हृच्छय, (पु.) कामदेव (वि.) हृदयशायी । हृदय में सोने वाला ।
हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष ।
हृणी, (क्रि.) निन्दा करना ।
हृणीया, (स्त्री.) निन्दा ।
हृत्कम्प, (पु.) हृदय का काँपना ।
हृत, (वि.) चुराया गया । स्थानान्तरीत ।
हृत्, (वि.) चुराने वाला । (न.) हृदय । मन ।
हृदय, (न.) मन । वक्षःस्थल ।
हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ । बानी । सन्देह । मन का मैल । अविद्या और अज्ञान की गाँठ ।
हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य । ठीक वाक्य । (वि.) मनोहर । प्रिय वाक्य
हृदयस्थान, (न.) वक्षःस्थल ।
हृदयिक, (वि.) अच्छे चित्त वाला ।
हृदयेश, (पुं.) मालिक ।
हृदावर्त्त, (पुं.) घोड़े की छाती पर रोमों की भौंरा ।
हृदिका, (स्त्री.) कृपाचार्य की माँ ।
हृदिस्पृश, (वि.) हृद्य । मनोहर । दुःखदायी
हृद्य, (न.) दारचीनी । (वि.) मनोहर ।
हृद्रोग, (पु.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी
हृल्लएटक, (पु.) जठर । पेट ।
हृल्लास, (पु.) हिचकी का रोग ।
हृल्लेख, (पुं.) ज्ञान । तर्क । तान्त्रिक मन्त्र विशेष । चिन्तन ।
हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।
हृषित, (वि.) प्रसन्न । विस्मित ।
हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञान का साधन ।
हृषीकेश, (पुं.) विष्णु ।
हृष्ट, (वि.) हैरान । प्रसन्न ।
हृष्टमानस, (वि.) प्रसन्न चित्त वाला ।
हृष्टरोमन्, (वि.) जिसके रोएं खड़े हो गये हैं । प्रसन्नचित्त ।
हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द । हर्ष ।
हे, (अव्य.) सम्बोधन ।
हेड् (क्रि.) अनादर करना ।
हेति, (स्त्री.) अस्त्र । बाण । आग की लाट । सूर्य की किरन । हर प्रकार का तेज । चमक ।
हेतु, (पु.) कारण । वजह ।
हेतुता, (स्त्री.) कारणपन ।
हेतुमत्, (वि.) हेतु वाला । कारण सहित ।
हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा जान पड़े । कुहेतु ।

हेम, (न.) सोना। धतूरा। २ मासे की तौल। (पु.) काले रङ्ग का घोड़ा। बुध।
हेमकार, (पु.) सुनार।
हेमकूट, (पुं.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़।
हेमज, (न.) सोना। धतूरा। नागकेसर। वर्क।
हेमन्त, (पु. न.) शीतऋतु।
हेममालिन्, (पु.) सूर्य।
हेमाङ्ग, (पुं.) गरुड़। सिंह। सुमेरु पर्वत। ब्रह्म। चम्पा का पेड़। विष्णु। (वि.) सोने के रङ्ग जैसा।
हेमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत। सुमेरु पर्वत। दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मंत्री जिसके रचे (कई ग्रन्थ हैं) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं।
हेय, (वि.) त्याज्य। छोड़ने योग्य।
हेरम्ब, (पु.) गणेश।
हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा। पार्वती।
हेलन, (न.) अवज्ञा। निरादर। अपमान।
हेला, (स्त्री.) अपमान करना। शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष।
हेष, (वि.) घोड़ा का शब्द। हिनहिन।
हेषा, (स्त्री.) हिनकार।
हेहै, (अव्य.) सम्बोधन। बुलाना।
हैतुक, (वि.) युक्ति युक्त वचन कहने वाला।
हैम, (वि.) सोने का विकार। सोने का बना हुआ।
हैमन, (पु.) हेमन्त काल। (वि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न।
हैमवत, (न.) हिमालय का समीपवर्ती। एक प्रकार का विष।
हैमवती, (स्त्री.) पार्वती। हर्रे।
हैयङ्गवीन, (न.) मक्खन। ताजा घी।
हैहय, (पु.) एक देश और वहाँ का राजा। एक क्षत्र जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था।
होड़, (पु.) [illegible] विशेष।

होतृ, (पु.) ऋग्वेदज्ञ। (वि.) होम करने वाला।
होत्र, (न.) होम की सामग्री। (स्त्री.) प्रशंसा।
होत्रिन्, (पुं.) होम करने वाला।
होत्रीय, (न.) हविर्गृह। (वि.) होम सम्बन्धी।
होम, (पुं.) देवयज्ञ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड।
होमधान्य, (न.) तिल और जौ।
होमिन्, (पु.) होम करने वाला।
होम्य, (वि.) होम के उपयोग की।
होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष। राशि का आधा भाग। घण्टा। [illegible] शास्त्र।
होलका, (स्त्री.) तृण आदि से भूनने लायक के धान।
होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव।
ह्नु, (वि.) चोरी करना।
ह्मल्, (वि.) चलना।
ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन।
ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ।
ह्रद, (पु.) गहरा तालाब। झील।
ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी।
ह्रसिष्ठ, (वि.) बहुत छोटा।
ह्रसिमन्, (पु.) छोटाई।
ह्रसीयस्, (वि.) बहुत छोटा।
ह्रस्व, (न.) एक मात्रा का अक्षर। (वि.) छोटा। बौना। (पु.) [illegible] (न.) [illegible] विशेष।
ह्रस्वगर्भ, (पु.) कुश। दर्भ।
ह्राद, (पु.) शब्द। [illegible]
ह्री, (वि.) [illegible]
ह्राद, (पु.) शब्द। [illegible]

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला। वादी विशेष।

हीनाङ्ग, (त्रि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुला।

हीर, (न. पु.) वज्र। हीरा। शिव। साँप। हार। सिंह।

हु, (क्रि.) होम करना।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना।

हुड, (पुं.) मेष। बादल। चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष।

हुत, (त्रि.) होमा हुआ।

हुतभुज्, (पु.) अग्नि।

हुतवह, हुताश, } (पुं.) आग। चित्रक वृक्ष।

हुति, (स्त्री.) होम।

हुम्, (अव्य.) स्मरण। प्रश्न। हुक्म। रोक।

हुहु, हूहू, } (पुं.) एक गन्धर्व।

हुङ्कार, (पु.) भय को बताने वाला। एक प्रकार का शब्द। हुं शब्द।

हूत, (त्रि.) बुलाया हुआ।

हूति, (स्त्री.) बुलाना। पुकारना।

हूण, हून, } (पुं.) म्लेच्छों की जाति।

[illegible], (न.) [illegible]। [illegible]।

हृ, (क्रि.) ले जाना। चोरी करना। [illegible] ले जाना।

हृच्छय, (पु.) कामदेव। (त्रि.) हृदयस्थायी। हृदय में सोने वाला।

हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष।

हृणीय, (क्रि.) निन्दा करना।

हृणीया, (स्त्री.) निन्दा।

[illegible], (पु.) हृदय का [illegible]।

हृत, (त्रि.) चुराया [illegible]। [illegible]।

हृत्, (त्रि.) चुराने वाला। (न.) हृदय। मन।

हृदय, (न.) [illegible]। [illegible]।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ। ऐंचा तानी। सन्देह। मन का मैल। अविद्या और अज्ञान की गाँठ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य। रोचक वाक्य। (त्रि.) मनोहर। प्रिय वाक्य।

हृदयस्थान, (न.) वक्षःस्थल।

हृदयिक, (त्रि.) अच्छे चित्त वाला।

हृदयेश, (पु.) मालिक।

हृदयावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा।

हृदिका, (स्त्री.) कृतवर्मा की माँ।

हृदिस्पृश, (त्रि.) हृद्य। मनोहर। दुःखदायी।

हृद्य, (न.) दारचीनी। (त्रि.) मनोहर।

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी।

हृदण्टक, (पु.) जठर। पेट।

हृल्लास, (पु.) हिचकी का रोग।

हृल्लेख, (पु.) ज्ञान। तर्क। तान्त्रिक मंत्र विशेष। ह्रींकार।

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना।

हृषित, (त्रि.) प्रसन्न। विस्मित।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय। ज्ञान का साधन।

हृषीकेश, (पु.) विष्णु।

हृष्ट, (त्रि.) हैरान। प्रसन्न।

हृष्टमानस, (त्रि.) प्रसन्न चित्त वाला।

हृष्टरोमन्, (त्रि.) जिसके रोएँ खड़े हो गये हैं। प्रफुल्लित।

हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द। हर्ष।

हे, (अव्य.) [illegible]।

हेड्, (क्रि.) अनादर करना।

हेति, (स्त्री.) अस्त्र। बाण। आग की लपट। सूर्य की किरण। एक प्रकार का हथियार। [illegible]।

हेतु, (पु.) कारण। [illegible]।

हेतुता, (स्त्री.) कारणत्व।

हेतुमत्, (त्रि.) हेतु वाला। कारण [illegible]।

हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा जान पड़े। दुष्ट हेतु।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ माशे की तौल । (पुं.) काले रङ्ग का घोड़ा । बुध ।
हेमकार, (पुं.) सुनार ।
हेमकूट, (पु.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।
हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । बर्फ़ ।
हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।
हेममालिन्, (पु.) सूर्य ।
हेमाङ्ग, (पु.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्म । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (त्रि.) सोने के रङ्ग जैसा ।
हेमाद्रि, (पुं.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मंत्री जिसके रचे (कई खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।
हेय, (त्रि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।
हेरम्ब, (पु.) गणेश ।
हेरम्बजननी, (स्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।
हेला, (स्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।
हेष, (क्रि.) घोड़ा का शब्द । हिनहिन ।
हेषा, (स्री.) हिनकार ।
हैहै, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।
हैतुक, (त्रि.) युक्तियुक्त वचन कहने वाला ।
हैम, (त्रि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।
हैमन, (पु.) हेमन्त काल । (त्रि.) हेमन्तऋतु में उत्पन्न ।
हैमवत, (न.) हिमालय का । भारतवर्ष । एक प्रकार का विष ।
हैमवती, (स्री.) पार्वती । हर्रे ।
हैयङ्गवीन, (न.) नवनीत । ताज़ा घी ।
हैहय, (पु.) एक देश और वहाँ का राजा । एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था ।
होड, (पु.) नौका विशेष ।
होतृ, (पुं.) ऋग्वेदज्ञ । (त्रि.) होम करने वाला ।
होत्र, (न.) होम की सामग्री । (स्री.) प्रशंसा ।
होत्रिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होत्रीय, (न.) हविर्गृह । (त्रि.) होम सम्बन्धी ।
होम, (पु.) देवयज्ञ ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।
होमधान्य, (न.) तिल और जौ ।
होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होम्य, (त्रि.) होम के उपयोगी घी ।
होरा, (स्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । लग्नसूचक शास्त्र ।
होलका, (स्री.) तृण आदि से अधपके शमी के धान ।
होलाका, (स्री.) होली का उत्सव ।
ह्नु, (क्रि.) चोरी करना ।
ह्मल्, (क्रि.) चलना ।
ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन ।
ह्यस्तन, (त्रि.) बीते दिन का हुआ ।
ह्रद, (पु.) गहरा तालाब । झील ।
ह्रदिनी, (स्री.) नदी ।
ह्रसिष्ठ, (त्रि.) बहुत छोटा ।
ह्रसिमन्, (पु.) छुटाई ।
ह्रसीयस्, (त्रि.) बहुत छोटा ।
ह्रस्व, (न.) एक प्रकार का नाप (त्रि.) छोटा । बौना । (पु.) एक मात्रा के समय में उच्चारण करने योग्य लघु वर्ण । वामन । (न.) औषध विशेष ।
ह्रस्वगर्भ, (पुं.) कुश । दर्भ ।
ह्राद, (पु.) शब्द । कोलाहल । चहचही । सुनाई । शोक । दहाड़ । छोटी सरकता । अभाव ।
ह्राद्, (क्रि.) शब्द करना । बजाना ।
ह्राद, (पु.) शब्द । हिरण्यकशिपु का एक पुत्र ।

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाङ्ग, (त्रि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुञ्जा ।

हीर, (न. पु.) वज्र । हीरा । शिव । साँप । हार । सिंह ।

हु, (क्रि.) होम करना ।

हुड्, (क्रि.) इकट्ठा करना ।

हुड, (पुं.) मेघ । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष ।

हुत, (त्रि.) होमा हुआ ।

हुतभुज्, (पु.) अग्नि ।

हुतवह, **हुताश**, (पुं.) आग । चित्रक वृक्ष ।

हुति, (स्त्री.) होम ।

हुम्, (अव्य.) स्मरण । प्रश्न । हुकम । रोक ।

हुहु, **हुहू**, (पुं.) एक गन्धर्व ।

हुङ्कार, (पु.) अवज्ञा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हूत, (त्रि.) बुलाया हुआ ।

हूति, (स्त्री.) न्योता । बुलावा ।

हून, **हूण**, (पुं.) म्लेच्छों की जाति ।

हृच्छेदन, (न.) कुटिलता । निर्धारन ।

हृ, (क्रि.) ले जाना । चोरी करना । जोरावरी ले जाना ।

हृच्छय, (पु.) कामदेव (त्रि.) हृदयशायी । हृदय में सोने वाला ।

हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष ।

हृणी, (क्रि.) निन्दा करना ।

हृणीया, (स्त्री.) निन्दा ।

हृत्कम्प, (पु.) हृदय का काँपना ।

हृत, (त्रि.) चुराया गया । स्थानान्तरित ।

हृत्, (त्रि.) चुराने वाला । (न.) हृदय । मन ।

हृदय, (न.) मन । वक्ष-स्थल ।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृद[illegible] वाली । सन्देह । मन और अज्ञान की गाँठ ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य । (त्रि.) मनोहर[illegible]

हृदयस्थान, (न.) वक्षस्थ[illegible]

हृदयिक, (त्रि.) अच्छे चित्त[illegible]

हृदयेश, (पु.) मालिक ।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती[illegible] भौंरा ।

हृदिका, (स्त्री.) कृपाचार्य की मौ[illegible]

हृदिस्पृश, (त्रि.) हृद्य । मनोहर । [illegible]

हृद्य, (न.) दालचीनी । (त्रि.) म[illegible]

हृद्रोग, (पुं.) हृदय की एक प्रकार की[illegible]

हृल्लण्टक, (पु.) जठर । पेट ।

हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग ।

हृल्लेख, (पु.) ज्ञान । तर्क । तान्त्रिक[illegible] विशेष । औत्सुक्य ।

हृष्, (क्रि.) प्रसन्न होना ।

हृषित, (त्रि.) प्रसन्न । विस्मित ।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञान का[illegible] साधन ।

हृषीकेश, (पुं.) विष्णु ।

हृष्ट, (त्रि.) हैरान । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, (त्रि.) प्रसन्न चित्त वाला ।

हृष्टरोमन्, (त्रि) जिसके रोएँ खड़े हो गए हैं । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द । हर्ष ।

हे, (अव्य.) सम्बोधन ।

हेड् (क्रि.) अनादर करना ।

हेति, (स्त्री.) अस्त्र । बाण । आग की लाट । सूर्य की किरन । हर प्रकार का तेज । चमक ।

हेतु, (पु.) कारण । पक्ष ।

हेतुता, (स्त्री.) कारणपन ।

हेतुमत्, (त्रि.) हेतु वाला । कारण सहित ।

हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा मालूम पड़े । दुष्टहेतु ।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ मासे की तौल । (पुं.) काले रङ्ग का घोड़ा । बुध ।
हेमकार, (पु.) सुनार ।
हेमकूट, (पु.) किम्पुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।
हेमन्, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । बर्फ ।
हेमन्त, (पुं. न.) शीतऋतु ।
हेममालिन्, (पु.) सूर्य ।
हेमाङ्ग, (पु.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्म । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (त्रि.) सोने के रङ्ग जैसा ।
हेमाद्रि, (पु.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक सुप्रसिद्ध मंत्री जिसके रचे (कई खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।
हेय, (त्रि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।
हेरम्ब, (पु.) गणेश ।
हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।
हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।
हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।
हेष्, (क्रि.) घोड़ा का शब्द । हिनहिन ।
हेषा, (स्त्री.) हिनकार ।
हेहे, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।
हैतुक, (त्रि.) युक्तियुक्त वचन कहने वाला ।
हैम, (त्रि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।
हैमन, (पु.) हेमन्त काल । (त्रि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न ।
हैमवत, (न.) हिमालय का । भारतवर्ष । एक प्रकार का विष ।
हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हर्रे ।
हैयङ्गवीन, (न.) नवनीत । ताजा घी ।
हैहय, (पु.) एक देश और वहाँ का राजा । एक वंश जिसमें सहस्रार्जुन हुआ था ।
होड, (पु.) नौका विशेष ।
होतृ, (पु.) ऋग्वेदज्ञ । (त्रि.) होम करने वाला ।
होत्र, (न.) होम की सामग्री । (स्त्री.) प्रशंसा ।
होत्रिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होत्रीय, (न.) हविर्गृह । (त्रि.) होम सम्बन्धी ।
होम, (पु.) देवयज्ञ ।
होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।
होमधान्य, (न.) तिल और जौ ।
होमिन्, (पु.) होम करने वाला ।
होम्य, (त्रि.) होम के उपयोगी घी ।
होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । लग्नानुसार शास्त्र ।
होलका, (स्त्री.) तृण आदि से अधपके शमी के धान ।
होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव ।
ह्नु, (क्रि.) चोरी करना ।
ह्मल्, (क्रि.) चलना ।
ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन ।
ह्यस्तन, (त्रि.) बीते दिन का हुआ ।
ह्रद, (पु.) गहरा तालाब । भौंर ।
ह्रदिनी, (स्त्री.) नदी ।
ह्रसिष्ठ, (त्रि.) बहुत छोटा ।
ह्रसिमन्, (पु.) छुटाई ।
ह्रसीयस्, (त्रि.) बहुत छोटा ।
ह्रस्व, (न.) एक प्रकार का नाप (त्रि.) छोटा । बौना । (पु.) एक मात्रा के समय में उच्चारण करने योग्य लघु वर्ण । वामन । (न.) औषध विशेष ।
ह्रस्वगर्भ, (पुं.) कुश । दर्भ ।
ह्रास, (पु.) शब्द । कोलाहल । अवनति । बुराई । शोक । दलाह । थोड़ा रूखा । अभाव ।
ह्राद्, (क्रि.) शब्द करना । गरजना ।
ह्राद, (पु.) शब्द । हिरण्यकशिपु का एक पुत्र ।

हीनवादिन्, (पुं.) यथार्थ विषय को छोड़ कर विषयान्तरों में बोलने वाला । वादी विशेष ।

हीनाङ्ग, (त्रि.) न्यून अङ्ग वाला, जैसे-लङ्गड़ा, अन्धा, लुआ ।

हीर, (न. पु.) वज्र । हीरा । शिव । साँप । हार । सिंह ।

हु, (कि.) होम करना ।

हुड्, (कि.) इकट्ठा करना ।

हुड, (पुं.) मेघ । बादल । चोर की रोक को पृथिवी में गड़ी कील विशेष ।

हुत, (त्रि.) होमा हुआ ।

हुतभुज्, (पु.) अग्नि ।

हुतवह, } **हुताश**, } (पुं.) आग । चित्रक वृक्ष ।

हुति, (स्त्री.) होम ।

हुम्, (अव्य.) स्मरण । प्रश्न । हुक्म । रोक ।

हुहु, } **हुहू**, } (पुं.) एक गन्धर्व ।

हुङ्कार, (पु.) अवज्ञा को बताने वाला । एक प्रकार का शब्द । हुँ शब्द ।

हूत, (त्रि.) बुलाया हुआ ।

हूति, (स्त्री.) न्योता । बुलावा ।

हूण, } **हूण**, } (पुं.) म्लेच्छों की जाति ।

हूच्छन, (न.) कुटिलता । निर्भीकता ।

हृ, (कि.) ले जाना । चोरी करना । जोरावरी से जाना ।

हृच्छय, (पु.) कामदेव (त्रि.) हृदयशायी । हृदय में सोने वाला ।

हृच्छूल, (न.) पेट का रोग विशेष ।

हृणी, (कि.) निन्दा करना ।

हृणीया, (स्त्री.) निन्दा ।

हृत्कम्प, (पु.) हृदय का काँपना ।

हृत, (त्रि.) चुराया गया । स्थानान्तरित ।

हृत्, (त्रि.) चुराने वाला । (न.) हृदय । मन ।

हृदय, (न.) मन । वक्षस्थल ।

हृदयग्रन्थि, (पु.) हृदय की गाँठ । एैं वानी । सन्देह । मन का मैल । अविद्या और अज्ञान की गाँठ ।

हृदयङ्गम, (न.) युक्तियुक्त वाक्य । रोचक वाक्य । (त्रि.) मनोहर । प्रिय वाक्य ।

हृदयस्थान, (न.) वक्षस्थल ।

हृदयिक, (त्रि.) अच्छे चित्त वाला ।

हृदयेश, (पु.) मालिक ।

हृदावर्त्त, (पु.) घोड़े की छाती पर रोमों का भौंरा ।

हृदिका, (स्त्री.) कृपाचार्य की माँ ।

हृदिस्पृश, (त्रि.) हृद्य । मनोहर । दुःखदा

हृद्य, (न.) दारचीनी । (त्रि.) मनोहर ।

हृद्रोग, (पु.) हृदय की एक प्रकार की बीमारी

हृल्लएटक, (पु.) जठर । पेट ।

हृल्लास, (पुं.) हिचकी का रोग

हृल्लेख, (पुं.) ज्ञान । तर्क । विशेष । औत्सुक्य ।

हृष्, (कि.) प्रसन्न होना ।

हृषित, (त्रि.) प्रसन्न । विस्मित ।

हृषीक, (न.) चक्षुरादि इन्द्रिय । ज्ञा साधन ।

हृषीकेश, (पुं.) विष्णु ।

हृष्ट, (त्रि.) हैरान । प्रसन्न ।

हृष्टमानस, (त्रि.) प्रसन्न चित्त वाला ।

हृष्टरोमन्, (त्रि.) जिसके रोएँ खड़े हो गए हैं । प्रसन्नचित्त ।

हृष्टि, (स्त्री.) आनन्द । हर्ष ।

हे, (अव्य.) सम्बोधन ।

हेड् (कि.) अनादर करना ।

हेति, (स्त्री.) अस्त्र । शस्त्र । आग की सूर्य की किरन । हर प्रकार का तेज

हेतु, (पु.) कारण । फल ।

हेतुता, (स्त्री.) कारणता ।

हेतुमत्, (त्रि.) हेतु वाला । कारण वाला ।

हेत्वाभास, (पु.) जो कारण जैसा न हो । दुष्टहेतु ।

हेम, (न.) सोना । धतूरा । १ माशे की तौल । (पु.) काले रंग का घोड़ा । बुध ।

हेमकार, (पु.) सुनार ।

हेमकूट, (पु.) किंपुरुषवर्ष का एक पहाड़ ।

हेमन, (न.) सोना । धतूरा । नागकेसर । वर्ष ।

हेमन्त, (पु. न.) शीतऋतु ।

हेममालिन्, (पु.) सूर्य ।

हेमाङ्ग, (पु.) गरुड़ । सिंह । सुमेरु पर्वत । ब्रह्म । चम्पा का पेड़ । विष्णु । (वि.) सोने के रङ्ग जैसा ।

हेमाद्रि, (पु.) सोने का पर्वत । सुमेरु पर्वत । दक्षिण के किसी राजा का एक धर्मज्ञ मंत्री जिसके रचे (चौ खण्ड में) दानखण्ड, श्राद्धखण्ड आदि ग्रन्थ बड़े प्रामाणिक माने जाते हैं ।

हेय, (वि.) त्याज्य । छोड़ने योग्य ।

हेरम्ब, (पु.) गणेश ।

हेरम्बजननी, (स्त्री.) दुर्गा । पार्वती ।

हेलन, (न.) अवज्ञा । निरादर । अपमान ।

हेला, (स्त्री.) अपमान करना । शृङ्गार भाव से उत्पन्न स्त्रियों की चेष्टा विशेष ।

हेष, (वि.) घोड़े का शब्द । हिनहिन ।

हेषा, (स्त्री.) हिनहिनाहट ।

हैहै, (अव्य.) सम्बोधन । बुलाना ।

हैतुक, (वि.) युक्तिमूल वचन कहने वाला ।

हैम, (वि.) सोने का विकार । सोने का बना हुआ ।

हैमन, (पु.) हेमन्त काल । (वि.) हेमन्त ऋतु में उत्पन्न ।

हैमवत, (न.) हिमालय का । भारतवर्ष । एक प्रकार का विष ।

हैमवती, (स्त्री.) पार्वती । हरें ।

हैयङ्गवीन, (न.) मक्खन । ताजा घी ।

हैहय, (पु.) एक देश और वहाँ का राजा । एक यदु जिसके [illegible] हुआ था ।

होड़, (पु.) नौका विशेष ।

होतृ, (पु.) ऋत्विक् । (वि.) होम करने वाला ।

होत्र, (न.) होम की सामग्री । (स्त्री.) प्रशंसा ।

होत्रिन्, (पु.) होम करने वाला ।

होत्रीय, (न.) होतृगृह । (वि.) होम सम्बन्धी ।

होम, (पु.) देवयज्ञ ।

होमकुण्ड, (न.) होम के लिये कुण्ड ।

होमधान्य, (न.) तिल और जौ ।

होमिन्, (पु.) हवन करने वाला ।

होम्य, (वि.) होम के सम्बन्धी घी ।

होरा, (स्त्री.) ज्योतिष की लग्न विशेष । राशि का आधा भाग । रेखा । [illegible] शास्त्र ।

होलका, (स्त्री.) [illegible] के धान ।

होलाका, (स्त्री.) होली का उत्सव ।

ह्नु, (वि.) [illegible] ।

ह्रस्, (वि.) [illegible] ।

ह्यस्, (अव्य.) पिछला दिन ।

ह्यस्तन, (वि.) बीते दिन का हुआ ।

ह्रद, (पु.) गहरा जलाशय । झील ।

ह्रादिनी, (स्त्री.) नदी ।

ह्रिण, (वि.) [illegible] ।

ह्रिस्त्र, (पु.) [illegible] ।

ह्रीयमाण, (वि.) [illegible] ।

ह्रस्व, (न.) एक प्रकार का [illegible] (वि.) [illegible] । (पु.) [illegible]

ह्लादकारी, (पु.) [illegible] ।

ह्लाद, (पु.) [illegible]

ह्राद, (वि.) [illegible]

ह्राद, (पु.) [illegible]